# 3-1रित का

राजपव

# The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

. PUBLISHED BY AUTHORITY

18] No. 181 नई किली, शनिकार, मई 4, 1985 ( वैशाख 14, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, MAY 4, 1985 (VAISAKHA 14, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी **जाती है जिससे कि यह** अ**लय संस्कान के रूप में रखा जा सके** (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# THE ILL STREET

# [PART W-MECTION 1]

क्रमुह स्वामासमों, नियम्बनः और महासेबापरीक्रम, संब लोक सेका आयोग, रेख विभाग और भारत सरकार के संबन्त और क्यीन कार्यक्रयों द्वारा कारी की गई अधिसूचनाएं

Tiblic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 फरवरी, 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-II—सिचव, संघ लोक सेवा ओग एतव्हारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स् तकनीकी सहायक (हाल०) श्रौर सम्प्रति अन्वेषक (त० सं०) श्रीमती टी० जी० मारीकुट्टी को आयोग के कार्यालय में 1-2-1985 से आगामी आवेशों तक अधीक्षक (त० सं०) (ग्रुप 'ख'—राजपन्नित ६० 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 मार्च, 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रणा०-1—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिस्चना दिनांक 2 मार्च, 1985 द्वारा पूर्व जारी किए गए आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के अधिकारी श्री के० एस० भुटानी, जिन्हें 4-2-85 से 21-3-85 तक निजी सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया था, 2 मार्च, 1985 (अप०) से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर प्रत्यावर्तित समझ आएगा।

दिनांक 27 मार्च, 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के नियमित अनुभाग अधिकारी श्री एन० पी० एस० गुजराल को राष्ट्रपति द्वारा 1-4-85 से 30-6-85 तक की अवधि के लिये आगामी आदेशों तक अथवा जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

श्री एन० पी० एस० गुजराल कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० स० 12/1/74-सी० एस०(1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की धर्ती के अनुसार रु० 75/-प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 2 अप्रैल, 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III—राष्ट्रपति, संघ लोक सेदा आयोग के संवर्ग के नियसित सहायक श्री प्रहलाव सिंह को सं० लो० से० आ० के कार्यालय में 8-4-1985 से 22-5-85 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

(15293)

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-1 संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के नियमित अनुभाग अधिकारी श्री कृष्ण लाल II को राष्ट्रपति द्वारा 8-4-85 से 7-6-85 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाना है।

श्री कृष्ण लाल II कार्मिक ग्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का॰ ता॰ सं॰ 12/1/74-सी॰ एस॰ (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शतौँ के अनुसार रु॰ 75/- प्र॰ मा॰ की॰ दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

एम०पी०जैन अवर सचिव (प्रशा०) संघ लोकसेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 1985

सं० ए०/19015/25/84-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना निपुरा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री अमलेंदु देव राय, पुलिस उपाधीक्षक को दिनांक 27-3-1985 के पूर्वीह से अगले आदेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में, प्रतिनियुक्ति पर, स्थानापस पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 11 अप्रैल, 1985

स्०ए०-19014/8/84-प्रशासन-5--श्री बी० आर० पुरी, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, एस० आई० सी० शाखा की सेवाएं दिनांक एक अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से श्री एस० आनन्दराम, विशेष आयुक्त की अध्यक्षता में विशेषण अन्वेषण दल को सीपी जाती हैं।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना) के०अ० ब्यूरो

# पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

सं० 3/32/83-प्रशा०-1—-उत्तर प्रदेश संवर्ग के अधिकारी श्री काली गंकर विपाठी, आई० पी० एस० जो कि पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्युरो, गृह मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति के आधार पर निदेशक (प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्त हैं, को भारत सरकार की नौकरी से सेवा निवृत्त होने पर 31 मार्च, 1985 की अपराह्र से कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

#### विनांक 15 अप्रैल 1985

सं० 3/3/81-प्रणा० 1—-संघ गासित संवर्ग में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप श्री पी० आर० एस० वरार, आई० पी० एस० (यू० टी०-70) को दिनांक 4 अप्रैल, 1985 से प्रधानाचार्य, केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल, चंडीगढ़ के पद से कार्य-मुक्त किया जाता है।

एस० के० मल्लिक, महानिदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल नई दिल्ली-3, दिनांक 9 अप्रैल 1985

सं० श्रो० दो०-2/85-प्रशासन-3—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री मोहन सिंह, सूबेदार मेजर (कार्यालय अधीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 28 मार्च, 1985 (पूर्वाह्र) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

## दिनांक 15 अप्रैल. 1985

सं० श्रो० दो-3/85-प्रशासन-3 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री सी० एस० नागर, सूबेदार मेजर (कार्यालय अधीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 4 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्र) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

> किशन लाल उपनिदेशक (प्रशासन)

# नई दिल्ली-110003, विनांक 9 अप्रैल 1985

मं० ए० फ०1/83-स्थापना-1-भाग-IV—-राष्ट्रपति निम्न-लिखित को अस्थाई रूप में अगले आदेश जारी होने तक, के० रि० पु० बल में पुलिस उप-अधीक्षक (कम्पनी कमान्डर/क्वार्टर-मास्टर) के पद पर उनके सामने लिखी तिथियों से आई० एस० ए० में० नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	अधिकारी का नाम	कार्यभार संमालने की तिथि
2. श्रीदी 3. श्रीरा	जेन्द्र प्रसाद पान्डे पक सीयर मोसेस केश कुमार सिंह ऽ विजय कुमार	13-3-85 (अपराह्र) 30-11-84(पूर्वाह्र) 12-12-84(अपराह्र) 13-3-85(अपराह्र)

#### दिनांक 11 अप्रैल, 1985

सं० पी० सात-5/85-स्थापना-1— के० रि० पु० बल के निम्नलिखित कमांडेन्टों की सलेक्शन ग्रेड कमांडेन्ट के पदों पर उनके नामों के आगे दर्शायी गयी तिथियों से अग्रिम आदेश तक के लिए प्रदत्त किया जाता है:—

ऋम सं	० अधिकारीकानाम		कार्यभार ग्रहण तारी <b>ख</b>	करने की
1	श्री एस० बी० सिंह	,	1-2-85	
2	श्री एन० के० अवस्थी	•	26-1-85(अप	राह्र)

• 1	2	3
	श्री एम० एम० शर्मा	. 31-1-85(अपराह्र)
	श्री जे० पी० दुवे	. 5-1-85
	श्री पी० के० माट्टाचार्य	. 7-1-85
	श्री आर० एस० डी० डोगरा	1-2-85(अपराह्र)

अशोक राज महिपती सहायक निदेशक (स्थापना)

#### महानिदेशालय

# केन्द्रीय श्रीशोगिक सुरक्षा बल नई विल्ली-110003, दिनांक 9 अप्रैल 1985

सं० ई० 16013(1)/1/85 कार्मिक-1—महानिदेशक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, नई दिल्ली के रूप में नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री खो०पी०भूटानी, भा०पु०से० उत्तर प्रदेश: 1952) ने 28 मार्च, 1985 के श्रपराह्म से महानिरीक्षक (मुख्यालय) के० खो० सु० ब०, नई दिल्ली के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 32015(4)/14/85 कार्मिक-1—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त होने पर श्री राजेश्वर सिंह ने 18 मार्च, 1985 के पूर्वाह्म से के ० भ्रो ० सु० ब० यू निष्ट, बी० आई ० एल ०, भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> ह० अपठनी य महानिदेशक/के ०भीसुव

#### वित्त मंद्रालय

(आर्थिक कार्यविभाग) कागज प्रतिभृति कारखाना होशंगाबाद, दिनांक 19 मार्च 1985

सं ० पी ० डी/3/396—श्री एस ० के ० आनन्द, फोरमेंन (उत्पादन) की दिनांक : 5/12/84 के पूर्वाह्म से 31/3/85 सक की अवधि अथवा अग्रिम आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, इ. 840-40-1000-द०अ०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णत: तदर्ष आधार पर सहायक कार्य प्रबंधक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

शा ० रा ० पाठक महाप्रबंधक

# भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 15 अप्रैल 1985

सं ० 46/क--निम्नलिखित अधिकारियों को भारत प्रतिभूति मृत्रणालय में उप-नियंत्रक अधिकारी के पद पर मूल क्षमता के रूपमें उनके नाम के सामने श्रंक्ति दिनांक से नियुक्त किया जाता है।

ऋं०सं० नाम	तिथि	
1. श्री आर ०वेंकटरमन	1-1-1982	
2. श्री बी ०एस ० मोरें	. 1-1-1983	
3. श्री जी ०सी ० रास्तोगी	. 29-3-1984	

पा॰ सु॰ शिवराम महाप्रबंधक भारत प्रतिभूति मुद्रगालय भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार (लेखापरीक्षा) का जार्यौंलय, केरल

तिरूबन्तपुरम, दिनांक 2 अप्रैल 1985

सं० हकदारी रोकड/1/10-3/84-85/6 — महानेखा-कार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय, केरल, तिरुवन्तपुरम के लेखापरीक्षा अधिकारी श्री जी० महादेवन, आर० वेन्किट नारायणन श्रीर सी०पी० जेकब अधिवर्षिता के कारण 31-3-1985 अपराह्म से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> लक्ष्मी नारायणन महालेखाकार

#### रक्षा मंत्रालय

# आ**डें**नेंन्स फैक्टरी बोर्ड अधिसूचना कलकत्ता-700069,दिनांक 6 अप्रैल 1985

सं० 05/85/ए०/एम०—राष्ट्रपति महोदय, आर्डनेन्स फॅक्टरी स्वास्थ्य सेवा में डा०एस०पी० सिन्हाताल, स्थायीए० एम०भो० का ग्रहणाधिकार, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० सैक्टोरिया दिसेरगढ़ में विशेषज्ञ के एक्सकंडर पद पर उनके स्थायी होने के फलस्वरूप, दिनांक 1-1-1985 से समाप्त करते हैं। आर्डनेन्स फॅक्टरी संघटन की नफरी से उनका नाम दिनाक 1-1-85 से काट दिवा गया है।

(प्राचिकाई रक्षा भंजालय अ०वि० सं०एफ० П[5]85-डी (फै-1) दिनौंक 10-1-83)

सं० 06/85/ए०नएम०---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को आर्डनेन्स फैक्टरियां स्वास्थ्य सेवा में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं।

ऋम०सं० नाम	तैनाती स्थान	दिनांक
1. डा०बी०पी०गुप्ता	वेहिकलसफैक्टरी,	18-8-84
2. डा०एस०पी०सक्सेना	जबलपुर आर्डनैन्स फैंक्टरी	(पूर्वाह्न) 18 10-84
·	मुरादनगर	(पूर्वाह्म)

सं० 07/85/ए/एम---राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी को प्रार्डनेंन्स फैक्टरियां स्वास्थ्य सेवा में प्रधान चिकित्सा प्रधिकारी के पद पर उनके सामने दर्शायी तारीख से प्रागामी ग्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं:--

क्रम सं०	नाम	ंतैनाती स्थान	दिनांक
1. डॉ॰पी॰	के०मुखर्जी	हैवी वेहिकल्स फैक्टरी <b>आ</b> वादी	30-8-84 (पूर्वाह्म)

के • पी • आर० पिल्सै एडीबनल डी०जी०जो०एफ०/सवस्य (कामिक)

#### श्रम मंत्रालय

मुख्य श्रमायूक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय नई दिल्लीं, दिनाँक 15 ग्रप्रैंल 1985

के० कपूर ने 22-9-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय, बिलासपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं0प्रशा0-1-4/6/85 (2) स्थानांतरण होने श्री एस० शिवस्वामी ने 10-9-84 (भ्रपराह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय, विजयवाड़ा का कार्यभार छोड़ दिया ग्रौर 25-9-84 (पूर्वाह्न) को के॰जी॰एफ॰ में उसी हैसियत से कार्यभार संभाल लिया।

सं०प्रशा०-1-4/6/85(3) प्रोन्नत होने पर श्री स्रो०पी० शर्मा ने 15-10-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय, बंबई का कार्यभार संभाल लिया।

स $\circ$ प्रशा0-1-4/6/85(4) प्रोन्नत होने पर श्री म्रार $\circ$ ए० श्रीवास्तव ने 29-9-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय, धनबाद का कार्यभार संभाल लिया।

सं०प्रशा०-1-4/6/85(5) स्थानांतरण होने पर श्री एम० पी० पिपरीकर ने 22-9-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय, बिलासपुर का कार्यभार छोड़ दिया ग्रौर 12-11-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से जगद-लपूर में कार्यभार संभाल लिया।

सं०प्रशा०-1-4/6/85(6) श्रम प्रवर्तन भ्रधिकारी (कें०) के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री एम० टी० तयादे ने 26-11-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्या-लय, वास्को-डी-गामा का कार्यभार छोड़ दिया।

सं०प्रशा०-1-4/6/85(7) प्रोन्नत होने पर श्री एम० दी० तयादे ने 29-12-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय, चन्द्रपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं०प्रशा०-1-4/6/85(8) स्थानांतरण होने एस०एन० चौधरी ने 15-11-84 (ग्रपराह्न) को मुख्य श्रमायुक्त मुख्यालय में सहायक श्रमायुक्त (कें०) का कार्य-भार छोड़ दिया ग्रौर 16-11-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से सहायक श्रमायुक्त (कें०) दिल्ली-1 का कार्य-भार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1-4/6/85(9) स्थानांतरण होने पर श्री बलबीर सिंह ने 21-2-85 (ग्रपराह्न) को सहायक श्रमायुक्त (केंद्रीय) कार्यालय, जयपुर का कार्यभार छोड़ दिया ग्रौर 23-2-85 को उसी हैसियत से म्नहमदाबाद में कार्यभार संभाल लिया।

> नन्द लाल प्रशासन मधिकारी

कारखाना सलाह सेवा ग्रौर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय,

वम्बई, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1985

स $\circ 15/4/85$ -स्थापना-उपमहानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा ग्रौर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय, बम्बई ने श्री सी०एस० बारी को उत्पादकता ग्रधिकारी (सांख्यिकीय) के पद पर दिनांक 10 श्रप्रैल 1985 हे इस महानिदेशालय के म्रधीनस्य कार्यालय राष्ट्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

> एस० बी० हेग्डेपाटल उप महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

विकास भ्रायुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय विपणन प्रभाग

(ई० एण्ड ए० अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1985

सं०ह०म०/विपणन/12/202/83--- ग्रिविविषता की ग्राय् प्राप्त होने पर, कुमारी भ्रार० सुलोचना, सहायक निदेशक (हस्तशिल्प), विकास ग्रायुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, विप-णन एवं सेवा विस्तार केन्द्र, मंगलौर (कर्नाटक), दिनांक 31-1-1985 (अपराह्म) से सेवा से निवृत्त हो गई हैं। कृष्ण कुमार

उप निदेशक (विपणन) मृते विकास भ्रायुक्त (हस्तशिल्प)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय इस्पात विभाग

लोहा ग्रौर इस्पात नियंत्रण कलकत्ता-20, दिनांक 9 श्रप्रैल 1985

सं० ई-1-12(68)/85(.)—- श्रधिवर्षिता प्राप्त करने पर श्री पी०एन० मजुमदार, सहायक लोहा ग्रौर इस्पात नियंत्रक ने दिनांक 1/4/1985 के पूर्वाह्न से श्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> सनत कुमार सिन्हा उप लोहा ग्रौर इस्पात नियंत्रक

खान विभाग भारतीय खान ब्यूरी नागपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1985

ए०--श्री बी०बी० सं ए-19012/211/85-स्था तिवारी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू-विज्ञान) को भारतीय खान ब्यूरो में खनिज ग्रिधिकारी (ग्रिधिसूचना) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर, 6 माह की ग्रविध के लिए दिनांक 28 मार्च 1985 के ग्रपराह्न से नियुक्त किया गया है।

> एच०**ग्नार०**एस० राव वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी **कृते** महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

# देहरादून, दिनांक 12 अप्रैल 1985

सं० सी-6190/718-ए--श्री सुमेर चन्द, स्थानापन्न श्राधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, दिनांक 30 जनवरी, 1985 (पूर्वाह्न) से स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी") के पद पर 840-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, संख्या 102 (पी०एल० ग्रो०) मुद्रण वर्ग (पू०स०), कलकता में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में श्री ए०बी० नाग, स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी के सेवा निवृत्ति पर नियुक्त किये जाते हैं।

जी० सी० ग्रग्रवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

#### श्राकाशवाणी महानिदेशालय

# नई दिल्ली, दिनांक 10 म्रप्रैल 1985

सं० 4/7/83-एस-II— आकाशवाणी महानिदेशालय की अधिसूचना संख्या 4/7/83 एस-II दिनांक 9-12-1983 के अनुक्रम में, महानिदेशक आकाशवाणी श्री टी॰एम॰ तवाडी जो कि 650-30-740-35-810-द० रो॰-35-880-40-1000-द० रो॰-40-1200 रूपए के वेतनमान में तदर्थ आधार पर आकाशवाणी, पणजी (गोआ) में हिन्दी अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर है की तदर्थ प्रतिनियुक्ति को पहली शर्तों पर दिनांक 1-12-1984 से श्रागामी एक वर्ष के लिए बढ़ाते हैं।

मोहन फ्रांसिस प्रशासन उपनिदेशक **क्**ते महानिदेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985

सं० 4/72/84-एस० 2---महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री चित्ता रन्जन देव वर्मा को 19-3-85 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द०रो०-880-40-1000 द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी अगरतला में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 12 अप्रैल 1985

सं० 4/48/84-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री इज्जत सिंह को 25-3-85 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी दिबरुगढ़ में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 15 अप्रैल, 1985

सं० 4/23/84-ए.स-I—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्-द्वारा मरीनाल कांती देव को 21-3-85 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, आकाशवाणी अगर-तला में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरीशचन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

सं० ए०-32013/1/84-(ए०आई०आई०एच० एंड०पी० एच०)/पी०एच० (सी०डी० एंड० एल०)--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एस०एन० विश्वास को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में 9 नवम्बर, 1984 के पूर्वाह से आगामी आदेशों तक प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

नारायण सिंह उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

#### नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

सं० ए०-12026/5/84-एम० (एफ० एण्ड एस०)--राष्ट्रपति ने डा० के०एच० कृष्णामूर्ति, वनस्पति विज्ञान के लेक्चरर, जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी को उसी संस्थान में तदर्थ आधार पर जीव विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के पद पर 30 जनवरी, 1985 पूर्वाह्र से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त किया है।

पी०एन० ठानुः उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०) परमाण ऊर्जा विभाग निर्माण एवं सेवा वर्ग ,

#### बंबई, दिनांक, 19 मार्च 1985

सं० सी०एण्ड एस०जी०/ए०/2/6: 2079—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परम्मणु ऊर्जा विभाग श्री एन०पी० विश्वपुते, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक "सी" को निर्माण एवं सेवा वर्ग में ही अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के रूप में द०-650-30-740-35-810-द० रो-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 13-3-1985 (पूर्वाह्र) से, आगे आदेश मिलने तक के लिए, नियुक्त करते हैं।

एस०के० कपूर प्रशासन अधिकारी

# मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कलपाककम, विनांक 15 अप्रैल 1985

एम०ए०पी०पी०/18(144)/84 भर्ती—परियोजना निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना इस परियोजना के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी परियोजना में अस्थाई हप से उनके नाम के आगे उल्लिखित पदक्रमों पर दिनांक 1 अगस्त 1984 पूर्वाहर से आगे के आदेशों तक सहवं नियुक्त करते हैं।

ऋ०सं०	नाम	वर्तमान पद	नियुक्ति पद
1. के० वें	Rटेश्वरराव	वैज्ञानिक सहायक सी	वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता एस०बी०
2. डी० से	स्वराज	11	**
3. ए० वेंब	हरामन	"	,,
		وروس ومراسه ابره احد دهداشان امدر وهورس بع	فيستندي زبال الله اليسبية بزيالة أسر أنها الدي زائم أنديا ال
			एस० वेंकटरामन्

एस० वकटरामन् प्रशासनिक अधिकारी

श्रंतरिक्ष विभाग भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद, विनांक 9 जून 1985

पर तथा वी गई कारीख के पूर्वाह से अगले आदेश तक नितान्त अस्थायी व अनंतिस रूप से नियुक्त किया है:—

कम सं०	नाम	दिनांक	पद जिस पर नियुक्त किए गए
1. भवदीप सिंह	मुंजल	5/1/85	वैज्ञानिक/इंजी- नियर 'एसबी'
2. नटवरलाल व	गोहनलार		
जिया		8/1/85	वैज्ञानिक/इंजी- नियप 'एसबी'

के० एस० कृष्णन् प्रशासन श्रधिकारी II (स्था०)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली-66, दिनांक 10 अप्रैल 1985

सं० ए-32013/6/84-ई०सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमाननन विभाग के श्री एस०एस० चौधरी, संचार अधिकारी को विनांक 31-1-1985 (पूर्वाह्र) से छः मास की अवधि के लिए रू०-1100-50-1600 के वेतनमान में वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेष्ठ में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है। उन्हें महानिवेशक नागर विमानन (मुख्यालय), नई दिल्ली में तैनात किया गया है।

वी० जयचन्द्रत सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

सं०ए-32014/3/83-ई०एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जोसेफ गुरंग, भंडार सहायक को दिनांक 20-3-85 से तीन मास की अवधि के लिये अथवा इस पव के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नियंत्रक केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो के कार्यालय में भंडार अधिकारी (समूह "बी" पद) के पव पर तदर्थ आधार पर नियक्त किया है।

जी० वी० लाल सहायक निदेशक प्रशासन

#### केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला

नई दिल्ली-1, दिनांक 1 अप्रैल 1985

सं० 1/1985-अधिवर्षिता पर उनकी सेवा निवृत्ति हेतु श्री एम०एल० गर्मा, प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय राजस्व नयंत्रण प्रयोगशाला, नई विल्ली को उनकी उपूटी से दिनांक 31-3-1985 (अपराह्म) से मुक्त किया जाता है।

संव 2/1985—श्री सी०पी० सारंगलं, अधीक्षक (अनु-सिविय) केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, नई दिल्ली को, श्री एम० एल० शर्मा, प्रशासन अधिकारी के अधि-वर्षिता पर सेवानिवृत्त होने पर 1 अप्रैल, 1985 (1-4-1985) पूर्वाह्म से प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला, के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

> केशव प्रसाद मुख्य रसायनज्ञ, केन्द्रीय राजस्व

इंडस्ट्री और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

पटना-800001, 11 अप्रैल 1985

सं० 448/560/17---कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956, और भारतीय पन्निशर्से लिमिटेड के बिषय में ।

कम्पनी अधिनियम 1956 की घारा 560 की उप-घारा (3) के अनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के घवसान पर भारतीय पब्लिगर्स लिमिटेड का नाम प्रतिकृत कारण विभित्त न किया गया तो रजिस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

> ए० बहरव अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

# प्रकल बाह् हो । एन प्रत् प्रत

कावकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत बरकार

# कार्याशय, सञ्चयक मायकर नायुक्त (निद्धाक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 1 मार्च 1985

निवेश सं० 37ईई/9886/1114/84-85/माना--यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमींन सं० नं० 11 प्लाट नं० 163, 164, 165, 168 भौर 170 उक्कासनगर जमीन थाना है तथा जो उल्हासनगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में भौर पूर्ण रूप, से घणित है), रिजस्ट्रींकर्सा भिधकारीं के कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज में रिजस्ट्रोकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधोन, दिनांक नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य हसकी दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के लिए त्यू पावा चवा ब्रितिक निम्नसिचित उद्देश्य से उचत अन्तर्ण कि बिह्त वे बास्तिक रूप से कीयत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कमी कर्तने वा उत्तसे बचने में सुविधा के निए; बॉर/वा
- (च) एसी किसी बाव या किसी धण या बन्य बार्सिस्यों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिशियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिणाने में सर्विधा के सिए;

बत्य जब, उक्त विधिनियम की भाष 269-ण के जनुसरण को. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के नधीन, निम्नतिथित व्यक्तियों, वर्षात \*\*\*

- (1) मेसर्स प्रपार प्राइवेट लि॰ मेकर चेंबर्स ।।।, पहलीं मंजिल, जमनलाल बजाज मार्ग, नरिमन पाईट बम्बई-21 (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स लिखरा उलनस प्रा० लि० 106, ग्रिभनन्दन मार्केट, 215/217, कालबादेवीं, रोड, वस्वई-400002

(मन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

# उनक सम्पत्ति के भर्जन के स्म्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् ६---

- (क) इस सूचना के त्यवपन में प्रकाशन की तार्यंव से 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविभ, को भी जबिभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यूनितयों में से किसी व्यक्ति दुवाए;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य अपन्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगी।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, नहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# अनुसूची

जमींन सर्वे नं० 11 प्लाट नं० 163, 164, 165, 168, 169 ग्रीर 170, उल्हासनगर जि० थाना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रींकृत कः 37ईई/9886/84-85 नवस्वर 84 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज में लिखा गया है।)

> भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारीं सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 1-3-1985

मोहर 😉

प्रक्ष बाईं.टी.एन्.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर धायकत (निर्दाक्षण) प्रजीन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, विनोक 27 फरवरी 1985

निवेश सं० ए० सी०-104/ग्रार-II/कलक०/84-85---यतः मुझे, एस० के बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवचात् 'उकत अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

बौर जिसकी सं० 29 श्रीर 29ए/2 है तथा जो राम कृष्त समाधि रोड, कलकता-54 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारीं में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13-8-84,

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दश्यमान प्रौतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का धन्तह प्रतिक्षत से विध्वा है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखिल में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) विषय से हुई किसी नाम की नामत, समय विधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक को यासित्य में कभी करने या उससे सभने में सुविचा के सिए: बॉर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी बन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना वाहिए था, छिपाने कें सुविधा के लिए:

बतः सन, उन्त विभिनियमं की भारा 269-ग के बन्सरण नै, मैं, उन्त विभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीग, निम्मिसिस व्यक्तियों, क्योत्:—
2—46GI/85

(1) श्रीमती भगवति देवी चामरिया ।

(भन्तरक)

(2) श्रो राधा मोहन सिंघानिया

(श्रन्तरितीं)

को यह अचना जारी करके पृशेंक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृजारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विकासमा है।

# अपूर्व

अमीन :---1265 वर्ग फुट पसाट पता :---29 घौर 29ए/2, राम कुष्न समाधि रोड, प्लाट नं ०--2ए, कसकता-54 ।

सक्षम प्राधिकारी के पास 13-8-84 तारीख में रजिस्ट्री हुमा। रिवस्ट्री का क्रमिक संख्या 1984-85 का 20

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायगर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-।। 54, रफी महमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

विनांक: 27-2-1985

मोहर: "

# प्रकथ बार्च ् टील एक्ल एसल्लान-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० सीं० 101/श्रार- /कलक्सा/84-85-श्रतः मधी, एस० के० बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्दा उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकीं सं 19-त्रीं है तथा जो आलिपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय सक्षम प्राधिकारों में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20-8-1984,

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति <mark>के उचित बाखार मूस्य ते कम के इत्यकार</mark> प्रतिकल ≁के लिए अन्तरित की गर्द और मुझेयह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (का) अन्तरण सं हुए' किसी जाव की बाबत, छक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे अभने में सुकिया के लिए; बीर/या
- (क) एकी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अब उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित् स्पक्तियों, अर्थात् क्रिक (1) सुभम प्रापर्टीज

(धन्तरक)

(2) श्री प्रभात कुमार चटर्जी,

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्राप्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास चिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्दीकरण:---इसमें प्रमुक्त शन्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पंरिभावित्य है, वहीं अर्थ होगा, मा उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्त्वी

जमीन :--- 1390 वर्ग फुट प्लाट।

पता:--19वीं, श्रालिपुर रोड, इटनिट-जि॰ कल कत्ता-27 सक्षम प्राधिकारीं के पास 20-8-84 दिनांक में रजिस्ट्रो हमा। क्रमिक संख्या ---21।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-II 54, रफी भ्रष्टमद किंदवाई रोड, क्लकत्ता-16

दिनांक: 31-1-1985

मोहर :

इसमें बाइ ुटी, एन, एव

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सर्दकार

कार्यालव,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-॥, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1985

निदेश सं० ए० सीं०-99/ग्रार०-II/कल०/84-85-- यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), ्री भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

योर जिसकी सं० 73 है तथा जो बनर्जी पारा रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रालिपुर 24 परगना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (शंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में भास्तिक स्प से कृथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय करी बाबत, उक्त जभिनियम के अभीन कर वोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे ज्यमें में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी फ़िसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा भी किया जाना अधिहर भा, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अन्तरभ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन है हिन्दी कि स्थितियमों, अ्थार ३——

(1) 1 श्री सन्तीय घौष

(भ्रन्तरक)

(2) फरेस्टार फारमासिउद्रिकाल प्राइवेट लि॰ (श्रन्सरितीं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वित्त संपृक्षि के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता है।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काइ भी वाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया दर सूचना की तायील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए का सकींगे।

न्युष्टिकिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### श्रनपूषी

जमीन---6.14 कठा जमीन का साथ मकान ।
पता---73, बैनाजी पारा रोड, कलकत्ता ।
दिलल संख्या---एस० श्रार० श्रालिपुर, 24 परगना का
1984 का 3813 ।

एप० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारो सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-॥, 5 ♣, रफी भ्रहमच किदवई रोड, कवकता—16

दिनांक: 31-1-1985

मोहर 🛚

#### प्रकार वार्षः क<u>ौ. व्</u>षत् . यस् . --------

नस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

. अमृतसर, दिनांक 30 मार्च 1985

. निदेश सं० ए० एस० भार०/85-86/1--यतः मुझे, एस० सी० कपिल, भाई० भार० एस०,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके वश्यात् 'उसत अधिनियभ' कहा नया ह"), की भाषा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० कृषि भूमि जो कि गांव मेहरवानपुरा तहसींल और जिसकी सं० कृषि भूमि जो कि गांव मेहरवानपुरा तहसींल और जिला अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचं। में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन, विनांक अगस्त 1984, को पूर्वोंक्त संपत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के छ्रमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और गुर्भ वह विकास करने का कारण है कि स्थापुनॉक्त संपत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके असमान प्रतिफल से, एसे छ्रमान अतिफल का पत्तु प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण संहूदं विश्वी कान की बानस्, कन्य वृधिनियम् सै अधीन कर होने के बन्तरफ के स्विद्ध में कनी बडने या उससे क्ष्में में सुविधा के सिद्ध; कड़ि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्त्याँ की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिभा के निए;

सतः सम, उक्त सिधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों. सर्थात ≟—

- (1) श्री शरनागत सिंह भरोड़ा, पुत्र श्री संता सिंह वासी---कोर मित सिंह, श्रम्तसर । (शन्तरक)
- (2) श्री सुरजोत सिंह, श्रमरोक सिंह पुतान श्री उत्तम सिंह वासी सुलतान सिंह

ग्रम्तसर ।

(श्रम्तरिसी)

को यह सूचना बादी करके पूर्वों कर वृद्धारित के वर्षत के जिल् कार्यवाहियां बुरु करता हुं।

उनक बम्पृतिक के नर्जन के सम्बन्ध में कोई नी बाओप है----

- (क) इंड स्वना के राजपन में प्रकातन की तारीश वे 45 विन की जनश्चिमा ठरकानाणी व्यक्तियों पर क्वा की तामील से 30 विन की नवधि, को भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित क्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्रासा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के मौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी क्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबत में किए था सकोंगे।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

# वर्गमुख्

कृषि भूमि और 195 के-10 एम जो कि गांव मेहरबानपुरा तहसील और जिसा अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 3349 दिनांक 14-8-84 रजिस्ट्री श्रयारिटीं अमृतसर में है।

> एस० सी० **कपिल** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, श्रमृतसर

विनाम : 30-3-1985

मोहर 🕹

प्रकृप बाई.टी.एन.एस.----

बायकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक मायकरु मायुक्त (निरुक्षिण)

मर्जन रेज, प्रमृतसर

भग्तसर, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/85-86/2--यतः मुझे, एस० सीं० कपिर्ल ग्राई० ग्रार० ऐस---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि 47के-13 म० गांव माना ताला तहसील व जिला-श्रमृतसर है तथा जो स० र० श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मिक्कितरों के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण मिक्कित, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, दिनाक श्रगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

अत: जन, उक्त जीधिनयम की धारा 269-च के जनुसरण मो, जो, उक्त जीधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनियम व्यक्तिमाँ, अर्थात् हरू (1) मेलर्ज अमर इण्डिया पेपर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी राहीं श्रीं जुगल किशीर मैनेजिंग डायरेक्सरटर, चौक फवारा, अमृतसर ।

(मन्तर्रेक)

(2) सर्वश्री सुखदेव सिंह, गुरतेज सिंह, पुत्रान श्री परदुमन सिंह, श्री विकम सिंह पुत्र श्री जिलोक सिंह, वासी—सुलतान सिंह, पिंड, श्रमुतसर ।

(पान्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में किहा भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की क्यीं था तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बी भ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्स्याक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 47के-13 एम० गांव माना वाला तहसील म जिला श्रमृतसर जैसा कि सेलडींड नं० 3183 दिनांक 3-8-84 रजिस्ट्रींग प्रथारिटी ग्रमृतसर में है ।

> एस० सी० कपिल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ब्रम्तसर

दिनांक: 28-3-85

मोहर 🖫

प्रकृष कार्यः टी. धनः, एसः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जंन रेंज, एरणाकुलम

🌉 ाञ्चल-16, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निदेश सं० एल० सीं० 733/84-85--- यतः मुझे, सची चौध्रीं,

कायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है"

म्रोरिजि । शिसं व अनुसूत्री के अनुनार है, जो कालिकट कारपेरिशन में निया है (प्रीर इ.से उनाबद्ध अनुसूत्री में फ्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेवापूर में भारतीय, रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोकत संपीति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संबुद्धं विकाश बाम की बावक, अन्तर मधिनियम की बन्तिन कर दोने के अन्तरक को दायित्व मौ कामी करूने या उससे बचने मौ सुविधा को जिए और/दा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतिय आय-सर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किस जाना थाहिए था छिपाने में भृतियां की लिए;

अतः जय, उक्त मिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मे, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के मुधीन, निम्मिनियत व्यक्तियों , समात्। (1) श्री पी० भास्कर

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो एलिक्कुट्टी, डाक्टर, मिसिस मेरी सिंग भीर एलिसबेत चंडाल के लिए मेरी सिंग।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कवन के लिए कार्यवाहियां चुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्ध किसी अन्य ज्यक्ति स्थाय अधाहस्ताक्षरः के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

दिनांक 3-8-1984 उपरिजस्ट्रीं कार्यालय चेवायूर के दस्तावेज सं० 2807 में संलग्न अनुसूवीं के अनुसार कालिकट कोरपोरेशन सर्वे सं० 27/580 के वार्ड 27 में 13.25 सेंट भूमि के साथ एक मकान के 1/10 भाग।

सची चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक खायकर खायुक्त (निरीक्षण), , खर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 2-4-1985

मोहरु 🛢

अरूप आर्ड्, ट<u>]. एन. एस.</u> ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धालक)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोश्चींन-16, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० एल० सी० 734/85-86--यतः मुझे, सची

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भीरा 269-च के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रां रिज की नं श्रमुतून। के प्रमुतार है, जो कालीकट कारपोरेसन में स्थित है (श्रीर इस्ते उरावद श्रमुस्ता में श्रार पूर्ण रूप से विचा है), रिजस्ट्रा कर्त श्रीज कारी के कार्यालय नेवायूर में भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रीविधिम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनों ए 10-8-1984,

का पृश्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्र है सौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापृष्वित संपत्ति का उचित बानार मृत्य, उसके रूथ्यमान प्रतिफाल से, ऐसे रूपयान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिसित उद्शब्य में उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बलारक के दायिएन मैं कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए? बौर/मा
- (भ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा विज्या जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-गे की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः

(1) श्रोपी० भास्कर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पि॰ एम॰ एलिक्कुट्टी, डाक्टर मिस्तिस, मरी सिंग और एलिसबेत चंडाल। के लिए मेरी सिंग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🗫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भं अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारण;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरहाक्षरी के पास जिक्ति में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुर अर्थ होगा को उस अध्याय में दिन्हा गमा हैं।

# जनसू**ची**

दिनांक 10-8-1984 उपरिजस्ट्री कार्यालय चेवायूर के दस्तावेज सं० 2895 में संत्रात अनुसूची के धनुसार कालिकट्र कोरपीरेशन सर्वे सं० 27/580 के वार्ड 27 में 13.25 सेंट भूमि के साथ एक मकान के 9/10 भाग।

सची चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुक्षम

विनोक: 2-4-1985

मोहर:

प्रकल भार्षः, दी. एम., एस.,-------

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, एरणाकुलम

को क्योंन-16, दिनांक 2 प्रप्रैल 1985

निदेश सं० एल० सी०-735/85-86---यतः भुक्षे, सची चौधुरी,

बायवन अधिनियम, 1961 (, 961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं व श्रनुस्तां के श्रनुसार है, जो कालिशट् कारपीरेशन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्त्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, चेवायूर में भारतं य रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-8-1984,

को प्वांबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफाल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एस द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांत्यति से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण मिथित बें बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अञ्चरण के हुए किसी बाम की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा भी सिएए बाँडि/वा
- (वा) एसी किसी बाय का किसी धन वा कल जास्तियों को जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के जिल्हां

चतः वच, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन<sub>म</sub> निम्निजिल व्यक्तियाँ, वर्षात् ध—- (1) श्रीभतो प्रेम विसासिनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामती पी० एम० एलिनकुट्टी, डाक्टर मिस्सिस मेरी सिंग भीर एलिसबेन चंडाल के लिए मेरीसिंग। (भन्तरिती)

को यह सृजना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकोंगे।

स्थळीक रण: ---- इसमें प्रयुक्त , जब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा भी उस अभ्याय में दिया गया है।

# **जन्तु** प्र

विनांक 3-8-1984 उपरिजस्ट्री कार्यासय वेबायूर के दस्तावेज सं 2808 में संलग्न मनुसूची के मनुसार कालिकट् कारपीरेशन सर्वे सं 27/580 के वार्ड सं 27 में 7.75 सेंट भूमि ।

सची चौधुरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, एरणाकुलम

विनोक : 2-4-1985

मोहर 🛭

# प्रकृत वार्ष <u>।</u> द<u>ी. दुन्, हुन्, अस्त्र</u>

# बारकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाछ 269-व (1) के स्थीन सूच्या

#### ब्रास्त दरकार

कार्याभय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनोक 14 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिस नं० झार०/37ईई/1399/84-85--यतः मुझे, झार० भारद्वाज,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

मीर जिसकी सं० 22780 है, तथा जो बार केज, गोवा में स्थित है (म्रीर इपसे उपाबद्ध मनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री करण मिर्घिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 1-8-84, बेंगलूर,

क्षां प्रबंक्त संपत्ति के उचित बाकार जुन्य के का के कावान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई है जीर मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुम्ब उसके कावमान प्रतिकास से, एसे कावमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिचात से अधिक है और बंतरक (जन्तरकारें) जौर अन्तरिती (अन्तरितियारें) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाबा गया भ्रतिकास निम्निकिचित क्ष्यंचेय वे उच्छ जंतरण जित्य वे वास्तरित में बालसीय्य कर से कीचल मुझे किया गवा है हिल्ल

- (क) जन्तरण वे शुर्द किती जान की नावत, उपन जीपनियम के सभीन कर योगे के जन्तरक के नाज़ित्य में कभी करने ना उन्हों वचने में शुनिधा के जिल्; जोड/ना
- (थ) एंडी कि वी शाव वा किसी थम वा शम्य जारिस्की को, विन्हें शारतीय नामकर वीपनियम, 1922 (1922 का 11) या अपन नीपनियम, या भनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्हरिती द्वारा प्रसट नहीं किया पथा था वा किया सावा शाहिद था किया में वृधिया के बिद;

बत्त वय उक्त विभिन्निय की बारा 269-न के बन्दरम में, में, अक्त विभिन्नियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के बभीन, निम्मतिबत व्यक्तियों, नर्भात् हि—— 3—46 GI/85

- (1) श्री एलेनटेरियो म्यान्युएल म्बयावयर सोरम, मिन्ससं मरिया नेरिजा फान्सेका सोरस, 203. वाल वड्डो, अटोना, बारडेज, गोवा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पासकर जान पेरैरा, मिसर्स जोसेफि पेरैरा, श्री फ्रानिसिसको पेरैरा, मिकाला पि० पेरैरा, कुमारी श्रारलनश्री विन्सेंट पेरैरो, एज० नं० 54, पोम्बूरापा, बारडेज, गोवा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

क्षपत कम्पत्ति को वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी नामीय हा---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को बी अविध बाद में समान्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी नन्य न्यन्ति द्वारा, नधोहस्ताक्षरी कें पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्थल्डीकरण्:---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, भो उन्स् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वृत्त होगा को उस अध्याय में दिना भया है।

# वगृत्यी

(दस्तावेज सं० 1180/84 दिनाक 1-8-84)

सम्पत्ति है जो सलवादार डो मुण्डो, बारडेज् गोवा, में स्थित है। (श्रफोरामेनटो---15,00 स्क्वेयर मीटर्स )

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजैंन रेंज, बंगसूर

दिनांक: 14-3-1985

बोहर 🗈

प्ररूप बाइं. टी. एन. एसं. -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निराक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेण सं० नोटिस सं० म्रार-37ईई-1352/84-85--यतः मुझे, म्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० चालता सं० 226 शि है, तथा जो पनिष, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूच: में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2-8-1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान रिजस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है क्ष्री—ं

- (क) बन्तरक से हुई किमी आय की बायत, जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए भा कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (१) कै क्षीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स सौसा टवर्स, रियल एसटेट, एजेंटस, आकटर होमिन्गोस रोक्यू डि० सौजा रोड, पणजी, गोवा ।

(भन्तरक)

(2) श्रः स्कानु तिग्नापुरकर, केर/ध्राफ मेलर्स सौना दवर्स, डाक्टर, डोमिन्गोस रोक्यू० डिसीजा रोड़, पंजिम, गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिल्ला मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकडण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं । ♣

## बन्त्यी

(दस्तावेज सं० 1189/84 दिनांक 2-8-84) सम्पत्ति है, जिसका चालना नं० 226ए, जो प्रतृक्षिम, गोवा, में स्थित है।

> आर० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनोक : 1 -3- 5 मोहर 🖱 प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. ------

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सूचना

#### नारत सरकार

क्रायांत्रिय, सहायक जायकर जायृक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेण सं० मार०-1389/37ईई/84-85--यतः मुझे, मार० भारद्वाज,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० शापनं० 16, है तथा जो पनजीं, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूचीं में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हत्तौं अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में, रजिस्ट्रीं करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधींन दिनांक 1-8-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके बश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और 'अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया स्वा है कि

- र्थक) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त जीधनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; बॉर∕या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय. को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिवाने में सविधा को बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज के अनुसरण में, में उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, वर्धीत् ध---

(1) मेसर्स हिन्दुस्तान बिल्डसं, 210, गोविन्दा बिल्डिंग, पनजि ,गोवा ।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स नींता शशिकांत कामत महामाइ, माला, पनजीं गोवा।

(मन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिया करता हुं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उकत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1191/84 दिनांक 1-8-84) शाप नं० 16, जो शा-बाना चेम्बर्स एजेंट पणजी म्यूनिजिनल मारहेट, पनजों, गोबा, में स्थित है।

> द्यार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रज, संगलूर

दिनांक : 13-3-85

मोहर 😅

# श्रक्य बाह<sup>†</sup>. टी<sub>...</sub> एस<sub>... ≐====≥8*+≥8*</sub>

# बायकर वर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के वभीन स्वना

#### भारत चरकार

# कार्यानय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० श्रार० 1425/84-85/37ईई--यतः मुझे, ग्रार० भारक्षाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 31520 है तथा जो मापुसा, बारडेज, गोवा में स्थित है (ग्रीर इसुसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकत्ती अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक 2-8-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनिष्म के बुधीन केंद्र दोने के बंतरक के शायित्व में कामी कारने या उससे अधने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय था किसी भून या बन्ध आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कथः, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वं बधीन, निस्न्सिविद श्रीक्टबों⊋ अधीत् ड── (1) मेसर्स प्रागति बिल्डर्स, श्रंजुना, बारडेज, गोवा।

(मन्तरक)

(2) श्री मनोहर बाबाजी दवासकर, मापुसा, बारडेज, गोवा ।

(भग्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में दिये वा सकरें।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा चंबा हैं।

# वयुष्यी

(दस्तावेज सं० 1197/84 दिनांक 2-8-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 1, जो मापुसा, बारडेज, गोवा, में स्थित है ।

> श्चार०भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 13-3-85

मोहर 🗈

# प्रकृत बाह्य, ट्री. एवं . प्रकृत -------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यासम्, सञ्चयक बाय्कर बाय्क्स (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० भार०-1410/84-85---यतः मुझे, भार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 17 है तथा जो कोसी अपार्टमेन्टस वामकोब डगामा, गोवा है में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चः में भौर पूर्ण रूप से विणित है), पिलस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-8-84,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल से कम के क्ष्यमान असिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य इसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान असिफल का पन्यह असिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा वया अतिफल, भिम्नीसचित उद्देशमां से उन्त बन्तरण जिल्हित में अस्तिबक स्प से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तह्रम् वे हुए जिली बान की बान्छ, उन्छ बहिन्दिन्द में बनीय कह दोने से बन्दरक में बहीन्द में कती करने या उन्हों रचने में सुविधा के हैनए; बहि/बा
- (क) एती किसी जाव वा निल्सी भन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) वा उधत अधिनियम, वा भन-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जिनाने में सुविधा के जिस्ह

बतः मन, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की बनुबरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) की मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मेसर्स जी० एफ० बिल्डर्स, जे० ए० एफ० हौस नं० 4, फादर जोसेफ वाज रोड, वासकोडागामा, गोवा ।

(धन्तरक)

(2) श्री घिन महमद, इसलामपुरा, बैना, वासकोडागामा, गोवा । (श्रन्तरितीं)

का यह स्वना वारी करके वृत्रीक्त सम्मत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुएं।

#### उक्त क्रमित्त के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बार्सप्य--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों दर स्थान की सामील से 30 दिन की नविध, वो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में दितवष्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, व्योहस्ताक्षरी के पाद निवित में किए वा शकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्**स्**ची

(दस्तावेज सं० 1200/84, दिनांक 1-8-84) शाप नं० 17, जो कोसी श्रपार्टमेंट्स, वासकोडागामा, गोवा, में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 13-3-1985

सोहर ःः

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्तिक) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० म्रार० 37ईई/1409/84-85--यतः मुझे, म्रार० भारद्वाज,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 15 ग्रीर 16 है, तथा जो कोसी ग्रपामेंर्ट्स, वासकोडागामा, गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 1-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ बाबा बबा प्रतिफल, निम्निसिवित खब्बोच्य से उच्य अन्वरण किस्त में वास्तविक समु हो कांग्य नहीं किया नवा है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसीं थाय की वावत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरण को इप्रियत में कजी करने वा उससे बजने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एती किसी जाय वा किसी भन वा अन्य जास्तियों को, विक्ते भारतीय बाय-कर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिन्यम, वा भव-कर वाभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट वहीं किया क्या या वा किया जाना चाहिए था, कियाने जे बुविभा के लिए;

अतः जन, उस्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, मिस्मिनिएस व्यक्तियों, अधीत क्र- (1) मेसर्स जी० एफ० बिल्डर्स, जे० ए० एफ० हौस नं० 4, फादर जोसेफ वाज रोड, बासकोडागामा, गोवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीं घिन घहमद, इसलामपुरा, बैना, वासकोडागामा, गोवा।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के रिनए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त बन्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-बह्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरण: --- इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# धनुसूची

(बस्तावेज सं० 1201/84 दिनांक 1-8-84) शाप नं० 15 श्रीर 16, कोसी श्रपार्टमेंट्स, वासकोडानामा, गोवा, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 13-3-1985

मोहर 🛦

प्ररूप् वार्<u>र</u>े.ट<u>ि.एन.</u>एस.\_------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना आरत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर वाय्यत (निरींक्षण)** श्रजेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेशं सं० आर०-1412/37ईई/84-85-मतः मुझे, भार० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० जि है, तथा जो तलेगोवा, सेंट इनेज, गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्घाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय खंगलूर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 13-3-1984,

का पृवाकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अस्तरण औं बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) ■ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्री रमजान ए० मखानदार, कन्ट्राक्टर, श्रवलेमबट, मरसेस दास इलहास, गोवा । श्री जोश्रो नजारत गुडिन्हो श्रौर श्री लिजिया गुडिन्हो, सेंट इनेज, पणजी, गोवा ।

(भन्तरक)

(2) श्री रिचाई फानसिस मेनेजेस, मैनेजर, सिडीकेट बैंक, रिवानसार, गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिष् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मग्यची

(वस्तावेज सं 0 1202/84, दिनांक 1-8-84) सम्पत्ति है, जिसका सं 0 प्लाट नं 0 जि 0, जो तलैगोवा, सेंट इनेज, गोवा, में स्थित है ।

> मार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 13-3-1985

मोहर:

# प्रकप बाइ . ही. एवं . एतं . ------

# अध्यक्तर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निवेश सं० त्रार०-1447/84-85--यतः मुझे, श्रार० भारताज,

बाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट न० 5 है, तथा जो मरमागे वा डिस्ट्रिक्ट, गोवा में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुभूची में भौर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर, में रजिस्ट्रींकरण भिधितियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, दिनांक 24-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हर्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धिभा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स जे० एम० बिल्डर्स कारपोरेशन, 8-रोस मितयास चेंम्बर, टीं० एल० गोमस रोड, वासकोडिगामा, गोवा। (धन्तरक)
- (2) श्री नारबर्ट किय्युरेडो, पी॰ ग्रो० वाक्स 3825, कुर्वेत ।

(ग्रन्तरितीं)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वागा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगृजुरी

(दस्तावेज सं० 1219/84 दिनोक 29-8-84) प्लाट नं० 5, जो एफ० एल० गोम इ रोड, वासकोडिगामा, गोवा, में स्थित हैं ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

दिनोक: 13-3-198**5** 

मोहर:

# प्रकप साई .टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)
--- अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निषेश सं० मार० 1408/37ईई/84~85---मतः मुझे, मार्०भारकाण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकीं सं० णाप नं० 14, है, तथा जो को सि अपार्टमेंटस बासको० में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचीं में श्रीर पूर्ण रूप से बर्गित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रींकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, दिनांक 2-8-1984,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार्ने आफ्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) मेसर्स जी० एफ० बिल्डर्स, क्षे० ए० एफ० हीस, बासकोडिगामा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जफार था, श्रापासिट टू श्रंजुमान है स्कूल, इसलामपुरा, बैना, वासकोडिगामा ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश: गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1231/84, दिनांक 2-8-84) शाप नं० 14, कोसी श्रपार्टमेंटस, वासकोडिगामा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, बंगलर

दिनांक : 13-3-1985

मोहर

परूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहीयक आयकर अवयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलूर

. बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश सं० भ्रार०-1413/84-85/37ई---यतः मुझे, भ्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस०/5 है, तथा जो डाक्टर ए० बि० रोड, पणजी, गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय बेगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 2-8-84,

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का फेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल में निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंती किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, प्रवित अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) केंक्किअधीन, निम्निृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स डालिया वि० पै० वरनेकर, नियर पुराना कला स्रकेडमी, डाक्टर, ए० बी० रोड, पणजी, गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) सखा श्री महेश वि० शा० और ज्योतेन्द्रा वि० शा० ग्रपोजिट ग्राजाद मैदान, पणजी, गोवा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🛊

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि-बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

(दस्तावेज सं० 1233/84 दिनांक 2-8-84) सम्पत्ति है, जिसका स० 5/5, 1. फ्लोर, ग्रपंना को-ग्रापरेटिव हा उतिंग सो नायटी लिमिटेड, जो डाक्टर ए० बी० रोड, पणजो, गोवा में स्थित्र है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन्रेज, बंगलूर

दिनांक: 13-3-1985

मोहर:

# 

# बायकर्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सुमृता

#### पारत सरकार

`कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)। भ्रर्जन बेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आर०-1426/37ईई/84-85--यतः मुझे, भार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बांजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 6 है तथा जो स्रक्वेम, गोवा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वॅजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 25-8-84,

को पूर्वोक्त सपित्त के उच्चित बाजार मून्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जार मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार चून्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त प्रिक कप से कथित नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस व्यने में सूविधा के लिए; बॉर्ड/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उन्त विधिनयम की धारा 269-ग के बनुसरक में, में, उन्त किधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन हिम्मिनियम व्यक्तियों, वर्षात् हिम्म

(1) मेसर्स मंजुला एम० पटेल, केर/ग्राफ मोहनलाल पि० पटेल, पि० बीं० नं० 218, मरगोवा, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री के॰ एल॰ सेतिया, डाजले ड्रेन्स, 16, क्रज ग्यानशन, मरगोवा, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन, की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ जिस्ति म किए का सुर्की गे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयम है।

#### मन्स् चौ

(दग्तावेज सं० 1240/84 दिनांक 25-8-84) सम्भत्ति है, जिसकी सं० 6, जनासता को०-श्रापरेटिव हाउसिंग सोअपटी लिमिन्ड, जयाप्रकाश नगर, ग्रक्वेम, मरगोवा, में स्थित है।

> आर० भारद्वोज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंत रेंज, बंगलूर

दिनांक: 14-3-85

मोहरु

# एकम् वाद<sup>क</sup>्टी<u>ः एक् एकः</u> """

# णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुष्ता

#### नारतं तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, बंगलर

बंगलूर, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश स० ब्रार०-1316/37ईई/84-85--यतः मुझे, ब्रार० भारद्वाज,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

र्ग्वार जिसकी सं० शाप सं० 4 है, तथा जो पोण्डा, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, दिनांक 24-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तहण से हुई किसी बाय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के बन्तरक क्षे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बर्डिया
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हुं भारतीय आय-कड अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुरिषा से लिए;

(1) डाक्टर सिन्तामणि दत्तात्रेय गोखले और डाक्टर (मिससं) लीला सिन्तामणि गोखले, केयर/प्राफ मेटरनिटि और जनरल नरसिंग होम, पोण्डा, गोआ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्रा दत्ताक्षेया वरनेकर, नलनलिम—वाडि ।

(भ्रन्तरिक्षी)

का यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति, के वर्षन के निष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इत्रारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-अं में परिभाषित हुँ, बही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में विधा नया है।

#### श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1245/84 दिनांक 24-9-84) शाप नं० 4 जो ब्रांड फ्लोर, पोन्डा, म्युनिसिपालिटि नं० 5, पोन्डा, गोवा, में स्थित हैं ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरे श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

भतात मन, उसत मिश्रिनयम की भारा 269-म के जनुसरण में, में, उसत मिश्रिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) में भशीन, निम्नकित्वित स्मित्रों, मर्थाल् ८—

दिनांक : 14-3-85

मोहर छ

# 

# बायकर कर्टिंगनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुम्ला

#### माइच तरकार

# कार्यासच, सहावक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलूर

वगलूर, दिनांक 13 मार्च 1985

निदेश स० आर०-1319/81-85/37ईई---यत मुझे, आर० भारदाज,

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात उन्तर अधिनियम कहा गया ही), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी स० एफ० 2 है तथा जो अक्वेम, मण्गोवा में स्थित । (ओर इतन उनाबद्ध अतसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिताक 24-9-84,

को पृचौंक्त संपत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देशमा से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त सीधनियम के सधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उठसे नचने में सुविधा औ तिए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अस्य अस्वित्यों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडेहर जा, रिस्पान में मृतिका भी लिए,

(1) शैलेश के० सन्जगिरि, कुरयोरेम, गोवा ।

(अन्तरक)

कमरहीन आफ दोडया,

वि० संन्यकार को० आपरेटिव हार्जासग सोसायटी, अक्वेम मरगोवा, गोत्रा ।

(अन्तरिसी)

की यह क्षाना काड़ी कड़के पूर्वोक्त सन्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

जक्त सन्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्त्वंत्रंत्री व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंचे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त व्यक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सन सन्त्री

(दस्तावेज म० 12546/81 दिनाक 24-9-84) मगत्ति है, जिमका म० एफ० 2 एट सन्तवार को० आप रेटिय हाउसिंग मोमायटी अन्तवेम, मरगोवा, गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलर

विनाक : 13-3-1985

भोहर:

प्रक्य बाह्", टी. प्न. एस. \*\*\*\*\*\*\*

बायकर जोधनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जधीन स्वना

#### शारत तरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर बंगलर, दिनाक 14 मार्च 1985

निदेश सं० आर० 1321/84-85/37ईई--यतः मुझे. आर० भारद्वाज.

भायकर मधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-क भे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० 1 है, तथा जो अक्वेम, मरगोवा, गोवा में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेंगलूर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 24-9-84,

को पूर्वीक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान की गक्ष प्रतिफल को ਿਕਦ अन्तरित मभ्जे यह विश्वास करने का कारण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रममान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत सी अधिक है और **बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच** एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण संहुदः किसी जाव की वायक उक्त अधि-विषय की अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कबी करने या उनसे वभने में सुविधा की निष्: बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को बिद्धः

श्वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चैं अधीन, जिल्लिसित व्यक्तिसी, अधीत क्र--- (1) श्री राजन एम० पी० लौन्डी, धत्ताप्रसाद बिल्डिंग, पाजिकौण्ड, मरगोवा, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीज आर० विरानी , दि० संन्सकार को० आपरेतिव, हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, अक्बेम, मरगोवा ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🚈

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तिरां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरी के पास सिस्ति में किए का सकेंगे।

श्यब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त • अधिनियस, को अध्याय ∠0-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गया हैं॥

#### नगर गी

(दस्तावेज सं० 1247/84, दिनाक 24-9-84) सम्पत्ति है, जिसका सं० एफ० 1, जो समर को० आपेटिन हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अक्वेम, मरगोबा, गोवा, में है। (50 स्ववेयर मीटर्स) ।

> आर० भा**रद्वा**ज सक्षम प्राधिकारी स**ह**।यय, श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वेंगसूर

दिनाक: 14-3-1985

महेर 🖫

प्ररूप मार्. टी. एन. एस. -------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार सायुक्त (विश्वीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 मार्च 1985

निर्देश सं० 43734/84-85---यतः मुझे, आर० भारद्वाज षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बण्जार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है और जिमकी सं० आर० एस० 636/3, टी० एस० नं० 272/3बी है, तथा जो अतावर विलेग, मंगवूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-8-84 को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते एह कि का फरने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल् से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पास गया प्रक्तिक न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीयक १५ से किंश्स नहीं किया गया 💕 🜬

- (क) अन्तरक से ह्रां किसी बाब की बाबत, अबस अभिनियम की बभीन कर दोने के बस्तरक की धाबित्य में कामी कारते या जसते बचने में सुविका के निष्ण अपि/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धन-कर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना धाहिये था, खिपाने में सुविधा की लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म कौ अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कौ अधीन, निम्नविखित स्पिक्तमों, अधित १०---

- (1) श्रो के बालाकुष्ण, चामराजनगर, मैसूर
- (2) श्रीमती ऐशा, (अन्तरक) वाइफ/आफ बि॰ हसानब्बा, बाजपे, मंगलूर तालुक ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के सर्वन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में काई भी बाक्षण हू-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी पर पूर्वोक्त श्राविसयों में से फिसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित के फिए का सकरेंगे।

स्यव्यीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 671/84 दिनांक 3-8-84) सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० नं० 272/3बी, जो अत्तावर विलेज, मंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) ें अर्जन रेंज, बंगलूर

विनोक: 16-3-85

मोद्वर:

# प्रकथ बाह् , हों. एन. प्रचा : ------

बायंकर ज्भिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--व (1) को सभीन सूचना

#### भारत रहकार

कार्यालय, सहायक मायक र आयुक्त (निद्वीलण) अर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 मई 1985

निदेश सं० 43736/84-85-यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रोर जिसकी सं आर एम 469-2सी 1, टी एम नं 308-2मी 1, है, तथा जो कोडियलबैल विलेज, मंगलूर में स्थित है (पोर इस उपाबद्ध अनुसूत्रों में प्रार पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिस्ट्रीकर्जी अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-8-84,

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का क्यूह प्रतिशत से अधिक है बौर अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरक के सिए तय शवा गया प्रतिफल निक्निसिंबत उद्देश्य ते उच्छ जन्तरण मिलित् में वास्तविक कन वे किया नहीं द्रिका गया है:---

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाम की दावत उक्त कीच-मिक्क के बधीन कर दोने के बन्दरक के समित्य में कानी करने या उत्तरों अचने के सुविधा के सिए; लीक्न/वा
- (क) देवी कियाँ नाम या कियाँ यन या नाम नास्तिनी को, विन्हें भारतीय नामकर विन्हित्तक, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम् या पन काल निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-वार्ष क्यारिती व्याध बकट नहीं किया बना वा वा किया जाना चाहिए था क्याने में सुविधा के निवह?

वतः वव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व के अनुबरण वें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की अपधारा (1) के कथीन, निम्नविधित स्वित्वों, अविध् ह——

- (1) डाक्टर प्रकाश एस० शेट्टि, पी० ए० हालंडर श्री के० सरवोत्तामा शेट्टि, एडवोकेट कोडियलबैल, मंगलूर । (अन्तरक)
  - (2) मिसर्स सुयारिता शेट्टी, पी० ए० होलडर श्री श्रोंकार एम० शेट्टी, नं० 5,2, यूनियन बिल्डिंग, शास्त्री रोड बम्बई। (अन्तरित्ती)

को वह बुक्त बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिव कार्यवाहियां करता हुं:

जनत सम्परित के नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी माओब हू--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जविथ या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविथ, यो भी जविष बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूजेंबर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगर,
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबव्य किती कन्य व्यक्ति व्यास कथोहस्ताक्षरी के , वाद निवित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कृष्णं बीरः वर्षे का, जो उक्त अविनियम में अभ्याय 20-क में परिधावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं ॥

#### वर्ष्य

(दस्तावेज सं॰ 649/84, विनांक 1-8-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० आर० एस० 469-2सी० 1; टी० एस० नं० 308-2सी1, जो कोडियलबैल विलेज, मंगलूर तासुक में स्थित है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक अंग्रयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 16-3-1985

मोहर 🛭

# प्रकृत जार्द हो एन एक ,-----

बावकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-व (1) के नधीन सुवना

#### शास्त्र चरकार

कार्यालव, सहायक बायकर बाब्क्स (निरीक्षण)

्र अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 16 मार्च 1985

निर्देश सं० 43790/84-85—यतः मुझे, आर० भारहाज, नायकर वीवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के जवीन संअम प्राधिकारों को वह विश्वाद करने का कारण है कि स्वावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 27/2 है, तथा जो रगुवनाहिल्ल, उत्ताराहिल्ल होबिल, बेंगलूर दक्षिण नालुक है में स्थिन है (ग्रींग इसमें उपाबंड अनुसूची में ग्रौंग पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यीलय बेंगलूर, दिक्षण तालुक, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-8-1984,

को पूर्नोक्त सम्पत्ति को उचित नाचार मूल्य से कान के इस्प्यमण इतिफल को निए नन्तरित की गई है जोन मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्यार एल्य उसके इश्यमान प्रतिकत की की इंचे इक्स्यान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत निधक है और नंतरक (नंतरकों) और संतरिती (नंतरितियों) के बीच एसे नंतरक के सिए तथ पाचा गया प्रतिकत, निम्निवित्त उच्चेक्य ते उन्त नंतरक निस्तित में वास्तियक रूप से किया नहीं किया गया है

- (क) जन्मरण वे इन्हें जिसी बाव की बाबरा, जनक विधिवनर के वधीन कान्त योग के जन्मरण में कर्तित्व में कर्मी करने वा उन्नवी नचने में जूनिया की क्षिप; करि/वा
- (व) एसी किसी जान या किसी धन वा सन्य आरिताओं को जिन्हों भारतीय जानकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनाओं जन्तरिती स्वारा प्रका नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, कियाने के सविधा के खिए।

नत: अब, उक्त निधित्यम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिल्लानिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- 5-46GI/85

(1) श्री बी० एस० नागबुशण राव,त० 87, एच० बी० समाजा रोट,सबनगुडि बैंगजूर-4।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० आर० धनालक्ष्मी,
पार्टनर आफ : मेमर्स वालाजी इंडस्ट्रियल ग्राँर
एग्रीकल्चर क्यामटिंगस, नं० 1186/14,
ग्राउण्ड फ्लोर, 35-सी० क्रास,
JV- 'टि' ब्लाक' जयानगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के नर्धन के जिस् कार्यवाहियां कश्ता हुः।

उक्त सम्बन्ति के शर्मन के संबंध में कोई भी नाकोप :---

- (क) इत स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की अविधि या तत्स्य की व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, वो वी अविध नाद में सभाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाना:
- (च) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर गंपरित में हितबद्ध किमी जन्म व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास धिक्ति में किए जा सकती।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभावित है, बहु अर्थ होगा को उत्त अध्याय में दिना गया है।

#### र्गाम्य गरी

(दस्तावेज सं० 2933/84 दिनांक 4-8-84) सम्पत्ति है, जिसको सं० 27/2, जो रंगुवनाहिल्ल, उत्ताराहिल्ल होबिल, वेंगलूर दक्षिण नालुक, में स्थिन है ।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 16-3-1985

मोहर :

प्रकल् बाह्र . टॉ. एवं. एड.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के बभीन स्चना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बगलूर बगलूर, दिनाक 16 मार्च 1985

निदेश स० ग्राई-4/37-ईई/43952/84-85----श्रत मुझे, ए० प्रशाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त अधिगियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विक्थास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति. जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० आर०णस० 8/1बी 1 है, तथा जो कवूर विलेज, मगलूर में स्थित है (श्रौर इसो उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण- रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 17-8-1984

को पूर्विक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उजिल बजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के किए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है है---

- (क) जन्तरण संहुइं किसी नाय की बाबत, अक्ष विभिन्नियम के जभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने मा शृत्विचा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी मान या किसी भन या अन्य आस्तियाँ नेत्र जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 व्य 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिलाने में सीविधा के सिए;

वर्तः जब, अक्त विधिनयम की भारा २६९-म के मनसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा २६९-च की उनभारा (१) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती तेरेसा लुइस, जेजिगुरि, बन्डेल, पडगु विलज, मगलूर, तालुक ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इरेने कुन्हा,बेजैं, मगलूर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्बत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की छारोच से 45 बिन की अविधि या तत्सं कंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्वक्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया वृक्ष हैं।

# मन्स्ची

ं (दस्तावेज सं० 1001/84, दिनाक 17-8-84) । मम्पित है जिसका म० आर० एम० 8/1611, जो कावूर विलेज, मगलूर सिटी में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलुर

दिनाक: 16-3-1985

मोहरः

# इक्ष्यु बार्ड . स्त्री . एन् . एस . --------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-च (1) के नचीन सुचना

#### शारत बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायूक्स (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई अर्जन रेंज. बंगलूर

निर्देश मं० नोटीस नं० 43716/84-85—अत: मुझे आर० भारद्वाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- एउसे अधिक हैं

ग्रीन जिसकी स० 52/1 है, तथा जो मध्याहिला, सुलतान-पाल्या बेगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाइद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के नार्यालय गाधीनगर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908, का 16) के अधीन तारीख 13 अगस्त 1984।

का प्वावस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क स्थमान प्रतिका क लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह जिस्सास करने का कारण है कि सभाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफास सं, एसे स्थममान प्रतिफास का पहि प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीज ऐसे अन्तर्य के बिए तब पाया गवा प्रति-जा जिल्ला उद्य स्था । उसा अन्तरण स्थित तो पास्तिवक स्था में अस्त स्था कि नहीं विद्या गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबक, खक्त अर्टुधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क्ष) एती किसी बाब ना किसी भन वा बन्च नास्तिनों की, चिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अभिनियम, या चय-कर बहिनीस्मन, या चय-कर बहिनीस्मन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहरी ह्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा या किया याना चाहिए वा, जिसारे में स्विभा ने निष्हु

बतः अर्था, उक्त विधिवयम की धारा 269-ग के बनुसरण मो, मी, उक्त विधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन निम्निसिक कित्तवों वर्षात् ॥—  (1) मिम लीला नायर, केर/आफ, श्री सी०पी० प्रकाश, नं० 33, मलतानपाल्या, बेगलूर।

(अन्तरक)

(2) सी ०पी ० प्रकाश, मिसर्स णामा प्रकाशा, नं ० 33, गलतानपाल्यः, बॅगलूण।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरका ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सपक्ति है)

न्त्री यह शुभना चारी करके पृथाँक्स सम्पत्ति की अर्थन के जिल् कार्यवाहिया करता हो।

# अक्ट सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येयू:--

- (क) इस स्वता को राभपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय स्वारा;
- (श) इंत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भात र उक्त स्थानर सम्पोक्त में हितवबृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताभृरी के पाइ लिखिश में किए था अकरेंगे।

स्वस्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वो वक्त विधिनियम, के बुष्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस कृष्याय में दिवा

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं०/1520/84 ता० 13-8-84) सम्पत्ति है जिसका मं० 52/1, जो मटदाहिल्ल, सुलतान-पाल्या, वंगलूर, में स्थित है।

आर**० भारद्वाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षर्ण) अर्जन रेज, बंगीलूर

तारीख: 16-3-1985 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचनः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बगल्र दिनाक 16 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिम स० 43735/84-85—अत. मुझे, आर भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी म आए एस न० 65/1 (उत्तर भाग), है, तथा जो पश्च विलेज मगलूर में स्थित है (भ्रीर इनम उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री-क्ता अधिनयम 1908(1908 का 16) के अधीर ता० 2 अगस्त 1984, मगलूर

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मृभ्ने यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तेरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा वायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पी० अनंन्ता गोनाय, हरिद्वास लेंग, मगलूर।

(अन्तरक)

(2) के ० सरवोत्तमा भट, पिग्मि कलेकटर, सिन्डीकेट बैंक, कुलशेकर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गगा है।

# मन्स्ची

(दस्तावेज स० 663/84 तारीख 2/8/84) सम्पत्ति है जिसका सं० आर ०एस० नं० 65/1 (उत्तर भाग), जो पडवु विलेज, मंगसूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बगलूर

त**ारीख: 16-3-**1985

मोहरु 🕉

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आय<mark>्क्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 मार्च 1985

निदेश सं० नोटिम नं० 43895/84-85--अतः मुझे, आर० भारदाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रींग जिसकी सं 0 टी ०एस ० म ० 585-2 बी ० आर ० एस ० नं ० 276-2 बी, हैं, तथा जो तोता विले ज, जेप्पु वार्ड मंगलूर में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीक्टरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 16 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण निरित्त म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण ये हुई किसी नाय की बावत उत्तर अधि∞ निवस के बभीन कर दोने के बन्तरक की दावित्य सें कमी करने या उसके वचने में सुविधा के लिसे; नीर्/या
- (क) एसी किसी जान या किसी धन जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए भा कियाने में सुनिधा के सिक्;

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) मुंअभीन, निम्नीसिवत व्यक्तियाँ, वर्धात १(1) जटावंत्ती ए० सुर्वेना, वाईफ/आफ लेट अशोक सुर्वेना, गोल्लारकेरि स्ट्रीट, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एल एणवन्ता कोटियत, कलाथ मारचेंट, सलिवन निवास, गणिहितलु, हौगे बजार, मंगलुर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है),

को यह युचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45' दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा वो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### मन्सूची

(वस्तावेज सं० 718/84-85 तारीख 16-8-84) मम्मत्ति है जिसकी सं० आए ग्राम ० नं० 276-2 बी, टी० एस० नं० 585-2 बी, जो तोता विलेंज, जेंप्यु वार्ड, मंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज, बंगलूर

तारीख: 16-3-1985

मोहर 🛭

## प्ररूपः बाह्री, टॉ. एन . एस . ------

## कानुकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

#### बाइन न्द्रकृत

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 16 मार्च ∤1985

निदेश सं० नोटीस नं० 43,737/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के मभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी स० आर ०एस० 461-2 सि 1, टी०एस०नं० 308-2 सी 1, है, तथा जो कोटिवलबैल विलेज, मंगलूर में स्थित है (प्रौर इस मे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्री प्राधिकारी के कार्याक्षय मगलूर मे रिजस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीक 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के दिश्यमान श्रीतपास के लिए बंसरिस की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संमत्ति का उचित गाजार मूक्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दृश्यमान श्रीतफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और श्रातिशत (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया च्या प्रतिफल निम्निनिवत उद्देश्य से छक्त अन्तरण तिबित वे गास्त्रीक क्य से काँचत नहीं किया गया है:--

- (थ) बन्तरण वं हुई किसी नाम की बाब्स, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के खीनरम में कमी करने वा उत्तरे वसने में सुविधा में भिष्य; बीळा/सा
- (क) ऐसी किसी आयाबा किसी भन या अध्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिहिती वृधारा अकट वहीं किया वया वा वा किया जाना वाहिए वा, जिनाने कें स्विभा के लिए;

अतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्निसिक्त स्पन्तियों। अभीत् :---

आक्टर प्रकाण एम० शेट्टी,
पी०ए० हालडर श्री०के० सखोत्तामा शेट्टी,
श्रडवोकेट,
कोडियलबैल,
मंगलुर।

(ग्रन्तरकः)

(2) ओंकार एम० शेट्टी, न० 52, मुनियन बिर्लिखन, शास्त्री रोड, बंबई-7।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं !

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 4.5 दिन की बनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बनिथ, जो भे, बनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस ब्रुवन के राज्यन में प्रकारन की वारी के 45 विन के बीचर बक्त स्थान्य सम्मास्य में हितनव्य किया सम्मान का किया के पाद विचित्र में किया ना सकेने ।

स्वकारणः -- इसमें प्रयुक्त दब्दों और वदों का, तो उक्त निधानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(यस्तावज स० 648/84 तारीख 1-8-84) सम्पति है जिनका संदू प्रार०एम० 461-2 सी 1, टी०एम०नं० 308-2 सी 1, जो कोडिवलबेन यिलेज, मंगलूर ताल्लुक में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रंगलूर

तारीख: 16-3-1985

मोहर ह

## प्रकार कार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालयं, तहायक भाषकातु नागुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश मं० नोटीस नं०/43772/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 1 (पुराना मं० 7-डी)है, तथा जो आलफेड स्ट्रीट, हियमंड टौन, बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उगाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984, शिवाजी नगर

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियन के अभीन कार दोने के अंतरक के दावित्य में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आरितयों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अथकार अधिनियम, या अथकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान से पृतिथा के लिए;

(1) (1) श्री कोलिबले अरत्र बारे श्रीर (2) मैसर्स, लिल्लियन राजेल, पारे, जीव्यीव्यवनंव 1, नंव 3, लान्यफर्ड रोड, बेंग्लूर।

(अन्तर्क)

(2) श्री विक्टूर रोजारियो मिरान्डा श्रौर (2) मैसर्स मेरि बारवारा मिरान्डा, नं० 24, लियोनार्ड लेन, रिथमन्ड टौन, बेंगनूर,

(अन्तरिती

(3) ब्टफाय।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्प्राप्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### जनसंची

(दस्तावेज सं० 1468/84 ता० अगस्त, 84) मम्पत्ति है जिसका सं० 14 (पुराना सं० 7-डी), आलफेड स्ट्रीट, रिथमंन्ड टौन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगलूर

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की भारः 269-ग क अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ज की उपभारा (1), अं स्थीर, निर्माणिक व्यक्तिया, अर्थिक

तारीख: 8-3-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत संदुकार

## कार्याज्य, बहायक नायकर नायक्त (विरोक्त)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर बंगलूर दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० नोटीस नं० 44565/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 46 है, तथा जो 1 ब्लाक, आर०टी० नगर बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17 अक्तूबर 1984, को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से विधिक है और अंतरक (ग्रंतरका) और अंतरिती (ग्रंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिवित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरकु के दायित्व में कनी करने या उत्तर्ध क्चने में सुविधा के किए। अरि/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन यह जन्म नास्तियों की जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

, (1) श्री. आर० कुमारवेल नं० 46, 1 ब्लाक, आर०टी० नगर, बेंगलूर-32।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मगनलाल भ्रो० चन्दाराना,
नं० 406,
ग्रोन्ड फ्लोर,
आई मैंन,
1 ब्लाक,
आर०टी० नगर,
बेंगलूर-32।

(अन्तरिती)

(3) वेंन्डर।

(वह व्यक्ति जिसके, अधिमी में संपत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पात िस्तित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जींभीनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उत अध्याय में दिया गया ही।

#### बन्द्यी

(दस्ताबेज सं० 22104/84 ता० 17-10-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 46, जो 1 ब्लाक, रवीन्द्रानाथ टागर नगर, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगलर

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) व्ये अधीन, निम्नविधित व्यक्तियों अधीत् ध---

तारीख: 8−3 1985

मोहरः

## प्राक्य नाइ टी प्रमुख्य व्यवस्थान

## न।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्वेगा

of the contract of the contrac

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर दिनां 8 मार्च 1985

निवेश सं० नोटीस नं० 44579/84-85—अतः मुझे, आर० भारक्षाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्यास कारने ए का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भोर जिसकी सं० 16/1 है, तथा जो प्रोमेनाडे रोड, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास फरन का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और मन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निवित उच्चेष्य से सकत सन्तरण विविद्य में सास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण ये हुई जिसी बाब की वायस, उत्तर अधिनयम की अभीत कर वोने को बसारक की दाबित्य में कमी करने वा समसे असने में सृधिधा औं सिए; वॉर्/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियाँ को विन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भ था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा है लिए,

अतः । वतः अवतः अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण
भें, में उततः अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
6-4601/85

(1) भिन्सी फिनोमेना तंस्वू चै।ट्ट और (2) श्रो बैरताड जिकाम नम्बू चेट्टि, नं 17, प्रोमेनाडे रोड, बैंगलूर-5।

<del>gaigemen</del>geas (1.20, 5 m<del>l</del>uut muur 1

(अन्तरक)

(2) श्री फोड्डब गेसारियो, रोड्डिग्यूस, गं० 98/7, वीलर रोड, काक्स टीन, , बेंग, उप-5।

(अन्तिरती)

ना ना स्थाप अस्य करक प्राम्थित सम्माति के नाम की लाए कार्य ग्राप्ति करता हा।

ाकत सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कां**र्ड भी आक्षेप**:----

- (१) इस सरला के एअपन में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की नवींच्या सल्यानी व्यक्तियों पर मुबना की तामील में 30 दिन को अवस्थि, को भी ज्यांच बाद में ममाप्त होती हों, के भीतर प्रविक्त क्यांचित्ता में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिमिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त व्यथिनियम के अध्याय १०-क में परिभाषित हैं, बही क्यं होगा जा उस अस्पाय में दिया स्था हैं:

## **अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 2125/84 ता० अक्तूबर, 84) सम्पत्ति हैं, जिसका सं० 16/1, (ईस्ट्राम पोरशन), जो प्रोमेनाडे रोड, बेंगलर-5, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज लक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगलूर

नारीख : 8-3-1985

मोहर:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीन सूचना

#### शारत तरकार

कार्यात्त्रम, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश मं० नोटीम नं० 44225/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की नारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और ज़िसकी सं० 36 है, तथा जो न्यु टिम्बर यार्ड लेखीट मैसूर रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इस से उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियस 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 1 असत्वर 1984,

को प्वॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के स्थवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह निश्चात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाना ,जना प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बावत उक्त अधि नियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिएम्से में सुविधा के लिए;

केंग्रः क्रक, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक कीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:——  (1) श्रीमती लक्ष्म(म्मा और कुछ लोग, नं० 1600, मैन, इ.चलाक, II स्टेज, राजाजिनगर, बेंगलूर-10।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० भवानि, नं० 57/7, II(-बी-स्ट्रीट, ऐयान्ना मेट्टी ले औट, ब्याटारायनपुरा, मैसूर रोड, बेंगलुर।

(अन्तिरिती)

की वह त्या भारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगिहियां करता हुं।

उक्त कम्बत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष ह 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार्रा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ज़िल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### वयसम्

(दस्तावेज सं० 2657/84, ता० 1-10-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 36, जो न्यु टिम्बर यार्ड लेओट, मैसूर रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख: 8-3-1985

मोहर 🚁

### त्रक्षण'काइ', डी. एव. व्सं. - - - ----

## भाषकर निभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के समीन सूचना

#### STORY WOMEN

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिमांक 8 मार्च 1985

निवेश सं० नोटीस नं० 45049/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उनक मिनियम' कहा गया हैं), भी पारा 269-स के अधीन सम्म प्राधिकारों को वह किस्तास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित्र वाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 49 है, तथा जो I मैन रोड, गोशामी पुरम, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 30 मवस्थर 1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूम्य से कंम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पंक्र विश्वास अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रािफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्विक ए अध्यापक का स्वीविक ए अध्यापक का स्वीविक व

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिएवं भा कभी उरने या उससे व्याने में स्विधा के सिष् अर्थना
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन ना करक वास्तिनों को जिस्हें भारतीय नायकर अभिनिजन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिजन, या धनकर अभिनिजन, या धनकर अभिनिजन, या धनकर अभिनिजन, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिसी कुणारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा. कियाने के सुविधा के निक;

अतः अव, उच्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाषा 269-म की अपधाय (1) के अधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, अधीय क्-

- (1) श्रीमती कैं०जी० श्रंबुजम्मा
- (2) एम० एस० विनुपामणि,
- (3) एम०एस० वरदाराजन,
- (4) एम॰एस॰ नदाकुमार,
- (5) एम०एस० घोशाद्रि,
- (6) एम०एस० गोविन्दराज,
- (7) एम०एस० गोदादेवी,
- (8) एम॰एस॰ सुधामणि नं॰ 49,

I मैंन रोड, गोशाद्रिपुरम,

र्वेगलूर ।

(अन्तरक)

(2) (1) मास्टर आर॰ सुनील,

(2) मास्टर एल० सन्जेय,

नं॰ 136,

आर०वी० एम्सटेन्सम,

IX मैन

VI-ए-कास,

*बेंग*लूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचमां बारी करके वृबीकत संपत्ति के जनन के लिए कार्यकाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :----

- (क) इस पूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से
  45 दिन की अविधि या तत्संसंधी व्यक्तियों पर
  सूचमा की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेष्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्तरा;
- (थ) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विश्व की श्रीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-नवृथ किसी नन्य व्यक्ति व्यारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यीकरण ----इसमें प्रयुक्त सच्यों और पर्दों का, जो सकत विधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस वध्याय में विया ववा हैं।

## वन्त्यी

(वस्तावेज सं॰ 2717/84 ता॰ 30-11-84) सम्पत्ति है जिसका सं॰ 49, जो I मैन रोड, भोगाद्रि-पुरम, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, संकल्प

तारी**च**: 8-3-1985

मोहर :

## त्रक्ष. जाव<sup>2</sup>. टी.: तथ. एक्.. -----

नायक इ व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### ब्रारत तरकार

कार्नातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1985

निवेश स० नोटीस नं० 44392/84-85---अतः मुझे, आर० भारद्वाज

मानकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के मधीन सक्षम पाधिकारों की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पाम, जिसका उभित बाधार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 302 है, तथा जो बिवामगला 1 स्टेन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सेप्टेम्बर, 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपाबद मृत्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए असरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने कक्कों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिन बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस व्यमान प्रतिफल का बंग्रह प्रतिक्षत से विध्य है और अतरक (ग्रीतरकों) और अतर्रिंगी (अन्तर्रिंगों) के बीच एसं अन्तरण क लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से ज्वत अन्तरण शिवित में वास्तिक क्य से किथा गहीं किया गया हैं:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत उपस लाफ नियम के अधीन कर पोन के अभारक के बायिए मा कमी कर्ता या उससे अपने मी मुविधा की जिस्, और/बा
- (ब) ऐसी किसी बाम या किसी भन या अन्य आस्तिवों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए:

भेष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुकर्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निक्नितिबत व्यक्तिकों, वर्षाक् 4-7? 1) श्री रामचन्द्र ऐ नेबवानि, नं० 18/1, अस्ते रोड, IV कास, काक्स टीन, सिन्दि कालोनी, बेंगलूर-5।

(अन्तरक)

(2) पी०सी० वासुवेवन भौर कुण्छ लोग, नं० 2023/ए, XIV मैन, एच०ए०एल०-II स्टेज, बेंगलुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशाँकत∉सम्परित के शर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजभन में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यें क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाचि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख स 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित-क्षृथ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा सनोंगे।

#### क्रमानी

(वस्ताबेज सं०-1872/84 शारीख संप्टेम्बर, 84) खालि जगह है जिसका सं०-302, जो बिन्नामंगला 1 स्टेज, बंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सह्वायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थेम रेग्ज, बंगलूर

तारीख: 8-3-1985

मोहर 🛭

शरूप भाइ, टी एन. एस ------

आया अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० नोटीस नं० 44387/84-85-अतः **मुझे,** आर० भारक्षाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1 है, तथा जो हन्नूर रोड, नौ V क्लास हुचिन्स रोड, सेंट नामस टौन, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीनरण अधिनियम 1908(1908 का 16 के अधीन दिनांक 29 नितम्बर 1984,

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृख्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंव्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्निविचत उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिचित में शास्त्राक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं शुर्व कियी साम की नावस, उपस अधिनियन के अधीन कर योगे के अन्तरक सं र राधिएन मो कमी करने या असरो वचने में सुनिया से सिए; जीट्र/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी भन या किसी जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया बाना चाहिए जा, कियान में सृत्या के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती शारदा देवी,
नं० 1,
हेन्नूर रोड़,
5 कास,
हुचिन्स रोड,
सेंट मामस टीम,
बेंगलुर।

(अन्तरक)

(2) जेमस आर्ज कोशी,
नं० 25,
5 कास,
हुचिन्स रोड,
सेंट नामस टीन,
बेंगलुर।

(अन्तरिती)

को सङ्क्षमा जारी करके पृथानित संपत्ति से अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उपन संपत्ति को कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षय -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितनद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकीये।

स्थाकि रण:---इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, यो उसत विभिन्नियम के सध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होता, यो उस सध्याय में दिया नवा ही है।

#### वप्स्ति

(यस्तावेज सं० 1904/84 ता० 29/9/84) सम्पत्ति है जिसका सं० 1 (भाग) जो हेलूर रोड, नो 5 कास हुजिन्स रोड, सेंप्ट नामस टीन, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरीक्षण) अर्थन रेंज, संगक्षर

तारीख: 8-3-1985

मोहर ३

## प्रकर बाह्र . दी , एस् . एक ; अन्यक्त अन्य

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनोक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० नोटीस नं० 45654/84-85—अत: मुझे, आर० भारद्वाज आवकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है. की भारा

कावकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावत संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1981 हैं, तथा जो 26 क्रास रोड, IX मैन 1 ब्लाक, बी॰एस॰के॰ II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप वे वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन सारीख 12 सितम्बर 1984,

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्ल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (संतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त संतरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ तं हुए जिली आम की वावस्, उक्स विधित्र्य के व्यक्ति कर देने के अध्यरक के वादित्व में कनी करने ना उच्चे वचने में सुविधा के तिए; बोर्ड/या
- (क) एंसी किसी बार वा किसी थन वा अन्य आस्थितों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम वा धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किमा नवा था किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सृविधा के लिए;

अतः अत उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्रे की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिश्वित व्यक्तिशों, अर्थात्:—

(1) डाक्टर थिक्कानंज्जापा धीर कुमारी सि० नेदाबानु, नं० 13/01, पोलिस स्टेशन पोड, बसदनागुडि, बेंगलूर-4। (2) (1) बाक्टर, मकबूल अहमद,

(2) डाक्टर (मिससं), जिल्या अहमद, नं॰ 307,

इलियासमगर (सारिक गेट),

कनाकापुरा रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

(3) श्री अध्दुल जलील, नं॰ 1981,

> 26 कास रोड, 1X मैन,

1 म्लाक,

यनार्शकरि II स्टेज,

बेंगलूर ।

(बह व्यक्ति, जो सम्पत्ति में हितबद्ध रकता हो) को यह सूचना बारी करके वृबॉक्त सम्बन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के तम्बन्ध में कांद्री भी आक्षेप .---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नवींभ, को भी अवधि वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्य व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर संपत्ति में दिसबह्थ किसी जन्म स्थावत द्वारा जभोहस्ताक्षरी की पाछ किकित में किए या अकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षम्यों मौर पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नदा हैं।

#### नगज्ञी

(दस्ताबेज सं० 2372/84 ता० 12-9-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 1981, जो 26 कास रोड, IX मैन, 1 क्लाक, बनाशंकरि II स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर॰ भारद्वाज समम प्राधिकारी सङ्गायक खायकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बंगसूर

तारीख: 18-3-1985

मोहर 🛭

(अन्तरक)

प्रकथ नाहाँ, दर्रे. एन. एक.-----

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन त्यमा भारत सरकार

कार्यात्रयः, सहायक आयकार आयुक्तः (निरीक्षण) धर्णन रेंज, अंगलूर

बॅगलूर दिनांश 8 मार्च 1985

निदेश संं नोटीस नं० 43969/84-85--- मतः मुझे, भार० भारद्वाज

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पहचात् 'उन्तें अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं 98/7 है, तथा जो बीलर रोड, बेंगलूर में रियन है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूबी सें और पूर्ण रूप से विजन है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908(1908 का 16) के प्रधीन तारी 6 सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उजित बाबार मूल्य उसके बश्यमान प्रतिफल सं, एसे बश्यमान प्रतिफल स्व पन्त्रह प्रतिस्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तब बाबा यवा प्रतिफल निम्नलिखित उज्वेदाय से अन्तर अन्तरण निम्नलिखित अन्तर्भ से अन्तर अन्तरण निम्नलिखित अन्तर्भ सिका ग्राह्म स्व

- (क) बस्तरण ते हुई कियी बाय की बायत, बजर अधिनिद्य से अधीन करे दोने के बस्तरक के दाबित्य में कभी करने में उत्तर स्थने में सुविधा के लिए; व्यक्तिवा
- (स) एंसी किसी जाय या किसी भग या जन्य आसिता को, जिन्ह भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृतिधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ज अभीत निम्ननिक्ति स्वीक्तवाँ, अधीत्। (1) एफ०ए०एन० रोड्रिग्यूस,
नं० 96/1,
नार्त रोड,
बॅगलूर-5।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती वैरामणि टी०, मं० 14, रतनित्य रोष, फ्रोजर टौन, बेंगलुर।

(भन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत सं 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबाधि. जो औ जबिध बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-ब्रिंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में गिरभावित हैं, बही वर्ध होगा, जो उस मध्याय में विका भवा हैं।

#### **प्रनुसूचो**

(दस्तावेज सं॰ 1660/84 ता॰ 6-9-84) सम्पत्ति है जिनका सं॰ 98/7, जो वीलर रोड, कूक टौन, बोंगसूर, सें स्थित है।

> भार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, बंगलूर

तारीख: 8--3-1985

मोहर :

## प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांश 8 मार्च 1985

निवेश सं कोटीस नं ब 43796/84-85--- मत: मुझे, स्रार्क भारदाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिगकी संब 521 है, तथा जो IV क्लास, IX मेन एवं एं एं एं एं एं स्टेंज, इंदिरानगर, बेंग्लूर में स्थित हैं (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिप्रत के लिए अन्त रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उंद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन था अस्य जास्तिओं करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विध्य से लिए;

उत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कै अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (!) को अधीन निम्नलिसित स्थितियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी॰मार॰ रामाचन्द्रा राव, नं॰ 437, II कास, IX मैन, एच॰ए॰एल-II, स्टज, इदिरानगर, बेंगलूर।

(मन्तरकः)

(2) नूरमन इ० मेनेडेस, और
 (2) मिसर्स दरोति मेनेडेस,
नं० 521,
 IV कास,
IX मैन,
एच०ए०एल० II स्टेज,
इंदिरानगर,
श्रींगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

#### सन्सूची

(दस्तावेज सं० 1432/84 ता० 13-8-84)
सम्पत्ति है जिसका सं० 521, जो IV दास, IX मैन,
एच०ए०एल०-II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर, में स्थित है।
ग्रार० भारताण
सक्तम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 8- 3-1985

मोहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस..------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

## कार्यात्तम, सहायक मायकर मायुक्त (निर्देक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर वैंगलूर दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० नोटीस नं० 43745/84-85:-श्रतः मुसे, भार० भारद्वाज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंं 7(19) है, तथा जो पन्चान्ला सिंट टाप्पा लेन में काटनपेट, बेंगलूर सिंटि में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 22 अगस्त 1984।

को पूर्वेक्सि सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए जन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजौर
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
जिल्ति में शस्तियक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने को अंतरक के दायित्य में कमी करने सा उक्कसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उक्त बीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निम्निसिश्व व्यक्तियों, अर्थात् ध—— 7—46 GI/85 (1) श्री ए० श्रीनाथ,
 न० 64,
 18 काम रोड,
 माखोसा रोड,
 मल्लेश्यरम,
 बेंगलूर!

(भन्तरक)

(2) श्रीमती लीला जिनदाल, नं० 69, हासपिटल रोष्ठ, बलेपेट, बेंगलुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उबत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप कु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

(दस्तावेज मं० 1647/84 ता० 22-8-84) -- सम्पत्ति है जिसका मं० 7(19), जो पान्चाला शिद्धाप्पा लेन, काटन-पेट, बेंगलूर सिटि, सें स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज, बंगलर

तारीख: 8-3-1985 मोहर ७

## प्रसन् कार्ड वर्षा वर्षा एक .-----

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनाक 8 मार्च 1985:

निदेश सं० नोदीस नं० 43912/84-- प्रत सुझे, ग्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को. यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मं० श्रारणम् ०-102/1 बी० है तथा जो काकानारि-बी०-विलेज, मंगलूर सें स्थित है (और इस में उपाबद्ध श्रनुसूची सें और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सा अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22 श्रगस्त 1984।

को पूर्वोकत संपरित को उचित बाजार सूस्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षल का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:~

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय मा किसी भन या जन्य नगरितयाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा गंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मों संविधा के लिए

कत अष्ठ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण म', म', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित क्रिन्दिसों, अधीत :--- (1) श्री इब्राहीम एजाक, श्री वि०के० हाजि के पुत्न, तोषकोट्ट, ग्राफ उल्लाल विलेज, मंगलूर तालुक।

(भन्तरकः)

(2) श्री जोसेफ डविड बुकेलो, सन श्राफ लेट डामिनिक बयुकेलो, इन सरवीम एट कुवेट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र अ---

- (क) इस स्वता के रावध्य में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की वनिथ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहा-व्या किसी लन्य न्यन्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

क्यूक्टीकारणः — इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदों का, को उन्कड जीधीनयभ, के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया व्या ही।

#### नन्सची

् (दस्तावेज स० 752/84 तारीख 22-8→84)---सम्पत्ति है जिसका स० ग्रारणस० 102/1 वि जो कतकाताडिबि-विलेज, मगज्र सिटि में स्थित है।

> ग्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, बंगल्र

नारीख 8-3-19**85** मोहर. ्**रक्य**ं भा**र**् ् दी तु पृष्**त एड**्यान्स---स

जायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन सुचमा

भारत सरकार .

## कार्यालय, सहायक नायकर नावृक्त (विद्वीवाण)

अर्जन रेंज, बंगलूर दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० नोटीस नं० 43910/84-85—श्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अभिनियम' कह्य गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाचार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० प्रार०एस० 606/3, टी०एस०न० 485/3 है, तथा जो कोडिबलबेल विलेज कामबले वार्ड, मंगलूर सिटि में स्थित है (और इस से उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 27 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त बस्परित के उर्रेचत बाजार मून्य से कम के करनमान प्रतिकास को सिर्दे जन्तरित की गई हैं और मूको वह विश्वास करने का कारण है कि समाप्योंक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, ऐसे क्षयमान प्रतिकास का गन्दह प्रतिकास से मिथक हैं जार मंसरक (मंतरकार्ग) और मंतरिती (मन्तरितियों) के औष ऐसे बन्तरण के निए तम पाना गया प्रति-फून निम्मिशिवस सहस्वेदन से उनक मंतरण सिवित में वास्तिवक कम से कियत नहाँ किया नवा हैं द—

- (क) बनाइल से शुर्द हैंकवी जाय करूँ नावता, उक्त निपित्वत के व्यक्तिय कर दोने के संस्कृत के साहित्य के क्यों करने वा प्रकृति वालाने के क्रुटेंडियों के निष्; करि√या
- (च) एंसी किसी बाब वा किसी धृत या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुक्त विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः। अव, उक्त अधिनियम की धाडा 269-व के अनुसरण कें हो में ज उक्त अधिनियम की धाडा 269-क की उपधाडा (1) के अधीन, निस्नितिवित स्वीक्तयों, वर्षात :—

- (1) श्रीमती विजया एम० कामत,
  बैक/श्राद्ध श्री मुर्रालधरा कामत,
  एन०सी०सी० कामपौंड,
  कांत्रगुडशा,
  मंगलूर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शांतिर श्रार० मलया, बैक/श्राफ रामानन्दा कलया, तिलक महल, नेन्नागुडडा, मंगलूर-3 श्री भासकर शिंदु, सन/श्राफ० शीना शेट्टि, बल्लाल भाग,

(अन्तरिती)

को यह सुचनः वाष्ट्री कृत्यो पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

चन्नत ब्रम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के समयम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तानीस से 30 दिन की स्वधि, जो भी स्वधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स कारितहाँ में से किसी कारित स्वस्तु;
- (क) इस ब्यान के एकप्य में प्रकासन की तार्ति से 45 दिन के मीद्दर उन्त स्थानह सम्मति में हित्नक्ष किसी नन्य स्मीति हुनारा, नभोहस्ताकारी के पास सिविद में किए या तकेंगे।

स्पूजांक्ष्यल् हिन्द्रस् मनुबद् कार्यां सीह पूजीं का, हो उनस् वीष्टित्रस्य, हो सम्बद्धाः 20-क में पहिरमाचित् हीं होती नर्भ होता को उस मध्याय में दिवस क्या हीं।

#### नप्राची

(दस्तावज स० 791/84 तारीख 27-8-84)—सम्पत्ति हैं जिसका सं० श्रार०एस० 606/3, टी०एस०न० 485/3, जो कोडिबलसैंल विलेज, काम्बला वार्ड, मंगलूर सिटि, में स्थित है।

> म्रार० भारक्षाज सक्ष प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगसूर

तारी**ख** : 8-3-1985

मोहर:

प्ररूप बाहै, टी., एन., एस. -----

, आसमद ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुचना

#### नारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 8 मार्च 1985 निर्देश सं० वोटीस न० 43908/84-85—-म्रतः मुझे म्रार० भारक्षाज

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकीसं० टी०एस०० 131 2 वि 7, श्रार०एस० नं० 4780 2 वि 7 है, तथा जो कसव वंजार विलेज में स्थित है (और इस से उपविद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908(1908का 16) के श्रधीन तारीख 31 श्रगस्त 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके व्यथमान प्रतिष्ठभ सं, ए'सं व्यथमान प्रतिष्ठभ का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अंतर्ज के सिए इस पान म्या प्रारुष्क स्पृ से किश्त नहीं किया गया हैं

- (क) विशास के हुए जिसी बाग की बावका, उसके अभिनित्रमा के अभीन कर बाने के अन्तरक के दायित्व में कभी कानी वा उसके बहुत में कृषिका से किए; शर्दिश्या
- (ख) ऐसी किसी आयू या किसी धन या अन्य जास्सियों की, चिन्हें नाइसीन सायकार निधानियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या वनकार नोधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेशनार्थ अंतर्रिसी ब्यास प्रकट नहीं किया बाबा वा वा वा विकास आया आविष्य वा कियाने में स्निया में निष्या,

भतः श्वा उपत अभिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन्ता निम्मिलिकित व्यक्तिसम्ह अभित् हिल्ल (1) श्री के० विषयानाथा कामत, श्री ग्रननेश्वारा डेंपल म्यानेजिंग कमिटि चेयरमेन, मंज्जेश्वरि ।

(श्रद्भतरक)

(2) श्रीमती वै० शांता पै० वैफ/अफा०, वै० श्रीनिवासा यहि, ग्रतावर कामभौडा नीरे खालया, मंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारते प्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़े कुषना की तामील से 30 दिन की अधि , जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्धार, अभोहस्ताक्षरी के पास विस्ति के किस का सकेंद्र ।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-रिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### प्रनुसूची

(दस्सावेज सं० 805/84, तारीख 31-8-84)—सम्पत्ति है जिसका स० टी०एस० 131/2 वि 7 श्रार०एस०नं० 1780/2 वि 7, जो कसबा बजार विलेज, मंगलूर, में स्थित है।

> ग्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगकुर

ताशीख: 8-3-1985

मोहर:

. प्रक्रम् अस्त्र<sub>ः,</sub> सी<sub>ः</sub> एव<sub>ः</sub> एकः. ------

## बायकार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्थना

#### मारत बराह्य

कार्यौलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-1, मक्रास मक्राम दिनाक 27 मार्च 1985

निदेण सं० 16/म्रगस्त/84--म्रतः मुझे, प्रेम मलिनि वासन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव बाट संव 2 कोदलम गात्र कोन्दकम स्थित है (और इससे उपाबक मे और पूर्ण रूप से वणित है रिजस्ट्रोकर्का अधिकारी के कार्यालय, बिलूर (सेलम) में दस सव 1146/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्राधिनयम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाबार मूम्य से कम के स्थमान ब्रितिक के सिए जन्सिरत को गई है और मुक्ते यह निक्सार करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार स्व, तसके स्थमान प्रतिफल हो, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिक से बिक्त है जोर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब बाबा बया प्रतिक कल जिल्लिक से बास्तरिक कर जिल्लिक से बास्तरिक कर सिए तब बाबा कर बास्तरिक कर से किया गया ही:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाव की वावस, अवस वीधीनवन हो अधीन कर दोने से जंतरक के दासित्य मों कनी कहने या उत्तरने वाजने मों धूरिया हो निष्ठ बाह/वा
- (क) एसी किसी बाध या किसी धन या बन्ज वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती व्वाय् प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में वृत्तिथा के विव्ह;

बत: बक, क्षमत विधिनियम की भारा 269-न के बन्तरक बे', में', 'इक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निश्नितिकत व्यक्तियों, सभृति :— (1) श्री के० राम विसवनाद अयर और विचन्द्रसेगर अयर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सठमप्प कोंठर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्मिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

. उक्त सञ्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी मासोपः---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास जिस्तित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्वे और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## मम्सूची

भूमि और निर्माण कोन्टलम गांव (दस:सं० 1146/84)

सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्राम

तारीख: 27-3-1985

मोहर ः

## प्रम बार् । हो । प्रमृत प्रमृत्यान

## मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुखन।

#### बाह्य दरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1, महास

मद्रास दिनाक 23 मार्च 1985

निदेश स० 62/ग्रगस्त/84—श्रतः मुझे, प्रेम मार्लिन वासन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात उक्त अधिनियम, कहा गया ही), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित जाजार मृल्य 1,00,000/- रू से अधिक है

और जिसकी स० टोर स० 15 है, जो पेरमाल कोयीय स्ट्रीट, वि० पो० सि॰ नगर, मदास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के के कार्यालय, सौकारपेठ दस स० 355/84 में रिजस्ट्रीकरण श्राधिनयम, 1908(1908 का 16 के श्रधीन 16 श्रगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित्र बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्राव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयंगन प्रतिफल से, एसे स्वयंगन प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल कन निम्नितियत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिलित में बास्त-विक क्य के स्थित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण से हुई किसी थाय की बाबत उक्त जीध-नियम से अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्थ/बा
- (च) एंडी किसी आय वा किसी थन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चय-कर अधिनियम, या चय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जतः जन, उन्त किपिनियम की भारा 269-ग की, अनुसारण मी, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह— (1) ग्रार० रेन्कनादन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सन्द्रकुमार जैन।

(अन्तरिती)

सहै वह वृद्धना प्राष्ट्री करुके पृत्रीयन सम्पृतिस के मुर्शन के विद्यु कार्यनाष्ट्रियों सुक करता हूं।)

## इन्द्र तुन्तित के नर्बय के धुन्तुन्त में कोई भी आसोद्ध≪

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकारन की तार्डीस से 45 दिन की बन्दिय वा तरक्ष्म्भी क्टिंग्समों प्र ब्यान की तारीस से 30 दिन की नविभ, को भी समीद बाद में तमान्य होती हो, के भीएड प्रानित क्टिंग्समों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस बुक्ता के छाज्यक में इकावन की रार्शक के 45 दिन के शीवर करत स्थान्ड सम्पत्ति में हित्नक्ष किसी मृग्य मानित हवाडा नभोहस्ताकरी में पार् निवित में किए या सकी । ८

स्थव्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा हैं।

#### श्चर्यम

निर्माण-ठोर सं० 15, पेश्रमाल कोयील कारटन स्ट्रीट विव्वावसीव नगर, मधास-1 (दस संव 355/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-I, मक्रास

तारीख: 23-3-1985

मोहर 🛭

## शक्य बाह् े टी े एम े एक रूप-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाइए 269-म (1) के अधीन सूचना

#### प्रारत् वरकारे

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेज-1, मधास

मब्रास दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 63/ग्रगस्त/84—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि यासन

धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० है, जो 19, मारियण मुर्वाल स्ट्रीट मद्रास 79 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूण रूप से विजित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सौकारपेट दस : स० 359/84 में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन 16 श्रगस्त 1984। को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपात बाबार मूल्य से कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधिक कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/या
- एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री ए० ग्रार० बाल् और श्रन्थों।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० धुमारसामि।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया ग्या है।

### नन्स्ची

भूमि और निर्माण-19, मारियण्प मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-79 (दस : सं० 359/84) ।

> प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

भतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ औं. में, उक्त अधिनियम की धारा-269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखिदा व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

तारीख: 25-3-1985

मोहर 🛭

प्रकृष आहे. टी.: एन. एस.-----

आयकर अधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

#### मारत परकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 1-मद्रास मद्रास दिनाक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 64/धगस्त/84—धतः मुझे, प्रेम मालिनि

शासन

कायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले कसमें इसके पश्चाल 'उक्त विधिनयम' कहा गया हू"), की पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रार०एस०मं० 6011, ठोर सं० 12 जो तादमुत्तथपन स्ट्रीट, मद्रास-1 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट दस:सं० 369/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन 16 प्रगस्त 1984!

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्षित के लिए अन्तरिए की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का अधित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचत उन्नयेश्य से उक्त अंतरण निस्त में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है के—

- (क) जन्तरण से हुई किसी वाध की बाबतः, उक्त अधिनियस के बधीन कर देने के जन्तरक के शायित्व में कबी काली वा उन्नसे बच्चे में सुविधा के लिए। बौट/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिवा के लिए;

सतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्यक्तियों, नर्थात् :--- (1) श्री ठी० मोकसठ मापी न।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मोकमठ फरूक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवृतिहाम करता हुए।

उक्त सम्पन्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी व्यक्ति बाद में समान्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पन्त के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीकर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित- नव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकेंगे।

स्वक्षीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस १ था। में दिशा गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण---ठोर मं० 12, नादमुत्तैयपन स्ट्रीट, मदास-1, श्रार०एस०स० 6011, (दस : सं० 369/84)।

> प्रेम मालिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, 1-मद्रास

तारीख : 25-3-1985

मोहर 🖫

बच्च वस्तुः हो । एर । वर्षः अन्यान्य

नायकत्र निर्भागवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत स्थाता

नारव स्टब्सार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निहासिक) श्रर्जन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास दिनांक 23 अगस्त 1985

निदेश सं० 77/ग्रगस्त/84--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परजात् 'उक्स' निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-वें के नथीन तक्षत्र प्रीथकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बद्धित, विश्वका अविता बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 16, फलेट स० 28-डी, ब्लाक सं० 24 है, जो सन्दी कालनो, मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय प्रन्ता नगर दम : सं० 2883/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन 16 ग्रगस्त 1984।

को प्राप्ति तम्मित् के उपित वाजार मृत्य से कम की स्वयमान प्रतिकत के लिए नन्तरित की गई है और मृत्र वह विश्वास करने का कारण है कि वथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मृत्य, इसके स्वयमान प्रतिकत से एसे स्वयमान प्रतिकत का चंद्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए स्य पाना वजा प्रतिकत, निकासित्ति उद्योग से समा वजा प्रतिकत, निकासित्त उद्योग से समा वजा वन्तरण कि विश्वासित उद्योग से समा वजा प्रतिकत कम से कायत मही है स्था

- '(क)' अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त व्यक्तित्रक के वृथींक कर दोने के बन्दरक वी द्यायरक में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के दिए; बाट-/वा
- (व) होती किया बाय या किसी थन वा अन्य वास्तियों का, फिल्हें भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में स्विधा खेलिए:

वक्षः श्रवः कन्य निर्मानयन श्री भाषः 269-व नै अव्यवस्थ में, में, उन्त निर्मानयन की भारा 269-व की उनभारा (1) अ अभीनः निर्मालिक्त व्यक्तियों, नश्रद्धि ॥—— ;—46 GI/85 (1) श्रीमती जेया नारायणसामि ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० म् निक्रुषणन ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष्कार्यवाहियां करता हूं।

## रक्त संपरित के वर्षन् के संबंध् में कोई भी वाशेष् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिश्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अमिश्र जो भी बदिश बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में दे किसी व्यक्तियों हुए।
- (क) इस त्भाना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इतमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही है

#### वन्स्वी

मपत्ति - प्लाट सं० 28-डी, सान्दि कालनी, 'मद्रास (दस: मं०-2883/84)

> प्रेम मालिनि वासन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1-मद्रास

तारीख: 23-3-1985

शोहर 🛭

## क्षम सार्च, हो, एव, एव,-----

प्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्य भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरका

## कार्यासम, सहायक मायकर गायुक्त (निर्दीक्षण)

- प्रर्जन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 78/ग्रगस्त/84—ग्रतः मुझे, प्रेम भालिनि वासन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' क्रहा गया है'), अर्थे भएडा 269-अ के अधीन तक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वृद्धार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट सं० 29 है, जो मन्ना नगर, मद्रास 40 में स्थित है (और इसमें उपाबद में और पूर्ण रूप है विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय एस०मार० अन्ना नगर दस सं० 3021/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिमित्यम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 16 मगस्त 1984।

को पूर्विक्त सम्मत्ति को उजित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्दर्शरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्विक्त सम्मत्ति का उजित बाजार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकाल के पन्छह प्रतिक्षत से मध्य है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षण निम्नसिचित उद्देश्य से उक्स जन्तरण सिचित में वास्तिक क्य से कथिश नहीं किया गया है क्ष्य-

- (क) नंतरण ते हुई कितीं नाम की बाबत, उक्त बीधीनमान के अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कभी करने ना उन्हों न्यने में सुन्या के हिन्द; अद्भिता
- (च) एसी किसी आप या किसी पन ना सन्य नास्तियीं को जिन्हों भारतीय नावकर नीर्धीनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्तु नीर्धीनयम, या पन-कर नीर्धीनयम, 1957 (1957 को 27) के अवोधनार्थ नन्तिहती स्वारा त्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना जाहिए ना, जिपाने में सुविधा के जिए;

बतः वब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण कों, मं, उक्त विभिन्यम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निर्मालिकत व्यक्तिकों, अवितु:--- (1) श्री एस० नरेष उदुब्।

(भ्रम्तरक)

(2) श्री ए०एस० उदयकुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्परित के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी नामोद:----

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की शामीन से 30 दिन की अवस्थि, को बी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हनारा;
- (क) ध्व ब्यूबा में राज्यूम में प्रमायन की वाडीय हैं
  45 दिव में डीव्ड ज्यूब स्थापर कमरित के दिवसूत्र फिबी मन्य म्यानव स्थारा स्थाहरवाशाड़ी से शब लिक्त में दिवर वा सकेंगे।

स्वाहित्स्य:—-इत्र त्रवृत्त वन्दों नीर पत्नों का ,। यो उत्तव श्रीवित्तमत, के ब्ध्याय 20-क में परिवादित है वहीं सर्व होगा जो उस बध्याय में दिवा क्या है के

**अनुष्**षी

संपत्ति-क्लाट सं० 929, श्रिरिकर श्रभा नगर, मद्रास ---40(दस: सं० 3021/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1-मद्रास

तारी**य** : 25-3-1985

मोहर 🕫

## प्रकृत सार्वः दी . एव . एस्. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्बासम, सहायक आयक्त आयुक्त (निड्राँकण) धर्णन रेंज, 1 मद्रास मद्रास दिनांक 25 मार्च 1985

निदेश सं० 79/मगस्त/84——मतः मुझे,प्रेम मालिनि

वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० एपी 508 है, जो कोरह्म गांव में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रॉजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रमा नगर इस : सं० 3017/84 में भारतीय रॉजस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908(1908 का 16) के प्रधीन 16 प्रगस्त 1984। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तस्ति की गई है और मुक्ते बढ़ विकास करने का कारण है कि वथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाबार मृत्य, उसके ब्यमान प्रतिफल से एसे इस्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है बीर अंतरक (अंतरका) और अंतिकार (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अंतरण किलत में वास्तिक इस से किया गया है हिल्ला से किया गया है हिल्ला से किया नहीं किया गया है हिल्ला

- (क) वनसरका से हुए किसी अस की वाबता, उपक वीधनियन के वधीन कर दोने की बन्तारका के वाबित्य के कभी करने या उससे बखने के सुद्रिक्त के सिक्; बॉर/बा
- (का) एती किसी नाय या किसी भन वा नंभ्क नास्तियों का, विक्तें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधः में लिए;

मतः अव, स्वतः विभिनियमं की भारा 2009-ग के अनुसरण वें, में उक्त विभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के वभीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एस० कुमार।

(बन्तरक)

(2) श्री जी० जे० पान्टी हुरै।

(अन्तरिती)

नते मह सुन्ता प्राप्ती नायके पूर्वीनक तत्त्वहित के वर्षक के सिष् कार्यनाहिनां कथता क्ष्मं।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाओब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की समिथ या तत्संगंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिज बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वीकर का किता में से किती व्यक्ति क्लारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबङ्ग विक्री जन्व व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताकारी के शक तिवित्त में किए वा सकोंगे।

## जन्मुकी

मंपत्ती-पलाट सं० ए०पी० 508 कोरतेर गांव---(दस सं० 3017/84)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, 1-मद्रास

तारीख: 25-3-1985

मोहर :

## व्यक्त सार्वे हो। एत . इस<sub>्य संस्थानसम्बद्धाः</sub>

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

#### भारत उरकार

## कार्यालय, बहायक भावकार नामुक्त (निर्म्थान)

भ्रजन रेंज, 1-मद्रास मद्रास दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 86/श्रगस्त/84--श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि बासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' अवहा गया है।, की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को वह विख्वाब करने का कारणुह्नै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उप्रित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे है, जो पेरिमकूढल गाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रश्नानगर दस : सं० 2913/84 मे र[जस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 1984।

輔 पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य ते कम 🕏 🐯 यसान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विस्तास करने का कारण है कि सभापूर्वीयस सम्पत्ति का उपिते बाबार भूरूप, उसके क्रमजान प्रतिकास से, एसे क्रमजान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती थान्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरच के सिए तब पाका नया प्रतिकास निरू∏कविका सबुद्धक्य क्षेत्र सम्बद्धन क्रिक्किक हैं बाबुबा निक कम के काभिया नहीं विकास गया है है---

- <u>(कि)</u> वन्त्रद्रम से <u>हर्ष्</u> किसी बाद हरी बायस्<sub>री</sub> मृद्धिपानम् से म्पीन् कर योगे के मृत्युरक से शायित्व वे क्यी कुल्ने वा उन्हर्ष युक्ते में हृदिया है जिए; मीर/ना
- [वि) एेती किसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हें आरतीय अधिकर मीश्रीपत्रमा 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियुम, या भून-कर **अभि**नियम, 1957 (1957 का 27) व्ये प्रवासनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रिया वे लिए;

बतः वय, उक्त वीर्धनियम् की भारा 269-ए वी बन्धरंत वों, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) चे अधीन, निक्तनिवित व्यक्तिवर्षे, <u>अं</u>चल् 🚛

- (1) श्री मार० भ्रलकनादन।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एस०के० कन्नन।

(मन्दर्शि)

को यह सूचना आही कहुको नुकायत सुम्यहिला में नर्जन को हिन्छ कार्यवाद्वियां करेता हो।

उक्स कम्परित के वर्षन के वृत्युन्ध में कोई औं वासोव:----

- (क) इस बुक्या के राक्यन में प्रकारण की तारीय से 45 दिन की अविभि या दरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनपि, भो भी जनिप् बाद वें बुशस्त्र होती हो, के भीतर पूर्वांका व्यक्तित्वों के विकास व्यक्ति हुआराह
- (व) इस द्वान के राज्यन में प्रकादन की शारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-क्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस मध्याय में दिया नवा है।

प्लाट पेरियक्डल गांव, सर्वे सं० 9, एफ-ब्लाक-

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 25-3-1985

मोहर 🌣

प्रचल नाहाँ . दी ., एव ., एव 🤉 ---------

मायकर अरिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 1-मद्रास

मद्रास दिनांक 1 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० 89/ग्रगस्त/84——ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त निर्मिनममं कहा गया हैं), की भारा 269- व के मुधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000 क. से अधिक है

और जिसकी में टी श्रिक्त स० 171, प्लाट सं 3 है, जो प्लाट सं 4220-ए, अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रन्ना नगर दस: सं 2820/84 में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1980 का 16 के अधीन 16 श्रगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि संभाप्नोंक्त सम्मस्ति का उणित बाजार बुक्द, बसके क्यमान प्रतिफक् ते एसे क्यमान प्रतिफल का बुक्द प्रतिचत् से अभिक है और बंदरिक (बंदरिकों) ग्रंट बंदरिती (बंदिरितियों) के बीच एसे बुक्दर के खिए तब बाबा बबा प्रति-क्य निकाबितिक स्थापन के क्या बंदरिक स्थितिक में बास्तुक्ति क्या निकाबितिक स्थापन के क्या बंदरिक स्थित करीं

- [46] अनुस्था व स्त्रा किया आयु की वाक्ष्य करता विकृतियम की निर्मा कर दोने की अंतरक को दायित्व में कामी करने या उससे वचने नां सूर्विचा की लिए क्ष्या वा
- (क) होती हैं पार्की बाज का शिवकी पह वा बाज वासित्वों की हिन्दें आहतीय वाक्कर वृत्तिविव्द, 1922 (1922 का 11) वा बन्द व्यतिवृद्ध, वा बन-कर वृत्तिविव्द, 1957 (1957 का 27) वें अवोचनार्य वृत्तिरकी श्वास प्रकट नहीं दिक्स प्वा था सा किया वाना चाहिए था, किया वें बृत्विया हो लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, सर्थाह धू--- (1) विकनेसवरोह एन्ट प्रसस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० वरलकॉम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिख्य कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन की सबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में किया गया है।

#### नन्त्रनी

भूमि प्लाट सं० 4220-ए, ग्रन्ना नगर मद्रास-40, सर्वे सं० 22---(दस सं० 2820/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्ज**न रें**ण, **भृ**द्वास

तारीख: 1-4-1985

मोहर 🔞

प्रक्ष्य जार्द् , दी, एव , एस ,----

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत तहकार

कार्यातय, सहायक बायकर बाय्वत (निर्शासक)

मर्जन रेंज, 1-मन्नास

मद्रास, विनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 91/श्रगस्त/84—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

नावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हूँ), की धाव 269-व के सभीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मरित, विस्का उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट सं० 3890 है, जो ग्रन्ना नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ६प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उन्ना नगर में दस : सं० 2815/84 में रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन ग्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दक्यमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है बीर मूक्ते यह किवास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित सम्बाद भूल्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से, एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिक्ति (अंलरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण निकित में कास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण सं हुई किसी नाय की वायस करक वरिष्क निवस के व्योग कर दोने के बन्तरक के सामित्य के कमी करने ना उत्तत वयने में सुविधा के सिए; श्रीत/ना
- (क) एंग्री किसी नाव ना किसी थन वा नण्य कास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1944 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा वा किया आता वालिक पात कियाने से करिया में किसी

चरः थव उक्त विधिनयम कौ धारा 269-न के जनसरक की, की, सकत विधिनयम की धारा 269-व की उपधादा (1) हे वधीन, निम्मलिचिस व्यक्तिकों, क्यांत क्र—

(1) श्री एम० कुपुसामि।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० कवालि मूरती।

(भन्तरिती)

को यह सुजरा बारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षम है हैनक कार्यवाहिको करता हूं त

स बच रांपरित में सूर्यन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र 200

- (क्य), इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा चे 45 दिन की अवधि या सुत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की हाजील से 30 दिन की अवधि, जो मी कचीच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचल व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस इसका के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वर्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के सम्मतिकत में किए वा क्केंने।

स्पब्द्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पतों का, जो उक्त अधि-स्वित्र के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस्त अध्यान में दिवा नका है।

## मन्सूची

भूमि और निर्माण पसाट सं० 380, ग्रन्ना नगर, मन्नास—(दस: सं० 2815/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्राजन रॉज-1, मद्रास

तारीख: 25-3 1985

मोहर:

प्रकथ आहें दी एन , प्रस , २००५-----

बायकड विभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत चहुकाह

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 मार्च 1985

निर्देश सं० 93/अगस्त/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि कासन

शायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 805 है, तथा जो परिणमकूटल गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मति के उलित बाजार म्स्य से कम के क्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उलित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है बौर अन्तरक (अंतरकों) और बंतरितों (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वाबत उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के सायित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविभा के लिए; जरि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी थम या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा खें किह:

)गः अब उक्त विधिनियम काँ भाग 269-ग को अनुसरण रूँ, भी, भेत विधिनियम काँ भाग 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिंखित व्यक्तियों, वर्षांतु हिन्स् (1) वी० कृष्ण प्रसाद

(अन्तरक)

(2) वी० विश्वनाथ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रमृत्त कर्यों और पर्यों का, को उक्त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गवा है।

#### प्रमुख्यी

भूमि परिणमकूटल गांव प्लाट सं० 805 (दस्तावेज सं० 2770(84)।

> प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 25-3-1985

सोहर 🎎 ू

## एक्ट बार्ड की एड . एक .------

## बामुकर वर्डिप्रविन्त्र, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-न (1) जो बंधीय सूचन्त

#### भारतं स्टब्स

## कार्याक्षयः, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनाक 25 मार्च 1985

निर्देश स० 81/अगस्त/84---अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'जनत विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के वधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवरित जियका उजित बाजार मृत्य

1,00,000 ∕- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 45, प्लाट नं० 46—सी, है ल्या जो नदुवकर गाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्याक्षय अन्नानगर, दस्तावेज स० 2963/84 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984

मा पूर्वोक्त बम्मिक के स्वीचत मानार मृत्य वे कम के स्वकान प्रितफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगतित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यकान प्रतिक्षण के, एते दश्यकान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकास के विषक्ष है और बन्तरक (बन्तरका) और वैतिरती (बित्रिशित्रों) के बीच एते बेतरण के निक् तय गांचा गया प्रीतिक्षण, निम्मितिबिंच उद्दर्शका से स्वयं जैतरण विविद्य में वास्त-विक्र स्प से ताया नहीं किया गया है है—

- (क) कन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त जीभ-निवक के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कर्जी करने या उबसे वचने में सुविधा के लिए जॉर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यव्तियों अर्थात्:--- (1) श्री के० रामचन्द्रराव ।

(अन्तरक)

(2) श्री वि० अभिरदराम् ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र:---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्चान की वाजीक से 30 विन की जन्मि, जो भी अप्रिच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त म्यक्तियों में से किसी म्यक्ति ब्वायः;
- (क) इस त्का के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीका को 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किती जन्य व्यक्ति द्वारा जुओं हस्ताक्षरी के गस निकार में किए जा सकेंगे।

रचका किरण :---इसमें प्रयुक्त कार्यों जीर पर्वा का, जो उक्त विधितियम के अध्याय 29-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया यहा है।

### अन्यूष्

सम्पति प्लाट ते॰ 46-सी, नदृबकर गांव (दस्तावेज सं॰ 2963-/84) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक 25~3-1985 मोहर ६ प्रक्य बाह् . टी. एन. एस. ========

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 अप्रेंस 1985

निवेश सं० 90/अगस्त, 84--अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 3890 है, सथा जो अन्नानगर मद्रास-40 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्नानगर दस्तावेज सं० 2814,84) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुश्यमान प्रतिफल से, एसे रुश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-च्या विश्वासित् रहूर सेव से स्थल अन्तरण विश्वित के बाला विश्व रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइं किसी नाम की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ज्लारक के दायित्व में कमी करने या उत्तससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐती किती नाथ वा किती थन वा बन्य शास्तिवाँ को जिल्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्क अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

(1) श्री एम० कुप्पु स्वामी।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० उदयसिंह ग्रीर

जे० सरवड्वेल ।

(अन्सरिती

को सूद् बुचना भारी करके पूर्वोस्त् सम्मृत्ति के स्वांन के तिक् कार्यवाहियां करवा हूं।

उन्हा सम्पृतित के कर्नन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाधन की लारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थव्यीकरणः इसमें प्रयुक्त सम्बंधि वर्षे पर्यो का, को उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण प्लाट सं० 3890 अरिन्कर अशा-नगर, मद्रास-40। (दस्तावेज सं० 2814/84) №

> प्रेम मालिमि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 1-4-1986

मोइर :

प्रकृप: बाइं. टी. ध्न. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन स्थना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, विनांक 21 मार्च 1985

निवेश सं० 104/अगस्त/84/ रेंज-II—श्रतः मुझे एम०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मईलेरिपालयम गांव में भूमि है, तथा जो कोयम्बतुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किनत्तुकडकु लेख सं० 2188,84 में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में बात्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्ला में स्विधा के लिए:

कतः अन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनिवम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नीलिनित व्यक्तिकों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० विभयन।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० सुब्बे गौंडर श्री वेलुयामि गौंडर ।

(अन्तरित्नी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी
  वाधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त
  स्थानत्यों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकांगे।

स्वक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्छ श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि:— मङ्केरिपालयम यांव, कोयम्बत्र तालुक विक-लुक्कडक,पोलाच्यी तालुक लेख सं० 488/84 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 21-3-1985

मोहर:

1984

## प्ररूप आहें. दी. एन . एसं-----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

मब्रास, दिनांक 22 मार्च 1985

निर्देश सं० 113/,अगस्त,84—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० भूमि है तथा जो अपिचम्पालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वलवनूर (विलुधुरम) लेख सं० 1247/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिन नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगरत

कते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री शार० श्रीधरन चेटियार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर॰ राजलक्ष्मी अम्माल । ' (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृवर्षिकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्ययाहमां मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हित- बव्ध किसी अन्य, व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि :--अपिचम्पालयम गांव वलनूर (विलुधूरम) लेखा सं० 1247,841

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अंतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक स्पृतिसम्, जुर्थात ध---

दिनांक : 22-3-1985 । मोहर 8

## प्रकम आई.बी.एन.एस.-----

## कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं ० 106,अगस्त, 84अर्जन-II—एम० अतः मुझे, सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कोंगलूर गांव लेख स० 1090/84 है, तथा जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वींणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पल्लंडम लेख सं० 1090/84 ने रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 को 16) के अधीन मारीख अगस्त 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिक्रल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में सुविधा के लिए;

जतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उज्ञत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे अधीत्। निम्नलिचित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती इंद्रा कोयम्त्र

(अन्तरक)

(2) श्री के० बालाकृष्णन ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना जारी कस्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि :--- कोंगलूर गाव ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 23-3-1985

मोहर 🛭

प्रकृत कार्र् ् टॉं ्र पुन्न सुकृत ≈ ≈ ≈ ≈ ∞

बायकर अचिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाक 269-म (1) के अर्थीन चुक्का

#### SEC SECIE

कार्यातय, सञ्चयक वायकर वायुक्त (विरोधान)

अर्जन रैंज-2, मद्रास

्र मद्रास, दिनांक 22 मार्च 1985

निर्वेश सं० 107/अगस्त/84/रेंज-2-अतः मुझे, एम० नामवेल.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं 11 सेंट्स सर्वो नं 1672,ए है, तथा जो घोडकमन्ड में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदगें लेख सं 681,84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही बीर मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्झह प्रतिकत से अभिक ही और अन्तरक (अभ्तरकार्ने) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गथा प्रतिफत, निम्निचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिन्नित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है ■

- भित्र) सन्तरण वं हुन्दं निजयी नाव की बायता, उसके समितियम के सभीय कर योगे के सन्तरक के बायित्य में कभी करने या उसके स्थने में स्विधा के किस बार्ट का
- (क) एंसी किसी नाम ना किसी वन ना अन्य नास्तिनी को, चिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोक-नार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के विषय

नतः जन, उन्त जिभिनियम की भारा 269-न को जन्दरक में, में, उन्त जिभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के जभीप तिस्तिमिति व्यक्तियें जभारी ह—— (1) श्री टी० शेषाचलम।

(अन्सरम)

(2) श्री करोल सेंबस्टियन आन्डनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां कूट करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति द्र≕-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की शवधि या तत्सम्बन्धी स्पृत्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पृत्तियाँ में से किसी स्पृत्ति स्वार्थ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा क्षोहस्ताक्षरी के पाक किसित में किस का सकेंगे।

स्वकाकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पैदों का, जो उक्त अधिविजया, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## नपृष्यी

भूमि:--- 11 सेंटस, सर्वे नं० 1672/2ए श्रोठकमण्ड टाउन, उदगै, लेख सं० 681/84 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनं रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 22-3-1985

मोहुर:

प्रकर बार्ड . टी . एन् . एक् . -------

मायकर ग्राभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की मधीन सञ्जना

#### EIGH TRAIS

## कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 108,अगस्त 84,रेंज-2,--अतः मुझे; एम० सामुबेल,

बायक र मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उधित नावार मूक्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

्रिपोर जिसकी सं— आर० एस० नं० 1672,2 ए है, तथा जो ऊट्टी में स्थित है (ग्रीर इससे उपागव अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदगै लेख सं० 682,84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की न्याई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर त विधिन्य के वधील कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वृथने में सुनिधा के सिए; वीर्/वा
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मृथिया के अष्युः

(1) श्री टी० शेषाचलम ६.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमी चार्लस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृशीयत सन्परित की वर्षन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## वनत कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आहोर :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों आर पदों का, जो उनत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

भूमि :— 7 सेंटस आर० एजस० नं० 1672/2ए०, खब्भै लेख सं० 682/84।

एम० सामुबेस सङ्गम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण रों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनीक : 23-3-19\$5

मोहर ः

## प्रक्यु बार्ड . ही . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1985

निदेण सं० 110/ग्रगस्त 84/रेंज-2-प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० घार० एस० नं० 4221/2 एक्सटेंट 9.16 है, तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय उदर्ग, लेख सं० 702/84 में रिजस्ट्रीकरण प्रधित्यम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख भगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्परि के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्निसित्ति उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मुद्दों किया गया है :----

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूतिधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी बाप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गैमा धा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० परमेश्वरन नायर।

(भ्रन्तरम्)

(2) श्री के० मुगुमार।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पृष् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### मगुसुची

भूमि :-- डी० न० 78 मी वार्ड ं० VXX II और मकान प्रार० एस० नं० 4221/2 —सी 1, उदगै लेख सठ० 702/84।

> श्रीमती एम• सामुवेल-सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, मद्राम

दिनांक : 23-3-1985

मोइर :

प्रकर बाहुँ टीस दुन् दुवस्तानारकारक

भाषकर निर्धाननम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) से नधीन सूचना

#### भारत बहकाड

## कार्याजन, बहानक नायकर नायुक्त (विद्रालिक)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 श्रप्रैल 1985 निर्वेश सं० 112/श्रगस्त 84/रेंज-2-श्रतः मुझे एम० साम्बेल,

नायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिल इत्नें इसके पश्चात् 'उक्त मिपिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मिपीन संभम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं कि मिठो हुलती गांव है, तथा जो ऊठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदगमण्डलम लेख सं कि 6214/84 में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के बनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कार्ण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्क को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किबी बाय की बावत, श्रक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एनी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा चे सिए;

नतः नन, उक्त निर्मित्यम की भारा 269-ग के ननुसरण ने, में, उक्त मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के मभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, नर्भात् :--- (1) श्री टी० दलीप सिंह, एडमिनिस्टेटर इस्टेट श्राफ श्रीमती ए०एम० हुर्बट।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स ए० म्रार० ट्रेड एण्ड टूर्स प्रा० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुए ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिक्ष में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## धनुसूची

भूमि और मकान :- भिटो तलकुण्डा हुल्लिति गांव उदग भार० एस० नं० 177/1 पार्ट 11.63 एक्स 177/1 पाट 2.0, एक्स 185/2 0.18 एकर्स, हुल्लिती गांव उदगमण्डलम सूच स<sup>\*</sup>० 624/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (बनरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, मद्रास

विनांक : 2-4-1985

भोहर :

मुक्त नार्धाः की प्रकृति एक ।

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के बचीन क्वना

#### मान्त्र तरकार

#### . कार्यालय, सहायक वागकर बायक्त (निर्दाक्रक)

ग्रअंन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 21 मार्च 1985 निर्देश सं० 127/ग्रगस्त 84/रेंज-2--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्से प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० टी ० एस० नं ० 919/1 ब्लाक नं ० 12न्यू सर्वे नं ० 1 है तथा जो कोयम्बत्र टाउन में स्थित है, (और और ६ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय कोयम्बत्र लेख स० 3397/84 में राजस्ट्रीकरण श्रीक्षनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके उश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिचित उज्ज्वेस्य से सक्त बन्तरण कि बिच् में बास्तिक का में कि कि तर्हीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उन्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वा या किया वावा वाहिए वा, जियाने के स्थिना के सिए;

भतः वन, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-म कै जन्मरण मों, मों, नक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, सर्थात् :— 10 --46 GI/85

- (1) मैससं एस० भार० एम० फीडस प्रा० लि० (मन्तरक)
- (2) मैससं विनायक कन्सट्रक्शन प्रा० नि०। (धन्तरिती)

ः का बहु सूचना चारी कारके पूर्णोक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

# क्या बुल्हीरत वी बर्जन के बन्दन्त के कोई भी बाधीर्य--

- (क) इस स्वना के स्ववपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविश्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूबना की तामील से 30 दिन की जविष् को भी ब्यदिश नाम में सवास्त होती हो, के भीतर प्रविकार के किसी स्वित्य स्वारा:
- (व) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा, बचोहस्ताक्षरी के शब दिवित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, को उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हूँ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

# प्रमुसूची

मूमि :-- टी० एस० नं० 919/1 प्राफ ब्लाक नं० 12 न्यू सर्वे वार्ड नं० 1, कीयम्बत्र/3397 कीयम्बत्र ।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाधक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-2, मद्रास

विनांक : 21-3-1986

मोहर 🛚

प्रकृप काई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

आर्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मार्च 1985

निर्वेश सं० 114/अगस्त 84/ रेंज-2-अतः मृझे, एम० सामवेल,

लायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है तथा जो अपिम्चपालयम में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत रहे) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलवनूर (बिल्पुरम) लेख सं 1246/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए **अन्स**रित गर् की विष्वास करन वस कारण यथा पूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके खयमान प्रति-फल से, एेसे धरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गयां है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्रॉबधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती ग्रारः राजलक्ष्मी ग्रम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० श्रीधर रेडियार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर अवन स्थावर सम्पत्ति में हितजक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डोगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

### थन्स् जी

भूमि :- ग्रापिचम्पालयम बलवनूर (विलुपुरम) लेख सं० 1246/84

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मब्रास

दिनांक : 22-3-1985

मोहर :

प्र**क्ष्य बाह**ै. टी.न एम<sub>ान</sub> एक न सामसन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

# , भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निर्दाक्तण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल, 1985 निर्देश सं० 129/अगस्त 84/रेंज II---अतः मूझे, श्रीमती एम० स.मुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आय 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० तुडियलूर गांव है, जो कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियनायकन पालयम् लेख नं० 1675/84 ग्रौर 1739/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिका तारीख अगस्त 1984

- (क) जन्तरण से हुए किसी भाष की वावसे, उन्नस विधिनियम के ज़थीन कर दोने के जन्तरक की वाजित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविवा की लिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नृसा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा को सिसु;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिबत व्यक्तियों अधीत्।—

(1) श्री टी० के० कृष्णस्यामी

(अन्सरक)

(2) श्रीमती कण्णम्माल

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्षन में किं, कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्परित के भर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवाय;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किये था सकनी।

स्वकाधिकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वाह ।

#### 4433

भूमि: तुडियलूर गांव, कोयम्बत्तूर तालुक, पेरियनायकन पालयम् लेख सं० 1675 ग्रीर 1739/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 2-4-85

मोहर 🛭

प्रकप बार्ड .टी. एन .एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मार्च 1985

निर्देश सं० 121/अगस्त 84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 / - रतः से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 429, 430 गणपति गांव है, जो गांधीपुरम, कोयम्बतूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (भौर इससे उपाबद में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 3324/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 190के (1908 क 16) के अधीन अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से अधिक हैं बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित और अंतरित (अंतरितियों) के उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किश्वत के स्थीन जिस्कार स्वायक स्थानत्यों, अर्थात् है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वायस्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिसियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्नीतिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्रीजी० के० सीतारामन्

(अन्तरक)

(2) के॰ एजंड॰ मय्यसं मौर अन्यीं

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्योर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----हसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पत्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि: गांधीपुरम, गणपति गांध, टी० एस० नं० 429, 430 कोरम्बसूर डिस्ट्रिक्ट, कोरम्बसूर, लेख सं० 3324/841

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, महास

तारीख: 22-3-1985

मोहर 🛮

# **एकप वार्ष . टी . एव . एक**्ञन्य-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत बरकाड

# कार्थासम, सहायक जायकर जायुक्त (निर्डीक्रण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 मार्च 1985

निर्देश सं० 122/अगस्त 84/रेज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० एफ० नं० 553, टी० एस० नं० 12/23, है, जो तेलुगुपुलयम् में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 2907/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरित की गई है और भू के यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार बून्थ, उसके दूरयमान प्रतिफल को, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिरती (अंतुरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्तित में बास्तिबक रूप से कमित महीं जिल्ला गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्निया, वां वृधीन कर देने को बन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे बज़ने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्या के निए;

बतः श्वा, उक्त विधिविषय कर्ते पादा 269-प के वृत्वरण में, में उक्त विधिविषय को धारा 269-च की उपधादा (1) के बधीन निम्नतिष्ठित व्यक्तियों, वर्धातः—

(1) श्री एस० रवीन्द्रन, श्री एस० विवेकानन्दन

(अन्तरक)

(2) एन० चन्द्रशेकरन <sub>न</sub> श्रीमती सी० शांतलक्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की वयिष या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानत्यों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ज) इब् स्वना से राज्यम में प्रकाशन की तारीज हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवल्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पात सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में विदा प्या हैं।

### नग्रुपरि

भूमि तेलुगु पूलयम्, गांव एस० एफ० नं० 5530 टी० एस० नं० 12/23, कोयम्बत् लेख सं० 2907 841

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-3-1985

भोहर 🖟

प्रकार काई. टी. एन. एस.------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त ([नरीक्षण)

ं अर्जन रेंज-II, मब्रास मद्रास, दिनांक 22 मार्च, 1985

निदेश सं० 124/अगस्त-84/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृश्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० रामनगर है, जो कोयम्बसूर टाउन में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बसूर लेख सं० 3474/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास शरम का कारग है कि प्रवाद्वित निर्मा का तिष्ठ का प्रवाद पूर्य अपनेत का जिल्हा प्रतिक से प्रविक्त से, एवे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिश से प्रविक्त से प्रविक्त से, एवे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिश से प्रविक्त से प्रविक्त से, एवे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिश से प्रविक्त के लिए स्थ पाया गया बिष्क्त, विक्तिबित उद्देश्य से प्रवत प्रवरण निवित में वास्तिक एप से कवित वहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण चेहुई किसी जाय की बावत, अवक अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के चायित्व में कमी करने या उससे बचने में बृविशा के सिए; बहि/या
- (का) ऐसे किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सविधा के लिए; और/या

कतः व्यव, उक्त विभिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—— (1) श्री जी० कस्तूरि नायुष्टु के० दामोवरन (पावर एजेन्ट्स)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० चेल्लम्मै, श्रीमती पी० मीनाक्षी

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष्टु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष उ---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तव विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नवा है।

### अनृत्यी

भूमि भौर मकान रामनगर कोयम्बत्तूर टाउन, टी॰ एस० नं० 9/178, पार्ट भीर 9/178/10 कोयम्बत्तूर। लेख सं० 3474/84।

> एम॰ सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-3-1985

मोहर ।

प्ररूप आर्थं. टी. एन. एस . ------

आथकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- $\mathbf{H}$ , मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 मार्च 1985

निर्देश सं० 128/अगस्त 84/रेंज-II---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने स्व कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रू. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 1385, प्लाट नं० 29 पुलियकुलम गांव, है, जो पुलियकुलम गांव में स्थित है (ग्रौर, इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर (लेख सं० 3514/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उकत अन्त-रण निखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाग गा किसी भण गा बन्य वास्तियों को, विनह भारतीय बाग-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त विभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया बगा था था किया बाना वाहिए था, जिल्पाने में वृत्वा के हिन्द;

बत्य बब, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ग के वन्सरण भीं; मीं, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के वभीन, जिस्तिविधित व्यक्तियों. व्यक्ति मि— (1) श्रीमती बी० माया देवी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रा गोपालन

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### BAR S

भूमि टी॰ एस॰ नं॰ 1385, प्लाट नं॰ 29, पुलिय-कुलम् गांव, कोयम्बत्त्र सिटी, कोयम्बत्त्र । लेख सं॰ 3514/ 84।

> श्रीमती एम ० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II. मद्रास

तारीख: 21-3-1985

मोहर 😗

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

स्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मार्च, 1985 निर्देश सं० 131/ग्रगस्त 84/रेज-II—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं 16/12-बी०/ब्लाक नं 34, बी० सी० बी० लें भाउट, वणमुगा थियेंटर रोड है, जो कोरम्बसूर टाउन में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बसूर लेख सं 3647/84, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भाधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीर हरी अगस्त 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विद्यास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्सरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में कस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उमतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उमतः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- ्(1) श्रीमती विशालाक्षी ग्रम्माल

(भ्रस्तरक)

(2) श्री एच० सजीत हुसेन

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अशिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तौमील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारील से 45 विन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितगद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों से किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

### अनुसूची '

मूमि और मकान: बी० सी० वी० ले ब्राउट, बण्मुगा थियेटर रोष्ठ, डोर नं० 16/12 बी०, टी० एस० नं० 7/15, 16, 17, न्यू टी० एस० नं० 8/1366/4, ब्लाक नं० 34 कोयम्बसूर टाउन, कोयम्बसूर। लेख सं० 3647/84।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षमं प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

सा**रीख**: 23-3-1985

मोहर :

٥

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- , मद्रास भद्रास, दिनांक 23 मार्च 1985

निदेण सं० 132/ग्रगस्त 84/रेंज-II—ग्रतः मुझे श्रीमती

एम० सामुवेल,

'कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  $1_{3},00,000/$ - रहा से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० न० 1 ए, 1 ए, 1 और 1 ए, 2, वार्ड 9, डोर न० 164ब165, कासूहेवर नगर है, जो काट्टूर श्रनुष्परपालयम में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बन्तूर लेख सं० 3612/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्हा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुक्रिक्ट के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निय्नलि**चित व्यक्तियों, अर्थात् म** → 11—46GI/85 (1) श्री के० एन० वेंकटराम ग्रय्यर

(भ्रन्तर्क)

(2) श्रीमती डी० शकुतला

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

भूमि और मकार्न: श्रनुष्परपालयम् गांव, काट्टर--, श्रोर नं 0.164, 165, कालेश्वर नगर, काट्टूर कोयम्बत्तूर लेख मं 0.3672/84:

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज= , मद्राम

नारीख: 23-3-1985

मोहर 🕹

श्ररूप आई.टी.एन.एस.------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) कै मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 134/ग्रगस्त 84/रेंज-II---ग्रत: मुझे, श्रीमती एभ० सामवेल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जित्तका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि खेती, किलयपुरम गांव है, जो किलय पुरम गांव में स्थित है (और इससे उपाश्च धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, ग्रानेंसले, तिरुष्पुर लेख सं० 920/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख भगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बामस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे वचने मे सृविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह--- (1) श्रीमती एस० मांतिश्रावर एजेन्ट्ससी० श्रार० मध्धनायगम्

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० एस० षण्मुग मुदलियार

(भ्रन्त(रती)

का बह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, फों भी अवधि बाद में तमाप्त इोती हो, के भीतर पूर्धीवत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इत्तत्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिलबब्ध किती अन्य व्यक्ति स्थारा अभोइस्ताक्षरी के गांच लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पन्धानिकरण:---इसमें प्रमुक्त कालां और पद्यां आहा, को उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विसा गया है:

# अनुसूची

कृषि खेती, कलियपुरम गांव, धानैमलै। लेख सं०

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11. मद्रास

तारीख 23-3-1985 मोहर: प्रकार कार्दा. दी. एन्. युद्धः व्यवस्थानस्थ

नायक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६७३ ६ (१) छ-697

### भारत चडकाड

# कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-II, मदास मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1985 निर्देशे सं० 135/भ्रगृस्त 84/रेंज-II--श्रतः मुझे,श्रीमती एम० साम्बेस,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भ्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्यं 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

और जिसकी सं तिरुपुर, भ्रानैमले हैं, जो पोल्लाच्ची में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रानैमलें (तिरुप्पुर) लेख सं 934/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारीख भगस्त, 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाग की वायत, उक्त बिधीनवार के बधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बधने में सुविधा के सिष्; बीड/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया आना डाहिए था, डिज्याने में सुविधा के सिक्;

अतः अस, उन्त् जिभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) श्री नाष्ट्रि मृतु गोंडर और उनके पुत्र (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० हरिहरन । (भ्रन्तरिती)

# को बहु बुक्का वाडी कड़के पूर्वोक्त कुम्ब्रीत्व के बार्बन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हुन्।)

उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की न्यभि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत सूचना से हाज्यम में प्रकासन की तारी खु वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा प्रयाहरै।

### अनुसूची

भूमि: कृषि खेती: पोल्लाच्ची, ग्रानैमलै, तिरुप्पर, ग्रानैमलै/तिरुप्पर (लेख सं० 934/84)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-3-1985

मोहर 🖫

# अस्य नार्षः टी<sub>य</sub> एव<sub>य</sub> एव<sub>य</sub>-----

(1) श्री पी० जयरामचंद्रन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती

(भ्रन्तरिती)

भायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बबीन सुबना

ब्राह्म पृष्टकाड कार्यानय, बहायक नायकर माध्यत (निश्रांक्य)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मधास, दिनाक 23 मार्च 1985

एम० साम्बेल,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि खेती, श्रानमले, पोल्लाच्ची है, जो तिरुपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्धे अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ला ग्रिक्षकारी के कार्यालय ग्रानैमले, लेख सं० 935/84 मे भारतीय रजिस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई बह विक्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अभित भाजार मृल्य, उसके व्ययमान प्रतिकल सें, एसे व्ययमान श्रीतफल का पंद्रह प्रतिञ्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकास निम्नसिवित उवविषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विधिक नहीं किया गया है :---

- 🚧) धन्तरम् सं हुइं किसी बाबुकी बाबह्न, स्थल प्रक्रियम के प्रधीन कर देने के स्वस्तरक के शाबित्य क्षेत्र कती करने या उन्नाने व्यन भी सुविधा ने सिए: बोर/का
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मुधिनियम, मः धन-कर **विधिनियम, 1957 (1957 का 27)** कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया क्या थाया किया वाना वाहिए वा खियाने के सुविधा अडे भिए ।

को यह स्थना बारी करके पूर्वन्त सम्पत्ति के कर्यन के निए कार्यशाहिया करता हु।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्टींच से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यवित्यों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रसाक्षरी अ पास लिकित में किए जा सकरी।

स्पद्धनिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो अक्त मिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ रूप। आंउस अभ्यायुमी दिया गया है।

कृषि खेती∶ श्रानैमलै, पल्लिाच्ची, तिरुष्पुर, श्रानैमलै। लेख सं० 935/84।

> एम० सामुवेल सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

जत: जब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) 🕏 अभीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् 🦫

तारीख: 23-3-1985

मोहार 🖫

# प्रकल बाह्य द्वी पुन पुरस्कानना

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने अभीन सुवना

आरत सरकार

# कार्यालय, सहायक वासकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 137/प्रगस्त 84/रेंज-11--- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

शायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि खेती हैं, जो तायूर गांव, चेटलपट्ट तालुक मे स्थित हैं (और ६ससे उपाबछ श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पोरुर लेखाँ सं० 1608, 1618 और 1620/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गद् £, और विश्वास िक ् मुभौ करन कारण यह का सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल सो, ए से सरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया €, к—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुकरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) को अधीन, निम्नलिक्टिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी० एस० देवदास ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स मुखी एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड, मैंनेजिंग डायरेक्टर श्री जी० वी० राधाकृष्णन् ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यविद्यां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी खनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 4'5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

#### नन्स्या

कृषि खेती, तय्यूर गांब, चेंठल्लपट्ठु, तालुक पुंज, एस० नं 1405/1, 2 और 3, तथा 1442/1 ए पार्ट तिरुप्पोरूर लेख सं 1608, 1618, 1620/84।

> एम० सामुवेल सञ्जम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-3-1985

मोहर ः

# प्ररूप **आह**ै,<u>टी, एन पुसर्----</u>-

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रजॉन रेंज-II, मद्रास मद्रास, विनांक 22 मार्च 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं विकादशम्पालयम् गांव है, जो मेट्टुपालयम तालुक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मेठ्ठुपालयम् लेख सं 1517/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रगस्त, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के किए तय पामा पया प्रतिफल निम्मिसिस उच्चेक्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर देने को अंतरक के दायित्य कें कभी करने या उससे बच्चने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सूतिधा के सिए;

अतः अथ, उक्त विधिनयमं की धारा 269-घ के अनुसरण भं, मं, उक्त विधिनयमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन भिम्निसित, व्यक्तियों, वर्धीत् ६—— (1) श्रीमती चेल्लम रामिरेषी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० हाजी कविप्रूला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य विकत्त क्यारा अधोहस्त्राक्षरी के पास सिचित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया **ह**ै।

### मनुजूची

भूमि और मकान :-चिक्कवशम्पालयम् गाँव, मेठुपालयम् तालुक (म्युनिसिपल वार्ड नं 14), मेठुपालयम । लेख सं ० 1517/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 22-3-1985

मोहर ः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1985

निर्देश सं० 144/श्रगस्त 1984/रेंज-II— ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000% - रु. से अधिक है

और जिसकी नंग डोर नंग 90, वार्ड नंग 4/ब्लाक नंग 8, टी। एस। नंग 607, पिल्लयार कोइल स्ट्रीट है, जो कस्पा-चिदम्बरम्, चिदम्बरम् में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदम्बरम् लेख संग 2396, 2395/84 में आरतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय शासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वेंकटनारायणन्, श्रीनिवासन, श्री एस० रामनुजम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० श्रमुदा, श्री एल० वेंकटेशनु।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और मकान: डोर नं० 90, वार्ड नं० 4, ब्लाक नं० 8, टी० एस० नं० 607, चेंगमुनै, पिल्लैयार कोइस स्ट्रीट, गस्पचिदम्बरम्, चिदम्बरम्, लिखम्बरम्, लेख सं० 2395/ 84, 2396/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-3-1985

मोहर 🛭

प्रसम् बाह्र . सी. एत्. एस् . -----

भायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

#### मारत तरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II मदास मद्रास, विनांक 23 मार्च 1985

निवेश सं० 150/म्रगस्त 84/रेज-II---अत: मुझे, श्रीमती एम० साम वेल

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संवटी एसव नंव 256/7 है, जो पोल्लाक्वी टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूचो में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पोल्लाक्वी लेख संव 1556/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वितत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्तें मह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/का
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ल अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रयोद लागि प्रयो प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रयोद लागि प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रयोद लागि प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रयोद लागि प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रयोद लागि प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रयोजनार्थ अंतरि

जता जवा, उक्त विधिनियम की धारा 269-य के बन्सरभ में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, न्मिनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी० परमशिवम्

(ग्रन्तरक)

(2) ए० सोमसुन्दरम, सेकेट्री, कोभ्रापरेटिव बिल्डिंग, मोसाइटी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के ट्रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवाहर;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकल्त में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में धुरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हैं।

### **प्रमुस्**ची

भूमि टी० एस० नं० 256/7, पोल्लाच्ची टाउन, पोल्लाच्ची।
. लेख सं० 1556/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायकृ ग्रायकर प्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मक्षास

तारीख: 23-3-1985

मोहर 🛭

# प्ररूप लाई.डी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-11 मद्रास ॰
मद्राम, दिनांक 22 मार्च 1985

निदेश मं० 154/अगस्त 84/रेंज- --अतः मुझे, श्रीमती एमे० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसंमें इसके परचात् 'उक्त क्धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सदा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अपित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. ने अधिक है

और जिसकी मं० टी० एस० नं० 3065, म्युनिसिपल छठा वार्ड है, जो च्हिम्बरम् पिल्लैनगर, नंबावृर टाउन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, तंबावृर, लेख सं० 1459/84 में भारतीय रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के एरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है

अतेर अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित यें वास्तिविक रूप से किथित की किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर घेने के उन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्वास्थ अन्तरिती दनारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना ना हिए था, छिपाने में सिक्धा के लिए;

अतः अव, उक्द शिवियम की धारा 269-ग के अनुपरण मो, मी, इक्त शिविद्या की पास 260-द की प्राथ्यारा (1) के अधीन, निम्मीलीवत प्राध्यायों, अधीत् :— 12—4601/85 (1) श्री कि कृष्णमूति रावृ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमता मृत्तुलक्ष्मी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

ज़क्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स न्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की जारी कर से 45 दिन के भीगर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किया अधाहम्साक्षरी के पान विभिन्न में किए जा सकेंगी।

स्पध्दिकरणः --- हममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क मो परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अर्धीय में दिया गया है।

## अनुस्ची

भूमि और मकान: टी० एस० नं० 3065, वार्ड नं० 6, बी० वी० सी० नगर, तंत्राव्र टाउन, तजाब्र, लेख सं० 1459/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्राम

नारीख: 22-3-1985

मोहर :

प्रकल बाहैं दि. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज- , मक्रास मदास, दिनांक 22 मार्च 1985

निवेश सं ० 156/प्रगस्त 84/रेज-II—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकीं सं० संगनूर गांव है, जो कोयम्बन्तूर तालुक में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूचीं में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रींकर्ता मधिकारीं के कार्यालय, गांधी-पुरम लेख मं० 2799/84 में भारतींय रिजस्ट्रींकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन नारीख श्रगम्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पतित को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उकत अन्तरण निर्वित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निक्ति, व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सी० वी० राजरत्तिनम् श्रीमती सी० के० पंकजबल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी॰ उमापति ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी , अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुत्वी

भूमि । संगनूर गांव, कोयम्बसूर तालुक, गांधीपुरम । लेख सं० 2799/84।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

तारीख: 22-3-1985

माहर.

प्रक्य नार्ष<u>्टी. ए</u>त्, एत<sub>. \*\*\*\*\*\*</sub>

बायकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सूचना

### प्राद्वत वरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मार्च 1985

निदेश सं० 157/प्रगस्त 1984/रेंज- --- प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अर्थान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 12/105, जी० एस० नं० 350/1 श्रौर 351/1, सैंट नं० 4 है, जो संगनूर गांव, कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 2899/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य' उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ फिर्ची बाब की बाब्द, उक्क अधिनियम के बचीन कर दोने की बन्दरक की बाविया में कभी करने ना उच्चे वजने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) होती किसी जाय वा किसी पन या जल्य जास्तिकों को, जिन्हीं भारतीन नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया वा या किसा याना चाहिए था, जिनाने में सुविधा को लिए;

वतः जय, उक्त वर्षिनियम की धारा 269-व की वजुतरक को, मी, उक्त वरिधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) को सभीन, निस्तितिक किंदिनों, कविंद् कें च्च (1) श्रीमती ए० सरोजिनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला एम० गेरा।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पृत्ति को अर्जन के जिए कार्यवादियां सुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के दासपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थीकत द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्लाचित है, वहीं नधें द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **प्रनु**सूची

भूमि: जी० एस० नं० 350/1, और 351/1, टी० एस० नं० 12/105, सैट नं० 4, मंगनूर गांव, कोयम्बर्तूर डिस्ट्रिक्ट, गांधीपुरम, लेख सं० 2899/84।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 23-3-1985

मोहर 🛭

एक्स बाई. टी. एन. एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के लभीन सूचना

#### बार्ड संस्कार

# कार्यासम, सञ्चयक नामकर नामुक्त (निरोक्सम)

ग्रर्जन रंज-11, मद्रास मद्रास, दिनांक 22 मार्च $^{'}$  1984

निदेश स० 160/अगव्त 84/रेज-II--अतः मुझे, श्रीमतीः एम० सामुबेल,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 की 43) (। अस इसमें इसके प्रभात् 'उक्त नोधनियम २६६१ १५१ हैं), की नारा 269- के नभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिन्ना अधिका का कार्र कृत

1,00,000/- रा. में अधिक हैं।

सौर जिनकी संव शिमानलनूर है, जो कीयम्यनूर, तालुह में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची से आर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजिस्ट्रीवर्ता अधिशारे। के रायित्तर, शिमानल्लूर लेख संव 1525/84 में भारतीय रिजिश्तिर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपर्शिक अध्यत बाना ग्रंस में कहा के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित को गान हो और प्रकार के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित को गान हो और प्रकार का जीन्स बागार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिहाल स, एसे द्रश्यमान प्रतिहाल का पेट्ट प्रतिहाल से लिएक हो और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ए दे निकार के दिए उस मध्य प्रशास कि निकारित सक्तरियाँ। से बीच ए दे निकार के दिए उस मध्य प्रशास कि निकारित सक्तरियाँ। से बीच ए दे निकार के दिए उस मध्य प्रशास कि का निकारित सक्तरियाँ। से किथा निकारित सक्तरित के विकार के स्वार के स्वार

- (क) बन्तरण संहुर्विसी बाय की बन्दस उपक विधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक दियाल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वर्षि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकार विधिनस्थ, 1922 (1922 का 11) या उन्ते विधिनस्थ, या धन कर विधिनस्थ, या धन कर विधिनस्थ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्यार्थी धुरास जिल्ले नहा किया गया वा का किया जात वा का वा का किया जात वा का वा का विधिस्थ की किया वा का वा का विधिस्थ की किया वा का विधिस्थ की किया वा का वा का

(1) श्रोमती एम० गौरी श्रम्माल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० राजशेकरन ।

(भ्रन्तरितीं)

का वह स्थाना चारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्चन के शिष् कार्यवाहिया अस्तर हो।

प्रक्त सम्मेरित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वे 45 दिन की अजिथ था तत्ममन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की मन्दि, को भी जाधि है। से की स्वीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (स) इस सुचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहरताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण .-- इसम प्रयास्य प्रव्यां और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### जनसची

भूमि स्रौर मकान शिगानल्लूर गाव, कोयम्बत्तूर तालुक, शिगानल्लूर, लेख गं० 1525/84।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेज-II, मद्रास

कतः कथ, क्ष्मं अभिनयम की भारा 269-न के कन्वरण में, में, उयत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

तारोख: 22-3-1985

मोदर

# मुख्य बाही. टी. एवं - एवं - ----

# नायक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन स्थान

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ंग्रर्जन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० ्मी०/एक्यू०/1/37 **ई० ई**०/8-84/ 1050—-श्रतः मुद्दो, श्रार० पं७ि राजेभ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें इसके परवात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सभीन सक्षम शांधकारों को, यह जिस्तास कारने क. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनको गं० 401/एन०-1 है तथा जो कनाइ प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इत्य उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजर्ट्री, नी श्रिधकाण के कार्यालय, श्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली, 'गण्तीय श्रायकण श्रीधनियम 1961 के प्रधीन नारीख अंग 7, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं,, एंगें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्वि है और अंतरक (अंतरका) आर अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एंसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वंश्य सं उक्त अंतरण लिसित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुर किसी काय करें बाबन, उसस अभिनियम के अधीन फार दोने के सम्मारक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की समूद; ब्योर/बा
- (क) एसी किसी माय या किसी धन या मन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयफ ट सीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनश्रद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया वाना चाहिए था डिपान में सुनिश से लिए;

बतः जब, उक्त जीभीनमम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---- (1) मैं० कम्पोटेन्ट बिल्डर्स 101 कम्पोटेन्ट हाउस, एफ-14, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सुरिन्दर सोधी,
श्रीमती तरवोन मेहरा,
श्रीमती दिलराज बेदी,
श्री श्राई० ए४० हमनवालीया एण्ड सन्स (एव० यू० एफ०), वी-87, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली।

को बहु सूचना आरी करके प्नाविक सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्हा सम्माति के अर्थन को सम्बन्ध कः काहि भी आक्षेप !---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना क राजपत्र में पकालन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत रथावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकांगे

स्मध्दीकरणः -- इसरे पश्चन न ती और पूरी जा, ा उज्जत अधिनियम, को अध्याय 20-क मी परिभाषित हौ, वहीं अध होंगा की उस अध्याय मी दिया मूथा है।

### नग्त्रची

फ्लैट नं० 401, पनाप हाउस, एन-1, कनाट सर्कस, नई दिल्ली, तादादी 817.36 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम श्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

नारीख: 12-4-1985

मोहर ध

प्ररूप भार्षः टी एगः, एसः,------

# मयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 नई घिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एसपू०/1/37-ईई०/8-84/1051—ब्रतः मुझे, ब्रार० पी० राजेश, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एल० बी०-47/17, है तथा जो टालस्टाम मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961, के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त, 1984 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्दिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिमात से अधिक हो और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में समिभा के लिए;

अतः असं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधार निम्निजिबित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115 श्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नहैं दिल्लीं।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्ण पुरी, श्री श्ररिवन्द पुरी, निवासी फ्लैट नं० 73, पाकेट-12, ब्लाक सी-2-सी, जनकपुरी, नई दिल्सो।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना पारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्चन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास सिसियत में किए जा सकोंगे।

स्पाककिरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, जो उसत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुने अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गका ही।

### मन्त्रची

फ्लैट नं० एल० बो०-47, बहु-मंजिलीं भवन, 17, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्लीं, टालस्टाय हाउस, नई दिल्लीं, तादादी: 186 बर्गेकीट!

> ग्रार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायम भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, दिल्लीं, नई दिल्ली।

तारींख: 11-4-1985

मोहर 🛭

प्रकप नाहै हो एन एस -----

भागकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशाण)

मर्जन रेंज-1 नई घिल्ली

नई दिल्ली, विनोक 11 प्रप्रैल 1985

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एनयू०-1/37 ईई॰/
8-84/1052—-प्रतः मृक्षे, प्रार० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्थास करने का
कारण है कि स्थावर सम्मित्त, दिसका उत्पत्त बाबार मृष्य
1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० बी०-10/17 है तथा जो टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के नार्याखय, धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भायकर अधिनियम 1961 के अधींन तारीख अगस्त 1984 को

को प्वांक्त संपरित के उचित वाजार मृल्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते वह निश्वात करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त संपरित का उचित वाबार मृल्य, उनके श्रवमान प्रतिफल से, एते श्रवमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तम पाया जवा प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वरेष से उक्त वन्तरण निचित में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गवा है है—

- (क) जनारण से हुई किसी बाय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बनारक के वायित्व में कजी करने या उत्तते वच्छे में सुर्विधा की लिए; जीर/धा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन वा अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती इवारा त्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के सिए;

नतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निक्तिंकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भ्रंसल प्रापर्टीज एण्ड एन्डस्ट्रींज प्रा० लि०, 115 श्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्लीं।

(अन्तरक)

(2) लाजपत राय एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) बीं-1/74, सफदरजंग इनकनेव, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरितीं)

को बहु सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के जिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की जनभि या तत्वंबंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील है 30 दिन की अनिभ, जो भी नविच बहा में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद् किसी मन्त्र व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्वाक्षीकर्कः -- इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, जो सक्त . विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो सम अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं॰ एल॰ बीं॰-10, बहुमंजिली बिल्डिंग, 17, टालस्टाय मार्ग, टालस्टाय हाउस, नई दिल्ली, ताबादी : 319 बर्ग फींट।

> भार० पीं० राजेश सक्षम घिन्नकारी सहाबक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बिल्ली, नई दिल्ली

तारींख: 11-4-1985

मोहर:

प्ररूप आहें. टी. एम. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरका

# कार्यानय, सहायक नायकर मायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्लीं

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मीं०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 8-84/1057—स्रतः मुझे, स्रार० पीं० राजेण,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा संअधिक है

श्रीर जिसकीं मं० 127/22 है तथा जो कम्तूरबा गांधीं मार्ग, नई दिल्लीं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिलस्ट्रींकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतींय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधींन नारींख श्रयण्त, 1984

को पूर्वे क्लि सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वें विस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्वज्ञान मान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्योश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत, उक्स बीधिवज से बधीन कर वोने के जन्तरक से शिवस्य में क्या करने या उत्तसं वचन में स्वीवधा के सिक्; बीट/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जातकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्शति इवारा अकट नहीं किया गय या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधन के लिए;

कतः बव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) को अधीन, निम्निनिवद व्यक्तियों, अधीन :--- (1) वी बी एस प्रयोग ट्रस्ट,
 105 ए, परस्वर्ता हाउम,
 27 ने हरू प्लेम,
 नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरचरन कुलबीर सिंह, सीमरन बींर सिंह सोइन, पत्नीं एवं सुपुत श्री डा० कं० एस० सोइन, श्री श्ररिवन्दर सिंह कौंग, श्रीमतीं श्रमृत एच० सिंह सुपुत एवं पत्नी श्री एग० एस० लाइन, निवासीं ई-14, ग्रेटर कैलाग-1,

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सप्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं , 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विन्तयों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में संशोप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यविसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

### मन्स्पी

फ्लैट नं० 127, पहलीं मंजिल, 22 कस्तूरका गांधीं मार्ग, नर्ष दिल्ली, तादादी-210 वर्गफींट।

> आर० पी० राजेश पक्षम अधिकारी यहायक प्रायकण श्राणुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेंज-1,दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-4-1985

- मोहरः

प्रक्ष वार्<u>ड</u> ही. एवं , एवं , -----

नाय भर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के भंभीत स्थाना

### भारत चंडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्वेक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 12 अप्रैल 1985

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपाणेड़ा, महरीली, नई दिल्लीं में स्थित है (भाँर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचीं में भाँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रींकर्ता धिक्षि भ्रास्तीं के वार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई विल्लीं, भारतींय भ्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रधींन तारीख भ्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रधींन तारीख भ्रायकर श्रिक्त के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह व्यवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोह्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली जाव की वावस्तः उक्त वीधीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए वा किया ने में सुविधा के निगः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीत :---

(1)श्रोमतो शकुन्तला गुलाटी, निवासी 3-डी, निजामुद्दीन ईस्ट, नद्दी दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार धीर विपन कुमार, निवासी 27 पश्चिमीं मार्गे, वसन्त बिहार, नई दिल्लो।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस पे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में किला गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 5 बीघे श्रीर 1 बिस्बा, खसरा नं॰ 125/1, 125/2 श्रीर 119, (पार्ट) ग्राम कपाणेरोड़ा, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

# प्रकृष बार्षः टी. एन्. पुर्वः ------

# आयुक्त विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-म् (1) के अभीन स्वना

### बारत करकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 12 ग्रप्नैल 1985

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/37 ईई/ 8-84/1055—ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित आजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकीं सं० कृषि भूमि है तथा जो खसरा नं० 120 ग्राम कपाशेड़ा, महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रींकर्ता श्रधिकारीं के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतींय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1984

की पूर्वोक्त सम्मित के अणित नाजार मूस्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुङ्गिकसी बाध की वाबत उक्त अधि-नियम को बधीन कर दोने को बन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे अधने में सुविधा की लिए, बहुर/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा जिल्ली वन वा अव्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अव, उत्तर जीभीनवम की भारा 269-म में जम्मरण हैं, मैं, उत्तर जीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) में जभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, समीत हुन्न (1) कुमारीं कविता कपूर (ग्रव श्रीमती कविता धवन) निवासीं ए-40, फेन्ड्स कालोनीं, नई किल्लीं।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीं विनोद कुमार ग्रीर विपन कुमार, निवासीं 27 पश्चिमी मार्ग, वसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

# उक्त सुम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कादे भी वाशपे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया मुना हैं।

### नन्स्ची

कृषि भूमि तादादीं 5 कींचे भौर 1 विस्वा, खसरा नं 12 (पुटिं) श्रीर 121, ग्राम कपाशेड़ा, तहसील महरौली, नई दिल्लीं।

> श्रार० पीं० राजेश सक्षम श्रधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं

तारींख: 12-4-1985

मोहर:

प्रकृष आह्",टी. एत. एस. -----

सामकड मधिनिसस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन स्थान

#### मारत सरकार

# कांगीलय, सहायक आयकार नायुक्त (निर्हीक्रण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली म**ई** दिल्ली, विमांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी.०/एक्यू०/1/37-ईई/ 8-84/1056--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकात (उक्त मिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स में नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपीशेड़ा, तहसील महरौजी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूजी में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984 को

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस जन्तरण के लिए तय पाया नथा प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख नहीं किया गया है।

- (क) मन्धरण संहुद् किसी नाय की नावत, उत्तरं की भीनवम के नधीन कर दोने के भन्तारक के व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी भग वा अन्य वास्तिवों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आगा जाहिए था, छिपाने में सुविधा को निए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (1% के अधीन, निम्निसित्तिक व्यक्तियों) अर्थात् हि— (1) श्री घरणजीत लाल गुलाटी, 3-डी, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार और विपन कुमार, 27 पश्चिमी मार्ग, बसन्त बिहार, मई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में विका जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उसत अधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस स्थाय में दिवा में हैं।

# मन्स् ची

कृषि भूमि तादावी 4 बीघे ग्रौर 16 बिस्वे, खसरा नं॰ 119 (पार्ट) ग्रौर 120 (पार्ट) ग्राम कपाशेड़ा, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-4-1985

मोद्रह

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कर्र्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निचीक्षण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/

8-84/1057——अतः मुझे, आर॰ पी॰ राजेश, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्श अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से वाधिक हैं

ग्राँप जिसकी स० 19/17, है तथा जो बापाखम्बा रो ड, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्राँप इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वाणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) कि बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

क्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, कर्थातु :—- (1) मैं गुजराल इस्टेट प्रा॰ लि॰, ॰ 17 बाराखम्बा रोड, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हैयामा सहादेवन, पत्नी श्री सी० ए० सहादेवन, निवासी 188 मुनिरका इनकलेव, मई दिल्ली-67।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सपत्ति को अर्जन को संबंध में क्योर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (का) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्दिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>4</sup>।

# भनुसूची

रपेस नं० 19, लोवर प्राउन्ड फ्लोर, 17 बाराखम्बा रोड, विजया बिल्डिंग; नई दिल्ली, तादादी 178-8 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, दिल्ली

सारीबा: 10-4-1985

मोहर :

निर्वेश स०

प्रकप बाह . टी. एनू. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 अप्रैल 1985

अर्हि० ए० सी०/एक्यू०/1/3**7-ई ई**/

8-84/1058-अन: मुझे आर० पी० राजेश, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुः से अधिक है भौर जिनकी म० स्पेस न० 304, है तथा जो 51-52, ने हरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध अनुसूची मे भ्रींग पूर्न रूप से सर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यानय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984 को प्रविकत सम्परित को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अहर का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफाल से एसे क्ष्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रीपन्नश से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए सब पामा पना

अितफल, निम्नोनिक्त उब्देश्य से उन्त बन्तरण निविध् में

कास्तरिक रूप से कर्षिश नहीं किया गवा है ह---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरण क बाधित में कमी करने वा सबसे वचने में सुन्दिया के जिए; बर्डिंग्स
- (क) एसी किसी बाज या किसी धन वा जन्म जात्त्वाँ को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना धाहिए था, शिक्पाने में सुविधा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) मं वधीन, मिम्निविद्य व्यक्तियों, अथाप \*\*\*  (1) गेडोर टूल्म (इण्डिया) प्रा० लि०, गेडोर हाउस,
 51-52, नेहरू प्लेस,
 नई दिल्ली।

(अन्तरम)

(2) श्री पंका महिन्दू सुपुत श्री के० सी० महेन्दू निवासी जे-12/84 ए, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली श्री कृंटण चन्द्र सुपुत श्री शाम लाल, निवासी किला मोहला, जलन्धर श्रीमती पुष्पा देवी सुपुती डा० डी०० आर० तुली, निवासी-37, सेक्टर 19ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की अविधि या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर, पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव्य सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनु मुखा

फलैंट न॰ 304, तादादी 280 वर्ग फीट, सीसरी मंजिल 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> आर॰ पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 15-4-198**5** 

मोहर 🛭

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिमांक 11 अप्रैल 1984

निर्वेष सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/
8-24/1059—अत: मुझे, आर० पी० राजेष,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 701 ए, है तथा जो 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलीखत उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया क्या है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आप की वाबत, उबत अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वर्तियल में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसँरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) मैं प्रगती कन्स्ट्रक्शन कं ० (वेविका टाबर) चौथी मंजिल, शितला हाउस, 73-74 नेहरू प्लेस, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फरीदा खान, मास्टर मोहम्मद इमरान खान (माइनर) श्रीर मास्टर अमीन खान (माइनर) अभिभावक श्री आई० यू० खान, निवासी बी-19, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिग्नर कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की- अजीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्यूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का , वो उक्त नायकर नियम, 1961 (1961 का 43) के नध्याय उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

कार्माणयल फ्लैंट नं० 701 ए, 7वीं मंजिल, बहुमंजिली भवन, देविका टावर, 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, सादादी 850 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; नई विस्सी

तारीख: 11-4-1985

बोहर:

प्रक्ष बाइ . टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भाना

### भारत सरकार

कार्यालक, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)
मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्राप्रैल, 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-83/1061 घरा: मुझे झार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

और जिसकी सं० 1522-बी०, है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है)। रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम-1961 के श्रधीन सारीख श्रामस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान लिए के अन्तरित प्रतिफल की गहर भौर विश्वास करने का है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहाँ किया गया है:---

- (क) वितरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा स्कट नहीं किया भया था या किया जाना धाहिए ना, छिपाने मा मुजिधा में सिए।

वतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन हम्म

(1) मैं० क्रार्डवेय टावर्स इण्डिया प्रा० लि० बी०-104-ए, ग्रेटर के लाग-1, नहीं दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर राजेश जैन, लालत जैन और मैनीत जैन, निवासी--डी-35, पंचशील धन्मलेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर समान्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में जिस्सा का राजपार

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

- फ्लेट नं० 1522-बी, 15 मंजिल,89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादाबी-500 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारीख: 10-4-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वाय्क्त (निरीक्षण) प्रजीनरेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनाक 11 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० पुनयू०/1/37ईई/8-84/1062 अतः मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 405 हैं तथा जो 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित हैं)। रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकिकारी के कार्यालय, ग्रर्जर रेज-1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रिकिनयम-1961 के ग्रिकीन, तारीख ग्राम्त, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृषोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अस्तरण से होई जि़बी आय की वाबत, उक्त विभिन्निय के अभीन कर योगे के अस्तरक के यामित्व में कभी करने वा उससे यकने में सुविधा के लिए:
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी भन या कन्य आर्रिसमों को, जिन्हों भारसीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भं सुविधा किया जाना चाहिए था, छिपाने भं सुविधा किया

(1) फेंक्सिक धण्डिया, सी-538, डिफेस कालोनी, नर्ष विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामलाल महंदीरना, मास्टर धीरज महंदीरता, निवासी-सी-130, दयानन्द्र कालोनी लाजपत नगर, नर्द्व दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हूं।

### अन्त संपत्ति को कर्बन को संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस स् 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्परित में हिस-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

### पनुसूची

पलैट नं० 405, तावाथी 325 वर्गफीट, 89 नेहरू प्लेस नई दिल्ली।

> ग्रांर० थी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-1, नई दिल्ली

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :--

तारीख: 11-4-1985

मोहर:

प्रकृष कार्यः, टी. एव. एव. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-प (1) के अधीन सूचना

### नारत बहुकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 मप्रैल, 1985

निवेश संब्धाई व एवसी व एक्यू व / 1/37ईई /8-84/1064 भतः मुझे, आरव्यी व राजेश,

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उबत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. से आपके हैं
और जिसकी सं० 8, बलाक 'ई' है, तथा जो मेहक प्लेस, नई दिल्ली स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणल हैं), राजस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, अर्ज नरेंज -1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन, तारीख अगस्त, 84 का प्लोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निष्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान अतिफल से, ऐसे क्यमान अतिफल का गंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति पे बास्तिक रूप से क्षिण नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण वं हुद्दं किसी धाव की वाबंद्र, उपक्ष विभिन्नियम के वधीन कर क्षेत्र के संतरण के दादित्व में कमी कर्म वा उससे युजने में सृत्भिकों निए; अपूर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन वा बन्ध वास्तिकों को जिल्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त विभिन्यम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त विभिन्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभैन, निम्नलिकित व्यक्तियों, क्यांत् १—-14—4601/85 (1) मैं ० नेहरू प्लेस होटल्स लि०, इरोज सिनेमा बिर्हेडग जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली-14।

(म्रन्तरक)

(2) मैं ० एम० एम० एन्सपोर्ट 199, पालिका बाजार, कनांट प्लेस, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन् के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्यथ किसी बन्य स्थिति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पाइ सिसित में किए या सकेंगे।

स्पष्टाकरण: इसमें प्रयुक्त कक्यों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**त्र्त्री

स्पेस नठ० ६, ब्लाक 'ई' 8वीं मंजिल,होटल कम-कार्मासयल कम्पलैंक्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तावाबी 735 वर्ग फीट।

> न्नारः पीः राजेश सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेनरेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🛭

# प्रकृत कार्युः हो .. प्रवृत् प्रवृत् -------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के नधीन स्वना

#### बारत् ब्रकार

कार्यांतव, सहायक् आयकर नामुक्त (निरींसण) भर्जनरेंज -1, नई विल्ली नई दिल्ली दिनांक 11 भरील, 1985

निवेश सं । भाई । ए० सी । /एस्यू । 1/37ईई/8 84/1065, भातः मुझे, भार । पी । राजेश,

बायंकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जि की सं० 1507, है तथा जो 89 नेहरू प्लें. नई विल्ली, में स्थित है (और इ⊣से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वणित है)। रजिस्ट्री ति प्रिधिवारी में वार्यालय, प्रजैन रें ज 1, नई दिल्ली, भारतीय भ्राय-र मधिनियम 1961 के प्रधीन, सारीख भगस्त, 1984

का प्वॉक्त सम्पक्ति की उचित वाजार मृल्य से कम के इध्यमात्र प्रतिक्ष्म को लिए अन्तरित् की गई और भुभो यह विद्यास

करने का कारण है कि यथाप्त्रेंकित सम्मित्त का उचित बाजार भूम्य, असके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण सिंखिश में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 5---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त वीभिनियस के बधीन कार दोने के बन्तरक की दावित्य में क्यी करने ना उत्तत्ते विभा से सिए; बॉड/बा
- (था) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कत्य नास्तियाँ की चिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) लें ज्लीन, जिम्मलिखित स्थितसर्थों, अर्थात् ;—— (1) श्रीमित सती एस० बाचानी, एम 22, मेय फेयर गार्डन, नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं बार्नव इस्टेटस प्रा० शि०

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स स्म्यस्ति के वर्षन के निष्य कार्णवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्यन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से सैं △5 दिन की बनिंध या तत्सम्बन्धी स्थिततमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बनिंध, जो भी बनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिततमों, में से किसी स्थितत ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी की पास लिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो उपल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विसा गक्षा है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 1507, नेहरू प्लेज बिर्लंडग नं० 89 तावादी 560 वर्गफीट ।

> मार० पी० राजेश समम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1 नई विस्ली

तारीख: 11-4-1985

मोहर इ

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्स (निरुक्षिण)

भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्राप्रैल 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-84/ 1066---ग्रतः मुझे, ग्रार०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिव बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

और जिन्ही सं 1,1ए ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू व्लेन नई विल्ली में स्थित है (और इन्हें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से अणित है)। रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्रालय अर्जन रेंज 1 नई विल्ली आयकर अधियम भारतीय 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सपत्ति का उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरम से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के सियु; बरि/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या बन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के सिष्;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिय की भारा 269-व की उपधारा (1) है अधीन, निम्नुसिधित स्पिक्तियों, अर्थात् ह—

(1) मैं० नेहरू प्लेस हैं.टर्ल लि० इरोज िनेमा बिल्डिंग धेगपुरा एक्लर्टेंशन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भारत भूशन कटियाल सुपुत श्री आर॰ एल॰ कटियाल और श्रीमती पूनम कटियाल परनी श्री बी॰ बी॰ कटियाल निवासो-14-ई, समला नगर, विल्लो।

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहिया करता हुं।

उनत संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स्व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पाइ विचित में किए का सकारो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस स्थाय में दिया प्या हैं।

### मनुस्पी

स्पेप नं० 11ए ब्लाक हैं' 8 मंजिल होटल कम कर्मातयल कम्पलेका नहें दिल्ली नेहरू प्ले। नहें विल्ली तादादी 48 4 वर्गफीट।

> भार० पी० राजेण सक्षम श्रवि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेनरें ज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🖫

प्रकम बाह्य, टी., एव.) एवं,--लन्द्रस

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सञ्चयक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 10 भगेल 1985

निदेश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-84/1067 भतः मुझे, भार० पी० राजेश,

बायक र बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का भाग हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00 000/- रा. से अधिक ही

और जिनकी सं 0 10 ब्लाबः ही है तथा जो नेहरू प्लेब नई दिल्ली में पिन है (थौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्णरूप में विणा है) रिजिम्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्यांलिय अर्जन रेज। नई दिल्ली भारतीय आयक्तर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निविचित् उद्वोदय से उस्त अंतरण निच्चित में बास्तिक स्य से किया नहीं किया गया है है—

- (क) न्यरन वे हुइ किसी नाव कि नावत, उक्त विधिनियम के न्यीन कर दोने के नन्तरक के समित्य में कमी करने वा अससे क्वने में सुविधा के लिए; नर्दिना
- (च) पुरेती किसी नाय या किसी धन या बन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया वानी धाहिए वा कियाने में स्विधा के निए,

चतः जय सम्त विधिनियम की धारा 269-म से अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्निविद्य म्युक्तियों, अधीत ः--- (1) मैं० नेहरू प्लेक्ष होटल्स लि० इरोज िनेमा बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंगन न**ई दिल्ली** ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रशोक कैंकर सुपृत्त श्री दीनदयाल कैंकर निवासी-455 ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली ।

(अम्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पुनाँक्त सम्पर्तितं के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

् उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्वीध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थावित व्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकीं।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआविद हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

# वर्त्य

प्रो० स्पेस नं० 10 ब्ताक ई' 7 वी मजिल होटल्प कर्मासयल कम्पलेकन नेहरू प्लेप नई दिल्ली तादादी 513 वर्ग फीट ।

> म्रार० पो० राजेश स्थम धाधकारी महायक स्रायकार स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजंत रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख 10**-**4-1985

मोहर ;

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/57 ई० ई०/ 8-84/1068—अत: , मुझे आर० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जितकी संख्या 3, ब्लाक 'ई' है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (म्रांट इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री एती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपसमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हे और अंतरिक (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——  मैं० नेहरू प्लेस होटर्स लि॰ इरोज सीनेम बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंसन, नई दिल्ली-14,

(अन्तरक)

(2) श्री एल० एन० मोदी एण्ड सन्स (एच० यू० एफ सी०-38, पम्पोश इनक्लेब, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पत्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस कश्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1 दिल्ली, नई दिल्ली 10002

तारीख 10-4-1985 मोहर : प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. - - - -

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत पदकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंद रेंज-1, मई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

मिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई ई/8-84/1069--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जितकी सं० 7, ब्लाक 'ईं' है तथा जो नेहरू प्लेस, मई दिल्ली, में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का मे वाँगा है), रजिस्ट्रोहर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को पृद्धें क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिहस से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितारा के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नमा है।

- (क) मन्तरण वे शुर्व कियी जान की कार्य है कर्य है क्या के बार्य कर दोने ने क्या है क्या की दायित्व में क्या करने वा उपने के व्यक्ति में व्यक्ति के विष्
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा को निए;

कतः वन उन्त वाधिनियम की भारा 269-व के बन्दरक्ते, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) है अधील्य अधिनियम कियानत्वां व अधील्य ध---

- (1) मै॰ नेहरू प्लेस होटल्स लि॰ इंरोज सीनेमा बिल्डीग, जंगपुरा एक्स॰ मई दिल्ली (अन्सरक)
- (2) श्रीमती नीलू मिनोता पत्नी श्री श्यामम मिनोता घौर श्रीमती मेबी अनन्द पत्नी श्री एस० के० आमन्द, निवासी-श्री० 48, साकेत, नई विल्ली-27

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ्र---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य स्पक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरच : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

## **मनु**जुर्ची

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज नई दिल्ली-110002

तारीख 10-4-1985 मोहर् ॥

## प्रकृष् जार्च .टी .धुन् . प्रकृत्यमध्यस्य सम्बद्ध

न।यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन सुचना

#### बाउद चडका

कार्यातय, सहायक नायकड नायुक्त (निर्दोक्षण) अर्जद रेंज 1 मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1985

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37ई ई/8-84 1070---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा, गया है), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० 8, ब्लाक ई है तथा जो नेहरू प्लेस-मई दिल्ली, में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1071. के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को प्रविधास संपरित के उचित बाजार मूल्ए से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितिशों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम, निम्नतिविद्या उद्देश्य से उच्त जन्तरण निविद्य में वास्त्विक कम से कियत नहीं किया नया है =-

- (क) जन्तरण संहुई जिल्ली जाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक की दानित्व में कनी करने वा उबके वचने में सुद्विधा के किए; ब्रोड़/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनियम वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसन्दन में, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, संख्ता ह—- (1) मै० नेहरू प्लेस होटल्स लि० इरोज सीनेमा बिल्डींग, जगपुरा एक्सटेनशन. मई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० कैपोष्टल बिल्डर्स एण्ड फर्निशीग कं० 1/12-13 किर्ती नगर, (डब्स्यु० एच० एस०), न्यू टिम्बर मार्केट, मई दिल्ली-15,

(अन्सरिती)

को यह सूचना वारी करके प्वाँक्त सम्परित के अर्थन के शिव्य कार्यवाहिया सूक करता हुई।

जनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु---

- (क) इस सकता को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबर्था किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगें।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ननस्त्र की

स्रेत नं २ 9, बन ह 'ई हो इंग क्षम-क्षमीयन क्षमनेहा, नेहरू प्लेस मद्दी दिल्ली, तादादी 1014 वर्गफीट।

> आर॰ पी॰ राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ल

तारी**वा 12-4-198**5 मोहर: प्रकृषं नार्चं .टी . एन . एस . -------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिशांक 11 अप्रैल 1985 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई ई/8-84/1971—अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है स्था जो नेहरू प्लेस, कई दिल्ली में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद अनुसूची में

नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से थाँगत है), रिजस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरक से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधि-नियम के जधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में क्मी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) श्रेमी किसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर बीधनिवस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के जिए;

जत: जब, उक्त अधिनिवस की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिवस की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, विस्तिचित स्पव्सियों, अवस्त् ⊧— (1) श्रीमती कला पी० वा्चनी, निवासी-बी-11, मेय फैयर गार्डेन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) ज्योती ट्रेडिंग कार्पोरेशन 114ए, ग्रंसस भवन, कर्नाट प्लेस, नर्श दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गदा है।

## अनुसूची

फर्संट नं० 1517, 89 नेहरू प्लेस, मई दिल्ली, तादादी 560 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयरक आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख 11-4-1985 . मोहर प्ररूप बाइ े ही. एन. एस ,-----

कायकर की धीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 15 अप्रल 1985 निर्देण स० आर० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/ 8-84/1072—अत मुझे आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ज इसके पश्चात् 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मन्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्नौर जिसकी सख्या बी०-5, हैं मथा जो 44 रेटेन्डन रोड, हिरा महल, नई दिल्ली, में स्थिन हैं (ग्रौर इसमें उपाबख़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्न के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्थिधा के तिए; बार/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्मियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसन अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2/) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सविधा छे लिए।

जतः जनः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्यरः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियो, जर्थात ——
15—46GI/85

(1) श्रीमनी राज करणी खासना निवाधी-बी-5, हिरा महत्त 44 रेट-उस राउ, नई (दल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमनी विनमा गरमार, मित्राची 322 पक्ष रोड, माडल टाउन, जलस्थर मीटी (पनता)।

(अन्तरिती)

को यह गुणमा चारी करके पूर्णक्स मञ्चान्त के प्रचीन के लिए का निहिम एरता हु।

उनस सम्मिल्ति को अजेन क सबाध ते गाष्ट भी बाक्षोप :---

- (क) इस मूचन के राजात्र में प्रकाशन की नारीख सं
  45 दिन की जनधि था तत्सवधी व्यक्तियों पर
  सूचना की नाभील से 30 दिन की व्यक्ति को भी
  समित्र कार्य प्रतिहेता, को नीतर प्रोतित करियाणों मा से किसी, जानित द्वारा
- (क्षं) इस सुपता क राजपत्र म<sup>े</sup> प्रकाशन की मारील से 45 दिन के भीतर नवत स्थावर स्पत्ति में रिनबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अग्रानस्नाक्षरी के पास किशित में किए जा सकती।

स्पद्धिकरणः — असमें प्रजूबन शब्दों और पद्धिका जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्यें होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

#### श्रनुसूची

प्रा० न० बी-5 दुगरी मिजल, हिरा महल, 44-रेटेन्डन राइ, नई दिल्ली, ड्राविंग डार्टानग, तीत-बेड रूम के साथ साथ रूम, सर्वेन्ट क्वाटर पार्कींग प्लेम, तादादी 2000 वर्ण फीट।

> आर० पी॰ राजेश सक्षम अधिकारी सहायर आयरण आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रेज, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीय 15-4-1985 माहर .

## प्ररूप काइ .टी. एन. एस------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, न**ई** दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985 निर्देश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई०ई०, 8-84,1073--अस. मुझे आर० पी० राजेश,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या एम-195, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्रद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्तिं के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उजित बाजार अक्ष्य इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियो) के बीच एसे बन्तरण के लिए का पान गया प्रतिफल, निम्नीनिध्त उद्विश्य से उक्त बन्तरण दिनिष्त अं शास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की नण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वी० के० रैना, निवासी-बी-36, निजामुद्दीन इस्ट, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेखा सोनी, नियासी-बी-78, दया नन्द कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह बुज़ना जाड़ी करके पृक्तित सम्परित के बर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

## उक्त सम्मत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्नीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास निवित में किए वा सकीं ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रवृक्त सन्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रियर पोरणन पहली मंजिल-एम-195, ग्रेटर कलाण-2 नई दिल्ली, तादादी-400 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 15-4-1985

प्रकृष बार्ड . ही. एव. एस. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बधीन स्थान

### साइत बच्चार

कार्यालय, सहायक भायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०,एक्यू०,1,37 ई०ई०,8-

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हो

और जिस की सं० 405, हें तथा जो 56 नेहरू पद्धेस नई दिल्ली, में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाधव अनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन नारीख अगस्त 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल के पत्ते प्रस्तिका से बीच है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिस्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिल भे गर्तिकल, निम्नलिस्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिल भे गर्तिकल कप से लिथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ आदित्य में कनी करने या उससे वचने में ब्रिया के लिए: जीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बांस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिति में स्विशा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) जिभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—

(1) श्रीमती स्वर्ण मुजाल श्रीर संजय तथा नीरज, निवासी-डी 151, इस्ट आफ कलाश, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) म० पी० एल० डवर एण्ड सन्स 160 कटरा, नवाब, चान्दनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह मुचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पह सूचना की तानीस से 30 विम की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्
- (अ) वह ब्यान के राज्यम में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हिठ-बहुध किसी जन्म न्यानित बुनारा, नभाहस्ताक्षरी के गाम निविद्य में किए या सकेने।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थी. उक्त श्रीधन नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, यहाँ वर्ष द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रभी

.फलैट नं० 405, जोथी मंजिल, 56-नेहरू प्लेस नई दिल्ली, तादादी-577 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख 12-4-1985

मोहर

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 अर्प्रेल 1985

निवश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई० ई०/8-84 1075—अत: मुझे, आर० पी० राजेश

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र से अधिक है

ग्नीर जिसकी संख्या 6, दमवीं मजिल, है सवा जो 19-बारा बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वायत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रल प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक्त क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हैं प्रगाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री स्क० मनमोहन सिंह गिल, निवासी-ई-151, इस्ट आफ केंदाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलावती खेंना कुमारी ग्लाडीस खन्ना (माइनर) कुमारी तनया खन्ना (माइनर) निवासी-9/27, येस्ट पटेल नगर नई दिल्ली ।

(अन्तरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

श्राफीम फलैंट नं० 6, दसवीं मंजिल, तादादी 500 वर्गफीट, 19-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेम, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 12-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीत सुभना

#### भारत सरकाड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई०/8-84 1076—अत: मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें ध्सकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अधित बाजार मुस्स 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1522 ए, ्है तथा जो 89 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्चा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिन्यम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित भाषार मृत्य से कम के क्ष्ममान अतिपत्त की लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निरुवास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त अम्पत्ति का अधित बाबाद मृज्य असने श्रियमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तक पावा भया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तविक सर से कथिय नहीं किया गया है

- (क) बश्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कह देवे के अन्तरक की बाजित्य में कमी करने क उससे व्यने में सृविधा के निष्; जॉर/बा
- (क) एमं किसी बाय या किसी धन या अन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के क्रियः

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० ब्राडवे टावर (इन्डिया) प्रा० लि० बी०-104 ग्रेटर केलाश-I नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीस जैन पत्नी श्री एन० मी० जैन, निवाबी-डी-35, पंचशील इनकलेव, नई दिल्ली-17

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थनकके लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त संस्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों नद सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ट स्प्रिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकीं।

स्पक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्वो का, जो उक्का अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

फ्लेट नं० 1522-ए, 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-500 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

**सारीख: 10-4-1985** 

मोष्टर 🖁

प्ररूप आहाँ, टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ई०ई० 8-84 1878—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- ग्रीर जिसकी संख्या 812189 है तथा जो नेहरू ध्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन सादीख अगस्स 1984
- को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रुयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

 डा० प्रीप्त पाल सिंह भाष्टिया, निवासी ई-1/106, लाजपत नगर-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एस० जगत सिंह स्रौर सुरजीत सिंह, निवासी-ए-97, न्यू फेंन्डस कालोनी, नर्ष विल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस अ्वना के राज्यत्र में प्रकायन की तार्रीण से 45 विस् की जनिम या तरसम्बन्धी म्युनितरों पूर स्वता की तामीन से 30 दिन की जनिम, यो भी जनिम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति आर्डीनवर्तों में से जिसी क्यनित इनारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की जो उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## **बन्**स्ची

फलैंट नं० 812, तादादी 564 वर्ग फीट, 89-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-4-85

मोहर 🖫

## **धक्**म बा**र**्छ टी<sub>ल</sub> पुन<sub>ि</sub> पुन<sub>ि</sub> पुन् ु========

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 की 43) की भारत 269-म (1) के नधीन सुभना

#### प्राप्त चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/57-ई०ई/8-84 1079—अत: मुझे आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें परभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाणार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या एस-339, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाधक अनूमूची में पूर्णा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एते दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्ल) जन्तद्वण ते हुई कितीं जाय की बाबत, उत्थ विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को निए; बीहर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने हों सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मैं ० पंचवानी बिल्डर्स, स्टाल-7, शंकर मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) डा॰ सूरज मेडिकल सेन्टर, प्रा॰ लि॰ 92-डीफेंस कालोनी, फ्लाइम्रोवर मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पित्तयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्**स्**ची

फलैट नं॰ एस-339, ग्रेटर कला -11, नई विल्ली, तादादी 3497 वर्गफीट, जिसमें बेसमेन्ट 1771 वर्गफीट, ग्रोर ग्राउन्ड फ्लोर 1726 वर्गफीट है।

> आर० पी० राजेश, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख**:** 12-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन.; एस.,----

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन-रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०,एक्यू०/1/1/37 ई०ई०/ 8-84/1080——अतः मुझे आर० पी० राजेश,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयां हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 94, है सथा जो 28 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961; के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य-से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किंद्धी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट तहारे हिए। याच भा किया जाना चाहिए चा, कियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल हु— े (1) मैं ॰ गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंह प्रा॰ लि॰ 28 वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री निरन्दर कुमार, निवासी -4 सी/2, न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली।

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा ;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिर हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय यया है।

### वम्बुक्

स्पेस नं० 94, डा० गोपाल दास भवन, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, ताबादी 105.59 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 12-4-85

मोहरु 🛭

प्रकप भार्ड . टी . एन ., एस . -----

जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकाह

शर्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-I, नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्/1/37ईई/8-84 1084 अतः मुक्को, आर० पी० राजेश,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 26 है तथा जो 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अन्मूची में पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्तं अधिनियम के अधीत कार दोने के अन्तरक जो बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और या
- (ण) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

श्रतः श्रवं, उत्तरं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं मं, मं, उत्रतं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत :----20 ---46GI/85 (1) मैं • गोपाल दास इस्टेट्स एण्ड हाउसिंग प्रा० लि • 28, बाराखम्त्रा रोड. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरदेवी वधवा पत्नी श्री सुखरामदोस वधवा, श्रोमती गुलाचना परवानी, पत्नी श्री सुरेश परवानी, मारफन अयल दास नेभोमल, 3525 कुनश्च रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त मम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अर्जन के सर्वध में कॉर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की अविध गा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्वकातिक रेण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वग्युकी

स्पेस नं० 26, लोवर ग्राउड फ्लोर, डा. गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली,तादादी 172.73 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-4-1985

मोहर 🖁

प्रकृष कार्ष. टी. **एन्. एव**. ------

## भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### नारत वरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०,एक्यू०/ /37बई ई/8-84,

1082--अनः मुझे आर० पी॒० राजेण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- क. में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या स्पेम नं 12 है तथा जो 28 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित्त है), रिजट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को प्वें निस सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों क्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-क्षण निम्नसिवित उद्योग्य से स्वत बन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरम् चंह्र्यं किसी नाव की वावतः, उन्तर्थं अधिनिवृत्रं की अधीन कर दोने के जन्तरक की दामित्व में कमी करने ना सबसे वचने में सुविधा ने शिक्; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, कियाने में बुन्चिया के विव्या

जतः जव, उक्त विधितियम, की भारा 269-ग के बन्दारण कें, में, उक्त विधितियम की नारा 269-च की उपधारा (1) के विधित, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मै० गोपाल वास इस्टेट्स एण्ड हाउसिग प्रा० लि० 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हिरा नन्द वधवा
सुपुत श्री सुख राम दास ग्रीर
श्रीमती रेनु वधवा पत्नी श्री मुरलीधर वधवा।
निवावी-मार्फत अयल दा निभजमल,
3525 कुतब रोड,
दिल्ली-6

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

## वक्त सम्मतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शामेष् :--

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी
  वर्ष नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सर्वोगे।

स्वाच्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर पृथां का, वां उपत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

स्पेस नं० 12, लोबर ग्राउन्ड फ्लोर डा० गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तातादी-147:48 बर्गफीट।

> आर० की० राजेश, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

**सारीख: 11-4-85** 

मोहर 🖪

## प्रचल बाइ'. टी. एन. एव. ------

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/ $1_l$ 37/ईई $_l$ 8-84 1085—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 109/6, है तथा जो नेहरु प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिकारी अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए मन्दरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिन्नि है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर बन्ति रिती (मन्तिरित्यों) के बीच ऐसे मन्दरण के लिए तय पाया क्या मिन्निक, निम्निलिखित सहैश्य से स्वत सन्दरण निवित्त मे बन्दिक कप स कथित नहीं किया क्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ स्नारिद्रती स्वाद्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में बृविधा के सिष्टः

जरो∵ जुंब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-गु के अनुसरण कों, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभास (1) को जभीन, निस्तिचित व्यक्तियों, जभात डिल्ल (1) श्री राज कुमार गुप्ता, श्रीमती वीना गुप्ता, श्रीमती विद्या गुप्ता, निवासी-डी-59, हौजखास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० प्रसाद एण्ड कं० 9/5, इस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाये।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, को अक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## धनुसूची

फलेट न० 109, देविका टावर, 6-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली तादादी-210 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारी**ख**: 1-4-85

प्रकथ बाह्र ही. एक्. एस. ४ -- -

## भायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्कना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 **ईई**/8-84, 1086—अतः मुझे, आर० पी० राजेग,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या 304/ए, 18 है तथा जो कनाट प्लेस, राम हाउस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961, के अधीम तारीख अगस्त 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का विश्वास से विधिक है और वंतरक (वंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीक एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की शब्द उक्त संधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, आहि/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिकों करे, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वा सिक्य जाता चा चा सिक्य जाता चा चा सिक्य जाता चा सिक्य जाता चा सिक्य जाता चा चा चा च च

(1) श्रीमती जी० सीता लक्षमी, पत्नी श्री एम० गनेशन श्रीर श्री टी० जी० महालिगम सुपुत्र श्री एम० गनेशन निवासी 8-ए, 70, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ ट्रान्सओसीयन शिपींग एजेन्सी प्रा॰ लि॰ एभ॰-109, रेड रोड, 49-50. नेहरू प्लेस, नर्श्व दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स उक्ष्योंस्त के बर्धन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की सामीन से 30 दिन की व्यक्ति जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित-बस्थ किसी कन्य व्यक्ति देवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकांगे।

स्मध्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्सूची

फ्लेट नं० 304 राम हाउस, ए-18 कनाट प्लेस, नर्ह दिल्ली, तादादी 578.37 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली 11002

भतः कथ, उपस विधिनियम की बादा 269-व वी वन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 11-4-1985

मोह्रु 🖫

प्रकर बार्ड्, टीं, एस<u>.,</u> हुन्न, व र ≐ ≃≔

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चनग

#### WANT TRANS

## कार्याजन, बहायक जायकर जायुक्त (रिन्ट्रीसण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/8-84/ 1088--अत: मुझे आर० पी० राजेश,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाख 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० 702 है तथा जो 15 टालस्टाय-मार्ग, नई दिल्ली, में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वृणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम, 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मूख्य से कम के देखान प्रतिफन के निए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त पंपत्ति का जिय बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्ति से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबित उद्देश्य से उसस अन्तरण मिनिक में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्त अधिनियम के जधीन कर दोनें के अफ्तरक के दायित्य में कमी फाइने वा बक्क से बचने में सुविधा में तिए; जौड़√वा
- (था) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य बास्तियों की, चिन्हें भास्तीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिस्ती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना साहिए या कियाने में सुविधः के किया

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रित व्यक्तितृयों, अर्थात् ध—— (1) श्री भ्रो० पी० भल्ता, श्रीमती एस० भल्ला, श्रौर कुमारी किरन विरमानी, निवासी-जी-15, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश भासीन, श्रीमती शारदा भासीन, कुमारी शालीना भासीन श्रौर मास्टर सुमित भासीन, सभी निवासी- ए-11 रिंग रोड, नरायणा विहार नई दिल्ली-28,

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हो ।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई जी बाधरेंप हैं-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सन्यों काँद्र पवाँ का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 702, 7-वीं मंजिल, 15 टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली, तादाबी-600 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली 110002

तारीख: 11-4-85

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/8-84/1087—अतः मुझे आर० पी० राजेश,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इनवें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्च 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीप जिसकी मं० वेसमेन्ट 1, है तथा जो 49-50 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप य विणम है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकाँ) और वंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिस उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावस, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे अभने में सृतिभा के जिल; कार्ट/वा
- (क) ऐसी किसी काम या किसी धन या कम्म झास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिधा स्वीवध के किए;

आतः जनः, उन्ते अधिनियम की भारा 2.69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियकों, अवृत्ि ह— (1) मै॰ इन्डिया अपारील्सः सी-13, वसन्त विहार नई दिल्ली-57

(अन्तरक)

(2) मैं० श्री सिन्थेटिक्स लि०
123, मिल्तल चेम्बर नरीमन प्याइन्ट,
बम्बे-21,
(रिटा० कार्यालय)
श्री सिन्थेटिक्स लि०,
नवलकी मक्षी रोड,
उजैन (एम० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का को जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गवा है।

बेसमेंट नं० 1, रेड रोज, 49-50 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 12-4-1985 **मोहर**ु

## प्ररूप मार्ड दी एन एस . -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निजेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1-37 ईई/8-84/ 1089—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 207, है तथा जो 51-52 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है). iजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर आधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संगंतित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एमे बन्तरण के निए तब पावा गया प्रतिक कन, निम्नसिश्चित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) गेडोर टूल्स इन्डिया प्रा० लि० गेडोर हाउस, 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी विभा धवन,
सुपुत श्री ए० के० श्रवन,
निवामी-28 ए,
डी० डी० ए० एम० आई० जी० फ्लेट्स,
राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अजन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं० 207, नादादी 195 वर्गफीट, 51+52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली,

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली-110002

तारीख 12-4-85 मोहर : प्रकप्, बाहाँ ही. एन. एस् - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/8-84/ 1090-अत: मुझे आर० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं. 501 बी, है तथा जो 6 नेहरू प्लेस नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनूसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय आयर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाकार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय गांगा गया प्रतिफल निस्निविचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विचित में शास्तविक रूप से कांचर नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त विधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व मीं कमी करने या उससे बचने मीं सृविधा के निए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अम्नियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मित्रिया है निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन, निम्निष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मैं प्रभाती कन्सट्रक्शन कं (देविका टावर)
  चौथो मिजिल, शितला हाउस,
  73-74 नेहरू प्लेम,
  नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं० सेठ फेमिली ट्रस्ट एण्ड मैं० के० बी० नाल सेठ फेमिली ट्रस्ट, एम-40, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह तुथना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृतना की तासील स 30 कि को अविधि, जा भो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा,
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निकात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद पतों का, को अक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### march 1

कर्मासयत पत्नेट नः 501-बी, बहु-मंजिली बिल्डीग, 5वीं मंजिल, देविका टावर, ४-नेहरू प्लेस, नई . दिल्ली, सदाबी-500 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश संभम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज 1, दिल्ली, नई दिल्ली - 110002

तारीख 11-4-85 मोहर ३ प्रकप बाह्र . टी. एम. एस. ८० - ---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयक्तः (निरीक्षण)

अर्जंभ रेंज 1, मुई दिल्ली

नई दिल्ली, दिमांक 15 अप्रैल, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-84/-1091--अतः मझ आर०पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 260 अ के अपेप एउम का कारी कारी को, यह विकास करने का बरणा है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रतः से शीयक **ह**ै श्रीर जिएकी संख्या डी० डी० ए० फ्लैप्ट नं० 12 है तथा जो यसन्त विहाप, भई दिस्ली में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद अन-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इदयकान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेध्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी जायकी बासत, को प्रतियम के अर्थान कर दोने के बन्तरक के धारिपत्व या कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; तार था
- ता । तार्यो रे हे हे देश या सिना अंद हो गर्य अर्थ अर्थ न को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थं अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने 📑 स्विभा 🕏 िनाः:

अतः अब, उक्त आधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण में मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियाँ, एकति :---17-46GI/85

(1) श्रीमती श्राप्त रस्तोगी, निवासी 🗣 - 387, ग्रेष्टर कैलाश-2, नई दिल्ली

(धन्तरक)

(2) शीमती प्रभावती काडियन, निवासी डी--294, सर्वोदया इनक्लेब, नई दिल्ली

(भन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कायवाहिता करता हा ।

उच्या सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ५---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियाँ सचना की तामील से 30 बिन की अवधि जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त न्यक्तियां में सं किसी ब्यक्ति इथाए;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति एवारा गंधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए आप सकोंगे।

स्पच्दीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### धनुस<del>ूची</del>

डी० डी० ए० पनौट नं० 12, दूसरी और तीसरी मंजिल के साथ गैरेज, नियर रिजर्व बैंक प्लैट्स, वसन्त विहार, **नई** दिल्ली, प्रन्तर्गत सेल्फें फाइनसिंग स्कीम, तादाबी 113 वर्ग मीटर ।

> भार० पी० राजश सक्षम भ्रधिकारी सहायक धाय हर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्ञ⊸1, विस्त्री

तारीख: 16-4-1985

माहर- 🖫

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ----

#### भारत सरकाह

## कार्यास्य, सहायक आयकर बायुक्त (निहरीक्षण)

**म**ीन रेंज⊶1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मधैल 1985

निर्देश सं० म्राई । ए० सी ० / एक्यु ० / 1/3 7ईई / 8-84/1099 ----मानः मूले, भ्रार०पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जि की सं० 103 ए हैं तथा जो 22-बाराखम्या रोड, नई दिल्लो में स्थित है (और इनसे उपाद्यक्ष श्रनुसूची में रूप से विणा है), रजिस्ट्री वर्त श्रिकारी के कार्यालय शर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, धारतीय श्रायकर श्रिधिनियम-1961, के श्रिधीन तारीख श्रामत, 1984

की प्यावता सम्पत्ति के उषित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृष्टित सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जीनक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में धास्त्रिक क्य से कश्यत नहीं किया गया है क्ष्री

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कभी करने या उससंबचने में सविधा के निए; और/या
- (क) एशी किसी आय या जिसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसा जाना चाहिए था खिमाने में सुविधा की लिए;

भतः यात्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन-22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं० राधिका इनवेस्टमेंटस, ए-69, न्यु फेंडस, कालोनी,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 103-ए, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, ताबादी 350 वर्गफीट।

> मार०पी० राजेण सक्षम श्रधिकारी सरायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶1, दिल्ली

तारीख: 12-4-1985

## प्रकृत बाद. टी. एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत ' 269-भ (1) के अभीन सुभाग

### भारत चहुकाडु

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

नई धिल्ली, दिनांक 12 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/8-84/1103 ⊶-श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या 1115 है तथा जो 19-बाराखम्बा रोड
नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप में बणित है), रजिस्ट्रीयती श्रिधिवारी के नार्यालय श्रर्जन
रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन
तारीख श्राग्रल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्णित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई हैं और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी बाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा आहें सिए; और/या
- (था) एसी किसी बाब या किसी भन या बन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय बायकर मिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर सिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिधा के लिए;

जत: अव, उक्त विभिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण मैं, में उक्त अभिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित अक्तियों. अधीत ६── (1) मैं० मगनी राम बैंज नाय, लक्षमी भवन, मृगेर, बिहार

(भ्राप्तरक)

(2) मास्टर श्रशिक नरना (माइनर) श्रभिभावक श्री ए० एल० सरना, निवासी-बी-4/39, सफदर जंग इनकलेव, नई दिल्ली

(भ्राप्ति)

का यह सुचना चारी करके प्योंक्त संपरित के धर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीत्रस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, को तक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं 1115, ग्रन्णात्रन, 19 स्थाप्रकार सेंड, नई दिल्ली, तादादी 500 वर्गफीट

> श्चार० पी० राजेण नक्षम श्रधिकारी महायह श्राय हर श्रापुक्त (तिरीक्षण) श्रर्शन रेंजेंच1, न**ई** दिल्ली

तारी**ख**: 12-4-1985

प्ररूप बाइ , टी. एन. एस.----

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### धारतं सरकार

कार्यासय, सष्टायक अत्यकर बायक्त (निरीक्षण) यर्जन रोंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 मधिन 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-84/1104 -- मतः सुसे मार०पी० राजेश

नायकर मिथीनयम, 1961 (1961 का 43) (चिले इसमें इसमें इसमें प्रमात उक्त मिथिनयम कहा गया हैं) की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मस्य 1,00,00 रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 1001~ए० है तथा जो 6-नेहरू प्लेत, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मेंध्यूण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याजय प्रजेन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय प्रायकर शिधनियम 1961, के अधीन तारीख अंगस्त, 1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्निजित उच्दे हम से उक्त अन्तरण जिला में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तर्क वं हुई किसी बाद की अवल, अवल विविद्यक् के स्थीन कर दोने से स्वत्रक के वादित्य में केनी करने वा उत्तरी स्वतं में स्विधा के लिए; वार्/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मौजनियम, वा धन-कार मौजनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नया वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुरैक्श के सिए;

अतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को वधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, जर्थात् हु—— (1) मैं प्रगती सन्सट्टमशन कं (देविका टावर) चौथी मंजिल, शितला हाउस, 73-74 नेहरू प्लेस, नई दिस्ली

(भन्तरक)

(2) कर० स्थरणजीत सिंह, श्रीमती राज कंयर, श्री जमजीत सिंह और श्री नरजीत सिंह, निवासी 9-रिंग रोड, लाजपत नगर-11, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह त्यना वारी करके पूर्वांक्य संपरित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षण के पास लिशत में किए या सकोंगे।

स्पथ्वीकरणः --- इसमें प्रेयुक्त सम्यों और पर्वो का, जो जक्त जिथितियम्, को अभ्याय 20-क में परिभाषित् हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया युवा हैं।

## धनुसूची

क्रमणियल फ्लैट नं० 1001-ए, दल्बीं मंजिल, बहु-मंजिता भवन, 6-नेहरू फ्लेस, देविका टावर, नई दिल्ली, सादादी--1050 वर्गफीट ।

> मार० पी० राजेश सक्षम मधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भाजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-4-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक शायकर वायुक्त (निरीक्षण) भ्रानिन रेज-1, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० **पाई** ए० सी०/एक्यु०/1/37**६६/8--84/1105** ---**-प**नः महो, शार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की संख्या ए--504 है तथा जो पालम शपार्टमेंट 'बिजनाशन, नई दिल्ली से नियत है (और इससे उपायद अनु--सूची में पूर्ण रूप से निणत है), रजिन्द्री निर्धा अधिनारी के सामलिय श्रार्जन रेज--1, नई दिल्ली, भारतीय शायव रश्चितियम 1961, के श्राधीन नारीख श्रामस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए लन्तिरत की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिरती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) श्री सिगल होत्खिंग प्रा० लि० जी० एफ०-19, मानसरोवर बित्डिंग, 90-नेहरू प्लेस, नई दिल्ली

(मन्तरक)

(2) श्रीमती करणी कुमारी
सुपुत्री श्रीमाधे राम,
मार्फत रानी देवेन्द्र कुमारी,
द प्लेस चम्बी चम्बा, (एच० पी०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विका सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त का मितकों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्या किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिषकरण:--इसमें प्रजुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया

#### बन्स्ची

फ्लैंट नं॰ ए--304, पालम भपार्टमेंट, बिजवाशन, तहसील---महरौली, नई दिल्ली, सादादी 850 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-85

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

## कायासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षक) ग्रार्नेन रेंज-1,नई दिल्ली

ुनई दिल्ली, दिनां रः 11 भग्नैल 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8→84/-→ 1107---भानः मसे, भार०पी० राजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिन्हीं संख्या 35/17 है तथा जो बाराब बा रोड, नई दिल्ली में रिथत है (और इन्से उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से बाणा है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रकृत रेज-1, नई दिल्ली भारतीय भाय एक प्रधिनियम-1961 के मधीन तारीख भगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उत्तसे बचने के सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अतिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं ॰ गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि॰ 17--बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री सुदेश कुमार छात्रा, निवासी ई-53, मसजिद मठ, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्द्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

स्पेस नं० 35, तोचर ग्राऊंड फ्लोर, विजया बिलिंडिंग 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 325,72 वर्गफी.-

> द्यार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज- नई दिल्ली

अत. बस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् हि—

तारीख: 11-4-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . -----

नामकड म्भिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सृचना

#### भारत सरकाड

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/37ईई/8-84/1100---श्रतः मझे, ग्रार०पी० राजेशः

लावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से-अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं∘ 11 है तथा जो 28 आराखस्था रोड, नई दिल्ली सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची ,सें पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीव कि धिवारी के वार्यालय, भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायवार श्रिधनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984

मन्ने प्वीविश्व सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथाप्वाँकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आध की बाबत, अब्द अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्य में कनी कर्त्वया उत्तरसे बच्चे में सुविधा के निष्; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कड् अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की किया;

जतः अव, सक्त अधिनियमं की भाष 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, तिस्तिसिक व्यक्तियों, अर्थात् क्ष— (1) मै. गोपाल दास इस्टोट एण्ड हाउसिंग प्रा. लि. गोपाल दास भवन, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भोज राज पी. चिम्मनी सुपुत्र लाला पमन द्यास एन्. चिमनानी मार्फत में. होमशन सल्स कार्पोरोशन (इन्डिया) 4597-डीपुटिंग, विल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में हितबक्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

स्पेस नं० 11, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर छा० गोपाल दास भवन, 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी---1478 धर्नफीट।

> श्वार० पी० राजेश सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुपंत रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-4-1985

मोहर 🗧

प्ररूप बाह्". टी. एन. एड. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

## कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रोंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 श्चर्येल, 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8→84/1109 →-श्रतः मुक्ते श्रार०पी० राजेश .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह, से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं० 20, है तथा जो 28-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची सें पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भायकर अधिनियम-1961 के अधीन तारंख अगस्त, 1984

कते पृथीवन सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विद्वास करों का कारण हुं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा अधे लिए; बौद/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने परें परिशा के सिए;

(1) मैं ॰ गोपाल दास इस्टेटस एम्ड हार्जासम प्रा॰ लि॰ 28-साराजम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तः रक

(2) मास्टर सुधी चिमनानी
(2) मास्टर सुमित चिमनानी,
प्रभिभावक श्री लाल चन्द चिमनानी,
मार्फत हेमशन सेंत्र कार्पेरेणन (इन्डिया)
4597 डीपुटी गंज,
सदर बाजार, दिल्ली--6।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वास के राजधन के प्रकाशन की महिरा । 40 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे!

## भ्रनुसूची

स्पेप नं० 20, सोबर ग्राउन्ड फ्लोर, डा० गोपाल दास सबन, 28 भाराबम्धा रोड, नई दिल्ली, तादादी 386.75 वर्गफीष्ट

> श्चार० पी० राजेश सक्षम श्रक्षिकारी सहायक श्वायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-

तारीख: 11-4-85

प्रस्य वार्षं.टी.एन.एस. ------

नामकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वा

#### भारत तरकार

कार्यालयः महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, दिल्ली

न्हें दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैंल, 1985

निर्देश में अग्रहि ए० सी०/एक्यू०/1-37ईई/8-84/-1110--अतः मुझे, श्रार०पी० राजेण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिलत साजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 1204, है तथा जो 89 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रार्जन रेंग-1, नई विल्ली, भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1961 के श्रिधीन तारीख ग्रगस्त, 1984

को प्रोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशन उद्योध्य से अक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिमक रूप से किथत नहीं किया प्रा है:--- .

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की वाबत, उजत अभिनियम के जभीन कर धेने की बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उतसे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

(1) श्रीमती श्रम्बीका मेहना पत्नी श्री ओ० पी० मेहता, निवासी सी-333, डीफेस कालोनी, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रोमिला खन्ना पत्नी श्री तिलक राज खन्ना श्रीर मास्टर लिलत खन्ना, कुमारी श्रंजलीं खन्ना कुमारी पूजा खन्ना, सुपुत्र एवं सुपुती श्री तिलक राज खन्ना निवासी ई-४९, साकेत प्राईवेट) नई दिल्ली

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वाक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं
  45 दिए के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध
  निसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
  निस्ति में किए जा एकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### भनुसूची

फ्लैट नं० 1204, तादादी 560 वर्गफीट, 89 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखाः 11—4<del>-</del>85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 प्रप्रैल 1985 🕝

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/8-84/-1110---श्रत: मुझे श्रार०पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 605/6 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रधीन तरीख श्रायस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल, निम्निलिशित उद्दोर्थ से उक्त अंतरण लिखित में करने का कारण है कि ध्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित करण मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्निलिख में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रीकुमार कुणल ग्रेवाल अभिभावक ग्रश्रमाद मिंह ग्रेवाल, निवासी 653, गुरदेव नगर, लुधियाना-1

(ग्रन्तर्क)

(2) श्रोमती सरिबन्दर ग्रेवाल, निवासी 653, गुरदेव नगर, .लुधियाना--1

. (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आंक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

ग्रन्युची

कायालय पलट न० 605, तादादी 325 वर्गफीट, 6 मंजिल, मल्टीं स्टोरी विल्डिंग, 6—देविका टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> न्नार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीखा: 10-4-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एत. -----

कायकः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भ)रतं सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 10 श्रप्रैल, 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० मी०/एक्यूं०/1/37ईई/8-84/1113 —-श्रतः मझे श्रार०पी० राजेश

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 33/17 है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उणाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961, के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त, 1984

को प्वोक्त संपत्ति के उपित वाजार मूस्य सं कम के सम्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वोक्त सस्पति" का उपित . बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कौथत नहीं पाया गया है:——

- (क) अलरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक की दायित्व में कानी करने मा उनसे अचन में सुविधा के लिए; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिलाने में स्विका के निस्

(1) मैं गुजराल इस्टेट प्रा० लि ० 17-बाराखम्बा रोड, न**ई दिल्ली (अं**न्सरक)

(2) श्रीमती मीना भागवा,
 निवासी-/11-, साउथ एक्सटेनणन,
 नई दिल्ली-भाग-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्रतोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद शृथना की ताबील से 80 दिन की संबंधि, वो भी अवधि वाध में सभाप्त होती हो, के भीतर एवाँका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर तस्यति में हितवष्प किती बन्ध व्यक्ति क्यार, अभोहस्ताक्षरी के पाड निवित में किए वा सकेंगे।

#### वन्त्वी

प्रो० लोवर प्राउन्ड पशोर नं० 33, 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादाती 178.8 वर्गफीट

भार० दी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

भतः अब उस्त अधिनियभ की धारा 269-भ अ अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, नर्थात ध---

तारींख: 10-4-1985

प्रकथ बाई. टी. एव. एस. ------

**बायकर जां** भानवम, 1961 (1961 का 43). की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**वन**ा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्रजेंन रेंज−1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 श्रप्रैल, 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-84/1114, ---श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्ला नाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 13/17. है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेज-1. नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर श्रीधनियम-1961 , के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त विधिवयम के अभीत कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ध्रेसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ का, खिन्हुं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वाँ प्रयोजनार्व असिरिती द्वार प्रकट नहीं निया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) मैं । गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि॰ 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० मिची घोपटींज एण्ड 'इनवेस्टमेंट हैं। (दिल्ली) प्रा० लि० ई-29, एन० डी० एस० ई० भाग-2, नई दिल्ली।

. (भ्रन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी. विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ∾मृस्ची

स्पेस नं० 13, लोवर ग्राउन्ड, फ्लोर, विजया बिस्डिंग, 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी-178.8 वर्गफीट

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

ंशतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बभीन ल निम्नकि चित्र अक्तियों, अर्थात स्थलन

तारींख: 10-4-85

माह्रर

प्ररूप आहें दि एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक नायकर नायम्बल (निरीक्षण) प्रर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 श्रप्रैल, 1985

निर्वेश सं० प्राई० ए० सीऽ/एक्युः/1/37ईई/8-84/1115 --- प्रत: मुझे ग्रार०पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० स्पेस नं० 90, है तथा जो 17-बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में ' पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जाँ अनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमती सुरिन्दर कौर चन्दन पत्नी श्री मोहन चन्दन, निवासी 118 न्यु दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री यणधर कुमार जैन सुपुत्त श्री एम० एस० जैन, मार्फत मानेक एन० दस्तुर, 85-ओर बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ज़क्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व सै 45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर रूखना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## ग्रनुसूची

स्पेस नठ० 90, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर, 17-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली, तादाबी-203, वर्गफीट

> श्रार. पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज−1, नई दिल्ली

तारीख: 11-4-'85

## प्र**क्ष्य नार्द**ः दो<sub>ड</sub> एनः एतः -----

आयकार विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यासन, सहायक नायकार नामृक्त (निर्धाक्तण) ग्रजनरेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 म्रप्रेल 1985

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-84/1116 ----ग्रतः मुझे प्रार० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसन इसके बरवात् 'उकत अधिनियम' कहां गया हैं), की धारा 269-म के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विकास निर्माण का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सं० 301/22 है तथा जो के० जी० भाग नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984

की पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि क्यापूर्वेक्त कम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसद इश्यमान पतिफल सं, एमं इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित एसे अंतरण के लिए तय पायर गमा प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण कि वित में वास्तिक रूप से क्थित नहीं किया गया है :---

- (क) बीतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिशियम को अभीत कर दोने के बंतरक के शिवरण में कमी करने या उससे बचने में स्विधा अभितः और/बा
- (क) एंटी विक्री अप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाले में सृविधा के लिए;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिमों, जवातु:—

- (1) श्री सुधीर महेश्वरी
  सुपुत्र श्री बी० ग्रार० महेश्वरी,
  श्री मुनिल महेश्वरी
  सुपुत्र श्री श्याम सुन्दर महेश्वरी,
  निवासी मार्फत मै० बी० ग्रार० महेश्वरी एण्ड ००
  चार्ट एकाउन्टेन्ट, महाबीर बाजार,
  क्लाथ मार्केट, दिल्ली
- (2) श्रीमती सुदशन्ता मेहरा
  पत्नी श्री सत्यापाल मेहरा, और,
  श्रीमती रश्मी मेहरा
  पत्नीश्री संजीव मेहरा,
  निवासी—5—सी/8, न्यू रोहतक रोड,
  नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

 वह सुचना भारी करक पूर्वानत सम्पत्ति कं अर्थन के हैं तद कार्यताहियां कडता हो।

उक्स सम्परित के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी जाशाप :---

- (क) ६व स्वना के द्रायवंप में प्रकाशन की ठारींच के 45 दिन की नवींच मा तत्त्वस्वन्धी व्यक्तिमों पद स्वना की तामील से 30 दिन की जनिए, जो भी जनिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (श) इस पूजना के राज्यपा था प्रकाशन की ताराख में 45 दिन की भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हित्यव्य किसी जन्म व्यक्ति व्यास अधाहस्ताकारी के पास जिल्ला में किए जा सके म

स्वाधिकरणः ----इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिक्स गया हैं।

### ग्रन्मुची

भनेट 10 501, 5-विजल-22-करनुरवा गांधी मार्ग नई दिल्ली, नादादी-555 वर्गफीट

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारी**ख**: 11-4-85

## वक्ष वर्ष . टो . एव . एस . ......

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आग्रकर आग्रक्त (निरीक्षणः) श्रजीन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 श्रशील 1985

निर्देशसं० ग्राई० ए० सी०/एक यू०/1/37ईई/8-84/-

1119-- मृतः मुझे म्रार०पी० राजेण

बायकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 1006, है तथा जो 6-नेहरू प्लेग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, 1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उभित्त बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपत्ति का उभित्त बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात रो अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरिसयाँ) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वरिय से उसत अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुर्द किसी कार की गावता, उत्तरण वीधनियस के अधीन कर तोने के सस्तरक के दायिस्थ में सभी करने या उससे क्याने में सुविधा में जिए; वरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क्ये, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा के मिन;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) मैं ० ६स्ट इन्डिया कर्मान्यल वं ० प्रा० लि० 11वीं मंजिल, न्यु विल्ली हाउस, 27-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मै ० इन्टरनेशनल पम्पम एण्ड प्रोजेक्टस (इन्डिया)
 प्रा० लि०,
 मार्फत-9-रिग रोड,
 लाजपत नगर-4, नई दिल्ली

(ग्रन्त(रती)

की यह सुचना जारा आएक पृत्रीक्त शम्पीत्त क गणन की लिए कार्यपाहियां कारता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थाना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवितयों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राधिक धाक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की हारिक से 45 विन के भीतर उक्स स्थानर सम्परित में हितबर्ध किसी जन्म व्यक्ति इतारा अधिष्ठम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

श्वकटीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और घवाँ का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मीं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ डांगा जा उस अध्याय में दिया गया।

#### मनुसूची

कार्यालय फ्लैंट नं० 1006, दसवीं मंजिल, 6-नेहरू प्लेस बहु-मंजिली भवन, देविका टावर, नई दिल्ली, तादादी 325 वर्गफीट।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखा : 11—4—85

इक्कप साह<sup>र</sup>्जी गम्, एस , ----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) की जभीत स्वना

#### भारत सरकार

### कामिका, सहायक मायकार माय्कत (निरीक्स)

श्रर्जन रोज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं ्र भाई० ए० सी०/ एक्यू ०/1/37-ईई/8-84/-

1120--श्रतः म्झे, ग्रार० पी० राजेश

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् उत्तर अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 1001, हैं तथा जो 6-नेहरू फेस, देविका टावर, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्राध-नियम-1961, के श्राधीन तारीख श्रगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:—

- (क्षं) अन्तरण से शुरू किसी नाम की वासत, उपक विधिनियम में स्थीन कर दोने से नन्तरक की सामित्य में कभी करने ना उत्तर स्वनं में सुविधा के निरंप और/भा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्यं आस्तियां की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) मै० इस्ट इन्डिया कमिशियन कं० प्रा० लि० 11—मंजिल, न्यु दिल्ली हाउस, 27—बाराखम्बारोड, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) करन० स्वरणजीत सिंह,
श्रीमती राज कंवर पतिन करन०
स्वरणजीत सिंह,
श्री नरजीत सिंह और जसजीत सिंह
सुपुत्र करन० स्वरणजीत सिंह,
निवासी सी-9-रिंग, रोड लाजपत नगर-4,
नई दिल्ली (अन्तरिती)

का अह मुखना आरी करके प्रतांक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्तर संपन्ति के अर्थन की संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि। या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यीक रण: -- इसमें प्रयूक्त शक्यों और पड़ों का, जो उक्य अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिवा नवा हैं।

#### , ग्रनुसूची

म्राफिप प्रतेट ४० 1001, दशकों मंजिल, तादादी 460 वर्गफीट, बहु-मंजिली भवन, देविका टावर, 6-नेहरू प्लेस, नर्ष दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश सभम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-4-85

मोहर 🖫

# प्रकृष् वार्षं . टी. एन . एस . -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के अभीन गृचना

### भारत संदुकार

# कार्यातव, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षणं)

अर्जभ रेज⊸1, मई दिल्ली

· नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/8-84/ 1122—अतः मुझे आर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 169-ख के अधीन मक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पोस, जिसका अचित नामार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी मख्या यु-बी 11-वी, है तथा जो 22-बारखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रोज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम तारीख 1984

का प्रवेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापुर्वोक्त सम्पत्ति का अखित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अत-रिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियां रूप से कर्मित नहीं किया गया

- (क) अभारण सं हुइ किसी बाब की धावध, उत्कल विभिन्न के जभीन कर देने के अस्तरक वि वायित्व में कमी करने या उससे वचन में सृथिधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1992 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राभ्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्विक्षा के लिए।

अत अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वजीन कियानिकृत व्यक्तियाँ, अर्थात कुन्न 19—46GI/85 (1) श्री स्कीपर सेल्म प्रा०लि० 22—बाराखम्बा रोड, भई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० दिवन्दर पाल भिह् श्रांप मतीन्दर कौर, निवासी 1680-लखनी राय स्ट्रीष्ट, दिस्या गज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का' यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर्ता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समात्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थान के राजपश में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वयों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, अही कर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गमा है।

### बमजुष्देर

ऊपर बेसमेंध, न० यु०-बी०-11-बी, तादादी 350 वर्ग फीट लगभग, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

> आर० पी० राजे**ण** सक्षम **अधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, न**ई** दिल्ली

नारीख 15--4--85 **मोहर**  प्रक्रम महर्ष ,दी , एन , एस , ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अधीम सुचना

### भारत शतुकार

कार्यालय, सहामक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनाक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०्ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/3-84/1127

---अतः मुझे आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारक है कि स्थावर संपर्तित, दिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 310ए, है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसभे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख अगस्त, \1984

भो पुनोंक्य सम्पति के विश्व बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह क्षारिशास करने का कारण है कि बभाएबोंक्त तंपरित का ठाँचत बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिभल से एसे सर्वजान प्रतिभत का पन्तर का पन्तर प्रतिभत के अधिक ही और अन्तरक (बन्तरफाँ) और कन्तरिती (अन्तरिशियों) से गैथ एसे वन्तरण है हिन् प्रमासा गया प्रतिफल, विश्वकिष्ठित उद्देषिय से उसत अन्तरण किस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यका है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, तक्ष्य जीधीनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (ब) एसी सिसी नाम वा किसी धन या सन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों दवारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना जाहिए था, धिनाने जी सोनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त आधानगम की धारा 269-च के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, भई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मास्टर अजय छात्रा स्रोर मास्टर संदीप, शहीर्आभभावकश्री एम० के छात्रा, निवासी–ई-53, मस्त्रद मठ, नई दिल्ली-43

को यह स्थान जारी करके पृथोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (श) इस मुखना को तत्वपत्र मा प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी पत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिनी राज मो विष् का स्कीरों!

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

पलैट नं० 310-ए, तादादी 140 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी महायक आयकर अ।यु<sup>व्</sup>त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, नई दिल्ली

तारीख: 15-6-85

मोहर 🛭

# मुक्य बाइ टा . इन . एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 288-व (1) के अज्ञीन सुचना

### भाउत चरुकाह

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 12 अप्रैल 1985

निर्देणस० आई०ए० सी०/एनयु०/1/37ईई/8-84/-1125-अन: मुझे आर०पी० राजेश

आवकर प्रिवित्यम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है); की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित राजार मुख्य

'1,00,000/- रा. सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सूख्या 11, है तथा जो 21-आराखम्बा रोड, नर्षे
दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पृणं रूप से
बिल्ली, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-1,
नर्ष दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन
तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वेक्ति संस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार है मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अध्वरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षे (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तय पाना गया प्रति- मुझ लिम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरिक विश्वस्त में बास्तिक का मन्तरिक किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भाभतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृत्रिभा के लिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किथ, गया या या किया जाना काहिए या, कियाने में सुविका के शिए;

भतः जन, उन्त अधिनियम कौ थारा 269-म के जन्धरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्रीमती रश्मि प्रभा, निवासी ए--30, एत० डी० एस० ई० भाग-2, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जी० पी० भाटिया श्रीमती उषा भाटिया, श्रीमती मधु त्राला भाटिया, श्रीमती अनिता भाटिया, निवासी बैंकी भवत, 5-यू० ए०, जवाहर नगर, नई दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों जुरू करता हुं।

### इक्ट मुस्मीन्ध्र की भवंत की बच्चान में कोई भी आलेप् १००

- (कं) इस सूचना के राजपत्र मों ,प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्नं गंगी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थावतयों में संकिसी स्थावित द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्भ किनी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त सन्यों और पदों का, जो जक्त अभिवियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया बता है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 711, तादादी 420 वर्गफीट, 21-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी महायक आयकर् आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली ।

तारी**ख** : 12<del>-</del>4-85

मोहुदु 🕹

# प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचेंगे

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रप्रेल, 1985

निदेंग सं ० श्राई ० ए० सी ०/एक्यू ०/1/37ईई/8-84/1126-श्रतः मुझे श्रार०पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रुं से अधिक है

और जिसकी संस्था एस-225, है तथा जो ग्रेटर कॅलाण-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणतहैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रजंन रेज-1 नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961, के श्रधीन तारीख श्रगस्त, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है दं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती चन्दर कान्ता, निवासी-सी-80, पंचशील इनकलेव, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री इन्दर बीर सिंह छात्रा, सुपुत्न श्री श्रीत पाल सिंह, एफ-22, मा**उं**ल टाउन, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से , 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

निवासीय यूनिट पहली मंजिल, एस-225, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज।

> स्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीखा: 12-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंअ-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 श्रप्रैल, 1985

निर्देश सं० प्रार० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई /8-84/ 1127—- श्रतः मझे, श्रीर०पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या 1104/89, है तथा जो नेहरू प्लेस, नई' विल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई विल्ली, भारतीय आयकर श्रक्षिनियम-1961, के श्रधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित / बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पहन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्ट्रय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) मैं ० फुजीया रेस्टोरेन्ट भार्फत यार्क होटल, कनाट प्लेम, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० शिखर ओमन्टस,
  1206, चिरंजीव टावर—43—नेलेरू प्लेस,
  नई दिल्ली
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ख) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

### अनुसूची

कार्येलिय फ्लैंट नं० 1104, 11-मंजिल, 89 नेहरू प्लेस नई दिल्ली, तादादी 560 वर्गफीट।

> प्रार्० पी० राजेण सक्षम , प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-4-85

# मुक्तम् आद्दे दर्वे एन् एस . ------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीत स्चना

### मारत चुड़काड़

कार्यालय, सङ्गयक भायक र बास्कत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 म्रप्रैल 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/37ईई/8-84/-1138—म्प्रत: मुझे, म्रार०पी०राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु, से अधिक हैं

और जिसकी मध्या 610-ए, है तथा जो 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स पिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पास गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उच्या बंतरण जिल्हा में गारतिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आय की धाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में अभी करनें या उनके क्षत्रे में सुविधा अंसिए; बॉर/मा
- रेख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विष्टें भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्द अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं विषया गया थी या किया जाना चाहिए था, स्थिपने भी सुविधा की निर्टे

ंअतः अब क्रिज्ञक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ,में, मैं उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) . के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बारोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मधु नन्दा पत्नी श्री ग्रशोक कुमार नन्दा, ग्रार-710, न्यु राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लि। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप अ-

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभिया तत्सम्मन्भी व्यक्तिमों एव स्थना की ताजीन सं 30 दिन की सन्धि, जो भी धनियु बाद में स्वाच्या होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त आक्तुमां में से किसी व्यक्ति द्वाद्रा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 विम के मीत्र उन्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्योंक्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कुक्की और पर्यो का, को उक्त कृषिभिष्क को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष हीया को उस कभ्याय में दिया गवा हैं।

#### जन्स्की

पर्लंड नं ० ६१०-ए, तादावी 140 वर्गफीट, 22-बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-4-85

मोहर 🗧

प्ररूप वाइ .टी.एन.एस. -----

नायकर निर्धीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के नधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नाद् 'राज्ल रिअनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- का के अधीन मक्ष्म प्रभिवासी की, यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सख्या 510-ए,० हैं तथा जो 22-त्राराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकास में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निस्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या जनमें बचने में सविधा के लिए। औड़√या
- (व) इसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या चन- कर अधिनियम, या चन- व्यापनियम, या चन- व्यापनियम, या चन- व्यापनियम, या व्यापनियम, या व्यापनियम, या व्यापनियम, या व्यापनियम, व्य

बत: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६9-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिश्वत व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) मैं ० म्कीपर सेन्स प्रा० ति ० स्कीपर भवन, 22-त्राराखम्या राइ, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्तेह प्रभा छ।गरा पर्ताश्री अशोक ७.गरा, निवासी-599-डबल स्टोरी न्यु राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पनायन की तारीक में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रप्ति, जो भी अवधि बाद में सभाष्ठ होती हा, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास;
- (भ) इस भूजना को राजयत्र में प्रकाशन की तारीब है 4, प्रिंग को भीतर स्वश त्थावर सर्पाल में रिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को गुरू कि श्री अने को दिल का तकाया

स्थल्यक्तिकरणः --- इसमें पर्यक्त सन्धी और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यार में किया स्था हैं।

### अनुसूची

पलैट नं० 510-ए०, तादादी 140 वर्गफीट, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, (निर्माणाधीन)।

> म्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजेन रेज-1, नई दिल्ली

नारीख 12-4-85 मोहर

# भ्रम बाह्री टॉ. प्रमा प्रस्ताना

# भायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) जे व्योक स्वाम

#### नारत सरकार

# कार्यालयः सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण)

म्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 म्रप्रेंल, 1985

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चर्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसक ि कर्या 368-बी, है तथा जो 22-बाराखम्ब रोड, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे द्धपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस्त उद्देश्य से उसते अंतरण निस्ति से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कभी करने या उत्तरी वचने वें सुविधा के निए; बार/या
- (क) एोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269--ध की जपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) मै॰ स्कीपर सेल्स प्रा० लि॰ स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली 🕫

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० सोना इन्टरप्राईजेज,  $\nabla -1/149$ , इन्टरपुरी, नई वल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंकत सम्परित को वर्षन को निष् कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

सम्बद्ध सम्मारत को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीन से 30 विन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु बुवारा;
- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 किन के भीटर उक्त स्थावर खंपस्ति में हिएबद्दा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निहें को किए वा सकरेंगे।

स्पक्कीकरणः;--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हो।

### बनसची

फ्लैट नं० 308-ए०, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली, तादादी 140 वर्गफीट ।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

तारीख: 11-4-85

# वका बाहुं से होते होते हुई अस्तानामा

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के बचीन कुछना

### वाका वर्षकार

कार्यातन, बहाबक शास्त्रपर नागुक्त (निर्दाकन) धर्जन रेंज-1, नई पिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मप्रैल, 1984

निर्देश सं० मई ए० सी०/एक्यु०/1/37-ईई/8-84/ 1131--मतः मुझे मार०पी० राजेश

वायकर विशिवन, 1961 (1961 का 43) (विशे प्रश्ने व्यक्ते परमात् 'उनत विश्विनम' क्या नश ही, की वारा 269-व के अनीन तक्षव प्रशिकारी के यह विश्विक करने का कार्य ही कि त्वानर बन्नति, विश्वका उनिध वाबार कृत्व 1.00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 708 वी है तथा जो 22-शाराखम्ब रोड, नई फिल्ली सें स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीमर्'र्जा अधिमारी के मार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्विक्त संस्थित को उपित बाबार मृत्य सं कार की स्थममा बित्रम को सिए अन्तरित की गई है और बहु विश्वास करने का कारच है कि बचान्केंच्य सम्मित का उपित बाबार पूर्व , उसके क्याना प्रतिकत के, ऐसे स्थमान प्रतिकत का अन्य प्रतिकत के अन्य प्रतिकत के अन्य प्रतिकत के अन्य प्रतिकत के बार अंतरक (अंतरका) और बंतरिकी (अन्तरित्या) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब बाबा ममा प्रतिकत, निकासित उप्योगों से उस्त अन्तरण कि बित्र के सम्बद्धिक क्या में करिया नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धान वे हुए किसी बाव धई वाक्य काछ वीय-वियन के अवीय कर बोने में बन्धारक के वाजिएत में अभी काल वा उक्ये क्यमें वे कृषिया के बिक्; बीय/वा
- (व) एची कियी नाम ना कियी पत्र ना नाम नास्तिकों हो, जिन्हों बारतीय धान-कर निवित्तवस, 1922 (1922 का 11) ना उनत निवित्तवस, ना धन-कर वीधिनियम, ना धन-कर वीधिनियम, 1957 (1957 का 27) में अवोधनार्थ सन्तिरिती ब्वारा जकट नहीं फिला नवा था वा किया धाना चाहिए ना, कियाने जें स्वित्ता के सिए;

बद्ध: ब्यू, क्षम् विभिन्न की यादा 269-ए के अनुद्रश्न में, में, उपत विभिन्न की याच 269-ए की उपभाग (1) के बधीन, विकासितिक व्यक्तियों, सर्वात् :--- 25---46GI/85

 (1) स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, स्कीपर भवन,
 22-बाराखम्बा रोष,
 नई विस्त्री ।

(धन्तरक)

(2) मैं ॰ सोना इन्टरप्राईजेज, ए -- 1/149, इन्टरपुरी, नई दिल्ली।

(धन्तरिती)

के वह ब्रुपमा शहरी कालके प्रतिकत स्वासित के वर्षन के जिल् कार्यमाहिको क्रमणा हो।

### क्का ब्रम्भीक के क्वेर के प्रमान में कीई भी नार्धर ह—

- (क) इन्ह सूचना जी राजवन में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को जी बचींच बाद में समान्त होती हो, के जीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) श्व जूपना में राजपन में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन में भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में क्यि-बच्च किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सभोइस्ताक्षरी के गास निविद्य में किए जा सकति।

क्लाडीस क्या: इसमें प्रमुक्त सम्बद्ध और पर्यो का, को क्याड व्यक्तितम, को अभ्याय 20-क में गरिभाविक ही, मही मर्ज होगा, को उस अभ्याय में दिया क्या ही।

### 474

फ्लैट तं० 708-बी, 22-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली, तावादी 140 वर्गफीट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-4-1985

**1987** 3

# ब्रुक्त बाह्रां<sub>स</sub> द्रो<sub>ल</sub> एष्. एष्.------

# भावकार वृधिनिव्यन्, 1961 (1961 मह 43) स्त्री भारत 269-म् (1) के नभीन सूक्ता

#### DOT HERE

# कार्यासय, बहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-1, नई घिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 ग्रप्रैल, 1985

निर्देशसं० माई०ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/8-84/1132 ---म्रतः मुझे, मार० पी०राजेश,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्समें प्राणिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या 608 जी है तथा जो 22-माराखम्बा रोड, नई दिल्ली से स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय मर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन तारीख मगस्त, 1984

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कि किसी के क्षेत्र के के क्ष्मिक के क्ष्मिक स्थाप के किसी के क्ष्मिक के क्षमिक के क्ष्मिक के क्षमिक के क्ष्मिक के के क्ष्मिक के के क्ष्मिक के के क्ष्मिक के के क्ष्मिक के क्ष्मिक क
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जावा चाहिये था, 'किनाने में सुविधा से बिद्य;

जतः जब, बनत जिम्हिनयम की भारा 269-ग में जन्तरण बी. मी, उनत निधानियम की भारा 269-च की अनुभादा (1) को तथीन, निधननिष्ठित व्यक्तियमें, संशति ए---  (1) स्कीपर सेल्स प्रा०लि०, स्कीपर भवन,
 22-जाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं० सोना इन्टरप्राईजेज, ए-1/149, इन्दरपुरी, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के जिय कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी वविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितर वृवारा;
- (क) इस सुषका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर पूर्विक्त उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषिद हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका क्या है।

### प्रनुसूची

फ्लैट नं ० 608-बी, तादादी 140 वर्गफीट, 22-बारा-सम्बा, रोड, नई विल्ली।

> श्वार० पी० राजेश सक्षम प्राधिनारी सहायक द्यायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 11-4-85

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज⊸1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रप्रैल, 1985

निर्देशसं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/37ईई/8→84/1133 भतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं 0100-बी, है तथा जो, बारख स्था रोड, नई दिल्ती में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली, भारतीय आयक'र अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्विषय से उक्त अन्तरण किसित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपाने में सुविभा की सिए;

अंतर अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, · स्कीपर हाउस, 22-बाराखम्बारोह, नहीं दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं० सोना इन्टरप्राईसिस, ए~1/149, इन्दरपुरी, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह । सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### वन्स्ची

प्रो० नं४ फ्लैट नं० 1008-बी, तादादी 140 वर्गफीट 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> भार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज⊶1, नई विस्ली

सारीख: 12-4-1985

मोहर 🛭

प्रक्य बाह् , टी. एत . एस. -----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ए (1) चे मधीन स्वाप

कार्यस्य, सहायक वायकार वाय्वतः (विरोधक) धर्णन रेज-1, नई विल्ली

नई पिल्ली, विनांक 15 प्रप्रैल 1985

निर्वेश सं॰ प्राई॰ ए॰ सी॰/ एक्यु॰/1/37ईई/8→84/1134 --प्रतः मुझे, प्रार॰ पी॰ राजेश,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 क्रा 43) (जिले इत्तरें इक्के पश्चात् 'उन्त निधित्वम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-इ से नधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्याध करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्का उच्चित वाचार बुक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौरिजिसकी सं० 210-ए है तथा जो 22-भाराखम्या रोड, नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, प्रजिन रेज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त. 1984

कः पृथानित संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से क्षम के अस्यमान प्रितिकत को लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात कि को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अभित बाजाड़ मूल्य, उन्ने इर्यमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्ति प्रतिकत का पन्ति के का पन्ति प्रतिकत का पन्ति के निर्देश का प्रतिकत के मिण् त्य पाना अस्ति के लिए त्य पाना गमा प्रतिफल निम्नित्ति उन्तिस्य से उन्त अन्तरण निम्नित के बारतिक से वास्तिक से वास्तिक से बारतिक से बारतिक

- (क) अस्तरण से हुई किसी गाव की बावस क्या गृहिन-विवृद्ध से भ्रमीन कर को से मुख्यक से सामित्य में करी करने ना उससे अपने में बृहिन्मा के सिनं; स्मीत/का
- (क) घोडी किसी नाय वा किसी पत्र वा सन्त वास्तिवों हो, विन्हें भारतीय नायकर निभिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर, निभिनवन, वा पत्र-कर, विभिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ नन्तिरती हवारा तकट वहीं किसा नवा भा वा किसा वाना चाहिए था, छिपाने में नृषिधा ने विष्ठ;

- (1) मैं ० स्कीपर सेल्म प्रा० लि० स्कीपर भवन, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) बेबी सोनीया सुपुत्र श्री गिरी राज गुप्ता, निवासी सी-बी-4-ए/9, राणा प्रताप बाग, नदी दिल्ली।

(पन्तरिती)

को न्द्र शुक्ता चारी करको पूर्वोक्स स्म्मृतित के वर्षन् के विद्र कार्यवाहिको करता हु"।

इन्नर् बन्न्हिए के वर्षन के बन्दत्म में कोई भी वार्षण ध----

- (क) इक् सूच्या के राज्यम में प्रकादन की शारीक, वें
  45 दिन की न्यांच ना तत्त्रम्यून्मी व्यक्तियों पर चूचक की तानीज से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स् व्यक्तियों में वे सिक्सी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (थ) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपर्ति में दिखा-बद्ध निजी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास निजित में किए जा दकोंने।

स्वाकारणः - इसमें प्रयुक्त काम्यों और पर्यों का, को उन्धें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिस्थानिक हीं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विवा नवा है।

#### Mary Control

पसैट गं॰ 210-ए, तादादी 140 वर्गफीट 22-धाराखम्या रोब, मई दिल्ली।

> स्वार० पी० प्रसाद स्वाम प्राधिकारी सङ्गायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1, नई दिल्ली

श्रद्ध बया, उपत श्रामित्रम की पारा 269-म के जन्तरम में, में, उसत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिकित व्यक्तियों, अधीत ह—-

तारीच: 15-4-85

असप **कार्ड** . टो . **एत . एव** . ------

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यसन्, तहायक भायकर शायुक्त (निर्द्यक्रक)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 मप्रैल 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/8-84/ 1140-मतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

वावकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कॉ देवको पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हुँ), की पास 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हुँ कि स्थानर सभ्यत्ति, जिसका स्थित बाचार अध्यत् 1,00,000/- हुत. से अधिक हुँ

भौर जिसकी स॰ 1003, है तथा जो 22, कस्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, धर्जन रेज-1, नई विल्ली, भारतीय धायकर भिधिनयम, 1961, के श्रधीन, तारीख धामस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान गड त्रतिकम क लिए **अन्त**िरत की विष्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर भंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एके बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदन डे उक्त अंतरण शिक्ति में वास्तविक रूप से कथिश नहीं पादा मया है ए--

- (क) बच्चरण से हुई किती नाव की बावस, उनक जीभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक हैं दानित्व में कमी करने या उससे वचने में करिया के दिव; शेष्ट्र/वा
- (क) ऐसी किसी नाय ना किसी भन या अन्य कास्तियों, की, ट्रैंबन्हें भाउतीय भायचंड अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा वयु-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) हो अवोजनार्थ अन्तर्दिती ब्वाडा प्रकट नहीं किया पंता वा किया वाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए:

क्षक अब, उक्त निर्मानयम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त मौभनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के क्षीम, मिम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् "---  सी० बी० प्रग्रवाल (एच० यू० एफ०), कर्ता विवेक प्रग्रवाल,
 20/1, प्रासफ प्रली रोड़, नई दिल्ली। (प्रन्तरक)

2. मै॰ प्रेमियम लिंकर्स लि॰, 21/21 दया नन्द मार्गे, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

की वृद्ध सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिन् कार्यवाहियां सूच्य करता हुं।

उन्त सन्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी बाबोर :---

- (कं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाच;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात मिन्नित में किए जा सकने।

स्वकाकरण :—इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त हार्डिवृत्व, हो वृध्याय 20-क में प्रिशाविक हा, वही वर्ष होया को उद बच्चान में दिना क्या है।

# चपुत्र्यी

फ्लैट नं॰ 1005, यसवीं मंजिल, तावादी 642 वर्गेफिट, 22, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई विल्ली।

> धारं० पी० राजेश सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-12 विल्ली; नई विल्ली-110002

**धारीच: 12-4-1985** 

प्रकम बाहै. टी. एन. एस.----

# भागक है विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ती भारा 269-वृ (1) के बधीन क्वना

### भारत वरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आवृत्त (निरक्किन)

धर्णन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, बिनांक 12 मप्रैल 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37--ईई/8-84/ 1141--- अतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स से अभीन सक्ष्म प्रापिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत याजार भून्य 1,00,000/- रहे. से अभिक ही

भौर जिसकी सं० 710ए/22, है तथा जो धाराखम्बा रोड़, नई बिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर मिधिनयम, 1961, के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उणित वाचार मूक्य से कम के स्वयमाद प्रतिकत के लिए जंतरित को गई हैं जौर मूक्ष यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उजित वाजार मूच्य उसके एए । प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल का उन्तर शितासत से व्यापक हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंतरितों (अंतरितियों) के नीच एसे जंतरण के सिए तय याथा गया प्रतिक्र कल निम्मतिचित उद्विषय से उक्त जंतरण लिचित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- हैंना) वंदारण से हुई सिक्ती बाद की वायस्त, सबक समितियम् के ब्यान कार दोने को बंधपुक के बासिएय में कानी कारने वा उत्तरों समने में सुनिधा के निष्: और/सा
- (प) एवी कियो वान् या रिवा पन् या वान्य कारित्यों करें, जिन्हें भारतीय वायकार किपिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपस अधिनियम, या भग-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजकार्ध अंतरिती दुवारा प्रकाट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

 स्कीपर सेल्स प्रा० लि० स्कीपर मवन, 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

-(भन्तरक)

2. श्री जगवीश खुराना, सुपुत्र श्री शोरी लाल खुराना निवासी-2882, बाजार सिरकीवालान, काजी हाउस, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यपाहियां करता शूर्वे।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- वहंभ किती भन्य ज्यक्ति इवारा अवाहुस्ताक्षरी के पास सिरीकत में किया का सकेंगे।

स्वक्यीकारण:--इसमं प्रयंगस शब्दों और पदों का, को अवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बना ही।

# वन्सूची

फ्लैट नं० 710-ए०, तादादी 140 वर्गेफिट, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, दिल्ली, मई दिल्ली-110002

मतः, अस, असत स्थितियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उसत स्थितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीत, निम्निसिश स्थितयों, स्थात् ६—-

तारीख: 12-4-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाय्कार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन स्वना

### नारत चहुनार

कार्यालय, सष्ट्रायक भायकर आयुक्त '(निर्दाक्षण) अर्थन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० ग्रई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/8-84/ 1142-मत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन अकट प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पास्त, जिसका उपित बाजार मूक्त 1,00,000/~ रा. से अधिक है

भी जिसकी सं० 3/बी० 81 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961, के ग्रधीन, तारीख श्रास्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने ध्रुरने का कारण है कि बथाप्यों क्य संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दन्न

- (क) जन्तरण से हुई किती आय की धावत , उक्त विधिनवा के बचीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने या सबसे वचने में सुनिया क्रे बिए; बार /या
- (क) एसी किसी जाय था किसी धन वा जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, जबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैं० किशान सरूप (एच० यू० एफ०) ग्रीर श्री दिनेश खत्तर, ए-34, साउथ एक्सटेंशन भाग-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. डा० राजेन्दर कुमार श्रग्रवाल, सुपुत श्री बचना मल भग्रवाल, मार्फत-श्री श्रनिल जैन 24/12, श्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पुरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इक् बृष्ना के हावपत्र में प्रकाश की तारींव के 45 वित्र की नविध मा तरसम्बन्धी स्पित्तयों पर स्वान की सामील से 30 दिन की सवीध, जो भी नवीध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित हुआरा;
- (क) इक् ब्रुवना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 किन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवक्ष्य किश्व अन्य व्यक्ति ब्वारा जथोहरताकरों के वाच किश्वत में किश् का सकति।

स्वस्वकिरणः --- इसमें प्रयुक्त वब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नम दे अध्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### RECENT

फ्लैट नं० 3, उपर की पहली मंजिल, बी-81, ग्रेटर कैसाग-1, नई विल्ली, ताबादी--1105 वर्गफिट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (लिरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-4-1985

मोहर 🛭

# ANY ANY AND AND ASSESSMENT OF THE PERSON NAMED IN

बार्कर विभिनित्त, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-वृ (1) के अभीन बुब्त

बारत क्रकार

कार्यांक्च, सहावक आधकर आयुक्त (निर्राक्षक) ग्रजैन रेंज-1, मई दिल्ली

नई विल्ली, विनोक 10 घर्रैल 1985

निवेश सं॰ भाई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/1/37-ईई/8-84/ 1145-भतः मुझे, भार॰ पी॰ राजेश,

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परणात 'उनते निधिनियम' कहा नवा हैं), की पाक 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका सचित बाचार मूक्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं० 314, है तथा जो 22 क्ष्यस्तूरका गांधी मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय सायकर

[ मिंधिनियम, 1961 के मिंधीन, तारीख 1984 मगस्त को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम दश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और भुके यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य उद्धके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण निम्मलिखित में कास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) नक्तरण वे शुर्च जिल्हीं बाल की बाधता, उत्तर निवित्तिक को नवील कार दोने के जलारक के वार्षित्व में कारी कारने वा सबसे बचने में सुविधा के जिल्हा संदि/का
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय बाय-कर बधिनियम, 1922 हैं 1922 को 11) वा उनत अधिनियम, वा नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औं विद्य;

बतः कथा, कवत निभिनियम की धारा 269-म के अनुबरन में, में अवत निभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्मसिबित व्यक्तियों, अर्थात हु—  गोविन्द लाल सुखीजा एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०), बब्स्यू० जेड०-196, शिव नगर, नई विस्सी।

(मन्तरक)

2- श्री एस० मार० चानना, श्रीमती शकुन्तला देवी, श्री भार० के० चानना, श्री भ्रयोश चानना भौर श्री भकाश चानसी, निवासी—19 रिंग रोड, लाजपत नगर—4, भ्रपो० एम० सी० डी० भ्राफिस, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के रावधन में प्रकालन की तारीस ने 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी वनिथ नाद में समाप्त होती हो, के धीत द पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिएवव्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविश्व में किए वा सकेंगे।

निकासिकायः—इसमें प्रयुक्त संस्था और पर्योका, को समस निभिन्नियम, के निभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही नुर्थ होगा जो उस निभ्याय में दिया क्या है।

### वन्स्का

पर्लंड नं 14, बहु मंजिली बिल्डिंग, 22- कस्तूरबा गांधी मार्गे, नई बिल्सी, तादाबो-542 वर्गेफिट।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-4-1985

गोहरु 🕫

प्ररूप बार्डं दी. एन. एस. 🖘 - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

# भारत सरका<u>र</u> कार्यासय, सहायक जायकर आयक्त (तिरोक्षण)

धर्णन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० श्रई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/8-84---मतः मुझे झार०पी० राजेश,

कायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी स० 133, बिल्डिंग नं० 6, है तथा जो देविका टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1984 को पृवर्षिकत संपर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए ध्रय पामा गया प्रतिकत्त, निम्नितिवित उद्योच्य से उक्त अन्तरक निम्नित के वास्तरित के व्याप माना गया प्रतिकत्त, निम्नितिवित उद्योच्य से उक्त अन्तरक निम्नित के वास्तिविक रूप से किथा गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त विभिनियत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के खिराय में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के सिर्¦ कहि√वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए:

अतक अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के हे अधीन. निम्निलिधित ध्यक्तियों. अर्थात् :—— 21—46GJ/85

- 1. मैं ० प्रगति कन्स्ट्रक्शन कं ०, 4, मंजिला, शितला हाउस, 73-74, नेहरू प्लेस, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री सतीश कुमार गुप्ता, निवासी---एफ०-10, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितीमे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतरे उक्त स्थावर सम्परित में हित्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षड़ी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

#### अगसकी

वातानुकूलित कार्माणतुल फ्लैंट नं० 1मम, पहली मंजिल, रेविका टावर बहु मजिली इमारत, 6, मेह्रू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी—331 वर्गफिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख . 10-4-1985

इस्प नाइ. टी. एन , एस , नन-जन

भाषकार वीधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

# कार्याक्षय, सहायक जायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं

नई दिल्लीं, दिनांक 11 म्रप्रैल 1985

निवेश सं० भ्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37-ईई/8-84/1153--भ्रतः सुक्षे, भ्रार० पी० राजेश,

बासकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें इसके परचात् उनता निधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारक है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित नामार नुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकीं सं० 210, है तथा जो 1, टालस्टाय लेन, मई दिल्शी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूचीं में धीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारीं के कार्यालय, श्रर्जन रजें-1, नई दिल्लीं, भारतींब आवकर अधिनयम, 1961 के अधीन, तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वा नित सम्मित के उपित बाबार बृज्य से का के दश्यमण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों कर सम्पत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के अपित अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देष्य से उसत अन्तरण निचित व वास्तिक क्या से अभिन पन्तर में क्या मना है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ग्रियित्व में क्यी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के सिए; बौद्ध/बा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अप्तः अव, उक्त अधिनियम श्री धारा 269-ग के अनसरण कों, नीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-कि की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिचित अधिकतयों, अधीत्:—

- श्रीं कैलाश नाथ सूद सुपुत स्व० श्री विशम्बर नाय, निवासीं—सी—587, डिफेंस कालोनीं, नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- श्रीवती रेलीना कुबार पत्नी श्री कुशल कुबार, निवासी--एन०-2, मार्केट ग्रेटर कैलाश-1, बई दिल्ली।

(ग्रन्तरितीं)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तक्यित के नर्चन के चिट्र कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों चंद सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायाः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की ताड़ी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किती बन्ध व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिवित में किए का सकेंगे।

स्वयाक्षरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों जाँड पद्यों का, वा सन्दा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिधाधिक है बहुन वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिना क्या है 1

### अनुसूची

फ्जैट नं० 210, बूसरी मंजिल, 1-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी 455 बर्गफीट।

> म्रार० पीं० राजेश संक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-4-1985

मोहर

# द्रस्य बार्ष्<u>र टो.स्य प्रद</u>्रमण्डला

# नायक्य निभिन्त्य, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) वी नर्गीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सञ्चायक भावकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्लीं, दिनोक 12 ग्रप्रैल 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37-ईई/8-84/ 1153--मत: मुझे, श्रार० पीं० राजेश,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात् 'उन्त निर्धानयम' कहा पना हैं), की धारा १६9-च के नधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थापद सम्बद्धित, विश्वका उचित नावार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकीं सं० एफ० एफ० 3, है तथा जो अनुपम सिनेमा कामप्लैक्स, साकेत, नई बिल्लीं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारीं के कार्यालय, प्रजंन रेंज-1, नई बिल्लीं, भारतीय आयकर अधिनियम- 1961, के अधींन, तारींख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संवित्त के अचित बाजार मृत्य से कम के दश्यान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एते क्रयमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिकल का प्रतिकल के प्रतिक्त से अधिक है बार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिक क्य से कर्षित नहीं किया ग्या है :---

- (क) मन्तरण ने हुई किसी बाव की वानता, उनक जीवनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के बाह्यस्थ में कमी करने वा कवने दवने में बृदिया के हिन्द; क्रीर्/वा

बतः जब, उक्त विधिनियम कौ भारा 269-ग के जनुसरण वें, जें, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वे वर्धान निम्मीसिवृत व्यक्तिसर्वो अर्थात् :--- 1. श्री श्राणिश बंसल (भाइनर), ए-400, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

2. श्री श्ररूण प्रकाश सेठिया (एच० यू० एफ०) श्रीर मास्टर गौरव टिया सुपुत श्री श्ररूण सेपी० सेटिया, निवासीं श्रोम सन्स, स्ट्रींट नं० 9, (श्रबोहर), पंजाब।

(भ्रन्तरितीं)

को नह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्प्राहित के अर्थन के सिक् कार्यनाहियां करता हूं।

डक्स बम्मितित के कर्जन के बम्बन्ध में कोई ही बाक्सेच् ड--

- (क) इस सूच्या के रावप्त में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिव की नवींच या त्त्राम्बन्धी व्यक्तियों यह
  बूच्या की तामीज से 30 दिन की नवींच, वो भी
  नवींच बाद में तनान्त होती हो, जे भीतार प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस युका के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वब्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

### वन्सूची

फ्लैट नं० एफ० एफ०-3, पहली मंजिल, तादादी 246 वर्गफीट, श्रनुपम सिनेमा कामम्प्लैक्स, साकेत, नई दिल्शीं।

> ग्रार० पीं० राजेश सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-4, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीब: 12-4-1985

प्रस्प बाह्य, ट्रीं पुरन, पुरन, अ - -

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्री भारा 269-व (1) के सभीन स्च्ना भारत तरकाड

कार्यांक्य, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण) ग्राजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 12 अप्रैल 1985

1154---धतः मुझे, श्रार० पी० राजेश, नायक र निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इरफे परवात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बस्ति, जिस्का उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अभिक हैं श्रीर जिसकीं सं० 288-बीं०, है तथा जो 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्लीं में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली. में भ्रधिनियम, 1961 के भ्रधीन, तारींख भ्रगस्त 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मुल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मृत्यच्य हे हुई किसी नाम की वानत, उक्त किमिनियम के मुधीन कर दोने के मन्तुरक के दायित्य में कभी करने या उत्तर्ध स्थाने में तुनिधा के लिए; वरि/ना
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियाँ, वर्धात् ह—

 मैं० स्कीपर सेल्स प्रा० लि०, स्कीपर भवन, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमतीं मोनिका गुलाटीं, निवासी—65/15, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कूछ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा हैं॥

## - वनुसूची

फ्लैंट नं० 208-बीं०, तादादी 140 वर्गफिट, 22-बाराखम्बा रोड, नई दिल्लीं।

> भार० पी० राजेश स**क्षम प्राधिका**री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

तारींख: 12-4-1985

मोहर 🛭

# प्रकृत वार्ष । हो । हुन् । हुन् ।

नावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

#### भारत चर्डकार

# कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (गिर्राक्षक) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रप्रैल 1985

निडम सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/8-84/ 1155--ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये व अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ई-45/3, है तथा जो श्रोखला इण्डस्ट्रियल एरिया—II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रींकर्ती श्रधि-कारीं के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त वर्षिणियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर जिधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिष्कृत

अतः कवः, उवत अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह—

- 1. मैं परवेज इंजीनियरिंग कं , ई-45/3, श्रोखला इण्डस्ट्रियल एरिया भाग- , नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. मैं ० एस० एस० एम० एक्सपोर्ट प्रा० लि०, 42-ए०, फोंड्स कालोनीं, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

# उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पादधीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

### मनुस्यी

प्रो० नं० -45/3, श्रोखला इण्डस्ट्रियल एरिया, भाग-11, नई दिल्ली, तादावी-4908 वर्गेफिट।

ग्राउण्ड फ्लोर-2417.50 वर्गफिट, बेसमेंट-1353.50 वर्गफिट, मेजनिन फ्लोर-574.50 वर्गफिट व पहली मंजिल-564.05 वर्गफिट। --टोटल 4908 वर्गफिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्लीं-110002

तारींख: 12-4-1985

# प्रसम् वार्<u>षः, टौ. एव. प्रसः</u>--------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अमीन त्यूमा

### भारत चुड्डार

# कार्यक्षिक, तहावक कार्यकार बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I. नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 अप्रील 1985

निवेश सं० आई ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस०आर०III/8-84/473 डी अत: मुझे आर० पी० पाजेश

गावकर गरिनियम, 1901 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इतको परचात् (उनत गरिनियम्) कहा पदा ही, की पारा 269-व के गरीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वात करने का कारच है कि स्वापर सम्पत्ति, विश्वका उचित्त वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जिसकी सं० बी-1/11, है तथा जो वसन्त विहार, नई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अगस्त 1984

को पृथित बन्मित के उचित बाबार मृत्य से कम के क्लकाम प्रतिकल के लिए बन्तिरत की गई है जार मृत्य से कम के क्लकाम प्रतिकल के लिए बन्तिरत का गई है जार मृत्य से वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथित सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उत्ते क्लबमान प्रतिकल से पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिप्रतियों) के बीच एसे अन्तरण में लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उच्चे व उच्च बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कियत महीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (य) एती निन्दी जाव वा किसी धन या जन्म आस्तिवीं का, जिन्ही भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निन्दाः

मंत: नक, उन्ता निभिनियम की भारा 269-ग में समुद्धका में, में, उन्ता सम्मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन, निम्मृतिकिस व्यक्तियों, जर्मास् हा— श्रीमती राधा रानी बर्माम, पत्नी स्व० विमय भूगम बर्मान, श्री असोक कुमार बर्मान, सुपुत्र स्व० श्री विमय भूगम बर्मान (3)श्रीमती मंजारी कपूर, (4) श्रीमती मालती बर्मा, (5) श्रीमती मालीका बर्माम, राय सुपुत्री स्व० श्री विनय भूगन बर्मान, (6) श्री अरुण कुमार बर्मान सुपुत्र स्व० श्री विनय भूगन बर्मान, (नवासी—123, मवजीवन विद्यार, महरौली, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नवजीत कोर बाहिया पत्नी श्री परमजीत सिंह बाहिया, निवासी-ए-20, वैस्ट-एन्ड, मई विल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु तुषना चारी करचे पूर्वोक्त, सम्पत्त के वर्षन के बिहु कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तर बंगरि के नवींन के संबंध में कोई भी बाबोब ह---

- (क), इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की ताउँ वा ते 45 दिन की अविधि या सरसंवंधी व्यक्तियों पूर सुमना की सामील से 30 दिन की वविधि ; को भी वविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इसार;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है, 45 दिन को भीतृत उक्त स्थावर संपत्ति में हित्सवृथ किसी बच्च व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पाव विकास में दिकार जा सकोंने।

स्वक्रींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जे उपत अधिनियम , को कथ्याम 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ण हारेगा को उस अध्यास में दिशा गया ही।

# मनुस्यी

प्रो० नं० बी-1/11, वसन्त विहार, मई दिल्ली, तादादी 600 वर्गगज।

आर० पी० रार्जेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-4-1985 मोहर 🛭 प्रकृप काइं.टी.एन.एत.------

आवकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अपील सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भावकर मायुक्त (निरक्षिक्) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-8-84/474--असः मुझे, आर० पी. राजेश,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा चया हैं), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाचार बूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 11-बी/14, है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है। (श्रीर इससे खपाबद अनुसूची में और पूर्ण छप से विश्ति है) रजीस्ट्रीकर्रा प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के प्रधीन वारीख 4 अगस्त 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के जनमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का ठारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके बरयमान प्रतिफल से, एसे बरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निचित में नास्त<u>िक</u> रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण ते हुई किती जाय की, बाबदा, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय वा किसी भग ना अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर धिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा कोनए;

अत: अब, उक्त जिविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्निजियित व्यक्तियों, जर्मात् १----

- 1 श्री जगदीश चन्दर भला सुपुत्र श्री बिशन सिह, निवासी—-11-बी/14, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
  - 2. श्री विजय कुमार गुप्ता सुपुत स्व० श्री घो० पो० गुप्ता, निवासी——3113, गली टक्सालियन, बाजार सीता राम, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति थों भी जबिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवाँ में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इससूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबच्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पांच किचित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्दीकरण:—-इसर्वे प्रयुक्त प्रयुक्त कच्दों और पर्यो का जो उक्त जीभीनयम, के सध्याय 20-कं में परिभाषित इ. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा हैं ≅

### वपुतुनी

सरकारी बना प्रो० नं० 11-बी/14--तादाधी 200 बर्गगज, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-4-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 अर्जेल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/8-84/475--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एफ ०-62 है तथा जो कालका नई दिल्ली में स्थित है (और उससे उपाधन अनुसूधी में

पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकरण अिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वारमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सविधा के लिए;

अक्ष: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री तिरलोक नाथ कुमार मुपुत्र श्री पी० आर० कुमार, निवासी—-ई-370, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, जी० ए० श्री के० जी० सचदेवा। (अन्तरक)
- 2 श्री देम राज टुटेजा मुपुत्र श्री हंसराज टुटेजा, निवासी——एफ०-62, कालकाजी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति अधीहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भाग तंत्र एक २ ६२, तस्यदो - २०० वर्गगज, कालकाणी, नहीं विल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-4-1985

बोहर

777 A ----

परूप आई' टी एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत संरकार

फार्यासय, सहायक सायकर सायकर (निर्देशिका) अर्जन रेज−1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाक 9 अप्रैल 1985

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—III 8-84/476—ए०—अत मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य, 1,00,000/- रु से अधिक है

स्रोर जिसकी स० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम-बिनवाशन, महरौली नई दिल्ली मे स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद अनुसूची म ग्रींग पूर्ण रूप स वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्याचय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के शर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ट्रियमान प्रतिफल से, ऐसे श्रूयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कृतियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाव की वावत, उक्त श्रीधनियम के सभीन कर दोने के स्प्तरक के श्रीयत्व में कनी करने या उससे सभने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसे किसी अधि का किसी वर्ष या वन्सं वास्तिकों को जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, स्थिमने में सुविधा से किए:

- अशि सुरजे सुरुव श्री जुग लाल, निवासी--ग्राम-।वजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री एतः एमः थापर, सुपुत्र स्वः श्री करम चन्द थापर, निवासी---40, अमृता शेर शिल मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्चन के रित्य कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की भूषीतृ की सम्बन्ध में कोई भी काशोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तानील से 30 दिन की जबिथ, को भी अविथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तर्रांच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

### वन्त्यी

कृषि भूमि खतानी नं० 570, खसरा न० 42/2/3, 42/9, 42/10 श्रीर 42/11, तादादी 6 बिघे श्रीर 10 बिघवे (सेंड रकबा) श्रीर 3 विघे 12 बिघवे (स्टैंडर्ण्ड रकबा) टोटल 10 बिघे श्रीर 2 विघवे, ग्राम-बिजयनाणन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-4-1985

मोहर 🛚

# 

# बायकर अर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्री बाह्य 269-व (1) के ब्रुवीन सूचना

### माउत स्टब्स

कार्यालय, सहायक बायकार वाय्वत (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, न**ई घिस्ली**नई दिल्ली, दिभांक 9 अप्रैल 1985
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-III/
8-84/478-अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर भीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें इसके पर्वशाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० 462 है, तथा जो ग्रेटर कैलाग-1, मई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है बार मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पत्तृह प्रतिचान प्रतिफल का पत्तृह प्रतिचात सं अधिक है बार मृत्य (ग्रन्त्रारकों) जोर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया एतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिविक रूप से किंग्ल नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-निवम के नधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के फिछ; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री दीना नाथ मस्ट (2) श्री सुरिन्दर नाथ, निवासी-श्री-2/17-18, मालवीया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती चन्दर कान्ता पत्नी श्री अशोक कुमार, निवासी—सी-80, पंचशील इनक्लेब, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्मवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 विक की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीन से 30 दिन की अविधि, को भी वर्षा वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास चिवित में किए वा सकोंने ।

स्त्रक्षीकरण ह-4—इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर वर्षों का, वी उनक स्रीकृतिकन् के कथ्याय 20-क में परिभातिक ह<sup>4</sup>, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्यास में विसा गता हैं ⊞

# भनुसूची

प्लाट नं० एस०-462, ग्रेप्टर कैलाश-1, नई विल्ली, तादाधी-208 वर्गगज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीय: 9-4-198**#

श्रुक्ष ... **वार**्ड दी.. पुन्, पुस् .. = = = = =

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) चै वधीद स्पना

### भारत बरकाड

कार्यांसय, सहायक नायकर नायकत (निर्दासन) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 8-84/482-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

धौर जिसकी स० एम-64, 'एम०' ब्लाक मार्केट, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई बिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई बिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती 'अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निस्थित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक स्प के कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, अक्त अधिनयम के अधीन कर दाने के जन्तरक के दासित्य में कभी करने या स्थासे बचने में. सुविधा के लिए; जीर्/बा
- (ख) ऐसी किसी जाम या किसी भन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विथा के विकार

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ⊯—

- श्रीमती अनिता गुप्ता पत्नी श्री प्रवीन गुप्ता, निवासी ए,-11, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
  - (अन्तरक)
- 2. श्री युधिष्ठर लाल एच० यू० एफ० द्वारा श्री युधि-ष्ठर लाल कर्ता श्रीर बाई० एस० पाल फैमिली ट्रस्ट द्वारा श्री युधिष्ठिर लाल—ट्रस्टी: निवासी: एस० 249 ग्रेटर कैलाश—2, मई दिस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ॥

उनत् सम्पर्कतः के कर्णन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप् र---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 यिन के भीतन उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी कच्च व्यक्तित दूवारा, वशोहस्ताकती के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण :---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### न्मृत्या

बेसमेंट ग्रांर ग्राउण्ड फ्लोर प्रां० नं० एम-64, 'एम' ब्लाक मार्केट, कामिश्यिल स्थित ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ताषादी 195 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8~4~1985

मोहर .

प्ररूप बार्च दी. एन एस , ------

बायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्थना

### शास्त्र ब्रामाह

### कार्यास्य, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एसपू०/1/एस०-III/8-84/
484—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
शायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० सी०-136 है, तथा जो ग्रेष्टर कैलाश-1,

भौर जिसकी सं० सी०-136 हैं, तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, मई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उजित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी नाम की बाबत खबत अपि-विषय के अपीन कर बंगे के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, म<sup>5</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ्र——

- श्री आनन्द स्वरूप शर्मा सुपुत्र पंडित रामजी दास, निवासी—सी-136, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- कुमारी रूपा अरोड़ा सुपुत्ती डा० जे० एम० अरोड़ा, निवासी——एस०—5, ग्रेटर कैलाण—1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की हुई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नवा है।

# ननुसूची

प्रो॰ नं॰ सी-136, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48, तादावी 310.2 वर्गगज।

आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

तारीखाः 8-4-1985

मोहर 🕹

प्ररूप बाड . टी. एन. एस. -----

# नायकर निमितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### **भारत सरकार**

# कार्यासय, सहायक भायकर भावकत (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/
8-84/485—अतः मुझे आर० पी० राजेश
बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

ष्प्रौर जिसकी मं० 11-ई/92 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिस्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

कारे पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से काम के द्रश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल से प्रस्ति का प्रतिकाल से प्रमुख्य , उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल से प्रतिकाल से विभिन्न से अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल , निम्नसिवित उद्योख से उक्त अंतरण सिवित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या बन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्दीरती बुवारा प्रकट नहीं किया व्या था या किया वाना वाहिए था, कियाने वे स्विधा में सिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती रामो देवी पत्नी स्व० श्री हरी राम विग, निवासी—11—ई/62, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री पवन चौंधरी सुपुत्र श्री पी० आर० चौंधरी, निवासी—11-एल०/12, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में आहे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति वृवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही नर्थ होगा को उस अध्याय में सिका नवा है।

### श्रनुसूची

प्रो० नं०  $11-\xi/92$ , लाजपत नचर, नई दिल्ली, तादादी-100 वर्ग गज।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रग्नबाल हाउस, 4/14A आसफ अली रोड़, ग्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 9-4-1985

# प्रकण आई.डी.एन.एस.-----

# मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) से मभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई घिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-111/ 8-84/487--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं एम०-5 (दुकान) है तथा जो ग्रेटर कैला भा-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ग) ऐसी किमी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री दुर्गा दास सुपुत्र श्री बिहारी लाल, निवासी---एस-31, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कुशाला देवी पत्नी श्री नरेश चन्स, निवासी एम-3, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1--1/2 मंजिला मकान एम०-5 (दुकान) ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली तादादी ---195 वर्ग गज।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयबार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-4-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एग० आर०- $^{1}$ 1 8-84/489—अत:, मझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्थ 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10, प्लाक 'एफ' है तथा जो ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकायम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि चित्र व

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्यवित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) के भधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- 1. श्री माम चन्द सैंनी मुपुल श्री वौलत राम, निवासी— 3161, कुचा तारा चन्द, दिरया गंज, मई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री शाती स्वरूप गुप्ता सुपुत्र स्व० श्री लाला रघबर दयाल, निवासी—4275, गली बाबूजी, पहाड़ी धीरज, दिल्ली-6।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बाज लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहूी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्सूची

प्रो० नं० 10, ब्लाक नं० एफ० ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली, तादादी—500 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-4-1985

प्ररूप आहैं. टी एन. एत. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यास्य, तहायकं नामकर नामुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एवयू०-1/एव० आर०-3/8-84/490—अत:, मुझे, आर० पी० राजेश, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"),, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह" श्रौर जिपकी सं० एस०-225, है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकतो अधिकारी के कार्यालय.

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984
की पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके इञ्यमान प्रतिकल में एसे इश्यमान प्रतिकल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
वाया गया प्रतिकल, निम्नलिकित उद्यदेश से उक्त अन्तरक

निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं वायित्व में कमी करदे वा उबसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए:

कतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वित व्यक्तियों, वर्धात् ६---

- श्रीमती चन्दर कान्ता पत्नी श्री अशोक कुमार, निवासी--मी-80, पंचशील इन्क्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री पी० एस० ढीगरा सुपुत्र स्व० एस० टिकन सिह निवासी—के – 32, एम० डी० एस० ई०, भाग−2, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

### अन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिय से 45 दिन की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपति मेथ हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकने।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### भगुसूची

ग्राउण्ड फ्लोर प्रोपर्टी नं० एस०-225, ग्रेटर कैलाश-2, मई दिल्ली, सादादी--300 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली-110002

तारीख: 8-4-1985

मोहर 🛎

# १वय जाइं<u>टरी, एन, एस अ</u>वका कार्यक्रमाना

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) भी मुभीन सुचना

### 🌯 भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-1, मई विल्ली मई दिल्ली, दिमांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/
8-84/491--अत: मुझे, आर० पी० राजेश
आयकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूच्य
1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० एम०-225 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकरो अधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरोण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-जिल्लित उद्योचय से उक्त अंतरण लिक्नित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है है

- (क) जन्तरण वे हुए कियो बाव की वावत, उनक अधिनियम के अधीन कर वेने के अस्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे विद्युः क्षेत्र/वा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलि**सित व्यक्तियों अर्धात**ं—— 23—46 GI/85

- श्रीमती चन्दर कान्ता पत्नी श्री अशोक कुमार, निवासी——मी— 80, पचशील इन्क्लेव, भई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 श्री इन्दर बिर सिंह सुपुत्र श्री प्रीतपाल सिंह छात्रा, नियासी-एफ-22, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# **एक्त सम्परित के वर्ष**न के सम्बन्ध में कोई भी जाओर हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>त</sup> वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

### नन्त्यी

पहली मंजिल, प्रो० नं० एस०-225, ग्रेप्टर कैलाश-2, मई दिल्ली, 3-बेड रूम के साथ बायरूम, किचेन, ड्राईगरूम डाइनिंग, सर्वेन्ट रूम, पार्क 35% हिस्से, तादादी 300 वर्गगज (249 वर्ग मीटर्स)।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

ता**रीख:** 9-4-1985

प्रस्प **नार**ै. टी. एत्. **एत**्-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०-1/एम० आर०—III/ 8-84/492---अत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० 253, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, मई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली, नई टिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्जीरती दनारा प्रजट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) को सभीन, निम्नीसिंखत् स्पक्तियों, सर्थात् ६—

- 1. श्रीमती सुर्जात कौर पत्नी सुरजीत सिंह, निवासी--एम--13, ग्रेटर कैल।श-1, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री पक्त पाहवा सुपुत्र श्री सतीश कुमार पाहवा, निवासी-9, कृतुब रोड, राम नगर, नई दिल्ली-55।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की बचिथ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजंपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अक्षेहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त्ची

प्लाट नं॰ एस/253, तादादी 166.83 वर्ग मीटर, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-4-1985

प्र**स्पृ वाद**ै, टी. **एन**. <u>एक ----</u>

बायुकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्ड भारत 269-मृ (1) के अभीन सूचना

### मारम बहुबार

## कार्यास्य, सहायक गायकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/ 8~84/493---अन:, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपय से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस०-168 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवरित का उचित बाजार मूक्त उसके दश्यमान प्रतिकास के, एके दश्यमान प्रतिकास का पस्त्रह प्रतिकात से विधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एके अन्यरम् के लिए वयं पाना क्या मृतिकान निम्मृतियिक उस्तिक्य के समझ क्याउम निम्मृत्व के बास्तरिक कर से क्यांच्य नहीं किया गया है द—

- (क) जन्तरम् वे हुए किसी बाव की वान्स्, उन्धः विधित्यव के अधीन कर दने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उन्हें वचने में वृद्धिया के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कुँ जभीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री सुदर्शन अग्रवाल, निवासी ई-467, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष कुमारी, 2. श्रीमती रेनू वीज, 3. मास्टर राज कुमार श्रौर 4. मास्टर रक्शन विज सभी निवासी—ए-5/1, आर०पी० बाग, दिल्ली-7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (ब) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्पृक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास् निवित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शन्दों और पक्षे का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होगा जो उस वृष्याय में दिया मुंबा है।

# अनुसूची

प्रोपर्टी ग्राउण्ड फ्लोर, बेममेंट बिल्डिंग नं० एस-168, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी--- 2700 वर्गफीट।

> आर० पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नारीख: 8-4-85

प्ररुप् , बार्ष , टी , एन , एस 🚊 -----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वं (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक बायकर बावुक्त (निर्द्रोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 श्रप्रैल 1985

निदेश म० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-3/ ४-84/493-ए०--श्रत. मुझे, श्रार०पी० राजेश, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 / - रह. से अधिक हैं।

और जिसकी स० 8242, 8243, सी ब्लाक है तथा जो प्रेम हाउस, कनाट प्लेस, नई दिल्ली मे स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल , निम्निकिश्व स्वृह्वेष्य से उन्त कन्तरण कि हिए तम

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत जिमित्यम के जभीन कह दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी कहने वा उत्तरी बच्चने में ज़ुविधा के निष्; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था अन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

भतक सब, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मों, मी, उस्त अधिनियम की शांस 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्थिक्त गाँ, अर्थात् :--- श्री एस० सम्पुरण सिंह सुपुत्र एस० सुन्दर सिंह,
 एस० धलदेव सिंह सपुत्र एस० सम्पूरण सिंह
 और एस० गुरहरदीप सिंह सुपुत्र एस० सम्पुरण
 सिंह, सभी निवासी—सी-25/9, कनाट प्लेस,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं उषा इन्टरप्राइजेज द्वारा भागीदार श्री ए० एन कपूर, मुपुत श्री एच सी कपूर, निवासी---15/8, पजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधोप ः-

- (क) इत सूचना के ट्रांबप्त में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### समयकी

म्यूनिसिपल नं० 8242-8243, तादादी 400 वर्ग फिट, प्रेम हाउस, 'सी' ब्लाक, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

> श्रारः पीः राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—I नई दिल्ली— 110002

तारी**ख: 9-4-**1985

मोहर 🗈

प्रकप नार्ष ् टी. एन . एस .; ------

भायक इ. निश्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत चडक्र

कार्यानय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्तण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मप्रैल 1985

निदेश मं० श्राई० ए०सी० एक्यू० 1/एस० श्रार०—III/ 8-84/494—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं०  $\xi-359$  है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली सें स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्त है), रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कायिलय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रगस्त 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निसिश्तित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्म

- (क), न्याडल वं हुई किवीं बाद की बावत , बक्छ निधीनवन को अधीन कर दोने की बल्करक को वायित्व में कर्मी करने या नतसे बचने में सुविधा के सिए; बांड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विभा के अबु;

 श्री सत्यदेव खोसला और मतीश कुमार खोसला (एच० यू० एफ०) कर्ता, पी-23, साउथ एक्स-टेंशन, भाग-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ब्रागोक ब्रासरी (2) श्री वनीत ब्रासरी, (3) धरमबीर ब्रासरी, निवासी——जे-33, राजोरी गाउँन, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप उ--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिश्या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिश्या में से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधिकोण को उस अध्याय में दिया पदा है।

#### वन्त्र्य

प्रो० नं० ई-359, तादादी 250 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश -2, नई दिल्ली।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

सरः शव, उत्तर निधीनयमं की धारा 269-मं के अनुसरक भी, मी, उन्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीन, निस्नतिबित व्यक्तियों, नर्भात् स——

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🛭

## १**क्ष बाह**ें डी. **१**म्. **एव**् -----

# बायकर वीभीनय्म, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के स्वीत सूच्या

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 ग्रप्नैल 1985

निदेश सं श्राई० ए० मी । एक्यू । । एस० श्रार०—III । 8-84 | 498—-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें कारण हैं कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मृक्य 1,00000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 86 है तथा जो रीवन्यू इस्टेट, कोटला मुबारकपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त 1984

की पृथीं कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विकास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाना ग्या प्रतिकत निम्नृतिचित उक्किय से उक्त अंतरण लिखित के बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है

- (क) ब्रान्डिय में हुए दिस्त्री नाथ की वायर है जाना अप्तित्वत के वायीन सह दोने के अन्यक्त के वादित्य में क्रवी सहचे वा ब्रह्म व्हार्य में हिन्दा। में विद्या स्टिन्स
- (क) ऐसी किसी भाष वा किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक हु अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् वृधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, कियाने में सविधा के लिए;

अत्रह अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, नियमीसित व्यक्तियों, अधीत अ—

- 1. श्री चन्द्र् सुपुत्रं श्री रिजल, निवासी---ग्राम-कोटला मुबारकपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- र्मे ० नहाता ग्रुप आफ बिल्डर्स एण्ड फाइनान्सीयर्स प्रा० लि०, 537, कटरा नील, चान्दनी चौक, दिल्ली-6 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ८

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की बनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्राज की ताबीस से 30 दिन की बनीभ, जो भी ब्राज वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाशन की तारीच स 45 विश के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितनकृष किसी जन्म व्यक्ति बुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास् सिचित में किए था सकरें।

त्वच्छीकरणः इसमें प्रयूक्त कथ्यों और पर्वो का, को उक्त विभिन्नित के अध्याय 20-क में परिभावित ही, नहीं नर्थ होता, को उस अध्याय में विभा न्या ही।

#### SPECT 1

प्रो० नं० 86, स्थित रीवेन्यू इस्टेट कोटला मुझारकपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली, तादादी 48/7.5 वर्गगज।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-4-1985

मोहुदु 🖫

प्ररूप भाइ ं दी : एन : एस : ---- ---

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर नायुक्त (निर्काक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए सी०/एक्यू/1/एस० आर०-III/ 8-84/499--भतः मुझे, आर० पी० राजेश,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ता, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 86, रिवेन्यू इस्टेट, हैं तथा जो कोटला-मुबारकपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाय्तिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, म<sup>4</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री चत्तरू सुपुत्त श्री रिजल, निवासी—ग्राम— कोटला मुवारकपुर, तहसील-महरोली, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

 मैं० नहाता ग्रुप ग्राफ बिलार्स फाइनेन्सियल प्रा० लि०, 537, कटरा नील, चादनी चौक; दिल्ली-6।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविधत में किए जा सकोंगी।

स्पक्तीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० 86, रिवेन्यू इस्टेट, कोटला मुबारकपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली, सादादी—487.5 वर्ग गज।,

> म्रार० पी० राजेश सक्षमम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🗸

## बक्त बार्चुं टी. एवं .एवं . ------

जायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### श्लारत तरकार

कार्यालय, तहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रार्णन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 प्रप्रैल 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-III/ 8-84/500-- मत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकार मिधिनवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनस मिधिनवन' कहा नवा हैं), की भारा 269-- के अभीव दक्षण प्राधिकारों को यह विस्तात करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, चित्रका उपित वाचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 86, रिवेम्यू इस्टेट, है तथा जो कोटला महरौली मुबारकपुर, तहसील, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारील अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्परित को उणित बाजार मुस्य ते कम को क्यमान प्रतिकाल के बिए अम्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अधक्ष्मींक्त तम्मरित का उणित बाजार ब्रह्म, असके दश्यमान प्रतिकाल से होते दश्यमान प्रतिकाल की बन्द्रह प्रतिसत्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिकाल, निम्मसितित उन्हों किया गया है एन्ल

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाद की बादत, उस्त विधिनयम में वधीन कार दोने में जन्तरक कें यादित्व में कनी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिख; वरि/या
- (थ) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्याने में सुविधा के सिए;
- अत. अत, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम भी भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीना, निकासियिक व्यक्तियमें, अभीन :----

- 1. भी सछक्ष सुपुत्र श्री रिजल, निवासी--ग्राम कोटला मुबारकपुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं नहात ग्रुप झाफ बिल्डर्स एण्ड फाइनान्सस प्रा० लिं , 537, कटरा नील, चात्रदनी चौक, विल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सन्तरित के वर्षन के तिह कार्यवाहियां करता हो।

ज्यत तन्त्रीत से अर्थन के तंत्रभ में कोई भी साक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका वें 45 दिन की अवधि या तत्कान्वस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, को भीतार पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में वे किसी कावित दुवारा;
- (क) इस सूचना में राजपण में प्रकाशन की शारीज से 45 दिन में भीतर उसते स्थापर सम्पत्ति में हिस्त्रम्थ सिजी सम्ब न्यानित स्थारा सभोहस्याकरी से पास सिजित में सिज से वा सकते।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त क्षमाँ और पदों का, जो उक्छ नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### वन्त्यी

त्रो॰ नं॰ 86, रिवन्यू इस्टेट, कोटला-मुबारकपुर, तह-सील, महरौली, नई दिल्ली, तादावी--487.5।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायभर भीभिनियक, 1961 (1987 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सर्देकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 10 ग्रप्रेल 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3 8-84/505--श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्म 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 86, रिवेन्यू इस्टेट, है तथा जो कोटला, मुबारकपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं/) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रगस्त 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अस, अक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसर्म में, में उयस विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात ह— 24 —46 GI/85

- 1. श्री हरबंस सुपुत्र श्री रिजल, निवासी ग्राम कोटला मुबारकपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. मैं । नहाता ग्रुप भ्राफ बिल्डर्स एण्ड फाइनान्सर्सप्रा० लिं ।, 537, कटरा नील, चान्दनी चौक, दिल्ली-6 (भ्रन्तारती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबट्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकर्ण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा पदा है ।

### अनुसूची

प्रो० नं० 86, स्थित रिवेन्यू इस्टेट, कोटला मुबारक पुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली, तादांदी 487.5 वर्ग गज।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 10-4-1985

मोहरः

प्रकृष आहे.दी.धून.धूस.-----

नायकुर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीम सूचना

#### भारत सहस्रत

कार्याजय, तहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1985

निर्वेष सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० मार०-3 8-84/501--मत: मुझे, म्रार० पी० राजेष,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को निधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाचार मृश्य

1,00 000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० एम-285, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2
नई बिल्ली (1/2 भाग) में स्थित है (और इससे उपाबक्ष
ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
ग्रिधकारी के कार्यालय, नई बिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण
ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख
ग्रास्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एते स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निजित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नृत्यरण संहुई कि की बाय की बाब्त, उपक अधिनियम के नृतील कर वोगे के बंतरक के बादित में कमी करने या उत्तवे क्वने में सृतिथा के जिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाब का किसी बन का काल बास्तियों को, विक्ट भारतीन बावकार बीधीनका, 1922 (1922 का 11) या उनता निभिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया थाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

बतः भव, उन्त विभिनियम, भी भारा 269-ग के बन्तरभू वेंक की, उन्त विभिन्नम की भारा 269-म की उपचाछ (1) में सभीन, निम्मतिथित स्थितकों सभीत हु---

- श्रीमती पुष्पा प्रग्रवाल परनी श्री हरीण प्रग्रवाल, निवासी भी-43, मस्जिद मठ, ग्रेटर कैलाश नई विस्ली।
- 2. श्री राम कुमार गोयल सुपुत स्व० श्री साधु राम गोयल, श्रीमती कुष्णा गोयल पत्नी श्री राम कुमार गोयल, श्री प्रशोक कुमार गोयल सुपुत श्री राम कुमार गोयल, सभी निवासी एम-285, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कड़के पूर्वोक्स सम्मत्ति से सर्वन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेत्र :---

- (क) इस स्वान के कथ्यम् में म्काशन की तारीय ध 45 दिन की जबींच या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामीस से 30 दिन की जबींध वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस तुम्बा के राजप्य में प्रकारण की शादींत सं 45 दिव के भीतर अमत स्थाधर प्रकारत में दिसस्द्र्य किसी अन्य व्यक्तियु द्वारा, स्थादेहरतास्त्री के पात विक्ति में किए या सकींगे।

स्वकारिक्रण :----इसम् प्रयुक्त स्वकां कीर पर्यो का, को सकत विधिनिष्का के वश्याय 20-का में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा का उस सभ्याय में विध प्या है।

### वन्त्वी

1/2 भाग प्रापर्टी नं० एम-285, ग्रेटर कैला $\pi-2$ , नर्द दिल्ली, 2-1/2 मंजिला भवन, तादादी 400 वर्गगज (336 वर्ग मीटर लगभग)।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), म्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

ता**रीख**ः 8-4-1985

मोहर 🛭

## प्रकर्त वार्षे . दी . इन . एस-------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 कॉ 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्थान

#### भारत सरकार

कायसिय, सहायक आयंकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई०ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/8-84/502--- ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसें इसेंगें स्कें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं० एम० 285, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनूसूची में पूर्णा रूप से वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्शा ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित कींगई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल के पंजाह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योदय से उक्त अन्तरण के लिएत

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी शाय की वाबंद, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के जन्मरक को शास्त्रिक में कनी करने या उत्तत्ते वलने में सुनिधा के लिए; जॉर/वा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोधनीर्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्नी में सुविधी के जिले;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ंग के जनूतरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिष्ठ अधिकारों, अधीतः :--- (1) श्री हरीश अग्रवाल सुपुत्त स्व० श्री सम्भु दयाल, निवासी जी-43, मसजीव सठ, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2.) (1) श्री राम कुमार गोयल सुपुत स्व० श्री साधु राम गोयल,

> (2) श्रीमती कृष्णा गोयल पत्नी' श्री राम कुमार गोयल,

(3) श्री ग्रामोक कुमार गोयल सुपुत्र श्री राम कुमार गोयल, सभी निवासी-एम-285, ग्रेटर कैलाम-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पर्टित के नर्धन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीम से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दिकरण:---इतम् प्रयुक्त तस्यो और प्रवो का, जो उक्क अभिनियम के अध्याव 20-क में परित्राधित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में विया गवा है।

## अनुसूची

2-1/2 मंजिला भवन का श्राधा भाग मकान नं० एम-285, ग्रेटर कैलाश-2, नई निल्ली, तादादी 400 वर्गगज (336 वर्ग मीटर)।

> श्रार • पी० राजेश सक्तम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रॉजन1, नई विस्ली,

तारीख: 8-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रेल 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०3/8-84 503—श्रतः मझे श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या डी-4/61 है तथा जो दया नन्द कालोनी, लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख प्रगस्त 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सकुन्तला देवी परनी स्व० श्री सादी लाल सुरी, निवासी ए-1, मानसरोवर गाडेंन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरमीन्दर कौर: बुगल परेनी श्री वलजीत सिंह, निवासी: बी-4/61, दयानन्द कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सरकारी बना हुआ प्रो० नं० डी-4/61, दयानन्द कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली, तादादी-100 वर्गगज। प्रार० पी० राजेश) [सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 8-4-1985

मोक्ट 🗵

प्रक्य भार्षे . दी., एवं . एस. स - - -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) **के अधीन स्**चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्भन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रप्रेल 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/ 1/एस० ग्रार०11/8-84/506—-ग्रत: मुझे ग्रार० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य
1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशम नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अस्परितयों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तब पाना गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण ते हुई किती बाद की वास्ता, उक्द अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: बार/वा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियाँ या, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिनियम, विवास स्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1)मैं ग्रीन पाके बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह सुपुत श्री ज्वाला सिंह , निवासी ए/32, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मित्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारींच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वार। अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकारे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्सूची

कृषि भूमि तादादी 12 बिघे और 14 बिघवे, रेक्ट० नं० 83, खासरा नं० 1 (4-6), 10 (3-14), 11 (1-12), और रेंक्ट नं० 84, खासरा नं० 5 (0-18), 6 (1-2), 15 (1-2), ग्राम, बिजवाशन तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी हायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज,-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110001

तारीख: 9-4-85

माहर 🛎

प्ररूप बाही, टीं. एनं. एकं, -----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### मारव क्षरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निर्देशक)

मर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रप्नेल 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० 111—8-84/507—अतः मुझे आर० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विजवाशन, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजद्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय र्राजस्द्रीकरण ग्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख ग्रगस्त 1984

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का अचित बाजार पून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मौर अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय प्रया गया प्रतिफस, निम्नलिचित उच्चेस्य से उपन जन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी बाय की बावत, खण्कत अधिनियम के बधीन कर बोने के बन्तरक से वासित्व में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के किए; और या/
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन वा कर्म आसितयाँ सो, जिस्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 विश्व (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्वैवधा के लिए;

जतः वद, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्तर-। में, के, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपवारा (1) के अभीन, निम्मतिचित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) मैं विल्ली टावर्स एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि० 115-अंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नर्ह दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित रेनु पुरी
परनी श्री सतीन्वर पुरी,
श्री सतीन्वर पुरी सुपुत श्री केवल किशेश पुरी,
श्री ध्रुव पुरी सुपुत श्री सतीन्वर पुरी,
मार्फत टाटा टी० लि०,
1-विशेष लेकाय रोड,
कलकता-20।

(अन्तरिती)

को नहः सूचनां ब्राष्ट्री क्राह्मके पूर्वोक्त ब्रेगिस्ट से सर्वेग के निष् कार्यनाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- 'क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांबील से 30 विन की अविधि, जो भी जनविध वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात तिचित में किए वा सकरेंगे।

स्वक्तींकरण:--६समे प्रवृंक्त बन्दी बीर पूर्वी का, जी उन्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

## वन्त्यी

कुषि भूमि तादावी 2 विषे, रेक्ट नं० 84, किला नं० 4 मिन (0-18), और 7(1-2), ग्राम विजवाशन, तहसील महरौली नई दिल्ली।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम म्राधिकारी सायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजेन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 9-4-1985

मोह्द ः

अक्य शाह<sup>4</sup>्र द्वी<sub>य</sub> प्रव<sub>ि</sub> प्रव<sub>ि</sub> प्रव<sub>ि</sub>व्यवस्थान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्त्रना

#### HEAT PERSON

कार्यालय. सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षित्र) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० भाई-ए० सी०/एक्यू०/1/एस-म्रार-III/8-84/ 508, भतः मझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा को ग्राम विजवाशन, नई विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावक श्रनुसूची में भारतीय र्जिट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मूझे यह चिववास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश से उक्त ब्लारण निक्ति में बास्तिक कम से क्यिक नहीं किया गया है ए—

- (क) वनाउण से शुरं किसी जान की वाबत, उपक वीधीनयम के नधीन कर दोने के बनारक के दायित्व में कभी करने वा उत्तसे दचने में स्विधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी धन वा अन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

(1) मै० सी० ल्याल एण्ड कं० (कंस०) प्रा० लि०
 115 अंसल भवन,
 16-के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं रोस मुरको इन्डिया (प्रा० लि०) 34-मित्तल चेम्बर्स नरीमन प्वाइन्ट, वस्ते।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यकाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप ध---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी मन्य स्थिक ब्वारा मभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## वग्त्ची

कृषि भूमि तावादी-12 विघे, खसरा न'० 176 मिन, ग्राम विजवाशन, तहसील महारोली, नई दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज रेंज (1) दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उत्तथाचा (1) के अधीन, निम्निलिजित व्यक्तियों, अर्थात् :---

**नारीख:** 9÷4∗85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज 1 नई दिस्ली नई दिल्ली विनांक 9 ध्रप्रैल 1985

निर्वेष सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०
III/8-84/509—श्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जोग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनूस्ची में पूर्ण रूप से विणत हैं), राजस्ट्रीकर्त्ता ग्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय राजस्ट्रीकरण प्राधनियम1908, (1908 का 16) के प्रधीन तारीख प्रगस्त 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसिकिक व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट

(1) मैं० दिल्ली टावर्स एण्ड इस्टेट (प्रा०) लि० 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जीती विस्त्रांग सिंह पत्नी श्री दिलबाग सिंह, निवासी सी-24, ग्रेटर कॅलाश-1,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस्त्री

कृषि भूमि तादादी 12 बिघे, रेक्टेन्ग नं० 7, किल नं० 13 (4-16), 18 (4-12), 28 (0-04), और 17 (2-08), ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रााकर म्रायुक्त निरीक्षण) म्रजन रेंज (1) दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख 9ब4ब1985 मो**हर**ः प्रस्त् वाह्र , टी पुष् , एक् , -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) जे जभीन सुवना

#### गाउँदा सुरुक्त

वार्यालय सहाधक अधकर आयक्त (जिरीक्षण) श्रर्जन रेज 1, नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देण स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1-एस० आर०-3/ 8-84/510---अत मुझे, आर० पी० राजेश,

भायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसको पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सभम प्राधिकारी का यह निस्तास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उपवत बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर जिसकी सह्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, महरौली, नई विल्ली, में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विल्ली हैं), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख अगम्त 1984। का पूर्वों कि सम्मित के उमित वाकार मृज्य से कम के स्वयमान श्रीतफन के निग् अन्तरित को गए हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर सम्मित का उपास बाजार मृज्य उश्वें दश्यमान श्रीतफन की एसे दश्यमान श्रीतफन की पर्ने हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर सम्मित का उपास बाजार मृज्य उश्वें दश्यमान श्रीतफन की प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरह प्रतिवात से अभिक हैं और अन्तर्सण की पिए उथ पाया गया प्रतिकात निम्निक्षित उद्धारम्य से उक्त बन्तरण मिक्रित में वास्तिक क्या से किया नहीं किया गया हैं:----

- (क) अण्यारण त हुं कि जिल्ली बाय की शावता उथता अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तसके बचने में सुविधा के लिए; करैं र/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

शतः ६४ उस्त अधिनियम की भाग 269-ग क अनसरण में, में उक्त अधिनियम की भाग 269म की उपधारा (1) अ मारिम निक्तिजित व्यक्तियों, अधीरा :— 25 --4(G),85 (1) श्री भोहन सिंह्
सृपुतः श्री प्यारे लास
निवाबी-ग्राम-विजवाणनः,
तहसील-महरीलीः,
टर्ए दिल्लीः।

(अन्तरक)

(2) श्री दरीयाओ सिंह सुपुत श्री जुग लाल, निवामी-ग्राम गोमांई खेराजिन्द (हरियाणा) (अन्सरिती)

को यह मूचना बारी करके पृत्रींज्य सम्मिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ओई भी जाक्षेप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध स तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामीत से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाम में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से हिन की क्यांति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से हिन की क्यांति स्वारा,
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए प्रासकीं।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, भी जन्म अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हो, वहां अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विना समा है।

## **श्रनुसूची**

कृषि भूमि तादादी 15 बिथे और 18/2 बिधे, एम० न० 17, किला नं० 19(4-12), 20(1-2), 21(4-16), एम० नं० 18, किला न० 25(5-8), ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1, दित्ली, नर्ष दिल्ली 110002

तारीख: 8-4-85

## प्रकर्प<sub>ः</sub> बार्च<sub>ः</sub> टी. **ए**न्. एस. -----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 2**69-न (1) के अधीन स्था**ना

## मारत सुरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेज-I नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस०-आर3/8-84/511---यतः म्झ, ग्रार० पी० राजेश,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िक्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम अधिकार का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या कृषि भूमि, है तथा जो जाम बिजवाशन, तह्सील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ण श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्निलिखित उद्वोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक में वास्तिविक में वास्तिविक में वास्तिविक

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी श्राय की शावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के राशित्व मों कमी करने या उससे अचने मां सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्त अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, दा अन-कर अधिनियम, १५५७ (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निकार दास अधिहाए था, जिल्लान में स्विधा में सिष्ट;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिन्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री उदमी राम और भीम सिंह सुपुत्रगण श्री पारस राम, निवासी-ग्राम राजोक्तरी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं विल्ली टाबर्स एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि०, 115 अंसल भवन, 16-कें जी० सार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्थत स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

्रमण्डिकरणः --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त विभिन् नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा. यो उस अध्याम में दिया गया है।

## **प्रनुसू**ची

कृषि भूमि तादाबी 22 बिघे और 19 विस्थे रेक्ट० नं ० 43, किला नं० 8 (4-16), 9 मिन (1-16), 12 (4-16 13 (4-16), 18(4-16), 19 (1-19) ग्राम बिजवागन, तहसील महरौली नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायंक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-1, नई दिल्ली 110002

<sub>\_ता</sub>रीख: 8-4-85

मोहर 🖫

प्रसम्य बाह् .टी.एव.एस., -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज 1 नई दिल्लीं

नई दिल्लीं, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयू०/1/एस० ग्रार०-III एस० ग्रार०-III/-8-84/512--ग्रतः मुझे, ग्रार०पीं० राजेश, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिस इतर्ज इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सपरित, जिसका उचित्त बाजार मुन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है ग्रोर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवामन,

ग्रोर जिसकों संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्लीं में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारीं के कार्यालय, नई दिल्लीं, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख भगस्त 1984

को पूर्वोक्त सपांत्त के शांता बाजार मृल्य सं सम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्ट्रीवधा के सिए;

अराः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) क विधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, वर्षात् ■— (1) श्री उदमी राम,
श्री भीम सिंह,
श्री मुनी राम,
श्री वापदेव
सुपुत्र गण श्री पारस राम,
निवासी-ग्राम राजोकरी,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० दिल्ली टावसं एण्ड इस्टंट्स प्रा० लि० 115 श्रंसल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काकिश्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना क राजपाय भी प्रकाशन को कारीन क 45 दिन के भीए र उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।।

### श्रनुसूची

कृषि भूमि तादादी 45 विधे और 8 बिश्वे, रेक्ट नं० 43, किला नं० 13, (4-16), 19, (2-19), 21, (4-16), 22, (2-10), 20, (4-16), रेक्ट० नं० 44, किला नं० 15, (2-08), 16, (4-11), 25, (4-10), रेक्ट नं० 78, किला नं० 5, (2-08), 6, (2-06), रेक्ट नं० 79, किला नं० 1, (4-16), 19, (4-12), ग्राम किञवाशन, तहसींल महरोलीं, नई दिल्ली।

श्रार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्लो, नई दिल्ली 110002

नारोख: 8-4-85

प्रकृष बाही, टी., एन. एस्.-----

**बायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, मृहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सिं०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-111/ 8-84/513—-श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश,

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चान 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या कृषि मूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन महरौशी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इशमे उपाबद्ध अनुस्वीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यांत्रय नई दिल्ली में नारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आवक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त कांचिनियम के अभीन कर बाने के सन्तरक कें दामित्य में कभी कर्न रा उसते बचने में समिशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, 4 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती सुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये था, द्विपान में सुविधा से सिए;

मत्ः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के चरीन , । नम्मिलि खत व्यक्तियो , अर्थात् ः— (1) मैं० ग्रीन पार्क बिल्डर्स एण्ड प्रोमीटर्स प्रा० लि० :15-श्रंगल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेनू पुरी पत्नी श्री सतीन्दरपुरी, श्री सतीन्दर पुरी, मुपुत्र श्री केवल किशन-पुरी, श्री ध्रुव पुरी मुपुत्र श्री सतोन्दर पुरी, मार्फत टाटाटी० लि०, 1-बिशए लेफो रोड, कलकत्ता-20 ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूजीक? अम्मीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 फिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बीच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मृत्य व्यक्ति द्वारा सभाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकरें।

स्पष्टीकपुण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पृरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है है

## बन्स्की

कृषि भूमि तादादी 10 बिधे 9 विश्वेन, रेक्ट० नं० 84 किला नं5 (3-1), 6(3-14), 15(3-14), ग्राम बिजवाशन, तहसील महराँलीं, नई दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेण सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, 1, नई दिल्ली-110002

नारींख: 2-4-1985

### प्रकप आई. हो. एन. एस. ------

# आयकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं
नई दिल्लीं, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्थू०/1/एस० श्रार०-III/8-84/514--श्रतः मुझे श्रार० पीं० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन राज्य प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि, है तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्लीं, में स्थित है (ग्रांर इनसे उपाबद श्रनूसूचीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रींकिनी ग्रिधिकारीं के कार्यालय, दिल्ली, में नारतींय रिजस्ट्रींकिंग्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविष रूप से किथत नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; आंड/या
- (क) एसी किसी आब या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वित्या जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 मैं दिल्ली टायमं एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि०, 115 श्रंसल भवन-16 के० जीं० मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 मैं  $\circ$  परफेंक्ट पावर मिस्टम प्रा० लि $\circ$  1/25, भ्रसफ भ्रलीं रोड, नई दिल्लीं।

(ग्रन्तिरतीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास तिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हींगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादीं 7 बिघे श्रीर 5 बिएवे, रेंक्ट० नं० 77, किला नं० 24 (3-1), 25 (4-4), ग्राम विजयाशन, तहसींल महरीलीं, नई दिल्लीं।

> ग्नार० पीं० राजेण सक्षम श्रिधकारीं सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-13 दिस्तीं, नई दिल्लीं 110002

तारींख : 15-4-85

प्ररूप, आहुर्, टी., एन., एस., -----

भायकर जीभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के मभीन स्थना

#### भारत सहसाह

कार्यासयः सहायक नायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिन्लीं, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० मीं०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-III /8-85/515—श्रतः मुझे ग्रार० पीं० राजेश,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परकात् 'उसते अधिनियम' स्राह्म सवा है'), सी करवा 269-ल के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्ध 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्श्वीर जिनकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजयाणन, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में पूर्ण कद से विणत है), रिजस्ट्रीक्ली श्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रींकरण ग्रिधिनम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख ग्रगस्त 1984।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का जारण ही कि यथापूर्वोक्स संम्योंस का उचित बाजार जूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यवसान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक ही और जन्सरक (जन्तरकों) और जन्सरिती (जन्तरितियों) के वीच एसे ज्ञासरक (जन्तरकों) और जन्सरिती (जन्तरितियों) के वीच एसे ज्ञासर्थ के सिए तथ पावा गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेच्य से उच्य जन्सरण विविद्य में वास्तविक रूप से कर्षित नहीं किया गवा है है—

- (क), बृत्युरम् सं हुएं किसी आस की बाधस, उनक सिंधुरिवृत् के अभीन कह दोने के अन्तरक के सामित्य में कमी करने या उत्तसे बुभने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी शाय या किसी धन वा अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी निए;

नतः जन् उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसाम में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्याँक्तयों, अर्थाक् ह—

1 मैं० ग्रीन पार्क बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स प्रा० लि० 115 श्रसल भवन, 16-क्षे० जीं० मार्ग, नई विल्लीं।

(भ्रन्तरक)

2 मैं ० परफॅक्ट पावर सिस्टमस प्रा० लि०,
 1/25, श्रमफ श्रली रोड,
 नई दिल्लीं।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्वनाहिता करता हूं ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तासीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तासील से 30 दिन की वविभिन्न की शिक्तर क्षेत्रक वविभि कार में स्थानत होती हो,। के भीतन क्षेत्रक मनिकाों में से फिजी म्यनिक क्षान्त;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील भे 45 दिन के भीवर उच्च रथाकर सम्पत्ति मों हित-नर्ग किसी व्यक्ति इजारा, अधाहस्वासारी के पाल विश्वित मों किए या सकोंगे।

स्थलकि प्रभाव के अध्यास किया की प्रमाणिक के अध्यास 20-क में परिभाषिक हैं, बहु अर्थ होगा को उस अध्यास में दिवा प्रभा हैं।

## मनु सूची

कृषि भूमि तादादीं 4 बिघे श्रौर 16 बिघने, रेंक्ट नं 77, किला नं 16 (4-16), ग्राम बिजवाणन, तहसींल महरौलीं, नई दिल्लीं।

ग्रार० पी० राजेण सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त )निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1; दिल्ली,नई निल्लीं 110002

तारींख : 15-4-85 . **मोहर** ध प्रस्प बार्च, टी. प्रमृत्युर 🗸 🖛 🤲

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### **पाइत सरकार**

## कार्याजय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/।/एस० ग्रार०- 83-84 516--अत: मुझे श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 "(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० इपि भूमि है तथा जो ग्राम विजयाशन तहसील महरौली, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाश्चड श्रमुस्ती में पूर्ण एवं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीय एण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रमस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के स्ववान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुन्ने यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) को अन्तरिति (अन्तरितिया) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तम पामा क्या प्रतिफल, निम्ति चिता उप्योचम से उक्त अन्तरण निधिक को सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है ----

- (क) बन्दारण हो हुए किसी आम की कावस, उनस ब्रिथिनियम के बचीन कर दोने के बन्दारक की व्यक्तियम के बचीन कर दोने के बन्दारक की व्यक्तियम की करी करने वा उससे बचने के ब्रिटिश को हिस्प; बहर/बा
- (च) ऐसे किसी ब्राट मा िसी धन या अन्य ब्रास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वासिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्वा, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कु— ा (1) मैं विल्ली टावर्स एण्ड इस्टेट्म प्रा० लि०, )1 असल भवन, )6 के जी मार्ग,

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री बाबा विक्रम सिंह सुपुत्र बाबा जान सिंह,
 812- सिन्द कलोनी,
 पूने 411007।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हुएं।

उक्त कम्परिस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामंप उन्न

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्याचन व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्यष्टीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदी का, जो उनका अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-आषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय कें दिशा यसा हैं।

## भ्रनुसूची

कृषि भूमि तादादी 12 विघे और 4 विश्वे, रेक्ट० न० 84, किला नं० मिन (3-01), 7(3-14), 8(5-09) स्थित ग्राम बिजवसशन, तहसील महरौली, नर्ष दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रोज-1 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 8-4-85

मोहर 🕄

## प्ररूप नाइं, टी., १४., १४.,-----

सम्बद्धर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की शाहा 269-श (1) के सभीत सुचना

#### भारत सर्काड

## कार्यास्थ्य, सहायक मस्यकार काम्रुक्त (मिरीसान)

भ्रर्जन रेंज-1, नई विल्लीं

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सें० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/एस० श्रार०/ 8-84/517 ए०—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गवा द्वी), की आरु 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कर कारण है कि स्थापर श्रीकर जिसका उचित वालार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकों मं० 20 (भाग) ब्लाक नं० 1, है तथा जो 7-पृथ्वीं राज रोड, नई दिल्तीं, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूचीं भें पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रींकर्ता ग्रिधकारीं के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतींय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारींख श्रमस्त 1984

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के निए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास अर्थने का कारण हैं कि मधावृत्तिक संपत्ति का उचित अर्थार मृत्य , उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अवित अर्थार मृत्य , उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षेत्र निम्नलिखित उद्देष्य से उचत अन्तरण तिवित में बास्य-विक स्प से क्षित नहीं किया गया है हिन्स्न

- (क) अन्तरण संहुई जिसी आम की नावत उक्स अधि । नियम के अधीन कर दोने भी अन्सरक के दायित्व में कनी कहने या उत्तर्ध बचने में तृषिभा के भिए। बीट/बा
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा व्यै लिए:

#तः कर, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण की अनुसर्भ मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिंश व्यक्तियों, अर्थीत् हिल्ल (1) श्री विजेण्वर प्रमाद जैन, निवासी डी-347, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० हिन्दुजा कन्यल्टेन्सीं प्रा० लि०,315 जीं, नई चानी रोड,बम्बई-4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप g---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकतें।

स्पथ्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

#### भनुसूची

भाग-ए, तादावीं 639.86 वर्ग गज, (535 वर्ग मीटर) भूमि नं० 20 (भाग) ब्लाक नं० 1, जिसका पीछे का भाग 7-पृथ्वी राज रोड, नई दिल्लीं।

> ग्रार० पी० राजेंण हैं सक्षम ग्रधिकारीं सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली 110002

तारींख: 8-4-8**5** 

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एसे ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखन , दिनांक 8 धप्रैल 1985

निर्देश सं० जीं०. ग्राई० ग्रार० संख्या 54/37ईई/ ए०जीं०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या श्राफिय नं० 10, 11 श्रीर 12 11, एम० जीं० मार्ग, ह्बींबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक करारनामा जो कि श्रजन क्षेत्र लखनऊ भारतींय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कान के रश्यमान प्रिक्तिल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गर्झ है और मफ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि थथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तत: अब्, उक्त अजिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 26—46GI/85

- (1) मैससं हलवासिया प्रापट्रींज (प्रा० लि०), हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ। (भ्रन्तरक)
- (2) मास्टर गौरव सिहानिया

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

· उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्च भी आक्षेप**:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों और पतों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है :

#### अम्बद्धा

म्राफिस नं० 10, 11, भीर 12, सातवें फिलोर पर पैमाईसीं 1035 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में, स्थित 11, एम० जीं० हवींबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ करारनामा जीकि भ्रजन क्षेत्र क्रम संख्या 69 पर सक्षम प्राधिकारीं लखनऊ द्वारा दिनांक 1-8-1984 को पंजींकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रजैन क्षेत्र, ल**ख**नक

तारीख 8-4-1985 मोहर : प्रकृप माई. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की अधार प्राने

#### भारत बर्काड

## कार्याजय, सहायक जामकर नामुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 भग्नैल 1985

निदेश सं० जीं० आई० श्रार० 55/37 ईई/ए० जी०—श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 20 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूचीं में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारीं के कार्यालय में करारनामा जोकि श्रजंन क्षेत्र, लखनऊ में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधीन विनांक 1-8-1984

को प्वेंक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रत्य वाकार प्रतिफल को एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तर, एसके क्यमान प्रतिफल का पन्तर, एसके क्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष जिल्ला निम्नानिश्वत उद्देश्य से उक्त बन्तरण में निश्चत वास्त्रिक कण से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक सं हुइ किसी बाव की साथत उक्क सीमिनसम्बद्धे सभीय कर दोने के जन्तरक के सावत्य में कनी करने या उक्क वचने में सुविधा के लिए; सोद/या
- (क) एसी किसी भाव वा किसी भव ना अन्य आसिया की. जिन्हां भारतीय जाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयत्भनाथ अन्तां रती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविवा के लिए।

अंतः अब, उक्त अधिनियंग की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) हे अधीन, निम्नेसिविश क्रिक्तयों, अधीरा अ--- (1) मेससें हलवासिया प्रापट्रींज प्रा० लि०, हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शैल खन्डेलवाल ।

(भन्तरिसीं)

को मह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण भें प्रकाशन की ठारील वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति बुनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकत्यें:

स्वक्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्दों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिय नवा है।

## वनुसुची

श्राफिस नं० 20 थर्ड फिलोर पर (III) कैमाईसी 275 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जीं० मार्ग ह्वींबउल्ला कम्पाउड लखनऊ, करारनामा जोिक श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 70 क्स सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 1-8-1984 को पंजींकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त मर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारींख: 8--4--85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्राधीन ब्रुवना

#### भारत शस्कार

### कार्यालयः, सहायक बावकर कार्यक्त (निरक्षिण)

भ्रज़ेंन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 भ्रप्रैल 1985

निदेश सं० जी० श्राई० आर० संख्या 56/37 ईई/ एक्यू०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है), की भारत 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित आवार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 21 है तथा जो 11, एम० जीं० मार्ग, हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूचीं में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रींकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में जिसका करारनामा जोकी श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधान दिनौंक 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्मिश्त के उपित बाधार मूल्य सं क्रम के क्रममान प्रतिफल के निए अन्तरित की सद्दें हैं और मूझ यह विश्वश्रेष्ठ करने का कारण हैं कि संशापूर्वोक्त सम्मिश्त का उपित सम्बाह मून्य, इसके इरयमान प्रतिफल सं, एसे क्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तम पामा का प्रतिफल निकासिया उसुविश्य से अवस संवरण सिकित में वास्त्रिक रूप से क्षित नहीं किया थ्या हैं

- (क) अन्तरण में शृष्ट विक्री शक्य की बाक्य, उक्स विविध्यक के बधीन कर देने के बंदणक के दावित्य में कभी करते वा उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; जरि/बा
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकार निभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था सा किया जाना आहिए भा कियाने में सुविधा के लिए;

लत: मुनं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ल के जनुस्रक भों, मौ, उक्त विधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) भीं वधीत , निस्तीविक व्यक्तिकों, जनस्रि क्रिक्त (1) मेंसर्स हलवासिया प्रापट्रींज (प्रा० लि०) हलवागिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) कु० लीना अग्रवाल द्वारासंरक्षक श्री मोहून लाल, लखनऊ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्मत्ति के अर्जन के चिछ् स्थानितिकों करता हुं।

### वक्त संबर्धक की वर्षक की सम्बन्ध में कोई भी नाम्बन्धः---

- (क) इस क्षमा के रावपण में प्रकाशन की तारीच ले 45 दिन की अपि। या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ धन्न स्पना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो औ। अविध साथ में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविधा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संस्पत्रि में दिख बहुध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अवस्तिनायकी के शस सिवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विजियम के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में जिल्हा गया है।

#### अगस्पी

भाफिस नं० 21 सातवें फिलोर पर (7) (पैमाईसीं 275 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जीं० भागें हवींबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ, करारनामा ओ्कि ग्रर्जन भोत्र केम, संख्या 71 पर विनांक 188-1984 को पंजींकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुनत (निरीक्षण) यर्जन क्षेत्र, लखनऊ।

सारीख : 8₹4-1985

मोहर 🛭

प्रकम नाइ. टी. एन. एस., -----

बायकर व्यथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व् (1) के वभीन सूचना

#### मार्स चरुकार

## क्रमनिष्य सहायक कामकर शामुक्त (निर्देशिक)

भर्जव क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 8 धप्रेल 1985

निर्देश सं० जी० आई० ग्रार० संख्या 57/37 ईई/एक्यू०--यतः मुझे ए० प्रसाद,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या श्राफिस न० 15 श्रीर 16 है तथा जो 11, एम० जी॰ मार्ग, ह्बीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनूसूची में श्रीर पूर्ण से विजत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय में करार-नामा जोकि धर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय धायकर श्रिधनियम 1961 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाक 1-8-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उभित बाजार बृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सरने का कारण है कि सभाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार कृस्य, उसके क्रथमान प्रतिकल से एसे वश्यमान प्रतिकल का कन्त्रह प्रतिकति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ क्या गया प्रविक्रम , निस्तिशिक च्युविषय से उन्तर अन्तरण कि बात्र प्रतिकृत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) ब्रुक्श के हुई कियी बाव की बावता, उसत् विधितियम के ब्रुपीन कड दोने के अन्तारक के दायित्व में कशी करने या उससे ब्रुचने में ब्रुविधा क लिए; वर्डिश्या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) याँ उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए।

नतः नव, उनत निधित्तियम की भारा 269-ण के जनुसरण ने, में, उपन निधित्तिम की भारा 269-ण की उपभारा (1) व नभीन, निस्तृतिचित व्यक्तियम्ँ,, नगृत् अ— (2) मेसर्स हलवासिरया प्रापट्रीण प्रा० लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गज, लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती विनोता ग्रगरूगा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## दक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप्.---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों देश स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जारे के अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पश्च लिसित में किए जा सकोंगे

स्पष्टींकरण :—इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

धाफिस नं० 15 भीर 16 सेवन्थ फिलोर पर (7) पैमाईसी 550 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० भीं० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ करारनामा भीकि धर्जन क्षेत्र लखनऊ, में सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनाक 1-8-1984 को पजीकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन क्षेत्र, लखनऊ।

तारींख: 8-4-198#

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश र्सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या 58/37 **ईई०**/एक्यू० यतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है .

श्रीर जिसकी संख्या आफिन नं० 1 है तथा जो 11 एम० जी० मार्ग हवीबउल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचीं में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय में करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ, भारतीय श्रायकर अधिनियंम, 1961

के ग्रधीन दिनांक 1-8-1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वीने के अंतरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बन्य अस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आगः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा० लि०) हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(अन्तरक)

- (1) मास्टर सन्दीप बंसल
- (2) मास्टर नोरज बंसल, द्वारा सागरमल मग्रमाल लखनऊ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

ृ स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### वनुस्ची

भाफिस नं० 6 फिलोर परपैमाइसीं 380 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग ह्बीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ, करारनामा जीकि धर्जन क्षेत्र लखनऊ में क्रम संख्या 73 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 1-8-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम ग्रधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त निरीक्षण भर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारींख: 8-4-1985

मोहर 💰

प्ररूप बाह्रं, टी. एप्., एर्स गुनननना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### शारत तरकार-

कार्यालय, सहायक वायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं ्जीं शाई० म्रार० संख्या 59/37 ई ई/एक्पू--यतः मझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या श्राफियनं० 13 श्रीर 14 है तथा जो 11, एम० जो० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे/ उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रींकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय में करारनामा जोकि श्रजंन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 श्रीन दिनोक 188-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तये पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण निधित में दास्तिक कप से किथात नहीं किया गया है ----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप की बावत, उक्त शिवियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करूने या उससे बचने में सुविधा का लिए, कीप/या
- (ख) एगी किसी जाय या किसी धन या अन्य असितजों कर्ता, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें स्विधा के लिए;

जताः, जव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मैं, अक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीर निम्नलिसित व्यक्तियों, सर्थात् ६(1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रींज प्रा० लि०, हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज लखनऊ ।

(भन्तरक)

. (2) मास्टर विकास कुमार कटारका द्वाराश्री मजय कुमार कटारका पटना ।

(अन्तरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीव सं 4.5 विन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील सै 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण भा प्रकाशन की दारीच दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिचित में किए वा सकर्ण।

स्परक्षिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

भाफिस नं० 13 भौर 14 सेवन्थ फिलोर पर (7) पैमाईसी 550 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जीं मार्ग, हबीउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ, करारनामा जोकि भर्जन क्षेत्र, क्रम संख्या 74 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ बारा दिनांक 1-8-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

विनांक : 8-4-1985

मोहरः

## प्रकर नार्द्<sub>य</sub> टाँ<sub>थ</sub> एन<sub>ः</sub> एवः ------

## नायक दें नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

### ब्रास्ट सरकाह

कार्यालय, सहायक श्रायकंर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्चन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनौक 8 भ्रप्रैल 1985

निर्देश सं० जी० भ्राई० श्रार० संख्या 60/37 ईई/ एक्यूं —-यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या श्राफिस नं० 8 श्रौर 9 है तथा जो 11 एम० जी० मार्ग हवींबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता श्रीधकारीं के कार्यालय में करारनामा जोक़ि धर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतींय श्रायकर श्रीधनियम 1961 श्रीन दिनांक 1-8-1984

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल, से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरित (अंतरितियार्ते) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य ये उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बंतरण से हुई किती बाब की बावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में मिश्रधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय की चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ·11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा में सिए।

अतः अथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-व कें, अनुतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अने अधीन निम्नतिस्ति, क्यक्तियों, अधितृ ७——

- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापट्रींज् (प्रा० लि०) हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीप्रदीप कुमार सिहानिया एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) कलकत्ता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---.

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के प्रेस किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रेस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शास्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भी िया गया है।

### वन्स्ची

श्राफिस नं० 8 श्रीर 7 सेवन्थ फिलोर पर (7) प्रैमाईसी 540 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जीं० मार्ग हवीबउल्ला कम्पाउन्ड लक्षनऊ, करारतामा जोकि धर्जन क्षेत्र कम संख्या 75 पर सक्षम प्राधिकारी लक्षनऊ ब्रास्ट दिनांक 1-8-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारींख : 8-4-1985

मोहर

. प्ररूप बाईं टी. एन. एस.-----

# आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 मप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० जी० आर० संख्या 61/37 ईई/एक्यू०---यतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी संब्धाफिसनंव 10 है तथा जो 11, एमव जीव मार्ग हबीब उल्ला कम्पाउन्ड लखनक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के बार्यालय में करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र लखनक में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन दिनाक 1-8-1984,

कर प्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृल्य. उगके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिश्तत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तय वाया च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखिद वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाम की गांवत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

कतः अव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मैं पर्स हलवािया प्रापट्रीज (प्रा० लि०), हलवाितया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उमा नाथ केसरवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्जन के सर्वध में फोर्ड भी नाक्षण .-- -

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य अयिक्त दवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उतर अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विय यश हैं।

## अनुसूर्चा

श्चाफिस नं० 10 फिफथ (5) फिलोर पर, पैमाईसी 137.5 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ, करारनामा जीकि श्चर्जन क्षेत्र कम संख्या 76 पर मक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा विनांक 1-8-1984 को पंजीकृत क्षिया जा चुका है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख 8-5-198**5 मोहर** ध

## प्रकृत् वार्डे.टी.एन.एस.,५०००००००

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ने न्धीन स्वना

#### भारत् तुरकाषु

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) प्रजीन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ , दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० जी भाई० भार० 62 /37 ईई /भक्य/---अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरवात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269 अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सभ्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रतः से **अधिक है** 

और जिसकी संख्या श्राफिस नं० 10 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हबीउल्ला कम्पाउन्ड तखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधकारी के कार्यालय जगरनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ भारतीय भायकर भविनियम 1961 में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1-8-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य ते कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके करयमान पतिफल से, एसे करयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त गंतरण लिखित में शास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- [क) जंतरमु से हुई किसी जान की नामत, खेक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दासित्य में कभी कारने या उससे थयने में सुविधा के सिए: कीर/सा
- (च) ए`सी किसी बाय या किसी भून या अन्य आस्तियौ का, जिन्हें भारतीय वायकर विभिन्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के सिए;

नतः भव, उक्त निर्धानयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सभीतः, निम्नतिष्ठित व्यक्तिवर्धीः, वर्षात् 🌬

(1) मैसर्स हलबासिया प्रापदीज (प्रा० लि०) हलवासिया कोर्ट धजरत गंज लखनऊ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा देवी

(अन्तरिती)

का यह सुवना जारी करके पूर्वीक्ता सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवासियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत. न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रक्कारेकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पृदों का, जो उक्त गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय भौ विया गया ही।

#### नग्त्रकी

श्राफिस नं० 10 फिक्य (5) फिलोर पर पैसाईसी 137.5 वर्ग फिट कामर्म हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीबउल्ला सम्पाउन्ड लखनऊ । करारनामा जोकि श्रर्जन क्षेत्र ऋम संख्या 77 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 1-8-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है।

> प्रसाद Ųο सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र लखनऊ

तारीख: 8-4-1985

मोहरू 🖁

27-46 GI/85

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. =-----

जायकर जॉंभीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के स्भीन स्चना

#### भाउत ब्रकार

कार्बालय, तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षणै)
पर्जन क्षेत्र लखनऊ
लखनऊ विनांक 8 प्रत्रैल 1985

निर्वेश मं० मार जी० माई० सं० 63/37ईई/श्रक्यू०--अतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया ह"), की भारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक ह"

और जिसकी सं धाफिस नं 21, 22, 23, और 24 है तथा जो. 11, एमं जी मार्ग ह्वीचुल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायक घन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय करारनामा जोकि प्रजेन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से इसे व्ययमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से इर्ड़ किसी बाग की बागत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उससे अचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (व) एँसी किसी आग मा किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतीयों इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भाक 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स हलवासिया प्रापट्रोज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ।

(भन्तरक)

(2) श्री एच० एम० एस० रायजादा

(भन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीकत् क्रम्तित् के वर्षम् के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की तारीय है 45 दिन की समिथ या तरसम्बन्धी स्थानतयों पर सूचना की तामीन है 30 दिन की समिथ, जो भी समिथ बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्स स्थानतयों में से किसी स्थानत ह्वारा;
- (व) इस सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भौतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ फिसी बन्म व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास निविध में किए या सकेंदे।

स्थळीकरणः इसमें प्रयुक्त कन्यों नीर पर्योक्षा, को समस्य अधिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा को उस अध्याय में दिना प्या है।

## अनुसूची '

ग्राफिस नं० 21, 22, 23, और 24 भिषस फिलोर पर (6) पैनाईसी 200 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीक्ष्यरूका कम्पाउन्ड लखनऊ करारनामा जोकि ग्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 78 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 1-8-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त भर्जम क्षेत्र लखनऊ।

तारीख 8-4-1985 मोहरः वरूप माइ .टी. एन. एस. -----

नायकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के नुभीन सूचना

#### AUST STATE

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्ीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनक दिनांक 8 भन्नेल 1985

निर्देश सं० ग्राई० ग्रार० सं० 64/37 ईई/ग्रक्यू--ग्रत: मुझे ए० प्रसाद,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे इसके परचात् ''उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों की वह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्परित. जिसका जीवत बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भाफिस नं० 23 और 24 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हवीबउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय करारनामा जोकि मर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय म्रायकर मधिनियम 1961 में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनांक 1-8-1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, एसे अवमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (ब्न्तिहितियों) के बीच एसे अन्तर्ज के लिए त्य पामा भ्वा प्रदि-क्य दिस्लिलिए उद्वेष्य से उनक्ष ब्न्तह्य विश्वत में वास्त्रिक स्य से करित नहीं जिया यथा हैं है नम

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त बर्षिक्ष के स्थीन कुछ दोने के मृत्तरक से बाक्ति के अपी-कहने वा कब्से ब्यन के बृद्धिया के बिए; ब्रॉड/या
- (क) एंसी किसी बाद वा किसी वन या वन्य आस्तियों की, जिन्हें आउतीन वाय-कड़ विधिन्तिय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अय-कर विधिनियम, या अय-कर विधिनियम, या अय-कर विधिनियम, विधिन्न, विधिन, विधिन्न, विधिन्न, विधिन, विधिन्न, विधिन, विधिन्न, विधिन, व

अधः भव, उक्त विभिनियम की धारा 269-न के वनुसरक में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्मीनियत व्यक्तिवाँ, अर्थात् ६—-

सर्स हलवासिया प्रापट्रीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट हजरत गंज, लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

2. मास्टर प्रणय प्रताप सिंह

(1) किसो धिधिका कुमार द्वारासंरक्षक श्री श्ररूण कुमार हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज. लखनऊ

(ग्रन्तरती)

को यह सूचना वाडी कर्ली पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के तियु कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त रूपित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के एाचपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की श्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, जो भी स्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु बुवारा;
- (व) इब स्वा के रावप्त में प्रकाशन की तारीय वे . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वशेहस्ताकरी के वाथ निवित में किए वा सकेंगे।

स्वाकरणः - इत्रमें प्रवृत्तः वश्यों श्रीर पद्यों का, वह अवव विभिन्नन, के वृष्याय 20-क में श्रीरभाष्टि ही, वही वर्ष क्षेत्रा आं उद वश्याद में दिवा गवा ही।

## बनुसुची

ध्रिक्ति नं० 23 और 24 सेवन्थ (7) फिलोर पर पैमाईसी 400 वर्ग फिट कामर्स हाउस में, स्थित 11, एम० जी० मार्ग हबीधउल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ करारनामा जोकि धर्जन क्षेत्र कम संख्या 79 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 1-8-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 8-4-1985

माहरु 🗵

प्ररूप आहे.टी.एन.एस. -----

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बचीन सूचना

#### STEEL STREET

## कार्याजय, सहायक वाधकर आध्वत (निरोक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

संखनक, दिनांक 8 घप्रैल 1985

निदेश सं० जी० भाई० भार० सं० 765/37ईई/एम्झी०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भाकिन नं० 10 और 11(ए) 11, एम० जी० मार्ग ह्यीक्ष उल्ला कंम्पाउण्ड लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, में करारनामा जीकि भर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय भायकर मधिनयम, 1961 के मधीन, दिनाक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके शब्दमान प्रतिफल से, एसे शब्दमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चोदय से उक्त अन्तरण बिखत में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्स समितियम के स्थीन कर क्षेत्र के कलारक के बादित्व में कभी करने का उसके क्षेत्र में सुविधा के सिहा; और/वा
- (व) ऐसी किवी जाव वा किसी धन या बन्य आस्तित! का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नृहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वी खिछ;

अतः अस, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, असत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैत्समं हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज लखनऊ। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रानिल मंदि। मोदी इण्डस्ट्रीज मुनम (पंजाब)

(भन्सरिती)

को बहु बुचना जारी करके पूर्वोक्त बंगरित के बुचेंब के जिल् कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

बन्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय वें
  45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्चना के राजपक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए वा सक्ति।

स्यष्टीक रण: ---इसमें प्रयुक्त कर्मा और पदों का, भी उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

## नगृजुर्जी

धाफिस नं 10 और 11 (ए) सिक्स (6) फ्लोर पर पैमाइसी 515 वर्ग फिट कामर्स हाउम में स्थित 11, एम जी जार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ, करारनामा जो कि श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ में, श्रर्जन क्षेत्र कम संख्या 80 पर दिनांक 1-8-1984 को सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिनांक पंजीकृत किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

धिनांक : 8-4-1985

मोहर 🗈

## प्रस्य भाष्ट्रं . दी . एवं . एवं . ----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बभीन सुचना

#### शारत सरकाड

कार्यास्य, सङ्घायक भागकार बांगुक्त (निलीका)

श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 श्रप्रैल 1985

निदेण सं जी आई० भार० सं 66/37ईई/एक्की०----यतः मझे, ए० प्रसादः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं श्राफिस नं 8 और 9 है तथा जो 11, एम o जी o मार्ग हवीब उल्ला कम्पाउण्ड लुक्ज में स्थित है (और इससे उपाबड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री- कर्ता श्रिधवारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीक रण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के करारतामा जोकि शर्जन क्षेत्र लक्जनऊ, भारतीय शायकर श्रिधित्यम 1961 के श्रीत, दिनांक 1-8-1984,

को प्रोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यकाल प्रित्तफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तरिव किया गया है क्ष्रय से क्ष्य से क्ष्रय से क्ष्य से क्ष

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वायदा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्लरक को दायित्य में कमी करने या उससे क्याने में ह्युविधा के सिद्ध; वर्षर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तिकां को, भिन्हीं भारतीय जाब-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था वा किया दाना आहिए था, किया में स्विता की सिस्ता

भतः अव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के वन्सरक् में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन निम्बत्तिकित व्यक्तियों, वर्षात् ह—

- (1) मेसर्भ हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट हजरत गंज लखनऊ। (भन्तरक)
- (2) 1 मास्टर मनीम झुनझुनवाला
  2 मास्टर मगीप झुनझुनवाला
  3 मास्टर रिषि झुनझुनवाला
  पिना और मंग्क्षक श्री सजन कुनार झुनझुनवाला।
  (भ्रन्तरिती)

को बहु सुभूना भारी करके पृथाभित स्मातिस के अन्ति के विष्य , कार्यवाहियों करता हु।

उच्य सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 दिन की जनभि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर
  स्वता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी
  जनभि बाद में समाप्त हाँती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाधा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-सब्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसूची

भाफिस नं ० 8 और 9 फिपथ (5) फ्लोर प्र पैमाइसी 550 वर्ग-फिड काममें हाउस में स्थित 11, एम० जी० मार्ग ह्बीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ। करारनामा जीवि भर्जन क्षेत्र कम मंख्या 81 पर राक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनाक 1-8-1984 को पंजीहत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, ल**ख**नऊ

दिनांक: 8-4-1985

## प्रकृष बार्च हुँ हो , एर , एर , ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के जभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्दीक्षक) भर्जन क्षेत्र, लखनऊ

संखनक, दिनांक 8 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० जी० माई० मार० सं० 67/37ईई/एक्बी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार काँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हाँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हाँ

और जिसकी सं० भ्राफिस नं० 8 और 9 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग हबीधउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ सें स्थित हैं (और इससें उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकरी के कार्यालय करारनामा जोकि भर्जन क्षेत्र लखनऊ, भारतीय भायकर भिधनियम 1961 के भधीन में दिनांक 1-8- 1984,

को पूर्वों वत संपत्ति के उचित वाकार मून्य से कम के दरयमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वों वत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, इसे दरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निष्न्न लिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सम्बद्ध से हुई किसी नाम की बान्त, अन्य निश्चित्तवा के जभीन कर को के नंतरक के सामित्व के सभी करने वा अत्रसे अपने में सुनिभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आव वा किसी धन वा कम्ब वास्तिन्तें का, जिन्हें भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए:

वतः कवः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में .- उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वृधीन, विभन्नियिक व्यक्तियों, वर्धात :--

- (1) मेसर्स ह्लवासिसया प्रापर्टीज प्रा० लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नेहा मोदी (नाबा) द्वारो संरक्षक ग्रनिम लोदी, मोदी इण्डस्ट्रीज, सुनम (पंजाब)

को यह सूचना आही करके पूर्वोक्य सम्मति के वर्षन् के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकोंगे।

स्पादीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### भनुसूषी

भाफिस नं 8 और 9 सिक्स (6) फ्लोर पर पैमाइसी 540 वर्ग फिट कामर्स हाउस सें स्थित, 110 एम जी जी मार्ग हबीब-उल्लो कम्पाउण्ड लखनऊ/करारनामा जोकि भर्जन क्षेत्र कम संख्या 82 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 1-8-1984 को पंजीहत किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भायकर भायक्त (भर्जनक्षेत्र) लखनऊ

दिनांक: 8-4-1985

मोहर ः

## प्रकर बाह्यु टी , एन , एस , =====

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## बाइव बुडकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

पर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 मप्रैस 1985

निर्वेश सं० जी० श्राई० शार० सं० 68/37ईई/एम्बी०---यत: मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा दिला के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं आफिस नं 11 बी और 12 है तथा जो 11, एम जी जमार्ग हबीबउल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ से स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), करारनामा जोकि भर्जन क्षेत्र लखनऊ आयकर भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंहरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित अव्योध्य से उक्त बन्तरण लिखित में में बान्तविक रूप से कांचन नहीं किया गया है :——

- (क) वश्यरण वे हुई किसी बाव की वाबस, उक्त विधिनयन के वधीन कर दोने के बन्तरक के वादित्य में कमी कहते वा उच्चे दचने में तृतिशा से मिए; और/वा
- (क) ए'सी किसी जान ना किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर वृधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया जा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा की हिन्छ।

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बर्न्सरण में, मैं, उक्त आंधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) मेसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोट, हजरत गंज लखनऊ । (धन्तरक)
- (2) श्री श्रनिल मोदी (एच० यू० एफ०) मोदी इण्डस्ट्रीज, सुनम (पंजाब) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी वाक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्यारा जभोहस्ताकरी के पास निकित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्ष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, वा उन्त निर्धानयम, के नभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं ज़र्भ होगा, को उस नभ्याय में दिया गया है।

## ननृत्यी

इ. फिस नं 11 बी और 12, सिक्स (6) फ्लोर पर पैमाइसी 515 वर्ग फिट कामर्स हाउस सें स्थित 11, एम ० जी० मार्ग हबीब-उल्ला कम्पाउण्ड लखनऊ करारनामा जी कि धर्जन क्षेत्र कम संख्या 83 पर सक्षम प्राधिकारी लखनऊ द्वारा दिनांक 1-8-1984 को पंजीकृत किया जा चुका है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर भायुक्त धर्जन क्षेत्र, स्वनऊ

दिनांक 8-4-1985 मोहर: प्रस्प आहें, टी. एन. एस. = = = ==

नायकर निर्धानयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नधीन स्वता

#### सारत सरकात

कांयतिय, **शहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)** अर्जन क्षेत्रं लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 27 मार्च 1985

निर्देश स० जी० आई० आर० सख्या ए—167/एसकी०---मत मुझे, ए० प्रसाद,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का स्थित बाबार बृज्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

श्रीर जिसकी म० आराजी है तथा जो 5 पार्क रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-8-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिकात से मुभिक हो और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किथित नहीं किया गया है प्र---

- (क) अंतरण वे हुई किती नाय की नायत, उक्त निधिन्त्र के न्धील कर धेने के जंतरुक के वावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; नौर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

जतः अव, उक्त जरिशियमं की भारा 269-ग के जनुसरण जो, मी, उक्त जिशियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निकालिकित व्यक्तियों, जर्मात् ह— (1) श्रीमती शान्ता थापर

(अन्तरक)

(2) डा० आरिफ अहमद कुरैंगी

. (अन्तरिती)

(3) केता (बह्न व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना आरी करके प्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित अव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी व पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## ननसूची

आराजी पैमाईस 5988 12 वर्ग फिट स्थित 5, पार्क रोड, लखनऊ जिमका पजीकरण रिजन्द्रीकरण अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 17-8-1984 को किया जा चुका है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहीयक आयकर आयुक्त (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

विमांक: 27-3-1985

मोद्देश 🛮

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

क्हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० सं० ए-168/एक्वी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० आराजी है तथा जो वजीर हसन रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय लखनऊ में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक 9-8-1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गितफल को लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्हित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना को हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :—- 28—46GI/85

(1) श्री मनोज कुमार जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीज अहमद

(अन्तरिती)

(3) फ़ेता (धह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-ं नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

आराजी पैमाईसी 5000 वर्ग-फिट स्थित वजीर हसम रोड, लखनऊ जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में विनांक 9-8-1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन क्षेत्र) लखनऊ

**दि**मांक : 27-3-1985

मोहर ;

प्रकथः आहे. टी. एतः एसः - - - -

जाधकर जाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्वता

#### भारत सहकार

कार्यासयः, सहायक आमकर साम्रकः (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

ृतिदेश सं० जी० आई० आर० सं० ए-169/एक्वी०--यत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु.-से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० सी०-384 है तथा जो महानगर हाउमिंग स्कीम लखनऊ में स्थित है (धौर इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनाक अगस्त 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी माय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे तचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (च) ऐसी किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अवाध नहीं धिना गए। वा या किया जात वाहिए धन ति ।

अत्र गथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्नोलिकित व्यक्तियों, अर्थात थ — (1) श्री शिव . बुलारे लाल

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

(3) केता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां जश्ता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यव्योकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाप्ट नं० सी०-384, मेक्टर, बी, पैमाईसी 3078 वर्ग-फिट स्थित महानगर हाउभिंग स्कीम, लखनऊ (जैमा फर्म 37-जी संख्या 244 में बीणत है), जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में अगस्त 1984 को किया जा नुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, ल**ख**मऊ

दिनांक: 27-3-1985

मोहर 🖫

त्रकत कार्यः टी. एव . एव . -------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के निधीन सुचना

#### भारत बरकार

## कार्यात्तय, सहायक नायक ह भावन्त (निहाशन)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० बी—129/एक्वी०——यतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम् इसके परचाक् 'उक्त अधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-ख के नभीन सभाग प्राधिकारी की यह निक्यास करने की कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मकाम नं० 124 सी है तथा जो सिविल लाईम, बरेली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनसूची में स्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके रह्यमान प्रतिफल स एमें उस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पावा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबता, उपर वरिष-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; वरि/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या बन्न आस्तियों की चिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) ऋ प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा के बिका:

बतः अव, उक्त विविश्विम की धारा 269-म के बन्दरक में, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) वे वधीन, निम्निविश्व व्यक्तिक्यों, वर्षाय ह— (1) श्रीमती अगिया देवी।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू महाबीर सरन अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कामकाहियां कारता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़' भी आक्षेप .----

- (क) इस सूचना को द्राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में शिशास्त्रः फिसी अन्य स्थक्ति द्वारा अवस्ति। अन्य अस्ति सिसित में किए सा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्वी

मकान नं 0 124 सी 0, सिविल लाइन, नियर हैंड पो 0 आफिस, बरेली (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6318 में वर्णित हैं) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरेली के कार्यालय में अगस्त 1984 को किया जा चुका हैं।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र , लखनऊ

दिमांक : 27-3-1985

मोहर:

## प्रकृत आहे . की . तुन् . द्व . ......

## बारकर अर्डिभनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### नारुत सरुकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एफ-7/एक्वी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान मय भूमि है तथा जो मोहल्ला गलगहीय, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर भूपों रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित वाजार मृस्य असके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पेवृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्तिनीचत उद्वेष्य से उच्त अन्तरण सिचित में वास्तिविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- ग्रैंक) अन्तरक से हुई किसी आय की वायतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कजी कर्न या उससे अधने में सुनिधा की लिए, और/वा
  - (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृषिधा के लिए;

भृतक, ज्व, उन्त निधीनवन, की भारा 269-म की अनुसरक ने, मी, उन्त निधनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निध्निजियन व्यक्तियों, अर्थात हु---- (1) श्रीमती गोराजी वेवी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फातिमा बेगम।

(अन्तरिती)

(3) विकेता । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्नत् संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध,, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्व्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: इंसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गवा है।

## ननस्थी

मकान मय भूमि पैमाइसी 224 वर्ग-मीटर स्थित मोहल्ला शहीद मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 5921 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक अगस्त 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 27-3-1985

मोहर: .

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ~~~~

आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या जे-78/एक्वी०---यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर शांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि मय बिल्डिंग म० नं० 498/163, फैजाबाद रोड, थाना, हमनगंज, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नतिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किस् आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आव या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री अवधेश कु० शोरे।

(अन्तरिक)

- (2) 1. श्री जगदीश प्रसाद
  - श्री शरद कुमार अग्रवाल
  - 3. श्रीमती गंगा देवी
  - 4. श्री रंजम गर्ग
  - श्रीमती प्रतिमा अग्रवाल
  - 6. श्री पवन गोयल

(अन्तरिती)

(3) क्रेता

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पृथींभत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोकत स्थितनारों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींचे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं सर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननसची

भूमि मय बिस्डिंग म० नं० 498/163, जो बंगला नं० 3 के नाम से परिचित है। स्थित फैजाबाद रोड, थाना हसनगंज, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 8838 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्क्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

विमांक : 27-3-1985

मोहर 🚜

प्रकृष मार्घ. टी. एन. एस.-----

बायकार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

कार्यालय, धहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० एस-361/एक्बी०--यतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनिरम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० बंगला नं० 5 है तथा जो सरदार पटेल मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल को प्रसे दृश्यमान प्रतिफल को प्रसे दृश्यमान प्रतिफल को प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नविखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन् था अन्य आस्तियां को विन्ह भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (१९५२ का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए'चा, जिया सिवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपभादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री जगन्नाथ प्रसाद

2. श्री प्रताप चन्द्र

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्यामा देवी

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित न किए जा सकेगे:

स्थव्योकर्ण: — इसमें पम्कत सम्बां और पवां का, जो उसत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अपृस्ची

बंगला नं० 5 मय भूमि पैमाइसी 4042.175 वर्ग मीटर स्थित सरदार पटेल मार्ग, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी, संख्या , 8727 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में अगस्त 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक : 27-3-1985

मोह्य 🕄

प्ररूप बाह्र टी एन एस -----

# आयकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ग्र, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3366/II—अत: मुझे, जी० के० पंडया,

बायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, रिज्यका र चित्र बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

म्रो जिसकी स० दुकान स० 107, बोम्बे मारकेट, सूरत है। तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन जूम 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विरुवास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप सं किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम से हुइ किसी नाय की बाबल, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्भ बचने में मृतिभा के सिए; अट्टि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन जन्य कास्तियों की जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तन अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) बोम्बे मारकेट आर्ट सिल्क को० ग्रो० (दुक्तान ग्रौर गोडाउन) सोसायटी, उमखाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मे० गीटेक्ष एण्टरप्राईम जयन्तीलाल भीखाभायी णहर क्रोस लेन बम्बई ।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए बाय पहिल्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों भर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि घाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

 स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जम अध्याय में दिका नया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। आयक्तर अधिनियम की धारा के अनुसार का फोर्म 37ईई पर कार्यालय में जून-84 में .पेण किया गया है ।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जेन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 4-3-1985

मोहर:

## प्ररूप वाइ.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज—II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च. 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3367/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया,\_

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कि एक पर अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-एक से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं दुकान नं 607, बोम्बे मारकेट को श्रो० है। तथा जो (दुकान ग्रीर गोडाउन) सोमायटी, उमपाडा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 37ईई का 16 के अधीम, दिनांक जूम 1984,

को पूर्वोक्त अंपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए रूप पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखितों में गम्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर विनेके अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा %! लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन नर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बोम्बे मारकेट आर्ट सिल्क को० श्रो० (दुकान श्रौर गोडाउन) सोमायटी , उमरपाडा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती खुमानदेवी देवीलाल णाह आध्वा लाईन्स , मूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मांस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से . 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिंधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। आयकर अधिनियमकी धारा के अनुसार का फार्म 37ईई यह कार्यीलय में जून 84 में पेण किया गया है ।

> ्र जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज~II, अहमदाबाद

दिनांक: 4-3-1985

मोहर :

प्रकल बाह्री हो । इत्या एड्या व्यवस्थानसम्ब

भावकर खाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत संस्थार

कार्यालय, सहायक वायकर भायकर (निरीक्षण) प्रकृत रेंज, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनायः 13 फरवरी 1985 निर्देशमः० पी० प्रार० म० 3368/II─—प्रत मुझे, जी० के० पिष्ठया.

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् उकत जीभिनियम' सहा गया हुँ), की भाष 269-च के जभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धि, भिसका उचित बाजार मृत्य 300,000/-क से बधिक हैं

और जिस्ती सं ० व्लाक नं ० 21, प्याट नं ० 16 हैं तथा जो सूरत में रियत हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणिन हैं), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक अगस्त 1984,

को पूर्वाकन सपित के उपित बाजार मूल्य से कम के पह्यमाण प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और म्में यह विष्वास करने का कारण है कि गम्पान्तिक स्पारत का उचित वाजार मूल्य उसके हर्यमान प्रतिफल से, एसे हर्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अलारिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत जंतरण निस्त में गास्ता अक रूप से किया नहीं मिना गया है :--

- (क) अन्तरण से शृष्ट किसी अप की भारत, उक्त जीवनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक की दावित्य में अभी करने या उससे नवने में सुविधा के दिख; मरि/वा
- (क) एंसी फिसी आय था किसी धन या अन्य अन्तियों मां रिक्ट्रे नारतीय नामका प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के जिए।

(1) श्री मनुभाई कोट्भाई दसाई बिलिमोरा मुरेका चुरुदराय दमाई । सिवदास जबरी की शेटी । सूरत ।

(श्रन्तरक)

(2) चुनी ताल सदालाल राजीव नुनीलाल उमरा सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वाक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सबध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकादन की तारीय है
  45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तानोल स 33 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  अयोक्सयों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इस सूचना को द्राजपत्र में प्रकाशन की तार्द्री है वें 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकांग।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयूक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

#### अनुस्ची

मिलिक्यित जो सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार सूरत में 4533 नम्बर पर ग्रगस्त 84 में रिजम्टर्ड की गई है।

जी० के० पडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)
ग्रजनरोज-11, ग्रहमदानाद

दिनाय 13-2-1985 मो**हर** 

## प्रमण् नेपा, ही, एवं, एवं, कार्य

## बावनार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 259-थ (1) के अभीन मृज्या

#### THE COME

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-11, श्रहमदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1985

निर्देण सं०पी० श्रार० सं० 3369/∏--श्रतः सुझी, जी०) के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गृह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक, है

और जिसकी मं ० दुकान मं ० 2250, सूरत टैक्सटाल मारकेट, हैं तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबंध प्रनुसूची में और पूर्ण एप मे विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 31-8-1984,

को प्रामित सम्मांस के अधित बाबार मूल्य से कम के रहममान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्षेशय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- िक) जन्तरण से हुई किसी काय की बाबत अवन अधिनियम के कथीन कर बोने को अन्तरक के श्रीयस्य में कभी करने या सकते बचने में समिशा के लिए; धीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या क्षान जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम, या भजकर जीभनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिरही दुनारा प्रकट नहीं किया यका था या किया जाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के जिल्हा,

अतः अबं, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-मं के अन्सरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीयसं क्यींनतयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कौशलदेवी राजकुशार मूरत, ग्रीम्बा लाहुक्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) एन० पी० मन्स्टर एण्ड सन्स (1) गोरधनदास नाथामायी मास्टर, सटगमपुरा, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां गुरू करता हुं।

इक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इब अ्थना के राजकम के प्रकारक की तारी है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस स्थाप में दिया गया है।

## अनुस्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सत्र राजिस्ट्रार, सूरत में 8220 नम्बर पर दिनांक 31-8-84 में राजिस्टर्ड की गयी।

जे०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सिहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-117,धहमदाबाद

दिनांक: 14-2-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

**बायकर् बिधितियम्**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन मृत्युता

#### STATE STATE

## कार्याम्य, सहायक आयकार आयुक्त (विरीक्षण)

श्चर्जन रेज—II, ग्रह्मदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांव 24 फरवरी 1985 निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 3370/II—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० दुकान सं० 3275/मूरत टैनसटाइल, है । तथा जो सिंगरोड, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुपूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 31-8-1984,

का पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयुगन प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की पह है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली जान की बाजस, अक्ष मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्यक्क के शासित्य में कभी करने या उससे बजन में सूचिया को लिए; कीन /मा
- (क) एने किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 मान्य अस्तियों करें अधिनियम, 1922 मान्य अस्तियों कर अधिनियम, 1957 का 27) के अविकास अन्य स्तियों अन्य स्तियों स्वार। प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा खें किए:

जतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीव, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री मरीन्दरकुमार दानदास रांदेर रोड, मूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० लीयरपुरी सिल्क मिल्स, मणीलाल नागरदास, बेगमपुरा, भूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति को, अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करुता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कैं 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किए का सकेंगे।

रपष्टीकरणः --इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस्क अध्याय में दिया वसार्थ ।

#### अगुसुची

मिल्कत जो सूरत में स्थित हैं। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 8197 नम्बर पर दिनांक 31-8-84 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रज न रॅग-II ग्रहमदावाद

दिनांक : 24-2-85

माह्य 🖫

## प्ररूप नार्च .टी.एम.एस.======

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभाग

#### रियम्बर संस्कार

कार्यातद, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-II, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 14 फरवरी 1985

निर्देश सं०पी० ग्राप्य न० 3371/II-- ग्रतः मुझे, जी० केर पंडया,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० दुकान न० सी०-1006, हैं। तथा जो सूरत टैक्सटाइल मारकेट सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजद्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 वर्ष 16) के अधीन, दिनाक 24-8-1984,

को प्वों तत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम क द्यमान प्रीतफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपित्त का उचित नाजार मूल्य, उसक क्रयमान प्रतिकत सं, एस क्रयमान प्रतिकत प्रमुख्य अनित्ति के बीच एस क्रयमान प्रतिकत के कारण के लिए तम पास अतिरिती (अल्डिनियी) को बीच एस अतरण के लिए तम पास गया प्रतिकत्त निम्नितियी) को बीच एस अतरण के लिए तम पास गया प्रतिकत्त निम्नितियी। उच्चे के बीच एस अतरण के लिए तम पास गया प्रतिकत्त निम्नितियी। को बीच एस अतरण के लिए तम पास गया प्रतिकत्त निम्नितियी। वहीं किया गया है ---

- (क) नंतरण सं शुर्ध कियाँ नाय का अवल, उपक अधिनियम कं अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस अचन में सुविधा क रि.ए, जीकु/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयं-कर क्षेत्रियिय 190. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुन्या में भी हुए।

कता श्रम उक्त विधिनयम की धार्य 269-ग के अनुसरण जो, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-च की उप्धारा (1) के नचीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों, नचित :---

(1) श्री नल्लुभायी एण्ड मन्स मोहनलाल, नल्लुमायी सलसतपुरा, सूरत ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रवृमार रतनलालयी, सलबसपुरा, मूरत ।

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जा<u>डी</u> कद्रके पूर्वीक्त संपरित के अर्थम के लिए कार्यवाहियां करता ह**ा**।

उक्त भागीस । अर्चर के धराध में काड़ भी आक्षण :--

- (दा) अस सचार के राजपंत्र में प्रयोशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तिसर्गे पर सूचना की तामील से 30 दिन कीं सर्वाभि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त हाती हो। भी भीतर पर्वितन क्यांक्लों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर मतन भयोग मा हितवद्व किसी मन्य व्यक्ति द्वादा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पच्छोकरण - इसमी प्रयाप्त शब्दों और पदों का, जो उकर अधिनियम, । नधाय 20-वा मी परिभाषिर हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिय मया हो।

#### प्रचारी

मिलकत जो सूरत में स्थित है सब राजिस्ट्रार सूरत में 7168 नम्बर पर दिनांक 24-8-84 में राजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकरू ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

दिनाकं : 14-2-85

मोहर 🖺

## प्ररूप बाह् ु टी ु पुन् . एस : -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यान्य, सहायक नायकर जायकर (निरक्षिण)

अर्जन रेज-Il अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3372/П—अतः मुझ, जी० के० पंड्या.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्वचाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान सं० — राज्य, 2154, सून्त टक्सटाईल मारकेट, है। तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधियिनयम, 1908 (1908 का 16)- के अधीन, दिनांक 18-8-84.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- ्रीक) नंधरण से हुन्दै किसी शाय को नामता, उक्ट अभिनियम के स्थीन कर दोने के व्यवहरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिको को, चिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती व्यक्तर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण भें, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-चं की उपधारा (1) अधिक, निम्मिमिचित स्पनितयों, अधिसु ॥—— (1) श्रीकिशन नन्दिकशोर जीन्दाला घनण्यामदास एण्ड कं०, न्यू सड़क, दिल्ली-6

(अन्तरक)

(2) मे० यतनाभ सिल्क सूरत टक्सटाईल मारकेट, रिगरोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्वक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर अस्त स्थानर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकारण :— इपमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उम्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय औ दिया गथा है।

#### अनुसूची -

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में सूरत में 6903 नम्बर पर दिनांक 18-8-84 में रजिस्टर्ड की गयी है।

जी० े० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदा**धाद**े

दिनांक: 14-2-85

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एख ु-----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 15 फरवरी 1985

निदेश सं० पी० आर० न० 3373/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कक्क मया है), की भाष 269-क के अधीन तक्षत प्रशिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000,'-रायवे से वाधक है

म्रांर जिसकी स० 228/2/1 2/2/1 1, 229/2/1/1212/1 है। तथा जो बजलपुर रोड, नवसारों में स्थित हैं (ग्रींर एनमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवमारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिभाक 17-8-84,

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्ति सित्ता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किशत नहीं किशा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नानत, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तर्स के दायित्य में कबी करने वा उससे बचने में बुक्थि। स्त्रे लिए; और/बा
- (ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर्म का, जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकालनार्थ अंतर्भी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के किए:

ं अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् "—

(1) में देनाई एण्ड देसाई एसोसिएटडट्स न्यू नागरदास रोड, ग्रेधेरी (ईस्ट), . बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्थियद्वराम रणछोडू जो नायक श्रीमती ज्यानिबटन ए० नायक मृष्णा सोमायटी,

(अन्तरिती)

को मह सूचना बार्रा करके पृथीकत सम्पत्ति के अर्थन के लि कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविष बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क् इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 ते., के नीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ष (कसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्युत्त में किये था सकारी।

ध्यख्दीकारणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उन्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, बहुी कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनस<del>र्य</del>ी

मिलकत जो नवसारी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 2037 नम्बर पर दिनाक 17-8-84 में रजिस्टर्ड की गमी है।

जी० के० पंडया सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण'), अर्जन रज—II, अहमदाबाद

दिनांक : 15-2-1985

मोहर:

प्ररूप. बाह्यं, टी एक. एस. -----

कार कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-थ (1) के अभीन सुभना

भारत खरकाड

कार्यालय, महायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 2 मार्च 1985 निदेश स०पी० आर० न० 3374/II—अतः मुझे, जी० के० पडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रशान 'उत्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन मक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं दि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बण्ण मन्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर, जिसकी स० 246/ए टी० पी० एस० 289/सी-1 है। तथा जो दौड, सूरत में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्या म वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय; सूरत क्रिस्ट्रीकरण एअधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार गृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यशापुनेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, 'एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अतिरति (अंतरितिमाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जलरण सं हुई किसी गाम की गायत, पार अभिनियम के अभीन कार दोने के जलारक के वासित्य में अभी कारने मा उसमें क्याने में सुविधा के सिद्ध; आर्थ/या
- (स) ए में जिसी नाय या किसी भन पर गय आस्तियों कर, दिन्हों भारतीय आय-व्यर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-भार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तिरा प्रवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिम के सिय;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, मैं, अबत अभिनियम की धारा ?69-थ को उपधारा (११ के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रो रजनीकात शभुलाल झवेरी सलयतपुरा, सूरत ।

(अन्तरक्)

(2) एस० ए० बिल्डमे,
द्रस्टी,श्री भग्तकुमार आर० शाह
दिवालीवाग
आम्बा लाईन्य,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के समंज में कोई भी शाक्षप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविश्व या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में सम्राप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्ल स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाएं;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे .

्रम्बद्धिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी स्थल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिक्रमभार ही, वहीं अर्थ होगा तो उस अध्याय में दिया भमा है।

## वन्स्ची

मिलकत जो कि सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 5587 नम्बर पर दिनाक अगस्त, 84 में रजिस्टर्ड की गयी है।

जी० के० पडया राक्षम प्राधिन्हारी महायक आयक्षर आयुष्टत (निरीक्षण) अर्जन रज—III, अहमदाबाद

दिनाक · 24-3-1985 मोहर · '

## प्रक्य बाह्ये, द्री. हुन्, क्व. ----

## बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाल 269-च (1) के अधीन स्वका

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आर० नं० 3375/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रेशिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्भीता. जिसका उचित भाषार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० दुकान सं० 326 1, सूरत टक्स थाईल है। तथा जो भारकेट, सूरत में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-8-84,

को प्यांक्त संपत्ति के उचित बाचार मुस्य से कम के कारवान श्रीतफन के लिए मतिरक्ष को गर्क हैं और मुख्ये वह विक्थान करने का कारण हैं कि यथापूर्क जिल्ला को उचित बाचार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एने दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से मीधक हैं और मन्तरक (मन्तरकों) जोर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया इतिकास, निम्हीसिक सद्देशों से बस्त बन्तरच जिल्लिय में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) सम्प्रत्म ने हुए फिक्षी बान की बान्तु, क्रक्तु अभिगृत्वन के स्थीन कर दोने के बन्तुर्क के द्वित्व में क्रमी कर्तने वा क्त्वों वचने में सुविधा के जिल्हु; और /मा
- (था) ऐसी किसी अन्य या किसी धन या अन्य बास्तिओं की जिन्ही भारतीय साथ-कर समिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उच्च अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्लाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकासि शिवा क्यांक्रियमें हैं। स्थानि हरू—

(1) श्री गांपीचन्द काटुराम भाटिया सजय सोसायटी, सोमनाथ महादेव रोड, आम्बा लाईन्स, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजन्द्र ध नपतराय, सिद्धराज सोसायटी, तिमलिया बांड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

रक्त सम्पत्ति से कवंग से सम्बन्ध में मोद्दी भी वाकोप है---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अव्धि, जो भी अध्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतित व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति बुवाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कम्पीस में हिंसबर्ध किसी अन्य स्थावत स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए या स्कीन 1.

#### मनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 6691 नम्बर पर दिनांक 8-8-84 में रजिस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--II, अहमदाबाद

दिनांक : 2-3-1985

मोहर 🖫

#### श्रुव्य बार्ड . टी., पुर्व , पुर्व , ज्याना स्थाप

बायकार जीधीनुरम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### BISH USUN

## कार्याम्य, सङ्ग्राक भावकर भावन्य (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 2 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर. नं० 3376/H—अत: मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर निर्धाननम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें परचात् 'उनत निर्धानयम' बद्धा नया है), की पारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00000/- रा. से जिधक है

ग्रीर जिसकी सं० आर०-3104, सूरत टेक्सटाईलस, मारकेट है। तथा जो रिंगरोड, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अ नुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्वित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्वित बाजार मूल्य, इसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण कि बित की वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिकका के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी भन वा बन्य वाहितवीं को जिन्हों भारतीय भाव-कर विभिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उपत वहिंपनियम, वा भनकर वृष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रकायभार्थ बन्हरिती बुवारा प्रस्ट वहीं किना गया था या जिल्ला जाना वाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के सिस्:

बत्ध अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, नियनितिश्वित व्यक्तियों, अधीर :--- 30-46GI/85

(1) श्रीमनी सूर्याराजी राजेश्वर प्रसाद आठवा लाईन्स । सूरत ।

(अन्तर्कः)

(2) नगीनदास त्रीभावेनदास द्वारा नगीना बदर्स रिंग रोड, सूरक्ष ।

(अन्तरिती)

को यह सूच्या जारी करके प्यॉक्त संपरित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां कड़ता हों।

## इक्त क्रमरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई **की वाक्षेद:**--

- (क) इब्र सूचना के राज्यका में प्रकासन की तार्त्रेख से 45 हिंग की स्पृद्धि का स्टब्स्ट्रिओं कार्त्रियों पर सूचना की ताबीक से 30 दिन की नविभ, को भी क्यां वाद में समाप्त होती हो, से भीदर पूर्वों कर क्वित्रकों में से किसी स्वतित स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन से शीतर उच्च स्थानर सम्मात्त में हितनहुष् किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताझरी के शास् सिकित में जिला का सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगस औ

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 8472 नम्बर पर अगस्त-84 में रिजस्टर्ड की गयी है।

> ज़ी० के० पंडया सक्षम प्राधिका ही सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाट

दिनाक : 2-3-1985

मोहर 🖟

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना भारत शरकार

कार्यालय, तहायक जायकार धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमधाबाध

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च 1985

निर्वेश सं० पी० आर० नं०  $3377/I^{I}$ —अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इत के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पी० 2047, सूरत टक्सटाईल्स है। तथा जो भारकेट, सूरत में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीम, दिनांक अगस्त 1984,

का पूर्वोक्ता सम्परित के स्वित बाजार मृत्य से कम के दृश्याण प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के जमुसार अन्त-रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार कृत्य, उठके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्वभान प्रतिफल क्ष्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एती किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ काँ, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः कथ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में उथत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री भवनलाल गणेशलाल जैन ग्रंसीका भवन, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश भगवानदास गुप्ता आठवां लाईन्से । सुरत ।

(अन्तारता)

को यह सूचना ब्राह्मी करके क्वोंक्स सम्पत्ति के अर्चन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ए---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास चिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण क्ष्ममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बदा हैं।

## नगृज्ञी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 5390 नम्बर पर अगस्त 84 में रजिस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-I<sup>I</sup>, अहमदबाद

दिनांक : 2-3-1984,

मोहर:

प्ररूप आहुरै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिस्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्माक्षण)

अर्जन रेंज-ाा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं०पी० आर० नं० 3378/II-अतः मुझे, जी० के० पंडया.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं ० 64, 65 पैकी 72, प्लाट नं ० 77 है। तथा जो उमरा, सजनं सोमायटी, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, दिनांक 27-9-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उब्बेच्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की गयत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दादित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतर्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती शांतासदन प्रेमाभायी उमागर,
 कं/ग्रो० प्रवीससह टी० सोलंकी
 उमरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रविणसिंह, तेजमल सोलंकी उमरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधीध, जो भी अधीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

मिलका जो उमरा, जि० सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 7741 नम्बर पर दिनांक 27-9-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

दिनॉक : 8-3-85

मोहर :

प्ररूप बार्ड्, टी., एन., एस., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

#### भारत सहकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन नेज-ध, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 8 मार्च 1985

निर्वेश स० पी० आर० स० 3379/II—अतः मुझे, जी० के० पडया.

जायकर जिथिनियसं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिथिनियसं' कहा गया है), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पृत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० दुकान न० 61-62, 451 उमरवाडा, है। तथा जो रिंगरोड, सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में भ्रौर पूर्ण से वृणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 4—

- (क) बंतरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन करे दोने के बंदह्क के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (क) इसी किसी बाब या किसी धन वा बन्स कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

बतः अब, उक्त विधिनयम की भारा 269-ण के अमृतरण वें, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तिवों, अर्थात्:--- (1) श्री तुलसीमायी जोयताराम पटेल श्रौर अन्य सूर्यनगर, सोसायटी, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजयकुमार रतनलाल व्यास । दुकान स० 61+62 , रिगरोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोच्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हुए।

उनत सम्पत्ति भी नर्जन के सम्बन्ध भी कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तासीस से 30 दिन की अविधि, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवार;
- (व) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितकस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शब लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिवा नवा हैं।

#### अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। एस रजिस्टार सूरत 6384 न० पर दिनाक अगस्त 1984 रजिस्टर्ड की गई है।

> जीं० के० पडया सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेज—II, **भ्र**मवागाद

दिनांक 8' --3-1985 मो**हर** ध प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्वना

#### भारत बर्कार

काबीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जनरेज-[1,प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 3380/II—श्रतः मुझे, जी के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 306, बोम्बे है, तथा को उमरबाडा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमसाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन, दिनाक कुन 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, असके द्यमान प्रतिफल से, एचे द्यमान प्रतिपाल का पन्मह प्रतिशत से विधिक है और वतरक (अंतरकों) और वतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष, जिम्मित्वेष्ट स्वदेश्य स द्यन्त वनस्त्य विद्या विद्या वे वाद्य-विक रूप से कृतित महीं किया पया है हि—

- (क) बन्ताहरू से हुइं किसी बाब की वायत्, उक्त अधिनियम् के वधीन कर दोने से बन्तरक को दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्रीडा/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी वन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् जिसिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थ अन्तीरती दुवारा प्रकट नहीं किया धना वा वा किया थाना जाहिए वा धिमाने में सुनिया के दिन्ह

अतः अब, उक्त अधिनिय्म की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकिक स्पिक्तरों, अधिक क्र--- (1) -कोम्बे मारकोट स्नार्ट निल्क को० ओ० (दुकान और गोडाउन) सोसायटी, उमरबाडा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गणेशभाषी हंस भाषी कंथारिया सदर रोड, श्रडापण पाटिया, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्च सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप ह-

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिए मा तत्सन्तन्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिस की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर क्युक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के सब्द त्यारा अभोहस्ताक्षरी के सब्द त्यारा अभोहस्ताक्षरी के सब्द

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार है । पार्म 37ईई यह कार्यालय में 13-6-84 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज –, ग्रहमदाबा

दिनांक .8-3-1985 मो**हर** ध प्ररूप् आर्च दी एन एस . -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सहकार

.कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० मार० नं० 3381/II—मतः मुझे, जी० के० पंडया.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 108, बोम्बे मारकीट, है तथा को उमरबाग, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्प से वणित है), राजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में राजस्द्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बोम्बे मारकीट ग्रार्ट सिल्क को० ओ० (दुकान और गोडाउन) सोसायटी, उमरबाग, सुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० अंसालाल भागलाल दुकान नं० 1282, सूरत टेक्सटाइल मारकीट, सूरत ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरि के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा है।

## भनुसूची

मिलकत भो सूरत देवसटाईल मारकीट, सूरत में स्थित है। श्रायकर श्रीधानयम की धारा के श्रनुसरण फार्म नं० 37ईई पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 8-3-1985

मोहर 🖫

प्रस्य वार्<sup>र</sup>् ट<u>ी.</u> एत*ु* एस*ु-----*

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाक 8 मार्च 1985

निर्देश स० पी० ग्रार० न० 3382/II—श्रतः मुझे, औ० के० धंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च की अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संव बुकान नंव 1406, बोम्बे मारकीट है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 37ईई के श्रधीन, दिनाक जन 1984,

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके एक्यमान प्रतिफल से एसे दृब्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिस्तियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौंसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य -में कसी करने या उससे बचने में सुविभा को लिए; बहुर/वा
- (वा) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विभा के विष्रः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) बोम्बे मारकोट म्रार्ट सिल्क की० ओ० सोसायटी, उमरबाग, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० नरेन्द्र श्रोसेसिंग इण्डस्ट्रीज, सहजौल के पीछे, खरोदरा, सूरत ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम्स्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है श्रायकर ग्रहिन्यम की धारा के श्रनुसरण फार्म 37 ईई जून 84 में यह कार्यालय में पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख . 8-3-19**85** मो**हर** 🛭

## प्रकथ बाइं.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० जी० घार० नं० 3383/——घ्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० दुकान नं० 403, बोम्बे मारकीट, तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रक्षितियम, 37 ई ई के प्रधीन उन 84,

को पूर्वोञ्च सञ्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी लाग की बाबत, उक्त विश्कित्य के अधीत कर देने के जन्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा, के सिद; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिबिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया वा ा किया जाना बाहिए बा, जियाने में मुबिक्त के जिन्ना

(1) क्षोम्बे मारकीट आई मिल्क को० ओ० कोसायदी, उमरवाक, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) में ० श्रीकृष्ण शिवप्रसाद 145, कौटन स्ट्रीट, कलकहा ।

(भ्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना भारी कर्डके पूर्वोक्त सम्मक्ति को वर्डन के विक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अपन क संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रद्धिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ध्रवित, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर शम्यक्ति में हित्बत किसी भन्य क्यफित द्वारा, अधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे :

श्वम्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त श्रश्वां प्रोर पदों का, ज। उश्त श्रीध-नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, शारी धर्य होता, जो उस धरुयाय में दिया गया है।

#### and the same of

मिलकत जो सूरत में स्थित है। श्रायकर श्रधिनियम की धारा के श्रनुसरण फार्म 37ईई पर कार्यालय में दिनांक 13-6-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-II, स्रहमदाबाद

दिनांक : 8-3-85

मोहर

प्ररूप बाद् . टी. एन. एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीम स्वना

#### बारव बर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-Il, श्रष्टमधाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मार्च 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3384/II---श्रतः मुझे, जी०के० पंडया,

भागकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० 603, बोम्बे मारकेट है तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, प्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन, दिनांक 13-6-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फ ज निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तियक, रूप से किथित नहीं किया नया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाग की बागल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा अनकर बह्मिनियम, दा अनकर बह्मिनियम, 1957 (1957 का 27) के इयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अव, उपस अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण कों, में. उपक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) भें अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :—→ 31—46GI/85

 बोम्बे मारकेट म्रार्ट मिल्क को० ओ० सोनायटी, उमरवाडा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गौरोशंकर क्रिजनाथ तानिया गोघारीडीया, (बिहार)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्ह प्रुपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :--

- (क) इस बुक्ता के राजपन में प्रकासन की तारीक के 45 दिए की अवधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्कः स्वित्यों में से किसी स्यक्ति इवारा।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशनें की तारीख सं 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यध्दिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसेत जीधीनयम, के जध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही जर्थ होगा जो उस जध्याय में दिशा मना है।

## वरसंबी

मिलकत जो सूरत सें स्थित है। श्रायकर श्रिधिनियम की धारा के श्रनुसार का फोर्म 37ईई पर कार्यीलय से जून-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रोज-11, ग्रहमदाबाद

दिनांक 8-3-19**85** 

भोकर 🥫

प्रस्प गाइ ० डी० एन० एन०-

अध्यक्ष कर व्यथिनियम । 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) की सभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमधाबाद

म्राज्याबाद, दिनांक 11 मार्च 1985

ान शा मं० पी० भ्राप्य न० 3385/II-⊷श्रन: मुझे, आर्था० के० पंडपा.

भायकर विधितियम 1961 (1961 का 43) (चिने इसमें इसमें पर्मात 'उक्त विधितियम' कहा गया है), की भार 269- के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थायर सम्पत्ति चिसका उचित वादार ब्रुक 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान सव 1005/बोम्चे मारकेट ग्रार्ट सिल्क है तथा जो कोव ओव सोचायटी, उमरबाग, सुरत में स्थित हैं (और इसमें उपत्मुद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के जार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 37ईडे के ग्रिधीन, दिनाय जुन 84

को पृथा कत समपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख को मनुसार अन्त-रित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके व्ययमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निमित्त वे बास्तिवक कप के किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी जाय की वाजत, उक्त जिथ-निजय के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तते वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों करों जिन्हों भारसीय अध्यक्तर अधिनियस, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियस, या अन्कतर अधिनियस, 1957 (1937 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यस था या किया जान। आहिए था, स्थिपने में सविभा के निया

बत: अब. उक्त प्रधिनियम को धारा २६९-स के बन्सण्य में, में, उक्त अधिनियम को धारा २६९-स की उपधारा (1) के कर्षा टिन्नियिकित काविकलों सर्कार ---- (1) बाम्बे मारकेट मार्ट सिल्क को० ओ० मोलस्यटी, उमरवाडा,

सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) मे० गार्था कीम विल्डिंग प्रा० लि० ४० सूरन ।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी कारक पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाष्ट्रियों कारता हु।

दक्त सम्बद्धि के वर्षम के तत्काम में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की बनींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्विध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत त्रचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितवयभ किन्दी कन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरों के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### म्नुस्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। श्रायशर श्रिधिनियम की धारा के श्रमुक्तार 37ईई के फार्म पर कार्यालय में जून 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष ग्रायकर ग्रायक्षत (निरीक्षण) श्रर्जनरेज- ,श्रह्मदाबाद

दिनाक 11-3-85 मोहर

## प्ररूप आर्डं.टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रद्धभाषाद, दिनाक 11 मार्च 1985

निर्देश स० पी० श्रार० नं० 3.3.86/[I---श्रतः मुझे, जी० के० पडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिनकी स० हुनान न० 805. वास्वे मारकं.ट मार्ट है तथा जो ित्क काठ आठ सानायटी उमरवाहा, सूरत से स्थित है (और इनंप उनावह मन्यूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती मधिकारी के कार्यालय सहमदाबाद से रिजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 37ईई के मधीन, दिनाक 13--6-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-गन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निक्कित में बास्तिविक रूप से किथित महीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) बंग्म्बे मारकीट को० आ० सोनायटी उमरवाडा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नाराथणदान सी० माधाणा सी-12 सर्वोदय नगर् वस्बंध-2

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त 'व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिल हत गाँ। सूरत में स्थित है। श्राहरूर श्रिक्षियम की धारा के श्रुतार 37ईई हा फार्म पर कार्याचय में जून- 84 में पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयार श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेजें , श्रहमदादाद

्दिनाक 11~3~198**रु** माहर अ

## इस्प नाइ' ठी एत एस.....

मायक्ष जिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) से मधीन सूचना

#### बारत् शरकांद्र

## कार्याचन, बहायक माथकर नायक्त (निर्दालन)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदादाद, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० धार० नं० 3387/II→-यतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने की कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं० दुकान नं० 105, बोम्बे मारकेट, सूरत है तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्द्रीकर्ता घिषकारी के कार्योलय, घहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 37ईई का 16 के प्रधीन, दिनांक 13→6-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उत्वदेष से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (कां) जन्तरण से हुइ निकसी जाय की जावत, उपन्त किथ-नियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक की वादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भनकर अधिनियस, या भनकर अधिनियस,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

वत:, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् व्र— (1) बोम्बे मारकेट प्रार्ट सिल्क को०-आ० सोसायटी, उमरवाडा, सुरत।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० ग्रभयकुमार लालचन्द एण्ड कं०, दुकान नं० बी- 25, बोम्बे मारकेट, सूरत उमरवाडा, सूरत ।

(मन्तरिती)

का यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सपिस के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी स्थिति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-'
  बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास निकित में किए या सकेंगें।

स्वक्योकरण: ---इसमें प्रयूक्त गब्दों और पदों का, जो उच्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गबा है।

#### अनुसुची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। श्रायकर श्रधिनियम की धारा के श्रतुसार का 37ईई का फोर्म इस कार्यालय में पेश किया गया। गया है।

> जी॰ के॰ पं**ष**या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबा**द**

दिनांक : 11-3-85

साहर, 🛭

## प्रकल बाहु हु हुई एन , एक ु-----

आयकर जिमिनियम 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुचना

#### गारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्यत रेंज-II, महसदाबाद श्रहसदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० भी० ग्रार० मं० 3388/II—यहः, मुझे, जी०के० पंड्या,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उजित बाजार मुस्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 605, बोम्बे मारकेट उमरवाड़ा, तका को सूरत में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण ६प से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षिनयम 37 ईई के श्रिक्षीन दिनांक 13-6-1984

का पूर्वाकत सर्पान्त कं उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सेर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के दाबित्य में कनी करने या उत्तते ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा सा सा साना थाहिए था, खियाने में सुविधा खे निए;

ंशतः अव, जन्त विभिनियम की भारा 369-ग के विकृतरण में, मैं, जन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के विभागः निम्निस्थित व्यक्तियों अर्थातः :-- (1) कोम्बे भारकेट को-का० सोसायटी इमरवाडा, सुरत ।

(मन्तरक)

(2) श्री प्रागजीभाषी नागजीभाषी खोशी, जनसुख श्रपार्टमेंट, कस्तूरका रोड, बस्बई ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अपिकातमाँ पर सूचना की तामील की 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकने।

स्थल्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## प्रनुसूची

मिलकत को सूरत क्लें स्थित है। ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा के ग्रनुसार का 37ईई का फोर्म इस कार्यालय में 13-6-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II श्रह्नमदाबाद

दिनांक : 11-3-1985

मोहर 🗆

## प्रकव बाह्र . टी. एन. एस. -----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थता

#### भारत बरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ${f x}$ र्ज रेज $-{f I}$ , श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश मं० पी० प्रार्श्व नं० 3389/11—प्रतः मुझे, जी० केल्पंड्या,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी कं बुकान है। तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालयय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन, दिनांक 31-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक अध्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पामा मया प्रतिफल, निम्नाजिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:---

- (क) जन्तरण से हुं इंकिसी कांग की बाबत, उक्त जभितित्वन के जभीन कर वेने के जन्तरक के वायित्व में कमी जरमें या उग्नसे सचने में सुविधा क लिए; जार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा खें सिए;

कतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भाँ, भाँ उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन निम्हिचिधित व्यक्तियों, अधित क्रमा (1) श्री महेणचन्द्र गिरधारीलाल स्वाश्रय सोसायटी, मुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल श्रार० श्रद्भवाल रिंग रोड, सुरत ।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करको प्योंक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु: ।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्ष्ये-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन .के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ंक में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 8200 नम्बर पर दिनांक 31-8-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-11, श्रहमदाबाव

दिनाक : 12--3-85

मोहर स

#### = तक्त स्थापना । जार स्थापना । जार का जार प्राचीत साथित की विकास का जार का

## शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्त्रका

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज∸II, ग्रहमदात्राद श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० पी०ग्राग्० नं० 3390/II—स्यतः मुझे, फी०के पंडया,

बायकर अितानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचार: 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं.

और जिसकी संव 44/2 पैकी प्लाट नंव 22 है तथा जो मजूरा सूरत में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्रा श्रिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रीक्षित्यम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन विनाक 26-9-84,

को पूर्वीक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह जित्तत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक एस से किथ्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचाने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एंमी किसी आथ यो किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सृधिधा के निए,

जतः जब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग्घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बभीन, निम्निलिकिन् स्थितयों अधीत्

ं (1) श्री भरत अस्तिगान सामदेव ससूरा, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनुभाषी पृजानाबी पटेल स्माश्रय मोमायटी, श्राठवा लाईन्स , मुरंत ।

(भ्रत्तिश्ती)

का यह सुचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की विविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ण कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्र) इस पुणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरेण: -- हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

मिलकत को गूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रीर, मूरत में 1413 नम्बर पर दिलाक 26-9-84 में रिजस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्राधुक्त (।तरीकण) ग्राची रंज-।।, ग्रहमदाबाद

दिनाक : 12-3-1985

मोह्य:

प्रकृप बार्ड.दी.एन.एस.-----

भायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकाड

## कार्यासय, सहायक नायकड नायुक्त (निर्द्रीक्षण)

श्रर्फन रेज-II, श्रहमदाशाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 12 मार्च 1985

निदेश सं० पी० श्रार० स० 3391/II--यत मुझे, जी० के० ५ इस्या,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इत्तर्में इसके परकात् 'उक्त वीधीनवम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, चितका श्रीवत बाजार अस्व 1,00,000/- रा. से **विभक ह**ै। और जिसकी सब दुकान संब 606, बोम्बे, मारकेट है तका को

सुरत में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रद्धकारी कार्यालय, श्रहभवाबाद मे राजस्ट्रीकण ग्राधानयम, 37ईई का 16 के ग्रधीन, दिनांक ज्म 1984,

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के ददयमान प्रतिफल के बिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्लास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् वाचार अस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से जीधक ही बार अंतरक (अंतरका) और अंतरिसी (अंतरितियाँ) के बीच एेखे अंतरण के अपए तय पावा गुया प्रतिकल निम्नसिवित उह्नवेदय से उनत अन्तरण मिचित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबबा, उक्त क्षपिनियम के क्यीन कर देने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/वा
- (का) एेसी किसी अगय या अभिसी धन या अभ्य अवस्तियों को, चिन्ही भारतीय नायकर निवासना, 1922 (1922 का 11) या उक्त किंपिनियम, बा **भेनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** क्षे प्रसोपनार्थ जंतरिकी दुवारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत जब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निक्ली बाचित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) बोम्बे मारकेट घार्ट सिमक को० 'ओ० सोसायटी मुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पुरषोत्तमलाल सञ्जनकुमार द्वारा जानकीदास पुरुषोत्तमदास, कोकर**अक्टा** (बिहार)

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारको पुर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन को जिल्ह कार्यवाहिया करता हुः ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 फिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, को भीक्षर पूर्वीक्क्ष **व्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाष्ट्रसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पेवों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, बही बर्ध होगा जो उस अध्याय मे दिया भवा 🐔 ।

## बगुस्ची

मिलकत को मुरत में स्थित है। ग्रायकर ग्रधिनियम धारा की के ग्रनुसार का 37ईई का फोर्म इस कार्यालय मे जून-1984 मे पेश किया गया है ।

> **जी० के० ५डमा** सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्फन रेज-11, ग्रहमदाबाद

12-3-1985 दिनाक

मोहर :

प्ररूप बाह्रे टी एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### मारह सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भाय्वत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-।।, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० भ्रार० नठ 3392/।।---भ्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाबार मृल्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० दुकान मं० 1201, बोम्बे मारकेट, है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37ईई का 16 के श्रिधीन जून 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा वा किया जाना चाहिए था, ज्याने में मुनिया के हिनए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् ः— 32—46GI/5 (1) बोम्बे मारकेट झार्ट मिल्क को० झो० मोसायटी, मूरन ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० ए० रजनीकान्त देवाशी एन० कं० बेजमपुरा, सुरस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी बाक्षांप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर मूचना की तामील में 30 दिन की क्विधि, जो भी अवधि बाद में सँमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा:
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहभ किमी अन्य न्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम निमित में किग्र जा मर्कोंगे।

12

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत बिधिनयम, के अभ्याम 26-क म परिभाषिक है, वही कर्य होगा, जो उस अध्याम में दिया प्रवाही।

#### अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा के प्रनुसार का 37ईई का फोर्म पर कार्यालय मे पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधितारी सहायक **श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज–॥, <mark>श्रहमदाबाद</mark>

दिनांक: 12-3-1985

मोहर 🦫

## प्रकप बार्ड वी.एन.एस.-----

## बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।। श्रहमदाबाद

• ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1985 क्वार प्राप्त समुद्र सुरूप ३३००/५ समुद्र महो स्व

निर्देश मं० पी० प्रार० न० 3393/॥-स्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िंग्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्त आजार सन्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० दुकान नं० 608, बोम्बे मारकेट है, तथा जो उमरपारा, स्रत मे स्थित है (श्रीर उससे उपाबढ़ श्रन्यूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम. 37ईई का 16 के श्रिधीन, दिनाक जुन 1984,

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रामान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पेन्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उच्चेश्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अन्ते या उससे बचने में सविधा केलिए; और/मा
- (ध) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिओं की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनिध्म की धारा १६९-ए को अप्रणक्त में, में अक्त अधिनियम की धारा १६९-६ की उपल्परा (1) के अधीर जिम्मीलिखिन स्यक्तियों, अधीर :---

(1) बोम्बे मारकेट को० घ्रो० मोसायटी उभरवाडा, भूरत ;

(अन्तरक)

(2) मैं शाह पेपीचन्द गुलाबचन्द एण्ड कं ब सूरत टैक्सटाईल मारकेट, मूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की वनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितश्च्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मम्स्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित हैं। श्रायकर अधिनियम की धारा के अनुसार का फार्म 37ईई पर कार्यालय में पेण किया गया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-॥, ग्रहमदाबाद

ष्टनांक · 12-3-1985

121

प्ररूप आइ<sup>2</sup>. दी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीम सुचना

भारत संग्कार

श्रह्मदाबाय, विनांक 12 मार्च 1985 निदेश सं०पी० श्रार० नं० 3394/।।—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० दुक्तान स० 505, बोम्बे मारकेट हैं। तथा जो सूरत में स्थित है (स्रीर इससे उपाबस अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकतो अधिकारी के कायोलय, सहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 37ईई का 16 के श्रधीन, दिनांक जुन 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अन्तरितियाः) के बीच एमे अन्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर येने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा ओ सिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) -के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---  बोम्बें मारकेट आर्ट सिल्क को० ग्रो० सोसायटी, सूरत ।

(अन्सरक)

2. मे० पदमापति टैक्सटाइल्स सूरत—3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याम में विमा गया है।

## अनसूची

भिलकत जो सूरत में स्थित है: आयकर अधिनियम की धारा के श्रनुसारण फोर्म 37ईई के यह कायोलय में जून 84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-।।, भहमदाबाद

दिनांवा: 12-3-1985

मोहर 🖫

. प्ररूप **वार्च**्टी, एन्, एस<sub>्य वि</sub>रूप्त-प्रतासन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
धर्जनरेंज-।।, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1985
निरेश र्सं० पी० श्रार० नं० 3395/।।---श्रतः मुझे, जी० के०
पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 100,000/- रहा से अधिक है

भौर जिसकी र्सं० दुकान नं० 1001, बोम्बे मारकेट, है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37ईई का 16 के श्रधीन, दिनांक जून 1984,

को प्विषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरच से हुई फिबी क्षाय की बावत , उच्छ निधिनियम के अभीन कर की के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अगः,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तिमों, अर्थात् ६---

 बोम्बे मारकेट श्रार्ट सिल्क को० श्रो० सोसायटी सूरत।

(भ्रन्तरक)

 मे० वर्धमान टेक्मटाइल इण्डस्ट्रीज, बोम्बे मारकंट सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जम के सभ्वन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 वित की अवधि या तरप्रवस्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में अकाकन की तारील से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किसा में किए जा मकर्ने।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियंग के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। ब्रायुकर ब्रधिनियम की धारा के श्रनुसार का 37ईई का फोर्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11,श्रहमदाबाद

दिनांक : 12-3-1985

मोहर 🖫

प्रक्रम शहर . टी. एन. एस :-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### वारत सरकार

कार्मालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 13 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० न०  $3396/I^{I}$ —~यतः, सुझे, जी० कें पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-स के सभीन सक्षम प्रभिकारी की, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी में० मोड जी० श्राई० डी० सी० है तथा जो बड़ौदा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, दिनांक स्रोल, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बोजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विखिन में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) नम्बरण वे हुई किसी बार की वाबस, बन्त विधिन्यम् के विधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएक में कमी करने या जससे वधने में सुविधा के निय; बार्ट/पा
- (स) एंसी किसी आध्रम्या किसी बन या अन्य आफ्तियाँ की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्ट अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नेहीं किया नवा मा वा किया जाना चाहिए था, जियाने भें संविधा के सिए;

भतः सब, उन्त बीधिनयमं की भारा 269-त को जन्मरण भी, भी उन्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जी० श्राईकि डी० सी० मकरपुरा, बडीदा।

(ग्रन्तरक)

(2) डेटम इण्डिया,652 जी० श्राई० डी० सी०,बड़ौदा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अपन क संपंध में आहे भी आश्रप :---

- (क) इस स्वना क राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्राम्बन्धी व्यक्तियों पर स्ना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति इसारः
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी बच्च व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जह उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ हरेगर को उस अध्याय में विया गया है.

# बनुतूची

मिलकत जो जी० आई० डी० सी०, मकरपुरा, बड़ौदा में स्थित है, मब-रजिस्ट्रार, बडौदा में 3582 नम्बर पर अप्रैल 84 में रजिस्टर्ड की गई है जिसका मूल्य 2,16,600/- रुपये है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 13-3-1985

मोइर:

प्रकप् काइं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 13 मार्च 1985 निर्देण स० पी० भ्रार० न० 3397/।---यनः मुझे, जी०के० पडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्या हिए। नार्याच्यम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसका में अमीन गार्बा है तथा जो बड़ोदा में स्थित हैं (और इसमें उपाबढ़ भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजिस्ट्रीक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक भ्रत्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट्र प्रतिकात में अधिक हूं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में हास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्त्रहण् वं हुइं किसी नाय की भागतः, उपक स्थितिन्त्र से स्थीन कर दोने के नन्तुरक के दासिल् में क्यी कर्दने या उपने नणने में सुनिया के हिन्छ; सौद/या
- (क) ऐसी किसी काव वा किसी थव वा बन्य वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा वा 1 किया आजा चाहिए था, 1 छगाने में सनिधा के सिए।

कतः अव, उक्त अधिनियंत्र की धारा 269-न के अवसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकिस व्यक्तियों, अवित् ः—

(1) श्रीमती भजुला बहन केशवजी चाडे हरिभक्ती कोलोनी ओतड पादरा रोड, बंडीया-5

(भ्रन्तरक)

(2) मि० प्रकाशकुमार जे० विष्टुलानी और श्रन्य श्रलकापुरी, बडौदा--5

(अन्तरिती)

कां "मह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शित के वर्षन् के सिध् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षण :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र को बकासन की तारीस ते 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (च) इस सूचना के ख्वपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वास अधोहस्ताक्षरी के पास् लिचित में किस वा सकेंगे।

स्यध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्म होगा को उसे अध्याय में दिया प्रवाह है।

#### नग्राची

ण्लाट जो सोमेश्वर को० आ० हा० सोसायटी अड़ौदा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बडौदा में 3810 नंबर पर अप्रैस 1984 में रजिस्टर्ड किया गया है जिसका मूल्य 65450/- रुपये हैं।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज⊶II, ग्रहमदाबाद

दिना ह : 13-3-85

माहर:

# प्रकृष नाहाँ . ती . युन् . एनं ----------

आयकर अभिनियंस, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक गायकर जायकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 14 मार्च 1985 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3398/II-∽यनः, मुझे, जी०के० पड्या,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि न्थान दम्पित जिसका उचित काम मुख्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

और जिसकी मं० दुकान न० 1405, बोम्बेमा केट है तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्ष्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधिवारी के शार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 37ईई का 16 के श्रिधीन, दिनाव जून 1984,

कार पर्योक्त सपित के उचित बाजार मृत्य में कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपित कर उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एोमे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से जुल्त अंतरण लिखिन में बान्या रूप से किया है से से प्रतिफल है कार्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत<sup>.</sup> अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ**धी**त :--- (1) बोम्बे सालिट श्रार्ट विल्क का—आ० सोसायटी, उमरवाडा, सुरत ।

(श्रन्तरद )

(2) श्री प्रागजीभायी नागजीभायी नोशी कादीवली, बम्बर्ट ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिमां करता है '

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राज्यत्र में अकाशन को तारी सं 45 दिन की वर्षी या तस्ययधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की कारिश, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिशिक्तरणः --- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गृया है।

#### समस्यो

मिलकत जो सुरत में स्थित है। श्राधकर श्रिधिनियम की धारा के श्रनुसार का फार्म 37ईई पर कार्यालय में पेज किया गया है।

भी० के० पश्या सक्षम प्राधिकार्य सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

दिनाक : 14-3-1985

मोहर .

प्रकष आहें. टी. एन एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज⊶II, श्रहमदाबाद श्वहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1985

निदेश मं०पी० म्राप्यारा वंश 3399/।।---श्रतः मुझे, जी० के० पं**ड**या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं क दुकान नं कि 602, बोम्बे मारकेष्ट हैं। तथा जो उमखाडा, सूरन सें स्थित हैं (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद सें रिजिस्ट्रीगरण ग्रिधिनियम, 37ईई का 16) के अधीन, दिनांक जून 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अम्पिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंकत उद्देश्य से उद्दृत अन्तरण किक्श में वस्तिकक रूप से किया नहीं किया गया ही

- (क) जन्तरण संहुषं किसी अध्यक्षः बाबस उक्त विधिनियम के अभीन कप् दोने के बन्तरक वी वासित्य में कमी कप्तां या उससे वयने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिमियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) बोम्बे मारकेट श्रार्ट भिल्क को० ओ० सोमाय**ी** उमरकाडा, सुरत ।

(भ्रन्तरकः)

(2) म० जुगराज गणेशमल महीधरपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्षत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

# उथत संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्लेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकारी।

स्पष्टिभिकरणः --- इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूचः

मिलकत जो सूरत सें स्थित है। श्रायक्र श्रिधिनियम की धारा के श्रिन्थार का फार्म 37ईई पर कार्यीन्य में पेण या गया हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम् प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंच- II, श्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, क्रिम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :--

दिनाक : 14-3-85

प्रारूप नाइं.टी.एन.एत. ------जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269**-म (1) के अभीन स्<del>थ</del>ना** 

#### भारत सरकार

# कार्यालय, संशयक भायकर नायुक्त (विरोक्त्य)

श्चर्जन रेज--II, श्रहमदाबाद श्रहमदानात, दिनात 14 मार्च 1985 निदेण स०पी० श्रार० न० 3400/॥----श्चनः मुझे, जी० के० पड्या.

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया ही, की भारा 269-ख के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्पाधर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा से अधिक ही

और जिनकी ग० दुशान न० 704, बाम्बे मारकेट है। तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणित है) रिजय्द्री क्रिक्ष श्रिधवारी के कार्यालय, श्रह्मादबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37ईई वा 16) के मधीन, दिनार जून 1984,

को पूर्वाक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उपित बल्पार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उप्रवेष से उक्त अन्तरक निम्हित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण संहुई किती गाय की बाबत, उन्स विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक की वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के बिए; नहिं/बा
- ण) ऐसी किसी नाय या किसी भन या बन्य नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजपार्थ बन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भी, भी, सकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अपिन निम्मितिक व्यक्तियों, अर्थात्।—— 33—46G1/85 (1) वाम्बे मारकेट श्रार्ट भिल्म को० आ० सानायटो, उमरवाडा, सूरन ।

(अन्तरक)

(2) म० राजस्थान ट्रेडिंग कु० दुकान न० 1-23, बोम्बे मारकेट, उमरवाडा, सूरत ।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्नोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जबिंध या तत्सवंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इंगरा वभोहस्ताक्षरी के वाल तिक्षित में किए वा सकने।

स्थानके के क्यां भी पर्यों का , को उक्त विश्वास के अध्याय 20-क में परिधारिक हैं, यहीं नुर्ध होना को उन्ह नुष्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। आथकर श्रिधिनियम की धारा के श्रनुसार का फोर्म 37ईई पर कार्यालय में जून में 4 से नेश किया गया है जी० के० पड़या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रानैन रेंज-11, श्राकृतदाबाद

दिनांक · 14-3-1985

मोहर 🖫

प्रकम बाह् ं टी. एन्. एस. ------

# नायकर गणिवियम, 1961 (1961 का 43) की गाँड 269-व (1) से मुधीन सुन्ता

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 14 मार्च 1985

निदेश स० पी० आर० न० 3401/II—अत: मझे, जी० के० पड्या,

बायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'उक्त मीर्थनियम' कहा नवा ह"), की नारा 269-ख के नथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तात करने का कार्य है कि स्थावर सम्मित, विसका उचित शाबार न्स्व 1,00,000/- रु. से निधक है

श्रीर जिसकी सं अाफिसनं र 1004, बोम्बे मारकेट, है। तथा जा उमरपाड़ा, सूरत में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई का 16, के अधीन, दिनाक जून 1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रीतप्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंचह
प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अंतरितिया) के कीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया चया प्रतिक्वा, निम्निसित्ति उद्वेश्य से उक्त शिक्षत में बास्तविक रूप से
वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी नाय की बाबत्, उसस्य विश्वियम की स्वीत् कर दोने से स्वाहुक कें स्वित्य में क्वी करने ना उससे वस्त्रे में सुविधा में सिंह; नोह/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्च कास्तिवों को, जिन्हों भारतीय बावकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अविनियस, वा धनकर अधिनिवस, वा धनकर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27), से प्रकोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, जिपाने जें स्थिता के किए;

अतः शम, उक्त मिशीनयम की भारा 269-ग के मन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धरा 269-व की स्वभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिको श्रेष्ठि क्रिक्त (1) **बोम्बे मारके**ट को० आ० हा० सोसायटी, उमरपाडा, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्त्र जी० अग्रवाल , कोलमार लेन, सम्बद्दी

(अन्तरिती)

को **रह ब्**चना ब्रा<u>डी क्रके पूर्वोनक सम्मरित को वर्धन को</u> लिए कार्यनाहिमां करता हुं।

उक्त सुन्दित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी शालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश है 45 विने की अवधि ने तत्त्वकाशी व्यक्तियों एर बूचना की तानीश थे 30 दिन की नशीध, वो बी नविश्व वाद में हजायी होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (म) दूर सूचना थे (एचनम में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन थे बीटर उच्छ स्मान्द सम्मास में हिस्सून्य जिली मूल स्मृतित दूराया मनोहस्तास्ती से गर निवित में सिए या सकती।

रणकीकरणः—इतर्गे प्रवृत्ततः कत्यां बीर पूर्वो का, वा उपक वीविषयम्, के सम्बाद 20-क वें परिधार्तिक ही, पही वर्ष होता को उब् स्थाप में विका नया है।

## धनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। आयकर अधिनियम की धारा के अनसार 37ईई पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

विनांक : 14-3-1985

मोद्दर

# प्र**क्ष** वाह<u>ै.</u>टी.एन..एस...======

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269±भ (1) के अधिन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर नं० 3402/्रा—अतः मझे, जी० के० ंर्या

जायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 258 गांव-मान है। तथा जो ता० सारडोली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सारडोली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, विनांक 23→8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **रू**यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की ग**र्इ है औ**र मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामभायी रणछोड जी पटेल झौर अन्य टरोटा बाजार , नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री खेतूराम गंगाराम मिरधरी बारडोली : जिला--सुरत ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ंउक्स संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 'तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो गाव-सान, ता० सारडोली में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सारडोली में 406 नम्बर पर दिनांक 23-3-84 में रजिस्टर्ड की गयी है ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-17, अहमदाबाद

दिनांक: 15-3-1985

प्ररूप आईं्टी एन एस .-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेण सं० जी० आर० नं० 3403/П—अतः मझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, आम्बा लाईन्स है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबड़ अनसूची में ग्रौर पूर्ण म्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 37ईई के अधीन, दिनांक जून, 1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) बोन्नी एण्टन्प्राईस ,402, केणव चेम्बर्स ,सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप मनोहरूलाल पंथी नानाव2, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृषेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस मुचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थायर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है । आयाः अधिनियम की धारा के अनुसार 37ईई का फोर्म पर कार्यान्य में जून 84 में पेज किया गया है ।

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेन-मा, अहमदाबाद

दिनांक: 15-3-85

# प्रसम नार्च, टी. एन. एस.-----

नायकर विधित्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जमीन स्थता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3404/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया.

कायकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्धिन, जिसका उचित बाजार मूल्य , 1,00,000/-रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० अकोटा है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984,

को पूर्वेक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसिता में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- व) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा कै लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्री (1) दामीनीसरत विधिनचन्द्र भट्ट रामपुरा, बड़ौदा ।

(अन्तरक्ष)

(2) श्री अशोकभाषी एन० पटेल कारेलीबाग, बड़ीदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उच्छ सम्पृतिक के मुर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्किन में किए नाम हंगे

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त घन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो अकोटा, बडाँदा में स्थित है सब पिजस्ट्रार बड़ाँदा में 6707 मम्बर पर दिनाक अगस्त 84 में पिजस्टर्ड की गयी हैं ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षण आपुवत (िनरीक्षण), अर्जनरेज—II, अहमदाबाद

दिनांक : 15-3--1985

## प्रकप आहे.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3405/॥---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स आधक ह ग्राँर जिसकी स० आजना, है तथा जो मगैंदा में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण क्य में विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ाँदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक अगस्त 1984, को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक औं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. रिज्यान में सुविधा के निए।

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री अशोकभायी सोमाभायी पटेल ग्रौर अन्य पुन्नीतनगर को० ग्रो० हा० सोसायटी , ओलम्पिक कोलोनी, बडौदा—3

(अन्तरक)

(2) श्री द्वाराकानाथ आत्माराम चैयरमेन — आफ श्रेयनगर को० ग्रो० हा० सोसायटी , ओलेम्पीक रोड, बडौदा।

(अन्सरक)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उपल संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्स्विंधी व्यक्तितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पित्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--६समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकृत जो बर्डादा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बर्डादा में  $411,\ 432,\ 433,\ 434,\ सम्बर पर अगस्त <math>84$  में रिजस्टर्ड की गयी है।

जी० के० पड़या, सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

दिनाकः: 15-3-4985

#### शास्त वरकार

# कार्यां वयं, राहायक जायकर जायुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० न० ३४०६/II—~ग्रनः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर भिशियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० उन्जा है। तथा जो उन्जा जि० मेहसाणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उन्जा, में रजिस्ट्रीकरण भिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 18—8—84.

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कन के दरयमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से मधिक है और मन्तरक (मन्तरका) और मन्तरित (जन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के लिए तथ पाया नया प्रतिफल, नेनम्नितियात उद्देश्य से उक्त मन्तरण निवित्त के बादित कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से शुद्र किती जाव की वाबतः, उपक अधिनियत्र के जबीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में खनी करने वा उखते वचने में बृचिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में श्रीकाश के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण की, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वाबूलाल प्रमुदास पटेल हंमा , ता० सिद्धपुर जिला—सहेमाणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरगोपन विभावनदास हंसा, ता० सिद्धपुर , जिला—महेमाणा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्बन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविज्ञ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तायीं से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वार;
- (व) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाल लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## जन्स्ची

मिलकत जो उन्जा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, उन्जा में 551 नम्बर पर दिनाक 18-8-84 में रिजस्टर्ड किया गया है। मिलकत मूल्य 1,44,000/- रुपए है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-, भ्रहमदाबाद

दिनांक: 19~3~1985

मोहर 🖫

# एक्ष वार्त्य, डी. एप. एव.--

नःभकर लिभनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नुभीन सूचना

भारत स्रम्बर

## कार्यानम, सहावक नावकर बार्क्ड (मिरीक्षर)

श्रर्जन रेंज-।।, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1985

्निर्देण सं० पी० ग्रार**्नं० ३०७/॥—-ग्र**तः **मुझे, जी० के०** पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उवत अधिनियम' कहा गया ह") की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

भ्रौर जिसकी सं० पाटण है। तया जो पाटत, जि० मेहसाणा में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है,) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पाटण में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-8-1984.

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान शांतफल के जिए अन्तरित की गई है और मुफे वह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का बन्दाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के निए तब पाना जना प्रति-क्षक निम्नीकाँ के उद्योग से उक्त सन्तरण विविद्य में क्लक-

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वादित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बार वा किसी धन या अन्य आस्तिनों को, विन्हें प्रारंतीय बायकर मधिनिनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनिनम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याच प्रकट नहीं किया गता था वा किया जाना चाहिए था, डिपाने में गृतिया के निए;

अतः अवः, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-ग हो अन्सरण काँ, काँ, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-ग का उपभारा (1) के अधीन, जिस्तिविक्तं व्यक्तियाँ, वर्षात् ६--- (1) शेठ रामदास विठलदास ग्रांर अन्य दूस्टी किलाचन्द फाउण्डेणन दूस्ट, समाई लाला रोड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीपकुमार छोटालाल गांधी श्री देवपुरी कारपोरेशन पाटण जिला—मेहसाणा ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन को जिए कार्यवाहिमां करता हुन्।

## क्यत क्रमारिक के मर्चन के मध्यान्य में कोई भी नाकी ह---

- (क) इंच ब्रुचना क राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 किन की बर्ची मा तत्साम्बन्धी स्मितियों पर स्थान की तामीन के 30 दिन की बर्चीन, यां भी अवधि वास में कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृत्वाहा;
- ं(ज) इन भूजना के राभपन में प्रकादन की तारीज है 45 दिन के भौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिन-नपुभ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी चैं नास निवित में किए का सकेंगे।

स्वकातिहरू:---इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्वों का, भो उपह श्रीभित्रका, के कथ्याय 20-क ने परिभाषित हाँ, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवा हाँ।

## **अनुसूची**

मिलकत जो पाटण में स्थित है जिसकी कीमत 24,00,000/-रुपए है। सब-रिजस्ट्रार, पाटण में 434 नम्बर पर दिनांक 13-8-4 में रिजस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद

दिमांक: 19-3-85

मोहर ः

प्रकप भाषाँ ु दी ु पुन ् पुस यूनन्यन्यन वन्यव्य

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुकला

## भारत सरकार

कार्यालय, सहादक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज—I<sup>I</sup>, ग्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3408/II—-श्रतः मुझे, जी० के**०** पं**ड**या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पाटण है तथा जो पाटण जिला महेसाणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पाटण में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 31-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उच्चेष्य से अक्त अन्तरण निष्क्रित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अतिरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभिषयम के अभीत कर दोने में अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने के सृविधा के लिए।

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधार (1) के अधीन. निरामितिक व्यक्तियों, अर्थातः——
34—4601/85

(1) श्री मगनलाल जी ० पटेल पाटण

(म्रन्तरक)

(2) श्री नितीस कुमार णिवलाल मोनी कल्पवृक्ष टेनीमेट श्रोनर्स एसोनिएशन, पाटण

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्वाँक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त तम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा स्व 45 दिन की अमिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबङ्घ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो पाटण में स्थित है जिसका मूह्य 2,50,000/--रुपए हैं। सब रजिस्ट्रार, पाटण में 2104 नम्बर पर दिनांक 31-8-84 में स्थित है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-II, स्रहमदाबाद

दिनांक: 19-3-1985

मोहर 🖫

# प्रकल बाह् . ब्री. हुन हुन हुन हुन हुन

# नाथकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारत 269(फ) (1) के नवीन सूचना

## प्राप्तव् चहुकाडुँ

## कार्यालय, सहायक भावकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज–∏, ग्नहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनाक 27 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 3409/॥—स्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

जावस्थर जीधनियम 1961 (1961 का 43) (चित्ते इत्तर्भे इत्तर्भे पर्ध्यात् 'उपत नीधनियम' नह्या नया हैं), की भाषा 269-च के ज्योत तक्षम प्राधिकारी को यह विस्थाप आरमे का कारण है कि स्थापर सम्मित्त जिल्ला स्वीपत वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से जिधक हैं

श्रीर जिसकी सं 193, महेसान है तथा जो ता चीरसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 3-8-1984,

क्रो पूर्वीकत तत्रपति के विश्व वायक गूक्य वे क्या के दश्यमान प्रतिप्रका को लिए जंतरित की नई है और मुक्ते वह विश्वकत करने का कारण है कि वभावनीयत जन्मित का उच्चित वायार मुख्य, अवयो अवमान प्रतिक्षय को, है वे क्यामान प्रविक्षण का पन्छ प्रतिक्षय से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) आर्थर अध्यरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पावा गया प्रतिप्रका, निक्नीविधित जब्देश्य से उच्चत कन्तरण हैन्द्रिक में वास्तरिक रूप से क्याम नहीं किया गया है:----

- (क) गुम्कान वे दूर किसी नाम की वातछः, वयस व्यक्तियन से व्यक्ति कह दोने के कम्बास्त के कवित्त् में कनी करने ना दबने वचने में वृत्तिथा से किस; लीड/वा
- (क) इसे किसी जाय या किसी भण वा अल्ल जास्तियाँ करों किस्ते भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर्स क्षिणियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोधनार्थ अल्परिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नया का या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा की किए (8)

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) से अधीन, निम्मितियम व्यक्तिस्तुलील अधीर का

(1) श्रीमती विरमाती पत्नि शांतिलाल जमनादास की श्रीर अन्य मुख्य मार्ग, कसतमपुरा सूरन ।

(2) श्री एस० एल० देसाई नूतन इण्डस्ट्रियल को० श्रो० सोसामटी संग्रामपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

का बहु सुचना बारी स्टब्के पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के सिए कार्यवाहित बद्धता हूं ।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इन्द्र बुक्ता में क्रम्पन् में प्रकार्य की वार्यान में 45 दिन की ब्योप ना एस्टम्पनी न्यस्तिकों पूर बुक्ता की दानीय से 30 दिन की व्यक्ति, को की अवधि बाद में तमाना होती हो, को बीत्तर प्रमेंनर नामक्यों में से किसी न्यस्ति कृतारा,
- (व) इत सूचना के राज्यम में प्रकार की तारीय वें 45 दिन के बीतार उक्त स्थायर बन्दीत में दिनगढ़भ विश्वी जन्म व्यक्ति इतारा मभोड्न्सावारी के पात हैनोबत में व्याप जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:—इतमें प्रवृक्ष क्षमां भौद्र पर्के का, पहें करा न्दिवीवस्थ के स्थान 20-क के परिक्राप्तिक हाँ होता को होता को उस क्षमान के क्रिका मुक्त हाँ (i)

## मन्स्ची

मिलकत जो भरेतान,ता० चौरसी में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 6614 नम्बर पर दिनांक 3-8-84 में रिजस्टर्ड की गयी है।

र्ज के जंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

दिनौंक : 27-3-85

मोइर 🛚

## प्रकर्ष भाइं.टी.एन.एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

#### वाइव चर्चाड

कार्कालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-ा1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 मार्ण 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3410/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० वार्ड नं० 2 नी उनं० 4523 है। तथा जो शिवदास पोल संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रजीन, दिशांक श्रगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के काबमान प्रतिकाल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके धरममान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल के पन्तह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तब पाग गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुए किसी नाय की वावत, उचक अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कनी करने वा उससे बजने में त्विभा के निष्; जोड़/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया मया धा या किया जाना वाधिए था, खियाने में सुविधा वैसिए।

अतः अवः, उक्तं अभिनियमं कौ भारा 269-गं के, अनुवरकं में, में उक्तं अभिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिसतं व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री अरुण चिमनलाल वी० पी० रोड, बम्बई---4।

(भन्तरक)

(2) श्री अमृतलाल खुशालदास ग्रीर अन्य गोपीपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्ववाहियां गुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस ब्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वद स्वान की तानीस से 30 दिन की वद्धि, वो नी विधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वच्यकिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## पंपचर्च

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 38882 नम्बर पर अगस्त 84 में रजिस्टर्ड की गयी है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , म्रहमधाबाद

दिनांक: **27-3-8**5

प्रस्थ बाह्य हो । एन । एस । न्यानाना

नामकर वृषिनियम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के वृषीन सुपना

#### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, श्रहमधाबाध

म्रहमदाबाध, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3411/II—श्रतः सुझे, जी.० के० पंडया,

बायकर किंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किंभिनयम' कहा गया है), की भारा 269- व के अभीन तक्षम प्राधिकारी कों,, यह विकास करने का फारण है कि स्थावर संवरित विश्वका उचित वाजार मुख्य ;

100, 000/- रु में अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 2 श्रादर्ण सोनायटी, हैं। तथा जो
श्रादर्ण लाईन्ग, सूरत में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय,
सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16)
के श्रिधीन, दिनांक 4-8-84,

कौ प्वोंक्त सम्मित्त के उचित भावार मूल्य से कम के क्रयमान हितफल के लिए बन्तरित की गई है, और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपित्त का उचित थावार ब्रूच, उसके क्रमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरिण के निए तय पामा न्या शिक्क, निम्मृतिविच क्ष्मुंचित से अस्त बन्तरिण निम्मृतिविच क्ष्मुंचित नहीं किया गया है हिन्त

- (क) अलाइक वे हुई किसी आयु को बाबत अला अधि-दिवाल के अधीव कर वीचे के अलाइक के पावित्व में कभी करने या उन्ने ब्युने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य नास्तियों कां, जिन्हों भारतीय भाग-कर विधिनियम्, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ स्मारियी द्वाच प्रकट नहीं किया प्या वा वा किया जाना लाहिद था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिसित व्यक्तियों, अर्थात है— (1) मे० स्वीट होम ग्रोरगेनाइजर भागीधार श्री नरोत्तमदास पटेल 63, नर्मदा नगर, ग्राठवा लाईन्स, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निमेषचन्द्र वी० वशी पलैट नं० 2 ग्रादर्श नगर ग्राठवां लाईन्स सूरत ।

(अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दित की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उब्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पात लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा दक्षा डैं।

## वन्युकी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 5255 नम्बर पर दिनांक 4-8-84 में रिजस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदखाद

दिनांक: 27-3-85

मोहर 🖪

# प्रकथ भाष्ट्रेटर्<u>रिएन.एस.</u>------

# भागकर मुर्गिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के म्पीन सूचना

#### ALEG WARE

कार्यातव, सहयक भावकर बाब्क्त (निद्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाष

श्रहमदाबाद, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेण मं० पी० ग्रार० नं० 3412/II—म्ब्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकार मिशियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्कें इसकें प्रवाद 'उन्त निश्विमाम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम मिश्विमामें को, यह निश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित माजार जूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

'श्रौर जिसकी सं० 125-1 श्रौर 126, टी० पी० एस० नं० 9, है। तथा जो मजूरा, सूरत में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णेच्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रृधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रुधीन, दिनांक श्रगम्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिपक्ष का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितिमॉ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण वं हुन्दं किन्दी बाद की बादत उपल अधि-दिन्दक के स्थीप कड़ दोने के बन्दरक के दादिल्य में क्रमी कड़ने वा उद्दे द्वदे में बृद्धित के लिए; बांड/वा
- (क) ऐती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विशा के लिए;

शता नव, उनत समिनियम की भारा 269-म में सन्तर्य में, में, उकत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निमिश्वत व्यक्तिमों, स्थात् —  (1) श्रीमती उषा बेन रजनीकान्त जरीवाला महादवेनगर, संग्रामपुर, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला हरिराम बजाजा कावम्सरी एण्टरप्राईज, रिंगरोड, सूरत

(ग्रन्तरिती)

को बह बूचना बाड़ी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष कार्यवाहियां करता हो।

## अक्त सम्मति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्रप्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्स्पी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 5549 अगस्त में रजिस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, भ्रहमक्षाबाद

दिनांक: 27~3-85

मोहर 🖫

प्रकथ आहें , टी. एन. एस. ------

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के नधीन सूच्या

भारत सरकार

# फार्यात्तव, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षक)

भ्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं०  $3413/\mathrm{II}$ —श्रतः सुझे, जी० के० **पंड**या,

शामकार शिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिंपिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० 2012, टी० पी० एम० न० 8 है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूरों में श्रीर पूर्णक्ष में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 8-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त जंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरकृषे हुव किसी नाथ की वाबत अक्त मधिनिकन के अधीन कार देने के जन्तरक वी कवित्व में कमी करने ना उत्तवे वचने में सुविधा के सिए; बॉट/था
- (क) ऐसी किसी अंग या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गंबा था या किया जाना जाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

जितः अव, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिविधित व्यक्तियों, अधित् ध--

(1) श्री रमेणचन्द्र सान्तीलाल पारिख बेगमपुरा, सूरत , ।

(भ्रन्तरक)

(2) जे॰ म्रार॰ डाईंग एण्ड प्रिंटिंग मिल्स, जेड-1201, टैक्सटाईसं मारकेट , रिंगरोड , सूरत ।

(ग्रन्सरिती)

मही मृत्यु सूचका बाह्नी कपुकी पृत्राणिक सुन्तृतित् को सूचन को हैन्सू कार्यवाहियां करता हुं।

## धवस कम्पित के वर्षन के क्यान में कोई ही मार्बोधः--

- (क) इतु सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन की जबीध या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की बावधि, को भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध कियी जन्म स्वनित स्थाय अभोहस्ताकरी के शक तिवित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्क अर्थिनिवन, के बच्चाय 20-क में प्रिशाणित हैं, नहीं वर्ष होगा जो उस क्ष्माय में दिया प्या हैं ॥

## वयस्य

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 6698 नम्बर पर दिनांक 8-8-84 में रजिस्टर्ड की गयी है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-II, महमदाबाद

दिनांक: 26-2-85

मोहर 🛭

## ROT RE'S EL TT. TT. BERTHER

# बावला वृष्टिवर्व, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-व (1) के ब्वीद क्वना

## PROPERTY.

कार्कासन, तहानक भानकत नागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, हैंडन्**म** हाउस

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्वेश सं० जी० ग्रार० नं०  $3414/\Pi$ —-मतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 'इसमें इसके परवाद 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाउ 269-व के अधीन कन्न प्राधिकारी को, वह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव टीव पीव श्रसनंव 8 प्लाटनंव 137 है। तथा जो उच्चरपांडा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजीस्ट्रीकर्त्ता मिकारी के कार्यालय सूरत में रजीस्ट्रीकरण श्रक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन 1-8-1984

को पूर्वेक्त संपीत्य के स्वित वाचार मृत्य से कम के जनमान इतिकास के निए बन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास कारले या कारण है कि बभाए में का समस्ति का उपित वाचार मृत्य उसके रखनान प्रविक्त से, एंस अपनान प्रविक्त का विश्वास का कारण प्रविक्त का वाचार मृत्य उसके रखनान प्रविक्त का वाचार का स्वाद इतिकार से विश्व है बीद बन्तरिक के सिए तम पामा गमा प्रविद्या, निम्नुनिष्ठित उद्वेष्ण से उन्द बन्दर्भ विद्या वाचारण के सिए तम पामा गमा प्रविद्या, निम्नुनिष्ठित उद्वेष्ण से उन्द बन्दर्भ विद्या वाचारण के वाचारण के वाचारण के वाचारण के वाचारण के वाचारण का वाचारण का वाचारण वाचारण वाचारण वाचारण का वाचारण वाचार

- (क) अन्तरण ते धुई किसी बाव की बाबका, सकत अधिनियम से अधीन कार दोने के अन्तरक की खिरल में कही करने या उच्च बचने में बृविधा वे बिए; ब्यौड/वा
- (क) एकी किसी बाद वा किसी वन या अन्य जारितयों को, विन्हें भारतीय अध्य-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

क्ट: बच, बक्त विधिनयम की पारा 269-व के बजुबर्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित अधिनतमां जर्मात् क्र- (1) श्री भोखाभाषी वि० पटेल शास्त्रीनगर, कालोनी, खटादेरा, सूरत ।

(मन्तरक)

(2) भी उमेशभाशी रतनलाल व्यास, भाटर रोड, सूरत।

(मन्तरिती)

को यह क्षाना चारी करके प्रतिकत तंपरित के अर्थन के निष् कार्यनाहियां करवा हु"।

उक्त सम्पत्ति के भवन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस नुवान के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख है 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् बुवान की ताबीस है 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि शह भी समाप्त होती हो, से भीतर वृजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (च) इस कुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवस्थ किसी बन्य व्यक्ति स्थारा, अधीहस्ताकारी के बाब सिवित में निक्र का सकीय।

ज्यस्तीकरणः — इतने प्रमुक्त कर्न्यों नीर पर्यों का, को असक नीधनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नी होंगा जो उस नामान में दिशा गवा है।

## नग्सूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब राजस्ट्रार सूरत में 6466 नंबर पर दिनांक 1-8-84 में राजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंण्या सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-11, ग्रह्मदाबाद

तारीखः : 26 3-85

मोहर 🕄

# प्रकृष बाह् टी, एन, एस, -----

स्रायकर नाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायकत (निर्देशक) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्धेण सं० पी० ग्रार०नं० 3415/ — ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

काल कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें काल वरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, बहु विश्वास करने का भारत हैं कि स्थावर संस्थित विश्वका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० वार्ड नं० 6, है। तथा भो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबक अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजीस्ट्रीकर्त्ता श्राधकारी के कार्यालय, सूरत में रजीस्ट्री-करण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-8-84

को प्रांचित तथ्यित के उचित बाजार मृत्य से कम के अवकाम प्रतिकास के सिए अंतरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंयत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य सत्तके वश्यमान प्रतिकास से एवं दश्यमान प्रतिकास का पंक्र प्रतिकात से जिथक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्ति, रिवारों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तक पावा गया प्रतिकाल, निम्नतिचित उद्देश्य से उच्त अंतरण निचित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया प्या है केन्न

- (क) जलारण से हुई किसी जाब की बाबता, उक्त जीध-विवय के अधीन कर दोने के बंधकुक के खिला जी कभी करने वा उबसे क्यने में श्रीवधा के दिन्ह; कीय/का
- (व) ऐसी किसी जाव या किसी धन वा कर्य वास्तियों को, विन्हें आरतीय नामकार विधित्रमून, 1922 (1922 का 11) वा अक्क विधित्रमून, वा धन-कर विधित्रमून, वा धन-कर विधित्रमून, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया वाना नाहिए था, कियाने में बुविधा हो तिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निक्तमिक्टिक् क्युमिक्टें, अधीन क्ष्रकार (1) श्री की पी कुमार मोहनलाल मोबी नानपुरा सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमिलासटन नटवर लाल पारिख हरिपुरा, सूरत।

(ग्रस्तरिती)

को वह अनुना नारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के लिए। कर्जवहिंदुनों करता हुने।

क्कब सन्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ब), इक बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्स्वस्वरूपी व्यक्तियों पर बूचना की तानीस ते 30 दिन की व्यक्ति, को भी जन्मीय नाम में बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इक सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन को भीतर उक्त स्थानर संपृत्ति में हित-नवूच किसी जन्य व्यक्ति ब्नास अभोहस्ताक्षरी के नात निर्देशत में किए वा सकोंने।

राज्योकरण: - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं अही अर्थ होना, वो उन्नुव्याय में दिवा वृद्ध हैं।

# 

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब राजस्ट्रार, सूरत में 6897 नम्बर पर दिनांक 17-8-84 में राजस्ट्री की गई है।

> जी० के० पंडपा सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, श्रहमदाबाद

तारीख 26-3-85 मोहर # वक्त बाहु<sup>क</sup>् टी<sub>ल</sub> एत् एव<sub>ं स</sub>्तर-----

नावकर मौधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्फन रेंज-II, ध्रहमदाबाध

घट्टमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० आर० नं० 3416/ — ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें उपनियम (उसते अधिनियम) कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपनित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

कौर जिसकी संव वार्च नंव 6 है। तथा को सूरत में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से धर्णित है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय सूरत में रजीस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-8-84

को नभींकत भक्ष्यति को उचित बाबार मृत्य ते कम के प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पंद्रह बित्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितिवां) के बीद एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गवा बतिकस, निम्नलिधित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण कि कित हैं द्रास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाजत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ध्रेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 ई. 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्रमोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

नतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीत, तिक्तिशिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—
35—46GI/85

(1) श्रीमती मधुकान्ता रमेग चंत्र डाह्याभार्षे सुनीलकुमार महीक्षरपुरा, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिण्यकुमार टीटालाल दोरीवाला संजयकुमार जेगमपुरा, सुरत

(भन्तरिक्षी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्ने⊪

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सृचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 तिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलब्ब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वास कथाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किस्र वा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बद्धे और पर्दों का, वो समस् व्यक्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, वो उस अध्याय में दिवा नगा है।

## वनसङ्ख

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब र जिस्ट्रार सूरत में 7737 नं० पर दिनांक 29-8-84 में र जिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-3-85

मोहर म

प्रकृष बाई . टी . एन . एव . ------

नायकर शांभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचमा

#### बारत बरकार

कार्बासव, सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 3417/II—म्बतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 85 सरदार को० औ० हा० सोसायटी हैं। तथा जो सुमूल डेरी रोड सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुमूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं), रिजस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजीस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-8-84 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरवजान अतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वभापविक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दूरवमान प्रतिफल से एसे दूरवमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिक्रत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितवों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पावा यश अतिफल, निम्नलिचित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिचिक में वास्तविक रूप से कार्यन कर्त अन्तरण लिचिक में वास्तविक रूप से कार्यन कर्ताण लिचिक में वास्तविक रूप से कार्यन वास्त वास्तविक रूप से कार्यन वास्तविक

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर देने के अभ्यासक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने सो स्विधा औं सिष्ट;

बत. अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-ग क अनमश्य ब्रो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) पंतरिक निम्मिनियन व्यक्तियों अधित:⊶ (1) श्रीमती जशवन्तीबेन जितेन्द्रलाल परीख ब्लाक नं० 101, पुष्पा भापर्टभेन्ट बम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज बेन अरिवन्द लाल जरीवाला, लालदरवाजा, सुरत।

(ग्रनंतरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

इक्त सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीस में
  45 बिन की सक्छि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, को भी
  सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
  व्यक्तियों में से किसी न्याक्त द्वारा;
- (व) इच सूचना के राज्यत्र में प्रकालन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किये वा सकोंगे।

स्वक्रीकारण:---इशनें प्रमुक्त कन्यों और पर्यों का, को छन्छ जीवनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उत अध्याव में दिया गवा है।

#### वनसभी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 6674 नम्बर पर दिनांक 7-8-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंख्या सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-3-85

प्रस्त नाई, टी. एन ु एस. ५----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के न्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकार वायुक्त (निर्देशण)

ग्नर्जन' रेंज-II, हेन्डलुम हाउस, ग्राश्रम रोड ग्रहमदाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निदेण सं० जी० मार०सं०नं० 3418/II—मात:मुझे, जं० वे० पंडाया,

बावकर बांधानियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपवित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कजरी है तथा जो कलोल में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्क्ता प्रधिकारी के कार्यालय हालोल में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 28-8-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय् पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथिया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; बॉर/बा
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया प्या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिखिट व्यक्तियों, वर्षात् क्रान्स्य (1) श्री जबेरशाली मुलयामायी पटल श्रदमुयाला, सा० रालोल ।

(अन्तरक)

(2) हिन्युस्तान भाडन जोवरी लि० रेसकोर्स सर्कल, बडौदा।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

जमीन जो कालोल में स्थित है जिसका मूल्य 2,68,710 रूपमें है। सब रजिस्ट्री, कालोल में 2259 नंबर पर दिनांक 28-8-84 में रस्जिटक की गई है।

> जी० के० पंख्या समक्ष श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-<sup>II</sup>, श्रहमदाबाद

**सारीख: 26-3-85** 

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के मधीन सूचना

#### शाहत संस्थात

## कार्यासन, सङ्घायक प्रावकर भावनत (निरीक्तक)

धर्जन रेंज-II, हेन्डलुम हाउस ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० ग्रार० नं० 3419— ग्रतः मुझे, जी० के० पेड्या,

वाककार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित वाजार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ज्ञामव है। तथा जो श्रामद जिं खेडा में स्थित है (और इससे उपाधक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रामद में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के सभीन श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के अध्यक्षय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृश्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण से तिए उस पाया नया प्रतिक क्या निम्नितियों व उद्देश्य से उक्त बन्दरण विश्वित में बाल्य-विक क्या में कीच्छ महीं विका क्या है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उपत अधि-दिवस में बुधीय कह दोने के बच्चरक के शांकरय में सबी कही वा अवने स्वयं में बृहियश के जिए; कड़ि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनस अधिनियम, १० धन कर अधिनियम, १० धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, प्रियाने में सुविभा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के क्यूबरण में, मैं, डक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, मिन्नजिखित व्यक्तियों, वर्धात् ६(1) श्री घलवन्तराय हरिलाल बेनामी अम्बिका भवन, धानन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) जन्द्रकान्त मोतीभाई बेनामी पुष्पम कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, नावाली., ता० ग्रानन्व

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति को सर्वन के लिए कर्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  वविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हिस-वर्भ किसी जन्म व्यक्ति य्वारा अभोहस्ताभारी के शास सिवित में कियु वा सकींगे।

इनकडीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित क्री, पढ़ी अर्थ होगा, को उस अध्याव में दिया नवा है।

## ममुस्ची

जमीन औ श्रानन्द में स्थित है जिसका मूल्य 2,40,000/ रुपथे हैं । सब रजिस्ट्रार, श्रापद में 3580 जसर पर दिनांक 25-8-84 में र्राजस्ट्रार्श की गई है।

> जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, भ्रहमदाबाव

तारीख: 26-3-85

मोहर 🕽

## प्रकृष कार्ष . टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, हेन्डलुम हाउस, ग्रान्थम रोड ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० जी० मार० नं० 3420/II—मतः मुझे जी० के० पंडया,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कान एक्कान 'उक्त लाधिनियम' कहा गया है), की धारा कित के अक्षान सक्षा प्राधिकारा को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० मकान चकलाशी है। तथा को चकलाशी तालुका निडयाड में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्त्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, निडयाड में रजीस्ट्रीकरण श्रक्षिनियम, 190 (1908 का 16) के श्रक्षीन 10-8-85

का पृत्रोंक्त सम्पत्ति के जीनत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ष्त अंतरण लिखिक में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण छे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः जव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री मधुभासी छोटा भाई देसाई द्यालादयगो, नडीयाड ।

(भन्तरक)

(2) श्री रमजभाई छोटा भाई, पीज धागील, नशीयाड।

(ग्रन्तरिती)

की बहु सुका कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्कन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उचत तस्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जानाई :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्विक्तमों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

त्वच्छाँकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य क्षोगा को उन कथ्याय में दिया यंत्रा हैं।

# धनुसूची

जमीन जो नडीयाड में स्थित है जिसकी मूल्य 2,50,000 क्षये है। सब राजिस्ट्रार नडीयाड में 3158 नंबर पर दिनांक 10-8-84 में राजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11 श्रहमदाबाद

तारीख 26-3-85 मोहर छ प्रकर बाह्र . टी. ११. एव . •---

बावकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) में नधीन सूचना

#### बारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर नायुक्त (रॅनरीक्षण)

ग्रर्जन रॅज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० भी० प्रार० नं० 3421/ — अतः मुक्ते, जी० के० पंडया,

अस्पकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परजात 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह निश्नास करने आ कारण है कि स्थापन सम्पत्ति, जिस्का उन्नित बाजार मृत्य 1,00,000/- राज से अधिक ही

और जिसकी मं० जामनगर है। तथा जो जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूची मे और पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, गार्डननगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन 13-8-84

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उपित भाषार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिकास के निए अतिरत की गई है जौर नृझे यह निक्वात करने का कारण है कि संभापूर्णेक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूल्य, उसने उध्यमान प्रतिकास से, एसे उध्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिवाद से अभिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरक भी विए तय वामा मना प्रतिकास, गृनक्षितिका उप्योचकों से उस्त कन्तरक कि जिल्ला के बास्तरिक स्थापिक क्ष्म के कि जुन कही सिवा का है द—

- (क) बन्तक्रम वे शुर्व किसी बान की वान्त्र, उनक् व्यक्तित्त्रम की वशीध कर वोगे के अन्तर्शक के स्वीवत्य में कभी कर्षणे वा उन्हों बचने में सुविश्या के विष्ण्; मॉर/वा
- (क) एंसी भिल्ती जान वा किस्ती धन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जरुः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरक मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपचारा (1) के अभीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्रः— (1) श्री अभर सिंह खीमजीभाई प्रसामजिन प्रगोककुमार प्रासालाल सुखडीया, सेक्टर मं० 22 जामनगर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रशोककुमार अंदसालाल मु**खांज्या,** सेक्टर नं० 22 गार्टनगर।

(मन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति को वर्षन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इत अपना के राज्यमा में प्रकाशन की तारीच से 45 दिए के शीतर स्वतंत स्वायर सम्बद्धि में हितवहुध किसी मृत्य स्वतित द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किस जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण:--इसमें प्रमुक्त सक्यों और पदों का, वो उपत विधिनियम के कथ्याय 20-क में परिजायिक हैं, यही वर्ष होता को उस कथ्याय में दिया प्या हैं।

## धम् सूची

जभीन जो जामनगर में स्थित है जिसका मुख्य 70,000 रुपये है। सब राजिस्ट्रार जामनगर में 2142 सैक्टर 22 पर दिनांक 13-8-84 में राजिस्ट्रार की गई है।

> जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रजन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-3-85

प्रकथ आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर जायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज-II ग्रहमदाबाद महमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निर्देश सं० भी० ग्रार० नं०  $3422/\Pi$ —श्रतः मुक्के, की० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० गोधीनगर है। तथा जो गोधीनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबक प्रमूसूची में और पूर्ण रूप से विजित्त हैं), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजीस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 9-8-1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और सभे यह विक्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; सौर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ. मधीन, निम्निसित, व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मृबुलाबेन जसवंत लाल मोधी, सारंगपुर गेट महमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हंसबैन रितलाल कापश्रीया, फ्लैट नं० 504/1 श्रहमदाबाद।

(भन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्बत्ति के वर्षन के संबंध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकत्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी वन्य स्थाकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवा ग्या हैं।

## मनुसूची

मिलकत को गांधीननर में स्थित है जिसका मूल्य 92000 रुपये हैं। सब र्राजस्ट्रार गांधीनगर में 2131 नम्बर पर दिनांक 9-8-1984 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थद रेज-, ग्रहमवाबाद

तारीख : 26-3-85

मोहर.

प्रकथ जार्च , टी., एव., एस ,------

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में मधीन सुधना

## भारत सर्कार

## कार्याजय, तहायक आयकर जायुक्त (जिरीक्षण)

ष्ठाजैन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्देज सं० पी० मार० नं० 3423/II—म्बतः मुक्षे, जी० के० पंडया,

बायकर बाँधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिब इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह पिश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार कृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पारकी पर्लंट नंव 1, 2, और 3, हैं तथा को पारकी में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ष प्रनूसुची में और पूर्ण रूप से विकत हैं) : रजीस्ट्रीकर्सा अधिकारी कार्यालय, पारकी में रजीस्ट्रीकरण प्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-8-1984

करे पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल को एसे इश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हिलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबस, डाक्स वीधिनवल के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कभी करने वा उत्तर्स बचने में बृत्तिका के सिए; बाह्य/बा
- (च) ऐसी किसी जाग या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तरा अधिनियम, या जन-कार अधिनियम, या जन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

(1) मै॰ मनसुखलाल खुशालवास, और श्रन्य किल्ला पारकी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डा॰ पूर्णिमा किशोर नाडकणी, किल्ला-पारडी।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## बक्त सम्बद्धि के वर्षन के संबंध में कोई बाओप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीक्त स्थिकतयों में से किसी स्थितस दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हिसबब्ध किसी क्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पात लिखित में किए जा सकने।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह<sup>ै</sup> वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गमा है।

## धनुषुची

मिलकत ओ पारकी में स्थित है। सब राजस्ट्रार, पारकी में 1262 नंबर पर दिनांक 4-8-84 में राजस्टर्डकी गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेजनी, स्रहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीत्र निम्मतिकित व्यक्तियों, अर्थात् रूल्ल

तारीख: 28-3-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3424/II—श्रतः मुझे जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतको परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 3551, नाना, पारसीवाड, है। तथा जो बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनूस्ची में और पूर्ण रूप से वणित), रजीस्ट्रीकर्का प्रधिकारी के कार्यालय बलसाड में रजीस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 24-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्रथमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (।) चे अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---36—4601/85 (1) श्री धानमाय अरहे जाट दस्तुर और श्रन्य नाना परसीवाड, वलसाड,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भंडारी शानी मंडल कार्यालय, वलमाड ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--- 🦠

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षंहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्पेट्निकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अन्सूची

विलकत जो बलसाड में स्थित है। सम रजिस्ट्रार, बलमाड में 3443 नंबर पर दिनांक 24-8-84 में रजिस्टकं की गई है।

> जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रहमदाबाद

सारीख: 28-3-1985

प्रस्प बार्च. टी. एन. एस्.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यासव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाव
श्रहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निर्देश सं० भी० ग्रार० सं०  $3425^{\prod}$ —ग्रन: सुक्के, जी० के० पंडया,

बावकर विधीनसम, 1961 (1961 कर 43) (बिसे इसके इसके प्रथात 'उक्त निभिनियक' बहु नवा हैं), भी भाषा 269-वा के जधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का सारच हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/-राज्यों से अधिक हैं

और जिसकी गं० रायपुरा है। तथा जो बडोदा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनृसूची में और पूर्ण भप ने बणित है), रजीस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय बडोदा में रजीस्ट्री-शरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य ते कम के दश्यक्तन प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वाक करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके अस्ममान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से वधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (वंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण लिकित में वास्तीवक कृप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अंसरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में दमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वार प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम कि धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित क्यक्तियों, अधीत हि—

 श्री शरव णांताराम रायपुरा, बङ्गेदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) महाबीर श्रपार्टमेन्ट वर्दमेन श्री एन०सी० जैन, रेसकोर्स, बडौदा।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बादी कदके पूर्वों बत सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक अन्दता हूं।

उक्त सम्बद्धित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस बुचना के राजपन में प्रकाशन की रारीत से 45 दिन की अवधि या सत्याम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की बाबीक के 30 दिन की नवींथ, का भी नवींथ बाद में कनान्य क़्रोती हो, के भीतार पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्षांतिस युवारा;
- (क) इस कुलना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्कारूथ किसी जग्न क्योंक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा स्कोंगे।

रचनाडेकरणः --- इसमें प्रमुक्त सम्बों भीर पूर्वी का, जो उक्क सीधनियम, के कथ्याम् 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अगसर्ची

मकान जो रायपुरा, बडौदा, में स्थित है। जिसका मूल्य 4,00,000 रुपये हैं । सब रजिस्ट्रार, बडौदा में 6657 नंबर पर दिनांक प्रगस्त 1984 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० के० पंडया समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, श्रह्मदाबाद

तारीख: 27-3-85

मोहर 🗓

प्ररूप काइ . टी. एन . एत . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आर० नं० 3426/II—अतः सुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का A3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० उसरवाण है तथा जो ता० दारोद, जि० पंचमहाल में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रॉर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारोद मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-8-1984

को पूर्वोक्त संपर्तित के उच्चित बाबार मूल्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिबित उद्वेष्य से उक्क अन्तरण सिवित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुनिभा के निए; जरि/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया भा या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब., उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री रपेला हिमजी कतीजा और अन्य, उसरवाण, ना० दारोद।

(अन्तरकः)

2. श्री असगरभाई अस्यासभाई मुल्ला, भीलवाडा, हमरनी मोहल्ला, वारोद।

(अन्तरिती)

को यह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्क कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष रू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपरित में हितवबुध किसी बन्ध स्थावत बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्त् ची

जमीन जो उसरवाण ता० दारोद में स्थित है जिसका मूल्य 94,000/- रुपए हैं। सब रजिस्ट्रार, दारोद में 1347 नंबर एर दिनाक 27-8-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1985

महेर ;

अक्य बाइं. टी. एन. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आर० नं० 3427/II---अत: मुझे, जी० के० पंड्या.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सांया, ता० दरेगाम है तथा जो दरेगांम में है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दरेगाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4~8-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तु- विक स्प से कथित नहीं किया गया है .~~

- (क) सम्तरण सं क्ष्म किसी अप की बावत असल किंदि निवन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दागित्य में कनी करने ना उसते नकते में तुनिका के लिये; और ना/
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा हैं सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिकर व्यक्तियों, अर्थात् प्र⊶

- श्री उमाकान्त धरणीधर, ममलपुरा, ता॰ दरेगाम। (अन्तरक)
- श्री विष्णुभाई मगनभाई पटेल, ससलपुरा, ता० हिमतनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कामवाहियां मुक्क करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- के बूध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, अधोहस्ताक्षरी वृत्री पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स् नी

जमीन जो साया में (ता० दरेगाम) स्थित है जिसका मूल्य 3,00,000/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार दरेगाम में 1056 नंबर पर दिनांक 4-8-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारी**ख: 28-3-**1985

मोहुडु 🛭

प्ररूप बार्च.टी.एन.एस.-----

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के स्थीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 मार्च 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3428/Ц--अत: **मुझे**, पी॰ के० पंडया.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मोतीपुरा, हिमतनगर है तथा जो हिमतनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिमतनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से, एसे ब्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निविक्त उद्वेष्य से उच्त अंतरण सिखित में कास्त्विक् रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जलारण से हुई किसी बाद की बादत अवस वीधनियुत्र के बचीन कर दोने के जलादक के बादित्य में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंबी किसी बाब वा किसी पून वा नम्ब वास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की, ननुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अभीत :—  श्री नीरूभाई कन्हैयालाल सोलंकी, मैं० हिमतमगर रोटरी, मोतीपुरा, हिमतमगर।

(अन्तरक)

2. श्री मगनभाई मातीभाई पटेल नानी भागोल प्रांसिज श्री नंदासरन पुजीराम पंडया, पोलो ग्राउण्ड, हिमतनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

# नर्तुची

जमीन श्रौर शेंड जो हिमतनगर में स्थित है जिसका मूल्य 2,55,000/- रुपए हैं। सब रजिस्ट्रार हिम्मतनगर में 1831 नंबर पर दिनांक 22-8-1984 में रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-II अहमदाबाद

तारीब: 28-3-1985

मोहर

त्ररूप आर्थः. ट. एन. एस. - - ---

शह्यकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकाह

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आर० नं० 3429/11——अतः मुझे, जी० के० पंडया,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' महा गवा है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्याम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० आफिस न० 321, स्टेशन रोड, सूरत हैं तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1984

को पृथोकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिफल् के लिए कन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किलिखत में नास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए। और/वा
- (क) ऐती हिन्दी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों की चिन्दी भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथनयम, या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए का, छिपाने में स्विधा ने सिए?

बतः अव, अक्त विधिनियम की धारा 269-ण की वन्तरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों, सुधात् ध—र 1. मैं जें एम एन पन माधोजी बिरुडर्स (सूरत प्रोजेक्ट्म) जवेरी बाजार, बम्बई-21

(अन्तरक)

 मै० अजन्टा एन्टर प्रार्ह्ज, 1092, ुटैक्सटाईल मार्केट, रिंग रोड़, सुरत-21

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्मति के कर्मन के सम्मन्ध में कोई भी मन्त्रोप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाच्य होती हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण: -- इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### वनसर्वा

मिलकत जो सूरत में स्थित है। आयकर अधिनियम की भारा के अनुसार का फार्म 37-ई०ई० पर कार्यालय में 7-6-84 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--, अहमदाबाद

तारीख: 29-3-1985

माहर:

# प्रकृत वार्षे हरी एनं विकास सम्बद्धान

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन मुचना

## प्रारत रहकाड

कार्यालय, सहायक आधकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदानाद अहमदानाद, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश सं० जी० आर० नं० 3430/ ---अतः मुझे, पी० के० पंडया.

जाबकर अधिनिजय, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उपत जिथिनियम' केल क्या हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का भारत हैं कि स्थावर श्रीकारी, जिसका श्रीकत वाचार मृख्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० दुकान न० 38, डायमड हाउस, है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई० के अधीन, तारीख 7-6-1984

को पूर्वों कत सम्परिक के उचित बाचार मृस्य से कम के कामान प्रितिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि मंभापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके छ्रयमान प्रतिकल से, एते क्रवनान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से निधक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए इब पावा गया प्रतिकल, निक्तिविचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तनी का स्प से किंग्रित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की बाबित्य में कमी करने ना उससे वचने में सुर्विधा से लिए; आर्ट्/बा
- (स) एसी किसी जाव या किसी धन या बस्त अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

1 मैं० जें० एम० सी० एण्ड मेघामी बिल्डसं (सूरत प्रोजेक्ट), झवेरी बाजार, वस्बई-2।

(अन्तरक)

2 श्री चद्रिका सभ्म शशीकात कपाड़िया, हरिपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

की बंद कृषना वारी करूके पूर्वोक्त अम्पत्ति के वर्षन के सिद् कार्यवादियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील बं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ज) इस स्वान के राज्यन के प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन के भीतर जनत स्थायर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य स्थापत क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोगें।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्दो का, वो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिश पदा हैं॥

## अमुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है आयकर अधिनियम की धारा के अनुसार 37—ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाक 7—5—1984 को पेश किया गया है।

> पी० के० पडया सक्षम प्राधिणारी सहायक आयकर आयुक्च (निरीक्षण) अर्जन रेज—ा1, अहमदाबाद

अत<sup>.</sup> अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) नारीख: 29-3-1985

माहर

# प्रकण् काह् . क्षी . एस . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वचीन वृभवा

#### भारत प्रस्कर

# कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्फन रॅज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० औ० श्रार० नं० 3431/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-व के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर समिति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान नं० 4, डायमा हाउस, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावक प्रमुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्का प्रधिकारों के कार्यालय' प्रहमदावाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 37-ई०ई० के प्रधीन तारीख 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करमें का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के सिए तम पामा म्वा प्रतिफल, निम्नितिखत उच्चरेय से उसत मन्तरफ कि सिएत में नास्तिबक कर से अधिक महीं किया नहीं हैं

- (क) जन्तरण से सुई किसी बाद की बाल्स, उनक अधिनियत के अधीन कर दोने के जन्मक थे दावित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविवा के सिए; जीर/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आवक्त अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

णाः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं० फें० एम० सी० एण्ड मेकाफी बिल्डमें, बम्बई। (अस्तरक)
- श्री जगदीश चन्द्र छोटाभाई पटेल, गायत्री प्रपार्टमेंट, ग्रागजण पाटीया, सुरत ।

(भ्रन्तरिकी)

का यह भूपना चारी करूबे । बॉक्स तस्परित के कर्णन के सिए कार्यशाहियों करता हो।

उक्त शंपरि के सर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 चिन की व्यत्रिय वा स्तर्सवंभी व्यक्तियों पर
  स्पना की तानीस से 30 दिन की अविभः, जो भी
  अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बुचभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिरिया में किए वा संकोंगे।

स्पक्षक्रिया:—इसमें प्रयुक्त कक्षों और पर्यों का, ओ उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

# क्तूवी

श्रायकर अधिनियम की धारा के श्रनुसार का फार्म 37-ई.ई० पर कार्यालय में 6-11-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-<sup>II</sup> श्रहमदाबाद

तारीख: 29-3-1985

प्रारुप बार्ड. टी. एन. एस.,-----

हाथकर लिपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-!!, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० जी० श्रार० नं० 3432/II—श्रन: मुझे जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० दूकान नं० 20, डायमंड हाउस, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसने उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकेर्स श्रिधकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 37-ईई० के श्रिधीन, तारीख 11-6-1984

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं० जे० । म० मी० एण्ड मेघाजी बिल्डर्स (सूरत प्रोजेक्ट्स) अवेरी बाजार, बम्बई-2।

(भ्रन्तरक)

 श्री अंबालाल लल्लूभाई पटेल, पोपट मोहल्ला, नानपुरा, सूरता

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

### वनसूत्री

मिलकत जो सूरत में स्थित है। श्रायकर श्रिधिनयम की धारा के श्रनुसार का फार्म 37-5ई० पर कार्थालय में दिनांक 11-6-1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-3-1985 मोहर:

माहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)  ${f y}$ र्जन रेज ${f II}$ ,  ${f y}$ हभदावाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3433/II— म्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 19, डायमड हाउस, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबक प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्रा प्रधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 37-ईईं० के, प्रधीन, तारीख 11-6-1984

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) बन्तरण् ते हुई किसी श्राय की शाउत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या, अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीर प्रायक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा म्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क्लूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत :—

1. मैं ० जे ० एच ० सी ० एण्ड मेघाजी बिल्डर्स 223/225, झबेरी बाजार, बम्बई-2।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दीन्भाई असालाल पटेल, हाउस, पोपट मोहल्ला, नानपुरा, सूरत।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्सची

ग्रायकर प्रिक्षितयम की धारा के श्रनुसार का छार्म तं० 37—ईई० पर कार्थालय में दिनांक 11—6—1984 को पेश किया गया है।

> जी० कें० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज~II, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-3--1985

मोहर :

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

कायकर बिविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आय्वन (निरोक्षण)
श्रर्जन रेज—II, श्रह्मदाबाद
श्रह्मदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985
निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3434/II—श्रतः मुझे,
पी० के० पंड्या,

अग्रयकर अभिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हुं), की बारा 269-स के अधीन सक्तम प्राविकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० श्राफिस नं० 417, टायमंड हाउस, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और, ूर्ण रूप से विषत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 37-ईई० के श्रिधीन, तारीख 11-6-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रविकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्नविचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि कि वास्वरिक के बार्य के सिंप के सिंप के बार्य के सिंप के

- (क) नन्तरण ते हुन्दै किसी नाव की वाश्या, उपक बीधविवध के बचीन कर दोने के जम्बरक के शाकिल में कनी करने ना स्वतं वचने में तृषिणा के निए; और/या
- (क) एरेती किसी जाव या किसी धन या जन्य आस्तियों करें, जिल्हें भारतीय आध-कर विश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिएती द्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था कियाने में सृतिभा के लिए;

आहः अव, अवत अधिनियम करी भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उपत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिक्नीसिवित व्यक्तियों, अधीत् ६ ा० जे० एम० सी० ड मेघानी बिल्डस (सूरत प्रोजेक्ट्स), झवेरी बाजार, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

2 श्री शान्तीलाल मणीलाल पटेल, ग्रडाप्पम पट्टी, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को सह क्ष्मना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिग्न कार्वचाहियां करता हुं।

उक्त सक्यक्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इत सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 4:5 दिन की भवीं या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों श्व सूचना की ताबील से 30 दिन की सर्वाय, या की सर्वात्र बाद में ब्रजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

### भनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। श्रायकर अधिनियम की धारा के अनुसार का फार्म 37-ईई० में कार्यालय में 11-6-1984 में पेश किया गया है।

> पी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज~II, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-3-1985

माहर 🕄

# ब्ररूप बाइं.टी एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभाना

#### भारत सरकाह

कार्यात्तम, सहायक नामकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश स० पी० ग्रार० न० 34:35/II—ग्रत मुझे, पी० के० ५डया,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियभ कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सपित, जिसका उणित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स० दुकान न० 18, डायमन्ड हाउस, है तथा जा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण कप सं विजत है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 37ईई के अधीन, तारीख 11-6-1984

को पृथेंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथेंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गुवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अंतरण लिखित वे बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अतरक क दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्त्यां का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

बतः बब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्युक्तियों, स्वांत् :—

1 मैं० जे० एम० सी० एण्ड मधाजी बिल्डर्स, झवेरी बाजार, बम्बई-2।

(अन्तरक)

2 श्री जफ़ोदा सरन जगदीणभाई पटेल, गायद्री श्रपार्ट-भेन्ट, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उनत सपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिकाषित हुँ, नहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

# भगुसुची

श्रायकर ग्रधिनियम की धारा के भ्रनुसार का फार्म 37-ईई यह कार्यालय में दिनाक 11-6-1984 को पेश किया गया है।

> पी० के० ५डया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षरण) ग्रजन रेज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 29-3-1985 मोहर प्रकप बाद् .टी.एप.एस्.-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुवना

#### भारत हरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक गायकर बायुक्त (किरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज $-\mathbf{I}\mathbf{I}$ , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाकः 29 मार्च 1985

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 3436/II—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की बाद 269-ख के जभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ौर जिसकी स० दूशान न० 5, स्टेशन रोड है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीयर्ती श्रिधवारी के शार्यालय श्रहमदाबाद से, रिजस्ट्रीयर्प श्रिधित्यम, 37 ई० ई० के श्रिधीन, तारीख 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में। वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बलारण से हुई किसी बाव की कावत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिवित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौट्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तु अधिनियम, शा वन-कार अधिनियम, शा वन-कार अधिनियम, शा वन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

नतः नवः, उन्त विधिनियम की भारा 269-गृ नै अनुसरण मों, मीं उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— 1. मै,० जे० एच० सी० एण्ड मेघाजी बिल्डर्म, झवेरी वाजार, बम्बई-2।

(ग्रन्तरक)

2. योगेणभाई छाटाभाई पटेल, डच हाउस, नातपुरा, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृष्यना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यशाहिमों करता हूं।

# ब वस् संपत्ति के नर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 चिन की नवींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाम में समाप्त होती हों, के भीतर प्रोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (ख) इस स्चना क राज्यत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयमः, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हो।

# अनुसूची

श्रायकर श्रिधिनियम की धारा के श्रनुसार का फार्म 37-ईई० पर कार्यालय में दिनाक 11-6-2 को पेण किया गया है।

जी० के० पडया रक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्राय्मत (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज-II, भ्रहमवाबाद

तारीख: 29-3-1985

मोहर 🖫

प्रकल कार्युं, टी, एन, एक्, - - - - ::-

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### पारत बरकार

# कार्यांतय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं०  $3437/\Pi$ —-ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकार क्षाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दूकान नं० 401, डायमन्ड हाउस, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के हार्याचय, श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ई०ई० के श्रधीन, नारीख 11-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त जिमीनयम के अपीन कर देने के अन्तरक के दावित्य के कभी करने या उससे वचने में अविधा के निए; के र,'दा
- (ण) एंसी किसी आब वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा सा सा आजा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भतः सव, उस्त स्थिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण के, में, उस्त स्थिनियम की भारा 269-स की अपभारा (1) ने स्थीन, निस्मितिक स्थिनियम, सर्वाद्य ह

1. मैं० जे० एम० सी० एण्ड मेघाजी बिल्डर्स, झटेरी बाजार, बम्बई- 2।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री नारायण छोटाभाई पटेल, इच हाउम, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कड़ि भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की सारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए। वका है।

### अनुसूची

मिलकत जो सूरत सें स्थित है। फ्रायकर अधिनियम की धारा के ग्रनुसार का फार्म 37—ईई० पर कार्यालय में पेण किया गया है।

> जी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

तारीख: 29-3-1985

मोहर 🕄

# मुक्क बार्ड ्रो क्व. एव ......

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज~II, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3438/II; - श्रतः मुझे जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव दूरान नव 402, स्टेशन रोड़, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाधक अनुमूची से और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्टीकरण अधिनियम, 37-ईई के अधीन, तारीख 11-6-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, विम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं फिया गया है हि—

- (क) जन्तरण से धुर्क किसी आय की शायत, उक्त सीधीनवज्ञ के स्थीत कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कासी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए: व्यट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विका आहतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिन्ना के किया

अत: अत्र, उक्त आभिनियम की धारा 269-क के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिन् व्यक्तियों, अधीत् ः—  सै० जे० एच० ली० एण्ड मेघाजी बिल्डर्स (सूरत प्रोजेक्ट) झवेरी बाजार, बम्बई-2।

(श्रन्तराम्)

2 श्री फाल्गुनमाई जगदीणनाई पटेल, गायवी श्रपार्ट-मेन्ट, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

स्त्री बहु सूचना बारी फरके पृथ्वीवत सम्मीक्त के बर्चन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उपक सम्मात्त के बर्चन में सम्मान में ऋदे भी नाक्षेप हन्त

- (क) इस वृष्या के राजपुत्र के प्रकाशन की तारीक कें
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

त्यव्यक्तिपुत्रः--इसमे प्रयुक्त सम्बद्धे कार वर्षो का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्तुची

श्रायकर श्रिधिनियम की धारा के श्रनुसार का फार्म 37— ईई० पर वार्यालय में दिनांक 11--6-84 में पेश किय गया है।

> जी० के० पड्या नक्षम प्राधिकारी सहायक स्राधकर श्रायुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रोज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख: 29-3-1985

मोहर 🖫

प्ररूप: बार्ड: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वाय्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∏, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेश सं० पी० फ्रार० नं० 3439/11-- फ्रतः मुझे जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० म्राफिन न० 322, स्टेशन रोड, है तथा सूरत में स्थित है (और इमसे उपाबंद म्रानुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीशर्ता म्रधिकारी के वार्यालय, म्रह्मदाबाद में, रिजस्ट्री परण म्रधिनियम, 1908 (137-ईई के म्रधीन, तारीख़ 11-6-1984

को प्योंक्त सम्पित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सथ, पूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिविक रूप से किया गया हैं -

- (क) अन्तरण संहुइं किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के जन्सरक के दापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयुक्तियों, अर्थाठ :--- 1. मैं ० जे० एच० सी० एण्ड मेघाजी जिल्डर्स, झवरी बाजार, धम्बई।

(धन्तरक)

 श्री भ्रादिनाथ टेक्पटाईल, टेक्सटाईल मार्केट, रिग रोड, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्म किसी सन्य स्वक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वस्स्वी

श्रायकर श्रधिनियम की धारा के श्रनुसार का 37-ईई का फार्म यह कार्यालय सें 11-6-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पडया पक्षम प्राधि गरी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण ग्रर्जम रोज-II, ग्रहमदाबाद

नारीख: 29-3-1985

मांहर:

प्ररूप बाइ. टो. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायकत (निरक्षिण)
प्रजीन रेज-II, प्रहमदाश्राद
प्रहमदाश्राद, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं०  $3440^{/}$  $\Pi$ ---श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिनकी सं० भ्राफिस नं० 216, स्टेणन रोड़, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाध्य भ्रनुसूची संऔ, पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यालय, भ्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37-ईई० के श्रिधीन तारीख 11-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों और बंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखि में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाब्त, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्क बचने में सुविचा से सिए; बॉट/बा
- (भ) ऐसी जिली जाय या किसी भन या जन्म जारिस्तयों की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सर्विष्ण के लिए;

जतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व को अनुसरक मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तिसयें अधीतः :----38—46GI/85 1. मैं० जे० एच० सी० एण्ड मेशाजी बिल्डर्स, झवेरी बाजार, अम्बई।

(श्रन्तरकः)

2 श्री गोरधनभाई एन० पटेल एण्ड रण्छोडभाई बेर्ज पटेल, सरोली, तार चोर्यासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सपित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां **गुरु** करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की ताजील से 30 दिन की जनिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्राह्मा;
- (व) इस सूचना के राजपण्ण में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्छ अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### भग्त्वी

श्रायक्तर श्रिधिनियम की धारा के श्रनुसार का 37-व्हेंई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाक 11--6-1984 को पेण किय गया है।

> जी० के० पंड्या, स्क्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--II, श्रहमदाबाद

तारीख 29-3-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आई.टी.एन.एस.्=======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मुधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज $-\Pi$ , श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1985

निदेण सं० भी० स्रार'० नं० 3441/11—स्रात' मुझे, जी० के० पंडया,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संभित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसवी सं० भ्राफिस नं० 418, डायमड हाउस जो स्रत मे स्थित है (और ६ससे उपाबक श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं रिजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में, रिजिस्ट्रीकरण श्रक्षितियम, 37-ईई० के श्रक्षीन, तारीक 11-6-1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा प्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से बिधक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने मीं स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---  मै० फे० एच० सी० एण्ड मेघाजी बिल्डर्म, अवेरी बाजार, बम्बई।

(अन्तरक)

2. मिस दिपिका सरन शान्तीलाल पटेल, उमा श्रपार्ट-मेंट, सूरत।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-ब्यूथ किसी व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असमची

ग्रायकर ग्रह्मितयम की धार के ग्रनुमार का 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-II, स्रहमदाबाद

तारी**च**ा: 29-3-1984

मोहर 🖫

नायकर मॅभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीन स्चान

### भारत सरकार

कार्यांसय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निर्देखिक) अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद अरहमदाबाद, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश सब्पीर प्रारंक सब्देश सब्से, जीव केव्पडना

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उन्त निर्धानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निर्धान सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्दित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु से निर्धिक है

और जिसकी में दूकान 10 36, 52,53 है तथा जो डायमड हाउस, सूरत में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विष्त हैं), रिजस्ट्रीकर्ल श्रक्षकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रक्षितियम, 387-ईई० श्रधीन, तारीख 27-6-1984

को पूर्वोक्षत सपित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथअपूर्वोक्त सपित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से बन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तब पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत जन्तरण निवित में बास्तिक रूप स किया गया है....

- (क) जन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व को कमी करने यो उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/व्या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

जत जब उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधन्त्र, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात --- 1 मैं० जे० एम० सी० एण्ड मेधाजी बिर्ल्डस हावेरी बाजार, बम्बई-2।

(भ्रन्तरक)

2 मैं० श्री सुधा टैक्सटाईल ट्रेडर्स को० ओ० लि० टैक्सटाईल मार्केट, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी क<u>त्रको पूर्वीक्त संपरित को वर्षन को</u> जिह कार्यवाहियो करता हुई।

उनत सम्पत्ति को मर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिम की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्वध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# **मन्स्ची**

श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 3 के श्रनुसार का पार्म 37-ईई० यह कार्यालय में दिनाक 27-6-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० ५**डया** सक्ष्म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्जन रे**ज-II, **बम्बई**

तारीख 29--3-19**85** मो**हर** 3 प्ररूप बाह्य हो . एन . एस प्र------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 29 मार्च 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3443/2—अतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं। जंतलपुरा है। तथा जा बड़ांदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्री-कर्ता अथिवतरी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अथिनियम; 1908 (1908 का 16) के अथीन 7-8-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि कि सभा पूर्वे पत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एोसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सब्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में वास्तिक रूप से कियत शहीं निज्या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा दायित्व के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री हर्शदभाई एम० तिवेदी श्रौर अन्य भाटबाड़ा, बालाभिनार, जिला खेड़ा

(अन्त'रक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार आर० पटेल अकोला, बड़ौदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध वा तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वी

मिलिक्षियत जो जैनलपुरा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सरगोदा में 4844 नम्बर पर दिनांक 7-8-84 में रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 2'69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 2'69-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

तारीख : 29-3-85

माह्र 🛭

# प्ररूप **वाह**ै<u>.</u> ट<u>ी.</u> एन*.* एस<u>.</u> = - =

# जायकर जिप्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 29 मार्च 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3444/II—अतः मुझे जी० के० पंडया

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास हरने का कारण है कि स्थावर सम्पितः, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फतेहगंज है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह निश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तविक रूप रूप से किथा नहीं किया वया है दिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अपन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्थीन, निम्मतिसिक व्यक्तियों, अर्थात:—- (1) श्री काताबह्म छोटाभाई पटेल फ्लैंट नं० 11, भुमानपुरा, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री मयंक सम्पूर्ण पटेल प्राविन्सियल अवर सोसाईटी, रेमकोर्स, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उसत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील स 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पद्मा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुस्**ची

मिलकत जो पटेलगज, बड़ौदा में स्थित है। मब रजिस्ट्रार बड़ौदा में स्थित है। मब रजिस्ट्रार, बड़ौदा 6735 नम्बर पर अगस्त 84 में रजिस्टर्ड की गई है। जिसका मूल्य 6,00 000/-रुप है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 अहमदाबाद

**भारीख:** 29-2-85

मोहर

# प्रकण भार्द्र . डी एन्. एव.-----

# भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

### नारद सुरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज⊶2 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनाक 30 मार्च 1985

निर्देश पी० आर० न० 3445/II/अत मुझे पी०के० पंड्या, बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त सिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रूप में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान श्रांग जमीन है। तथा जो भटसामा में स्थित है (श्रांर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णीत है), रिजस्ट्रीकतो अधिकारी के कार्यालय भटमोजा में रिजस्ट्री— करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित थाजार मुख्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गद्र ₹\* गौर विश्वास मुभ्ते यशु करने कारण कि मधापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान र्रितफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरच से हुई किसी बाब की बाबत, उबस मिश्रियम के अभीन कर दोने के बन्तरण की वायित्य में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी जाय था किसी थन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अध्वरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था थे, किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए;

वत. ७४, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) े अधीन किं किंकि

(1) श्री शाह अनुभाई शविलाल अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री णाह नगीनभाई प्रविलाल फूष्णा सोसायेटी भरगोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के बिष् कार्यनाहियां करता हुएं।

### उक्त संपृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🏼 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्य स्वित्यों में से किसी स्वित्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाब निवित में किए या सकेंगे।

स्वयाकरणः - इतमे प्रयुक्त सन्दों जौर पदों का, आर्थ उक्ध अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अमृस् थी

दुकान जो भटनाजा में स्थित है जिसदा मूल्य 1,71,000/-रूप है। सब रजिस्ट्रार महेसाजा में 2980 नम्बर पर दिनाक 16-8-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सत्ययक आयवःर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

कारीख . 30-3-1985 मोहर प्ररूप भार्य, टी, एन, एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांकः 30 मार्च, 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3446/2—अत: मुझे जी० के० पंड्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टिमननगर है। तथा जो टिमननगर में स्थित है उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय टिमननगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908में का 16) के अधीन 8-8-84 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- इस, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विश्वा जाना चाहिए था, छिपाने में मृविभा के निए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री केशवलाल हरजनदास शाह कच्छी सोसाईटी हिसत्तनगर ।

(अन्तरकः)

 अस्टित पटेल इन्डस्ट्रीज भागीदार श्री मिजीन चमनलाल जोशी भष्टायार नगर, टिममनगर।

(अन्दरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### जनत् सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की कविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी वर्जीभ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का; जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

मकान जो टिमननगर में स्थित है जिसका मूल्य 1,07,000/-रुप है। सबंरजिस्ट्रार, टिमननगर में 1586 नम्बर पर दिनांक 8-8-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुष्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

सारीख: 30-3-85

मोहर:

प्रकप् बार्धः, थी. एन., एव. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 34,47/2——अतः **मुझे जी०** के**०** डिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टिमन नगर

है। तथा जो जि॰ सावर संडा उपाबद्ध अनुसूची में धौर वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिमलनगर में रजिस्ट्रीकरण अथिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहीमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अलिलयों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री केणवलाल टरमदास णाह कच्छी सोसाईटी हिमलनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री चमनलाल चुन्नीलाल दोवी दोवी इन्डस्ट्रीज भटाभाटननगर हिमतनगर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्रिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यासा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्वाह 1

### अनुसूचो

भागि जो हिमतनगर में स्थित है जिसका मूख्य 1.45,000/-रुप है। सब रिजस्ट्रार, हिमतनगर में 1982 नम्बर पर दिनांक 8-8-84 रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 30-3-85

मोह्यः

प्रकृष बाह्र . टी., यून. एस. ------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मजन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1985

निरेशनं० पी० श्रार०नं० 3448/2~— श्रतः मुझे जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की. धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन श्रीर मकान टिमानगर है। तथा जो श्रौर पूर्ण रूप से विभिन्न हैमे; रिजस्ट्रीकर्ता श्रियकारी के कार्यालय मितनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम; (1908 1908 का 16) के श्रथीन 8-8-84

को पर्वोक्त सम्पिति के उच्चिर राजार माय से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) अरेर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण 'बिक्त में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया ग्या है:-

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाय की बावत. उक्त जिमित्रम के जभीन कर दोरे के इन्ताक के दायित्व में कभी करने या उससे बचा में स्विधा या त्रिम्, और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियान में सुनिधा के लिए

बतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मं, मं. इक्त अधिनियम की धारा 269-भ को लागाना (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 39—46GI/85  श्री केशवलाल रिकशनदास गाह कच्छी सोमाईटी, हिमतनगर

(भ्रन्तरक)

2 मटाहार पटेल स्ट्रीज
श्री चमनलाल इन्डलाल दोशी
भटाहारनगर,
जि० हिमतनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कारके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया व ग्ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाक्स गाकिनयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा.
- (स) इस म्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी क एस तिज्ञित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

### अनुसूची

मकान जो हिमतनगरमे स्थित है जिसका मूस्य 1,25,000/-रुप है। राब रिजम्ट्रार, हिमतनगरमें 1583 नम्बर पर दिनांक 8-8-84 रिजम्टड किया गया है।

> (जी० के० पंडया) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (1नरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमधाबाष

तारीख: 30-3-85

मोहर 🚁

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

# भाषकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

#### भारत सहस्रह

### कार्यालय, सहायक नायकार भाव्यक्त (निर्दाक्तण)

धर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद,दिनाक 30 मार्च 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3449/II---श्रसः सुझे जी० के० पंडया,

कायकर किनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें प्रयाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उच्चित बाकार मूक्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान हिमतनगर है तथा जो सासरवांग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हिमतगर में रजिस्ट्रीव रण श्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, 8-8-84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अजापकांक्त सम्पत्ति का उपलि अजाप मूच्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीज एस अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्निजित उद्देश्य से उपत अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाग की वावत उक्त अधिनियम के अभीन कर बाने के अन्तरक के दाकित्य में कभी करने या उच्छे बचने में सुविधा के किस, और/या
- (वा) ऐसी किसी जाम मा भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अफिन्मयम, 1925 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, मा जन-कर बाँचिनियम, मा जन-कर बाँचिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोचनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जियाने में सुविधा के बिक्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण के में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री केशवलाल हरजीवनदास शाह कच्छी सोसाईटी, हिमतनगर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ए० सी० दोशी महापर नगर, हिमतनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करसे पृथासित सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

### जनत सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में खोद्दें भी बाक्षेप?--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिष था तत्संबंधी व्यक्तियों पर न्यता की तामीस से 30 दिन की सविष, जो भी सविष बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पृथांकर व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति स्वाराह
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अक्स स्थावर सम्पत्ति में हितवबृष किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में निक्षा का सकेंगे।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त प्राथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा हैं।

### वनुसूची

मकान जो हिमतनगर में स्थित है जिसका मूल्य 1,85,000/-रुपये है। सब रजिस्ट्रार, हिमतनगर में 1885 नम्बर पर दिनांक 8-8-84 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 30-3-85

मोहर :

प्ररूप बार्ड.टी.एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन क्ष्या

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक शायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

धम्बद्दे, दिनांक 11 श्रप्रैल, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/11649/84-85--म्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट नं० 606, जो, 6वी मजिल, निलधरा श्रपार्टमेंट, देविद्यान रोड, बोरिवली (प), वम्बई-92 में स्थित है), (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिलका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एक स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिबिस्त उष्विस से उन्ते जन्तरण सिचित में बास्तिक रूप के कियत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण तें हुई किसी आय कीं बाबस, उन्हा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्टुं

बत: अर्ब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधान, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्रीमती बन्शी जितेन्द्र दाशी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेद्र जी० राम्भीया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के चिछ् कार्वनाहियां शुक्त करता हूं।

### उक्त संपत्ति के वर्षन के बंबंध में कोई भी बाध्येय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवभि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में के किसी स्वतित द्यारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की मीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किया मन्य स्थापत स्थापत में दिन की पास विविध में सिक्ष का सकेंगे।

#### मक्तराज्यी

फ्लैंट नं० 606, जो, 6वीं मंजिल, निलधर भ्रपार्टमेट, देविदास रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-4/37-ईई/11649/→ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, इम्बई ।

दिनांक: 11-4-1985

मोहर:

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स भावना कन्द्रवशन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीके० आर० महा।

(भन्तरित्।)

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्मना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रप्रैल, 1985

निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/11717/84-85----- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 7, जो, 1 ली मंजिल, इमारत नं ए / 17, रत्तन नगर, बोरिबली (पूर्व), बम्बई – 66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, थ के भ्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ए'सं क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्क्न) अम्परम सं हुन्द्री िकादी आब यह बाबसा, उज्ज मिनियम के अभीन कार बाने के मन्तरक के बायित्स को कमी करने या उससी संचने को मृश्यिका के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियमों, वर्षात् क्र— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# **'**जनसर्ची

प्लैट नं ॰ ७, जो, 1ली मंजिल, नं ॰ ए०-1७, रस्तन नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैशा कि ऋ० सं० श्रई-4/म 37-ईई/11717/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 11-4-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

जायक द अधिनियम,, 1961 (1961 का 43**) की** भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 11 श्रप्रैल, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/11703/83-84---**ग्र**तः

मुझे ए० प्रसाद
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का
आपन्य हैं कि स्थान सम्मत्ति, जिसका उनित बाजार मस्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

भीर जिनको सं० फ्लैट नं० 30, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, तरुण धपार्टमेंट जे० बी० नगर, बोरियली (५), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-8-1984

का पर्वावित सम्पत्ति के ठीका याकार मृत्य से काम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके हायसार प्रांतिकल में, एरेरे टरयमान प्रतिकल का पत्ति का पत्तिक का पत्ति का पत्तिक का पत्ति का प्रतिकल का पत्ति प्रतिकल में, एरेरे टरयमान प्रांतिकल का पत्ति प्रतिकल से विश्व से विश्व है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच होसे अंतरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिकल का निम्त्रनिधित उद्विष्य से स्वत बंतरण विश्वत के बास्तिक कर से अभित नहीं किया गया है र---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खब्द अधिनियभ के अधीन कार दोने के अंतरफ के दापिएए यो कामी कारत या उससे उपस्का स्वीत्मः के लिए; और/बा
- (क) एसी किजी आम या किसी भण या अन्य जास्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकार जीभीनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती स्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा खें बिद्;

जत जब, उन्न अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चत ध्यक्तियों, जर्थात् ्र— (1) श्री सुरेन्द्र विठठल कामथ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र भगवंत मुलेकर

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप हुन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीज से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवार;
- (ज) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, को उनस् निधिनियम, को जध्याय 20-क में धरिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा पदा हाँ।

#### कारची

फ्लैट नं० 30, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, तरुण ग्रापार्टभेंट, जे०बी० नगर, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ अई-4/37-ईई 11703/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्ट अंकिया गया है।

> (ए० प्रसाद) सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, **सम्बर्ध**।

विनांक: 11-4-1985

मोहर ३

# प्रसम्य बाह्र . दी . एस . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-४ (1) के अभीत करण

### नारत सरकाड

क्ष्मिनव , सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ग्राप्रैल, 1985

निर्देश सं० प्रर्ह-4/37-ईई/11773/84-85--प्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं 'क स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, हेम होरीक्षोन को -श्राप्य हाउतिम सोसाइटी लि०, सी-7, जीवन बीमा नगर, मंडपेश्वर रोड, बोरिवली (प), बम्बई-103, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984.

क्ष्मं पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और पुके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) बन्तरम वं हुई किसी बाय की वायत, अवस अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के आमित्य में कमी करने या उससे बचन में सुविधा क निए, सीर/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी बन वा अन्य जास्त्यां की, विन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिम्मिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण या, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धः— (1) श्री विपिन नारयणदास शहा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वाती सुभाष शहा

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्न्स पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई नी बाधांद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में फिए था सक्ते।

स्पद्धीकरण:—इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ही, वही अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया पया ही।

### यगुसूची

पलैट नं० 15, जो 4थी मंजिल, हेम होरीझन को-धापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, सी७, जीवन बोमा नगर, मंडपेस्वर रोड, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि का० सं० श्रई-4/37-ईई/11773/-84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 11-4-1985

मोहरू 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीय स्मना

### भारत श्रदकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/11875/84-85---अतः मुझे,

नायकर गिथनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- द के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्याय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, जो, देवेंद्र अनार्टमेंट, रोका-4 डियालेन, ऑफ एस० बी० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई— 92 में स्थित है। (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खं के अधीम बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है बीर जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तो पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विवन के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने ना सकते बन्धी में नृष्टिभा के पिए; भौड़/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीयनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से जिस्

जतः जन, उपरा अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपरा अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्हतिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात ≝—— (1) मैसर्स ब्रिज बिल्डर्स।

(अन्तर्यः)

(2) श्रीमती इन्दुमती एस० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यनाहियां करता हुएं।

उपल सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षाप --

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्पष्टि के विद्या किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सक्ष्य।

स्वक्योक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ श्रोगर जो जम अध्याय ये दिन्ह वस हैं।

### बनुसुची

फ्लैंट नं० 204, जो, देवेंद्र अपार्टमेंट, रोक्ताडिया लेग, आफ एस० वी० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं. अई-4/37-ईई/11875/-84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलाक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद सक्षम प्राविकारी, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) **वर्जन रें**ज-4, बम्ब**र्ड**

तारीख: 11-4-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.------

(1) मैसर्स क्रिज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० बी० उपाध्याय ग्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/11495/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104, जो, डी-विंग, देवेंद्र अपार्टमेंट रोहाडिया, बोरियली (प), बम्बई में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध जनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), भीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्मरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अना व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### अनुसूचो

फ्लैट नं० 104, जो, डी--विंग, देवेंद्र अवार्टमेंट, रोकाडिया लेन,बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैना कि कि सं अई-4/37-ईई/11495/→ 84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

दिनोक: 11-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी.एम.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11510/84-85---अतः मुझे, ए० प्रमाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लैंट नं० 19 और 20, जो 4थी मंजिल दीनानाथ टेरेस, प्लाष्ट नं० 352, सिम्पोली रोड, बोर्घिक्ली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप के वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के क्ष्यमान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बालायिक क्य से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की शावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में अभी करने या उससे वचने में बूबिशा के सिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा अस्तिए।

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् झ— 40--46GI/85

(1) पाडगावकर एण्ड कम्पनी।

(अस्तरक)

(2) श्री डी० बी० प्रधान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राषपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहम्ताक्षरी के पाम निस्त में किए जा सकोंगे।

स्वत्रद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जिभिनियम के अध्यास 20 क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

# वन्त्रुवी

फ्लैंट न॰ 19 ग्रीर 20, जो, 4थी मजिल, दीनानाथ टेरेस सिम्पोली रोड, बोरियली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-4/37-ईई/11509/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनाक 1-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ण० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 11-4~1985

मोहर:

# त्ररूप आहे<sup>\*</sup>्टी एन ,एस<u>ं .</u>------

भासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वृथीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्याजय, सहायक भायकर बायकता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/11718/84-85---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, 1ली मंजिल, इमारत नं० ए-17, रत्तन नगर, बोरिवली (पृ०), बम्बई-66 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर एअधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सै कम के क्रियमान श्रीसफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह फिल्माल करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्मित का उचित नाजार मूल्य, उसके क्रमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उकत जन्तरण लिखित में शस्तिभक रूप ते कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शायतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में सभी करने वा स्वतं समने में सुविधा में लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स भावना कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० चन्द्र शेखरन ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कस्ता हुं।

जनत संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की सारौक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रूलैंट नं॰ 10, जो 1 ली मंजिल. इमारत नं॰ ए-17 दौलत नगर के पास रत्तम नगर बोखिली (पू) बम्बई-66 में स्वित है।

अनुसूची जैमाकि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/11718/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज-4, बम्बई

दिनांक :- 11-4-1985

मोहर :

प्रक्य कार्ड दी. एवं. एस. -----

मामकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

### भारत् सर्काळ

कार्यालय, महायक बायकर बायकत (निरीक्षक)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/11719/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से निर्धिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैष्ट नं० 15, जो, 2री मंजिल, इसारत नं० ए/17, रत्तन नगर, बोरिवली (पूर्व०), बम्बई-66 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालम में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हायमान प्रतिफल के लिए संतरित की गई है और मूओ यह विव्वास के का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूध्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तुरूण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निसिखत उद्वेषयों से उसते अन्तर्ण कि जिस में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की वाबत, उक्त जिसीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तर्ध क्यमें में सुविधा के सिए; बाँड्/मा
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी भन या जन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वैत्तरिती ब्वाइए प्रकट नहीं किया ग्या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सूबिधा से जिए;

बतः वन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् में— (1) मैसर्स भावना कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्सरक)

(2) श्री सी० शशिधरन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इसं सूचना की राजपण में प्रविश्वन की तारी वृ वे 45 दिन की अवधि या संस्थें के विकास पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृत्री केंक ज्या कित्यों में से किसी व्यक्ति बुवाए;
- (क) इस स्थान को राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्लार, अभोइस्ताकरी के पास निश्चिक में किए जा ककों थे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वग्यभ

फ्लैंट नं० 15, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० ए-17, रसन नगर बोरिवली (पू०), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4/37-ईई/11719/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

**ब्हिनांक** : 11~4~1985

मोहरः ः

प्रकप बाहै. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिमांक 11 मार्च 1985

निर्देश स० अई-4/37-ईई/11715/84-85-अतः मुझे; ए० प्रसाद,

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधानियम' कहा गया है), की भारा 269-ड के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,90,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 101, जो, विग "बी", देवेद्र अपार्टमेट रोकांडिया लेन बोरिवली (प०) बम्बई में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्जेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी नाय को वायत, उक्क निधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

विता विवा , उक्त अधिनियम, की धारी 260-व सी अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बिज बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० डोशी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दा किसी अन्य स्थित द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पव्यक्तिसरणः -- इसमें प्रकृतत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा है।

### अनुसूर्च)

फ्लैंट न० 101, जो, विग-बी, देवेब्र अपार्टमेटस, रोकाडिया लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई- 4/37 ईई/11715/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा विनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक : 11-4-1985

मोहर 🛭

प्रकार कार्यः, ट्री. एम*ु प्रस*्थानन्त्र

भागमर नरीयनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन सुमना

#### शास बुरकार

अर्थासव, तहायक शायकर वाव्यत (निर्दाचन) अर्थन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/11561/84-85-अत: मुझें, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इत्तमें इतके पश्चात् 'उन्त निधीनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन तक्षत्र प्राधिकारी की वह निस्तात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैष्ट नं० 11, जो, कानल इंडस्ट्रियल इस्टेट, वौलत नगर, बोरिवली (पूर्व०), बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है. तारीख 1-8-1984

की प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अवनान प्रतिफल का बेक्ट प्रतिकत से विभक्त है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिकी (अन्तरितिवा), के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया भवा अतिकत, निम्नतिविक्त उद्देश्य से उन्तर अन्वरण निवित्त कें बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बार वा किसी धन या जन्य आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

संद बंब, उस्त विभिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरक में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, क्यांत् :--- (1) श्री सुरेश एस० वंचवानी श्रीर भन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री पूनमचन्द एम० सोनी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चारी करवें पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के विद्य कार्यनाड़ियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रीस से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में तबान्त होती हो, के शीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति इवारा;
- (क)। इस सूचना के द्वायनम में प्रकाशन की सादित से 45 दिन के शीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में दितवहुष किसी जन्य स्थानित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाब सिवित में किए वा सकारी।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 11 जो, कानल इंडस्ट्रियल इस्टेट, दौलत नगर, बोरिवली (पूर्व०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4/37-ईई/11561/-84985 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० जसाव सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुकुत (निरीक्षण), अर्जन रेज-4, यस्बई

विनोक: 11-4-1985

मोहर:

प्ररूप बार्च. टी. एन. एत.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4. बम्बर्ध

बम्बई, विनाक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई-4/37—ईई/11496/84—85—अनः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अन्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्ग्रांर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 91, जो, स्टार अपार्टमेंट एस० बी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रांर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिसैका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में शास्त्रिक रूप सं कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसं किसी बाब वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 रा ८७) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था गा रिपा जाना चाहिए था, अधिपाने में सुविधा को लिए,

कतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरेश बी० कालरा और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर मुराजमल रायमलानी भौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्कना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्जना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किये जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनसंची

प्लैट नं० 91, जो, स्टार अपार्टमेंट, एस० वी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-4/37-ईई/11496/-84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 11-4-1985

मोहर 🛭

### प्रसम् भार् . दर्ग . एन . एस . ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के नभीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जम रेज-4, बम्बई अम्बई, दिनांक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश म० अ**६-**4/37-ई६/11714/84-85--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

जासकार अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), अभि धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लॉट नं० 33, जो, दौलत नगर, एक्सार विलेज, तालुका बोरिवली, एस० न० 177, सी० टी० एस० न० 2487 2487/1/2/3, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66में स्थित है। (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1~8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण किखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण से हुई किसी नाम की वास्त्, अक्त निर्मित्रम के जभीन कर दोने के जनसरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए, नीह/बा
- (क) प्रेसी किसी जाब वा किसी अन वा कन्क आस्तियों के जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनियम, या अन-कर जीधिनियम, या अन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में यित्रिया के लिए;

कत्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मक्षितिक व्यक्तियों, अभितः— (1) श्री पी०के० ग्यास, एल०के० व्यास, बी०के०व्यास, और डी० के० व्यास।

(अन्तरक)

(2) श्री देवचन्द आर० पटेल ग्रीर बी० आर० पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की विषध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, को भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाह विचित में किए जा सकोंगे।

हमक्किरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त जीभृतियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा खो उस जभ्याय में दिया नया है।

### वनुज्यो

प्लॉट नं० 33, जो, सर्वे न० 177, सी० टी० एस० नं० 2487, 2487/1, 2487/2 श्रौर 3, कास ऑफ दौलत नगर, एक्सार विलेज, बोरिबली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-4/37-ईई/11714/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

हर प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 11-4-1985

मोहर 🛭

क्ष्म वा**र्'.टी. एन् . एव** .------

भाषकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) के सभीन त्यना

### ब्रारत चरुकार

# नन्नजीव , तहायक बायकर वायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985 निवेश सं० अई-4/37ईई/11692/83-84--अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अभिक है

सौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, निल धरा इमारत देनीदास रोड, बोरियली (प०) बम्बई 92 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित संजम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जिया बाबार मूल्य से कम के अस्पनाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिकल से, एसे उद्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्री (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निकिक उद्योग से उक्त अन्तरण निर्मेवत में बाक्त विकल रूप से कार्यक नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जान की बावत, उक्त जिमितियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बुक्ते में सुविधा के लिए; शरि/वा
- ब) ऐती किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, वा चम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

जत: वय, उक्त मीधिनियम की धारा 269-ए के बन्सरण कें, मैं, उक्त मीधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीय. जिम्लिसिया न्यीयतयों, नर्यात ह— (1) श्रीमती निती पी॰ शहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तारूलता बिहारी कोठारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारुको नुनोंकत संपरित के अर्चन को किस कार्यग्रहियां कारुता हूं।

जबत सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ड---

- (क) इस त्यान के राज्यण में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन की जनति वा शत्स्यन्त्री कित्तुमों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नवधि, जो भी नवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्षितामों में से किसी व्यक्तिय बुवाडा:
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वग्लुची

फ्लेट नं० 403, जो, 4 थी मजिन, निल धरा इमारत, देवी-दास रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-4/37ईई/11692/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-8-1983 को को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन रेंज**—4, बम्बई

दिनौंक: 11-4-1985

मंडूर:

# **१७९ गर्**ू हो , एन्. **१४** - - व ४---

बायकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-म (1) के बंधीन सुमना

#### भारत सरकार

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, विनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अर्ध-4/37र्द्ध/11587/84 85— अतः मुझे, ए० प्रमाद,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसकें प्रकार 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के मधीन सध्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० सी-1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, बैक आफ इण्डिया स्टाफ शीनल को०-आफ हाउसिंग सोस इटी लि० श्री राम नगर, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं। और इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित) हैं श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बम्बई हित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख़

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य ते कम के दश्यमान भ्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुन्ने यह निश्चास करने का कारण है कि बंधाप्वोंक्त तंत्रित का उचित बाबार करने का कारण है कि बंधाप्वोंक्त तंत्रित का उचित बाबार क्रय, उत्तके क्रवमान प्रतिफल का क्षयह प्रतिकत से विधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और क्षयिक से विधिक है और जन्तरण के तिए तब बाबा प्रमा प्रतिकत , जिन्तिकित व्यव्हेश्य के उचित जन्तरण किवित के नात्तिक कन में क्षयित नहीं क्षित प्रवा है :---

- (क्य) मन्तरण के हुई किसी जाब की बाबस, श्रवस्त जीविषयक के अभीन कर दोने के जन्सरक के खीबत्य में कनी करने वा उनसे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (वा) ऐबी किसी आग या किसी भन या जन्त आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा भनकर अधिनियम, शा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो अवोजनार्थ अन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के विक;

अत: जव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग अं अनसरण कों, मीं, स्वर अधिनियम की धारा 269-च को उपधारः (1) को अधीत: नियमपि**सित व्यक्तियों, अधित क्रमा** 41—4601/85 (1) श्री पी० इ० नारायणन

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो कविता वि० कामथ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पुर्वोक्त सुरुपत्ति के वर्षन के र्तित्र कार्यमाहियां करता हा।

उक्त बम्बलि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबौप ८---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीचा सें 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्पिलतवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त जीवनियम के जध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### सम्बद्धी

फ्लेट न० मी-1, जो, ग्राउउड फ्लोर बैंक आफ इण्डिया स्टाफ शीतल को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० श्री राम नगर, बोरिवली (प०) घम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम स० अई-4/37ईई/11587/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाव 1-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनोक : 11-4-1985

मोहर:

# श्रु**क्त बाह**े.टो<u>. एन्. एस</u> ु------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीन सुमना

#### मारत सरकाड

# कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

धम्बई, दिनाक 11 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई: 4/37-ईई/ 11738/84-85---अतः मुंसे ए० प्रसाद,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं पनेट नं 3, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, क्रेझी अपार्टमंटस को-ग्रापे हाउसिंग सोसाइटी लि सी-6 जीवन किमा नगर, बीरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है)। ग्रीर जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 फख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984,

को वृत्तीकत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करनों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से. ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और वस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपल बिध-नियम के अधीन कार को के बन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ह) एेसी किसी आए या किसी धन या अन्य श्राह्मियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने से सुदिक्त के लिए;

बतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीक निस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री कें अगर एच नाथम।

(अन्तरक)

(2) भी जयश्री नटवर शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्मृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रपे:--

- (क) इस स्वाना के शायपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की बब्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना क ावपत्र में प्रकाशन की सारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया न्या ही।

# बन्त्यी

फ्लेट नं० 3, जो ग्रांजन्ड आप० फ्लोर, ब्रैझी अपार्टमेटस को०-हाउसिंग सोसाइटी लि०, सी/6, जीवन बीमा नगर, बीरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/11738/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्ब**र्ष**

तारीख: 11-4-1985

मोहर:

# प्रकार भाषां है हो पुन् । प्रवाह -

नाय्कार विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सुभना

#### नाउन प्राची

कार्यासय, सहायक बायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल, 1985

निदेश स॰ अई-4/37ईई/11668/83/84-- अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रीर जसकी सं० फ्लेट नं० डी-2, जो, ग्राडण्ड फ्लोर, मोतीनगर, की०-आप० हाउसिंग सोमाइटी, लि०, चंदावरकर रोड, बोरविली (प०) बम्बई-92 में स्थित हैं। (श्रीर इमक्षे उपाबद्ध अनुसूची मैं श्रीर पूर्णरूप में विणित हैं)। श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 1269कछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं, तारीख 1-8-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण तिखित में बास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ज्यीन कर देने के अन्तरक के वादित्य में कभी करने ने उन्ने क्षमने में सुद्या के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में बुविधा के सिष्टु;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) की बधीन, निम्नुलिखित अधिनतथों, नुषात् ह— (1) मेमसं इण्डियन शर्टल कम्पनी, प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री जयंतोलाल नर्रासहभाई प्रजापति, ग्रांर अन्य।

(अन्तरिती

को यह स्वना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन हो सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुनन

- (क) इस सुणना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूरे तुणना की तामील से 30 दिन की अविधि, भी भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यीकरण : — इसमें प्रयुक्त सच्यों और पर्यों का को उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# वन्त्वी

फ्लेट नं० डी-2, जो, ग्राउन्ड फ्लोर **मोतीनगर** को०-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि०, चंदावरकर रोड, बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/11668/84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां ह 1-8-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारी**ख**: 11-4-1985

मोहर 🛮

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. -----

बायकड मरिभनियम्, 1961 (1961 का 43) मी

भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 भप्रैल 1985

निदेश मं० ग्रई-4/37ईई/11689/84-85-- ग्रतः मझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 19 बी०, जो, 4 थी मंजिल, शिव सागर श्रुपार्टमेंट, इमारत 'बी'', एस०बी० रोड, बो रिवली (प), बम्बई-9 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से 12 बिंगत है) और जिसका करारन।मा श्रीयकर श्रिधिनियम 196 के की धारा 269 एख के श्रुधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

कार्यालय में ररजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को प्रोंक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में बास्तिवक रूप से कथित नह किया गया है:——

- (क) अन्तर्भ सं क्ष्म किसी आप की बाबत, अभित अभिनियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी नाय ना किसी धन या नन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती दूचारा प्रकट नहीं किया नवा था ना किया जाना जाहिए था कियाने वें सुनिधा के लिए;

गतः वय, उन्त विधिनियम की बारा 269-य की अनुकरण क्रं, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधादा (1) क्रे विधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ;—— (1) श्रीमती शांतीबा**ई** संवाराम जादवानी।

(भन्तरकः)

(2) श्री रमेश के० कांचन ।

(भन्तरिती)

ची सुद् पुत्रमा बाडी कडके पृत्रीका क्यारित के वर्षम के जिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी व्हे पास निस्ति में किए वा तकोंगे।

#### वनसर्थ

फ्लेट न० 19-बी, जो, 4 थी मंजिल, शिवसागर श्रपार्टमेंट, इमारत न० ''बी'', एम० बी० रोष्ड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई 4/37ईई/11689/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अभ्बई द्वारा दिनोक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज-4, कम्बर्ध

दिनांक: 11-4-1984

मोहर 🖪

# प्रकल काई".टी. एवं . इक . हटार रहता

# ज्ञायकर जीधीनयभ, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) जे जभीन सूचना

### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक जानकर आनुक्त (निरोक्तण) श्रजीनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 प्रैश्नल 1985

निदेश सं० ग्राई-4/37ईई/11913/84-85--- ग्रतः मझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट सं० 703, जो 7 वीं मंजिल, ''विषाल-1'' इमारत चिकेनवाला लेन श्राफ एस० वी० रोड बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्णरूप से विणित है)। और जिसका करारनामा श्रीयक्षर श्रीध-नियम 1961 की धारा 269क के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर दिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गवा प्रतिफ ल्नीम्नसिवित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुन् किसी बाप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; आर्/मा
- (क) एची किसी नाय या किसी धन या जन्य आरिस्पां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त विधिनियन की धीरा 269-ग के जनुसर्ज मं, ने जक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखिक व्यक्तियों, वर्धात् ३(1) मेसर्स गौतम विल्डर्स (इण्डिया)।

(झरतरक)

(2) श्री मोहन लाल सी० कारीया और प्रन्य।

(भन्तरिसी)

को महस्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिश्व कार्यनाहियां सुरू क़रता हुई।

उक्त संपत्ति को जर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राय;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्धारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किस्र जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं० 703 जो 7वी मंजिल, ''विशाल-1" इमारत चिकेनवाला लेन धाफ एस० वी० रोड बोरिवली (प), इम्बई 92 में स्थित है।

भनुसूनी जैसा कि ऋ० सं० ऋई-4/37ईई/11913/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रस**ाद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-4, बस्**बई**

नौरी**ख**: 11-4-19**8**5

मोहर 🕹

**इस्प् शह**ै, टी., एष्., एस्<sub>.,</sub>-र--क्रक

# नानकडु निपनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भाउत चरुकार

कार्यालय सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-4, बम्बई

थम्बद्दे, नितक 11 धप्रैल 1985

निदेश सं० प्रई-4/37ईई/11776/84-85--- भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया हैं), कौ धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- क्रिक) वन्तरूप से हुई किसी वाव की बावत अवस् अधितियम के अधीन कर देने के बन्दरक में शायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविक्ष के भिए; जोड़/या
- (च) ऐसी किसी शाय या किसी धन या जन्य नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, क्षिपान में सुविधा ने सिष्

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुँ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) फासीम शाह्रवास खान ।

(भ्रन्तरक)

(2) उमेश एच० गाधी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संवत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षेत्र 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशक की लागीन के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्त्रक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियत्र के अभ्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### म्पूर्यो

पिस ग्रार पासेंल ग्राफ लैण्ड बेग्नरिंग सर्वे नं 1151/8, 115 1(8) और 1151(9) ग्रार सी० टी० एस० नं 0 937, 938 ग्रीर 939 व्हिलेज एक्सार, नालिका बोरिवली बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-4/37ईई/11778/84-85 और जो सक्तम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिलाक 1-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनोक: 11-4-1985

मोहर 🖫

# जक्म बाह् .टी.एम.एस.,-----

नाथकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याभय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

भ्रजैन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांस 11 म्रप्रैल 1985 दिए सं० मुई-4/37ईई/11935/84-85---

निदेश सं० प्रई-4/37ईई/11935/84-85--- धतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कोर जिसकी मं० दुकान न० 13, जो, सहयाओ इमारत, सहयाओ को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी सि०, (निर्माणाधीन क्षारत एल०टी० रोड, कोर्रावली (प), बम्बई में स्थित । (और इससे उपायक धनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित) । और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कल के स्थीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारील 1-8-1984

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितका) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनयम के वधीन कर देने के जन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरकः में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीभ, निम्नलिखित व्यक्तिगाँ, अर्थात् हु—

- (1) 1. প্ৰা ৰীত্দত ভৱা, জীং
  - श्री प्रहुलाद राय औ० उपाध्याय ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री एम० एच० शहा और
  - 2. श्री रमेश बी० वक्षारा।

(मन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पुनोंक्य सम्परित के वृज्ज के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त श्वेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगें।

स्पाक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुज्**षी

दुकान नं 0 13, जो सहयात्री श्मारत, सहयात्री को ब्ह्राप ० हाउसिंग सोसाइटी लि० (निर्माणाधीन श्मारत), एल०टी० रोड, बोरविकी (प), बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि के० स० ग्रई-4/37ईई/11935/84-85 स्रोर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-8-1984 को रिजसटर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भाधुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीक : 11-4-1985

मोहर ः

प्रकृत्य वार्षु इ.स. १४<u>० वर्षः</u> व्यवस्थानस्य

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की पाय 269-प् (1) चै क्थीन स्पना

### भारत बुरकाङ्ग

कार्यांसय, सहायक भागकर आयुक्त (निरोक्ण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/11845/83-84---अतः **मुस्रे**,

जायकर क्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्कें इसके परचात् 'उक्त कथिनिवन' कहा गया हैं), की भारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो, प्राउन्ड फ्लोर, इल प्लाजा बेअरिंग सी०टी०एस० नं० 1086, सर्वे नं० 155, आई० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णेरूप से विणित है)। ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीड 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पास बना प्रतिफल निम्मिसित छद्देश्य से उथ्य अंतरण सिचित्र में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है द्रन्य

- (क) जन्तरण वे हुई कियां आय की वावत, अकत विधिनियम के वृधीन कर येंगे के जन्तरक के विधिन्त में कभी करने या उससे क्यने में सृत्रिधा के लिए: जर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेससं कोटेआ बिल्डर्स प्राईवेट लि०

(अन्तरक)

(2) श्रीमंति एम० ए० क्यांड्रस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां बुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः;
- (क) इत स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण: — इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्दों का, जो उक्त विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

# वर्त्य

दुकान नं ० 8, जो, ग्राउन्ड फ्लोर इल प्लाजा, बेअरिंग सी० टी० एस० मं० 1086, सर्वे नं ० 155, आय० सी० कालोनी, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कंम सं० अई-4/37-ईई/11845/84-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकरी महायक अप्यकर अप्युक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

जत: जब . उक्त अधिनियम की धारा 269-न में जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधीन . निम्नीसिंजित् व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 11-4-1985

मोहर:

प्ररूप आह्<sup>र</sup>. टी. एन. एस.-------शायक<u>तु</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्त भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

### भारत बरकार

# अधालिय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/11849/84-85--- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्थ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 1, सुमेर नगर, कोरा केन्द्र ग्रीर गोकुल धाम के सामने, बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध उनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप में वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थयान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई की और मुक्ते यह विक्तास करने का कारण है कि यथाप्तांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अय, उच्च अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियाँ वंशीस् है—— 42—46 GI/85 (1) मेसर्स सुमेर डिवलपमेंटस ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश रामजी वोरा, श्रीर अन्य।

(अन्तरितो)

को यह स्भाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सं अंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रची

दुकान न० 7, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 1, सुमेर नगर, कोरा केन्द्र ग्रीर गोकुल धाम के सामने, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/11849/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

तारीख: 11-4-1985

मोहर :

प्रस्य बाह<sup>्</sup>ु टरे <sub>य</sub> प्रन<sub>ः</sub> एक<sub>े-------</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत तरका

कार्यालयः सहायक जायकर नायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जनरें ज 4, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 अप्रैल 1985

निर्वेश स० अई-4/37-ईई/11526/84-85--- अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, बी०-विग निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० 14, ग्रीर 19, सिटी मर्वे नं० 13/15 ग्रीर 13/21, देसाई एण्ड णेठ नगर, आफ एस० वि० रोड, पोईसर बस डिपो के पास, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित

है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, उत्तरीख 1-8-1984

को बूबोंक्स सम्परित कं उधित बाबार मूल्य ते कन के ध्ववमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करें। गई और मूफे यह विक्वात करने का कारण है कि बराप्रें के सम्परित का उधित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे ध्ववमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है है और अंतरक (अंतरकाों) और अंतरिती (अंतरितियांं) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशित उब्बियन से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में अधित नहीं सिवा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुष्ट्रै किसी जाम की बाबत, उक्त अधि-अधिशियम के अधीन कर दोन के अन्तरक बरे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधः के लिए गौर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-जार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, या धन-जार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम या पिनी दिवार अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के उधीन निधनलिसित स्थितवाँ, सर्थात् रू— (1) मेसर्स अरीहत इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरकः)

(2) श्री रमणिकलाल वल्लभदास कारीया भौर अन्य

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां कारणा हु।

उन्त सम्पन्ति के अर्जन के महत्र में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचमा के राज्यन में प्रकाशन की तार्थीं के 45 दिन की जबधि या तत्रम्बत्भी त्यक्तियों पर सूचना की तामील को 30 दिन की अवधि, जो नी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थानर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य ाति अवारा अधोहस्ताक्षरी के पाश निकित में निग्र का सन्तेंगे।

स्पाकाकरण:---इसमें प्रयास्त घच्यो और पदों का., जो उक्त जाविनियम के जन्नाय 20-क मा ेरभाणित हैं, बही जर्थ होगा जो उस जन्माय में दिया गया है।

### नगराची

बुकान नं० 1, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, बी विंग, निर्माणाधीन इमारत, प्लाट नं० 14 श्रीर 19, सिटी सर्वे नं० 13/15 श्रीर 13/21, देसाई एण्ड शेठ नगर, आफ एस० वी० रोड, पोईसर बस डिपो के पास, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं अई-4/37ईई/11526/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-8-1 8 रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रस सक्षम प्रशासिक री सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेज-[४ बम्बई

तारीख: 11-4-1985

मोहर 🕄

अत:

प्रकल काई. टी. एन. ए**स**्म---भ---

बायक्षेत्र अविधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ती भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

### प्रदेश सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/11566/84-85---

मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 59, जो, इमारत नं० ए-6-16, 1 जी मंजिल, जॉली जीवन को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० जीवन बीमा निगम, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अंतरण तिबित में बास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन धार दोने के जंतरक के दारिस्थ में कभी भारते या उससे बचने में मृजिभा के भारत, अभिन्य
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया अना चाहिए था, स्त्रियान में सुविया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) कुमारी विन्नी सिक्वेरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन बी० अमीन।

(अन्तरिती)

की नशु बुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उथत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपभ में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र ना प्रकाशन को तारास सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मा हितबद्व 
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास
  निक्तिन मा किए ना सर सर

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दां और पदां का, को जक्त अधिनियभ के भश्याय (१) क मा पानभागित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया नवा है।

#### वन सुची

पलेट नं० 59, जो, इमारत नं० ए-6-16, 1 ली मंजिल जाली जीवन को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, जीवन बीमा नगर, बोरिवली (ग), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/11566/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984, को रजिटर्स्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 11-4-1985

मोहर 🖭

प्रकथ भार्यं हो. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निवेश सं० अई-4/37ईई/11702/83-84—जतः नुर्ह्मे, ए० प्रसाद,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट मं० ए/2, जो, बोरिंवली स्थाम को०आप० हार्जीसंग सोसाइटी लि०, स्थाम अपार्टमेंट, 625/14,
कस्तूर पार्क, रायानी ग्राम के सामने, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प),
बम्बई में स्थित हैं। (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर
पूर्ण रूप से बिणत हैं)। भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-8-1984।
को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दहयमान

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्देश्य से उक्त लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भन या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

सतः। अस, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित, व्यक्तियों, सर्थात् है— (1) श्री अर्जन वि० शुदाडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री अनंत विश्वेडक भीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का., जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्ची

फ्लेट नं० ए/2, जो, बोरिवली म्याम को०-आप० हार्जीसंग सोसाइटी लि०, म्याम अपार्टमेंट, 625/14, कस्तूर पार्क, रायानीग्राम के सामने, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/11702/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

तारीब: 11-4-1985

पोहर:

प्ररूप आहर् .दी. एन .एस . -----

(1) श्रीमति शांताबेन पी० पटेल ।

(अन्तरक)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

(2) भगवान दास एम० अगरवाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/11680/83-84—खतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 408, जो, शैलेश विहार को०-आप० हाउसिंग सोक्षाइटी जि०, मंडपेश्वर रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)। ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की सपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तायल से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितदव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुस्ची

पट मं० 408, जो, शैलेश विहार को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मंडपेश्वर रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/11680/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वाराविनांक 1-8-1984 को रजिस्टडें किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीखः ; 11-4-1985

मोहर:

प्रकप बाहं. टी. एच. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्रिण)

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/11747/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, जो, 2 री मंजिल, विंग-बी, परेश अपार्टमेंट, एस०वि०पी० रोड, बोरियली (प), बम्बई में स्थित है। (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है)। भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीला 1-8-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के श्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि ग्यापूर्विक्त उन्ति का उपित गामार मूल्य उन्ते दृश्यमान प्रतिकत्त से, एवे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिश ने प्रविक्त है बोर का नरह (अन रहों) और बाग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बाग्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिकत, निक्निसिखित उहेश्य से जबत प्रन्तरण निधित में बास्तविक क्ष्य से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई जिसी मान की बाबत, उन्स्थ भिधिनियम के अधीन कर दोने की जन्तरक को दाधित्व में कमी करने या उससे बचने भे सूचिया को सिए; जांद्र/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी धन मा उन्ते उपानका की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए; और/या

करः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के कन्तरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) मेसर्स निपा कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एम० व्होरा।

(अन्तरिती)

को यह स्वामा बारी करके पूर्वोक्त चम्पत्ति के वर्षन के दिवर कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ह---

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वधा की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यकिरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया है।

### annel.

पलेट नं० 204, जो, 2 री मंजिल, विग-बी०, परेश अपार्ट-मेंट, एस० वि०पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/11747/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 11-4-1985

मोक्ट 🛭

प्रकल कार्युं की प्रकार्य प्रकार

नायकर जर्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) करी पारा 269-थ (1) के जधीन सूचना

### हारत तरकाड

कार्यातय, सहावक भावकार बावुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० अई-4/37-ईई/11746--83-84 अतः मुझे, ए० प्रसाद,

गांब कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-व के अधीन सक्ता प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 104, जो, 1 ली मंजिल, विग-बी, परेश अपार्टमेंट एस० वी० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं)। ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को प्वेंक्त तम्मित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एम रूपमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया बचा प्रतिक्रन, निम्निनिश्चत उद्योग्य से उक्त बन्तरण विश्विक में सास्तिवक स्थ से कथित नहीं किया नवा है कि

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी लाय या किसी धन या कन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कन प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, स्थिनने में सुविधा खें जिए;

कतः अवः. जक्त विधिनियमं की धारा 269-ण के बनुतरणः में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं क्यीन, निम्मति**विक व्यक्तियों, वर्षाय ७**—— (1) मेसर्स निपा कन्स्ट्रक्णन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिकशन दास भवानीदास गांधी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायक्यहमां करता हो।

जनत सम्मिक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इब स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्प्राक्त मा क्रिक्टिक पिस्टे प्रस्य क्यांकित रक्षाक प्रस्ताद्वार के प्रस् तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

## वन्स्ची

फ्लैंट नं० 104, जो, 1 ली मंजिल, विग-बी, परेश अपार्ट-मेंट, एस०बी०पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/11746/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्राद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

तारीख: 11-4-1985

मोहर:

प्रकल् कार्च . हो . हक . हक ......

# बायक ए ना भिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### नारत चडकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अ**ई-**4/37ईई/11693/83-84---अतः **मुझे**, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्या 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिनकी सं० फ्लेट नं० 410, जो, ए-विंग, श्राफ अपार्टमेंट, 4थी मजिल, सोझावाला लेन, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रोर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृल्य असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशंत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नलिवित उप्देश्य से अस्त अन्तर्ण सिचित में बास्त-विक रूप से क्षियत में वास्त-विक रूप से क्षियत में वास्त-विक रूप से क्षियत नहीं किया च्या हैं---

- अन्तरक संहुदं किसी बाय की वायतः, उक्त किभिनियम के बधीन कर दोने के बस्तरक के दायित्व में कमा कर्न या उत्तर वक्त में सृथिया अभिना, और/मा, और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः, अतः, उत्तरः विभिन्तित्वतं, की भारा 269-न की अनुवर्षे वं, में, स्वतः विभिन्तियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिवित व्यक्तियों, वर्षात् ह्— (1) श्री बालकृष्ण यू०कौप।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना डी० कपाडिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

# उन्द संपृतित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्थी

फ्लेप्ट नं० 401, जो, ए-विंग, श्राफ अपार्टमेंट, 4 थी मंजिल, सोडाबाला लेन, बोरिबली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/11693/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 18-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिक। री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख** : 11-4-1985 मो**हर** 🖫 प्ररूप आहें .टी. एन. एस .=-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/11733/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 76, जो, 3री मंजिल, इमारत 8,9,10, 'रत्तन नगर'' स्किम, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित हैं)। भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

अरि मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण रण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भण या बन्य बास्तियों को, जिस्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया वया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिव्धः

नतः नव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत हिन्स 43—46 GI/85

(1) मेसर्स परम आनन्द बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद मारानदास दर्जी।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्क करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### नगस्पी

फ्लेट नं० 76, जो, 3 री मजिल, इमारत नं० 8,9,10, "रस्तन नगर" स्किम, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि फ सं० अई-4/37ईई/11733/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गवा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रें ज-4, बम्बई

तारीख: 11-4-1985

मोहर:

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयु<mark>क्त (निरक्षिक</mark>)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० अई-4/37ईई/11699/84-85—अतः मझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत बाबार मूख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-101, जो, लकीस्टार अपार्टमेंट, 1 ली मंजिल, शांती आश्रम के पास, एक्सार, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है। भौर इसमें उपाध्व अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणित है) । भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है. तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तच पाया गया प्रतिफल, निष्निविचित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण किविदों में गस्तिबक रूप से कथित नहीं किया नवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए; बीद/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के जिए

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेमर्सएम० जे० गणात्राएंड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० शांथानम भौर श्रीमती एम० शांथानम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस तुमना के रामपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलेट नं ० ए-101 जो, 1 ली मंजिल, लकीस्टार अपार्टमेंट शांती आश्रम के पास, बोरिबली (प), एक्सार बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि का सं० अई-4/37ईई/11699/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बाई

नारीख: 11-4-1985

माहुर 🕄

# प्रकल बाहुँ हो। एप ्र एक र ननननन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अ**ई** 4/37**ईई**/11834/84+85— **अत**: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इन्हर्में इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फलोर नं० 407, जो, कमलाकर मवन, एक्सार विह्नेज एक्सार रोड, बोरिवली (प) धम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से विणित है)। ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिट्रो है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिकृत के सिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्ममान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिकृत के पन्तर (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिला के सिएत के किएत के सिल के सिर्त क

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्ल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत जिथिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया ववा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को किए;

अतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, ब्रॉ, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मेसर्स सटानन्द महाराज कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्रावद अ।र० कुलकर्णी ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को कि। कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी की पात लिखित में किये वा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मवा है।

# नन्स्चीं

फ्लेप्ट नं० 407, जो, कमलाकर भवन, एक्सार विलेज, एक्सार रोड, बोरविली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई 4/37ईई/11834/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० **प्रसार** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~4**; बस्य**र्फ

तारीख: 11-4-1985

मांष्ठर 🖫

# पदन बाइं⊙ टी<u>.</u> पुन्<sub>य</sub> पुत्र<sub>य</sub> - # #=#

# बाव्कर व्हिंपतियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के विभीन सुज्ता

### THE TANK

# ध्यवांतर हा बहायक नायकर नायुक्त (निर्द्धिक)

अर्जन रेज 4 बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अप्रल 1985 निदेश सं० अई-4/37-ईई /11595 /84-85-अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतुके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विस्वास अरने का कारण हैं कि स्थापर सम्मित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3 जो दूसरी मंझिल, 'जय गुरूदेव भवन बेंअरींग सी० टी० एस० नं० 1445 सर्वें नं० 204 एस नं० 2, एक्सार रोड़, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमें जापबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप ने विणत है ), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 1 अगस्त 1984 को

को पूर्वेक्त सम्बंति के उन्ति बाबाद बृक्यु से कम् के उरक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित् बाकार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्चित उद्देश्यु से उक्तु अन्तरण निम्बित में बास्विक कर से कीचत महीं हैं क्या गया है है—

- (क) ब्लाइण वं शुर्व किसी जान की बावत, उनते विधितियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के कवित्व में कनी करने या उससे बचने में श्रुविधा के निए; बॉर/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिज्ञों का जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, वा धनकत् अधिनियम, वा धनकत् अधिनियम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के बन्धरण में, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) ख़ी हमीद अली अब्दुल मंजिद

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर नागेश कलगुटकर । (3न्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सुम्पृति, के नुर्वन के हिनए कार्यवाहियां कार्यवाहिए।

उक्त सम्बद्धि के बुर्वन के सम्बन्ध में कोर्च भी बाक्षेप् ः---

- (क)। इस सूचना के रायपत्र में प्रकान की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो ी। जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध स्पाना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी निवित में किए जा सकी गें

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गंजा हाँ।

### अनुसूची

फ्लट नं० 3 जो दूसरी मंझिल, (जय गुरूदेव भवन' बेअरींग सी० टी० एस० नं० 1445 सर्वे नं० 204 एच० नं० 2 , एक्सार रोड, बोरिवली (प), बबई में स्थित हैं।

अनसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37–ईई/11595/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ारा दिनांक 1 अगस्त 1984 को रजिस्टड किया गया है 1

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :- 11-4-1985 मो**हर**्ध

# प्रकष बाह्यत् द्वी पुरुष पुरुष पुरुष ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के क्यीन क्वना

भारत सरकार

# कार्यास्य, बहायक भावकर वायुक्त (दिरक्षिक)

अर्जान रेंज-4, बमबई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11802/84-85 — अतः मृज्ञे ए० प्रस्तद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23 जो ग्राउंड फ्लोअर, इमारत नं० 2, पुनीन को-आपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लि० एम० वरोड़ बोविली बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृत्य से कम के इस्त्रज्ञान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र्ये वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उभित बाबार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एोसे इस्त्रज्ञान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकात से लिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रति-फल निम्मिनिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिनिस्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :—

- (क) अन्तरम तं हुई किथी आव की बाबत, उच्छ निर्मानसम्बद्धिका कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने वा उत्तते बचने में द्विधा के जिए; और/या
- (क) एसे किसी जान या किसी धन वा अल्थ शास्तियों को, जिस्हें भारतीय नायकर निर्मित्तवत, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या जा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के विद्य;

बतन क्य उस्त कांभिनियम की भारा 269-न भी अमृतरण में, में, उस्त वांभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1): के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रीमती विठाबाई जी० शिगांडे ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पदमाबन जमनादास सागर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवषुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

फ्लैंट नं० 23 जो, ग्राउंड फ्लोअर, इमारत नं० 2 पुनीत नगर को आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० वी० रोड़ बोरिजली, बम्बई -92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4/37–ईई/11802/84–85 श्रौर जो सक्षम प्रातिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1 अगस्त 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बाई

दिनांक :- 11-4-1985

मोहर:-

# प्रकार वार्षं हो तुन् व्यू ------

नामभार अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्यीन क्यांग

#### भारत वरमार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/11062/84-85-- अतः मझे, ए० प्रसाद,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवें इसकें प्रवाद प्रविच अधिनियम क्या गया हैं), की भारत 269-च को वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित्त, चित्रका उचित बाबार मुन्न 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8ओ जो तीसरी मंझिल, निर्माण धीन इमारत सुंदर दर्शन इमारत , एस० बी० रोड़, बोरि-वली (प) बम्बई, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है ), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिययम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी है कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 अगस्त 1984 तो

को पूर्विक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अजित बाजार ब्रुग, उसके स्थामान प्रतिफल से, एसे स्वमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकृत से विश्वः है और बन्दरक (अंदरकों) और अंदरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पावा गया प्रति-कस निम्निजित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निवित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया पवा है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की दावत, उपक अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाक्तिय में कभी करने वा उपके अवसे में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर सीधीनयन, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर सीधीनयन, या धनकर सीधीनयन, या धनकर सीधीनयन, या धनकर सीधीनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा थाया किया जाना चाहिए था कियाने में दिवस के सिक्ट,

नत: बन, तक्त नाँभनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिकित स्थितयों नर्थात :---

(1) श्री साकत सी० मेहरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपालकृष्णा दयासिंह व्हारो

(अन्तरती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# वक्त बम्मीत्त के क्वन के क्वनम में कोई नी नाकेंद्र :--

- (क) इंत स्थान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रील ते 30 दिन की जबिध, को भी अविध याद के स्वाध्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्थित्वहों के से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इस सुपमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगर को उस अध्याय में दिया गया है।

### वयसभी

फ्लैट नं० 8 जो तीसरी मंसीन निर्मानाधिन इमारन, सुदर दर्शन इमारत, एस वि० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4/37-ईई/11602/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1 अगस्त 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ा्० प्रसाव, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बाई

विनांक :- 11-4-1985 मोहर : ~ ~ - ----

# प्रक्रम् नार्वेतु दीत् द्रम्<sub>य स्</sub>र्व्ह स्टब = - सन

# नायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सूचना

### नाहत् बहुकार्

# कार्यक्रय, सञ्चयक शायकर शायकः (निरीक्रण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० अर्थ-4/37-ईई/11501/84-95 --अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नामकर न्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीय संश्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 जो, चौथी संजिल, विशाल-2 इसारत, एस० वि० रोड़ बाय लेन, बोरिबली (प) बम्बई -92 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त समपीत के जीवत बाजार मून्य से कन के अवमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मन्ति का उचित बाजार मूक्ष उसके दरवमान प्रतिकल से, एसे अयमान प्रतिकल का पंच्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और बंतरिती (अंतरितियाें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिसित उद्देश्य से उक्त अम्बरण जिलित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावस, समस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वित्य में क्रमी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के हिनए; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के निक्र ति

जतः जब, उक्त सिभिनयम की धारा 269-ग के जन्हरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) मैसर्स गोतम बिल्डर्स (इंडिया ) , (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मधुकांना रसीकलाल सिंगारा । (अन्तरिती)

का बह स्वता धारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

### उनत सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच वी 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर तूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, को भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (व) इस सूचना के याजपन में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं वर्ष द्वोगा, जो उस अध्याय में दिवा वया है।

### वर्ष्ण

फ्लैट नं० 401, जो चौथी मंजिल, विशाल-2 इमारत, एस० वि० रोड़ बाय लेन बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० मं० अई~4/37-ईई/11501/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 अगस्त 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 4, बस्बई

दिनांक : 11-4~1985

मोहर:

प्ररूप जाई.टी.एप.एस. ------

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

# मारत सरकार कार्यालय, सहायक आवकर वावृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 भ्रमैल 1985

निर्देश सं० म्रई० 4/37 ईई/11534/84 85—म्प्रत:, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा ह"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार गम्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैप्ट नं० 501, जो, पारमनाथ भ्रपार्टमेंट, 5वीं मंजिल, स्वामी विवेकानन्द रोड, बीरिवली (प०), अम्बई 92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका अरारनामा भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के रूपमान प्रतिफत के लिए जन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रति- फब, जिम्मिसिस उद्योक से उन्त क्निए तम किसत में बास्तिक क्या से कथित नहीं किया पना है प्र

- (कां) अन्तरण संहुइं किसी जाव की नावत, उक्त बिधिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के जिए।

कतः जकः, अन्त अधिनियमं की धारा 269-त के जनुसर्ज जो, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती, सुधा कृष्णकांत शाह, और श्रान्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महेशकुमार धनराज शाह और श्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क्ष), इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

सम्बद्धिरणः — इसमें प्रयुक्त श्रम्बों और पवां का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नपत्तनी

फ्लैंट नं० 501, जी, पारमनाथ श्रपार्टमेंट, 5 वी मंजिल, स्वामी विवेकानद रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई 4/47 ईई 11534 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रायक श्रुजैन रेंज-4, वस्बई

दिनांक 11-4-1985 मोहर 🖫 प्ररूप आहें.टी.एग.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, सम्बर्ध

बम्बई, दिलांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० बई०-4/37-ईई/11741/84-85-- शत:, मुझे ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह उनत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 302 ए, जो, 3री मंजिल, वृषभिवला, प्लाट, 184/6, रोकाङ्ग्मा लेन, कास लेन, एमलार व्हिलेज, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपाधन्न भनुसूची में और पूर्ण रूप है विजित है), और जिसक अरारनामा भागकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-8-1984

की वृजेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामृवोंक्त सम्मस्ति का उचित व्याजार मृस्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से एसे वश्यमान प्रतिफाल के यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वश्य से उचित अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किती नाथ की वावत, अक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी वा किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अत. अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कीं, भीं, सकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कीं अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :----44—46GI/85 (1) श्रीमती सरोतः मानन्त नेने, और श्रीमती, सुलभा रामचन्द्र नेने।

(भन्सरक)

(2) श्री रविंद्र गोपाल मालकर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के सिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी 'व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स्र दिन को भीतप उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसकृष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी को पाक चित्रित में किये जा सकारी।

स्थव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदी का, जो उद्यक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### संग्रहा

पर्लंग नं० 302 ए, जो, 3 ी मंजिल, वृषभविक्षा, प्लाट नं० 184/6, रोकाबुधा लेन, कास, लेन, एक्सार व्हिलेज, वोरियली (प), बम्बई 92 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क० सं० 4/37 ईई/11741/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा<del>व</del> सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष म्राय*ह*र भ्रायुक्त (निरिक्षण) **प्र**र्जन रेंज-4 **यम्बर्ड**

विनोक: 11-4-1985

मोहर:

# मुख्य लाई , बी . एन , एक ......

नावकद्व विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) अशी भारा 269-म (1) के अभीत स्वना

### भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक नाथकार आध्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 11 श्चर्रैल 1985 निर्देश स० श्वर्ष-4/37-ईई/11507/83-84--- श्नतः मुझे ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विषयास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिलका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16-ए, जो, 3 री मंजिल, बोरिवली शिवसागर को-भांप, हाउसिंग सोसाइटी लि०, राम बाग, एस० वि० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है। (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा भायकर मधि-नियम, 1961 की धार 269 का, ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित् की नहाँ ही और नुभी यह विश्वात करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उचके स्वयमान प्रतिफाल को पन्नह प्रतिचत से मिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिता (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफाल निम्मलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्व से किथत नहीं किया गया ही:---

- (क) बंबरण क हुइ किसी आय की कामल, उक्त बिशिया के बधीन कर दीने के बंतरक के दायिएन में क्यी करने या उत्तम तथमें में पृष्णिण के सिए; और/या
- (च) एंनी किसी बाय का किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा लग-कर अधिनियम, वा लग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नका था या किया बाना चाहिए था, स्थितने से न्यां की वारा से विश्वा की विक्:

बंद: अब, बन्त बाँधानियम की भारा 260-ग के जन्मरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री रमेश के० कॉचन।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण सुम्रमण्यम।

(भन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्वयत्ति के अर्थन् के सिए कार्यमाहिनां करता हुं।

उपरा सम्परित को नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जेविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस त्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्धबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित के किये या सकोंगे।

स्वयक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा के उस अध्याय में दिया गुजा हैं।

### अनुसूची

फ्लैट नं 16-ए, जो, 3 री मंजिल, बोरिवली शिवसागर को-ग्राप० हाउसिंग सोनाइटी लि०, राम बाग, एन० वि० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-7/37-ईई-/115074 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर श्र¦युक्त (निरिक्षण) सर्जन **रॉज-4, सम्बर्**

विनांक: 11-4-1985

मोहर ;

प्ररूप काहर् हो एन एस , -------

शायकर विभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ∠८७-व (1) जी संधीन सुभाना

### माह्य संस्था

# कार्यालय, सहाबक जायकर जागुक्त (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज-बम्ब**ई** 

वस्बर्ष, दिना र 11 श्रप्रैल 1985 निर्देश सं० ग्राई०-4/37-ईई/11597/84-85----मतः मुझ ए० प्रशाद,

शायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित नाणार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, निर्मल सागर, देंबीदाम लेन, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं। (और इससे उपाषद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 द, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-8-1984

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित वाचार मूल्य से कम के क्यमान प्राप्तिक के विश्वास प्राप्तिक के विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके व्यवनान प्रतिकत से, ऐते व्यवनान प्रतिकत का पन्ति का पन्ति का पन्ति का पन्ति कि व्यवनान प्रतिकत का पन्ति प्रतिकत से विश्वास का पन्ति प्रतिकत से विश्वास की विश्वास से विश्वास प्राप्ति के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया मवा प्रतिकत,, निम्नीसिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण कि विश्वास के विश्वास के वास्तिक रूप से अभित नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाव की सावत उक्त अधि-निवन के अभीन कर दोने में अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में तुर्देवधा के सिए; और/वा
- (क) होती किसी बाब या किसी भन या अन्य अपित्यों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) जा उचत अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता नाहिए था, कियाने में मृश्यिचा में चिहा;

नतः नव, उन्तर निधितियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) कुमारी हेमांगिनी घेवरचंद नाहटा।

(भन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र श्रमरतलाल माराडिया और श्रीमती कमलाबेन श्रम'रतलाल माराडिया। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्मस्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करवा हूं।

उनत सम्परित के नर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायचन में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर संपरित में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्यष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त काकों और पदों का, आं उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया है: "या है.

### मनुसूची

पलैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, निर्मल सागर, वेवीदास लेन, एस० वि० पी० रोड, बोरियली (प), बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसुवी जैसा कि कि सं० भ्रई-4/37-ईई/11597/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्मई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्र**ताद** सक्षम प्राधि शरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्गन रेंज-4, **बस्बई**

दिनां ह : 11-4-1985

गोहर:

प्ररूप<sub>ः</sub> अरह<sup>र</sup>ः ठीः, प्रतः एसः, - - - - -

बायकर नाँधनियम,, 1.961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के संधीन स्वता

### भारत सहकार

# कार्णस्य,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4, धम्बद्द

बम्बई, दिनांक 11 प्रप्रैल 1985

निर्वेश सं० ग्रई०-4/37-ईई/11847/83-84---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्परित, किसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुशान नं० 9, जो, इस प्लाझा, बेमरीग सी० टी० एस० नं० 1086, सर्वे नं० 155, प्राई० सी० कॉलनी, बोरियली (प), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी साय की वावत, उचक अभिनियम के अभीन कर वोने औं अन्तरक के दायित्क में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए, और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य असित्तर्थों को, जिस्हें भारतीय अस्यक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ह्वारा प्रकृत नहीं किया स्था भा किया जाना चाहिए था, िया म स्टेंग्स विद्या

जत मंत्र, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कें जभीन, निज्ञोल वित व्यक्तियों, अभीत के — (1) मेसर्स कोरैंग्रा बिल्डर्स प्रायवेष्ट लि॰

(धन्तरक)

(2) श्री कमलाक्शी बाबू कुदर।

(पन्तरिती)

भो यह स्थाना कारी करके पूर्वाक्स सम्प्रीत के अर्थन के सिए अर्थवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की हारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन को तारों के बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सर्कोंगे।

न्यच्योकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहां कर्ष होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### नग्त्रकी

वुकान नं० 9, जो इस प्लाक्षा, बेश्वरींग सी० टी० एस० नं० 1085, सर्वे नं० 155, श्राप्ति ती० हॉजनी, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि अ० सं० प्रई-4/37ईई/11847/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, अन्यई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रुजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नदाम प्राधिकारी स**हा**यक **भा**यकर श्रायुक्त (निरी**क्षण) ग्रजैन रेंज-४, वस्वर्**

विनोक: 11-4-1985

मोहर 🖫

प्रकथ आहे. टॉ. एम. एस. -----

बायकडु वाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, विनोक् 11 भाग्रेल 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/11787-/84-85→**-मत**ः मृत्तो, ए० प्रसाद,

नायकर शांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विष्यास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसघी स० दुकान नं० 6, जो, पारेख सोसाइटी, शास्ती नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, सारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्मिलिखित उध्योश्य से उक्त अंतरण निम्मिलिखत उध्योश्य से उक्त अंतरण निम्मिलिखत नहीं किया गया है:—

- (का) करतरण से शुर्च किसी अस्य की वावता, उकत जिम्मिनयम के अभीन कर दोने के जस्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविश्रस के सिए; जौर/या
- (भ) एसी किसी भाव या किसी धन या जस्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बतः बन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में: उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिबित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री रामैया थिमैया शेट्टी।

(मन्तरक)

(2) श्री शेखर चेश्राप्या सालीयन

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थात के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वार;
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंचे।

### भग्सची

वुकान नं० 6, जो, पारेख सीसाइटी, शास्त्रो नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित हैं।

भनुसूची जैसा कि कि सं श्राध-4/37-हिई०/11787 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद समम प्राधिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, यम्बर्द

षिनोकः : 11-4-1985

मोइस 🐒

प्रकृप नाहरे, टी. एन. एस. .....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्वना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

प्रजंत रेंज-4, सम्बद्ध

बम्बई, दिनाक 11 धप्रैल 1985

निर्देश सं० भ्रई-4/37-ईई/11865/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रभादः

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्थाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पिन अण्ड पार्सेल ग्राफ लेइंग एट व्हिलेज एक्तर, एक्तर रोड, बेग्नरीग एस० न० 2, एच०, नं० 1 (अंग), सिटी सर्वे नं० 2110 (अंग), बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा भामकर गिधनियम, 1961 की धारा 269 के ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हरीमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिकार में प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकार मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धमकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए वा, किया में सुविधा के लिए;

जतः अव, उकत अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण वो, में तकत अधिनियमं की वारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेत्तर्स रजनीकांत कन्स्ट्रक्शन।

(चन्तरक)

(2) मेसर्स ला-बिस्ट कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए अधिकारी ।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें पयुक्त कट्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनसूची

पीस एण्ड पार्सल औंफ लेंन्ड लेंड्ग एट व्हिलेज एक्सार, एक्सार रोड, बेमरीग एस० नं० 2, एष० नं० 1 (मन्म), सिटी सर्वे नं० 2110 (अंग), बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई-4/37ईई/11865/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॉज-4, धन्या

दिनोक: 11-4-1985

मोहर 🛭

प्रकार बार्च हो। एनः दसः

भागकर कॉभिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 क (1) के सभीत क्षाना

### ELMAN MARKET

कार्यालय, सङ्गायक कार्यकार आयुक्तप (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज-4, बम्बई

थम्बई, दिनांक 11 भ्रमेल 1985

निर्देश सं० म्रई-4/37-ईई/11603/84-85---मृतः मृष्ठे, ए० प्रसाय,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीम सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000 / - रुज्ञ. से अधिक है<sup>\*</sup> और जिसकी संबद्धान नंब 6, जो, सर्वे नंब 168, 200 बीर 261, सी० टी० नं० 1403(1) से (5), सरदार वल्लभभाई पटेल रोड, बोरियली (पूर्व), अव्यक्त में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित 🗦), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 षी धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजीरट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित गाजार मूल्य से कम के दश्यमान व्यक्तिपाल के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास इस्से का कारण है कि यथापुर्वेक्त संस्थित का उचित वाजार माल्य असकी क्रवजान परिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पस्द्रह प्रतिकात में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अस्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया त्रतिकास विभवतिक्ति उच्चेष्य वे अवस्य बन्तरण सिवित में वास्तविक रून से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरक से हुई किसी श्राय कि बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के श्रायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी थन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा बक्त ब्रीधीनयम, या धन-अर ब्रीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा वा वा किया बामा वाहिए वा, कियाने के संविधा के सिकः;

बतः नवः, उक्त विभिनियमः, की भारा 269-न के त्रन्सरण में, में, नक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीनः, निम्निसिखित व्यक्तियों, सर्थातः — , (1) मेससं ममता कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भग्तरक)

(2) लालमणि लेखराज तिवारी।

(मन्सरिती)

को वह सूचना चारी करके प्योंक्त संपक्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हो।

# क्का क्यारित में अर्थन के सम्बन्ध में सोई ही बार्यद्र--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन को जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाय की तानील वे 30 विन की अविष को भी स्वाप्त को तानील वे 30 विन की अविष को भी स्वाप्त को में दे किया को स्वाप्त कारों हो, के भीतर प्रवासित कारों में से कियी स्ववित दवारा;
- (व) इस ब्रामन के राजपण में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उपका स्थानर संपर्तिता में हितनक्ष किसी जन्म स्थानित क्वारा, नभोहस्ताकारी के शास निवित में किए या सकोंगे।

रमण्डीकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

### म्रमुसूची

बुकान नं० 6, जो सर्वे नं० 168.290 और 271 सी० टी० एस० नं० 1403 (1) से (5), सरदार वल्लभमाई पटेल रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-4/37-ईई/11603/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

**दिनांस**: 11-4-1985

मोहर 🛭

प्रकल साइ". टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षणं) खर्जन रेंज-4. बस्बर्ड

बम्बई, दिनांक 11 भन्नेल 1985

निर्वेश सं० मई-4/37-ईई/11757/84-85---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, कुसुम इमारत, डी० एच० देसाई रोड, मराठा कालनी, दिहसर (पूर्व) मे, बस्बई-68 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनूसूची में भीर पूर्ण रूप से बिणत है), भीर जिसका करारनामा भायकर भिष्टित्यम, 1961 की घारा 269 क ख के भधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निश्त में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमंबक्ते में स्विधा के जिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूविधा के लिए:

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीत, पिस्त्रकितिस्त, व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती झवेरवेन चापसी भाई गोगरी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती झवेरबेन, पी० शाहा, ग्रीर श्रीमती दिवालीबेन हिरजी शहा। (ग्रन्तरिती)
- (3) सन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्बक्ति के वर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नम्स्ची

दुकान नं० 1, जो, कुसूम इमारत, डी० एच० देसाई रोड, मराठा कोलनी, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकि ऋ० सं० माई-4/37-ईई/11757/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, अम्बई

दिनांक : 11-4-1985

मंत्र २

प्रकप माइं.टी.एन.एस.-----

# आयकर विधितिष्यमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के मधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, सम्बर्ध सम्बर्धः दिनाक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई०-4/37-ईई/11957/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-स. से अधिक हैं

भीर जिसकी संज दुकान नंज ए-1, ए-2/13, जो, आनंद नगर, छत्तपती शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), यम्बई-68 में स्थित है (भीर इन? उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28-8-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्कित बाजार मृत्य से कम के दृश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृत्ये यह भिष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर, प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किवान में नास्तिक रूप से किथा गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अवत विधिनवम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के सिक्ट; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किशी धन अन्य सास्तियों ना किशी धन अन्य सास्तियों ना किशी धन अन्य सास्तियों ना किशी धन अन्य सास्तियों वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः गर्वः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त निधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन, निस्निधिति व्यक्तियों, अर्थात् :----45---46GI/8 (1) स्पेस बिस्डसं प्रायवेट निमिटिङ । 😽

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुलोचना आय० के०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहेस्ताक्षरी के पास सिखिल में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा ही।

# अन<u>ु</u>स्ची

बुकान नं० ए-1, ए-2/13, जो, आनन्द नगर, छत्रपती क्रिवाओं रोड, दहिसर (पूर्व), वस्वई 68-में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के अई-4/37-ईई/11957-84-85 मींर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984 में रजिस्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक 11-4-1985 मोइर: प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

भारत १६६१ मार्ग १८६१ (1961 का 43) की भारा १८६९- ए (1) के अधीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्वेग सं० अई-4/37-ईई/11650/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो, 1ली मंजिल, अरुण जपार्टमेंट, नारायणराव म्हाझे रोड, दिहसर (प), बम्बई में स्थित है (म्रीर इसने उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पर्याक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपत्ल सं. अधिक ह\* **ध्व**यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उन्वेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर किधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं--- (1) मेसर्स स्मिता बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) प्रशिकांत एन० म्हान्ने भौर सुषमा एस० म्हाने। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्यी

पलैट नं० 102, जो, 1 ली मंजिल, अवण अपार्टमेंट्स, नारायणराष महात्रे रोड, दहिसर (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि विकास कि वि विकास कि वि विकास कि व

ए० प्रसाद (मक्षम प्राधिकारी) सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

दिनांक : 11-4-1985

मांहर 🖺

# एकप आहें .टी. एवं. एख.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### मारत बरकान

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/11550/84-85—अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६सवी इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रहे. सं आधिक हैं

गोर जिनकी सं० पनैट नं० उ/9, जो, 4थी मंजिल,न्यू हिल
पार्क को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, नंदनवन के पीछे,
एस० वि० रोड है, धहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है
(ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में गीर पूर्ण रूप से विणत
है), गीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क ख के अधोर, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-8-1984
को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूस्थ से कम के दुल्यान
प्रतिकत है लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार
बस्थ, उसके दृश्यमान प्रतिकत को, एसे दृश्यमान प्रतिकत का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और
बन्तरिती (अंतरिरियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए सय पाया
प्रया प्रतिकत, निम्नतिखित उद्देश से उक्त बन्तरण लिखित
भें बास्तिबक रूप से किथत नहीं फिया गया है —

- (का) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उत्रक्ष आर्थिनियम, अर्थ अधीन कर दोने के बन्तरक अप दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्त्रिमा के तिए;

कत. अस, उन्त अधिनियम को भाषा 269-म के बन्सरक में, में उक्त विधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, वर्षात्.— (1) श्री प्रबोधभाई जे॰ मुचला।

(अन्तरक)

(2) श्री दिपक ए० देसाई और अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पति है)

की यह स्थना बारी करके प्रोंक्स सम्प्रांस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम से 45 विन की व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त अर्थान्त्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इपं स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की वारीव सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्भ किसी बन्म व्यक्ति इंगारा जभोहस्ताक्षरी के गृत्व सिविस में किए वा संकेंगे।

स्पर्ध्योकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिप्तियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, यही नुर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिवा प्या है।

### मन्त्र्यी

फ्लैंट नं इ/9, जो, 4थी मंजिल, न्यू हिल पार्क को: आप हाउसिंग सोसाइटी लि०, नंदनवन के पीछे, एस० वि० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/11550/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 11-4-1985

भोहर 🖫

प्रक्य बाइ . टी . एन . एस . -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 स्रप्नैल 1985

निर्देश स० मर्थ-4/37ईई/11565/84-85--मतः, मुझे, ए॰ प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कमरा नं० 206, 207, 208 ग्रीर 209, जो गुरूप्रसाद इमारत, जंक्शन ग्रांफ वसनजी लालजी रोड ग्रीर धलबी रोड, कांधिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 10-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्विक्त तम्परित का उचित बाबार मूल्य, उसके इष्य-मान प्रतिफल से, एसे इष्डमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से मोधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिकित उद्देश्य से उक्द अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से शुद्द किसी नाथ की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे अथने में सुविधा के लिए; बाँद्र/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सृविभा के निए;

त्रतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मों उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचिति स्विविद्यों, अभिन् :---

(1) श्री धनजी रामजी सावला, इंदूलाल धार० शाह० भौर वी० पी० धलवी।

(अश्तरक)

(2) श्री सुकेंद्र किशोर मोटला, भीर श्रीमती णिशकला किशीर मोटला।

(भ्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुसारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिल्बद्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्रों।

स्वध्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदौं का, वो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिकाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं॥

# वनुसूची

कमरा नं० 206, 207, 208 श्रीर 209 जो गुरू प्रमाद इमारन , जंक्शन श्रांक वसनजी लालजी रोड श्रीर दलवी रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैया कि कि सं अई-4/37ईई/11565/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिनांक 10-8-1984 रजिस्टर्ड किया नया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरे ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

भोहर :

प्रस्प आइ. टी. एन. एस. -- ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-4 बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 म्रप्रैल, 1985

निरेश सं० ग्रई-4/37ईई/11548/84-85--ग्रतः मुझे ७ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पर्शैट न० 29, जो 2री मंजिल , वर्धमान कुटीर , वी विंग, शकर छेन, कादिवली (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उजाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप में विजित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए अन्हरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एस द्रयमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिक्त (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्म वर्धमान बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मेला हरीश भाटिया भौर भन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिक्ष् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

### वनसची

पगैट न० 29, जो 2री मंजिल , वर्धमान कुटोर, बी विंग, शंकर लेन, कादिवली (प). बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैमा कि कम सं० ऋई-4/37ईई/11548/ 85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-10984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए∙ प्रसाद स**क्षम** प्राधिकारी सहायक ग्रायकरम्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ष

दिनाक : 12-4-19**8**5

मोहर 🖫

प्रस्प बाह्ये ही, पुन्न पुरानुननन्त्र

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्थना

### प्राहत बदकार

कार्यासन, सहायक मायखर जायमत (निरक्षिण) म्पर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मप्रैल 1985

निर्देश सं॰ मई-4/37-ईई/11744/84-85--- अत: मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्रत मधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-घ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 504, जो, 5वीं मंजिल, ज्ञान दर्शन, सी० टी० एस० नं० 328, व्हिलेज मालाड, एस० वी० पी० रोड, कांदिवली, (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूवी में फ्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) धीर जिसका करारनामा प्रायक्षर प्रधिनियम 1961की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्दी है, तारीख 24-8-1984

को पूर्वीक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अल्परित की गई हु और मुझे यह विश्वास करने क्य कारण ही कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, असके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) अपेर अंतरिसी (अतिरिशियों) के बीच एसी अन्तरण के लिए तय पाया गया मतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत , उसत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए: गौर/क
- (अ) ऐसी किसी आय या किनी भन या जन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर बिधनियम, 1922 ा । . \_ को । 1) या उक्त आंधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को सिए;

बत: अब, उन्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त ऑपिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभौन, जिम्लीसिंश व्यक्तियों, अर्थात् क्रान्स

(1) मंक बिल्डर्स एल्ड कान्ट्रेक्टर्स ।

(ग्रन्सरक्)

(2) श्रीमती वर्षी पी० शाहा और पिनाकिन के० शाहा ।

(घर्तारती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यबाहियां शरू करता हुई ।

जनत सम्परित के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविष, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हिलक्षद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाष्ट्राक्षश्च क गार निवित में किए वा सकींगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित **हैं, वही अर्थ हांगा जो उस** अध्याय में दिया गया 👸 ।

### नन्त्र्धी

प्लैट नं॰ 504, जो, 5वीं मंजिल, ज्ञान दर्शन, इमारत प्लाट बेग्नरिंग सी० टी० एस० नं० 328, व्हिलेज मालाष्ट, एस० वी०पी०रोड, कांदिवलो (प), यम्बई – 67 में स्थित है। ब्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० मई-4/37-ईई/11744/

84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजान रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 11-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के वृधीन स्कृत

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक काथकर काय्क्त (निरक्षिक) भजन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 म्प्रील, 1985

निर्देश सं० घई-4/37-ईई/11772/83-84--- घतः मुक्षे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

द्योर जिसकी सं० फ्लैट नं० 39, जो 3री मंजिल, शिवम इमारत , एस० बी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई— 67 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीध-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984

को प्वांकित संपत्ति के उपित बाजार मृज्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों वन रंणित का प्रांचन माजार मृज्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पल्ला प्रतिफल को पल्ला प्रतिफल को पल्ला प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय् पाना गवा प्रतिफल, निम्वलिचित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण कि चित्र में अस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-श्रीधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिहर; श्रीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा या किया

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभास्त (०९ के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :~~

- 1. मैससं राजलक्मी कन्प्रद्रवशन कंपनी । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती तेली उमिलाबेन पोपटलाल । (म्रन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्थन् के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कींड् भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्मध्वनधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पांच सिसिस में किए का सबेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ममृस्यीं

पलैट सं० 39, जो 3रो मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कॉर्दिवली (प), बम्बई--67 में स्थित

अनुसूची जैसा कि कि सं मई-4/37-ईई/11772/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनकां 25-5-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्द

विनांक :· 11-4-1985

मोहर 🕫

भूक्य नार्<sup>क</sup>, द्वी, एन. एस. - - + ----

भाषकर विभूमियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत शरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजिन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 भ्रप्रैल 1985 निर्देश सं० भ्रई-4/37-ईई/11512/83-84--भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पक्षात 'उक्त अधिनियम' कक्ष् गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्यित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिनकी सं० ब्लॉक नं० 5, जो, उध्य श्रपार्टमेंटम, दूसरी मंजिल, कमला नेहरू काल रोड नं० 2, कांदिवली (प), बम्बई – 67 में स्थित है और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6 श्रगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान क्रांतपल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्हें यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकान से प्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तर्विकां) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनते अन्तरण विश्वित में सास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (45), अनसारण से हुन्दें जिल्ही नाय की नामस , उनस् जीधीनसम के अधीन कर बोने के बुन्सरक की खबिल्ड में समी करने या उससे गयने में सुविधा को शिए; और/या
- (का) एसे किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रजीवनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जियाने में सुनिधा के सिए;

बतः ज्ञव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के बनुतरण वो, वो, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन निम्नितियत व्यक्तियों, वर्ष्याद व— 1. श्रीमती प्रभावती एन० संघवी।

(मन्तरक)

2 श्री दुर्लभर्जा नानजी पालन, ग्रीर श्रीमती बिजयागीरी की. पालन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त मम्पत्ति के अर्थन के मध्यन्ध में कार्ड भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तत्सक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध अब में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोकत अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राभपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास सिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधियाम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्वी

ब्लाक नं० 5, जो, उदय श्रपार्टमेंटम, दूसरी मंजिल, कमला नेहरू कास रोड नं० 2 कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राह -4/37-ईई/11512/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी म**हायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-4, बम्बई** 

विनांक: 11-4-1985

मोहर:

# प्रकम जाद<u>ी, दी. ए</u>न. <u>एस. ----</u>---

1. मैंसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### सार्थ्य बहुन्तुह

# कार्याजय, तहायक आयकर मायुक्त (निरोक्तण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/11771/83-84--ग्रतः मृक्षे, ए० प्रसाद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/= रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 23, जो, बूसरी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वि० रोड, फतेहबाग, कांधिवली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्ले में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने ना उससे स्थने में सुनिधा के सिए; जौर/ना
- (का) एसी किसी बाब या किसी भन या कत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जावा चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए?

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--46—46GI/85

2. श्री जितेन्द्र मोहनसाल शहा ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जादी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जुरू करता हुए।

# उन्दर सम्पर्ति के वर्षन भी सम्बन्ध में कोई भी नाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्य किसी जन्म स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे 1:

स्यव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं० 28, जो, दूसरी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। प्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-4/237ईई/11771/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज−4, बम्ब**ई**

दिनांक: 11-4-1985

मोहर :

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्स)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/11857/83-84--ग्रतः म्झे,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 41, जो, तीसरी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांषिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रौर इसस उपायद अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम को दब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दरयमान प्रतिफल से, एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और अन्तरि**ती** (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाव की बावत उक्त अधि-अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वाबित्व में कमी करने या उससे ब्यवे में स्ट्रिया के लिए; आरे/या
- (क) ऐसी किसी जाय या भन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वर्षः वद, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के वनुसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

1. राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

2. श्री जत्रदास जी० शहा श्रीर श्री राजेश सी० शहा श्रीर श्री किरीट सी० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करको पूर्वोक्तः सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 4.5 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त हाती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (वा) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

ल्ब्ब्बीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में हैं, बही वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया गया है ः

#### अन्तुची

फ्लैट नं० 41, जो, तीसरी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड, फतेहबाग, कांविवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। भीर जो सक्षम, प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 4-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-4-1985,

मोइर्ध

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 धप्रैल 1985

निर्देश सं० ऋई-4/37-ईई/11824/84-85--- **धतः मुजे**, ए० प्रसाव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण ह" कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो, दत्तानी श्रापटमेंट नं० 4, पारेख नगर, एस० वी० रोड, कांदिवली (प), सम्बर्ध-67 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बणित है)। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीविनयम 1961 की धारा 269 कवा के श्रीन बण्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कांग्रीसय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे वह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, असके स्थ्यमान प्रतिकत से एसे क्यमान प्रतिकत का पंदह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया च्या प्रतिफल, निम्निशिव् अनुस्थ्य से अन्त जन्तरण जिल्लि में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क्यू) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, शैनक्नीनिवत व्यक्तियों, अधीत् क्र---  मेसर्सभार० डी० घेशानी फेमिली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

2. श्री किशीर भाई जी० कोशी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सरधरी

दुकान नं० 7, जो, दलानी अपाटमेंट नं० 4, पारेख नगर, एस० नी० रोड, कांदिवली (प), सम्बई-67 में स्पित है। अनुसूची जैसा कि क सं० भई-4/37ईई/11824/84-85 और जो समस प्राधिकारी सम्बई द्वारा दिलांक 1-8-1984

भौर जो समाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

•

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षमण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

सारीच: 11-4-1985

मोहर 🔅

# मुख्य आहें, हीं, एवं, एवं, -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) के वभीन सुचना

#### THE PARTY

# कार्यंत्रव , सहावक जावक है जावक्त (निर्देशिक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 भन्नेल 1985

निवेण सं० भई-4/37-ईई/11549/83-84--भतः मजे, ए० प्रसाद,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उणित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी मं० दुकान सं० 5, जो, प्राउण्ड फ्लोग्रर, वर्धमान कुटीर, शकर लेन, कांदिवली (प), बस्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाधव प्रानुसूकी सें और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धार 269 कख के प्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं, दिनांक 10-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार बूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत बीधीनयम के बधीन कर दोने के बंतरक के गायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के जिए; बीर∕वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था, टिअवाने में स्विधा के विक्:

श्र्तः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) औ अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) मेसर्स वर्धमान बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार केशवलाल सोनी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारीं कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के मुर्चन के जिल् कार्यवाहियां कारता हुं।

बन्द सम्मत्ति के नुर्वन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण के प्रकाशन की सारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किश्री कन्य व्यक्ति इवारा, अथोहस्ताकरी के पाइ विकित में किये वा सकेंगे।

स्वकास्य : -- इसमें प्रयुक्त कव्यों मौर पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वा हैं।

# बन्स्ची

दुकान सं० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्रर, वर्धमान कुटीर, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं० ग्रई-4/37-ईई/11549/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, अम्बर्द

<sup>[</sup>दनांक : 11−4−1985

मोहर 🛭

प्रस्प माई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रप्रैल 1985

निदेश सं० धर्द--4/37-ईई/11611/83-84---ध्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट न० 5, जो, दूसरी मंजिल, जी० के० नगर, इसारत नं० 1, णंकर लेन, काविवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), /और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ड़ी है, दिनाक 14-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का il) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1951 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म के बनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स ग्राशिष कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनसुखलाल एस० शहा और श्रीमती दमयन्तीबेन एम० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां बुक् करता हुं [1]

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध मां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित 🐉, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पर्नंट नं० 5, जो. दूमरी मंजिल, जी० के० नगर, इसारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-4/37-ईई/ 11611/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्स

दिनांक: 11-4-1985

मोहर:

वृक्ष वार्षः ठीः पुत्रः ध्रुवः -----

नायकर निधिनियम,, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-न (1) के न्थीन सुचना

#### नाइत तरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर भावृत्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रप्रैल 1985

निर्वेश सं० अई-4/37-**६६**/11484/84-85--- मतः मुझे, ए• प्रसाय,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चाल 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-र. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० बी०/101, जो पंकज इवारत, कबल भपार्टमेंट, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उधित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के सिए अन्तर्शित की गई हैं और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के चन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा मया प्रतिफल निम्नसिम्चित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निवित्त में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्महरून भी हुई किसी जान की बावस, उत्तर वृधिनियम के अभीन कह दोने के अन्तरक की शांवरम में कभी करने या उससे बचने में बूबिया के जिए; वरि/मा
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या जस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विभिनयम, या भनकर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया भया या वा किया जाना चाहिए या, जियाने में सुविधा के सिख ।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, सकत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) चे ब्रथ्म, निम्न[तिकत व्यक्तियों, वर्णात क्र--  श्री यशवन्तराय के० वंसा ग्रीर श्रीमती जयाबेन वाय०. वंसा ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती ज्योति बेन जे० मेहता श्रीर श्री जितेन्द्र एच० मेहता ।

(भन्तरिवी)

को यह सूचना जारी कहते पूर्वोक्य सम्पत्ति के सर्वन के जिल्ल कार्यनाहियां सूक कहता हूं !।

उक्त ब्रम्पित के ब्रावन के सम्बन्ध में कोई भी वालेन हरू

- (क) इत बृष्या के रावप्त में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की शवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की शवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव जिला में किए का सकेंगे।

स्वक्रोंकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में हैंदबा बना है।

# अनुसूची

फ्लेट नं॰ बी/101, जो, पंकज इमारत, कमल भ्रपार्टमेट, शंकर लेन, कादिली (प), बस्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के० सं० मई-4/37-ईई/11484/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-4-1985

मोहर 🛭

# प्रकृष कार्यु हो एन् पुरु कार्यक्र

बावक्ट बिधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-म (1) को बधीन सुबना

# भारुत सरकार कार्यासक, तहावक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रोज-4, बम्बई सर्वात सम्बद्ध

बम्बई, दिनाक 11 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/11894/83-84--ग्रतः मुझे, ० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/-रा.से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट सं० 21, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, डी० विंग, बोनान्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्रमोक चक्रवर्ती रोड, कादिवल (पूर्व), बम्बई, सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री है, दिनाक 10-8-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मुल्य से कम के अवजान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मुल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, एसे अवमान प्रतिफल के पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलित इक्टोब्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिबक रूप ते कवित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित में कमी करने या उत्तसे अवने में सुविधा के सिए: बीज/वा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के सभान, निम्नीचिधित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्री दिलीप एन० वासवानी ।

(मन्तरक)

(2) मेसर्स न्यूटानिक इक्युपसेट कम्पनी । (झन्तरिती)

को नइ सूचना चादी करने पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन से विश् कार्वपादिनां सूक करता हूं।

# उक्त संपत्ति के सर्वन के संबंध के कोई की बाबोब ;---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध स्वाद्यां कर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, वो और नविध नाव में समाप्त होती हो, से औतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रकाश;
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताकारी को नास सिचित में निग्र वा सकों ने।

स्वाचीकर्षः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिश्राधित हैं, वहीं वर्ध होगा श्रो उस कथ्याय में दिया गवा है।

#### मनस्यी

यूनिट स० 21, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, डी०-विंग, पोनान्स। इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/ 37-ईई/ 11894/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--4, **बस्ब**ई

दिनांक: 11~4-1985

मोहर:

# म्बर्ग वार्षं ्टी पुर्व प्रकृत-----

नावकार निधानयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीन सूचना

#### नारत चरकार

कार्यासय, सहायक बावकर बाव्क्त (विरोधिक) ग्रजीन रेंज-4,वस्वई

बम्बई, दिनांक 12 सप्रैल, 1985

निरेश सं० ग्रई-4/37ईई/11933/84-85--- सतः मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उन्ता विधितियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विवक्ता उन्तिक वाचार मूक्य 1,00,000/- रु. से विधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, ओ, उदय घपार्टमेंट, फ्लाट नं० 37, संबवी प्रा० स्कीम, ग्रौर बेघारिंग सर्वे नं० 86, पोईसर, कांबिवली (प), अम्बई में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध घनुसूणी में ग्रौर पूणक्प से वांजित है)। ग्रौर जिवका करारनामा घायकर धि नियम 1961 की घारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सम म प्राधिकारी के कार्यास्य में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के उच्चमान इतिफास के सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उतके अध्यमान प्रतिफात से एसे अध्यमान प्रतिफात का प्रतिकार के स्वाप्त प्रतिकार के बाव के स्वाप्त के सिंद अध्यमान प्रतिकार के सिंद अध्यमान के सिंद अध्यमान के सिंद अध्यमान प्रतिकार के सिंद अध्यमान के सिंद अध्यम अध्यम के सिंद अध्यम अध्यम के सिंद अध्यम अध्

- (क) वन्तरम ते धूर किसी बाव की नावत कमत विध-विषय के बचीन अपर योगे के बन्तरक के बाजित्व में कसी अनुस्रों का अंतरी बचने में सुविचा के लिए और/वा
- (च) एंसी किसी आप या किसी भन वा अन्य कारितकों की, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनिवस, या अन- कर अभिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

वतः वव, उन्त विधिनवन की भारा 269-म के अमृतरम वो, मी, उन्त विधिनवम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नविधित व्यक्तियों, सभार के--- (1) श्रीमति प्रभावती नागिनदास संघवी।

(घन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र प्राणजीवन दास क्होरा। (भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई।

उन्त राम्परित के वर्षण के राम्यन्य में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस ब्यामा के रायभव में प्रकारण की तारीय है 45 दिश की बंगीय ना तरवस्त्रणी व्यक्तियों पर स्थान की बाबीस वे 30 दिव की बंगीय, को भी नवीं व बाद में बनान्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास;
- (च) इस स्वना के राजवान में प्रकावन को तालीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूब किसी जन्य व्यक्ति ब्वास, अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किस वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रवृक्त शब्द और वर्ष का, को अवत विधिनमन के सम्बाद 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा को उसे अध्याद में दिया नया है।

#### नग्राची

फ्लेट नं० 6, जो, उदय ग्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 37, संबद्धजी प्रा० इकीम, भीर बेग्नरिंग सर्वे नं० 86 (ग्रंश) श्रीर सर्वे नं० 86, एच० नं० 1 श्रीर 2 पार्टमे पोईसर, कांदिवली (प), बस्बई केंद्रियन है।

बनुसूची जैसा कि ऋ सं० ऋई-4/37ईई/11933/84-85 और जो सक्तम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद संघन प्राविकारी सहायक मायकर मायुक्स (निरीक्तन) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-4-1985

मोहर 🛭

प्रकथ बाइ.टी.एर.एस.------

गायकार धिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के भभीन भूमनः

भारत सरकार

कार्यातसः, सङ्गयकः अध्यक्षः भागवतः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4. बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 12 मप्रैल, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/11941/84-85---- प्रत मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उ उस अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 289-स के अधीत सक्षम प्राधिकारी का यह विशवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 15, जो, स्वामी कृषा, एम०जी० कास रोड नं० 3, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची मे भौर पूणरूप से वर्णित है ) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुल्य म कम के बश्यमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मला, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रममान प्रतिकश का पंत्रह प्रतिवास से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोंसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिकित उद्योग्य से उक्त बंतरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बनारण सं हुए । किली भाग की गामक, सामक अधिनियम के अभीत कार दोने के बन्शरक के बाबित्य में कभी करने मा उससे रामने में बुरिया को निष्, अर्थः/श
- (का) एव्यी कि भी आया र किसी धर या अन्य आस्तियाँ को. जिन्हां भारतीय अध्यकर अधिनियम, (1922 का 11) या उपल मधिनियम, या भन-करण्याधिनियम, 1957 (1957 अका 27) अके प्रकाजनार्थ जनगरिनी देवार एकट नहीं किया गया थाया किया राज अकिंग था, जिय ने संस्थिश के प्रिष्.

बत अथ, उक्त विधिनियम की गरा 260-ग के अनुसरण से, उपच अधिनियम की भाग 269-च का उपधारा (1) के अभीन नियमसिखित व्यक्तियों, मर्भात:--47-46GI/85

(।) सेवाराम गगारास जम्मार।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र वसतराय महता।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्था नारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स तथति के अर्जन के सबभ में कांद्र भी बाओप :--

- (क) इस मुखना के शाजपक मा प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सुचना की तामील में 30 दिन की वयि भ, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (श) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्डि में किए जा सकरें।

स्थक्तीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में है, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया मया है

फ्लेट न० 15, जो, स्थामी कुपा, एम० जी० काम रोड न ० ३, कादियली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

न्नत्*भू*ची जैसा कि कासं० म्राई-4/37ईई/11941/8485 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख 12-4-1985

HIP?

इक्स् नाइं.टी.एस.एस्. -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के भूभीन तुमना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भागकार नागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेण सं० ई-4,37 ईई,11951,84-85-- अतः पुझे, ए० प्रसाद,

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें इसकें इसकें इसकें उपना के अधिन तका प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपना शाबार नृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० जे, 25 जो. महावीर नगर को०-आप० हार्जिसग सोमायटी लि०, डाहाणूकर वाडी, कां। दवली (प). बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 27-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए , बन्तरित की गई हैं हैं और मुझे यह विद्यास करने का कारण, है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्ष्म को से दृश्यमान प्रतिक्ष्म का पंद्रह प्रतिफल से बाधिक हैं और अंतरिक (अंतरिक अंतरिक (अंतरित वा पाया प्रया प्रतिक , निम्नसिविक व्यूव प्रेम अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिक कप से क्षियत नहीं किया पाया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्मिन्यम् के जधीन कर देने के अन्तरक के दानित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (व) श्रेती किसी जाय या किसी भन या अन्य अपिस्तरों को चिन्हें भारतीय नामकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- व्यथ अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) अधि अधिन्यम व्यक्ति, दिल्ला व्यथ व्यवस्थ व्यक्ति व्यथ व्यवस्थ व्यक्ति व्यक्ति

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-३ औं अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ ज्योग, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात् ;— (1) श्रीमता रसोला रमेश व्होरा,।

(अन्तरक)

(2) श्री शिरीय एच० रंडेरीया ।

(अन्तरिनो)

का वह सूचना नारा करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निक् कार्यमाहिना करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थभ के सम्बन्ध में कोई भी बाहरेप :---

- (क) इस बृष्ना के एक्पक में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन की जनकि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की जनकि, को भी अनिष सुव में कमान्य होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिश के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में द्विप-वक्ष किसी बन्व स्थित क्वारा अभोहस्ताक्षरी के गण शिक्षित में किए का सकीये।

रम्थानिकाण् ः — प्रताने प्रयुक्त सच्चों जीर वयों का, को उत्तक्ष वर्ष्टिवन के अध्याद 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वथ झगा यो उत स्थ्यास में ब्रिका यमा है।

#### जन्स्ची

फ्लैट नं० जे/25, जो, महावीर नगर को०-आप० हाउसिंग मोसायटी ति०, डहाग्कर वाडी, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अतुमूचा जैसात्क क० सं० अई-84/37 ईई/11951/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 27~8=1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर अधुक्त (निरीक्षण),\* अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-4-1985

मोहर :

# प्र**क्षा साह**्रे, दौ ुएस <u>. ए</u>स ुन्नाननात्रक

भायकर मौचीननम, 1961 (1961 का 43) की भारा भाष्ट्र 269-च (1) के नंभीय क्चना

#### WINTER COUNTY

# कारीखन, तक्कानक नानकर जानूनक (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बद्द

बम्बई,दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ई $\delta/11920/84$ -85--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वानकर श्रीमिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवि इस्कें ध्रुक्ते प्रकात् 'उक्त विधिनियम' कहा नवा है), की भारा 269-व के बधीन तक्षम प्राधिकारी को, सह निकात करने का बारव है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आवार मुक्ब 1,00,000/-क. से जिथक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 35 बी जो, तीसरी मंजिल, दस्त नी अपार्टमेंट 4, पारेख नगर, एस० वि० रोड, कादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वाणत है), ग्रौर जिपका करारनाम आएकर अधिन्तयम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 25-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित नामार मृत्य से कम के क्रथनान प्रतिक्य के सिए बन्दरिश की पहें हैं और मुझे सह निकास करने का कारण है कि नभापूर्वोक्त तम्प्रति का उभित बासार मृत्य, उसके व्यवमान प्रतिकास से एवं व्यवमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकत से समिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरिशिक्त) के बीच एवं अन्तरम के सिव्ह स्व पाना पना मृत्यम, विकासिक्ष स्व से स्विद्ध मृत्योग से अन्त अन्तरम सिविक् में बाक्यमिक स्व से स्विद्ध मृत्योग से अन्त अन्तरम सिविक्

- (क) बच्चान वे हुई कियी बाव की वायक, उनस अधिविद्यं के नवीन अक्ष वेचे के सन्दर्भ के शक्ति को क्यी करने वा क्षत्रों नवने में शुनिका के सिद; बरि/बा
- (क) देवी किसी नाम ना किसी पन ना सम्ब अर्थास्त्रकार को, किसू भारतीय बात-अन्त अपिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उपक्ष निविध्यम, का भन्कर निविध्यम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ अन्तरियो क्यारा प्रकट नहीं किया यदा था ना किया बावा वाहिने था. कियाने में सुविधा के सिह;

क्याः सम्ब , उच्छ विधिनियम की धार्य 269-य के अनुवरण में , मी , उच्छ विधिनियम की धारा 269-य की उपधार्थ (1), में वृथीम , मिल्लियिक स्वयिक्सों स्थार्य क्र--- (1) श्रीमती सिताबेन ग्रार० जोशी ।

(अन्तरक)

(2) श्री दयालजी बी० नाईक।

(अन्सरिती)

भा नह बुभना पारी करके पृत्योंक सम्पृतित में वर्धन में विद्यु कार्यवाहियां करता हुं।

# जनक कल्यांत्व के बर्जन के ब्रम्बन्ध के कोई थी बाधोद्धनन

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अवस्थि ना करकानाओं व्यक्तिएकों पृष्ठ श्रूषका की तानील है 30 दिन की अवस्थि, को की वनसि नात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिकों में वे किसी व्यक्ति सुवारा;
- (थ) इस क्ष्मा के राज्यम में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्षारा वशोहस्ताकरी के शख् मिकित में किए का तकोंगे।

स्थळीक रण: इसमें प्रयुक्त कवा और पर्यों का, जो जक्त मुभिनियम को बच्चाय 20-क में परिभाविद्य ही, वहीं वर्ण होगा को उस अध्याक में विद्या एका है।

#### वन्यूपी

फ्लैट नं० 35 बी, जो, तीसरी मंजिल, इत्तानी अपर्छमेंट न० 4, पारेख नगर, एस० वि० रोड, कांदिवली (प), वस्बर्ह में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-4/37 ईई/11920/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायकय आयुक्त (निरीक्षण) र्युअर्जन रेंज-4, बम्बई ।

(दनाक : 12-4-1985

मोहरू 🖫

प्ररूप बाइं्टी. एन . एस .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रप्रैल 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/11607/84-85 श्रत: मुझे ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) । (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलट न० 44, जो 4यी मंजिल, ज्ञिव दर्शन इमारत, एस० वि० पी० रोड, म्युनिस्पल गार्डन के सामने, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणय है) ग्रीर जिनका करारनामा अ।यकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कछ के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क।यिलय में रिजस्ट्रा है, दिनांक 14-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूनिधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

गतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) मेसर्स एनमेन बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री वजनीन श्रंबक जाल मेहना और श्रीमती ज्योती जनीन मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यबाहियां शुरू करता हु।

चक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ए---

- (क) इस सूंचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्तुनी

प्लैंट न० 44, जो. 4थी मंजिल, शिव दर्शन इमारत, एस० वी० पी० रोड, म्युनिसपल गाडन के सामन, कांदिवली (प), बम्बई 67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4,37-ईई $,11607/_{l}$ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 14-8-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्रतिवकारी सहायक यायकर आयुक्त (नरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

[दनाक : 12-4-1985

मोह्य 🖀

प्रकप वाह्य टी. एस. एक. -----

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के शधीन सुचना

#### भारत सहसार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

वस्त्रई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-4, 37 ईई, 11674, 84~85-- अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवाद 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनको म० पर्नैट नं० 45, जो, मी० — विंग, कादिवली कृष्णा कृपा को० आप० हार्जामग सोसायटी लि०, शंकर लेन, कादिवली (प), बम्बई — 67 में स्थिन हं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सभम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 18−8−1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हो कि प्रनाए एक्त पम्प्रेत का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सा, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्गे) और अंतरिती (अंतरितयों) जे कीच एमें कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उक्षरिय से उक्त अन्तर्ज हिस्बित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है इन्त

- (२) जन्तरण मं हुद्दं किसी बाय की बाबत, उक्त योपनियम के अभीत कार दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीट्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जोहए था, इंड्यान मा मृत्यवा के सिए;

नतः सव, उक्त निधिनियम, की धारा 269-म के नन्सरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्मलिखित व्यक्तियों, मर्चात् ६(1) श्री चन्द्रबदन ए० पारेख और श्रीमती मंगनगौरी ए० पारेख ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री । अजलाल डी० श्रोझा श्रीर बाबूलाल डी० श्रोझा (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाधांध :~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख अ 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद याँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अयिक्यों में के जिसी ज्विका दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षण के वास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्मध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, था उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा शबाही।

# जन्**त्**नी

फ्लैट नं ० 45, जो, सी विम, कॉदियली कृष्ण कृपा को ० — ग्रॉप ० हाउसिंग सोसायटी कि , शकर लेन, कॉदियली (प), बम्बई — 67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि %० सं० अर्ध-4 $_{j}$ 37 ६६ $_{j}$ 11674 $_{j}$ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राप्तकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अजेन रेज-4, बम्बई

दिनांक 12-4-1985

मोहर:

प्ररूप बार्द, टी. एन. एस.-----

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्पीत स्वा

# माद्रव बद्धकाड

कार्यालय्, सहायक आयकर वावृक्त (पिट्रीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई--4/37-ईई/11477/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर विधित्तवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधितियस' कहा गया हैं), की भारा 269-स के संवीत सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वत करने स्म कारण् हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मृख्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० पोर्शन आफ लैण्ड नार्थ साईड आफ एम० जी० रोड, कांदिवली, (पिश्चम), बम्बई में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिमांक 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बुख्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का वस्त्रह प्रतिशत से विभिक्त है और जन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरक के जिए तब पावा प्रवा प्रतिक्त का विश्व के विश्व तो वस्तिक क्ष्य से कि विश्व के बादरित का वस्त कि कि के बादरित का विश्व के बादरित का विश्व के बादरित का वस्त का विश्व के बादरित का वस्त का वस का वस्त का वस का वस का वस का वस वस वस वस वस वस वस वस वस

- (क) ब्रन्तहरू वे शुर्व रिक्वी बाद की वान्य है। बच्छ विवर्तन्यक के वृत्योंन कर क्षेत्रे के बन्दरक के व्यक्तिक में क्ष्मी करने वा बससे बचने में सुविका के सिष्ट; बीर/वा
- (क) एरेडी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तिकों का', जिन्हों भारतीय जाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या यन-कार अभिनियम, या यन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभार्थ जन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा वा वा किया जाना जाहिए था, किया वा वा किया जाना जाहिए था, किया वा किया की सिए;

विश्वः जन वन्त निर्माणक की बाद्ध 269-न की कन्द्रस्य गं, भी, उभत निर्माणको धारा 269-म की उपधारा (1) की नधीन विस्तिदित स्वतित्वर्यों, अर्थीण् क्र—

- (1) मेसर्स श्री रामकृष्ण शिक्षण मण्डल । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स दत्तानी कन्स्ट्रक्शन्स । (अन्तरिती)

को यह चूचना जारी करके प्रांचित् स्मारित के मूर्चन के बिस् कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त बन्गीत के बर्बन के बुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारिब से 45 दिन की वनीच ना सत्वन्त्रन्थी व्यक्तियों पूर बृचना की तानीश के 30 दिन को नवीच, जो भी वनीच नाथ में सनाप्त होती हो, के भीवर प्रांचक व्यक्तियों में से किन्दी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर कव्यक्ति में हित्वव्य स्थावर कव्यक्ति में हित्वव्य स्थावर कव्यक्ति के पास निवित में किए या क्केंगे।

स्वक्षीकरणः इश्वनी प्रमुख्य क्षेत्री बाह्य क्षा, को उपम् स्वीधीनवम्, को सध्याव 20-क नो परिभावित हाँ, वही सर्थ होगा को उस्त सध्याय में दिया स्वाह्यी।

वनुसुची

पोर्शन आफ लैण्ड एट नार्थ साईड आफ एम० जी० रोड कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/11477/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंअ-4, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर 🛭

# श्रुक्य वार्<u>.</u>टी.एन.एस. -----

# भाष्क्रार विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुम्मा

# भारत तरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-4/37र्ह11728/84-85—अतः मुझै, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, "पिस" को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, शांतीलाल मोदी रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-8-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकृत अस से कीचत नहीं हैं कमा गया है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बरि/बा
- (क) एसी किसी बाय या किती धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं विधिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धानां चाहिए था, खियाने में स्विधा वे सिद्धः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ल्थीन, निम्मृतिवित व्यक्तित्यों, व्यक्ति डि— (1) श्री महेन्द्र देवजी गणाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री अवंतीकुमार माणेकलाल दोशी ग्रौर श्रीमती कुमुदबेन अथंतीकुमार दोशी ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतिस् को बर्जन् के निए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीब के 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हित- क्यूथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### লম্ব্ৰী

फ्लैट नं० 5, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, "पिम" को०ऑप० हाउसिग सोसायटी लि०, शांतीलाल मोदी रोड, कांदिवली (प), बम्बई— 67 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37—ईई/11728/84– 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22–8–84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज−4 बम्बई

दिनांक : 15-4-1985

मोहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### नारतं सुरकार

कार्यालय, सहाबक आयकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्वेश सं० अई--4/37--जी/78/84--85---अतः **मुझे**, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क. 43) जिसे इसमे इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० स्ट्रक्चर बेशरिंग सी० टी० एस० नं० 41 और 41/1 से 11, प्लाट आफ लण्ड बेशरिंग सर्वे नं० 4, एच० नं० 1 और 5 विलंज कान्हेरी, तालुका बोरिवली, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 3-8-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ए से ध्रयमान प्रतिफल से, ए से ध्रयमान प्रतिफल से प्रस्कृ प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से अभिकत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; जौर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन टिम्निलियन व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) 1. श्रीमती धनलक्ष्मी माणेकलाल दवे, 2. श्रीमती गोदावरी नर्मदाणकर दवे, और 3. माणेकलाल खुशाल जी दवं, और 4. मनूभाई माणेकलाल दवे।
- (2) श्रीमती आशा कांशीप्रशाद रिर्गाशया । (अन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहिया करता हुं।

जकत संपत्ति के अर्थन के संबंध में करोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हिनबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षकों के पास लिखित में किए का सर्वोगे।
- स्थे किरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-566/81 श्रीर जो जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रशाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-4-85

मोहर:

प्रका बाहें. टी. एन. एवं .----

शायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) वे स्थीन स्थान

#### बारव दरका

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षक) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-4/37-जी/64/84-85-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्को परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं सी टी एस नं 258-बी एस नं 38, एच सं 1 (ग्रंश) आफ बोरिवली (पिश्चम, बम्बई – 92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई – 92 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन, दिनांक 16-8-1984

- (क) वन्तरण सं हुई हिंडी साथ की बायत उपद वर्षि-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में सबी कड़ने या उपने बचने में सुविया के जिस्ह संदर्भमा
- (स) एंडी किसी कार्य वा किसी धन या बन्च अनिस्तर्ग की, जिन्हें भारतीय सायकर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त सिंधनियम वा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का '27) के अधोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिसित व्यक्तियों, वर्थात:—— 48—46GI/85 1 श्री भास्कर बाला भंडारी और अन्य ।

(अन्तरक)

2 बैंक आफ इण्डिया स्टाफ जय-कामाझी को० आप० हाउसिंग सोसायटी निमिटेड ।

(अन्तरिती)

**क्रिक्**र

स्त्री वह क्षणों बाड़ी करके पूर्वों कर कम्मीटर के वर्जन, के निश्च कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत् सम्बन्धि में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष -

- (क) इस स्प्रता के राषपत्र में प्रकाशन की तार्क के अठ दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियुक्त पर भूतिका की सामीस के 30 दिन की सद्दीप, को भी संक्रिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर अप्रतिका व्यक्तियुक्त के किसी क्वित स्वास्त

विश्वास्त्र के अध्याय 20-क में परिभाषित विश्वास के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना थो उद्ध बध्याय औं विश्वा प्रतीः क्या है। क्रिक प्रताः क्रिक प्रताः क्रिक प्रताः क्रिक प्रताः क्रिक प्रताः क्रिक प्रताः क्रिक

अनुस्ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1509/84 भौर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टडें किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-४, बन्धई

दिनांक : 11-4-85

मोहरः :

प्रका नार्षं, धी. एन . एवं . ------

· 1. श्रीमती प्रामिला वर्मा ।

(घन्तरक)

बावकर निर्धानवन, 1961 (1961 का 43) की प्रका 269-इ (1) के नथीन व्यवा

2. श्रीराज महेन्द्र।

(मन्तरिती)

#### नाइत बरकार

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिले इसवें इसवें परवात् 'उक्त -विधिनयम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थानर सन्यत्ति विसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान सं० 112, जो ग्राउण्ड फ्लोभर, जीवन बीमा नगर शापिंग सेंटर, एस० वी० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई—103 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करा,रनामा भागकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारी के कायोलय में रजिस्ट्री है, विनांक 1—8—84

को प्रॉक्त तम्मीत के बीचत वाबार मूक्त वे क्षत्र के ज्यामान प्रतिकास के सिए बन्तरित की पर्द है और भूमें वह विस्तास करने का कारण है कि वथापूर्वों कर तम्बर्तित का उपित्स वाबार मृत्य, उसके ज्यामान प्रतिकास से एके अध्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से विभक्त है और वंतरित (वंतरकों) की वंतरित (वन्तरित के वीच एते वन्तरित के सिए तब पावा नवा वृद्धिका विक्शितिवा क्ष्यों कि वर्ष वच्छ बन्दर विविद्य के वास्तिक का विविद्य के वास्तिक का विविद्य के वास्तिक का वो कीचत का विविद्य के वास्तिक का वो कीचत का विविद्य के वास्तिक का वास्तिक का वो कीचत का वास्तिक वास्तिक का वास्ति

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग का नानत, उच्च नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बीप/या
- (७) एति जिसी बाव का किसी घन भा कम्य कास्तिको को, विकृषि बारतीय कावकर विभिन्नभन, १७22 (1922 का 11) का उक्त अभिनिजक, का भन्न कह अधिकिक, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ कन्तरिती कुषारा प्रकट वहीं किया क्या था गा किया बाना चाहित था, किया में सुर्विका में गिन्न

बत: बब उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण बें, बें, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-व की अपधारा (1) के अधीन निक्निविधित व्यक्तियों, कर्यात है— को वह ब्रुवना बारी करको पृवासित संपरित को अर्थन के विक् कार्यवाहियां कारता हो।

उपन क्यारिय के श्रृष्टन के सम्बन्ध में कोई भी नामोप अ---

- (क) इत तूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की ताबीच से 30 दिन की वर्षीं , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नद्ध किसी जन्य व्यक्ति त्वारा अभोहस्ताक्षरी के नास निविद्य में किए वा तकों ने।

श्राक्षाकरण: --- इत्तर्भे प्रवृक्त कर्णों और पदों का, वो जनक व्यथितियम् के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याम में दिवा नवा है।

#### ननुज्ञी

दुकान मं० 112, जो, ग्राउण्ड फ्लोग्नर, जीवन बीमा नगर शापिंग सेंटर एस० बी० पी० रोड, बोरियली (प), बम्बई—103 में स्थित हैं ।

मनुसूची जैसा कि कि सं० घई-4/37-ईई/11476/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बष्वई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

दिनौक : 12-4-1985

मीहर 🛭

प्रस्थ नाहर्, टर्ने, एन , एवं , नम्बन-नम्बन-

आसकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-च (1) के लुभीन सूचना

#### भारत सरुकार

कार्यांतय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, अम्बर्ध बम्बर्ध, दिनाक 10 ग्रप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-जी/2570/83-84--भतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसको सं० लैण्ड एट विलेज इरागल, तालुका बोरिबली, सर्वे नं० 126, एच० नं० 2 (ग्रंश), सीर् टी० एस० 1377 (ग्रंश) और 1378, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीट्र इससे चुपाबद्ध मनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, विनांक 22-8-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पक्ति को उणित बाजार मृत्य, उसके छ्यमान प्रतिकल से, एोसे छ्यमान प्रतिकल के पद्भार प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी, किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

आत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री मज्छींद्र डी० म्हाले भौर प्रन्य ।

(मन्तरक)

2. भोम प्रकाश कपूर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्थाकिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अ**न्**स्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-481/83 भीर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 22-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-4-1984

मोहर :

प्ररूप बाद्द्रै, टी, एन . एस .,------

( 承天光

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ (किपी भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### मारत सरकार

क विष्

कार्यांसम, सहायक भायकर आयुक्त (निज्योक्षण)

ंधर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 12 प्रप्रैल 1985

निर्वेश सं ॰ घर्ष-3/37-ईई/11691/84-85---घतः मुझे, हि एक्शप्रसार,

भिना कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिले इतमें हिन्दू विकास (उद्यक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं फ्लैंट नं 15, जो, 5वीं मंजिल, महावीर फ़ कुंजा 26, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 में निर्मित है (भीर इससे उपाबब अनुसूची में भीर पूर्णरूप से विजल एहे), ही भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1-8 1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान जिल्लास के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास किए कें किए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास किए की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार किए , उसके इश्यमान प्रतिफल का पत्ति कें प्रति इश्यमान प्रतिफल का पत्ति प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया, प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्व से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं कथा गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सबिधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से सिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के नधीन, मिम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती इंदिरा जानकीरामन भौर भन्य। (भन्तरक)
- 2. श्रीमती कस्तूर लालजी फुरिया भीर भन्य। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तहत- चक्ष किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहत्ताकरी के एक निर्माणन में किए जा तकों में।

#### वनुसूची

फ्लैट नं 15, जो 5वीं मंजिल, महाबीर कुंज, 26, गरोबिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-3/37/11691/84-85 भौर जो सङ्गम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टब किया गया है ।

> ए० प्रसाद, सेक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बस्यई

दिनांक: 12-4-1985

सोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जो, शितल पार्क इमारत, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कब के भधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्घ है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ से हुइ किती जाब की, वायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी वन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा केलिए;

अत: अब, उक्त अविनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभादा (1) के अधीन, निम्निसिसित स्थितियों, अर्थात्:—

- श्रीमृती जरोजिनी रंगणा नायक भौर भन्य । (भन्तरक)
- 2 भीमती किशोरी रमेश भाटिया और धन्य। (प्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यकाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में किसी स्विकत द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकरें।

स्वकाशिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, वो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

#### नन्स्ची

पलैट नं ० 17, जो, शितल पार्क इमारत, गरोडिया नगर, बाटकोपर (पूर्व), बस्बई में स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि कि के सं भई-3/37-ईई/11690/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद, समान प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-4-1985

नोहर 🖫

त्रक्त् बार्षः, स्रोत् कृत्, वृद्धाः स्टब्स

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत क्वान

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक भावकर मायुक्त (निरीक्तण) मर्जन रेंज-4, वस्वई वस्वई, दिनांक 12 म्रोजैस 1985

ए॰ प्रसाद, जावकर सिधीनवस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसम

त्रीर जिसकी सं पलैट नं 1, जो, 5वीं मंजिल, विग-ए, इमारत नं 3, दामोदर पार्क", एंक बी एस मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा भागकर ग्रीविनयम, 1961 की घारा 269 कख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-84, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिबस बाधार मूक्य से कम के अवसाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूभे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का परित की विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पर्दाह प्रतिखत विभक्त है और अन्तरण के सिए तब पावा क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण मिक्ति में वास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुक्<sup>र</sup> किसी जाय की बाबत, अक्स अधिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के श्रीवरण में कनी करने वा उत्तरों क्याने में तृतिभा के जिए? बाँड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जामा चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कतः जब, उक्त विभिन्तियमं की धारा 269-ग के अनुसरक हों, में उक्त अधिनिधम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन, टिनम्नविचित व्यक्तिकों, अर्थोद्ध ध—- 1. मै॰पारूल इण्टरप्राइज ।

(ग्रन्तरक)

2, श्री एम० बणु शेखा इमाम।

(भन्तरिती)

को वह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां अप्ता हुं !

रक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इब स्थान के राजवन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की जनिय या संस्कृतन्थी व्यक्तियों पर स्वान की तामाल से 30 दिन की जनिय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विष्ठ अविस्था में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तार के ते के 45 दिन के भीतर उसत स्थाधर सम्मत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंचे।

स्यव्यक्तिकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को . तम अध्याय में

# नमूस्वी

पलैंट नं 1, जो, 5वीं मंजिल, विग-ए, इमारत मं 3, 'दामोदर पार्क'', एल बी ० एस ० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्राई-3/37-ईई/11644/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), प्रार्थन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

बस्य बार्ड दी । इत् , एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) चै वधीन सुधुना

#### भारत सरकार

कार्याजय, तहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- 3, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 म्रप्रैल 1985

निदेश स० भई-3/37-ईई/11643/84-85---भतः मुझे, ए० प्रशाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैष्ट नं० 3, जो, 10वीं मंजिल, विग-सी, इमारत नं० 3, दांमोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची सें और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्टी है, विनांक 1-8-1984,

को पूर्वेक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशह से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उच्चेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में आस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भव या अन्य आस्तिकों को, चिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भनकर अधिनियम, मा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्:

बतः अव, उक्त अ।धानयम की धारा 269-ग के अन्सरण ं, मैं, उक्त अधिनियमः की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभाग, निम्मलिबित व्यक्तिकों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती भारती जितेन्द्र दोशी ।

(भन्तरक)

(2) श्रां पिटर जोसेफ फर्नॉन्डीस।

(पंग्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उनत संपत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौत ते 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वं) इत सूचना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों जाँर वदों का, थो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गमा है।

#### जनसदी

पलट नं ० 3, जो, 10वीं मंजिल, विग-सी, इसारत न "सदामोदर पार्क" एल० बी० एस० मार्ग घाटकोपर (प), धम्बई— 86 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० स० मई~ 3/37ईई/11643/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज- 3, बस्बई

विनोक : 12-4-1985

मोहर :

प्रकम भार्ष. टॉ. एन. एस .-----

भावकार विधिक्तिका, 1961. (1961 का 43) अर्थ भाव 269-म (1) में जनीन स्वाना

#### पांचा बहुकार

कार्यातम, सङ्गायक भाषाचर जान्यत (निवृश्चित्रण) धार्जन रॉज- 3, धम्बद्दी

भम्बद्दै, विनोक 12 मप्रैल 1985

निर्देश सं० **मर्ड**-3/37-**१६**/11607/84-85--श्रतः मुझे, ए० प्रसाय,

शावकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के सभीन तकाम प्राविकाकों को, यह निस्तास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित आजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत मं० 19, क्षपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), अध्यई-70 में स्थित है (और इससे उपाधव अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एक के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त संस्थित को जीवत आजार मृज्य से कम को क्रवनान प्रिक्षक के जिए अन्तरित की वह में ब्रुं कर मुख्ये नह निश्नास करने का कारण ही कि संथापूर्वोक्त सम्परित का उचित माजार मृज्य, उसके क्रवनाम अतिकास से, कृते क्रवमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से अधिक ही बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरित में वीक एसे अंवरण के जिल् तब यावा गना प्रतिक्रव, निश्नामित्ति उद्योक्य से उस्त अन्तरण निवित में वास्तिवक क्रव में काश्व महीं किया गया ही:—

- (क) नभ्यार्ग से हुन्दे फिली बाय कर बाव्य , उपक बांधियम के नधीत कह दोने के नश्तारक के खरित्य में कभी करने या उक्क क्याने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एची किसी नाय या किसी भन या करन जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, से भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्याय प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुनिभा की लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिक्त स्वित्यों, अर्थात् क्रिक्न

🕛 (1) श्री दीपर बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(भ्रम्तरक)

(2) श्री मोहम्मद घहमद यासिन और भ्रन्य । (भ्रन्सरिती) .

को बह सूचना जाड़ी ऋड़के पूर्वोक्त तंपरित के वर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी के 45 दिन को अवधि या तत्सम्बर्भी अधिकतमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद मों सभारत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतकों की संक्रित स्वीकर्तकां की स्वीकर्तकां की स्वीकर्तकां की स्वीकर्तकां की स्वीकर्तकां स्वीकर्तकां की स्वीकर्तकां स्वीकर्तकां की स्वीकर्तकां स्वीकर्त
- (च) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीखंस्य 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितमबुध किसी अन्य क्यक्ति व्वार्ग अभोहस्ताक्षरी के शास सिवित के किस जा सकेंगे

स्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के कथाय 20-क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा को उन कथान में दिया गया हैं।

#### कार का जोते

प्लीट नं ० 401, जो 4थी माजल, इमारत नं ० 19, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र कि 3/37-ईई/11607/84-95 और जो सक्षम प्राधिकारी के सम्बई हारा विनांक 1-8-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज- 3, बस्बा

दिनांक : 12-4-198**5** 

योक्ट 🗈

प्रकल बाइ'. टी. एव. एस. ------

बायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सक्षायक मावकर नायुक्त (निर्दाक्षक) अर्जन रेंज- 3, वस्वई

अम्बद्ध, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई--3/37--ईई/11596/84--85----भत: मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाबार मूझ्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, सिद्धी अपार्टमेंटस, प्लाट नं० सी०/74/1, कर्नाक लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है। (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्त्री हैं, दिनांक 1-8-1984 को,

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मूकों यह बिश्वास करने का फारण है कि अभाषाओं क्त संबद्धि का उचित बाबार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-क्क निम्निवित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण कि जिल्ह में आस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्मरण से हुइ कियो जाय की बावत उक्त वांच-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जांड/या
- (क) एती किसी बाव वा किसी धन वा अन्य वास्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

- (1) श्री रमणीकलाल गुला**बचन्द डेल**ोवाला और अन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीपी०पी० लाखानी ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

वक्त सुम्पृत्ति के कर्षन् के सम्बन्ध् में कीई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के श्रवपन में प्रकासन की तारीस से 45 विन की जनिथ या तरसन्वन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, सो भी अविद्वारा वाद में समस्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति स्वारा
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपीत में द्वित-बच्च किसी क्या व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकता।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

#### वनुसूची

दुकान स॰ 1, जो, सिद्धी ग्रपार्ट मेंटस् प्लाट नं॰ सी॰/74/1 कर्ना ह लेन, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि कि सर्व-3/37ईई/11596/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिनारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण), द्रार्गन रेज-3, घम्बई

धिनांक: 12-4-1985

सोहार 🗈

प्ररूप बार्स . टी . एम . एस . -----

रायकर पश्चितित्य 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व(1) के प्रधीत सुवना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक, 12 श्रश्रैल 1985

, निवेश सं० ग्रई--3/37-ईई/13011/84--85---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाव,

बावकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित आजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 40, जो, प्लाट नं० 65, न्यू वसंत भ्रार्टेसेंट्रस् को० भ्राप० हाउभिंग सो नायटी लि०, गरोडिया नगर, बम्बई -77 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिनका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के भ्रशीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्टी हैं, दिनांकः 1-8-1984,

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बीर्/या
- (क) देशी किसी बास वा किसी धन या अस्त आहितकी को, जिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियस, या धन-कर विधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया तथा वा वा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विका के किए:

गर गर नकत अधिनियम की धारा 269-न के अन्सरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नरींदरपाल रामलाल जांशी ।

(भन्तरकः)

(2) श्री शंक्रताल मोतजी भानूशाली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन ने 45 दिन की जनभिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की अर्जाभ, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथ्रिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन का ताराख स 4 द दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जधाहरुकाकरी के पार सिसित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भाँर पदों का., जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विय स्वा हाँ।

# अनुसुधी

पलैट नं० 40, जो, प्लाट नं० 65, न्यू वसंत भ्रापार्टमेंटस् को० भ्रापा० हार्जीसग सोसायटी लि०, गरोडिया नगर, बम्बई-77 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि सं धर्म-3/37ईई/13011/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रशाद मक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), द्यर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 12-4-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-3, बम्बई

िदेग सं० ग्रई ·3/37--ईई/12083/84--85 -- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेप्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिड़की सं० पत्नैय नं० 001, जो ग्राउंड पत्नेश्वर, इंगारत नं० 16, कपाडिया नगर, सी० ए५० टी० रोड़ कुर्ला (प), बन्बई -70 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूत्रों से और पूर्ण रूप से विणित हैं ), और जिन्दी करारतामा आप र अधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के अप्रीत बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्टी हैं दिनां ज 1 अगस्त 1984

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रोतिक के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तर (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिांबत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरेर/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आगः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् (--- (1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि॰ ।

(मन्तरः)

(2) श्रब्दुल रेहमान मोहमध जाफर मुल्लाजी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याप अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या ही।

# अनुसूची

पर्नेंट तं० 001 ,जो आउंड फ्लोग्नर इमारत नं० 16 क्वाडिया नगर, सा० एक० टी रोड़ कुर्ली (प), बस्बई--70 में स्थित है ।

भनुसूचि जैसाकी फ० सं० भई 3/37-ईई/12083/ 84:85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1 भगस्त 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है !

> ए० प्रसाद, मलम प्राधिवारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-3, धम्बर्फ

दिनांक : 12-4-1985

मोहर ;

प्रकार बार्ड . दी , एन , एन , -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भन्नेल 1985

निषेण सं० भई--3/37--ईई/11881/84--84--- ऋतः मुद्दो, ए० प्रसादः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बावार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिल्लो सं० फ्लैंट नं० 21, जो, तीसरी मंजिल, बी० विग, वर्ष इमारत, प्लाट नं 17, गरोडिया नगर, बलभवाग लेन (एक्पटेंशन), घाटकीपार (पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है ), और जिल्ला करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269व के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांवः 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्सरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उसत अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से कि अधि नहीं किया गया है कि

- (क) जतरण संहुद्दे किसी बाय की बाबत, उक्त वीधनियम के बधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क बार, बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना आहिए था, खिनान में सुविधा के सिए;

मतः लव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कों, मीं, उक्त विभिनियम की भारा 269-च को उपभारा (1) को वभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात डिल्ल- (1) श्री कें कें कि नारायण

(भन्तरक)

(2) श्री बाजूनाई एस० शहा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितः के मूर्वन के निय

उक्त सम्पत्ति के मर्पन के सम्बन्ध में कीई भी नाश्चेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 थिन की बर्बीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी वर्षीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (ब) इत स्वना के राष्प्त में प्रकाशन की तारींब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनपुर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार्ष निवित्त के किस वा सकेंगे।

भ्यक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्ष अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाविर ह", वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिय गया है।

# वन्त्यौ

फ्लैट नं० 21, जो तीयरी मंजिल, बी० विंग, वर्षा इमारत, गरोडिया नगर, बल्लभवाग लेन, (एकाटेंगा), घाटकोपर (पूर्व) बन्बई - 77 में स्थित है।

भनुसूकी जैसाकि कि सं० भई--3/37-ईई/11881/ 84--85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनां । भगस्त 1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रवाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कम्बर्ध

दिनांक · 12--4-1985

मोहर :

प्रस्प बाह्" दी. एन. एस , ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सद्धकार

# कार्यानय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज~4, बम्बई बम्बई, दिनांक 22 मार्च 1985

निदेश सं० ग्रई--4/37-ईई/12986/13764/84-85---श्रतः म्झे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000 ∕-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4-वाय, जा, खडेलवाल को-श्राप्त सोसायटी लिमिटेड, शंकर लेन, कांदिवली (त), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3-10-1984,

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बुखने में सूविधा के लिए;
  और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ध— (1) श्री रमेश दुर्गाप्रसाद खंडेलवाल ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री भरत वल्लभदास श्राशर,
  - 2. श्री वल्लभदास यारीया आशर, श्रीर
  - 3. श्री महेण वल्लभदास ग्रांशर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्ड सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पटिकरण: -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### नगसर्ची

प्लाट नं० 4-वाय, जो. खंडेलवाल को०-आप० सोसायटीं, लि०, शंकर लेन, कांदिवंलीं (पण्जिम), बम्बई-67 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-3/37/ईई/12986/13764/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), त्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 22-3-1985

भोहेरु 🗯

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 10th April 1985

No. F. 2/35-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from April 10, 1985 and appointed the substantively to the post shown against each:—

Sl. Name No.	Present post held	Post in which confirmed
1. Shri R. R. Kumar	Offg. Doputy Registrar	Deputy Registrar
2. Miss S. V. Kashyap	Offg. Deputy Registrar	Deputy Registrar

R. SUBBA RAO Registrar

#### New Delhi, the 12th April 1985

No. F. 2/85-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from April 11, 1985 and appointed them substantively to the post shown against each:—

Sl. Name No.	Present post held	Post in which confirmed
1. Shri J. K. Rawal .	Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
2. Shri K. K. Mohan	. Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
3. Shri H. L. Chandra- mouly	Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
4. Shri B. M. Batra .	. Offg. Assistant Registrar	Assistant Registrar
5. Shri D. R. Luthra	Offg. Deputy Registrar (Ex-cadre)	Principal Private Secretary to Hon ble Chief Jus- tice of
6. Miss V. P. Singhal	. Offg. Assistant Registrar	India Assistant Registrar

H. S. MUNJRAL Joint Registrar (Admn. J)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 7th February 1985

No. A.32014/1/85-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. T. G. Marykutty, permanent Technical Assistant (Holl.) and at present Investigator (DP) in the office of the Union Public Service Commission to the post of Superintendent (DP) (Group 'B'—Gazetted—Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880 40-1000-EB-40-1200) on regular basis in the Commission's office w.e.f. 1-2-1985, until further orders.

#### The 19th March 1985

No. A.32014/1/85-Admn.I.—In partial modification of earlier Order issued vide Union Public Service Commission's Notification of even number dated the 2nd March, 1985, Shri K. S. Bhutani, an officer of CSSS cadre of Union Public Service Commission who was promoted as Private Secretary with effect from 4-2-85 to 21-3-85 stands reverted as Senior P.A. (Grade B of CSSS) with effect from 2nd March, 1985 (Afternoon).

#### The 27th March 1985

No. 32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri N. P. S. Guiral, a regular Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officer on an ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission for the period from 1-4-85 to 30-6-85 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri N. P. S. Gujaral shall draw a special pay @ Rs.75/-p.m. in terms of Deptt. of Personnel and @ Rs. O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-1975.

#### The 2nd April 1985

No. A.32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Pah'ad Singh, a regular Assistant of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on an ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission for the period from 8-4-1985 to 22-5-1985 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint Snri Krishan Lal-II a regular Section Officer of CSS cadre of the Union Public Service Commission to offic ate as Desk Officer on an ad-hoc basis in the office of the Union Public Service Commission for the period from 8-4-1985 to 7-6 1985 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Krishan Lal-II shall draw a special pay @ Rs. 75/p.m. in terms of Deptt. of Personnel and A. Rs. O.M. No. 12/1/74-CS.I, dated 11-12-1975.

M. P. JAIN, Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC GRIEVANCE AND PENSION

# DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION New Delhi, the 1985

No. A-19015/25/84-AD.V.—The Director, Cen'gal Bureau of Invertigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to ap oint Shri Amalendu Deb Roy, Dy. Supit. of Police an officer of the Tripura S ate Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in CBI with effect from the forenoon of 27-3-1985, until further orders.

#### The 11th April 1985

No. A-19014/8/84-AD.V.—The services of Shri B. R. Puri Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, SIC Branch are placed at the disposal of Special Investigation Team headed by Shri S. Anandaram, Special Commissioner with effect from the forenoon of 1st April, 1985.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBL

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT New Delhi-110001, the 8th April 1985

No. 3/32/83-Adm.I.—Consequent upon his superannuation from Government service, Shri K. S. Tripathi IPS, an officer of U.P. Cadre on deputation to the Bureau of Police Research & Development (MHA) relinquished charge of the post of Director (Training), Bureau of Police Research & Development New Delhi on the afternoon of 31st March 1985.

### The 15th April 1985

No. 3/3/81-Adm.I.—Consequent upon his repatriation to the U.T. Cadre Shri P. R. S. Brar IPS (UT-70) has relinuished the charge of the post of Principal Central D tectiv Training School, Chandigarh on the afternoon of 4th April, 1985.

S. K. MALLIK Director General

# DIRECTORATE GENERAL, CRPF

#### New Delhi, the 9th April 1985

No. O.II-2/85-Adm-3.—Shri Mohan Singh, Subedar Major (Office Supit.) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi, with effect from the foreneon of 28th March, 1985.

#### The 15th April 1985

No. O.II-3/85-Adm-3.—Shri C. S. Nagar, Subedar Major (Office Supdt.) of the CRPF has been promoted to the grade of S ction Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi with effect from the forenoon of 4th April, 1985.

> KISHAN LAL Dy. Director (Adm.)

#### New Delhi-110 003, the 9th April 1985

No. A.VI-1/83-Estt-I-Vol.IV.—The President is pleased to appoint the following persons as Dy. S.P. (Coy Commander/Quarter Master) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders,

- They are posted to IAS, CRPF, Mount Abu (Rajasthan) and have taken over charge of their post on the dates noted against each :-
- Sl. No., Name of officer & Date of taking over charge
  - (1) Shri Rajendra Prasad Pandey—13-03-85 (AN).
    (2) Shri Deepak Sitther Moses—30 11-84 (FN).
    (3) Shri Rakesh Kumar Singh—12-13-84 (AN).

  - (4) Shri K. Vijay Kumar—13-03-85 (AN).

#### The 11th April 1985

No. P.VII-5/83-Estt-I—The following Commandants have been conferred Selection Grade in the rank of Commandant in the Central Reserve Police Force till further orders from the dates indicated against their names :

Sl. No. Name of Officer & Date of taking over

#### S/Shri

- (1) S. B. Singh--1-2-85.
- (2) N. K. Avasthi-26-1-85 (A/N).
- (3) M. M. Sharma-31-1-85 (A/N).
- (4) J. P. Dubey-5-1-85.
- (5) P. K. Bhattacharya-7-1-85.
- (5) R. S. D. Dogra—1-2-85 (A/N).

ASHOK RAJ MATHEPATHI Asstt. Director (Estt).

# DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 9th April 1985

No. E-16013(1)/1/85-Pers.I.—Consequent on appointment as Director General, ITBP New Delhi Shri O. P. Bhuteni IPS (UP · 1952) relinquished charge of the rost of Inspector General (HOrs) CISF New Delhi with effect from the afternoon of 28th March 1985.

No. E-32015(4)/14/85-Pers.I.—On appointment on deputation Shri Reiefhwar Singh, assumed charge of the nost of Assistant Commandant CISE Unit BIL Bhilai with effect from the forenoon of 18th March 1985.

> Sd. ILLEGIRLE Director General/CISF.

#### MINISTRY OF FINANCE

# (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

#### SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 19th March 1985

No. PD/3/396,—Shri S. K. Anand, Foreman (Production) is appointed purely on ad-hoc basis as Assistant Works Manager in the pay s ale of Rs. 840-40-1000 EB-40-1200/-with effect from 5-12-1984 forenoon for a period upto 31-3-85 or till further orders whichever is earlier.

> S. R. PATHAK General Manager

#### INDIA SECURITY PRESS

#### Nasik-Road, the 15th April 1985

No. 46/A.—The undersigned is pleased to appoint the following offices of the India Security Pess, Nasik-Road in a substantive capacity to the posts of Deputy Contol Officer in India Security Press Nasik Road from the dates shown against their names :--

S/Shri

- 1. R. Venkataraman-1-1-1982.
- 2. B. S. More-1-1-1983.
- 3. G. C. Rastogi-29-3-1984.

(Sd.) ILLEGIRLE General Manager,

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KERALA

# Trivandrum, the 2nd April 1985

No. Fritt & Cash/1/10-3/85-86|6.—Shri R. Venkitarara-yanan, Shri C. P. Jacob, and Shri G. Mahadevan, Audit Officers of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from Government service on superannuation on 31-3-1985 (A/N)

> V. LAKSHMINARAYANAN Accountant General (Audit)

# MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 6th April 1985

No. 05/85/A/M.—The President is pleased to terminate the lien in respect of Dr. S. P. Sinhatal part AMO in Ogdnance Factory Health Service w.e.f. 1-1-85 consequent on his permanent absorption in the ex-cadre post of specialization in Eastern Coalfields Ltd., Sanctoria, Disergarh. His name is struck off strength from Ordnance Factory Organisation w.c.f.

(Authority: M of D.I.D. No . F.11/5/82-D(Fy.I) dt. 10-1-85)

No. 06/85/A/M.—The President is pleased to appoint the following Asstt. Medical Officers as Senior Medical Officers in Ordnance Fys. Health Service with effect from the dates mentioned against each until further orders :-

Si. Name No.	Posted at	Date
1. Dr. B. P. Gupta .	. Vehicles Factory Jabalpur	18-8-84 (F.N.)
2. Dr. S. P. Saxena .	. Ordnance Factory Muradnagar	18-10-84 (P.N.)

No. 07/85/A/M.—The President is pleased to appoint the following Asstt. Medical Officer as Senior Medical Officers in Ordnance Factories Health Service with effect from the date mentioned against him until further orders:—

SI. No.	Name	Posted at	Date
1. Dr	. P. K. Mukherjee	. Heavy Vehicles Factory Avadi	30-8- 84 (FN)

K. P. R. PILLAY Addl. DGOF/Member (Personnel)

#### MINISTRY OF LABOUR

#### OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C)

New Delhi, the 15th April 1985

No. Adm.I/4(6)/85(1).—On promotion Shri B. K. Kapoor assumed the charge of ALC(C), Bilaspur on 22-9-84 (FN).

No. Adm.I(6)/85(2).—On transfer, Shri S. Shivaswamv relinquished the charge of office of ALC(C) Vijayawada on 10-9-84 (AN) and assumed the charge in the same capacity at K.G.F. on 25-9-84 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85(3).—On promotion Shri O. P. Sharma assumed the charge of office of ALC(C), Bombay on 15-10-84 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85(4).—On promotion, Shri R. N. Srivastava assumed the charge of office of ALC(C) Dhanbad on 29-9-84 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85(5).—On transfer Shri M. P. Piprikar relinquished the charge of office of ALC(C) Bilaspur on 22-9-84 (FN) and assumed the charge in the same capacity at Jagdalpur on 12-11-84 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85(6).—On reversion as LEO(C), Shri M. T. Tayade relinquished the charge of office of ALC(C) Vasco-da-Gama on 26-11-84 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85(7).—On promotion Shri M. T. Tayade assumed charge of office of ALC(C) Chandrapur on 29-12-84 (FN).

No. Adm.14(6)/85(8).—On transfer Shri S. S. Choudhurv relinquished the charge of ALC(C) at CLC's Headquarters, New Delhi on 15-11-84 (AN) and assumed the charge in the same capacity at ALC(C) Delhi-I on 16-11-84 (FN).

No. Adm.I/4(6)/85(9).—On transfer Shri Balbir Singh relinquished charge of Office of ALC(C) Jaipur on 21-2-85 (AN) and assumed the charge in the same capacity at Ahmedabad on 23-2-85.

NAND LAL Administrative Officer

# DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SER-VICE & LABOUR INSTITUTES

Bombay-400022, the 15th April 1985

No. 15/4/85-Estt.—The Denuty Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shri C. S. Bari as Productivity Officer (Statistical) Central Labour Institute. Bombay under the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes in officiating capacity with effect from the 10th April. 1985.

S. B. HEGDE PATTL Dy. Director General & Head of Department

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS) MARKETING DIVISION (E&A SECTION)

New Delhi-110066, the 18th March 1985

No. HB/Mark/12/202/83.—On attaining the age of superannuation, Km. R. Sulochana, Assistant Director (Handicrafts), Marketing & Service Extension Centre, Office of the Development Commissioner (Handicrafts), Mangalore (Karnataka) retired from service w.e.f. 31-1-85 (A.N.).

KRISHAN KUMAR
Deputy Director (Marketing)
For Development Commissioner for Handicrafts

# MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 11th April 1985

No. EI-12(68/85(.).—On attaining the age of superannuation, Shri P. N. Mazumdar, Assistant Iron & Steel Controller has relinquished charge of the post w.e.f. 1-4-1985 (FN).

> S. K. SINHA Dy. Iron & Steel Controller

# DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th April 1985

No. A.19012(211)/85-Estt.A.—Shri B. B. Tiwari, Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines has been appointed to the post of Mineral Officer (Intelligence) on ad hoc basis for a period of 6 months in the Indian Bureau of Mines, w.c.f. the afternoon of 28th March, 1985.

H. R. S. RAO
Sr. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

#### SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 12th April 1985

No. C-6190/718-A.—Shri Sumer Chand, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCP Group 'B' post), on ad hoc basis in No. 102 (PLO) Printing Group (F.C.), Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-1-1985 (F.N.) vice Shri A. B. Nag, Establishment and Accounts Officer retired.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 10th April 1985

No. 4/7/83-SII.—In continuation of the Directorate General, All India Radio's Notification No. 4/17/83-SII dated the

9-12-83, Director General, All India Radio is pleased to extend the appointment of Shri T. M. Travedl, Hindi Officer, AIR, Panaji (Goa) on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on adhoc basis for a further period of one year with effect from 1-12-84 on the same terms and conditions.

MOHAN FRANCIS
Deputy Director of Administration
for Director General

#### New Delhi-1, the 9th April 1985

No. 4(72)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Chitta Ranjan Deb Barma as Programme Executive at AIR, Agartala in a temporary capacity with effect from 19th March, 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—1200.

#### The 12th April 1985

No. 4(48)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Izzat Singh as Programme Executive at All India Radio; Dibrugarh in a temporary capacity with effect from 25th March, 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—1200.

#### The 15th April 1985

No. 4(23)/84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Mrinal Kanti Deb Burman as Programme Executive at AIR, Agartala in a temporary capacity with effect from 21st March, 1985 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—1200.

H. C. JAYAL

Dy. Director of Administration

for Director General

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

PH (CD & L) SECTION

New Delhi-110011, the 12th April 1985

No. A.32013/II/84-(AIIH&PH)/PH(SD&L).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. N. Biswas to the post of Administrative Officer in the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9th November, 1984, until further orders.

NARAIN SINGH Dy. Director Administration (PH)

#### New Delhi, the 15th April 1985

No. A.12026/5/84-M(F&S).—The President is pleased to appoint Dr. K. H. Krishnamurthy, Lecturer in Botany, Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research, Pondicherry, to the post of Assistant Professor of Biology in the same Institute on ad hoc basis with effect from the forencon of 30th January, 1985 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

Sd./- ILLEGIBLE Dy. Director Adm. (C&B)

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400094, the 19th March 1985

No. C&SG/A2/6/20-79.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri N. P. Vispute, a temporary Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Construction & Service Group in a temporary capacity in the scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB—40—1200 with effect from 13-3-1985 (FN) until further orders.

S. K. KAPUR Administrative Officer

#### MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 15th April 1985

No. MAPP/18(144)/84-Rectt.—The Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1984 until further orders:—

SI. No.	Name	Present grade	Grade to which appointed
3/Sh			
	enkateswara	Scientific Assistant	Scientific Officer/
Rao		'С'	Engineer 'SB'
2. D, S	olvaraj	Scientific Assistant	Scientific Officer/
	•	,C,	Engineer 'SB'
3. A. V	enkatraman .	Scientific Assistant	Scientific Officer/
		,C,	Engineer 'SB'

S. VENKATARAMAN Administrative Officer

# DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 9th April 1985

No. SAC/EST/3·19.—The Director is pleased to appoint the undermentioned officials to the post and with effect from the forenoon of the date, as indicated against each, in the Space Applications Centre of the Department of Space, Ahmedabad, in an officiating/temporary capacity and until further orders:—

SI. Name No.	Date	Post to which a pointed	p•
1. Shri Bhawdeep Singh	5-1-1985	Sci./Engr. 'SB'	
Munjal 2. Shri Natwarial Mohanial Javiya	8-1-1985	Sci./Engr. 'SB'	

K. S. KRISHNAN, Administrative Officer-II (EST)

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th April 1985

No. A.32013/6/84-EC(.).—The President is pleased to appoint Shri S. S. Chowdhury, Communication Officer in the Civil Aviation Department to the grade of Senior Comm. Officer in the pay scale of Rs. 1100—50—1600/- on adhoc

basis for a period of six months w.e.f. 31-1-1985 (FN) and to post him at DGCA (HQrs.), New Delhi.

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Admn.

#### New Delhi, the 10th April 1985

No. A. 32014/3/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Joseph Gurang, Store Assistant to the post of Store Officer (Group 'B' post) on ad hoc basis in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, for a period of 3 months with effect from 20-3-1985 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

G. B. LAL. Asstt. Director of Admn.

#### CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY New Delhi-110012, the 1st April 1985

No. 1/1/1985.—Shri M. L. Sharma, Administrative Officer, Central Revenues Control Laboratory, New Delhi-12 retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31-3-1985 (Afternoon).

No. 2/1985.—Shri C. P. Sarangal, Superintendent (M) in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi has

been appointed to efficiate as Administrative Officer, Central Revenues Control Laboratory, with effect from the forenoon of 1st April, 1985 vice Shri M. L. Sharma, Administrative Officer retired on superanuation.

KESHAV PRASAD
Chief Chemist,
Central Revenues

# MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bhartiya Publishers Limited

Patna, the 11th April 1985

No. 448/560/174.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bhartiya Publishers Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd./-ILLEGIBLE Registrar of Companies Bihar, Patna

#### FORM ITNS-

(1) Mr. Ramesh Durgaprasad Khandelwal, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Bharat Vallabhdas Asher,2. Shri Vallabhdas Tharia Asher, and

3. Shri Mahesh Vallabhdas Asher,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 22nd March 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/12986/13764/84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 4-Y, Khandelwal Co-op. Society Ltd., Shanker Lane,

Kandivali | West), Bombay-400067.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4-Y, Khandelwal Co-op. Soc Lane, Kandivali (West), Bombay-400 067. Society Ltd., Shanker

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV/37EE/12986/13764/84-85 on 3-10-1984. the Competent

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-3-1985

Seal:

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Apar Pvt. Limited, Maker Chamers III, 1st floor, Jamnalal Bajaj Marg, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Libra Woollens Pvt. Ltd., 106, Abinandan Market. 215/217, Kalbadevi Rd. Bombay-400 002.

(Transferco)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 1st March 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/114/94-95;—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ait'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land at Survey No. 11 (part) Plot No. 163, 164, 165, 168 & 170 Ulhasnagar.

situated at Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at JAC. ACQN. RANGE. Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improve able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Survey No. 11 (Part), Plot Nos. 163, 164, 165, 168, 169 & 170 Known as Vithalwadi works at Ulhasnagar, Dist. Thone.

(Area 6970 sq. fl.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acq. Range, Pune document No. 0996/Thune/84-85 in the month of Nov. 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Pune

Dato: 1-3-1985

Seal;

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Chittaranjan Avenuo, Calcutta-700.006.

(Transferor)

(2) Radha Mohan Singhania of Room No. 19, 40, Strand Road; Calcutta.

(1) Smt Bhagawati Devi Chamaria of 267A,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 27th February 1985

Ref. No. AC-104/R-II/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 29 & 29A/2. situated at Ram Krishna Samadhi Road, Calcutta-54. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority. Authority

on 13-8-1984 on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Flat No. 2A measuring area 1265 Sft. situated at 29 & 29A/2, Ram Krishna Samadhi Road, Calcutta-54. Registered before the Competent Authority on 13-8-1984 vide Sl. No. 20 of 1984-85.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 27-2-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shubham Properties of 23A, Netaji Subhas Road, 5th floor, Room No. 5. Calcutta-700 001.

(Transferor)

(2) Shri Prabhat Kumar Chatterjee of 62, Brahma Samaj Road, Calcutta.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IL **CALCUTTA**

Calcutta, the 31st January 1985

Ref. No. AC-101/R-II/Cal/84-85.--Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 19-B, situated at Alipore Road, Calcutta-27, (and more fully described in the schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent

on 20-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stored in the said instrument transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay this under the said As respect of any income arising from the transfer, and for

# (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

One Flat measuring 1390 Sft. situated at 19-B, Aliporo Road, Calcutta-27, Unit-G, on the 4th floor. Registered before Competent Authority vide Sl. No. 21 dated 20-8-1984.

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the s Act, I htreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-1-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1985

Ref. No. AC-99/R-II/Cal/84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 73 situated at Banerjee Para Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority

on 16-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Santosh Ghosh of 501, Keyatola Road, Calcutta-29.

(Transferor)

(2) Forsta<sub>r</sub> Pnarmacouticals Pvt. Ltd. of 45C/1B, More Avenue, Calcutta-40

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proptrty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

6.14 Cotthas of land with building situated at 73, Banerjee Para Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. 3813 of S. R. Alipore, 24-Parganas of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 31-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 30th March 1985

Ref. No. Asr/85-86/1.—Whereas, I.
S. C. KAPIL, I.R.S.,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.
Agrl, Land in Vill.
situated at Meharban Pura (Asr)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on Aug. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S. Shirangat Singh Arora S/o Sh. Santa Singh C/o M/s. The New India Shuttle Company, Kot Mit Singh, Amritsar,

(Transferor)

(2) S/Sh. Surject Singh. Amrik Singh Ss/o Sh. Uttam Singh R/o Sultansind, Amritsar.

\*(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenents if any.

\*(4) Any other,

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 195-k 10m situated in village Meharbanpura, Teh: & Distr. Amritsar as is mentioned in the sale deed No. 3349 dated 14-8-1984 of the registering authority, Amritsar.

S. C. KAPIL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-3-1985

# FORM TINS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th March 1985

Ref. No. ASR /85-86/2.--Whereas, I. S. C. KAPIL, I.R.S.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No.

situated at Vill: Manawala, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any throneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, ·1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetter (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:51-46 GI/85

(1) M/s. Amer India Paper Manufacturing Ltd. through Sh. Jugal Kishore, Pideria Managing Director, Chowk Phawara, Amritsar,

(Transferor)

(2) S/Shri Sukhdev Singh Gurtej Singh Ss/o Parduman Singh, Sh. Vikram Singh S/o Sh. Tarlok Singh, Sultanwind, Amritsar.

(Transferee)

/(3) As at Sr. No. 2 and tenents if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the envice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 47 Kanals, 13 marlas situated at Vill: Manawala, Teh: Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3183 dt. 3-8-1984 of registering authority, Amritsar.

> S. C. KAPIL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsat

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, COCHIN-662 016.

Cochin, the 2nd April 1985

Ref. No. L.C. 733/85-85.—Whereas, I, MRS. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a<sub>6</sub> the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chevayoor on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. Bhaskaran, Jayasree Timber Mart, Muriyar, Calicut.

(Transferor)

Smt. P. M. Aleykutty.
 Dr. Mrs. Mary. Singh & Elizabeth Chandal (Minor)
 C/o St. Mary's Hospital, rep. by Dr. Mary Singh, for Mixor Elizabeth Chandal Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/10th share in 13.25 cents of land and building in Sy. No. 27/580 of Ward No. 27 of Calicut Corporation, registered in SRO, Chevayoor, vide document No. 2807 dt. 3-8-1984,

MRS S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 2-4-1985

·Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
COCHIN-662 016.

Cochin, the 2nd April 1985

Rof. No. L. C. 734/85-86.—Whereas, I, MRS. S. CHAUDHURI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

Sy. No. as per schedule

situated at Calicut Corporation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Chevayoor on 10-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Bhaskaran, Jayasree Timber Mart, Muriyar, Calicut.

(Transferor)

15695

Smt. Aleykutty,
 Dr. Mrs. Mary Singh
 Elizabeth Chandal (Minor)
 rep. by. Mary Singh
 for Minor Elizabeth Chandal.
 Mary's Hospital,
 Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9/10 th share over 13.25 cents of land and a building in Sy. No. 27/580 of Ward No. 27 of Calicut Corporation, registered in SRO, Chevayoor, as per document No. 2895 dt. 10-8-1984.

MRS. S. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ernakulam

Date : 2-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, COCHIN-662 016.

Cochin, the 2nd April 1985

Ref. No. L. C. 735/85-86.—Wherens, I,

MRS. S. CHAUDHURI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Calicut Corporation (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chevayoor on 3-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the 'Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Prema Vilasini, W/o. P. Bhaskaran, Jayasree Timber Mart, Muriyar, Calicut.

(Transferor)

(2) 1. Smt. P. M. Alekutty.
2. Dr. Mrs Mary Singh
3. Flizabeth Chandal (Minor)
Behind Crown Theatre,
rep. by Mary Singh
for Minor Elizabeth Chandal.
St. Mary's Hospital,
Calicut,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

7.75 cents of land in Sy. No. 27/580, of Ward No. 27 of Calicut Corporation, registered in SRO, Chevayoor vide document No. 2808, dt. 3-8-1984.

MRS. S. CHAUDHURI
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Franklan

Date : 2-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 14th March 1985

R. No. 62/R-1399/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

L. R. O. Khas bearing No. 22780
situated at Salvador do Mundo, Bardez, Goa,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bangalore under Registration No. 1180/84-85 dt 1-8-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Elevterio Manuel Xavier Soares, Mrs. Maria Teriza Fonseca Soures. 203, Voll Vaddo, Britona. Bardey Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Pascoal John Pereira, Mr. Josephine Pereira,
Mr. Josephine Pereira.
Mr. Francisco Pereira.
Mrs. Nicaela P. Pereira,
Kum. Orlando Vircent Pereira,
H. No. 54 Pomburpa,
Bardez Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saio Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1180/84-85 Dated 1-8-84). Immovable property known as "Aformento" admeasuring about 15000 Sq. mts. situated at Salvador do Mundo, Bardez

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I leveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:-

Date: 14-3-1985

(1) M/s. Sousa Towers. Real Estate Agents, Dr. Domingos Reque de Sousa Road. Panjim Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Xavu Signapurcar, C/o M/s. Sousa Towers, Dr. Domingos Reque de sousa Road, Panilm Goa.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 13th March 1985

C. R. No. 62/R-1352/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Chatta No. 226 A.

and /or

situated at Panaji Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Calicer at Bangalore under Registration No. 1189/84-85 Dt. 2-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1189/84-85 Dated 2-8-84), A Premises in Ground floor admeasuring about 23 sq. mts. bearing Chatta No. 226A (w Panjim Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 13-3-1985

#### FORM ITNS--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 13th March 1985

C. R. No. 62/R-1389/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 16, situated at Panjim Municipal Market Panji Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/with the Competent authority under Section 269AB, in the officer at Bangalore 1191/84-85 on 1-8-84. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrucment of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hindustan Builders, 210, Govinda Building, Panail Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Necta Shashikant Kamat Mohamai Mala, Panaji Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1191/84-85 Dated 1-8-84). Shop No. 16, on the Ground floor of Sha-Bana Chambers at Panaji Municipal Market, Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 13-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 13th March 1985

C. R. No. 62/R-1425/37FF/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, havin ga fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 31520,

situated at Mapusa, Bardez Goa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Registration No. 1197/84-85 Dt. 2-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oe
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal namely:—

(1) M/s. Pragati Builders, Arjuna, Bardez Goa.

(Transferor)

 Mr. Manohar Bakaji Dharjkar, Mapusa, Bardez Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1197/84-85 Dated 2-8-84). A Godown No. 1 in the plot known as Cospopato situated @ Mapusa. Bardez Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 13-3-1985

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 13th March 1985

C. R. No. 62/R-1410/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.

Shop No. 17.

situated at Cosy Apartments, Vascoda Gama, Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1200/84-85 Dt. 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforanal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-46 GI/85

 M/s. G. F. Builders, JAF House No. 4. Father Joseph Vaz Road, Vascoda Gama, Goa.

(Transferor)

 Mr. Gani Ahmed, Islampura, Baina, Vascoda Gama, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1200/84-S5 Dated 1-8-84). Shop No. 17, @ Copy Apartments, Vascoda Gama, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 13-3-1985

# FORM LTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13rd March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1409/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269% of the Isomo-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair maker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 15 & 16 situated at Cosy Apartments, Vascoda Gama, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1201/84-85 Dt. 1-8-1984 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of flection 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
Seal:

 G. F. Builders, JAF House No. 4, Fr. Joseph Vaz Road, Vascoda Gama, Goa-403802.

(Transferor)

(2) Mr. Gani Ahmed Islampura, Baina, Vascoda Gama, Goa.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of action on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1201/84-85 Dated 1-8-84) Shop No. 15 & 16, Cosy Apartments, Vascoda Gama, Goa.

R. BHARDWAJ
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ran.e.
Bangalore

Date: 13-3-1985

Soal :

# FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1412/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the insumevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. G situated at Talcigao, St. Inez. Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under, the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1202/84-85 Dt. 13-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) familiating the concentment of any income or any memors or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotless 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Mr. Ramzan I. Makandai, Contractor/Builder, Oilembhat, Mirces, Goa, Mr. Joao Nazareth Gudinho & Mr. Ligia Gudinho, St. Inez, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Richard Francis Merrezes, Manager, Syndicate Bank, Ribandar, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 1202/84-85 Dated 1-8-84).

A Flat in Plot No. G, Taleigao, St. Inez. Goa.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangaiore

Date: 13-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13rd March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1447/84-85/ACQ|B.—
Whereas, I, R. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269 B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000 bearing
Plot No. 5, "Pixan Tonqui" situated at Namagao Dist, Goa.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bangalore under Document No. 1219/84-85 Dt. 24-8-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

J. N. Builders Corpn.
 8-Rose Nathias Chamber,
 T. L. Games Road,
 Vascoda Gama, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Norbert Figueredo, P.O. Box 3825, Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1219/84-85 Dated 29-8-84). Plot No. 5 Known as "Pixan Tonqui" F. L. Gomes Road, Vascoda Gama, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 13-3-1985

#### FORM ITNS ...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) G. F. Builders, JAF House, Vascoda Gama...

(Transferor)

(2) Jaffar Shah, Opp. Anjuman High School, Islampura, Baina, Vascoda Gama.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13rd March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1408/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Shop No. 14 situated at Cosy Apartments, Vasco (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1231/84-85 Dt. 2-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1231/84-85 Dated 2-8-84). Shop No. 14 Cosy Apartments, Vascoda Gama.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 13-3-1985

 Mrs. Daliya V. Pai Venekai, Near Old Kala Academy, Dr. A. B. Road, Panaji, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sarvashri Nahesh V. Shah, & Jyotendra V. Shah, Opp. Azad Naidar, Panaji, Goa.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13rd March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1413/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing. Flat No. S/5, situated at Dr. A. B. Road, Panaji Goa (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Registration 1233/84-85 Dt. 2-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(Registered Document No. 1233/84-85 Dated 2-8-84). Flat No. S/5, II floor of Apana Co.op. Housing Society Ltd. on Dr. A. B. Road, Panaji, Goa.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tags Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranga
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mss. Manjula N. Patel C/o Mohanlal P. Patel, P. B. No. 218, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Khimji Lalji Sethia Dazzle Drenes, 16, Cruz Mansion, Mergao, Goa.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Fangalore-560 001, the 14th March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1426/37EE/84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 6 situated at Aguem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1240/84-85 Dt. 25-8-84 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 1240/84-85 Dated

25-8 84).
Flat No. 6, Janata Co.op. Housing Society Ltd. Jayaprakash

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 14-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1316/37EE/84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 4 situated at Ponsa, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1245/84-85 Dt. 24-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, mampaly :---

- (1) Dr. Cintamani Dattatray Gokhale and Dr. (Mrs.) Leela Cintamani Gokhale, C/o Maternity and General Nursing Home. Ponda, Goa.
- (2) Mr. Rajendra Dattatray Vernekai, Talaulim—Wadi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other persons interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1245/84-85 Dated 24-9-84) Shop No. 4 situated on the Ground floor of the Building bearing Ponda Municipality No. 5, Ponsa, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 14-3-1985 Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13rd March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1319/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing No. and bearing No.
Flat No. F.2 situated at Aguem, Margao and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rangalore under Registration No. 1246/84-85 Dt. 24-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the eaid instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-53-46 GI/85

(1) Shailesh K. Sanzgiri, Curchorem, Goa.

(2) Mr. Kamruddin of Dodya, Sanskar Co.op. Housing Society, Aguem, Margao,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 1246 Dated 24-9-84). Flat No. F.2 at Sanskar Co.op, Housing Society, Aguem, Margoa, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-3-1985

 Mr. Rajons N. P. Loundo, Dáttaprasad Building, Pajifound, Margao, Gon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Aziz R. Virani, Sanskar Co.op. Housing Society Ltd., Aguem, Margao.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1321/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. F.1 situated at Aguem, Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registration No. 1247/84-85 Dt. 24-9-84

Bangalore under Registration No. 1247/84-85 Dt. 24-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (e) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said improvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1247/84-85 Dated 24-9-1984). Flat No. F.1 admeasuring about 50 sq. mtrs. at Sanskar Co-op. Housing Society, Aquem, Margao.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shi K.. Balakrishna, Chamarajnagar, Mysore.

(Transferor)

(2) Shrimati Ayesha, W/o B. Hassanabba, Bajpe, M'lore Tq.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/43734/84-85/ACQB.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. R.S. 636/3, TS. No. 272/3B situated at Attavan Village

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

M'lore on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 671/84-85 Dated 3-8-84). Property No. RS. 636/3, TS. No. 272/3B, Attavan Village, M'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-3-1985

# FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore-560 001, the 16th March 1985

C. R. No. 62/43736/84-85/ACQ /B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS. 469 2Cl, TS. No. 308-2Cl, situated at Kodialbail exceeding

Village, M'lore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at M'lore on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) mulitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

 Dr. Prakash S. Shetty, PA holder Mr. K. Sarvothama Shetty, Advocate, Kodialbail, M'lote.

(Transferor)

(2) Mrs. Sucharita Shetty, PA holder Mr. Onkar M. Shetty, No. 52, Union, Building, Shastri Road, Rombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 649/84-85 dated 1-8-84).

Property No. RS. 469-2Cl, TS. No. 308-2Cl, Kodialbail Village, M'lore Tq.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 16th March 1985

C. R. No. 62/43799-84-85/ACQ/B,--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-27/2 situated at Raghuvanaballi, Uttarahali, Hobli,

R Stq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at B'lore South Talik on 4-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) incilitating the reduction or everient of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, hi respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) B. S. Nagabhushana Rao, No. 87, H. B. Samaja Road, Basavanagudi, B'lore-4.

Transferor(s)

(2) Shrimati A. R. Dhanalakshmi, W/o Shri A. N. Raja Gopal, Pr. of M/s, Balaji Indl. & Agrl., Castings, No. 1186414, Ground floor, 35th 'C' Cross, IV 'T' Block, Jayanagar,

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2933/84-85 dated 4-8-84). Property No. 27/2 of Raghuvanahalli, Uttarahali, Hobli B'lore South Taluk.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-3-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 16th March 1985

62/43952/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 8/1B1 situated at Kavoor Village, M'lore

B'lore South Taluka (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 17-8-1984.

at M'lore on 17-3-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Theresa Louis, Jejiguri, Boudel, Padava Village, M'lore Tq.

Transferor(s)

(2) Shrimati Irene Cuuha, Bejay, M'lore.

Transferce(s)

(3) Transferor. (Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1001/84-85 dated 17-8-84). Property No. RS. 8/1B1, Kavoor Village, M'lore City.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 16th March 1985

C.R. No. 62/43716/84-85/ACQ.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 52/1, situated at Matadahalli, Suttanpalya, B'lore.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transformed, and the accreement in content and market bear transformed.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gandhinagar on 13-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Mrs. Leela Nair, C/o Mr. C. P. Prakash, No. 33, Sultanpalaya, B'lore.

Transferor(s)

(2) Shri C. P. Prakash, Mrs. Shyma Prakash, No. 33, Sultanpalya,

Transferee(s)

(3) Vendor.

(Person (s.) in occupation property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons with the service of notice to the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1520/84-85 dated 13-8-84) Property No. 52/1, Matadatralli Sultanpalya, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. Ananth Shenoy Haridas Lanc. M lore.

(2) Shri K. Sarvothana Bhat, Pigumv Collector, Syndicate Bank. Kulshekar, M'lore.

Transferor(s)

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560,001, the 16th March 1985

C. R. No. 62/43735/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable presents having a fair market value appearance in the incomplete property. movable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. RS. 65/1 (Northern Portion) situated at Padavu exceeding

Village, M'lore.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 2-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 663/84-85 dated 2-8-84). Property No. RS. 65/1 (Northern Portion), Padavu Village M'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely: Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 16-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 16th March 1985

C. R. No. 62/43895/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. TS. 585-2B, RS. No. 276-2B situated at Thota village,

Jeppu ward, M'lore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at M'lore on 16-8-1984,

at M'lore on 10-8-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly aftered in the said instrument of transfer has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) faciltating the reduction or evasion of the finality of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Jayavanthi A. Suyrna, W/o late Ashok Suvarna, Golerkeri Street, M'lore.

Transferor(s)

(2) Shri H. Yeshvanth Kotiau, Cloth Merchant, Salian Nivas, Sashitrithbe, Hoige Bazar, M'loro.

Transferee(s)

(3) Transferor.

(Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 718/84-85 dated 16-8-84). Property bearing RS. No. 276-2B, TS. No. 585-2B, Thota Village, Jeppu Ward, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-54-46 GI/85.

Date: 16-3-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. Prakash S. Shetty, PA. holder Mr. K. Sarvothama Shetty, Advocate, Kodialbail, M'loore. Transferor(s)

(2) Shri Omkar M. Shetty, No. 52, Union Bldg., Shastri Road, Bombay-7.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

. ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 16th March 1985

C. R. No. 62/43737/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. RS. 461-2C1, TS. No. 308-2C1 situated at Kodialbail Vil-

lage, M'lore Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at at M'lore on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, 944 /4F

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be spade in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 648/84-85 dated 1-8-84).

Property No. RS. 461-2C1, TS. No. 308-2C1, Kodialbail Village, M'lore Tq.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 16-3-1985.

Seal 🔹

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th March 1985

C. R. No. 62/43772/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1.00,000/- and bearing

No. 14 (Old No. 7-D) situated at Alfred Street, Richmoud Town B'lore.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on August, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the. transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(i) Colville Arthur Parrie & Mrs. Lillian Rachael Parie, GPA No. 1, No. 3, Laugford Road, R'lore.

(Transferor)

(2) Victor Rozario Miranda & Mrs. Mary Barbara Miranda, No. 24, Leonard Lane, Richmoud Town, B'lore.

(Transferee)

(3) Mr.Buttov.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1468/84-85 dated Aug., 84). Property bearing No. 14, (Old No. 7-D), Alfred Street, Richmond Town, B'lore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-1985

#### PORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th March 1985

C. R. No. 62/44565/84-85/ACO/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

some the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 46 situated at I Block, Ravindranath Tagore Nagar, Blore (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 17-10-1984

for an apparent consideration which is less than' the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri R. Kumarvel, No. 46,I Block, " Ravindranath Tagore Nagar, B'lore-32.

(Transferor)

(2) Shri M. Maganlal O. Chandarana, No. 406, Ground floor, I Main, I Block, R. T. Nagar, B'lore-32.

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person (s) of occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2204/84-85 dated 17-10-84). Residential Premises built on site No. 46, I block, Ravindranath Tagore Nagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-1985.

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th March 1985

C. R. No. 62/44579/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 16/1 (Eastern portion) situated at Promenade Road, B-lore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on Oct., 84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mr. Phillomena Thumboo Cnettyy &
 Mr. Bernard Vikram Thumboo Chetty,
 No. 17, Promenade Road,
 B'lore-5.

(Transferor)

(2) Shri Fredrick Rosario, Roduigues, No. 98/7, Wheeler Road, Cox Tower, B'lore-5.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2125/84-85 dated Oct., 84).

Eastern portion of property bearing No. 16/1, promenade Road, Bangalore-5.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangal re

Date: 16-3-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 8th March 1985

C. R. No. 62/44225/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 36, situated at New Timber Yard Layout, Mysore Road,

B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore on 1-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely :-

(1) Shrimati Lakshmama & Others, No. 1600, VI Main, E-Block, II Stage, Rajajinagar, B'lore-10.

Transferor(s)

(1) Shrimati S. Bhavani, No. 57/7, III-B-Street, Ivyauna Setty Layout, Byatarayanapura, B'lore-26.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2657/84-85 dated 1-10-84). Property bearing No. 36, New Timber Yard Layout, Mysore Road, B'lore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45049/84-85/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49 situated at I main Road, Seshadipuram, Bangalore

situated at I main Road, Seshadipuram, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar on 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weshth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati K. G. Ambujama,
 Smt. M. S. Vinuthamani
 Shri M. S. Varadarajau
 Shri M. S. Nandakumar
 Shri M. S. Seshadri
 Shri M. S. Govindaraj
 Smt. M. S. Kooladevi
 Smt. M. S. Sudhamani
 No. 49, Imain Road,
 Sehsadipuram Bangalore.

(Transferor)

Master R. Sunil,
 Master L. Sanjay,
 No. 136. R. V. Extn.,
 IX Main, VI-A-Cross,
 Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2717|84-85 Dated 30-11-84]
Property bearing No. 49, I main Road, Seshadipuram, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ramchand I. Nebhwani. No. 18/1, Assay Road, IV Cross, Cox Town, Sindhi Colony, Bangalore-5,

(Transferor)

(2) Shrl P. C. Vasudevan & others, No. 2023/A, 14th main HAL II Stage, Bangalore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th March 1985

Ref. C. R. No. 62/44392/84-85/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 302, No. 302,

No. 302, si uated at Binnamaugala I stage, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on Sept 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instruween the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1872/84-85 Dated Sept. 84] Site No. 302, Binnamangala I Stage, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Shauada Devi, No. 1, Heunur Road, V Cross, Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri James George Koshy, No. 25, V Cross, Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th March 1985

C. R. No. 62/44387/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

k. BHAKDWAJ, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing

No. 1, situated at Heunur Road, now V cross Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Shivajinagar on 29-9-1984

Shivajinagar on 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:— 55—46 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document 1904/84-85 Dated 29-9-1984]

Portion of premises No. 1, Heunur Road, now V Cross Hutchins Road, St. Thomas Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th March 1985

Ref. C. R. No. 62/45554/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 1981

situated at 26th Cross Road, IX main, I Block BSK II stage

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jayanagar on 12-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

 Dr. Chikkanamjayya & Kum. C. Nanamda Banu, No. 13/01, Police station Road, Basawanagudi, Bangaloro-4.

(Transferor)

Dr. Maqbool Ahmed,
 Dr. (Mrs) Zakia Ahmed,
 No. 307, Iliasnagar (Sarakki Gate),
 Kanakapura Road, Bangalore.

(Transferee)

(3) Shri Abdul Jaleel, No. 1981, 26th Cross Road, IX main, I Block, BSK II stage, Bangalore.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nedice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2372/84-85 Dated 12-9-84]
Property bearing No. 1981, 26th Cross Road, IX main, I Block, Banashankari II stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Dato: 8-3-85

Scal:

CORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri F.A.N. Rodrigues. No. 96/1, North Road, Bangalore-5.
(2) Shrimati Vairamani T.,

(Transferor)

(2) Shrimati Vairamani T., No. 14, Ratan Singh Road, Fraser Town, Bangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th March 1985

Ref. C. R. No. 62/43969/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the tenmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 98/7,

situated at Wheeler Road, Cooke Town, Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908. (16 of
1908) in the Office of the Registering Office at
Shivajinagar on 6-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said heaverable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1660/84-85 Dated 6-9-1984,] Premises No. 98/7, wheeler Road, Cooke Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-85

#### FORM ITNS ...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

#### Bangalore, the 8th March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/43796/84-85/ACQ[B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- bearing No. 521 situated at IV Cross, IX main, HAL II stage, Indiranagar,

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of

1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Shri B. R. Ramachandra Rao, No. 437, II Cross, IX Main, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferor)

 (2) Shri Norman E. Mendens,
 2. Mrs. Dotothy Mendens,
 No. 521, IV Cross, IX Main,
 HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1432/84-85 Dated 13-8-1984] Property bearing No. 521, IV cross, IX main, HAL II stage Indiranagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUIITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th March 1985

No. C.R. No. 62|43745|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority or Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of . ) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to lieve that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7 (Old No. 19) situated at Pauchala Siddappa Lane,

7 (Old No. 19) shuated at Fauchaia Sadappa Lane, Cottoupet, B'lore City. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar on 22-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or vasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. A. Sreeuath, No. 64, 18th Cross Road, Margosa Road, Maleshwaraw, B'lore

(Transferors)

(2) Smt. Leela Jhindal, No. 69, Hospital Road, Balepet, B'lore.

(Tranferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazetts or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1647/84-85 dated 22-8-84]

Property bearing No. 7, (Old No. 19), Panchala Siddappa Lane, Cottoupet, B'lore City.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Dato: 8-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUIITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th March 1985

C. R. No. 62|43912|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

RS. No. 102|IB situated at Kaukauady-B-Village, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore on 22-8-1984.

at More on 22-8-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ibrahim Isac, S/o Mr B. K. Haji, Thokkotoo of Ullal Village, M'lore Taluk

(Transferors)

(2) Shri Joseph David Bukelo, S/o the late Rominic, Bukelo in Service at Kuwait.

(Tranferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 752/84-85 dated 22-8-84] Property bearing No. RS.102 IB. Kaukauady-B Village, Miore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 8-3-1985

777

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUITTION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th March 1985

C.R. No. 62/43910/84-85/AQQB.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. No. 006/3, T. No. 485/3, situated at Kodialbail village, Kauble Ward, M'lore City.

(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Milore on 27-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Vajaya M. Kawath, Smt. Vajaya M. Kawau,
Wo. Mr. Muralidhara Kamath,
N.C.C. Compound,
Kaprigudda, M'lore.
2. Smt. Shanthere R. Mallya,
Wo. Ramananda Mellya,
Tilak Mahal, Mannagudda, M'lore-3.

(Transferors)

(2) Sri Bhasker Shetty, So. Sheeva Shetty, Ballalbagh, M'lore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 791|84-85 dated 27-8-84). Property bearing No. RS.606/3, Ts. No. 485/3, Kodialbail Village, Kawbia Ward, M'lore city.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-3-1985

#### FORM ITN8-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUILTION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-56 001, the 8th March 1985

C. R. No. 62/43908/84-85/ACQ|B.-Wreras, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T 131|2B7 RS No. 1780|2B7 situated at Kasba Bazar

village M'lore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at M'lore on 31-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh K. Viswanatha Kamath, Soni Anautheswara Temple, Managing Committee Chairman, Maujeshwar. (Transferors)

(2) Smt. Y. Shautha Pai, Wlo Y. Sorinivasa Setty, Attawar Compound, Neere Shwalya, M'lore.

(Tranferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 805|84-85 dated 31-8-84). Property bearing No. TS.131/2B7, RS No. 1780/2B7, Kasba Bazar Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 9-1-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th March 1985

Ref No. 16/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Ward No. 2 situated at Konthalam village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Velur (Salem) (Doc. No. 1146]84)

the Competent Authority on August 1984

on August 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. K. M. Viswanatha Aiver, S/o. Muuthiswara Aiyer 2. V. Chandrasekaran, S/o Muthiswara Aiyer, Kothalam P.O. Metur.

(Transferor)

(2) Shri Sadayappa Gounder, S/o Kolantha Gounder, Konthalam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Koathalam village (Doc No. 1146/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D off the said Act to the following persons, namely. — 56—46 GI/85.

Date: 24-3-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd March 1985

Ref. No. 62/August/84.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 15 situated at Perumal Koil Garden street, V.O.C.,

Nagar, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R O. owcarpet (Doc. No. 355/84)

on August 1984

for an apparent consideration which is less than the 'fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) figilitating the reduction of evasion of the liability si the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:---

(1) Shri R. Ranganathan. 19, Radhakrishna Nagar, 1st street, Washermanpet, Madras-600 021.

(Transferor)

!) Mr. Chandrakumar Jain, 63-A, Burtalla Street, Calcutta-700 007

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at Door No 15, Perumal Koil garden street, V.O.C. Nagar, Madras-1. (Doc. No. 355/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Madras-600 006,

Date: 23-3-1985

(1) Shri A. R. Balu and others, 74, Muthaumari street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Kumaraswamy, 14, Kandee street, Madras-70.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Madras-600 006, the 25th March 1985

Ref. No. 63/August/84.--Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

at 19, Mariappa Mudali street, Madras-79

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of Registering Officer at at S.R.O. Sowcarpet (Doc. No. 359 84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immovable

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Land and building at 19, Mariappa Mudali street, Madras-(Doc. No. 350/84).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/):

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-3-1985 Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### **OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th March 1985

Ref. No. 64/August/84.-Whereas, I. PREMA MALINA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 6011, Door No. 12 situated at Thathamuthiappun

Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R.O. Sowcarpet (Doc. No. 369/84) on August 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

(1) Shri T. Mohamed Moin. 2, T. Mohamed Makeen, No. 27, Varasidhi Vinayagar Koil Street, Periamet. Madras-3.

(Transferor)

(2) Shri Mohamed Farook, No. 38, St. Xavier Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 12, Thathamuthiappatt Street, Madras-1, R.S. No. 6011. (Doc. No. 369/84)

PREMA MALĪNI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 25-3-1985

Mrs. Jeya Narayanasamy, W/o C. R. Narayanasamy, Twin Flats, Erooke House Compound, Coonoor-643 101.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. R. Munikrishnan, S/o Ramaiah, AC-58, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd March 1985

Ref. No. 77/August/84.--Whereas, I, PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

S. No. 16 situated at Flat No. 28D, Bleck No. 24, Shanthi Colony, Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer S.R.O, Anna Nagar (Doc. No. 2883/84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall the same meaning as given in that Chapter.

ta facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Property at Flat No. 28D, Shanthi Colony, Madras-40. (Doc. No. 2883/84)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-3-1985

(1) Shri S. Narceh Udupu, Plot No. 1358, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. S. Udayakumar, Plot No. 3540, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th March 1985

Ref. No. 78/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 729 ituated at Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 3021/84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Plot No. 929, Aringar Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 3021/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Modras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :-

Date: 25-3-1985

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th March 1985

Ref. No. 79/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/-and bearing

and bearing
Plot No. A.P. 508 situated at Korathur village
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 3017/84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Kumer, S/o Late Sri Ramolu Nodu, 17, Mulla Sahib Street, Madras-79.

(Transferor)

(2) Shri G. J. Pandithurai, 49, Purasaiwakkam Koil, North Mada Street, Ayanavaram, Madras-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Plot No. A.P. 508, Korathur Village. (Doc. No. 3017/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-T,
Madras-600 006

Date: 25-3-1985

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 25th March 1985

Ref. No. 86/August/85.—Whereas, I., PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 9 situated at Periakudal village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R.O. Anna Nagar, (Doc. No. 2913/84) in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri R. Ulakanathan, S/9 M. Rajan Pillai, No. M-25, Plot MSCP, Madras.

(Transferor)

 Shri S. K. Kannan, S/o M. Srinivasan, No. 1, Corporation Colony, Madras-33.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Periakudal village, S. No. 9. F-Block. (Doc. No. 2913/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-theat,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 25-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st April 1985

Ref. No. 89/August/84,-Whereas, I, PREMA MALINI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding as his said Act, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 171, Block No. 3 situated at Plot No. 4220-A, Anna Nagar, Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

S.R.O. Anna Nagar, (Doc. No. 2820|84) in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of my mome or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°ID of the said Act, to the following persons, namely :-

57-46 GJ/85.

(1) Vigneswara Enterprises, 685, Mount Road, Madras-600 006.

(Transferor)

 Mrs. P. Varalakshmi,
 Appa Garden Street,
 Kilpauk, Madras-600 010,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Plot No. 4220-A. Anna Nagat, Madras-40. Survey No. 22.

(Doc. No. 2820/84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 1-4-1985

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. Kuppusamy, I'lot No. 3890, Aringar Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

 Shii J. Kabali Murthy 64, Vadamalin Pillai Street, Madras-7.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th March 1985

Ref. No. 91/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

no the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3890 situated at Anna Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R.O. Anna Nagar, (Doc. No. 2815/84) on Auugust 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:--

- (a) by any of the afor id persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 3890, Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 2815/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 25-3-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th March 1985

Ref. No. 93/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 805 situated at Periakudal village

Plot No. 805 situated at Periakudal village (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 2770/84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishnaprasad, V. Butchiah Chawdry, Apt. 8-C. 490, West End Avenue, New York 10024. USA.

(Transferor)

Shri V. Viswanath,
 Ganapathy Colony,
 Aringar Anna Nagal,
 Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Periakudal village. Plot No. 805. (Doc. No. 2770/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 25-3-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION, RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th March 1985

Ref. No. 81/August/84.—Whereas, I, PREMA MALINI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 45 Flat No. 46-C situated at Naduvakkarai village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.O. Anna Nagar (Doc. No. 2963/84) on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri K. Ramachandra Rao, 46 C. Shanthi Colony, 1V Avenue, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

 Shri V. Amirtharamu,
 6th West Cross Street,
 Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immox-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Flat No. 46-C, Naduvakkarai village. (Doc. No. 2963/84)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 25-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Mudras-600 006, the 1st April 1985

Ref. No. 90/August/84.—Whereas, I, PREME MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3890 situated at Ant. Nagar, Madras-40

Plot No. 3890 situated at An Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

nas ocen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2814/84) on August, 1984 for an apparent coosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Kuppusamy Plot No. 3890 Aringar Anna Nagar Madras-40.

(Transferor)

 Shri J. Udayasingh, J. Saravanavel, 64, Vadamalai Pillai Street, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 3890, Aringar Anna Nagar. Madras-40. (Doc. No. 2814/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madras-600 006

Date: 1-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st March 1985

Ref. No. 104/Aug. 34/R.H.—Wheeras, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Mayileripalayam Village Land situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kinathukadavu/Doc. No. 433/81 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri N. Chinnayan, S/o P. C. Natarajan, 82, Sastri Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri A. Subbae Gounder, Sri Veluchami Gounder, S/o Arunachala Gounder, Vadapudur, Pollachi, Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Mavileripalcyam Village, Coimbatore taluk Pollachi Kinathukadava Taluk/Doc. No. 488/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-3-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1985

Ref. No. 113/Aug. 84/R-II.---Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing. No. Land at Arpichampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valavanur (Viliupuran) Doc. No. 1247/84 in August 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons appropriate the said Act. ing persons, namely '-

(1) Sri R. Sridhan Chettiar S/o Rajendra Chettiar, Thonthireddipalayam Arpichampalayam, Villuupuram Taluk.

(Transferor)

 Smt. R. Rajalakshmi Ammal, W/o Rajendra Reddlar, Thonthireddipalayam, Arpichampulayam, Villupuram Taluk.

(Transfereo)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Arpichampalayam Village Valavanur (Villupuram) Doc. No. 1247/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 22-3-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Indira, W/o Sri P. V. Srinivasan, Gutuvampalayam N.G.O. Colony, Coimbatore P.O.

(Transferor)

(2) Sri K. Balakrishnan, S/o Kasthuri Rangappa Naidu, Pongaloor Post, Pongaloor.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1985

Ref. No. 106/Aug.84/R.H.--Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

being the 'Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Pongaloor Village, situated at Pongalur/Doc. No. 1090/84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palladom Doc. No. 1090'34 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land :-- Pongaloor Village.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-3-1985

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Sri T. Seshachalam, S/o Lakshmipathy. Mudahar, 37, Mainipernmal St., Madras

(Transferor)

(Fransferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING. ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1985

Ref. No. 107/Aug 84/R.H.-Whercus, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11 cents in S. No. 1672/2A of situated at Ootacamund

Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Uthagai/Doc. No. 681/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration therefor by more than the the such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:

(8—46GI/85

(2) Sri Karol Sebastian Antony, S/o Karol, Sebastian, 22, Old, Willowbund Road, Ootacamund.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 11 cents in S. No. 1672/2A of Ootacamund Town, Uthagai/Doc. No. 681/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date: 23-3-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd March 1985

Ref. No. 108/Aug.84/R.II --- Winerens, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land 7 cents in R.S. No. 1672/2A situated at Ootacamund Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagai/Doc. No. 682/84 in August 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri T. Seshachalam, S/o Lakshmipathy Mudaliar 37, Malaiperumal St. Madras. (Transferor)

(2) Mrs. Premy Charles, W/o Charles Verghese, Mahalakshmi Nilapam, Missionary Hill, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 7 cents in R.S. No. 1672/2A of Ootacamund Town. Uthagai/Doc. No. 682/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 23-3-1985

Scal:

#### FORM TINS-

 Sri P. Parameswaran Nair, S/o V. Kutty Krishnan Nair, New India Assurance Company, Mettupalayam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 23rd March 1985

Ref. No. 110/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 4221/2 Cl-Ext. 9.16 situated at together with building D. No. 78C—Ward No. VXXII, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagai/Doc. No. 702/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sri K. Sugumar, S/o Sri K. Bhat, Muttinadu Village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: D. No. 78 C—Ward No. VXX II. and building R.S. No. 4221/2 Cl. Ext. 9.16 Ext. conveyed 0.06 together with the building thereon. Uthagai/Doc. No. 702/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under estimated (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-3-1985

#### FÖRM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1985

Ref. No. 112/Aug.84/R.II.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having al fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. BBH & Thalakundah, Hullathi Village situated at Ootacamund.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam Doc. No. 624/84 in August 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri T. Dulipsingh, Senior Partner, M/s King and Partridge, Advocates, residing at 3, 15th Avenue, Harrington Road, Madras 31.—Administrator for the Estate of Mrs. I. M. Herbert.

  (Transferce)
- (2) Messrs Air Irade and Tours Pvt. Ltd., Maker Bhavan, No. 2, New Marine Lines, Bombay-400 020. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a seried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: 'BHITO' Thalakundha, Hullathi Village, Ootacamund R.S. Nos. 177/1 part 11.63 acres 177/1 part 2.00 acres, 185/2. 0.18 acres Hullathi Village, Nilgiris. Udhagamandalam/Doc. No. 624/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 2-4-1985

Scal:

#### PORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st March 1985

Ref. No. 127/Aug.34/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 919/1, of Block No. 12, New Survey No. 1,

situated at Coimabtore Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3397/84 in August 1984, for an apparant consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s S. M. Feeds Private Ltd., 104, Jally Bhavan, 10, New Marine Lines, Bombay-400 080. (Transferor)
- (2) M/s Vinayak Construction Pvt. Ltd., 250, Subbiah Mudalira St., Coimbatore-641 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (r) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: T.S. No. 919/1 of Block No. 12, in New Survey Ward No. 1 of Coimbatore. 3397/84/Coimbatore.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 21-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1985

Rci. No. !14/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable acceptable of the said Act'), fair reason to believe that the immovable acceptable is a said act. property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

No. Land at situated at Arpichampalayam, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vadavatur (Villupuram) Doc. No. 1246/84 in August 84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objbect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. R. Rajalakshmiammal, W/o Rajendrareddiar, Thonthireddipalayam, Arpichampalayam, Madurai, Villupuram.

(Transferor)

(2) Sri R. Sridhar Reddiar, S/o Rajendra Reddiar, Thouthireddipalayam, Arpichampalayam, Madurai, Villupuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Arpichampalayam Village. Valavanur (Villupuram) 1246/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 22-3-1985 .

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd March 1985

Ref. No. 120/Aug. 34/R.JI.—Whereas, J MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. Thudiyalur Village situated at Coimbatore District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalavam. Doc. No. 1675/84 and 1739/84 in August 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Sri T. K. Krishnasamy. Station Thottam, Phudiyalur.
 Smt. Kannammal, W/o S. Kalichami, Viswanathapuram, Thudiyalur.

(Transferor)

(Transferce)

(2) The President, Sri K. Ranganathan, N.G.G.O. The Kurudampalayam Cooperative House Building Society, N.G.G.O. Colony, Coimbatore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: Thudiyalur Village, Coimbatore Taluk, Perianaickenpakayam/Doc. No. 1675 and 1739/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 23-3-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IJ MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1985

Ref. No. 121/August 84/R.II—Wheerns, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 429, 439, Ganapathy Village, situated at No. T.S. No. 429, 439, Ganapathy Village, situated at Gandhiputam, Coimbatore District.
(and more tuliy described in the Schedule anaexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3324/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957 V.

(1) Sri G. K. Seetharaman, S/o G.U. Krishnayan Sarojini St., Ramnagar, Coimbatore-1

(Transferor)

- (2) 1 Sri K. Z. Mayyas,
  2. Sri K. Z. Kutub.
  3. K. Z. Ibrahim.
  4. K. Z. Yuris, M/s. Ferro Industrial Enterprises, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Chazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: Gandhipuram Ganapathy Village T.S. No. 429, 430 Coimbatore District 2. Coimbatore/Doc. No. 3324/84-

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-3-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd March 1985

Ref. No. 122/Aug.84/R.II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. S.F. No. 553, T.S. No. 12/23, situated at Telugu Pulayam Village, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Peristration Act. 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2907/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—59—46 GI/85 (1) Sri S. Ravindran, Sri S. Vivekanandan, sons of Sri ranga Chettiar, 29/29, Venkataraman Road, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri N. Chandrasekaran, S/o Sri V. S. Nachi Chettiar, Smt. C. Santhalakshmi, W/o No. 1, D. No. 73, Oppanakara St., Colmbatore, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Telugn Pulayam Village: S.F. No. 533 T.S. 9

Coimbatore—Doc. No. 2907/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date: 22-3-1985 Seal:

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, he 23rd March 1985

Ref. No. 124/Aug. 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.

Ramnagar situated at Coimbatore Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore/Doc. No. 3474/84 on Aug. 84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; ead/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sri G. Kasthuri Naidu,

8/0 K. Govindasamy Naidu,

(2) K. Damodaran,

8/0 G. Kasthuri Naidu,

(Power Agents),

173-7 No. Veedhi, Gandhipuram, Colmbatore-12.

(Transferor)

(2) Smt. C. Chellammai, w/o S. A. R. Somasundaram, Smt. P. Meenakshi, w/o S. A. R. Murugappan, 79, "Arulagam", Kacheri St., Tri CHENGODU TOWN, SALEM.. Trichy, 2. 287-Arulagam, II st., Gandhipuram, Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective paraons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: Ramnagar, Coimbatore Town, T. S. No. 9/178 Part and 9/178/10. Coimbatore/Doc, No. 3474/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-3-1985

Scal :

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 21st March 1985

Ref. No. 128, Aug. 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T. S. No. 1385, PLOT No. 29 situated at PULIAKULAM VILLAGE (and more fully described in the Section 1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at COIMBATORE (Doc. No. 3514/84) in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. B. Maya Devi w/o Sri R. Balakrishnan, 9/90, Cross Cut Road, COIMBATORE-12.

(Transferor)

(2) Smt. Indira Gopalan, W/o S. Gopalan, 7/35, Geetha Hall Road, COIMBATORE-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

LAND: T. S. No. 1385—Plot No. 29—PULIAKULAM VILLAGE, COIMBATORE City.

COIMBATORE/Doc. No. 3514/84 on August 1984

MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-3-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 23rd March 1985

Ref. No. 131/Aug. 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 16/12.B. Block No. 34, V. C, V. Lay out, Shanmuga Theatre Road, COIMBATORE TOWN (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatorc/Doc. No. 3647/84 on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of fransfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Visalakshmi Ammal w/o N. L. Duraisamypillai, 16/31, V. C. V. Lay out, Shaumugatheatre Road, Coimbatore.

(Transferor)

 Sri H. Sajeeth Hussain s/o N. M. Habeeb Mohd., 835, Periakadal Veedhi. Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building: V. C. V. Lay out, Shanmuga Theatre Road, Door No. 16/12B, T. S. No. 7/15, 16, 17 New T. S. No. 8/1366/4 Block No. 34, Coimbatore Town, Coimbatore/Doc. No. 3647/84.

> MRS. M. SAMUEL.
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 23-3-1985

#### FORM ITHS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 23rd March 1985

Ref. No. 132/Aug. 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

T. S. No. 1A, 1A 1 and 1A 2, T. S. Ward 9, D. No. 164-165, Kaleswara Nagar Kattur, Anupperparayam (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3672/84 on August 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sri K. N. Venkatarama Iyer, s/o K. V. Narayana Iyer, 164-165, Kaleeswara Nagar, Kattoor, Coimbatore..

(Transferor)

 (2) Smt. D. Sakuntala, w/o A. Subramanian, D. No. 102, Ranga Road, KATTUR : COIMBATORE.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov, able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

1.and and Building: Anupperpalayam: Village: Kattur: D. No. 164-165, Kaleswara Nagar, Kattur. Coimbatore/Doi No. 3672/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-3-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 23rd March 1985

Ref. No. 134/Aug. 84/R.H.—Wheeras, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Agricultural Land situated at Kaliapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anaimalai/Tiruppur, Doc. No. 920/84 on August 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely:-

(1) Smt. S. Shanthi w/o K. V. Nataraj Mudaliar, No. 37. Bakthavatchalamnagar Extension, Madras. Power Agent C. R. Maruthanagam, s/o C. M. Ramasami Mudaliar, Thenchitter, Coimbatore.

(Transferor)

 (2) Sri V. S. Shanmuga Mudaliar,
 s/o V. A. Sambasiva Mudaliar,
 61, Mudaliar St., Vettaikaranpudar, Pollachi, Coimbatore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Kaliyapuram Village. Anaimalai/Doc. No. 920/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 23-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 23rd March 1985

Ref. No. 135/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. — situated at Tiruppur, Anaimalai, Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anaimalai (Tiruppur) Doc. No. 934/84 on August, 1984

on August, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfers ul/ex

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other easets which have not been er which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incode-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Nachimuthugounder, and his sons and daughters :

1. Subbirathai. 2. Kandiammal

3. Rukmani

4. Mahalingam 5. Devaraj

6. Nanchagoundanpudur, Uthukuli, Thakkal, Pollachi Taluk.

(Transferor)

(2) Sri P. Hariharan, S/o K. P. Parasuramapillai, 64A, Thiruncelakandar Veedhi, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires letter;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meeting as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Agricultural land at Pollachi, Anaimalai, Tiruppur.—(Anaimalai/Tiruppur) Doc. No. 934/84.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 23-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 23rd March 1985

Ref. No. 136/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land at Anaimalai situated at Pollachi, Tiruppur (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anaimalai/Doc. No. 935/84 on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following preous namely —

 Sri P. Jayaramachandran S/o' Palanichamigounder, Nangagoundenpudur, Pollachi Taluk, Pollachi Thakkal.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswathi W/o Hariharan, Karigalcholan Veedhi, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Anaimalai, Pollachi, Thiruppur.

Anaimalai/Doc. No. 935/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 23-3-1985

Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II · MADR.\\$-600006

Madras-600006, the 23rd March 1985

Ref. No. 137/Aug.84.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Agricultural lands in Thayyur Village, situated at Chentalpattu Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thirupporur/Doc. No. 1608, 1618 and 1620/84 on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—60—46 GI/85

(1) Sri C. S. Devadas, S o Chidainbaram Subramani Pillai, 7. Srinivas Apartment, Srinagar Colony, Madras-15.

(Transferor)

(2) M/s. Suky Estates Pvt. Ltd. By Managing Director, G. V. Radhakrishnan, P.5, Rohini Gardens, Madras-28,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of 'the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands situated in Thayyur Village, Chental-pattu Taluk Punjai S. Nos. 1405/4, 2 and 3 and 1442/1A (Part).

Tirupperur/Doc. No. 1608, 1618 and 1620/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomo tax Acquisition Range-JI, Madras-600006

Date: 23-3-1985

Seal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## Smt. Chellam Ramireddi W/o Ramireddi, No. 29, Main Road, Mettupalayam, Chikkadasampalayam, Mettupalayam.

(Transferor)

(2) Sri S. Haji Karipulla S/o K. A. Saiyad Sayub, Thenudu village, Majara Cholur, Kothagiri, Nilgiris.

(Transferec)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 23rd March 1985

Ref. No. 139/Aug.84/R II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chikkadasampalayam Village situated at Mettupalayam Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mettupalayam/Doc. No. 1517/84

on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building: Chikkadasampalayam village, Mettupalayam Taluk, (Municipal word 14), Mettupalayam/Doc. No. 1517/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 23-3-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 23rd March 1985

Ref. No. 144/Aug./84-85/R.II.—Whereas, I, Ref. No. 144/Aug./84-85/R.H.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100.000/-and bearing Door No. 90, Ward No. 4, Block No. 8, T. S. No. 607, kaspachidambaram, Chidambaram, Pillayar Koil St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chidambaram/Doc. No. 2396, & 2395/84

on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Venkatanarayanan, Srinivasan S/o Sri Ramanujam, Sri S. Ramanujam S/o Srinivasa Reddiar, 15, Kanagasabai Nagar, Chidamabaram. (Transferor)

(2) 1. Smt. M. Amudha W/o Sri Mohankumar, 14. Keeraikaratheru, Perangipettai. 2. Sri L. Venkatesan S/o Lakshmanachettiar, 14, Keeraikaratheru, Perangipettai.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 90, Ward No. 4, Block No. 8, T.S. No. 607, Chengamunai Pillaiar Koil St., Gaspachi-Chidambaram/Doc. No. 2395/84, 2396/84

Chidambaram/Doc. No. 2395/84, 2396/84

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -- .

Date: 23-3-1985

Seal ·

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006; the 23rd March 1985

Ref. No. 150/August 84/R.II.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No.

T.S. No. 256.7 situated at Pollachi Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pollachi/Doc. No. 1556/84 on August, 1984

on August, 1984

on August, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eard Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri C, Paramasivam,
 S/o Sti T. S. Chinnasamy Chettiar,
 C.A. J2, Ramalingam Veedhi, Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri A. Somasundaram, Secretary S/o Arumugagounder, Cooperative Building Society, Mahalingaputam, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: T.S. No. 256/7 Pollachi Town. Pollachi/Doc. No. 1556/84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid procerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 23-3-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 23rd March 1985

Ref. No. 154/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section

269B of the acome-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. 3065, Municipal 6th Ward, situated at

Chidambarampillai Nagar, Thunjayur Town (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tanjore/Doc. No. 1459/84 on August, 1984

on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Krishnamurthy Rao, S/o Sri Guru Rao, 3065, V. O. C. Nagar, Thanjavur,

(Transferor)

(2) Smt. Muthulakshmi W/o Narayanasamy, 3147, Pillayar Koil, Warkaratheru, Kilavasal, Thanjayur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 3065, Ward No. 6, V.O.C. Nagar, Thanjavur Town.

Tanjore/Doc. No. 1459/84

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-3-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600006, the 22nd March 1985

Ref. No. 156/Aug.84/R.II.--Whoreas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Sanganoor Village situated at Coimbatore Taluk (said more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 2799/84

on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Sri C. V. Rajarathinam
 S/o C. K. Velligirigounder
 R. Pangajavalli
 W/o Sri C. V. Rajarathinam,
 Ramasamy Pillai Veedhi, Coimbatore-41.

(Transferor)

(2) Sri T. Umapathi S/o Thangavel, 406, Vaisiyal St., Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Sanganoor Village, Coimbatore Taluk. Gandhipuram/Doc. No. 2799/84

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 23-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS#600006

Madras-600006, the 23rd March 1985

Ref. No. 157/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 12/105, G.S. No. 350/1 & 351/1, situated at Site No. 4, Sanganur Village, Coimbatore Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 2899/84

on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Smt. A. Sarojini W/o C. N. Arunachalam Chettiar, 16/8, R & R Lay out Mettupalayam Road, Coimbatore-2,

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala M. Geite W/o Mohanlal, 6A, Venkatachalam Road, R.S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: G.S. 350/1 and 351/1, T.S. No. 12/105, Site No. 4-Sanganoor village, Coimbatore Taluk. Gandhipuram/Doc. No. 2899/84.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 23-3-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600006

Madras-600 006, the 22nd March 1985

Ref. No. 160/Aug.84/R.H.---Whereas, f, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable market value property having a fa Rs. 1,00,000/- and bearing No. — situated at fair

Singanallur, Coimbatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Singanallur/Doc. No. 1525/84 on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, mamely :--

(1) Smt. M. Gowriammal W/o N. Kumar, D. No. 6 Yonam Road, Menon, Singanallur, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri P. Rajasekaran S/o Ranganathanaidu, 86, Ranga Konar Veedhi, Kattur, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The and expressions used terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building: Singanallur Village, Coimbatore Taluk. Singanallur/Doc. No. 1525/84

> MRS. M. SAMUEI, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600006

Date: 22-3-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AGGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1050.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401 Pratap House N-1, Connaught Circus situated at New Delhi measuring 817.36 sq. ft. Rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifferen per cent of such apparent consideration and that the

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following corrects namely:—61—46 GI/85

 M/s. Competent Budders, 101-Competent House, F-14, Middle Circle, Connaught Place, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Miss Surinder Sodhi, Mis, Tarveeb Mehra, Mrs. Diliaj Bedi, Sh. I. S. Hassanwalia, and Son (HUF), B-87, Defence Colony, New Delhi-24

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401, Pratap House, N-1, Connaught Circus, New Delhi measuring 817.36 sq. ft.

R. P. RAJFSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Pellx

Date: 12-4 1985

Seal :

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF AI L ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

IAC/Acq. 1/37EE/8-84/1051.—Whereas, I. Ref. No. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 B-47, in proposed Multistoreyed bldg, situated at Tolstoy House on Tolstoy Marg, New Delhi, mg. 186 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Swaran Puri Sh. Arvind Puri, Flat No. 73, Pocket-12, Block C-2, C-Janakpuri, New Delhi-58,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nounce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazaffa.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

rlat No. LB-47, in proposed Multistoreyed building at 17 Tolstoy Marg, New Delhi, measuring 186 sq. ft

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 11-4-1985

Scal ::

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 10-K. G. Marg, New Delhi.

(2) Lajpat Rai and Sons (HUF). B-1/74, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMERCIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AĞGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF ALI ROAD,

#### NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Flat No. LB-10, in proposed multistoreyed building, Tol-R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

property naving a fair market value exceeding Rs. 100,000, and beating No.

Flat No. LB-10 in proposed multistoreyed bldg situated at Tolstoy House on plot No. 17 Tolstoy Marg, and I Tolstoy Lane, mg. 319 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range I, on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/ac
- (8) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or , which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Flat No. LB-10, in proposed multistoreved building. Tolstoy House, on plot No. 17, Tolstoy Marg and 1, Tolstoy Lane, New Delhi, measuring 319 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.
Aggarwal House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1053.-Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/8-84/1053.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000/- and bearing
Flat No. 127, on 1st floor in 22, K. G. Marg, mg. 210 sq ft situated at New Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in of the IAC/Acq Range-I, on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the apparent consideration to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per out of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) B. L. Arora Trust, 105A, Sarswati House, 27. Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Harcharan Kulbir Singh, Simran Bir Singh Soin W/o & S/o Dr. K. S Soin, Mr. Arvinder Singh and
Mrs Amrit H. Singh S/o
& W/o H. S. Som,
E-14, Greater Kailash Enclave-I,
New Delhi-48.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 127 on 1st floor in 22, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi-1, measuring 210 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 11-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/8-84/1054.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Agr. land measuring 5 Bighas 01 Biswas situated in Village Kapashers Teh. Mehrault, New Delhi has been transterred under the Income Tax Act, 1961, in the Uffice of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Shakuntla Gulati, 3-D, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Vinod Kumar & Vipan Kumar, 27, Paschimi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 01, Biswas bearing Khasra Nos. 125/1, 125/2 and 119 (part) in village Kapa-shera (Teh. Mehrauli), New Delhi.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority,
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf All Road, New Delhi

Date: 12 4 1985

Seal

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Miss Kavita Kapoor (now Mrs. Kavita Dhawan) R/o A-40, Priends Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Vinod Kumai & Sh. Vipan Kumai, 27, Paschimi Marg. Vasant Vihar, New Delhi.

(Tansferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC, Acq 1/37EE/8-84 1055. - Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Agr. land measuring 5 Bighas 01 Biswas situated in Village Kapashera Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income Tax Act, [961] in the Coffice of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have regarded the less than the fair market value of the aforesaid property and I have regarded to the property are aforesaid. believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bighas 01, Biswas bearing Khasra Nos, 120 (part) and 121 in Village Kapashera (Teh. Mehrault) New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Aggatwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 12-4-1985

Seal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84 1056.—Whereas, I, R. P. RAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Agr. land mg. 4 Bighas and 16 Biswas situated in Village Kapashert. Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed horses) has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I.

New Delhi on August 1984 for an apparent consideration, which is less than the fair

new Delli on August 1904 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the kability of the aransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Charanjit Lal Gulati, 3-D, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumar & Vipan Kumar, R/10 27, Paschim Marg, Vasant Vibar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 Bighas, 16 Biswas bearing Khasra Nos. 119 (part) and 120 (part) in village Kapashera, Teb. Mehrauli, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Read. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely .--

Date: 12-4-1985

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Hyma Sahadevan w/o Mi C. A. Sahadevan, 188. Munurka Enclave, New Delhi-67.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the April 1985

Ref. No IAC/Acq.I/37EE/8-84|1057.--Whereas, I. R P RAJESH, R P RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hencinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable preperty having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Space No 19 L G.F in 'Vijaya' bldg, at 17, B K. Road, attuated at New Delhi mg. 178.8 sq ft, (super) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act. 1961. in

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961. In the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the consideration.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublications of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Space No. 19 on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' Building. 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring (super) 1788 kg. ft

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Agarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Read, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Ac., i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing ing persons, namely:—

Date : 10-4-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84|1058.--Wheeras, I.

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84|1058.—Wheeras, I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R: 1.00,000/- and bearing
Flat No. 304 mg. 280 sq. ft. Illrd floor, situated at 51-52, Nehru Place New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I,
New Delhi on August 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 62-46 GI/85

(1) Gedore Tools (India) (P) Ltd., Gedore Honse, 51-52, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Panzaj Mohindroo S/o Sh. K. C. Mohindroo, R/o J-12/84A, Rajouri Garden, New Delhi. Sh. Krishan Chand S/o Sh. Sham Lal
R/c Qila Mohalia, Jullundhar &
Smt. Pushpa Devi
D/o Dr. D. R. Tuli,
R/o 37, Sector 19-A. Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 304 measuring 280 sq. ft. IIIrd floor 51-52, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Angarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-4-1985

Seal ;

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1059.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Commercial Fla No. 701A, on 7th floor in multi-storeyed building Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi mg. 850

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pragati-Construction Co., (Devika Tower), 4th floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Farida Khan,
Master Mohd. Imran Khan (minor) and
Master Aman Khan (minor)
both U/G of Sh. I. U. Khan,
B-19, Nizamuddin West,
New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Allotted Commercial Flat No. 701A, on 7th floor in multistoreyed building Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delbi, measuring 850 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Alı Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1985

Soal :

### FORM LT.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Broadway Towers Pvt. Ltd., B-104-A. Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Rajesh Jain, Lelit Jain, and Manit Jain, R/o D-35, Panchsheel Enclave, New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/8-84/1061.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income fax Act, 1901 (45 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1522-B, on 15th floor in Skipper Tower, situated at 89, Nehru Place, New Delhi, Measuring 500 sq. ft.

(and more fully occeribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on August 1984

andlor

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION: It terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1522-B on 15th floor in Skipper Tower at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A. Asaf All Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the section  $(\lambda)$  of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 10-4-1985

Seal ·

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|83-84|1062.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair malket value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing Flat No. 405, at 89, Nehru Place, mg. 325 sq. ft.

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tix Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I,

New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Fabric India, C-538, Defence Colony, New Delhi.

(2) Sh. Ram Lal Mehndiratta, Mast. Dhriaj Mehndiratta, R/o C-130 Dayanand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi-24. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 405 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 325, sq. ft. (Flat under construction).

R. P. RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 11-4-1985

Seal:

#### FORM ITNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|83-84|1064.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 16, 8th floor, E-Block, Nehru Place, mg. 735 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Ttx Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Exten., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) M/s. M. M. Exports, 199, Palika Bazar, Connaught Place, New Delhi-1.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gerette

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 6 on 8th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex in Nehru Place, New Delhi. Approx area 735 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I. Aggarwal Heuse, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-4-1985

(1) Mrs. Satti S. Vachani, B-22, May Faire Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Barnav Estates (P) Ltd., A-11, Geetanjii Enclave, New Delhi.

(Tausferco)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|83-84|1065.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 1507 at 89, Nehru Place. New Delhi, mg. 560 sq. ft.

Flat No. 1507 at 89, Nehru Place. New Delhi, mg. 560 sq. tt-situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income TaxAct, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I.
New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fan market of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are sleftned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

### THE SCHEDULE

Flat No. 1507 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seats which have not been or which ought to be disclosed by the transferse far the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income to Acquisition Range-I, Aggarwai House. 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 11-4-1985

Seal ::

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. JAC|Acq.I|37EE|83-84|1066.--Whereas. I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Space No. 11-A, on 8th floor in Block No E of situated at Hotel-cum-Commercial complex, Nehru Place, Approx. area 484 sq. ft. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I,

on August, 1984 for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor (a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14

(Transferor)

(2) Sh. Bharat Bhushan Katiyal, S/o Sh. R. L. Katiyal & Mrs. Poonam Katiyal W/o Mr. B. B. Katiyal, 14-E, Kamla Nagar, Delhi.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- · (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 11-A, on 8th floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Approx arca 484 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-I, Aggarwel House, 4/14-A, Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 10-4-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1067.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Space No. 10 on 7th floor in Block 'E' of Hotel-cum-Commercial Complex, Nehru Place, N. Delhi, Approx Area 513 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangjura Extn., New Delhi-14.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Kaicker S/o Sh. Din Dayal Kaicker R/o C-155, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Tanaferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires laser;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Space No. 10 on 7th floor in Block 'E' of Hotel Cum Commercial Complex, New Delhi. Approx. Area 513 sq. ft.

•R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 10 4-1985

 M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. L. N. Modi & Sons HUF. C-38, Pamposh Enclave, New Delhi.

(Tansferce)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 10th April 1985

Rcf. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1068.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Space No. 5 on 6th floor in Block 'E' Approx area 735 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Inocem Tax Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I,

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or Space No. 5 on 6th floor in Block-E, Approx Area 735 sq. ft. of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Assf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1985

Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/83-84/1069.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Space No. 7 on 8th floor in Block No. 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Approx. Area 484 sq. ft.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any authors of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Niloo Minotra W/o Sh. Shyam Minotra & Mrs. Devi Anand W/o S. K. Anand, D-48, Saket, New Delhi-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 7 on 8th floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Area Approx 484 sq. ft. New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Accousition Pance-I,
Accousing Hones,
4/14-A, Asaf A'i Road,
New Delhi

Date: 10-4-1985

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### (1) M/s. Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi-14. (Transferor)

(2) M/s. Capital Building & Furnishing Co. 1/12-13, Kırti Nagar, (W.H.S.), New Timber Market, New Delhi-15.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref No IAC/Acq I/37EE/8-84/1070.—Whereas, I, RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 9 on 7th floor in Block 'B' of Hotel

Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Approx Area 1014 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 9 on 7th floor in Block 'E' of Hotel Cum-Commercial Complex, Nehru Place, New Delhi, Approx. Area 1014 sq. ft.

> R P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-4-1985

Seal:

(1) Smt. Kala P. Vachni, B-11, May fair Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jyoti Trading Corporation, 114A, Ansal Bhawan, Connought Place, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Dolhi, the 11th April 1985

(b) by any other person interested in the said immor-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/83-84/1071.--Whereas, I.

Ref. No. 1AC/Acq.1/3/EE/83-84/10/1.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1517 at 89, Nehru Place, Mg. 560 sq. ft. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I, on August 1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any iscome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1517 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 560 sq. ft. (Under Construction).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1985

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-IAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1072.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

have reason to believe that the immovable property, naving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-5 on 2nd floor Hira Mehal, 44, Retendon situated at Road, New Delhi consisting Drawing-Dinning, three bedrooms etc. mg. 2000 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the LAC/Acg. Pages I.

of the IAC/Acq. Range-I, on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:-

- (1) Smt. Raj Karni Khosla, B-5, Hira Mehal, 44, Tatendon Road, New Delhi. (Fransferor)
- (2) Mrs. Wilma Parmar, 522, Park Road, Model Town, Jullundur City, (PÚNJAB). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-5, on second floor Hira Mehal, 44, Ratendon Road, New Delhi, consisting Drawing-dining, three bedrooms, attached bathrooms, servant qr., parking Place, mg. 2000 sq. ft. New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 15-4-1985

(1) Shri V. K. Raina, B-36, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Surekha Soni, B-4/78, Daya Nand Colony, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/83-84/1073,—Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Rear portion of first floor of M-195, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 400 sq. yds. (plot), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the IAC/Acc. Report I. of the IAC/Acq. Range-I, on August 1984

on August 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofmay be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Plot No. M-195, rear portion of first floor Greater Kailash-II. New Delhi, mg. 400 sq. yds.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 15-4-1985

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/83-84/1074.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 406 of 4th floor of 577 sq. ft. covered area in situated at 56, Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I,

on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the party s has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, sherefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mrs. Swarn Munjal and Mr. Sanjay Munjal and Necraj Munjal, R/o. B-151, East of Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. P. L. Dawer & Sons. 160, Katra, Nawab, Chandni Chowk, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Flat No. 406 on 4th floor of 577 sq. ft. covered area in 56, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Lelhi

Date: 12-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1075.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Road. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I,

on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the gonsideration for such between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) Sd. Man Mohan Singh Gill, E-151 East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kalawati Khanna, Miss Gladis Khanna (Minor), Miss Tanya Khanna (Minor) 6/27, West Patel Nagar. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Flat No. 6 on 10th floor Area 500 sq. ft. in 19, Barakhamba Road, New Delhi (Under construction).

> R. P. RAJESH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-4-1985

Seal:

#### FORM I.T.N.S .-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1761 1/43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Rcf, No. IAC/Acq I/37EE/8-84/1076.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1522-A at 89, Nehru Place, New Delhi, mg. 500 sq.

It, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been mansferred under the Income Tax Act, 1961, in the office of the

IAC Acq. Range-I, in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of ;---

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Broadway Tower (1) (P) Ltd. B-104-A, Greater Kailesh-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Neeru Jain W/o Shri N. C. Jain, D 35, Panthsheel Enclare, New Delhi-17

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1522-A at 89, Nehru Place, New Delhi-19, measuring 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

64 -46 GI/85

Date: 10-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Dr. Prit Pal Singh Bhatia, E-1/106, Lajpat Nagar-i, New Delhi-24. (Tr. nsferor)

(2) S. Jagat Singh & S. Suijit Singh, R/o A-97, New Friends Colony, New Delhi. (Transferes)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/8-84/1078.—Whereas, I. R. P. RAJI SH.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 812 at 89, Nehru Place, mg. 564 sq. ft situated at

New Delhi

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act 1961 in the Office of the IAC/Acq Range-I, in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-to 5 has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the salt Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 812 at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 564 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE, 8-84/1079,---Whereas, 1, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A Flat having an area of 3497 sq. ft. approx., consisting of 1771 sq. ft. on basement and 1726 sq. ft, on G.F. at S-339, G.K. 11, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 M/s. Panjwani Builders, Stall 7, Shankar Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dr. Suraj Medical Centre (P) Led., (Under incorporation) 92, Defence Colony, Flyover Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this necise in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of necios on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A Flat having an area of 3497 sq. ft. approx. cansisting of 1771 sq. ft. on basement and 1726 sq. fts. on ground floor at S- 339, Greater Kailash-II, New Delhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House 4/14A Assaf Ali Road,
New Delhi

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mr. Narinder Kumar,

28, Barakhamba Road, New Delhi-110001. (Transferor)

4C/2, New Rohtak Road, New Delhi-5.

(1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd.,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. J 37EE/8-84/1080.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Space 119, 94, in 'Dr. Gopal Das Bhawan' situated at Barukhamba Road, New Delhi-110001, ing. (super) 105.59

sq. 11.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under I. T. Act 1961 in the Office of the IAC Acq. Kange-I, in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trensferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; RM4 /Or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 94, in 'Dr. Gopal Das Bhawan' 28, Bara-Khamba Road, New Delhi-1, measuring (super) 105.59 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona. namely:—

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANCH-I, AGG NRWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF AUI ROAD, NEW DELHI

No Dett ti 1:00 April 1980

R [ N ] I' ( Acr ( '711 ' 91 100" -- Whereas, 1, R P RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4° of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable

property having a can market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Space No. 26 on L G F. in 'Dr Gopal Das Bhawan' situated at 28, Barakhamba Pond New Delhi-110001 (super) mg 172,73 sq tt.

fand more fully lescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I T. Act 1961 in the Office of the IAC Acq. Range-I, in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195" (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;---

(1) M s Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(2) Mrs. Har. D vr. Wadhwa w.o. Mr. Sukh R.m., Dass Wadhwa and Mrs. Surochana. Parwani. w.o. Mr. Suresh Parwani. c/o. M/s. Aildass Nebhomal, 3525, Qutab Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No 26 on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan' at 28 Barakhamba Road, New Delhi-110001, measuring (super) 172.73 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Alı Roud, New Delhi

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1082.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Space No. 12 on L.G.F. in 'Dr. Gopal Das Bhawan', situated at 28, Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring 140.78 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under I. T. Act 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Hıra Nand Wadhwa s/o Mr. Sukh Ram Das and Mrs. Renu Wadhwa w/o Mr. Murlı Dhac Wadhwa, C/o M/s. Anil Das Nebhomal, 3525 Qutab Road, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 12 on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan' 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001 measuring (super) 140.78 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1085.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 109 in Devika Tower, 6, Nehru Place, situated at New Delhi, measuring 210 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Raj Kumar Gupta, Mrs. Vecna Gupta, Mis. Vidya Gupta, R/o D-59, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Prasad & Co., 9/5, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 109 in Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, measuring 210 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-4-1985

# FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref No. IAC/Acq.1/37EE/8-84/1086—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing.

Flat No 304 'Ram House', A-18, Connaught Circus, situated measuring 578 37 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I. T. Act 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-1, in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) G Sitalakshmi w/o Sh. M. Ganesan and Shn T. G. Mahalingam 5/o Shri M. Ganesan, both R o 8A/70, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi-5.

New Delhi.

(12) M 's. Transocean Shipping Agency (P) Ltd., M-109 'Red Rose' 49-50, Nehru Place,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 304 'Ram House' A-18, Connaught Circus, New Delhi, measuring 578.37 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Fumely:—

Date: 11-4-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGG ARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1088.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing
Flat No. 702, on 7th floor in 15. Tolstoy Marg.
measuring 600 sq. ft, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under I. T. Act 1961 in the Office of the

has been transferred under I. I. Act 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such the consideration for such that the consideration is consideration and that the consideration for such that the consideration is consideration and that the consideration is consideration and that the consideration is consideration and that the consideration is consideration that the consideration is consideration and the consideration is consideration. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followmg persons, namely:---

(1) Shri O. P. Bhalla, Mrs. S. Bhalla and Miss Kiran Virmani all at G-15, Jangpura Extn., New Delhi-14.

(2) Shri Satish Bhasin, Mrs. Sharda Bhasin, Miss Shalina Bhasin and Master Sumit Bhasin, all R/o A-11, Ring Road, Naraina Vihar, New Delhi-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 702 on 7th floor in 15, Tolstoy Marg, New Delhi-110001, measuring 600 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I,
> Aggarwal House 4/14\(\Lambda\) Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-4-1985

Seal:

65-4601 '85

# FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37FE/8-84/1087.—Wherens, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe the action as immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

and bearing Basement No. 1, Red Rosc, 49-50 Nehru Place, mg. 1131 sq. ft. situated at New Delhi

sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I. T. Act 1961 in the office of the IAC/Acq. Range, in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tay Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s, India Apparels, C-113, Vasant Vihar, New Delhi-57.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Synthetics Ltd., 123, Mittal Chamber, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 1, Red Rose, 49-50, Nehru Place, New Delhi, measuring 1131 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1089,-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 207, 51-52, Nehru Place, mg. 195, sq. ft. situated at

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Gedore Tools (India) (P) Ltd. Gedore House, 51-52. Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Miss Vibha Dhawan d/o Sh. A. K. Dhawan R/o 28-A, D.D.A. MIG, Flats, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferco)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLINATION: -The terms and expressions used herein as so defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. 207,, 51-52, Nehru Place, New Delhi, measuring 195 sg. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ind.an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> R. P. RAJESH Competent Authority Acquisition Range-L Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhl.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 12-4-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Pragati Construction Co.,

(Transferor)

(2) M/s. Seth Family Trust & M/s. K. B. Lel Seth Family Trust, M-40, Grenter Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-J'AX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37-EE/1090/83-84.-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Commercial Flat No. 501B on 5th floor 'Devika Tower' situated at 6, Nehru Place, New Delhi, mg 500 sq it. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-J on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tran fer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Devika Tower, 4th Floor, Shetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other tessing rices ted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said **EXPLANATION** Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Alloted Commercial Flat No 501B on Floor 5th of Multistoreyed building. Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, measuring 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dato · 11-4-1985

The state of the s

 Mrs. Asha Rastogi, E-387, Greater Kailash-II, First Floor, New Delhi.

(2) Smt. Prabhawati Kadian,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1091.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing D.D.A. Flat No. 12, 2nd floor & 3rd Floor with garage situated at near RBI Flats at Vasant Vihar under sell Financing scheme mg. 113 sq. mt.

ing scheme mg. 113 sq. mt. (and more fully described to the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

D-294, Sarvodaya Enclave, New Delhi-17.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 flays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exertanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

D.D.A. Flat No. 12, 2nd & 3rd floor, with garage near RBI Flats at Vasant Vihar under Self Financing Scheme, measuring 113 sq. mtrs.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asat Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi ,the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1099.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 103-A at 22, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 350 sq. ft. situated at New Delhi

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office

of the IAC/Acq. Range-I on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

 Skipper Sales Private Ltd. Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) M/s. Radhika Investments, A-69, New Friends Colony, New Delhi-65.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103-A, at 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001, measuring 350 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1985

#### FORM ITNS.

(1) M/s. Magni Ram Baij Nath, Lakshmi Bhawan, Monghyr (Bihar)

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master Ashish Surna (Minor) U/G Sh. A. J. Sarna, R/o B-4/39. Safdarjung Enclave, New Delhi,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1103.—Whereas, 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R:, 100,000 and bearing No.

R. 100,000 and bearing No. Flat No. 1115, Arunachal, 19, Barakhamba Road, situated at New Delhi measuring 500 sq. ft. (and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the l. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I on August 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Officil Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1115, Arunachal, 19, Barakhamba Road, New Delhi, (under construction) mg. 500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 12-4-1985

Seal

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/8-84/1104.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Commercial Flat No. 1901-A. on 10th floor in Multistorcycl situated at building Devika Tower 6, Nehru place, New Delhi, mg. 1050 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1901 in the Office of the IAC/Acq. Range-I on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Pragati Construction Co., Devika Tower, 4th Floor, Shetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi

(Transferor)

(2) Col. Swaranjit Singh, Mrs. Raj Kanwar, Mr. Jasjit Singh and Mr. Narjeet Singh, 9, Ring Road, Lajpat Nagar-III, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Allotted Commercial Flat No. 1001-A, on 10th floor in multistoreyed bldg, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Dolhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/8-84/1105.--Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. A-304, at Palam Apartments Vill. Bijwasan, mg. 850 sq. ft. situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office
of the IAC/Acq. Range-I on August 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of: transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay as under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. name v :---66--46G1/85

(1) Singal Holding (P) Ltd. GF-19. Mansarover Building, 90, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Karni Kumari D/o Shri Madho Ram, C/o Rani Devendra Kumari The Place Chamba Chamba, (H.P.)

(Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. A-304 at Palam Apartments, Bijwasan, Delhi, mg. 80 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 12-4-1985

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delh-i110001 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sudesh Kumar Ohhabra, E-53, Masjid Moth, New Delhi-48.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/8-84/1107.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 35, on L.G.F. in Vijaya Bldg. at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 325.72 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has ocen transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-eble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 35, on L.G.F. in Vijaya Bldg. at 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 325.72 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice v aforesaid (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1108.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Space No. 11, on L.G.F. in 'Dr. Gopal Das Bhawan'

(Super) 140.78 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office. of the IAC/Acq. Range-I, on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ned/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) M/s. Gopal Das Estates & Housing Pvt. Ltd., 28. Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mr. Bhoj Raj P. Chimnani, S/o Lala Paman Das. N. Chimnani C/o M/s. Hemson Sales Corporation (India) 4597, Deputygani, Delhi-6.

(Transferée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 11, on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan' at 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001, mg. (super) 14078 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1109.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Space No. 20 on L.G.F. in 'Dr. Gopal Das Bhawan'
28, Barakhamba Road, mg. (Super) 385.75 sq. ft
situated at New Delhi-110001.

situated at New Delhi-110001, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the IAC/Acq, Range-I, in August 1984 for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Gopal Das Estates & Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001,

(Transferor)

(2) 1. Master Sudhi Chimnani, 2. Mst. Sumit Chimnani U/G of Mr. Lal Chand Chimnani (Father & N/G), C/o, M/s, Hemson Sales Corporation (L) 4597, Doputygani, Sadar Bazar, Delhi-6.

(Transferce]

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Space No. 20 on Lower Ground Floor in 'Dr. Gopal Dae Bhawan' 28 Barakhamba Road, New Delhi-110001, measuring (super) 385.75 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-New Delh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ast, to the following pences, namely:—

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/8-84/1110.-Whereas I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1204 measuring 560 sq. ft. in 89, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, in August, 1984 & for an apparent consideration which is less/than the fair market value of the aforesaid property and Libray, reason to

market value of the aforesaid property and Librare reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Ambika Mehta w/o Shri R. P. Mehta, R/o C-333, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Promila Khanna W/o Shri Tilak Rai Khanna & Mst. Lalit Khanna. Miss Anjali Khanna, Miss Pooja Khanna S/o Shri Tilak Raj Khanna, R/o E-89, Saket (Private, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1204, measuring 560 sq. ft. in 89, Nohru Place. New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1112.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Office Flat No. 605 on 6th floor, mg. 325 sq. ft. situated at multistoreyed building "Devika Tower" at 6, Nehru Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herato) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the IAC/Acq. Range-I. New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said. Add, he respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-han Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Kushal Grewal U/G Gurparshad Singh Grewal, R/o 653, Gurdev Nagar, Luhiana-141 001.

(Transferor)

(2) Smt. Sarbrinder Grewal, R/o 653, Gurdev Nagar, Ludhiana-141 001,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 605 on 6th Floor, measuring 325 sq. ft. in multistoreyed building known as "Devika Tower", 6, Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Aggarwal House,
4/14-A. Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 10-4-1985

(1) M/s. Guiral Estates (P) Ltd., 17. Barakhamba Road New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meena Bhargava, R/o A/11A, South Extension-I, New Delhi-49.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1113.---

Whereas I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. IGF-33, 17, Barakhamba Road, New Delhi, mg. 178.8
sq. ft, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of bransfer with the object of :-

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space On Lower Ground Floor-33, 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring (super) 178.8 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.
> Aggarwal House,
> 4/14-A, Asaf Ali Road,
> Delhi/New Delhi

Date: 10-4-1985

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

# FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. Guiral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Mitchi Properties and Investments ((Delhi) Pvt. Ltd. E-29, N.D.S.E. No.-II. New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1114.—

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Space No. 13 on L.G.F. in Vijaya Bldg., 17, B. K. Road mg. (super) 178.8 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-1, in August. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy more than exceeds the apparent consideration therefor by more than Mateen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Space No. 13 on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi, measuring (super) 178.8 eq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Impacting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 10-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTTION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1115,—Whereas J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Space No. 90 on L.G.F. in 17, Barakhamba Road situated at

New Delhi, measuring (super) 203 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed herete), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, it. respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any aconeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by that transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ion persons, namely ~

67-46GI/85

(1) Mrs. Surinder Kaur Chandan W/o Mr. Mohan Chandan, R/o 118. New Delhi House.

27, Barakhamba Road, New Delhi.

(2) Mr. Yashodhar Kumar Jain S/o Mr. M. S. Jain, C/o Mancek N. Dastur, R/o 85, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chamter.

# THE SCHEDULE

Space No. 90 on Lower Ground Floor in 17, Barakhamba Road, New Delhi, measuring Super Area 203 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1116.-

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing

Flat No. 501 on 5th floor in building under Construction at 22, Kasturba Gandhi Marg, mg. 555 sq. ft. situated at New

 $\mathbf{D}$ elhi

(and more fully described in the Schedule annoxed hardo), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, in August, 1984

of the IAC/Acq. Range-I, in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Sudhir Maheshwari S/o Mr. B. R. Maheshwari and Mr. Sunil Maheshwari S/o

Mr. Shyam Sunder Maheshwari, R/o C/o M ... B. R. Maheshwari & Co. (C.A.), Mahabir Bazar, Cloth Mkt., N. Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Sudershana Mehra W/o Mr. Satya Pal Mehra and Smt. Rashmi Mehra W/o Mr. Sanjeev Mehra, 5-C/8, New Rohtak Road, New Delhl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 501 on 5th floor in Building under construction at 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, covered area 555 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi

Date: 11-4-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1119,---Whereas I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-

property, having a fair market value exceeding As. 100,000/and bearing.

Off. Flat No. 1006 on 10th floor, mg. 325 aq. ft, in multistoreyed building known as 'Devika Tower', 6, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Aca, Range-I, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; und|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. East India Commercial Co. (P) Ltd., 11th floor, New Delhi House. 27-Barakhamba Road, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. International Pumps & Projects (1) Pvt. Ltd., C/o 9-Ring Road, Lajpat Nagar-IV, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Flat No. 1006 on 10th Floor, measuring 325 sq. ft. in multistoreyed building known as "Devika Tower", 6. Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.
> Aggarwal House,
> 4/14-A, Asa. Ali Road,
> Delhi/New Delhi

Date: 11-4-1985

# FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

# New Delhi, the 12th April 1985

**Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1120.**—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Re. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 1001 on 10th floor, mg. 460 sq. ft. in multistoreyed building known as 'Devika Tower', 6, Nehru Place situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. East India Commercial Co. (P) Ltd., 11th floor, New Delhi House, 27-Barakhamba Road, New Delhi

(Transferor)

(2) Col. Swaranjit Singh. Mrs. Raj Kanwar W/o Col. Swaranjit Singh, Mr. Narjit Singh & Mr. Jasjit Singh S/o Col. Swaranjit Singh, R/o 9, Ring Road, Lajpat Nagar-IV, Now Delhl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever pariod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officila Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Flat No. 1001 on 10th floor, measuring 460 sq. ft. in multistoreyed building known as 'Dovika Tower', 6, Nehru Place, New Dolhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 12-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 2690 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

**Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1122.**—Whereas I, R. P. RAJESH,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Upper basement area 350 sq. ft. approx in building No. 22 situated at Barakhamba Road, New Delhi (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I. New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Skipper Sales (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Davinder Pal Singh & Smt. Satinder Kaur, R/o Dakhni Rai Street, Daryagani, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Upper basement area 350 sq. ft. approx in building No. 22, Barakhamba Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Deto: 15-4-1985

#### FORM ITNS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/8-84/1123.— Whereas I, R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 310A at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I. New Delhi in August. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Skipper Sales (P) Ltd., Skipper Bhawan. 22. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Ajay Chhabra & Master Sandeep & Natural Gardian Shri S. K. Chhabra, E-53, Mashid Moth, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 310A at 22, Barakhamba Road, New Delhi. measuring 140 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-4-1985

(1) Mrs. Rashmi Prabha, A-30. N. D. S. E-II, New Delhi-41.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. G. P. Bhatla, Mrs. Usha Bhatia, Mrs Madhu Bala Bhatia, Mrs. Anita Bhatia, R/o Bankey Bhawan, 5-U.A., Jawahar Nagar, New Delhi-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/8-84/1125.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 711, 21, Barakhamba Road, mg. 420 sq. ft. situated at New Delhi.

at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi in August, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Flat No. 711 measuring 420 sq. ft. in 21, Barakhamba Road New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquuistiion Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Dehli.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-4-85, Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/8-84/1126.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Residential Unit on First Floor of S-225 situated at Greater
Kailash-II, New Delhi, measuring 300 sq. yds
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of
the IAC/Acq. Range-I, New Delhi in August, 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of:—

- (a) fucilitating the redunction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Chander Kanta, C-80, Panchsheel Enclave. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inder Bir Singh Chhabra, S/o Shri Pritpal Singh, F-22, Model Town, Delhi-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Residential Unit on First Floor of S-225. Greater Kailash-II New Delhi, measuring 300 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commiss oner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-4-85.

# 0582D

# FORM ITNS

(TOTAL THE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIAC WOM

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUSTION RANGET, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/8-84/1127. Whereas 450 RAJESH.

Ref. Roll RAJESH.

Ref. Rajesh.

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/8-84/1127. Whereas.

Ref. No. IAC/Acq. IAC/Acq. IAC/Acq. IAC/Acq. IAC/Acq. IAC/Acq. IAC/Acq. IAC

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 1104 on 11th floor 89, Nehru Place, mg. 560 sq. ft. situated at New Welhi.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transfered under the K TOAG, 1967 in the Office of the fACC Acq. Range A New Delhi in Argust; 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has 160 Been truly stated in the said instrument of transfer with object truly stated in the said instrument of transfer with object truly stated in the said instrument of transfer with object truly a said instrument of truly and the said instrument of truly a said in truly a said instrument of truly a s

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

hite W. And the pursuance of Section 269C of the said Mide I Wereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—68—46GI/85

(1) M/1.1 Paise Restaurant C/o York Hotel, Connaught Place, New Delhi-1.

(Vondacty)

(2) M/s. Shikhar Cements 1206, Chicagiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the indentified i...

- (a) by any set that had been period within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the 'Official' Gazette of \( \) a period of \( \) of \(
- (b) by any other person interested in the said interested; able property, within 45 days from the tate, still publication of this notice in the Official (Secretary)

EXPLANATION: The terms and expressions the lergin as defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the thine meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Flat No. 1104 on 11th floor at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 560 sq. ft.

IR. P., RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 15-4-85. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan,
 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhn Nanda W/o Mr. Ashok Kumaz Nanda, R/o R-710, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMER-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/8-84/1128.—Whereas, J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and begring

Flat No. 610-A at 22, B. K. Road, mg. 140 sq. ft. situated at

New Delhi. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi in August, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax xunder the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 610-A at 23, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 140 aq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 12-4-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/8-84/1129,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 510-A, at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I. New Delhi in August, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern any court of such apparent consideration and that that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration and that the consideration is the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Agt, in respect of any income arising from the transfer; respect and /or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1952)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely:—

(1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sneh Prabha Dhingra W/o Shri Ashok Dhingra, 599, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objectoins, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immov-able property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as evien in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 510-A at 22, Barakhamba Road, New Delh,i measuring 140 sq. ft. (Under construction).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-4-85. Seal :

# FORM HENDS (1)-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INTERIOR

OFFICE OF THE "INSPECTING" ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

AGOHISTEIGHORANGEA, AGGIR WAD HOUSE, 24/14-A; ASAF MALI ROAD. [NEW BEEHT]

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/8-84/1130.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

"Noting I thing Configure the Authority ounder Sterious" 26916 of the Iduority thing Configure in 1891 (44) of 1951 (hereinates) referred to as the subtract of the reason to believe in that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 308B at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range I. New Delhi in August, 1984.

"Market value of the afforesaid property and I have reason to reconstruct the fair market value of the afforesaid property and I have reason to reconstruct the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration interefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

'(Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Skipper Splon Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Karagara)

(2) M/s. Sona Enterprise, A-1/149, Inderpuri, New Bellik, 1

(Transferce)

Objections, in any, to the acquisition for the maid property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the acroice of notice on the respective persons, whichever purson applies factor,
- (b) by any other person interested in the said immovfable property; within 45 they from the date of the said said of the motion in the Official Gazettell

The Republic and the Republic and the Republic and Republ

# THE SCHEDULE

Fire Wan 308Br at 128 Barakhamba Road, New Delhi, mea-2001 ing 1440 201-1412

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Supvojioj -quDote spa**a-ws**ige

# FORM JTNS (1)

# MOTIGE: ENDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT. 1961:442000 4961)

# COVERNMENT OF INDEED

#### New Delhi, the 12th April 1985

tas he are of the alonestid persons within a period of weige in the confidence of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 708B at 22. Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. Hat 100. 708 at 22. Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi.

Shapulitic of a result of the first schedule annexed hereto).

Has been problement inder the first Act. 1961 in the Office of the IACART. Range Prince Delhi in August, 1984. fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considuration therefor by more than exceeds the capparent consideration therefor by more than consideration therefor by more than consideration therefor by more than consideration that the said instrument of

in that Chapter, to tooldo at this releasest

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any micome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act sub-the following persons, manualy :---

(1) Sidypem in Private Ltd., Skipper Bhawan, 22. Barakhamba Road, New Delhi.

A(Transferot)

(2) M/s. (Soffe Balefenises) A-1/149, Inderpuri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if cany, the this acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afterest present present within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of all days from 1666 minima of bantice minimathe minespective : ) persons, whitehover period expires later;
- (b) by any about person, interested in the hald simulated improperty, within a 45. days, second the Addth of the publishmont tille motice in the Official Otherwol

are defined in Chapter And of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 708B, at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 140 ag. Ar

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

2 A-B3.

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/8-84/1132.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

heing the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 608B at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delbi

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi in August, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other mesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Skipper Sales Private Ltd.. Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road,

(2) M/s. Sona Enterprises, A-1/149, Inderpuri, New Delhi,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquiction of the still property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aferentic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gaussie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 608B, at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 140 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-4-85.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84 1133 .- Whereas, I, R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the said Act) have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 100,000/- and bearing Flat No. 1008B at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft.

Flat No. 1008B at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transfered under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I, New Delhi in August, 1984, for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

 Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan,
 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sona Enterprises, A-1/149, Inderpurl, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1008B, at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 140 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 12-4-85,

Scal :

# HORNSTANING (I)

NOTICES UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961\*\* OF THE INCOME

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE PROPECTING ASSTIT COMMENCEMENT OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I
TO DOMINAR WAIT HOUSE A PERIOD ASARDAUFRICATE
TO NEW TIELFIE

New Delinis the lifth April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/8-84/1134.—Whereas, I. R. P. RAIESH, being the Completent Authority on the Section 2016 (if the Institute wife and Act). 1961 (AD of 1961) (hereinster referred to as the Stall Act), have transfer to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing. Flat No. 210A at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated 1978 at 1984. Bettic fully described in the Sebeluk annexed hereto). In the Confice of the IAC/Acq. Range-I, New Delay in Adigist, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which outlief to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income the Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(I) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi...

(Ttabbletor)

(2) Buby Soliia (2)
D/o Shri Giri Raj Gupta,
R/o B4A/9, Rana Rratap Bagh,
New Delhi-7...

Objections, if any an the mominion of the wald property may be made in writing to the understand:--

(a) by any of the aforesaid nersons within a period of the front the date of publication of the potice in the Official Gazette or a period of the days from the service of notice in the respective period of the respective period of the lates.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pissing carlon of this notice in the different on bia)

EXPERIMENTION: The series and expressions used herder as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 210A at 22. Barakhamba , Road, New Delhi-1

R H)RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 15-4-85

THE PROPERTY WAS A SECOND CONTRACT OF THE PARTY.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EF/8-84/1140.—Whereas, 1,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1005 on 10th floor mg. 542 sq. ft. in 22, Kasturba Gandhi Marg, sinaetd at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the L.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I on August, 1984. lor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the copsideration for such manafer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) tacilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

69-46GI/85

(1) Shri C. B. Aggarwal (HUF), Karta Vivek Aggarwal, R/o 20/1, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Premium Linkers Ltd., 21/21, Daya Nand Marg, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1005 on 10th floor, measuring 542 sq. ft. in 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f New Delhi

Date: 12-4-85

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. JAC/Acq.I/37EE/8-84/1141.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 710A at 22, Barakbamba Road, New Delhi-1. mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I on August, 1984.

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001,

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Khurana S/o Shri Shori Lal Khurana, R/o 2882, Bazar Sirkiwalan, Ouazi House. Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 710A at 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001 mg. 140 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I New Delhi

Date: 12-4-85

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1142.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 2e.b. of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Upper First Floor at B-81, situated at Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 1105 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. Range-I on August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-mx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

(1) M/s. Kishan Sarup (HUF) and Shri Dinesh Khattar, A-34, South Extension-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Rajender Kumar Aggarwal S/o Shri Bachna Mal Aggarwal, C/o Shri Anil Jain. 24/12, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and engreentens used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Upper First Floor at B-81, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 1105 sq. ft.

R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi

Date : 12-4-85 Scal:

#### FORM NO. 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37F.E/8-84/1145.--Whereas, 1,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing

Flat No. 314 in proposed multi-storeyed bldg situated at 22, Kastu ba Gandhi Marg, New Delhi, mg. 542 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the I. A. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. R-I in August, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ant. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, o he following persons, namely :-

(1) Gobind Lal Sukhija & Sons (HUF), WZ-196, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferer)

(2) Shii S. R. Chanana and Shii Akash Chanana, R/o 19-Ring Road, Lajpat Nagar-IV, (Opp. MCD office). New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (A) by no of me aronessic betsoms supply a belief of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whicheves percent expires later;
- (b) by any what person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- I no terms and expressions used begoin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat blo. 314 in proposed multi-storeyed building at 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, measuring 542 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/11A, Asaf Ali Road New Delhi

Dae: 10-4-85

Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Pragati Construction Co., Devika Tower, 4th floor Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Satish Kumai Gupta, 1-10, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delbi, the 10th April 1985

Ret. No. IAC/Acq.1/37EE|8-84/1151.-Whoreas, I. Ret. No. IAC/Acq.1/37EE|8-84/1151,—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authorit yunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Commercial Flat No. 133 on 1st floor in Mulustoreyed situated at bldy. Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.F. Act, 1961 in the Office the IAC/Acq. R-1 in August, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the populty as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by merthan fifteen per cent of such apparent consideration and tout the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evaluon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income on an moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Whoted Centrally Airconditioned Commercial Flat No. 333 on 1st floor in Multistoreyed Bldg. Devike, Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, mg. 331 sq. ft. (Approx.).

R. P. RAJESII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date : 10-4-85 Seal ·

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA\*

(1) Shri Kailash Nath Sood S/o Late Shri Bishamber Nath, R/o C-587, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Mrs. Relina Kumar W/o Kushal Kumar, N-2, Market, Greater Kailash-I.

fli

New Delhi.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1152.--Whereas, J, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (he cinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 210, 2nd floor Tolstov House, Tolstoy Marg situated

Flat No. 210, 2nd floor Tolstoy House, Tolstoy Marg situated at New Delhi, measuring 455 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office the IAC/Acq. R-I in August, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of tas notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 210, 2nd floor, Tolstoy House, Tolstoy Marg, New Delhi, measuring 455 sq. ft.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-4-85

Seal:

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ashish Bansal (Minor), A-400, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Arun Prakash Setia (HUF) and Master Gaurav Setia S/o Arun P. Setia, R/o Om Sons, Street-9, (ABOHAR) Punjab,

(fransferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/8-84/1153.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. F. F. 3 on 1st floor mg. 246 sq. ft. in situated at Anupum Cinema Complex, Saket, New Delhi-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. R-I in August, 1984.

for an apparent consideration which is sess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D (" the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plat No F. F. 3 on 1st floor measuring 246 sq. ft. in Anupum Cinema Complex Saket, New Delhi-17.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 12-4-85

Seal :

program controls to AMP a seekas to be a common may be used to the

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37F1'/8-84/1154 —Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No. 1/lat No. 208B at 22, Barakhamba Road, mg. 140 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. R-I in August, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair marke, value of the all property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the imenity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian income-tax. Act, 1822 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4rt, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Skipper Sales Private Ltd., 22, Barakhamba Road, New Della 110 (01)

(Transferor)

(2) Mrs. Mohica Gulati W. o. Shri. Rakesh. Gulati, R./o. 65/15, New Rohtak Road, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property has be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flot No. 208B at 22, Barakhamba Road, New Delhi, men-, suring 140 sq. ft

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Roud
New Delhi

Frate: 12-4-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/8-84/1155.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Property No. E-45/3, Okhla Industrial Area Phase-II situated at New Delhi measuring 4908 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC/Acq. R-I in August, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—
0—46GI/85

 M/s Parvez Engineering Co., L-45/3, Ωkhla Industrial Area Phase-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. SSM Exports (P) Ltd., 42-A, Friends Colony, East, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. E-45/3, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi-20, measuring 4908 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Del

Date: 12-4-85

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-UI/8-84/473-D.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Property No.- B-1/11, Vasant Vihar, New Delhi, mg.

15846

600 Sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the neome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any shoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby latitate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:

(1) Mrs. Radha Rani Barman (2) Mr.
Ashok Kumar Barman, (3) Mrs. Manjari Kapur,
(4) Mrs. Malati Burma. (5) Mrs. Mallica
Barman Roy (6) Mr. Arun Kumar Burman all r/o 123, Navjiwan Vihar, Mehrauli, Now Delhi.

(Transferor) -

(2) Smt. Navjeet Kaur Bahia w/o Sh. Paramjit Singh Bahia, R/o A-20, West End, New Delbi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publishation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property No. B-1/11, Vasant Vihar, New Delhi, measuring 600 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

#### FORM TENS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC Acq.I|SR-III|8-84|474.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Govt. Built Property No. II-B/14, built on 200 sq.

yds.

situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to oblieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Sh. Jagdish Chander Bhalla s/o Sh. Bishan Singh, R/O II-B/14, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)

 Sh. Vijay Kumar Gupta s/o late Sh. O. P. Gupta, R/o 3113, Gali Texalian, Bazar Sita Ram Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Govt. Built property No. II-B/14, Lajpat Nagar, New Delhi, built on 200 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-I Delhi/New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref., No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/475.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. F-62, niea 200 sq. yards, situated in

Kalkaji, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:-

- (1) Tirlok Nath Kumar s/o Sh. P. R. Kumar, R/o E-370, Greater Kailash-II New Delhi, general attorney of Sh. K. L. Sachdeva. (Transferor)
- (2) Sh. Das Raj Tuteja s/o Shri Hansraj Tuteja R/o F-62, Kalkaji, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property No. F-62, area 200 sq. yds. situated in Kalkaji, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date 9-4-1985 teal:

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/476-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Agr. land mg. 10 Bighas and 2 Biswas, situated at

village Bijwasan, Teh. Meh. New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby mainter proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Surje s/o Sh. Jug Lal, Village Bijwasan, Teh. Mchraupi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. L. M. Thapar s/o Late Sh. Karam Chand Thapar R/o 40, Amrita Sher Gill Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Agricultural land bearing khatauni No. 570 Khasta Nos. 42-2/3, 42/9, 42/10 and 42/11, admeasuring 6 Bighas and 10 Biswas (Sade Rakba) and 3 Bighas and 12 Biswas (Standard Rakba) thus totalling 10 Bighas and 2 Biswas situated in the revenue estate of village Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Delhi/New Delhi

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/478.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. Plot No. S-462, Greater Karlash-I, New Delhi, mg 208

sq. yds. situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, toi the following persons, namely : --

- (1) Dina Nath Mast, Surinder Nath, G-2/17-18, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Chander Kanta w/o Sh. Sh. Ashok Kumar, R/o C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. S-462, Greater Kailash-I, New Delhi Area: 208 sq. yards.

> R. P. RAJESH Cmpetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Delhi/New Delhi

#### FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II1/8-84/482.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II1/8-84/482.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Basement and G. F. of property No. Commercial bldg. situated at No. M-64 'M' Block market, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 195 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; iid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Anita Gupta W/o Shri Pravin Gupta, R/o A-11, Greater Kailash Enclave-II. New Delhi.

(Transferor)

(2) Yudhistar Lal H,U.F. through Sh. Yudishtar Lal Karta and Y. S Pal Family Trust through Sh. Yudishtar Lal Trustee of the Trust, R/o S-249, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madee in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement and Ground Floor of property bearing No. Commercial bldg. No. M-64, 'M' Block Market, Greater Kailash-II, measuring 195 sq. yds. New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Anand Swaroop Sharma s/o Pandit Ramji Das, R/o C-136, Greater Kailash-I, New Delbi.

(Transferor)

(2) Miss Roopa Arora d/o Dr. J. S. Arora R/o S-5, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/8-84/484.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-136, Greater Kailash-I, measuring 310.2 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s-The term and expressions used heren at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Property built on a plot of land admeasuring 310.2 sq. yds. bearing No. 136, in Block 'C' in Greater Kailash Part-I. New Delhi.

> R. P. RAJESH Cmpetent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/Ne.v Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-4-1985

Seal:

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-85/485 —Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No. Property No. II-E/92, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ceason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfernad/or
- (b) facilitying the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-71-46GI/85

(1) Smt. Ramo Devi w/o Late Sh. Hari Pam Vig, r/o II-E/62, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(1) Sh. Payan Chaudhary 3/0 Sh. P. R. Chaudhary, presently R/o II-L/12. Lapat Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Au. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property No. 1I-E/92, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f Delhi /New Delhi

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSH, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/487.--Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. M-5 (Shop) Greater Kadash-II, mg. 195 cq. yds. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:— (1) Sh. Durga Dass s/o Sh. Behari Lal R/o S-31, Greater Kailash-I., New Delhi.

(Thansferor)

(2) Smt. Kushala Devi w/o Sh. Naresh Chand, R/o M-3, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11 storeyed building M-5(Shop) Greater Kailash-I, New Delhi measuring 195 sq. yards.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Delhi/New Delhi

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/489.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Property bearing No. I measuring 500 sq. yds. In Block No.

'I' Fast of Kailash, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Mam Chand Saini s/o Sh. Daulat Ram, R/o 3161, Kucha Taja Chand, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor),

(2) Sh. Shanti Swaroop Gupta s/o Late Lala Raghbar Dayal, R/o 4275, Gali Babuji, Pahari Dhiraj, Delhi-6.

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any orner person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 10, in Block No. 'F' East of Kailash New Delhi, measuring 500 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 10-4-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Chander Kanta w/o Ashok Kumar C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) P. S. Dhinga s/o late S. Tikan Singh, R/o K-32, N.D.S.E. II, New Delhi. (Tansferee)

# COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/490.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Ground floor of property No. S-225, measuring 300 situated at sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ground floor of Property No. S-225, measuring 300 sq. yds, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegard property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Date: 8-4-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

 Smt. Chander Kanta w/o Sh. Ashok Kumar, R/o C-80, Panchsheel Enclave, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Inder Bir Singh s/o Sh. Pritpal Singh Chhabra, R/o F-22, Model Town, Delhi.

(Tansferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Now Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq:I/SR-III/8-84/497.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

No. First Floor of S-225, Greater Kallash-II, New Delhi situated at with 35% share in plot mg. 300 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the

Competent Authority New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- I'he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# THE SCHEDULE

First Floor of building No. S-225, Greater Kailash-II, New Dolhi comprising of 3 Bed Room with attached baths, Kitchen Drawing Dining, servant room, parking with 35% share in the plot measuring 300 sq. yds (249 sq. mts.)

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/492.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 / and bearing

No. Plot No. S/253 area 166-83 sq. meters situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-t... Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Surjit Kaur w/o Sh. Surjit Singh, R/o M-13, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Pankaj Pawha s/o Shri Satish Kumar Pawha R/o 9, Qutab Rad, Ram Nagar, New Delhi-55.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA/of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. S/253 area 166/83 sq. meters. in Greater Kallash-I, New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Delhi/New Delhi

Date: 11-4-1985 Scal ::

FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delh,i tee 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/493.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.'
No. Block S. 168, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 2700

sa. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income maining from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

- (1) Sh. Sudarchan Aggarwal, E-476, Greater Kailash-II, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Santosh Kumar. Mrs. Renu Vij, Master Raj Kumar, all R/o A-5/1, Rana Partap Bagh, New Delhi.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground Floor and Basement of Building No. S-168, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 2700 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date : 8-4-1985 Seal ::

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84/493-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Portion of property bearing Mpl No. 8242-8243, mg. 400 sq. ft. situated at Prem Hou e. C-Block, Connaught Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Sampuran Singh s/o S. Sunder Singh, S. Baldev Singh s/o S. Sampuran Singh & S. Gurchardeep Singh s/o S. Sampuran Singh, all r/o C-25/9, Connaught Place, New Delhi (Transferor)
- (2) M/s. Usha Enterprises through its partner Sh. A. N. Kapoor, s/o Shri H. C. Kapoor, R/o 15/8, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of property bearing Mpl. No. 8242-8243, measuring about 400 sq. ft. situated at Prem House, C-Block, Connaught Place, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

#### FORM ITNE

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISCOMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, NEW DELHI ASAF AJI ROAD,

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/494.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. E-359, Greater Kailash-II, situated at New Delhi,

measring 250 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 26 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--72-46GI/85

(1) Shri Satydev Khosla and Satish Kumar Khosla (HUF) Karta, R/o P-23, South Extention -II. New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Ashok Asii

(2) Vaneet Asri
(3) Dharamvir Asri,
R/o J-33, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period supires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. E-359, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 250 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Aarf Ali Road, New Delhi

Date: 10-4-1985

Seel:

(1) Sh. Chandroo s/o Sh. Risal Village Kotla-Mubarakpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nahata Group of Builders & Financiers Pvt. Ltd. 537, Katra Neel. Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/498.--Whereas I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property Mg. 487.4 sq. yds. falling in Kh 86 situated at Revenue Estate of Kotla Mubarakpur, Teh Meh. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

of the Competent Authority
New Delhi on August 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o 12 period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property measuring 487.5 sq. yds. falling in Khasra No. 86, situated in Revenue Estate of Kotla Mubarakpur, Tebsil Mehrauli, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Deto: 10-4-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-84|499.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Property mg. 487.5 sq. yds. falling in Kh. No. 86 situated at Revenue Esatte of Kotla Mubarakpur, Teh.

Meh. N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of counter with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Chatru s/o Sh. Risal Village Kotla Mubarakpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Nahata Group of Builders & Financiers Pvt. Ltd., 537, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property measuring 487.5 sq. yds. falling in khasra No. 86, situated in the Revenue Estate of Kotla Mubarakpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-4-1985

Seul:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF NCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/500.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property mg 487.5 sq. yds. falling in kh. No. 86 situated at Revenue Estate of Kotla Mubarakpur, Teh. Meh. N. Delbi.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per dent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Lachuu s/o Sh. Risal, Village Kotla Mubarakpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Nahata Group of Builders & Financiers Pvt. Ltd., 537, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if sny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property measuring 487.5 sq. yds. falling in kh. No. 86, situated in the Revenue Estate of Kotla Mubarakpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-4-1985

Seal:

FORM NO I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/505.—Whereas I. R. P. RAJESH.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property mg. 484.5 sq. yds. falling in kh. No. 86, situated at Revenue Estate of Kotla Mubajakpur, Teh. Mehrauli, New Dalhi

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Harbans s/o Sh. Rizal, Village Kotla Mubarakpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/3. Nahata Group of Builders & Financiers Pvt. Ltd., 537, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property measuring 487.5 sq. yds. falling in khasra No. 86, situated in the Revenue Estate of Koda Mubarakpur, Theil Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-4-1985

Seal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-HI/8-84/501 — Whereas I.

Ref. No. IAC/Acq. 1/SK-111/6-04/301—wineless (R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

I share in 21 storeyed house No. M-285 G.K.-II, situated at

New Delhi, mg 400 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority New Delhi on August 1984

New Delin on August 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any mooms or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Pushpa Aggarwal w/o Sh. Harish Aggarwal, R/o G-43, Masijd Moth, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Kumar Goyal s/o late Sh. Sadhu Ram Goyal, Smt. Krishna Goyal w/o Sh. Ram Kumar Goyal, Sh. Ashok Kumar Goyal, s/o Sh. Ram Kumar Goyal, all r/o M-285, Greater Kailash-II, New Delhl. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half share in 24 storeyed house No. M-285, Greater Kailash-II. New Delhi measuring 400 sq. yds. approximately.

R. P. RAJESH Compatent Authorny, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following POTMAND, MARRIED Y

Date . 8-4-1985

Seul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84, 502.--Werens I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a, the said Act') have reason to believe that the immovable r. p said, hiving a fair market value exceding to 100 000/- and bearing No.

I share in 25 storeyed house M-285, G.K.-II, situated at New

Delhi. mg. 400 sq. yds.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the J.T. Act, 1961 in the office of the Competent

New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 Sh. Harish Aggarwal 6/0 Late Sh. Shambhu Dayal, R/o G-43, Masjid Moth, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Kumar Goyal s/o late Sh. Sadhu Ram Goyal, Smt. Krishna Goyal w/o Sh. Ram Kumar Goyal, Sh. Ashok Kumar Gopal s/o Sh. Ram Kumar Goyal, all r/o M-285, Greater Kailash-II, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share in 21 storeyed house No. M-285, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 400 sq. yds. approximately.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 8-4-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84 '503.-Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000/and bearing No.

Govt. built property No. D-IV-61, Dayanand Colony, situated

at Lajpat Nagar, New Delhi, mg. 100 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shakuntla wevi w/o Sh. (late) Shadi Lal Suri, A-1, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gurminder Kaur Duggal w/ Sh. Daljt Singh, R/o B-IV/61, Dayanand Colony, Lajpatnagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Govt. built property No. D-IV/61, Dayanand Colony, Lajpat Nagar, New Delhi, mg 100 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date . 8-4-1985 Scal:

 M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, Now Delhi-110 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/506.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Agr. land mg. 12 Bighas and 14 Biswas, situated in village

Bijwasan, New Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of , 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (x) facilitating the reduction or evesion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

73-46GI/85

(Transferce)

(2) Sh. Sohan Singh s/o Sh. Jwala Singh, R/o A/32, Vasant Vahar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- person interested in the 'said (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 Bighas 14 Biswas comprised in Rect. No. 83, 1(4-6), 10(3-14), 11(1-12) and Rect. No. 84, 5(0-18), 6(1-2), 15(1-2) situated in village Bijwasan, New Delhi.

> R., P. RAJESH Competent Authority Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI'ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84 507.—Whereas I,

k. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.06,000/- and bearing No. Agr. land mg. 2 Bighas comprised in Rect. No. 84 situated at Kila No. 4, min., (0-18) and 7(1-2) situated in vill. Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on August 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such transfer as agreed to between the profiles have not been trulied to the consideration of the profiles have not been trulied to the consideration of the profiles have not been trulied to the consideration. the parties has not been truly stated in the said, instrument than fitteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accommittee of the aforesaid property by the issue of this control of details section (1) of Section 269D of the said A to be followed: persons namely: --

- (1) M/s. Delhi Tower & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001. (Transferor)
- (2) Mrs. Renu Puri w/o Mr. Satinder Puri, Mr. Satinder Puri s/o Mr. Kewal Kishan Puri, Mr. Dhruv Puri S/o Mr. Satinder Puri, c/o Tata Tea Ltd., 1, Bishop Lafroy Road, Calcutta-700 020. (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of hte said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 Bgihas comprised in Rect. No. 84 Kila No. 4 min (0-18) and 7(1-2) stiuauted in vilage Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal Hous. 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/508.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Agr. ka.d measuring 12 Bighas situated in village Bijwayan, New Deihi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Ollice of the registering Officer at New Delhi in August 1984

New Delhi in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of any the tennaferen for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s .Cyall & Co. (Const) (P) L(1, 115, Anod a hawan, 16, hinsumbe Gandhi Marg, 17cv. Leha-11(1/o1).
  - (Transferor)
- (2) M/s. Los Minadia India (P) 1.td., 34, Mittal Chamber, Pariman Point, Bombay.

----

(Transferee)

Objections, it and to the angleton of the and property may be made in writing to the maderograph to-

- (a) by m, of the remember of the a period of 45 days group to do not be believed of this notice in the Official trace to a period of 30 days from the service of nones on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person into ester in the "aid immovable property with, is dayn from the date of the publication of the is seen and Official Guzette.

EXPEANATION :- The time also pressed from herons as Anchoral XXX process to be a second of the context of the c shift have the some maning as given in that Changer.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing his ris No. 176 min measuring 12 Bighas situated in village Bijwasan, New Delhi,

R. P. RAJESH Competent\_Authority Inspectnig Assistant commissioner of Income-tax Acquisition Range-Aggarwal House 4/14A Asat Ali Roud, New Delhi

Date: 9-4-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/509.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agr. land mg. 12 Bighas comprised in Rect. No. 7 Kila No. 13(4-16), 18(4-12), 28(0-04) and 17(2 08) situated in vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason which is less than the fair to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Jeeti Dilbagh Singh w/o Sh. Dilbagh Singh, Sh. Malvinder Singh s/o Sh. Dilbagh Singh, C-24, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 Bighas comprised in Rect. No. 7 Kila No. 13(4-16) 18(4-12), 28(0-04) and 17(2-08) situated in village Bijwasan, New Delhl.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 9-4-1985 Seal :

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. Mohan Singh s/o Pyare Lal village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh Daryao Singh s/o Jug Lal, Gosian Khera, Jind (Haryana).

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/510.---Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land mg. 15 Bighas and 18 Biswas situated in village Bywasan, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 c. 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly tated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tal. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 bighas and 18 biswas, M. No. 17, killa No. 19(4-12), 20(1-2), 21(4-16), M. No. 18, killa No. 25(5-8), village Bijwasan, Tch. Mehrauli, New Delhl..

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 8-4-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, A5AF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/511.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. 'Agr. land mg. 22 Bighas and 19 Biswas, situated in village Bijwosan, New Delhi

Bijwasan, New Delhi (and more rully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sh. Udmi Ram and Sh. Bhim Singh Se/o Paras Ram, r/o Village Rajokri, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands admeasuring 22 Bighas and 19 Biswas comprised in Rectangle No. 43 Kila Nos. 8(4-16) 9 mm (1-16), 12(4-16), 13(4-16), 18(4-16), 19(1-19) situated in village Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 8-4-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/512.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

Agr. land admeasuring 45 Bighas and 8 Biswas, situated at

village Bijwasan, Teh. Meh. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sh. Udou Ram, Sh. Bhim Singh, Sh. Muni Ram and Sh. Vasdev Ss/o Sh. Paras Ram, Village Rajokri, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands admeasuring 45 Bighas and 8 Biswas comprized in Rectangle No 43 Kila Nos. 11(4-16), 19(2-19), 21(4-16), 22(2-10), 20(4-16), Rectangle No. 44 kila No 15-(2-08), 16(4-11), 25(4-10), Rect. No 78 kila No. 5(2-08), 6(2-06), Rect. No. 79 Kila No. 1(4-16), 10(4-12) situa ed in village Bijwasan, Teh. Mehiauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons namely :---

Date: 9-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/513.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 100,000/- and bearing

Agr. land mg. 10 Bighas 09 Biswas situated at village Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

 Mrs. Renu Puri w/o Mr. Satinder Puri, Mr. Satinder Puri s/o Mr. Kewal Kishan Puri, Mr. Dhruv Puri s/o Mr. Satinder Puri, C/o Tata Tea Ltd.,
 Bishop Lefroy Road, Calcutta-700 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 10 Bighas 09 Biswas comprised in Rectangle No. 84 Kila No. 5(3-1), 6(3-14), 15(3-14) situated in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 9-4-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/514.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No.

Agr. land mg 7 Bighas 5 Biswas situated at Village Bijwasan,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liabilityof the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

74--46GI/85

(1) M/s Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Perfect Power Systems (P) Ltd., 1/25, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtraigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 Bighas 5 Biswas comprised in Rect. No. 77, Kila No. 24(3-1), 25(4-4) situated in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-4-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVÉRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/515.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agr. land mg. 4 Bighas and 16 Biswas situated in Village Bijwasan, New Delhi

and more fully described in the Schedule annexed (hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Perfect Power Systems (P) Ltd., 1/25, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The Cernis and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 Bighas 16, Biswas comprised in Rect. No. 77 Kıla No. 16(4-16) situated in village Bijwasan, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-4-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/516.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market lavue exceeding Rs. 100,000/and bearing

Agr. land mg. 12 bighas and 4 biswas, in village situated at Bijwaran, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Dethi Towers & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Bawa Vikram Singh s/o Bawa Gyan Singh, 812, Sind Colony, Pune-411.007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 bighas, 4 biswas, comprised in Rectangle No. 84 Kila No. 4 min(3-01), 7(3-14), 8(5-09) situated in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 8-4-19885

FORM 1.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/8-84/517-A.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

part of property No. 46, Retendon Road, mg. 639.86 sq. yds situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the rejetering officer at

of the igistering officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bijeshwar Prasad Jain, 4-347, Defence Colony, New Delhi-24.

(2) M/s. Hinduja Consultancy (P) Ltd., 315, G. New Charney Road, Bombay-400 004.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part A of land in area 639.86 sq. yds. (535 sq. meters) together with structures in land No. 20 (Part) in Block No. 1 known as backside of 7, Prithvi Raj Road, (now known as 46, Ratendon Road), New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Roud, New Delhi

Date · 8-4-19885

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Itd., Halwasiya Court. Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Master Gaurav Singhania.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 54/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Office Nos. 10, 11 and 12 situated at 11, M. G. Marg. Habibullah Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said irimovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Office Nos. 10, 11 and 12 on the VII floor measuring 1035 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been' registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 69, dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range. Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date . 8-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

(2) Mrs. Shail Knangeiwai.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE <sup>47</sup>, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 55/37EE/Acq.--Whereas, I,

ment of transfer with the object of-

G.I.R. No. 55/37EE/ACQ.—whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 20th situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound Lucknow

pound, Lucknow

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
Lucknow on 1-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said justru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 20th on the III floor, measuring 275 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M. G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been legistered by the Competent Authority, Lucknow, under SI: No. 70 dated 1-8-1984.

A. PRASAD

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 56/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Office No. 21st

Office No. 21st

situate at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of of the Competent Authority,

Lucknow on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. HALWASIYA PROPERTIES (P) Ltd. Halwasiya Court, Haztatganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Km. Leena Aggarwal Under Guardianship of Shri Mohan Lal, Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 21st on the VIIth floor measuring 275 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, under Sl. No. 71, dated 1-8-1984.

> A, PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mrs. Vanita Kataruka.

l ucknow.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

. Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 57/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Office Nos. 15 and 16

situate at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Lucknow on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos, 15 and 16 on the VII floor measuring 550sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 72, dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-4-1985.

#### FORM LT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 58/37EE/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Office No. 1st situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority
Lucknow on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/at
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
75-46GI/85

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

I. Master Sandcep Bansal
 Master Neeraj Bansal
 C/o Shri Sagermal Agarwal
 Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dasy from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 1st on the VI floor measuring 380 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg. Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under St. No. 73. dated 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 8-4-1985.

Seal ;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 59/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the aumovable property, aving a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Office Nos. 13 and 14

situated at 11, M G Marg, Habibullah Compound, Jucknow (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Lucknow on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following oursons, namely :--

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd. Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Master Vikas Kumar Kataruka, C/o. Mr. Ajay Kumar Kataruka, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Nos. 13 and 14 on the VII floor measuring 550 sq. ft. in the Commrce House situated at 11, M.G. Marg Hibibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Br. No. 74, dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Lucknow

Date: 8-4-1985.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 60/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Office Nos. 8 and 9

situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Ilaziatgani, Lucknow.

may be made in writing to the undersigned :--

(2) Shri Pradeep Kumar Singhania & Sons (HUF)
Calcutta.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Once Nos. 8 and 9 on the VII koor measuring 540 sq. nt. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 75, I-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date: 8-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 61/37EE/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Office No. 10 signated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 1.8.1984

Authority, Lucknow on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.
- (Transferor) (2) Mr. Uma Nath Karwani.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 10 o the Vth floor, measuring 137.5 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Mars. Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 76. dated 1-8-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-4-1985.

#### FORM ITNS ---

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Uma Devi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 62/37EE/Acq.—Whereas, 1. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 10 situated at 11. M.G. Marg. Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Lucknow on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chinster.

# THE SCHEDULE

Office No. 10 on the V floor, measuring 137.5 sq. ft. the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority. Lucknow, under Sl. No. 77, dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Lucknow

Date: 8-4-1985. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No 63/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing. No. Office Nos. 21 "22, 23 and 24 structed at 11, M.C. Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more traily described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the 1.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority. Lucknow on 1-8-1984

Authority, Lucknow on 1-8-1984 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri H. M. S. Raizada

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 21, 22, 23, and 24 on the VI floor measuring. 200 sq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 78, dated 1-8-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lacknow

Date: 8-4-1985

(1) M/s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Master Pranay Pratap Singh
2. Miss Bithika Kumar
U/G of Shri Arun Kumar,
Halwasiya Court, Haziatgani, Lucknow.
(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I R. No. 64/37EE/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Office Nos. 23 at 1.24

No. Office Nos. 23 1124 situated at 11, MG Marg, Habibullah Compound, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the IT Act, 1961 in the office of the Compotent Authority, Lucknow on 1-8-1984

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the afficered property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expures later:
- (b) by any other person interested in the said immovement property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 23 and 24 on the 7th floor measuring 400 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Hubbullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority. Lucknow, under Sl. o. 79, dated 1-8-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknov

Dato: 8-4-1985

(1) M/s Halwasiya Properties (P) Ltd.. Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil Modi Modi Industries, Sunam (Punjab).

(Transforce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 65/37EE/Acq.--Whereas, I.

A. PRASAD.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

No. Office Nos. 10 and 11(a) situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered U/S 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-PRASAD.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evazion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Nos. 10 and 11(a) on the VI floor measuring 515 sq. ft. in the Commerce House, situa tdeqkg, Rv

515 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11 M.G. Marg. Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 80, dated 1-8-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG,

Tulknow the 8th April-1985

GIR No 66/37FF Non - Whereas I

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 100,000/- and bearing

No Office Nos 8 and 9 situated at 11 M.G. Marg

Habibullah Compound Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the uncoment is registered U.S. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at

Incknow on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'rusen is with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow. (Transferor)

 (2) 1. Master Manis Jhunjhunwala,
 2. Master Ashish Thunjhunwala,
 3 Master Rism Jhunjhunwala
 Father and Natural Guardian, Shri suan Kumar Ihunihunwala

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzetto,

EXPLANATION.—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Nos. 8 and 9 on the Vth floor measuring 550 sq ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow, The Agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under Sl: No. 81, dated 1-8-1984

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Luckno.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Aat, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 76~ 46GT|85

Date . 8-4-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th April 1985

G.I.R. No. 67/37EE/Acq -- Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Office Nos 8B and 9 satuated at 11, M.G. Marg, Habibullah Comopand, I ucknow, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered U/3 269AB of the IT A.1, 1961 in the office of the Competent Au hority it Lucknow on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marke value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

M/s Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow.

(Transferor)

(2) Nehi Modi (Minor), U/G Anil Modi, Modi Industries Sunam (Punjab)

(Transferee )

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Nos. 8 and 9 on the VI floor measuring 540 sq. ft. in the Commerce House situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow The agreement has been registered by the Competent Authority Lucknow, under SI. No. 82. dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Incknow

Date: 8-4-1984,

#### FORM I.T.N.S .-

(1) M/9 Haiwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Count, Hazratganj, Lucknow, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri And Modi (HU.F.), Modi Industrics, Sunam (Punjab).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknov, the 3th Ap.il 1985

G.I.R. No. 68/37Ei Acq.,--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Office Nos. 11B and 12 situated at 11, M.G. Marg,

Habibuliah Compound, Luckrow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered U S

269AB or the I.I. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Lucknow on 1-8-1984.

For anapparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Office Nos 11B and 12 on the VIth floor measuring 515 sq. ft. in the Commerce House, situated at 11, M.G. Marg, Habbullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authory, Lucknow, under Sl. No. 83 dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-4-1985

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Shanta Thapar.

(2) Dr. Arif Ahamad Quraishi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985 '

G.I.R. No. A 167/Acq -Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority funder Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plot of tand situated at 5, Park Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 17-6-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferciaid property and I have reason to be leve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than finteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habitary of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian income-tax, Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this votice in the Official Gazotte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5988.12 sq. tt. situated at 5, Paik Road, Lucknow, registered by the Registering Authority, Lucknow, on 17-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salti Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-3-1981

જુ તો

S (1) Shri Manoj Kamar Jain.

(Transferor)

(2) Shri Aziz Ahmad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. A-168/Acq.-Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

and bearing
No. Plot of land situated at Wazir Hasan Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
No. Plot No. C-384, situated at Mahanagar Housing
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 9-8-1934,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be madd in writing to the unersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5000 sq. ft. situated at Wazir Hasan Road, Lucknow, registered by the Registering Authority, Lucknow on 9-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-3-1985

(Person in occupation of the property)

#### FORM (TNS----

(1) Shri Sheo Dulare Lal.

(3) Vendee.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar Gupta.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No. A-169 Acq.--Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/ and bearing

No. Plot No. C 384, situated at Mahanagar Housing

Scheme, Lucknow,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at the Competent Authority

Lucknow on August 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such hardware consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '---

Objections,, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No C-384, Sector B, measuring 3078 sq. ft. situated in Mahanagai Housing Scheme, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 244) registered by the Registering Authority, Lucknow in August 1981.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

12ate . 27-3-1985 Seal:

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Agya Devi.

(Transferor)

(2) Shri Babu Mahabir Sarin Aoniwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

Ref. No. G.I.R. No. B-129 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 124C situated at Civil Lines, Bareilly. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bareilly in August 1924, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House bearing No. 124C, Civil Lines, near Head Office, Bareilly, (as mentioned in 37G Form No. 6318) registered by the Registering Authority Boreilly on August 1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-3-1985

(1) Smt. Shorajo Devi.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Fatima Begum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow the 27th March 1985

G.I.R. No. F-7/Acq.--Wheeras, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

No. House property along with fand situated at Mohalla-Galshaheed Motadabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitary of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. . 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House properly along with land measuring 224 sq. mirs. situated in Mohalla-Galshaheed Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 5921) registered by the Registering Authornty, Moradabad in August 1984.

> \* A. PRASAD Competent Authorio Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 27-3-1985.

FORM ITNS ------

(1) Shill Awadbesh Kill Shore

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION FANGL 57, RAM TIRTH MARG, FUCKNOW

Lucknov, the 27th March 1985

G.I.R. No. J. 78 Acq - Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatt r referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

and bearing
No. 1 and with building H. No. 498/163 situated at Faizabad Road, P.S. Hammani, I nelinow.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred moder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer/Registral/Sub-Registrar at Lucknow on Angust 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of changer with the object of:—

(2) 1. Shii Jagdish Prasad.
2. Shii Sharad Kumai Agarwal.
3. Smt Ganga Devi
4. Shii Ranjan Garg.

5. 3nd. Prairi i Achival. 6. Shri Pawan God.

(Transferce)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

### THE SCHEDULE

Land with building II. No. 498/163 known as Bungalow No 3, situated at Faizabad Road, P.S. Hasangani, Lu'know (as mentioned in 37G Lorm No 8838) registered by the Registering Authority, Lucknow in August 1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 27-3-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 4 hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: 77--46G1|85

(1) 1. Shii Jagannath Prasad 2. Shii Pratap Chandia.

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shyama Devi

(3) Sellers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

G.I.R. No S-361/Acq -Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Bungalow No. 5 situated at Suidar Patel Marg.

Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jucknow in August 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said \ct, 10 respect of any income arising from the hauster; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bungolow No. 5 along with land measuring 4042-175 eq. mtis, situated at Sardai Patel Marg, Lucknow as mentioned in 37G Form No. 8727) registered by the Registering Authority, Lucknow in August 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 'acquisition Range, Lucknow

Date: 27-3-1985

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Surat.

(2) M/s. Geetex Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Prop. Jayanti Lal Bhikhabhai Shah, 36-Champa Gully, Cross Lane. Bombay.

(Transforee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3366/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the intmovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Pedhi (Shop) No. 107 situated at

Bombay Market, Surat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Form No 37EE is submitted in the office of the undersigned

on Ahriedabad in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-sble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Sulat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date · 4-3-1985

2001 -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3367/Acq.23/II/84-85.—Whereas, f. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating No.

Pedhi (Shop) No. 607 at Bombay Market

Art Silk, Surat.
Form No. 37EE in submitted in the Office of the undersigned (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parts has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Bombay Market Art Silk Co. Socy. Ltd. Surat.

(Transfero)

- (2) Smt. Khumandevi Devulol Shah and Ors. 'Eevkunj' Ambika niketan, Athwa Lines,
  - Surat.

(Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undtrsigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANALLY N.—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 4-3-1985 Seal :

### (1) 1. Manubhai Chhotubhai Desci Tankai Vima Bldg.

2. Surekha Mukundrai Desai Shivdas Zavenni Sheri,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Sagrampura, Surat. (2) Chumlal Nandlal Sapru,

#### (2) Chumlal Nandlal Sapru, Rajiv Chumlal Sapru, Nilam Socv. Umara, Surat.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUATION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AIMEDABAD 380 009.

Ahmedabad, the 13th February 1985

Ret. No P. R. No. 3368/Acq 23/II/84-85 —Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (berematter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 009/- and bearing

Block No. 21, Plot No. 16, situated at Udnna Udyognagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No: 4533 Aug. 84

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afterward preparty by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing pursons, namely:—

Date: 13-2-1985

### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3369/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. W: 2250 situated at Surat Textile Market, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 31-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be d closed by the historietee for the putpos's or the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) N. P. Master and Sons R. F. Gordhandas Nathubhai Master, 705, Kunver Sahebni Sheri, Begampura, Surat.

(Transferor)

(2) Kaushaldevi Rajkumar Kokara, & Ors. Pratik Aptt. Athwa Lines,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 8220 Dt. 31-8-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 14-2-1985,

### FORM NO. I.T.N,S,---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 14th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3370/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. M. 3275 situated at Surat Textile Market, Ring Rd. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 31-8-1984

31-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Mohindarkumar Yanandas, 99-Kotyatk Nagar Socy. Rander Road, Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Singapuri Sill Mills, 1. Manilal Nagindas & Ors. Chevli Sheri, Begampura,

('Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoxable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is tegd. at S. R. Surat vide No. 8197 Dt. 31-8-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 14-2-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE JNCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Salabatpura, Surat.

(1) Lallubhai & Sons,

3/2556 Baxi ni Vadi

Mohanial Lallubhaa Singapuri,

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF ACQUISITION RANGE-IJ, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 14th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3371/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax A(t, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and A(t)'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No C-1006 situated at Surat

Textile Market, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 24-8 1984

for at apparent nsideration which is less than the fair market value of inc aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the opiect of :-

- (a) facilitating a reduction or evasion of the liability of the transcror to pay tax under the said Act, in espect of my income arising from the transfer: 95 Hor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Narendiakumai Ratanlalji Sanghvi, 3/2310, Vachli Sheri, Salabatpura, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 7168 Dt. 24-8-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI Ahmedabad

Date: 14-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedebad, the 14th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3372/Acq.23/II/84-85.--Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Shop No. X-2154 situated at

Surat Textile Market, Surat.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aroresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concoalment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Kishan Nandkishor Jindasna. Ghanshyamdas & Co. 4, New Marwadi Katada, New Sadak, Delhi-6,

(Transferor)

(2) M/s. Satnam Silk, Shop No. X-2154, Surat Textile Market, Ring Road. Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDIFF

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide R. No. 6903 Dt. 18-8-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely.— 78-46GI|85

Date: 14-2-1985

Soul:

(1) M/s. Desai & Desai Associates, 3-10-Shankar Prakash, New Nagardas Road. Andheri (East), Bombay.

(Transferor)

(2) Arvindram Ranchhodji Naik, Smt. Jyotiben. A. Naik, Krishna Socy. Navsari.

(Transferee)

# NUTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> Ahmedabad, the 15th February 1985

Ref. No. P. R. No. 3373/Acq.23/JI/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. No. 228/2/1 + 2/21 and 229/2/1

situated at Vejalpur Road, Sai Nagar, Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Navari on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Navsari. The document is regd. at S. R. Navsari vide No. 2037 Dt. 17-8-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaiad property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ing persons, namely :-

Date: 15-2-1985

#### FORM ITNS

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

OF INCOME-TAX

Ahmedabad, the 2nd March 1985

Ref. No. P. R. No. 3374/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

City C. S. No. 2461/A TPS. No. 289/C-1 situated at God-dod area, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on Au<sub>b</sub>. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Rajnikant Shambhulal Zaveri, and Others, Salapatpura, Vachli Sheri

(Transferor)

(2) N. A. Builders, Trustee. Bharatkumar Ratilal Shah, 33/4, Diwalibag, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is read. at S. R. Surat vide No. 5587 Aug. 84,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 2-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1691)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd March 1985

Ref. No. P. R. No. 3375/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 3261 Second floor at Surat Textile Market, Ring Road, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 8-8-1984

for an apparent consideration which is less than the few market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopichand Koturam Bhatia, 5-Sanjay Socy, Somnath Mahadev Rd. Opp: Umra Jakat Naka, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Rajendra Dhanpatrai,
 Mahendra Dhanpatrai,
 2-C. D.Sidhraj Socy, Nanpura Timaliavad,
 Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this series in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 6691 Dt. 8-8-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 2-3-1985

Seal 1

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 2nd March 1985

Ref. No. P. R. No. 3376/Acq.23/11/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mraket value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing Shop No. R. 3104 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sudharani Rajeshwar Prasad Gupta, 207-Diwahbag Rushi Raj Aptt, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Nagindas Tribhovandas, C/o Nagin Bros, Shop No. R. 3104 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 5472 Aug. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date 2-3-1985

(1) Bhavanlal Ganeshlal Jain, 5/37 Ambica Bhuvan, Pichardi Road, Surat.

(Tansferor)

(2) Ramesh Bhagwandas Gupta & Ors. 3-D, E. B. F. Socy, Lal Bunglow, Athwa Lines,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 2nd March 1985

Ref. No. P. R. No. 3377/Acq.23/II/84-85.--Whereas, I,

G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2087 at Surat Textile Market.

Ring Road, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslib-tax Act, 1937 (27 of 1937);

this calc in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEELUD

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 5390 Dt. Aug. 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the boos of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-3-1985

(1) Shantaben Premabhai Umagar, Umara C/o Pravinsahji T. Solanki No. 77- Surjan Socy. Umara, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pravinsahji. Tejmal Solanki 77-Sarjan Socy. Umara, Surat.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 8th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3378/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

R. S. No. 64, 65 paiki 72 paiki Plot No. 77-at Umara, Surjan Sory

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 27-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd, at S.R. Surat vide No. 7741 Dt. 27-9-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Ins "ing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date 8-3-1985

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 8th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3379/Acq.23/II/84-85---Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 61-62 at 451 Market Umarwada Ring Road Kamila Darwaja, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Surat on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Tulsibhai Jaitaram Patel, and Ors. Satya Nagai Socy, Block No. 9 Sahara Darwaja, Suret.

(Transferor

(2) Vijaykumar Ratanlal Vyas, At 451-Market Shop No. 61-62, Kamila Darwaja, Ring Road. Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No 6384 Dt Aug. Sep. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 8-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND Floor, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 8th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3380/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mimovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Pedhi (Shop) No. 306 Bombay Market, Umarwada, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

in June, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :~ 79--46GI[85

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ganeshbhai Hansabhai Kantharia Sneh Smruti' Socy. Bunglow No. 82-Rander Road, Adajan Patia, Surat,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 8-3-1985

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd., Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Shah Ambalal Mithalal C/o Shop No 8 1282 Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3381 Acq.23/II/84-85,-Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Pedhi (Shop) No. 108, Bombay Market, Umaiwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer MAG / OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat Form No. 37E is submitted in the office of the undersigned in June, 1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-3-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Bombay Market Ait Silk Co.op. (Shops' Ware Houses) Socy. Ltd. Umarwada, Surat,

(Transferor)

 M/s. Narendra Processing Industrics-S. No. 33/1 Plot No. I, Behind Sub-Jail Khatodara, Surat.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1985

Ref. No P.R. No. 3382 Acq.23/11/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Shop No. (Pedhi) No. 1406, Bombay Market, Surat Form No 37EE is submitted in the office of the

Shop No. (Pednt) No. 1406, Bombay Market, Surat
Form No 37EF is submitted in the office of the
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered
under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961,
in the office of the Competent Authority, Bombay
undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons winely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said p operty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 8-3 1985

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd.,

(Transferor)

(2) M/s. Shieekishan Shiv Prasad, 148, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX

### GOVERNMENT OF INDIA

AFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
AND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1985

Ref. No. P.R. No 3383 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pedhi (Shop) No. 403 at Bombay Market and Art Silk Co.op (Shops & Ware House) Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the squeement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ied/ar
- (b) Incilitating the concealment of any income or any monys' or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37EE submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 8-3-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### · (1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd., Surat.

(Transferor)

(2) Gaurishankar Prijnath Sultania & Ors. C/o Sultania Pros. Ghoghardhia, Bihar,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3384 Acq. 23/Π/84-85.—Wharees ,I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Pedhi (Shop) No. 603, Bombay Market Art Silk,

Umarwada, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any cought to be disclosed by the transferee for the 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2" of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of

The Property is situated at Surat. Form No.37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bombay Market Act Silk 'Co. op. Socy. Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Gandhi Crimping Pvt. Ltd. Ashwinikumar Road, Surat.

(Transferee:

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmtdabad-380 009, the 11th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3385 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Pedhi (Shop) No. 1005, Bombay Market Art Silk Shop & Ware Houses, Co.op. Socy. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984

undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the jability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37EE submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1985

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd., Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Narayandas C. Modhana & Ors. C/12, Sarvodaya Nagar, 1st Panjarapole Road, Bombay-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1985

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

Ref No. P.R. No. 3386 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Pedhi (Shop) No. 805, Bombay Textile Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd., Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of Form No. 37EL is submitted in the office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of-

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the Habilit of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The Property is situated at Surat. Form No.37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd., Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Abhaykumaı Lalchand & Co. C/o Shop No. B-25, Bombay Market, Umarwada, Surat

(Transferee)\_4

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th March 1985

Ref. No. P.R. No. 2387.Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred te as the 'said Act) have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi (Shop) No. 105 at Bombay Market, Surat (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-3-1985

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd.,

(Transferor)

(2) Pragiibhai Nagjibhai Joshi, 17. Jansukh Aptt. 1st Floor, Kasturba Road, Kandiyali, West Bombay.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD Alimedabad-380 009

Ahmeda Tad-380 009, the 11th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3388 Acq.23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act ) have reason to believe that the minovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000'- and bearing No. Form No. 37FE is submitted Pedhi (Shop) No. 605, at Pombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the registering officer at undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer as agreed to be transfer as a greed to be to be to be transfer as a greed to be transfer as a greed to be t between the parties has not been truly stated in the said to trument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per ons, namely ;-80-46 GT '85

Date: 11-3-1985

#### FORM ITNS----

(1) Maheshchandra Girdharlal Vakil C.1 Swashraya Socy. Diwali Bag, Surat

(Transferor)

(2) Manoharlal Ramlubhaya Agrawal Alpha Machinery Stores, Trade House, Ring Road, Opp. Fire Brigade, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1985

Ref. No. F.R. No. 3389 Acq.23/II/84-85.—Whreeas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/c

property, having a rair market value exceeding No.
Shop in Trade House situated at Ring Road,
Nondh No. 2883B/3, Surat
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Surat on 31st August 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

Strat on 31st August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the assvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The property is situated at Surat. The document is regd, at S.R. Surat vide No. 8200, Dt. 31-8-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12-3-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3390 Acq.23/II/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 44-2 paiki Plot No. 22 situated at

Maiura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 26-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bharat Harilal Samdov 27, Roopali Apartment, Majura, Surat.

(Transferor)

(2) Manubhai Punjabhai Patel & Ors. Swashraya Socy. Athwa Lines,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is read. at S.R. Surat vide No. 1413 Dt. 26-9-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 12-3-1985

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd., Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Parshottamlal Sajjankumar & Shri Rasikkumar Parsottamlal P.O. Ghoghardhia (Bihar).

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMI DABAD-380 009

Ahmenahad-780 00), the 12th March 1985

Rei. No. P.R. No. 3391 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

transfer with the object of :--

property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.
Pedhi (Shop) No. 600 of Bombay Market, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the mid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37EE submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 11-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 (09, the 12th March 1985

Rel. No. P.A. No. 3392/Acq.23/II/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No.

Ped's (Shop) No 1201 at Bombay Market,

Umarwada, Surat
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
Lorin No 37EF is submitted in the office of the undersigned in Tune, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the collective stated. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd.,

(Transferor)

(2) M/s. A. Rajnikant Chevli & Co. Nuwan Akhada, Begampura, Smrat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37FE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd.,

### (Transferor)

(2) M/s. Shah Venichand Gulabchand & Co. C/o O.3269, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmcdabad-380 005, the 12th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3393 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi (Shop) No. 608 at Bombay Market,

Pedni (Shop) 110.
Umarwada, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
Form No. 37EE is submitted in the office of the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37EE submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1985

### FORM ITNS----

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Padmavati Textiles, 131/A Gajjar Chambers 1st Floor, Surat-3.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3394 Acq.23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Pedhi (Shop) No. 505 at Bombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); The Property is situated at Surat. Form No.37EE submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA Competent, Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1985

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009 2ND FLOOP

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3395 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi (Shop) No. 1001 at Bombay Market,

Umarwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the abusideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which clight to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in tursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he is us of this notice under subsection (1) of Section (192) and Act, to the following persons, namely :---

(1) Bornbay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd., Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Vardhaman Textile Industrics B.21 Bombay Market, Umarwada, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. Form No.37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 12-3-1985

(1) G.I.D.C. Makarpura—Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dettum India, 652-G.I.D.C.-Makarpura, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3396|Acq.|II|84-85.-Whereas, I,

G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immor-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shed at G.I.D.C. Makarpura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on August 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasiette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Sale deed has been registered by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 2,16,600 in respect of Shed No. 652 of Makarpura-Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 13-3-85

Seal:

81 - 46 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Mrs. Manjulaben Keshauji Chande, 21-Haribhaktı Colony (Ext.). Old Padra-Baroda.

Baroda.

(Transferor)

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3397 Acq.23 III 84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Gotri-Baroda

(and more fully described in the Schedule armexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on August 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and Lhave reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evassion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the rupposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) M1. Prakashkumar Jamnadas Vithalani & others, 'Malyika' Bldg-32, Nutan Bharat Socy, Alkapuri.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amount of Rs. 65,450/- in respect of land — Plot No. 20 of Someshwar Co-op. H. Socy, Gotri Road, Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 13-3-85

 Bombay Market Art Silk Co-op. Socy., Umarwada, Surat.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Shri Pragnibhai Naghjibhai Joshi, 17-Jansukh Aptt., Ist Floor, Kastoorba Road, Kandivali, West, Bombay.

### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3398 Acq. [23] II [84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the hadnov-shie property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

while property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. (Office) Pedhi No. 1405 at Bombay Market, Surat (and more fully described in Form No. 37EE is submitted in the Office of

undersigned in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than lifteen her cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has been truly stated in the said intrusses of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by may of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte

EXPRANATION:—The terms and expressions used herein same defined in Chapter XXA of the said Ant, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the connectment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of section 269°C at the said Act. I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following possess. namely:—

Date: 14-3-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-T, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3399 Acq 23/II/84-85,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and heaving

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi (Shop) No. 602 at Bombay Market, Umarwada, Surat and more fully described in Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co-op. Socy. Ltd., Surat.

(Transferor)

(2) M/s Jugraj Ganeshmal, C-872 Chhaparia Sheri, Mahidharpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dato: 14-3-1985

Surat.

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER LECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3400 Acq. 23/II/84-85. - Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Pedhi (Shop) No. 704 at Bombay Market, Umarwada, Surat and more fully described in Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984

for an apparent consideration which is less than the felt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) M/s Rajasthan Trading Co., C/o Shop No. L 23, Bombay Market,

(1) Bombay Market Art Silk Co-op. Socy. Ltd.

(Transferor)

Umarwada, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-3-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3401 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Pedhi (Office) No. 1004 at Bombay Market, Umarwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inseems arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manuely:—

(1) Bombay Market Art Silk Co-op. Socy. Ldt., Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra G. Agrawal, 27/29, Vanka Mohlla Room No. 21, 3rd Floor, Kolbhat Lane, Bombay-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmcdabad, the 15th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3402/Acq.23/Π/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaiter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 100 0000 and having

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 258 paiki Block No. 2 at village Ten Tal, Bardoli (and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 23-8-1984

fardoli on 23-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following persons, namely:—

Shri Rambhai Ranchhodji Patel
 Shri Ramanbhai Ranchhodji Patel,
 Shri Madhavbhai Ranchhodji Patel,
 V. K. Yogesh Dhirubhai Gandhi,
 Tarotta Bazar, Navsari,

(Transferor)

(2) Khetgaram Gangaram Mistry, Pannaben Hariram Mistry, 18—Shastri Nagar Socy, Bardoli, Dist.: Surat,

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is situated at Village Ten. Tal. Bardoli. The document is regd. at S. R. Bardoli vide No. 406 dated 25-8-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-3-1985

(1) Bombay Enterprises, 402—Keshav Chambers, Lal Gate, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Madanlal Panji, 11/375 Ramji's Pole, Nanavat, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 15th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3403/Acq.23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 402—at 'River Queen' Athwa Lines—Surat, and more fully described in Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984 in the office of the undersigned in June 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is submitted (Form No. 37EE in the office of the undersigned in June, 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast to the following persons, namely :-

Dato: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 15th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3404 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing

No. Land at Akota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on Aug 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Daminiben Vipinchandra Bhatt, P. A. Holder Dr. Bhaishankar D. Bhatt, Bhadrakali Matani Pole, Raopura-Baroda.

(Transferor)

Shri Ashokbhai Natwarbhai Patel, 2-Kalyannagar, Karelibag, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amount of Rs. 73,365/by S.R. Baroda in respect of land at Akota Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
82—46 GI/85

Date: 15-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 15th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3405/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'laid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Land at Ajwa-Nimeta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vagodia on August 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ashokbhai Somabhai Patel & Ors.
 Shri Sureshbhai Shankerbhai & Ors.
 Shri Gopalbhai S. Patel & Ors.
 Shri Desaibhai Mokanbhai & Ors.
 Poonit Shreyanagar Co-op. H. Socy. Nimeta G-14, Alemnic Colony, Baroda 390 003. (Transferor)

(2) Shri Dwarkanath Atmaram Nandurbarkar Chairman Poonit Shreynagar Co-op. H. Socy. Ajwa, Nimeta Tal. Vagodia, C/o 14-Alemnic Colony, Baroda-390 003. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amount of Rs. 5, 75, 180 by S.R. Vagodia in resrect of land S. No. 9, 11, 12, 13, 19, 20 cf. Ajwa Nimeta Tal. Vagodia, Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1985

 Shri Babulal Prabhudas Patel, Unja, Tal. Sidhpur, District, Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hargovan Tribhovandas, Chief Promoter, Babojnagar Co-op. Socy., Unja Tal. Sidhpur, District Mehsana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3406 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 19 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Uja

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uja on 18-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 1,44,000/-by S.R. Unja District Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3407 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

exceeding Rs. 100,000/- bearing

Land at Patan

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patan on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sheth Ramdas Kilachand & Ors., Trustees of Kilachand Foundation Truct, Bombay, Shah Jamshedji Tata Road, Bombay-20. (Transferor)
- (2) Shri Pravinkumar Chhotalal Gandhi, Constituted Attorney of Devpuri Corp., Bahuchar Mata's Padi, Patan, Dist. Mehsana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 2,40,000/-by R.S. Patan in respect of land of Gangardi Pat Patan Dist. Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 19-3-1985

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Shii Maganlal Vaktaram Patel, fav Chawk, Patan.

(Transferee)

 Shii Kititkumar Shivlal Soni, Chief Promotor, Kalpa Vrux Tenament Owners Asson., C/o Maganbhai Vaktaram Patel, Jav Chowk, Patan.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3408 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of t

leging the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

Land at Patan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Patan on 13-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 2,50,000/- by S.R. Patan in respect of land of Gangdi pati, Patan.

G. K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 19-3-1985

ocal :

#### FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3409 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing S. No. 193 paiki at Bestan Tal. Choryashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sittat on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Index Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) Smt. Virmatiben, W/o Shantilal Jamnadas and Others, Main Road, Rustampura, Surat.

(Transferor)

(2) S. L. Desai, President of The Nutan Industrial Corporation Socy. Ltd., 2/1094, Chhowala, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Oblections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Bhestan. The document 19 regd. at S.R. Surat vide No. 6614 dated 3-8-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 19-3-1985

(1) Arun Chimanlal & Ors. V. P. Road, Girgav, Bank Road, Bombay-4. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amritlal Khusaldas & Ors., Gopipura, Moti Chhipwad, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 27th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3410/Acq.23/II/84-85.--Whereas, I. . G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Wd. No. 2 Nondh No. 4523 Shivdas Zaverini Pole, Sagram-

pura, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on August 1984,

Surat on August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wild instrument of transfer with the which of '... the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immable property within 45 days from the dat of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the teamsfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3882 in August 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II, Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 259°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, annely tes

Date: 27-3-1985

(1) M/s. Sweet Home organiser, Partner, Maganlal Narottamdas Patel, 63-Narmada Nagar, Athwa Lines, Surat,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad, the 27- March 1985

Ref. No. P.R. No. 3411/Acq.23/II84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 2 at Laxmi Bhuvan nr. Adarsh Socy. Athwa Lines,

Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (2) Nimeshchandra V. Patel, Flat No. 2, Laxmi Bhuvan, Nrr Adarsh Nagar, Athwa Lines, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 5255 Date 4-8-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-3-1985

(1) Ushaben Rajnikant Jariwala, Mahadev Nagar Socy. Sagrampura, Surat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 27- March 1985

Ref. No. P R. No. 3412/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G, K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fur market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 125-1 and 126 T.P.S. No. 9 Majura Fina Plot 47-D paiki Plot No. 23 C.S. No. 469, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on August 1984

Surar on apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—83—46 G1/85

(2) Smt. Bimala Hariram Bajaj & Ors., At Kadambari Enterprises, D 3020 2nd Floor, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat The document is regd. at S.R. Surat vide No. 5549, August 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-II, Ahmedabad

Date: 27-3-1985

(1) Rameshchandra Shantilal Parikh, Begampura Bhula Modi no Chaklo, Surat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) J. R. Dying & Printing Mills, Z-1001, Textile Market, Ring Road, Surat. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ahmedabad, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3413/Acq.23/II/84-85.--Whereas, f, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and begins. and bearing

No. Umarwada, S. No. 2012 T.P.S No. 8, R.S. No. 24, F.P. No. 139 paiki, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

The property situated at Surat. The document is regulat S.R. Surat vide No. 6698 Date 8-8-1984.

G. K. PANDYA

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-3-1985

#### FORM I.T.N.S .-

(1) Bhikhabhai Viraybhai Patel & Ors. Shastri Nagar Colony, Khatodara, Surat.

(Fransferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Umeshbhai Ratanlal Vyas Bharat Road, Opp. Indrajit Socy. Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1985

Rel. No. P.R. No. 3414 Acq 23/11/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.P.S. No. 8, R.S. No. 24 Original Plot No. 139
Plot No. 12 at Umarwada, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been tran ferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the registering office at

of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 1-8 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 6466 Dt. 1-8-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date · 26-3-1985

 Kiritqumur Mohanlal Modi Nunpura Timaliya Vad, Rajeshwar Aptt. Surat.

(Transferor)

(2) Urmilaben Natwarlal Parckh, Haripura, Hat Falia, Surat

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3415 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable coperty having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing

Ward No 6, Nondh No. 2002 at Surat and more fully described in the Schedule annexed hereto), na, been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 6897 Dt. 17-8-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-3-1985

#### FORM I.T.N.S .--

\_\_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3416 Acg. 23/II.-Whereas. I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Ward No. 6—Nondh No. 1610 situated at Ward No. 6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Surat on 29-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fate market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excreds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not bren or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Madhukanta W/o Shii Rameshchandra Dahyabhai, Shri Sunil Kumar Rameshchandra, Mahidhapua Gudi-Sheri, Surat.

(Transferou)

(2) Shri Vishnukumar Hualal Doriwala, Shri Sanjaykumar Hiralal Doriwala, & Others-Begampura—Dudhara Sheri, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd, at S. R. Surat vide No. 7737 Dt: 29-8-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :-

Date: 26-3-1985

#### FORM ITNS---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## A1) Smt. Jasvanuben Jitendealal Parikh— 31—Alt Amount—Pushpa Apit. Block No. 101-Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojben Arvindlal Jariwala-Lal—Darwaja— Dhantar Wadi—Surat

(Transferce

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3417 Acg.  $23/\Pi/84-85$ .—Whereas, I.

G K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000] and bearing
Bunglow No 83—Saidar Co-op. Hsg. Socy. Ltd. \$ tuated at Sumul Dany Rd.—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Surat on 7-8-1984

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazetto.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shill have the same megning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

The property is situated at Surat. The document is regd at S.R. Surat vide No. 6674 Dt. 7-8-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad 380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3418 Acq. 23/II, 84-85,---Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property havin ga fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Land at Village—Kamari situated at Kalol
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at

Kalol on 28-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 25xC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Zaverbhai Muljibhai Petel & C.s. Getmuvala— Tal, Halol, Dist: Panchamahals.

(Transferor)

(2) Hindustar Brown Boveri Ltd., Browen Boveri House— Race Course Circle—Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs 2,68,750 - by S. R. Kalol, Dist: Panchamahal in respect of land adm. 10 Acres, 30 Gunthas of Kanjari, Tal. Halol.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 26-3-1985

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P. R. No. 3419 Acq. 23/I/84-85,--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

J and at Anand

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Anand in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shii Balvantrai Harilal Benami, Jivanlal Dave-Ambica Bhavan-Anand.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant Motibhai Benami Benami Naranbhai Patel—Director of Pushpam Construction Pvt. Ltd., Navli—Tal. Anand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall, have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 2,40,000/in respect of land at Anand regd, by S. R. Anand land adm 2977 sq. mtr.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedahad

Date: 26-3-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TASK ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 00%, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3420 Acq. 23/11/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No.

Bldg at Chaklashi patı

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Nadiad on 10-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84--46 G1/85

- (1) Shri Madhubhai Chhotabhai Desai & Ors., Alad Vago, Nadiad, District Kaira.
- (Transferor) (2) Shri Ramanbhai Chhotabhai Patel & Ors., Pij Bhaglo, Vyas Falia, Nadiad, District Kaira.

(Transferce)

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectivo persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 2,50,000/in respect of bldg, and land situated at Lana ad Pati, Nadiad, District Kaira.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahme lab..d

Date: 26-3-1985

Senl

FORM LINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 -

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1985

Ref. No. PR No. 3421 Acq 23/H/84-85 -- Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R. 1 00,000/- and bearing No.

Bldg, at Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 13-8 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(1) Shir Amarsingh Khimjibhai Prajapati, C/o Ashok kumar Ambalal Sukhadia Plot No 420 2 Sector No 22, Gandhinagar

(Transfergr)

(2) Shri Ashokkumar Ambalal Sukhadia, Plot No 420/2, Sector No. 22, Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice as the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Gandhinagar for an amt, of Rs 70,000 - in respect of bldg, at Sector No. 22, Gandhinagar.

> G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 26-3-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(4) Mrudulaben Jashwantlal Modi, Outside Sarangpur Gate, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Hansaben Ratilal Kapadia, Plot No. 504/1, Bunglow No. 27, Viratnagar Co.op. Socy., Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3422 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Property at Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar on 9 8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned to

- 'b) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this noitee
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEFLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for

### THE SCHEDULE

A sale deed has been for an amt. of Rs. 92,000/- and regd. by S.R. Gandhinagar in respect of bldg. at Gandhinagar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedab. 3

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 26 3 1985

M s Mansukhial Khushaldas and Ors. Kila Pardi.

(Transferor)

(2) Smt. Dr. Pumima Kishor Nadkarni, and Kishor Mohan Nadka.ni --Kila Patdi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSION! R OF NCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI GOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDAB \(\text{ASHRAM}\) 280 \(\text{O}\)99

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3423 Acq. 23/II 84.85 - Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. At Pardi Gamthan S. No. 179—180 Flat No. 1, 2 & 3—

Pardi,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Pardi on 4-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chierty of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as ore defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Pardi. The document is regd. at S.R. Pardi vide No. 1262 dt. 4-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 28-3 1985

#### (1) Dhanmay Areyshih Dastur Nava Parsivad—Valsad

(2) Shree Bhandan Criati Mandal Valsat Karlaya— Valsad (Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDAB \(\Damma\)D-280 609

Ahmedabad 580 (19) the 25th March 1985

Ref. No. P.R. No. 1424 Act.  $25/11 \pm 1.85$  - Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovial property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/-and bearing

No CS No 3551 Na a 2 ir ivad Valsad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the effect of the Competent Authority Valsad on 24-8 1984,

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by mark that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Valsad. The document regd at S.R. Valsad vide No. 3443 dt. 24-8 1984

G. E. PANDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 28 5-1985 Seal

## FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3425 Acq 23/II/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No

Property at Raopura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to asferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda in \ugust 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reflection or everien of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any source arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in paramance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Sharaa shantarin Katdharai 2. Nirmalaben S. Katdhaa, 6-Shankerkunj Hill

Nr. Himalaya Socy. Ghatkopar-84.

(Transferor)

(2) Chairman N.C. Jain--Mahavir Aptt, Co.op. Hsg. Socy. Ashok Socy. Race Course--Baroda.

(Transferor)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd for an amount of Rs. 4,00,000/-by S.R. Baroda in respect of Bldg. at Race Course—Baroda.

G. K. PANDY A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dato: 28-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3426 Acq 23/II/84-85 —Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Land at Usarvan Fal. Dahod Dist Panchamahals. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dahod on 27-8-1984.

Danod on 27-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tast Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tast Act, 1957 (27 of 1957); (1) Revla Thru Katmi & Ors Uswarwad fal. Dahod, Dist Panchamahals.

(Transferoi)

(2) Shri Asgarbhai Abhasohai Mulla-Mithawala (Lokhandwala) Huseim Mahotla Dahod Dist Panchamahals. (Transfero )

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been read, for an amt, of Rs 94,000/by SP Dahod Dist Panthamahals in respect of land at Usarwood L. Dahod Dist Panthamahals.

> G. K. PANDY A Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date + 26-3 1985

#### · FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RUAD AHMEDABAD-330 009

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1985.

Ref. No. P.R. No. 3427 Acq. 23 II/84-85 -Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 c) 1961) (hereinaster referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000; and bearing No. Land at Sampa - Fal Dehgam (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dehgam on 4-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer no consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating

(1) Shi Umakant Dharad at Dave--Babalpura Kampa- Dehgam

(Transferor)

(2) Shir Vithalbhar Maganbhar Patel-Bahalpura— I d. Dehg un - Dist Ahmed ibad. (Transferee)

Objections, it any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been read, for an amt, of Rs. 3,00,000 by SR. Deligam Dist. A'ball in respect of likind edm, 2227 acres at Sampa Tal. Deligim Dist, A'bad.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commiss of er of Income-tax Acquisition Rance-II Ahm 1 d 3

Now therefore, a pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dato: 28-3-1935

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3428 Acq. 23/11/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land at Motipura--Himatongar.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 1908) in the office of the registering officer at Himatnagar on 22-8-1934,

flimatnagar on 22-8-1934, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Sch of the transferor to pay max under the soil Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissioned by the transferre for the purposes of the Indian Income-tan Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely :-

85-46 GI/85

(1) Shri Nirubhai Kanaiyalal Solanki -Chairman of Coop Mandli of Employees of M/s Himatnagar Rolary, Motipura—Himatnagar.

(Transferor)

(2) Shri Maganbhai Manibhai Patel & Ors. Patelwada-Nani Bhagol-Pranitij-2. No. 5—Nandaben Pujiram Pandya—Pollo Ground Nr. Shakuntal Socy. Himatnagar—Dist. Sabarkantha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been read, for an amt, of Re. 2,55,000/by S.R. Himainagar in respect of land and Shed at Moti-pura—Himainagar bearing No. 14/2.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 28-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD-380 009** 

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3429 Acq. 23/II/84-85 - Whereas, I.

Ref. No. P.R. No. 3429 Acq. 23/11/84-83—Whereas, I. G. K. PANDYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Office No. 321 in Dimand House—

Station Rd.—Surat. (and more fully described in the Form No. 37EE is submitted) Registration Act of 1908 in the office of the undersigned in June 1984,

for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the per cent of the consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the consideration that the consideration the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consideration that the consideration that the consideration the consideration that the consideration the consideration that the considerati ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, for the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s J.M.C. & M.ghani Builders, (Surnt Project), 223/225-Zaveri Bazar-Bombay-400 002. (Transferor)
- (2) Ajanta Enterprises. P-1/192 Textile Market—— Ground Floor—Ring Road. Surat-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-3-1985

(1) M/s J:M.C. & Meghani Builders-Surat Project --223/225-Zaveri Bazai --- Bombay-400 002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandrikaben Shashikant Kapadla 5/642--1st floor--Dhobisheri-- Haripura-Sarat-3.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD 330 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3430 Acq. 23/II/84-85,--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 38 in Diamond House Station Road—Surat, (and more fully described in the Form No. 37EE is submitted) under the Registration Act, 1908 in the office of registeeing officer at

Surat in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-vaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which have period a various later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

No, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-3-1935 Seal.

(1) J.M.C. Megham Builders (Surat Project)— 223/225—J.M.C. House—Zaveri Bazbi. Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jagdishbhai Chhotabhai Patel (HUF)--Gayatri Apartment, Adajan Patia, Surat

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOGR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 002, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3431 Acq. 23/II/84-85,---Whereas, 1, PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing No.

No. Shop No. 4-in Dimond House

Station Road—Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE submitted in the office of undersigned in June 1984

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /er
- (b) facilitating the conceulment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984.

> G. K. PANDY \ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date 29-3-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M's J.M.C. & Meghani Builders (Surat Project) 223/225—Zaveri Bazar— Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) Ambalal Lallubhai Putel --Dutch House-PO at Mohallo Nanpura—Surat

(fransferec)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABADA89 009

Ahmedabad-380 009, the 29th Merch 1985

Ref. No. P.R. No. 3432 Acq. 23/II/84-85. - Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'sa.d Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 20 in Dramond House-

Station Road—Smat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigued in June 1934,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property situated at Smat. Form No 37EE is submitted in the office of the undersigned in June 1984.

THE SCHEDULE

G. K. PANDY \ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ocreons, namely:-

Date 29-3-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUST, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3433/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Shop No. 19—in Diamond House—Station Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed acreto), Form No. 37EE is submitted) in the Office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value or the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. J.M.C. & Maghani Builders, 223/225, Zaveri Bazar. Bombay-400002.

(Transferor)

 Vinubhai Ambara Patel, Dutch House, Popat Mohallo, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 29-3-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3434/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 417 in Diamond House—Station Road—Surat (and more fully described Form No 37EE is submitted) in the office of the undersigned

in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said 'Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. J.M.C. & Meghani Builders, (Surat Project), 223/225, Zaveri Bazar, Bombay-400002.

(Trensferor)

Shantilal Mauilal Patel,
 11, Uma Apartments, Adajan Patia,
 Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The Document is (Form No. 37EE) is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-3-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. J.M.C. & Meghani Builders, (Surat Project), 223/225, Zaveri Bazar, Bombay-400002.

(Transferor)

 Jashodaben Jagdishbhai Patel, Gayatri Apartments, Adajan Patia, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3435/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 18—Diamond Houses—Station Road, Surat

Shop No. 18—Diamond Houses—Station Road, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto) Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any money or other assets which hafe not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writting to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions, used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. J.M.C. & Maghani Builders (Surat Project), 223/225, J.M.C. House Zaveri Bazar, Bombay-400002.

(Tansferoi)

 Yogeshbhai Chhotabhai Patel,
 Dutch House Popat Mahollo, Nanpura, Surat,

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3436/Acq.23/II/84-85.---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No 5 in Diamond House—Station Road, Surat

Shop No 5 in Diamond House—Station Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). Form No. 37EE is submitted in the fflOec of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
86—46 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-3-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3437/Acq:23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 401—Diamond House—Station Road—Surat

Office No. 401—Diamond House—Station Road—Surat (and more fully described in the Form No. 37FE is submitted) in the Office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely:—

 M/s. J.M.C. & Meghani Builders (Surat Project),
 223/225, J.M.C. House, Zazeri Bazar,
 Bombay.

(Transferor)

(2) Nayanbhai Chhotabhai Patel, Dutch House—Popat Mahollo, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The Form No. 37EE is submitted in the flice of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11.
Ahmedabad

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. J.M.C. & Meghani Builders, (Surat Project), 223/225, J.M.C. House, Zazati Bazar, Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Falgunbhai Jagdishbhai Patel, Gayatri Apartment, Adajan Patia, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3438/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and besting No.

and bearing No.
Office No. 402 in Diamond House—Station Road, Surat (and more fully described in the Form No. 37EE 19 submitted) in the Office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Canette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-3-1985

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGF-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

#### AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3439 'Acq.23/II/84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00 000/- and bearing
Office No/322 in Diamond House—Station Road—Surat (and more fully described in the Form No. 37BE is submitted)

Office No/322 in Diamond House—Station Road—Surat (and more fully described in the Form No 37FE is submitted) in the Office of the undersigned in June. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, he had a section 10 male and 10 male

(1) M/s. J.M.C. & Maghani Builders (Surat Project) 223/225, Zaveri Bazar, Bombay-400002,

(Transferor)

(2) Adinath Textiles, Z-1139. Textile Market, Ground Floor, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form Np. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedahad

Date: 29-3-1985

Seal

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

#### AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3440/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing office No. 216 in Diamond House, Station Road. Sweat (and more fully described in the Form No. 27FF in authorities)

office No. 216 m Diamond House, Station Road. Surat (and more fully described in the Form No 37EE is submitted) in the Office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; unit/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. J.M.C. & Meghani Builders, (Surat Project) 223/225, Zaveri Bazar, Bombay-400002.

(Transferor)

 Gordhanbhai Narottambhai Patel & Ranchodbhai Khushalbhai Patel At Saroli, Taluka, Choryasi Dist, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Explanation:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-3-1985

# FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3441/Acq.23/II/84-85,....Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 418—in Diamond House Station Road—Surat (and more fully described in the Form No. 37EE is submitted) in the Office of the undersigned in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following paraons, namely:—

 M/s. J.M.C. & Meghani Bullders, (Surat Project)
 223/225, Zaveri Bazar, Bombay-400002.

(Transferor)

(1) Miss Dipikaben Shantilal Patel, 11, Uma Apartment, Adalaj Patia, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in June, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inapecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3442/Acq.23/II/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 36, 52 & 53 in Diamond House-Station Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at undersigned on 27-6-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. J.M.C. & Meghani Boilders (Surat Project) 223/225, Zaveri Bazar, Bombay-400002,

(Transferor)

(2) The Surat Textile Trading Co-operative Bank Ltd. Textile Market-Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. The form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in June, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Ahmedabad

Date: 29-3-1985

Scal

Shri Harsnadbhai M. Trivedi. Salasinor Dist. Kaira.

(2) Shri Mahendrakumar R. Patel,

B, Chetan Society, Akota,

Baroda-5.

(Transferor)

(Transferee) ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3443/Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair, market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. I and Jetalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at undersigned on 7-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been registered by S.R. Baroda in respect of land Jetalpur, Baroda.

> G, K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely :---

Date: 29-3-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND Fl OOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009, the 29th March 1985

Ref. No. P.R No 3444/Acq. 23/П/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/1 and bearing No. Land at Gategani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registring officer at Baroda in Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilizating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269N at the said Act, to the following persons, parely:

87—46 CI 85

(1) Smt. Shantaben Chhotebhai Patel, Flat No. 11 Tana Apartment, Subhanpura, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Mayank Sadhuram Patel, Chairman of Prudential Tower Co-op. Housing Socy, Gautam Nagar Society No. 42, Race Course, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid possess within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Casette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been registered for an amount of Rs. 6,00,000 by S.R. Baroda in respect of land at Fateganj, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 29-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 30th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3445 Acq.23/11/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Shops at Mehsana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mehsana on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and lor
- b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Naginbhai Shivlal & Ors. Karta of HUF Pushnamala Antt., Drive-in-Re

(1) Shri Anubhai Shivlal Shah, C/o Nagindas Shivlal Shah,

Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

Karta of HUI: Pushpamala Aptt., Drive-in-Road, Navrangpura, Ahmedabad. (Tra-

Pushpamala Apartment Drive-in-Road,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 1,71,000/by S.R. Mehsana in (respect of Shops at Mehsana.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-13
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30 3-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3446 Acq 23/II/84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

and bearing
Land and Building at Himatnagar, Dist. Sabarkantha
(and more fully described in the Schedule anuexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Himatnagar on 8-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

7-1984

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Keshavlal Harjiyandas Shah, Kachhi Soey, Hadiyol pul Chhaparia, Himamagar, Dist. Sabarkantha.

(Transferor)

(2) Shu Bi<sub>k</sub>in Chimardal Doshi Partner of Arihant Metal Indust. Khan Nagar Socy. Mahavir Nagar, Himatnagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

As sale deed has been regd for an amt, of Rs. 1,07,000 by S.R. Funamagar in respect of land and bldg. Himatnagar Dist. Sabarkantha.

G. K. PANDYA
Competent Authorky
fuspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-3-1985

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3447 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land and Building at Himatnagar, Dist. Sabarkantha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Himatnagar on 8-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); (1) Shii Keshavlal Hariivandas Shah, Kachhi Socy, Hadial Bridge Chhaparia, Ematnagar, Dist. Sabarkantha.

(Transferor)

(2) Shri Chimanlal Chunilal Doshi & Ors. Partner of Doshi Industries Estate, Khan Nagar Socy. Mahavu Nagar, Himatnagar. Distt Sabarkantha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of hotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt of Rs. 1,45,000/-by S.R. Himatnagar in respect of land and at Himatnagar, Dist. Sabarkantha.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date: 30 3-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3448 Acq.23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land and Building at Himatnagar, Dist. Sabarkantha

Land and Building at Himatnagar, Dist. Sabarkantha (and more fully described in the Schedule and exed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Himatnagar on 8-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Keshaylal Harjiyandas Shah, Kachhi Socy. Hadiyal Pur Chhaparia, Himatnagar, 'Tal. Himatnagar, Dist. Sabarkantha, (Transferor)
- (2) Chimanial Chunilal Doshi & Ors. Partner of Mahavir Industries, Khan Nagar Socy. Mahavir Nagar, Himatnagar. Distt. Sabarkantha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the (b) by any other person interested in the said immovpublication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

A sale deed has been-regd, for an amt of Rs. 1,25,000/by S.R. Himatnagar in respect of land & Bldg. at Himatnagar Dist. Sabarkantha.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-U 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th March 1985

Ref. No. P.R. No. 3449 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Land and Building at Himatnagar, Distt. Sabarkantha (and more fully described in the Schedule namered hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Himatnagar on 8-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the trans und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Keshavlal Harjivandas Shah, . Kachhi Socy. Hadial Bridge, Chhaparia, Himatnagar, Dist. Sabarkantha.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Chimanlal Doshi Partner of-Rain Bow Industries, Kahan Nagar Socy. Mahavir Nagar, Himatnagar. Distt. Sabarkantha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt of Rs. 1,85,000/-S.R. Himatnagar in respect of land and bldg. at Himatnagar, Dist. Sabarkantha.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11649/84-85.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. 606, 6th Floor, Neeldhara Apartment, Devidas Road, Borivli (West), Bombay-400 092

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely:—

(1) Mrs. Baushi Jitendra Doshi.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendra G. Rambhia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th Floor, Neeldhara Apartment, Devidas Road, Borivli (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11649/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition RangeIV
Bombay

Date: 11-4-1985.

Seal ·

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Bhavana Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. K. Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV|37FF|11717|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, 1st Floor, B'de. No. A/17 Rattan Nagar, Borivii (E), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, First Floor, Bldg. No. A-17, Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JV/37EE/11717/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985 -

# FORM ITNS----

(1) Mr. S. V. Kamath

(Transferor)

(2) Mt. R. B. Mulekar.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Boinbay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37FF/11703/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 30, Ground Floor, Tarun Apartment, J.B. Nagar, Borivli (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 249.4B of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of lanster with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which thave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Flat No. 30, Ground Floor, Tarun Apartment, Ground Floor, J.B. Nagar, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37F1 |11703|84-85 on 1-8-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

88-46 GI/85

Date: 11-4-1985

#### FORM TINS-

(1) Mr. Bipin Narandas Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Swati Subhash Shah.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11773/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 16, 4th Floor, Hem Horizon Co-op. Hos Soc. Ltd., C7, Jeevan Bima Nagar, Mandpeshwar Road, Borivli (W),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any success or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 16 4th Floor, Hem Harizon Co-op Housing Soc. Ltd., C-7, Jeevan Bima Nagar, Mandpeshwar Road Berivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11773/84-85 or 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 11-4-1985

# FORM ITNS----

- (1) M/s. Brij Builders.
- (Transferor)
- (2) Smt. Indumati S. Shah.

may be saide in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37FE/11875/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.1V/3/EE/118/3/69-03.—Wherew, .,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 204, Devendra Apartments, Rokadia Lane, Off:
S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-400 092
(and more fully Jescribed in the schedule annexed hereto),

S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay-400 092 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by inore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 204, Devendra Apts. Rokadia Lane, Off S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11875/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Brij Builders.

(Transferor)

(2) Mr. R. B. Upadhyay & Others.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTIL COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37FE/11495/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104. D Wing, Devendra Apaitment, Rokadia Lane,

Borivli (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 267AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein \*\* are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 104, D Wing, Devenden Apartment, Rokadia Lane, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.IV/37EE/11495/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985

(1) Padgaonkar &Co.

(Transferor)

(2) Mr. D. V. Pradhan.

(Transteree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR IV/37EF/11510/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 19 & 20, 4th Floor, Dinanath Terrace, Plot No. 352, Shimpoli Road, Bonvli (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 19 & 20, 4th Floor, Dinanath Terrace, Shimpoli Road, Borivit (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11509/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 11-4-1985

(1) M/s. Bhavana Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. P. Chandra Sekharan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### ASSISTANT OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11718/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 10, 1st Floor, Bldg. No. A-17, Rattau Nagar,
Borivli (E), Bombay-66
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the trensfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st Floor, Bldg. No. A-17, Near Daulat Nagar,, Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11718/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to following persons, namely :-

Date: 11-4-1985

(1) M/s, Bhavana Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sheshidharan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11719/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 15, 2nd Floor, Bldg. No. 4/17, Rattan Nagar,

Borivli (E), Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd Floor, Bldg. No. A-17, Rattan Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11719/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-4-1985

Seal: }

## FURM ITNS-----

(1) Brij Builders.

(Transferor)

(2) M. R. Doshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-IV ВОМВЛҮ

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37FF/11715/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority Section 209B of under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 101, Wing B. Devendra Apartment, Rokadia Lane, Bouvli (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eaid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any Lacomo arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property? may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, Wing B, Devendra Apartments, Rokadia Lane, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV/37EE/11715/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985 Scal:

- (1) Mr. Suresh S. bachwani & Oths.
- (Transferee)
- (2) Mr. Punamehand M. Soni.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV|37EF|11561|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000 - and bearing No. Flat No. 11, Kanal Industrial Estate, Daulat Nagar,

Borivli (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—89—46GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat, No. 11m Kanal Industrial Estate, Daulat Nagar, Borivil (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11561/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 11-4-1985

(1) Shri Haresh B. Kalra & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Murajmal Raimalani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11496/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Sextion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No Flat No. 91. Star Apartment, S.V. Road,

Borivli (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I recome tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration the efor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-98-26 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 91, Star Apartment, S.V. Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. AR.IV/37EE/11496/84-85 on 1-8-1984.

> Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11714/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 33, Daulat Nagar, being at Eksar Village, Taluka, Borivli, S. No. 177, C.T.S. No. 2487, 2487/1/2, 3, Borivli (1), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section, 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) S/Shri P. K. Vyas, L. K. Vyas, B. K. Vyas K. K. Vyas and D. K. Vyas.

(Transferor)

(2) S/Shri Devchand R. Patel & B. R. Patel, (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 33, Survey No. 177, CTS. No. 2487, 2487/1, 2487/2 and 3, Cross of Daulat Nagar,, Eksar Village, Borivli (E) Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11714/84-85 on

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV Bombay

Date: 11-4-1985

(1) Mrs. Neeti P. Shah.

(Transfer...)

(2) Mrs. Tarulata Bihari Kothari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11692/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing Flat No. 403 4th Floor, Neel Dhara Bldg. Devidas Road,

Borivli (W), Bombay-400 092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tnan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(h) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

thy facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of persons, whichever notice on the respective period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th Floor, Neel Dhara Bldg., Devidas Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11692/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRAŜAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 11-4-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Mr P. E. Narayanan.

(Transicror)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Kavita V. Kamath.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11587/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a tan market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. C-1, Ground Flooi, Bank of India Staff Sheetal Co-op Hos. Soc. Ltd., Sree Ramnagar, Borivli (W), Bombay (and mere fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the company and the segment is register section 269AR of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer the apparent the property as a such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im novable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze te.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here a as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C-1, Ground Floor, Bank of India Staff Sleetal Co-op Housing Society Ltd., Sree Ram Nagar Road, Exivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11587/84-5 on 1-8-1984.

> A. PR / SAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incon e-tax Acquisition Ran ecIV Boinbay

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-4-1985

(1) Mr. K. R. H. Nathan.

(Transferor)

(2) Jaysbree Natwerlal Shah.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/?7FE/11738/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00.000 – and bearing No.

Jeevan Birma Nagar, Borivii (West), Bombay-400 103 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Jeevan Bima Nagar, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11738/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-4-1985

- (1) Mls. Indian Shuttle Co. Pvt. Itd.
- (Transferor)
- (2) Shil J. N. Prajapati.

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11668/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PKASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 2. Ground floor, D-Building, Moti Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Chandavarkar Road, Borivli ('West), Rombay, 92

Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, D-Bldg, Moti Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Chandavarkar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11668/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985

(1) Smt. Shantibai S. Jadbwani.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh K. Kanchan.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Rcf. No. AR.IV/37EE/11689/84-85.--Whereas, I, A. J'RASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. 17-B Shivsagar Apartment, Bldg. No. B 4th Floor, S.V. Road, Borivli (West), Bombay-400 092
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said propage may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

· (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

17-B Shivsagar Apartment, Bldg. No. B 4th Floor, S. V. Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/11689/84-85 on 1-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-4-1985

- (1) M/s. Gavtam Builders (I).
- (2) Mr M C Karra & Others.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-IV ΒΟΜΒΛΥ

Borday, the 11th April 1985

Ref. No. AR IV/37EE/11913/84-85 —Whereas, I. A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No 703, 7th I loor Vishal-I, Chikenwala Lane, Off S V Read Borryli (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred, and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the sability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--90---46GI|85

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respactive parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th Floor, Vishal-I, Bldg Chikenwala Lane, Off; S V Road, Borivle (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EF/11913/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985

(1) Kasim Shabbaz Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Umesh H. Gandhi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11776/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Piece or parcel of land bearing CTS No. 937, 938 & 939 & Survey No. 115 1/8, 115, 1(6) (pt) & 1151 (9) Village Eksar, Taluka Borivli situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; undler

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moseys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957); Piece or parcel of land bearing Survey No. 115 1 8, 1151(6) and 1151 (9) & C.T.S. No. 937, 938 and 939, Village Eksar, Taluka, Borivli.

The agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. ARIV/11776/84-85 on Authority, 1-8-1984.

> A. PRASAE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferenald property by the issue of this notice under appearation (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-4-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11935/84-85.--Whereas I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 13, Sahayadri Building, Sahyadri Co.-op. Hsg. Scty. Ltd. (Proposed), L.T. Road, Borivli (W), Bombay situated at Bombay.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair Bombay on 1-0-150-7, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for, the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shri D. M. Dhheda 2. Shri Prahladray G. Upadhayay

(Transferor)

(2) Sri M. H. Shah 2. Sri Ramesh B. Vanzara

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lated;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 13, Sahayadri Bldg, Sahyadri Co.-op. Hsg. Scty. Ltd., (proposed) L.T. Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11935/83-84 dt 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-4-1985

(1) M/s. Correa Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDE SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs M. A. Quadros

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR-IV, 37EE/11845/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing El-Plaza, Shop No. 8, ground floo, bearing C.T.S. No. 1086, Survey No. 155 I.C. Colony, Borreli (W), Bombay-103. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority
Bombay on 1-8-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesold exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any agencys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same measuring as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

El-plaza, Shop No. 8, Ground floor, bearing C.T.S. Nov-1086, Survey No. 155, t.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV 11845 84-85 on Authority, 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 11-4 1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. A.IV|37-EE|11849|84-85.—Whereas, [,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No 7. Ground Floor, Bldg. No. 1, Opp: Kora Kendra & Gokul Dham, Borivli (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-8-1984.

for an, apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sumer Developments

(Transferor)

(2) Shri Harish Ramji Vora & Others

(Transferce)

(3) Vendoi

(Person in occupation of property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor in Bldg. No. 1, Sumar Nagar, Opp. Kora Kendra & Gokul Dham, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/11849/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-4-1985

(1) M/s. Arihant Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. Vallabhdas Karia & Oths.

(Transferce)

#### GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11526/84-85.--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 1, Ground Floor, Desai & Sheth Nagar, Off S.V. Road, Borivli (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority,
Bombay on I-8-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (') facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Floor, Desai & Sheth Nagar, Off S.V.

Road Near Poisar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/11526/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-TV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1985

# FORM I.T.N.S. -

# (1) Miss Winnic Sequeira

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohan B. Amin

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11566/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A6/16-59 Jolly Jeevan Co-op. Housing Soc. Ltd., Jeevan Bima Nagar, Borivli (West), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority.

Rombay on 1-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.
- · Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

A6/16-59 Jolly Jeevan Co-op Housing Soc.-Ltd., Jeevan Bima Nagar, Borivli (West), Bombay-400 103.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. ARIV/37FE/11566/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sauid Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1985

-<u>---</u> - -----(1) Mt. Arjun V. Kundadiya

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anant V. Vedak & Others

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV|37-EE||1702|84-85.---Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. A/2, Borivli Shyam Co-op Housing Soc. Ltd.,
Shyam Apt., 625|14, Kastur Park, Opp: Raiyanigram,
Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
Rombay on 1-8-1984

Bombay on 1-8-1984,

Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument in transfer with the object of imof transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in . respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Hat No. A/2, Bouvli Shyam Co-Op Housing Soc. Ltd., Shyam Apartment 625|15, Kastur Park, Opp: Raiyanigram, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. ARIV/37EE/11702/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-4-1985 Scal .

(1) Mrs. Shantaben P. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bhagwandas M. Agarwal.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11680/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 408, Shailesh Vihar Co-op. Hos. Soc. Ltd., Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 408, Shailesh Vihar Co-Op. Hsg. Soc. Ltd., Mandpeshwar Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.IV|37EE|11680|84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 91---46GI 85

Date: 11-4-1985

(1) M/s. Nipa Construction,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. N. M. Vora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11747/84-85.—Whereas, I, Λ. PRASAD.

h. PRASAD, being the Computer Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No 204, 2nd Floor, Wing 'B' Paresh Apartment, S. V.P.
Road, Borivli (W. Bombay).
and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

The interpret consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be be that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to be considerable to the property as aforesaid property and I have reason to be considerable to the property as aforesaid property and I have reason to be considerable to the property as aforesaid property and I have reason to be considerable to the property as aforesaid property and I have reason to be considerable to the property as aforesaid property and I have reason to be considerable to the property as aforesaid property and I have reason to be considered to the property as aforesaid property and I have reason to be considered to the property as aforesaid property and I have reason to be considered to the property and I have reason to be considered to the property as a foresaid property and I have reason to be considered to the property as a foresaid property and I have reason to be considered to the property as a foresaid property and I have reason to be considered to the property as a foresaid property and I have reason to be considered to the property as a foresaid property as a fores said exceeds the apparent consideration therefor by then differ per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in uspect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Wing 'B' Paresh Apt., S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11747/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Вошьау

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ne sons, namely:—

Date : 11-4-1985 Scal :

FORM ITNS ---

(1) M/s. Nipa Construction,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mr. H. Bhavanidas Gandhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11746/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tair Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, 1st Floor, Wing B, Paresh Apartment, S.V.P. Road, Borivii (West), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Azt, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ' respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st Floor, Wing 'B' Paresh Apartment, S.V.P. Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/1746/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-4-1985

(1) Shri Balkrishna U, Kaup,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|11693|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement of the section Rs. able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Lane, Borlvli (West), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Mrs. Meena D. Kapadia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic.al Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401, A Wing, Shroff Apartment, 4th Floor, Sodawala Lane, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11693/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-4-1985

(1) M/s. Param Anand Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinod Narandas Darii.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11733/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 76, 3rd Floor, Bldg. 8, 9, 10 at Rattan Nagar, Scheme Borivli (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Plat No. 76, 3rd Floor, Bldg. No. 8, 9, 10 Rattan Nagar Scheme, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Comretent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11733/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range . . . Bumeay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1985

#### FORM ITNS ----

(1) M/s, M. J. Ganatra & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. Santhanam & Smt. M. Santhanam.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

> Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11699/84 85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A-101, Lucky Star Apt., 1st Floor, Near Shanti Ashram, Eksar, Borivli (West), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold leature. between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-101, 1st Floor, Lucky Star Apartment, Near Shanti Ashram, Borivli (West), Eksar, Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11699/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV.

Now, therefore, in paramance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing mercous, namely :--

Date: 11-4-1985

(1) M/s. Sadanand Maharaj Con. Co.

may be made in writing to the undersigned : -

(Transferor)

(2) Mr. Arvind R. Kulkarni & Others,

(Transferee)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11834/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property having a fair market value 'xceedin gRs. 1,00,000/, and bearing No. Flat No 407, Kamalakar Bhuvan, Eksar Village, Eksar Road, Borivli (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule appears beautical)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reducion or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said ast, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment o fany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Inlian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 407, Kamalakar Bhuvan, Eksar Village, Eksar Rd. Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11834/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D 6° the said Act, to the following persons namely —

Date: 11-4-1985

Seel -

(1) Mr. H. Ali Abdul Majid.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. Nagesh Kalgutkar.

(Transferett)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985,

Ref. No. ARIV\_37EE/11595/84 85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Flat No. 3, 2nd Floor, Jai Gurudev Bhavan Eksar Road,

Borivli (W), Bombay.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3m 2nd floor, Jai Gurudev Bhavan, Eksar Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11595/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Author'ty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 11-4-1985

Setl:

FORM 'ITNS-----

(1) Smt. Vithabai Ganshyam Singade.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Padmaben Jamanadas Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

ARIV/37EE/11802/84-85,---Whereas, I, Ref. No. A A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and/or

and bearing
Flat No. 23, Punit Nagar Co. op. Hsg. Soc. Ltd. Bldg. No. 2,
S. V. Road, Bombay-99,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

section 209AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 92-46GI|85

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 23, Ground floor, Building No. 2, Punit Nagar, Swami Vivek anand Road, Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/11802/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-4-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Saket C. Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gopalkrishan Dayasingh Vora.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No.: ARIV/37EE/11602/84-85.--Whereas, I, Λ. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Sunder Darshan, S. V. Road, Borryli (W),

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the energy and the property are foresaid exceeds the energy and the property are foresaid exceeds the energy are sensitive that the fair market value of the property are foresaid exceeds the energy are sensitive to the property are sensitive to the property and the property are sensitive to the property are sens aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor -

Flat No. 8, 3rd Floor, Sunder Darshan, S. V. Road, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11602/84-85 on 1-8-1984,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 11-4-1985

Seal;

(1) M/s. Gautam Builders (?).

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. R. Singaia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11501/84 85.—Whereas, I, PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Hat No 401, 4th Floor, Vishal II Bldg. S. V. Road, By Lanc, Borivii (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered undo section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in . respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 401, 4th Floor, Vishal (I) Bldg S. V. Road, Borivlį (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/371E/11501/84-85 On 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Rombay

Date: 11-4-1985

(1) Smt. Sudba, W/o Krishna Kant Shah and Ors.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11534/84-85.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 5th Floor, Parasitath Apartment, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-400 092. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(2) Mr. Maeshkumar Dhanraj Shah and Oths.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or ap period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 501, Parasnath Apt., 5th Floor, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11534/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date , 11-4-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Sarita Anand Nene Others.

(Transferor)

(2) Mr. R. G. Malkar.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11741/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing
Flat No. 302-A, 3rd Floor, Viishabhavilla Plot No. 134/6.
Rokadua Lane, Cross Lane, Eksar Village, Borivli (W),
Rombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay of 1-8-1984

the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302-A, 3rd Floor, Vrishabhavilla, Rokadua Lane Cross Lane, Eksar, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/371 F/11741/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 11-4-1985

(1) Shri Ramesh K. Kanchan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mi. Narayan Subiamaniam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985 .

Ref. No. ARIV/37EE/11507/84 85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 16-A, 3rd Floor, Bornyl, Shiveagar Co op Housing Soc. Ltd. Ram Bag, S. V. Road, Borivli (W), Bombay, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 16-A, 3rd Floor, Borivli Shivsagar Co-Op. Hos. Soc. Ltd., Ram Bag. S V. Road, Do ivil (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11507/84-85 on 1-8-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby in tiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perions, namely:—

Date: 11-4-1985

Soal :

PORM ITNS---

(1) Miss H. G. Natha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. A. Maradia & Othors.

(Transfer.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. Nos ARIV/37EE/11597/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 401, 4th floor, A Wing, Nirmal Sagar, Devidas Lane S. V. P Road, Borivli (West), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid accords the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
   45 days from the date of publication of this notice
   in the Official Gazette or a period of 30 days from
   the service of notice on the respective persons,
   whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, A Wing, Nirmal Sagar, Devidas Lane, S. V. P. Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/11597/84-85 Dt. 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1985,

(1) M/s. Correa Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. B. Kunder,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No ARIV/37EE/11847/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereicafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 9, El Plaza, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annual bereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which could to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:— The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 9, El Plaza, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11847/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 11-4-1985,

The second secon

#### FORM ITNS----(1) Mr. Ramaya Thimaya Shetty.

(Transferor)

#### (2) Mr. Shekar Chennappa Salian,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37I F/11787/84-85.--Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the leamovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing

Shop No 6, Parekh Society, Shastri Nagar, S V Road, Borrele (West), Bombay-400 092.

(and more fully described in the Schedule annexed is reto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. i.. respect of any success arising from the transfer; and for
- (h) facilitating the concealment of any income or agree moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian I or metax A.c., 1872 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--93-46GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6. Parekh Society, Shastri Nagar, S. V. Road Brivili (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37FE/11787/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ter Acquisition Range-IV Bombay

Jane . 11-4-1985

#### FORM ITNS

(1) M/s. Rajnikant Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s La'Built Corporation.

(fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11865/84-85 -Whereas, T, A. PRASAD,

A. RASSO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fau market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Property lying and being at Village Eksar, Borivli (West), Bombay bearing S. No. 2, Hissa No. 1 (Part) & CTS No.

2110 (Part). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between 'ho parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said her in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1927 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the audication of this notice in the Official Gazetta

FXPLANATION:—The terms and expensions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property lying and being at Village Eksar, Hissa No. 1, (P) & C T. S. No. 2110 (Part) S. No. 2, Botivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11865/84-85 on 1-8-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely:-

Date: 11-4-1985.

(1) M/s. Mamta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lalmani L. Tiwari.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11603/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasone to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 6, S. V. P. Road, Survey No. 168, 200 & 271 CM
No. 1403(1) to (5) Borivli (E), Bombay-400 066.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said proper's may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, while persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Survey No. 168, 200 & 271, CTS No. 1403 (1) to (5) S.V.P. Road, Borivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Amhority, Bombay under No. ARIV/37EE/11603/84-85 on 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985.

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Zaverban Chapsibhai Gogri.

\_\_\_\_\_ (Transferor)

(2) Mrs. Jhaverben P. Shah & Another.

(Transferec)

(3) Mis. Z. C. Gogii.

(Person in occupation of property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11757/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 1, Kusum Building, D. H. Desai Road

Colony, Dahisar (E), Bombay-68.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 24-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall neve the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1, Kusum Building, D. H. Desai Road, Maratha Colony, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/11757/84-85 on 24-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985.

FORM ITNS----

(1) Spaces Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Sulochna I. K.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11957/84-85.--Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Shop No Al-A2/13, Anand Nagar, Chhatrapati Shivaji Road Dahisar (East), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at his been transferred and the agreement is registered under Bombay on 28-8-1984. for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

ExPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Shop No. A1-A2/13, Anand Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11957/84-85 on 28-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax . Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1985.

FORM ITNS----

(1) M/s. Smita Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shashikant N. Mhatre and Sushama S. Mhatre.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

kef. No. ARIV/37EE/11650/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 102, 1st floor, Arun Appartment, Narayanrao Mhatre Road, Dahisar (West), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unidersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person legerested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Ist floor, Arun Apartment, Narayanrad Mhatre Road, Dahisar (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11650/84-85 on 18-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-4-1985.

(1) Shri Prabodhbhai J. Muchala.

('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- I TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dipak A. Desai & Anr.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Person in occupation of property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11550/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 100 0000/ property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. E/9, 4th floor, New Hill Park Co-op. Housing Society Ltd., Behind Nandanvan, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'ransfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Flat No. E/9, 4th floor, New Hill Park Co-op. Housing Society Ltd., Behind Nandanvan, S. V. Road, Dahisar (East), Bombay-68,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11550/84-85 on 10-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1985.

(1) 1. Dhanji Ramji Savla, Indulal R. Shah, and V. P. Dalvi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Suketu Kishora Motla and 2. Smt. S. K. Motla.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11665/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the tamovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 206, 207, 208 & 209 in Guru Prasad Bldg. at Junction of Vasanji Lalji Road & Dalvi Road, Kandivli (W), Rombay-67

Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984

for, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffees per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between me parties less not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sed /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Room No. 206, 207, 208 & 209 in Guru Prasad Bldg at Junction of Vasanji Lalji Road & Dalvi Road, Kandivli (W), Bombay-67,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11565/84-85 on 10-8-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1985.

(1) M/s. Verdhman Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala Haresh Bhatia & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11548/84-85.—Whereas as, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 29, 2nd floor, Vardhman Kutir, B. Wing, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore eald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has nor been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followbag persona. namely:--94--46GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined if Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Flat No. 28, 2nd floor, Vardhman Kutir, B-Wing, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11548/84-85 on 10-8-1985.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985.

FORM I.T.N.S.

Mankoo Builders & Constructors.

(Transferor)

(2) Smt. Varsha P. Shah and Pinakin K. Shah.

(Transferce

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### · GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Rcf. No. ARIV/37EE/11744/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat'No. 504, 5th floor, Gyan Darshan C.T.S. No. 328 Village Malad, S.V.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984.

of transfer with the object of :-

Bombay on 24-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor, Gyan Darshan Bldg., Plot bearing C.T.S. No. 328 Village Malad, at S.V.P. Road, Kandivli (W) Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11744/84-85 on 24-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1985.

FORM NO. I.T.N.S.----

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Teli Urmilaben Popatlal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11772/84-85.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Floresty, flaving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 39, 3rd floor, Shivam Bidg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivil (W), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: which ought to be disclosed by the transferes for and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulsh-ta: Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 39, 3rd floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11772/84-85 on 25-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :-

Dato: 11-4-1985

(1) Smt. Prabhavanti N. Sanghavi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durlabhji Nanji Palan, Smt. V. D. Palan.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11512/84-85.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the

In as the said ACC), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating Block No. 5, Uday Apartments, 2nd floor, Kamla Nehru Ciess Road No. 2, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984.

Bombay on 6-8-1984.

ASA / OF

for an apparent consideration which is less than the fair market ratue of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) fasilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor, to pay tax under the said Act, in

b) fa dilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Block No. 5, Uday Apartments, 2nd floor, Kamla Nehru Cross Road, No. 2, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/11512/84-85 on 6-8-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby imitate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-4-1985

#### FORM ITNS-

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jitendra Mohanlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11771/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the language for market value exceeding immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 23, 2nd floor, Shivam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug, Kandivil (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on on 25-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 28, 2nd floor Shiam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivil (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV|37EE|11771|84-85 on Authority, 25-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:—

Date: 11-4-1985

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. G. Shah and Shri Rajesh C. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 11th April 1985

Rcf. No. AR-IV/37EE/11857/83-84.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 41, 3rd floor, Shivam Building S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Flat No. 41, 3rd floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|11857-83-84 dt. 4-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-4-1985

(1) Mr. Dilip N. Vaswani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Newtronic Equipment Co.

be made in writing to the undersigned);

Objections, if any, to the acquisition of said property may

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11894/84-85,---Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 21, ground floor D-Wing, Bonaza Industrial Estate,

Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 10-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Unit No. 21, ground floor, D-Wing, Bonaza Industrial Estate Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E), Bombay.

The agrement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/11894/84-85 October 10-8-1984.

> A, PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 11-4-1985.

(1) M/s. Vardhman Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Naregh Kumar Keshavlal Soni.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11549/83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 5, ground floor, Vardhman Kutir, Shankar Lane, Kandivh (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 10-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Vardhman Kutir, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/11549/83-84 on the Competent 10-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 11-4-1985.

#### FORM I.T.N.S .--

(1) M/s, Ashish Constructions

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Manshkhlal. S. Shah & Mrs. Damyantiben M. Shah.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGF-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. ARIV/37-EE/11611/84-85.—Whoreas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-jax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and

No. Flat No. 5, 2nd floor G. K. Nagar Bldg. No 1, Shankar Lene, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income crising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followign persons, namely:—
95—46GI[85]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

. Flat No. 5, 2nd koor, G. K. Nagar, Bldg. No. 1, Shankar Lane. Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/11611/on 14-8-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Dated: 12-4-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shr. & Smt. Y. K. Vanza

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. & Mrs, J. H. Mehta

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY** 

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11484/83-84.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat at Bhoi Pankaj Building Kamal Apartment Shankar I ane, Kandivli (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax 1961 in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Viteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat at Bhoi Pankaj Building, Kamal Apartment, Shankar Luac, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. ARIV/37-EE/11484/83-84 date 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated: 12-4-1985

- ---

#### FORM ITNS

(1) M/s. R. D. Ghelani Family Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishorbhai, G. Doshi

(Transfere:)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April1983

Ref. ARIV/37-EE/11824/84-85.-Wherea,s I,

A. PRASAD, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

shop No. 7, Dattani Apartment No. 4, Parekh Nagar S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent

Authority, at
Bombay on 28-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the seld instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Dattani Apartment No. 4, Parekh Nagar S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/11824/dated 28-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12-4-1985

Seal ·

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt Prabhavati Nagindas Sanghavi

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Naiendra Pranjivandas Vora

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1V BOMBAY

Bombay, the 12th April1985

Ref. AR-IV/37-EE/11933/84-85.—Whereas, I,

Rel. AR-1V/3/-EE/11933/04-03.—Whereas, 1, A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, Uday Apartment, Plot No. 37 Sanghavi Private Schame & Rearing Survey No. 86 Poisar, Kandivii (West).

Scheme & Bearing Survey No. 86 Poisar, Kandivii (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Comeptent Authority,

at Bombay on 2-7-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, Uday Apartment, Plot No. 37 Sanghavi Private Scheme & bearing Survey No. 86 (Part) & Survey No. 86 Hissa No. 1 & 2 (Part), Poisar Kandivali (West).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11933/84-85 on 25-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12-4-1985

(1) Sevaram Gangaram Jaggar

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jitendra Vazantrai Mehta

(Transferee).

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE 'INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th April 1985

Rci. AR-IV/37EE/11941/84-85.---Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, Swami Kripa, M.G.X Road, No 3, Kandivali (West), Bombay (and more fully described in the schedule annexed here.o), has been transferred.

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority Bombay on 25-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair macket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No 15, Swami Kripa, M.G.X Road, No. 3, Kandivall (W), Bombay-400 067

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11941/84-85 on 25-

> A. PŘÁSAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 12-4-1985

(1) Smt. Rasila Ramesh Vora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref: AR-IV/37EE./11951/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. J/25, Mahavir Nagar Co-operative Housing Society Limited, Dhanukarwadi, Kandivali (West), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 27-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Shirish H. Randeria

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. J/25, Mahavir Nagar Co-operative Housing Society Limited, Dhanukarwadi, Kandivili (West), Bombay-400-AJ-28uen uoinsinboy 067.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/11951/84-85 on 27-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Dated · 12 4-1985

(1) Sitaben R. Joshi

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Daylji B. Naik

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. AR-IV/37EE./11920/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No 35-B, 3rd Floor, Dattani Apartment, 4, Parckh Nagar, S.V. Road, Kandivli (West), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 25-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discloud by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Flat No. 35-B, 3rd Floor, Dattani Apartment No. 4, S.V. Road, Parekh Nagar, Kandivli (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/11920/84-85 on 25-8-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the saud Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :-

Dated: 12-4-1985

(1) M/s. Excel Builders

(Transferor)

(2) Mr. Jatin Trambaklal Mehta & Mrs Jyoti Mehta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|11607|84-85.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 44, 4th floor, Shiv Darshan Bldg at S.V.P. Road (opp. Municipal Garden) Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Bombay on 14-8-1984

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 44, 4th floor, Shiv Darshan Bldg, at S.V.P. Road (opp. Municipal garden), Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/11607 on 14-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-4-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) 1. Chandravadan A. Parekh 2. Smt. Mangalgouri A. Parekh

(Transferor)

(2) 1 Vrijlal D. Oza 2. Babulal D. Oza

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. ARIV/37-EE/11674/84-85.--Whereas, I A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 45, C-Wing, Kandivli Krishna Kripa Co. operative
Housing Society Ltd Shankar Lanc, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority
Bembay on 18-8-1984

The an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plat No. 45, C-Wing, Kandivli Krishnakrina Co-operative Housing Sety Ltd, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/11674 on 18-8-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following 76-46GI|85

Dated: 12-4-1985

(1) M/s. Shree Ramkrishna Shikshan Mandal (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dattani Constructions

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12fh April 1985

Ref. AR-IV/37EE./11477/84-85.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Portion of land North side of M.G. Road, Kandivli (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Portion of land at North side of M.G. Road Kandivli (West), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent

Authority Bombay under No. AR-IV/11477/84-85 on 1-8-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian' Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

Dated; 12 4-1985

#### FORM ITNS.

(1) Mr. M. D. Ganatra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. Avantikumar M. Doshi & Ors.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref No AR.III/37-EE/11728/84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovi able property having a fair market value exceeding Rs.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 5, "Peace" Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Ground Fl.
Shantilal Modi Road, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority
Rombay on 22-8-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptor.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in arising from the ect of may uncome and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground Fl. "Peace" Co. op. Hsg. Sct. Ltd., Ground Fl. Shantilal Modi Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11728/83-84 dated 22-8-1984.

> A. PRASAD Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the st Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowng persons, menty 1---

Dated: 12-4-1985

Scal ::

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. D. M. Dave 2. Smt. G. N. Dave 3, Smt. Maneklal K. Dave 4. Manubhai Maneklal Dave.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Keshiprasad Ringahia

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. ARIV/37G/78/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Structurer bearing CTS No. 41 & 41/1 to 11 on plot of land bearing Survey No. 4 Hissa No. 1 & 5 vilylage Kanheri. Taluka Borivh, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 566/ 81 registered on 3-8-84 with sub-registrar, Bombay.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

Dated: 12-4-1985

----

FORM ITNS

(1) Bhaskar Bala Bhandari & Ors.

(2) Bank of India Staff Jay Kamashi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Co-op. Hsq. Society Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th April 1985

Ref. No. ARIV/64/37-G/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinater referred to as I. San. Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. No. 258 B.S. No. 38, Hissa No. 1 (flpart) village Bori-

vli, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 16-8-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (Pr of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lummovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1509 and registered on 16-8-84 with Sub-Registrar, Bombay.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-4-1985

(1) Smt Promila Verma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Raj Mahendra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No AR.IV/37.EE/11476/84-85,---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing
Shoo Np. 112, ground floor, Jeevan Bima Nagar Shopping
Centre, S.V.P. Road Borivli (W), Bombay-103
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961) in the office of the Competent Authrity

Bombay on 1-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning mas given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 112, ground floor, Jeevan Bima Nagar Shopping Centre. S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay 103

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.IV/37EE/11476/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Dated: 12-4-1985

FORM ITNS-

(1) Machindra D. Mhatre & Ors.

(Transferor)

(2) Om Prakash Kapoor

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref No. AR III/37-G/2570/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No land at Village Erangia Taluka Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule amnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

No land at Village Erangia Taluka Borivi, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 22-8-1984

Bombay on 22-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stattd in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising (man the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

\_\_\_\_

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay vide serial No. AR-III/37-G/S.481/83-84 dated 22-8-1984,

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, marefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :10-4-1985

(1) Smt. Indira Jankiram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kastur Lalji Furia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11691/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 15 5th fl. Mahavir Kunj 26, Garodia Nagar, Ghat-

kopar (E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 15, 5th fl. Mahavir Kunj, 26 Garodia Nagar Ghatkopar(E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11691/83-84 dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this, notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Dated: 12-4-1985

(1) Mrs. S. R. Nayak

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. R. Bhatia.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No AR.III/37.EE/11690/84-85.--Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 17, Shital Park, Bldg. Garodia Nagar Ghatkopar,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Вольыу он 1-4 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17, Shital Park Bldg. Garodia Nagar Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11690/83-84 dated 1-4-1984.

> A. PRASA Competent Authorit, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Rombay

Dated 12-4-1985 Seal ?

(1) M/s Parul Enterprises

' (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Bashu S. Imam

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ВОМВАУ

Bombay, the 12th April1985

Ref. No. AR, III/37.EE/11644/84-85,-Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1. 5th fl. A-Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park LBS. Marg, Ghatkopar(W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority

Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for, the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor, A-Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competen Authority, Bombay vide serial No. AR-III 37EE 1644 84-85 dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dated · 12-4-1985

#### FORM NO. ITNS ...

(1) Smt. B. J. Doshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. J. Frnandes

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11643/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 10th fl. C-Wing, Damodar Park, L'B.S. Marg, Ghatkopar (E), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said ort, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 10th fl. C-Wing Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (E), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11643/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-4-1985

(1) M/s. Deepak Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. A. Yasin & Ors.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11607/84-85.-Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 4th fl. Bldg. No. 19, Kapadia Nagar, CST Rd.

Kurla (W), Bombay-70 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th fl. Bldg. No. 19, Kapadia Nagar, CST Road Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11607/83-84 dated 1-8-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

Date: 12-4-1985

#### (1) Shri R. G. Deliwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. P. Lakhani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985.

Ref. No. AR. III/37-EE/11596/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 1, Siddhi Apartment, Plot No. C/74/1, Carnacel
Lone, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-8-1984

Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gafiette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 1, Siddhi Apartments, Plot No. C/74/1, Carnac Lane, Ghatkopar (W), Bombay-86

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11596/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-4-1985

### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri N. R. Joshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. M. Bhanushali

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/13011/84-85.—Whereas, I. A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'shid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and Learing No.
Flat No. 40, Plot No. 65, New Vasant Apartments C.H.S.L. Garodia Nagai, Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the jarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days period . from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 40, Plot No. 65, New Vasant Apartment, C.H.-S.L. Garodia Nagar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/13401/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-4-1985

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. R. Mohd. Jaffar Mullaji

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/12083/84-85.-Whereas, L.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. I, Bldg. No. 16, Kapadia Nagar CST Road, Kurla West, Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. 16 Kapadia Nagar, CST Road, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/12083/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-4-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

(1) Shri K. K. Narayanan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. S. Shah

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/11881/84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 21, 3rd fl. B-Wing 'Varsha' Plot No. 17, Garodia Nagar, Vallabh Baug Lane (Extn.) Ghatkopar (E), Rombay.77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 21, 3rd fl. B-Wing 'Varsha' Plot No. 17, Garedia Nagar, Vallabh Baug Lane (Extn.) Ghatkopar (E), Bombay-

The agreement has been sistered with the Competite Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/11847/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-4-1985